॥भक्त०॥ खलबलखंडणहार ॥ जयभोमीउतारणभार ॥ जयदुष्टनेनदंडधार ॥ जयनीजजनकाजकधार ॥७॥ जयअ प्र०६॥
॥१०॥ कलबलअघविनासी ॥ जयपिंडब्रह्मांडप्रकासी ॥ जयकालतणामहाकाल ॥ जयभुपतीपतिभुपाल ॥८॥ ज
यमाछुदमोहणमोन ॥ जयभक्तवछलभगवांन ॥ जयअक्षरधांमनिधिकोधि ॥ जयसर्वतणातमेस्वामी ॥९॥
जयअवतारनाअवतारि ॥ मछकछवाराहमोराधि ॥ जयनरहरिवांमननाथ ॥ जयपरसुरांमरघुनाथ ॥
१०॥ जयहलधरकृष्णकृपालु ॥ जयबुद्धकलंकीदयालु ॥ जयअनेकधरअवतार ॥ जयअकलसर्वआधा
र ॥११॥ रावांअनेकधरिज्ञाशिर ॥ बेसोवडतलेवेडविर ॥ रहोतापसवेस्रोद्भमेश्र ॥ जटामुकुटसकंदरशिस
१२॥ ईडकमंडलुनेमृगछाला ॥ ऊर्ध्वपुंड्रनेअक्षनीमाला ॥ उपवितपुनितनेधारि ॥ मद्दाभाग्येवेतब्रह्मचारि
१३॥ रूपसागरशांतस्वरूप ॥ दयालदिनबंधुअनुप ॥ जयनीजजनकरदाता ॥ जयनरनारायणभ्राता
१४॥ जयअछेदअभेदअनंती ॥ जयबलअकलमुरति ॥ जयतेजअखंतमहंत ॥ जयअजरअमरअनंत ॥१५॥
जयगुणसागरगोविंद ॥ जयसुंदरश्यांमसुखकंद ॥ जयदासनापासविनास ॥ जयअमापकअविनास ॥१६॥
जयनीजजनजीवनप्रांण ॥ जयमहासुखरूपमेरांण ॥ मलीमुनीकरेउचार ॥ स्तुतीरयोमांजयजयकार
१७॥ एमस्तुतीकरीमुनीवृंद ॥ निर्खिनाथनेपांम्याआनंद ॥ करीअलवनदंडवतप्रणांम ॥ पुछिकरिहेयानिते ॥१०॥

हांम ॥१८॥ पछेहाथजोडिबेठापास ॥ पर्मअंतरहर्षितजास ॥ श्रीनारायणकृपाकरिरे ॥ स्तुतिअंतरमांथे
उतरि ॥१९॥ दिठुंअक्षरधांमअलोकि ॥ पांम्यारूपतेहनेविलोकि ॥ दिठोतेजतणोसांअंबार ॥ तेहमध्ये
सीहासनसार ॥२०॥ तिपांबेठादिठावृषनांमी ॥ जेहअक्षरधामनाधांमी ॥ अतीसुंदरमुरतिसारि ॥ सो
भाधोमसोमसरूपकारि ॥२१॥ तेनेनिर्खिनेपांम्याआनंद ॥ फुल्याजेमकुमोदनिचंद ॥ पछेवालुजोयुंआवि
चारे ॥ दिठितेनितेमुरतिसारे ॥२२॥ जेवाअक्षरधाममांदिठा ॥ तेवादीठासनमुखबेठा ॥ तेतोनारायणगु
रुछेकृष्ण ॥ रामानंदकोइअचरस ॥२३॥ पछेपायेलागाजोडिहाथ ॥ तारेमधुरिवांणेबोल्यानाथ ॥ हेमुनी
याभलेआव्यातमे ॥ तमनेजोइराजीथयाअमे ॥२४॥ तमारीदरशननेकाज ॥ अमेरह्यातातामुनिराज ॥
मलबुंतमारुंदुर्लभमुने ॥ पापनहितेथयोहेमुने ॥२५॥ गोलोकादिधांमकेपेजेह ॥ योगसिद्धिमुंकावे
छेतेह ॥ तेथीवालामुनीतमेवत्र ॥ सनेमोनजीवातेरसत्र ॥२६॥ वलीशिवब्रह्मादिकदेव ॥ आपेवलीदा
नकरेसेव ॥ एहतेहमुजनेछेप्यारा ॥ पणतमेछोआतमामारा ॥२७॥ तमेअह्होनीसचितवोछोमुने ॥ ज्ञा
नवोछेतारोछोजीवुने ॥ जपतपनेजोगजगांन ॥ व्रतादिकविज्ञांजेहपुन्य ॥२८॥ तेहसर्वमलीजेहकावे ॥
तेनातोगनमाअंशमांनावे ॥ माटेएनुंनामअभेदांन ॥ विज्ञानावेतेएनेसमांन ॥२९॥ माटेपरमार्थिंजाणुं

॥भक्त० अमे ॥ मारा कहे नक्की जीतमे ॥ माटे तम जेवा कोये नथी ॥ घणुं शुं कैये मुनि मुखथी ॥ ३० ॥ कहुं सांभळो प० ६॥
॥११॥ सउ कहुं ज्ञाण ॥ एम बोल्या नारायण वाण ॥ अति आवर्द हेत मन आणी ॥ बोल्या कृपाये कमळनेण ॥ ३१
पछे मुनि बोल्या करि स्तुति ॥ धन्य धन्य प्रभु प्राणपति ॥ धन्य नरवीर अवतार ॥ बहु जीवनो करवो उधा
र ॥ ३२ ॥ धन्य धर्म पुरणचंद्र ॥ निज जनने देवा आनंद ॥ धन्य दिनबंधु भगवान ॥ माहा दुष्टनुं मोडण
मान ॥ ३३ ॥ धन्य नरनारायण नाथ ॥ तेनो ज्ञाण छे विरला विवेक ॥ धन्य अकळ कळा तमारि ॥ वेद वदे धवनी व
चारि ॥ ३४ ॥ धन्य सर्व जंनसुखकारि ॥ दिन जंनतणा दुःखहारि ॥ सर्व जीवनी करवा सार ॥ तमे धर्यो आ धाम
मोझार ॥ ३५ ॥ हवे नाथ कैये छैये तमने ॥ केवुं घटे ते कैजो अमने ॥ एम करि जोड्या हाथ जाजे ॥ मुनी प्रमे बोल्या प्र
भुतारे ॥ ३६ ॥ मुनि तमे त्रिलोकने मांये ॥ आवो जा आ तो ते अमपर छाये ॥ हमणां कैलाश लोकमांथी आव्या ॥ तेनि
मे मेर वरताव्या ॥ ३७ ॥ तारे मुनि बोल्या जोडि हाथ ॥ आव्या भूतळे जोइ नाथ ॥ तारे नारायण कहे कृपी ॥
सर्वे मारि पर ज्ञाण छे खुसी ॥ ३८ ॥ चारे वर्णने चारे आश्रम ॥ सउ वर्ते छे पोताने धर्म ॥ भक्ती धर्म ज्ञान वैराग ॥ ए
ह्य परस्केवो अनुराग ॥ ३९ ॥ जेम हो पते म कहो मुनि ॥ भरतखंड नाम नुष्य सउनी ॥ एवां सुणि प्रभुजीनां वे
ण ॥ सर्वे कृषीये हा ठीयां नेण ॥ ४० ॥ आवो मय जोनि रभराय ॥ अती सोक व्याप्यो उरमांय ॥ पर ग्रह गद कं ॥११॥

ठे गिरा ॥ पछे बोली पाछे रही धीर ॥ ४१ ॥ कहणो नर नारायण भ्रात ॥ एनि अमे न केवा पेवात ॥ चारे वर्णने आरे
आश्रम ॥ तेणो त्यागी दिधा नीज धर्म ॥ ४२ ॥ असत गुरु ये प्रवर्तावि ॥ दिधो अधर्म धर्म केरावि ॥ राजा उन्म
त थईने अपार ॥ करशे सत धर्मनो संहार ॥ ४३ ॥ आपे पाप करे अणाले ते ॥ एम प्रजा करे देखादेखे ॥ नरनारीने म
मोटन थी ॥ कैये तेने सुं शरे सके कृपी ॥ ४४ ॥ एने जोई अमे मुनिराज ॥ दुखी थया थी पाछे ये मा रज ॥ एम कहने कर जु
डे ॥ कहुं सांभरजो सउ जन ॥ ४५ ॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुळानंदमुनि
विरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये मुनिस्तुतिनामछठुं प्रकरणं ॥ ६ ॥ पुर्वछायो ॥ एवुं श्रवणे सांभळी ॥ नर
विरे करयो विचार ॥ एह पापने टाळवा ॥ मारे निश्चे लेवो अवतार ॥ १ ॥ कृपी तमे राजी रहो ॥ अधर्म करीसउ था
प ॥ कृषी करीसु सउ सेतने ॥ तमे परहरशे परिताप ॥ २ ॥ एम करे नरवीर कृपी ॥ गाल्यो आश्रम ॥ ते ह सम सेनी
ज स्थान थी ॥ आवी थया मुर्तिने धर्म ॥ ३ ॥ तेने देवीने उपाया ॥ सर्वे कृपीना राषदाननर ॥ ईश्वर गणाय क
रि ॥ करे स्तुती जोडि सउ कर ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ जोई धर्मने मुरति दोय ॥ तेणी आनंदी या सउ कोये ॥ करे सत्य म
यतनु गां ति ॥ सदं पुनम सत्रीसम कांति ॥ ५ ॥ केवे कंज तुळसिनी माळ ॥ पीळी जटानो मुगट विशाळ ॥ नव
निरजस मदे पनेण ॥ अती शांती दान सुपदेण ॥ ६ ॥ पैर्यां श्वेतां बरे तन जोभे ॥ जोई जंन तणां मन लोभे ॥ सोभे

॥ भक्त० सकंदरंरेरखावेहाथे॥ पेरिस्येतउपवितनाथे॥ ७ ॥ एवाधर्मध रमपावंन॥ तेनुं मुनिकरेछेस्तवंन॥ धन्यधर्ममहि प० ३॥
॥ १२ ॥ मातमारो॥ सर्वलोकमांकजसमसारो॥ ८ ॥ हरिहरब्रह्मामनभावो॥ तमेसर्वेनाश्रुषणाकावो॥ सकरमेवेंनेवली
धंड॥ मनुकस्यपनेरविचंद॥ ९ ॥ कोयमगानीनमेकेतमने॥ सर्वेमुनिनेवालाछोमने॥ जोषमारदानेगणपती
तमेमनउनेवालाछोअति॥ १० ॥ वायुवहनीनेवलीवारि॥ तेमुजादानलोपेतमारि॥ सनतकुमीसतीपतीब्रत
सनकादिकतमनेसेवता॥ ११ ॥ योगिजतीतपिनपसाधे॥ तेतोसर्वेतमनेआराधे॥ यहीवांनप्रस्थनेसंन्यासि
ब्रह्मचारितमाराउपासी॥ १२ ॥ द्विजक्षत्रीनेवैश्यजे॥ शूद्रतेपणतमनेनतजे॥ पशुपंखीपनंगनरनारि॥ स
र्वेरियाछेतमनेधारि॥ १३ ॥ तमनेनवेदेवेदच्यार॥ षटशास्त्रपुराणअढार॥ कोपनकरेतमारोउथाप॥ महा
मोटोतमारोप्रताप॥ १४ ॥ तमनेतजीकरेजेजेकाज॥ तेतोभूषणयावानोसमाज॥ तमनेतजीभजेजेदेव॥ तेतोतें
निर्ह्लेनीस्फलसेव॥ १५ ॥ तमनेतजीभजेभगवान॥ तोपनेटलुंजाणवुंआंन॥ एविमोरिछेतमारिलाज॥ सु
र्वेलोकमांतमारुंराज॥ १६ ॥ प्रभुप्रसन्नकरवांनसारु॥ सउकरेसेवनतमारु॥ वलीआलोकपरलोकमांय॥ सु
खियावासेवेछेसदाय॥ १७ ॥ जेजेरूपथीथायाछेकोय॥ तेतोधर्मवीनानिश्चेनोय॥ मारेमकेकेपेसुखेमेमाय॥
तमनोसनविलोकमांय॥ १८ ॥ एमकरिनेप्रसंसावरु॥ पछेआसनेवेगछेसरु॥ सर्वेनाराधणासांभुजोम॥ सोवे ॥ १२ ॥

चितनिहतिपणोम॥ १९ ॥ धर्ममुर्तिनेनरमुनि॥ प्रभुसांभीछेउसीसरुनी॥ पछेनारायणपद्मनेरा॥ बोल्याअमृत
सरियांवेरा॥ २० ॥ भलेआव्यातमेमागतात॥ भलेआवियांमुरतीमात॥ पयुंआजपवित्रआश्रम॥ तमेपधारयां
सुरतीधर्म॥ २१ ॥ पणाआकृपीआव्याछेमली॥ तेनिवारतानीयोसांभली॥ स्वर्गमृत्युलोकनेपाताल॥ तेमांविच
रेछेरादयाल॥ २२ ॥ हमणांभरतखंडमांपीआव्या॥ सर्वेप्रजानीखबरलाव्या॥ केछेअतिवाधीछेअधर्म॥ भृष्ट
थीयांछेवर्णाआश्रम॥ २३ ॥ राजापरजातजीसमरिती॥ आपस्वारथेकरेछेअनीति॥ मागिगृहीतजीनिजधर्म
विषेसारुकरेछेविक्रम॥ २४ ॥ नरनारुअपारछेकांमी॥ करेगोत्रमांगमनहरांमी॥ नथीधर्ममांमतीकोइनि॥
एवीखबरलाव्याछेआमुनि॥ २५ ॥ प्रभुवातकरेछेरारिते॥ सउसांभलेछेएकचीते॥ श्रवणानयणानथीविजेर
कोंम॥ सोसांछेप्रभुमांपोवार्मे॥ २६ ॥ एवेसमेकैलासेथीकोधि॥ आव्यादुरवासादुरबुद्धि॥ तेनिनथीकोयनेपव
ला॥ उन्नायरेशियाघडिभर॥ २७ ॥ पछेदुरवासादुखाणाघणुं॥ नथियुंमनमांनपोतातणुं॥ तारेहैयामांवात
विचारि॥ आतोसर्वेदिठाछेदंकारि॥ २८ ॥ जोनेकेवीआविछेकुमति॥ एमकरनेकोपाछेअति॥ रुषांछाहि
रघजेनेकोध॥ वडीनमांनेविज्ञानोवोध॥ २९ ॥ तनेतांममीमनेरिचाल॥ रहेसेसजेनेसदाकाज॥ सम
नहीनेक्षोभअपार॥ नहीत्रांतीनेसमहनलगार॥ ३० ॥ एवादुरवासामहाघोर॥ बोल्याकोपमांवचनकठोर

॥ भक्त० ॥ कहुं मां भलो मरवे जंन ॥ जेवो साधु रवासा वचंन ॥ ३१ ॥ कहि हिम मां लोचन लाल ॥ चराव्यो वली त्रकुटि भा प्र० ४ ॥
॥ १३ ॥ ल ॥ धुजे तेन फरफरे होठ ॥ वाध्यो विकराल काल कोठ ॥ ३२ ॥ पछे समड पत्ये बोल्या राम ॥ तमने धर्म वाला के
पे कंम ॥ तमे मां नमामस्तछो घणा ॥ नथी तमने भार कोय तणा ॥ ३३ ॥ मने मानो छो सो थासरस ॥ विज्ञाने
तो गणो छो नरस ॥ एवुं स्त्रभी मांनत मनेघणुं ॥ जो जो फल हवे तेह तणुं ॥ ३४ ॥ कहुं दुरवासा सत्य आ मोडुं रथी ॥
नथियुं सन्मांन विचारी तुरथी ॥ एवुं जो रक्ष मा उर ज्ञावुं ॥ एवो ज्ञांन तिवाल कुन का वुं ॥ ३५ ॥ मारुं नाम सकलि
ज्ञांति नासे ॥ क्षमा आवे नही मारी पासे ॥ एवो दुरवासा कुपी कहे ॥ तेह वेदं इत मनंद कहे ॥ ३६ ॥ पुन्य पवि
त्र एवो आदे त्र ॥ सेवे देवादि मोटा मुनेत्र ॥ ते थिप ही हवे तन काल ॥ या स्रो मनुष्य ने थे सवाल ॥ ३७ ॥ तमे म
नुष्य ना देह ने धरो ॥ आज पछी आवुं न कंरो ॥ सों अधर्मिने कही नाजेह ॥ भत्या स्त्र फार वसे छे तेह ॥ ३८ ॥
तेथी दुख पामो घणुं घणुं ॥ एफल मारा अपमान तणुं ॥ पो मो स्त्र कर थी अपमांन आप ॥ पछे नवो सा श्र
पि श्राप ॥ ३९ ॥ एवो मोटो वकोर सो भली ॥ वीनानारायण धर्म वली ॥ मुनि रुदर्च सो भय पांम्या ॥ देखी दुर्वा
साने हिम नांम्या ॥ ४० ॥ उठि आसन थी तेह वार ॥ कस्यां बेंपे स्येनमस्कार ॥ आदर सें तव विनय जेह ॥ करे ज्ञां
ति पमाड़ वा तेह ॥ ४१ ॥ तेम तेम क्रोध चड कर्यो ॥ रोसरती पण न उतर्यो ॥ तारे धर्म बोल्या नांमी शिष मो ॥ १३ ॥

टा महा मुनि मकरो रिस्र ॥ ४२ ॥ कुपी जे नो होय अपराध ॥ देवो दंड ते नो नर वाध ॥ पण वगर अपराधे श्राप
न दे वो मुनि विचारी आप ॥ ४३ ॥ अमे फण ताता स उ वात ॥ के नारायण साक्षात ॥ सर्वे शिषो ह तां मां मु
ज्ञांन ॥ चित वृत्ती प्रभु जी मां प्रोई ॥ ४४ ॥ एवा समा मा आदि यात मे ॥ ते रीन पी पुंस न मांन अमे ॥ मारे क्षमा अ
पराध करे ॥ मोटा मन मां रोस म धरो ॥ ४५ ॥ होय कुपिया दाफण नुं अंत्र ॥ नवनीत सरिखुं निरंत्र ॥ माटे दयाल
दया करिजे ॥ अमने श्राप टाली क्षमा दिजे ॥ ४६ ॥ एम धर्म बोल्या क्षमा मति ॥ कहि राखि प्रास्थना अति ॥ तारे
बोल्या दुर्वासा बोला ॥ मारो क्रोध क्षण कम ज्ञोण ॥ ४७ ॥ आपी श्राप ने पाछो निवारुं ॥ एवुं ज्ञो सो मांस्रं तर
मारु ॥ पण न मेछोभ गती वान ॥ वली न मृता वाला ने हांन ॥ ४८ ॥ एवा देखि दया आवे अमने ॥ मारे कहुं छुं स
णो मोतमने ॥ पुर्व देशे लेस्यो अवतार ॥ द्विजकुल मांइ निरधार ॥ ४९ ॥ धर्म भक्ती था स्यो दंपती ॥ थासे पुत्र
आ जे वृद्धि पति ॥ तारे श्राप नो ताप टल ज्यो ॥ अत रे क्ष पञ्चं गति वृत से ॥ ५० ॥ पछे पांमस्यो दिव्य गति ने ॥ एम
कहुं धर्म भगति ने ॥ कहुं कुपी उठव ने तेवार ॥ तमे लेस्यो द्विजमां अवतार ॥ ५१ ॥ सों सोंह स्यो मां सो थी त लाइ
आवस्यो प्रभु पासल धाइ ॥ पछे नर विरना स रवामा स्यो ॥ मारा श्राप थि तर त मुका स्यो ॥ ५२ ॥ पास्ये दिव्य ग-
ति पछे देव ॥ पांम स्यो क्षर व कों तन रवे व ॥ एम कह दुर्वासा मुनेत्र ॥ कस्यो कें जा मस्त्र से प्रवेत्र ॥ ५३ ॥ वास्या रा

॥भक्त०॥ वुंकोमकरिस्याप ॥ पणानाथ्योनेमुनियेश्राप ॥ धर्योसौवेरागपनेसीष ॥ मारेमोरुषेनकरिरिस ॥ ५४ ॥ इति प्र०७॥
॥१५॥ श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येदुर्वासाश्रा
पवर्णननामेसातमुंप्रकरणम् ॥ ७ ॥ पूर्वछायो ॥ पछेमेंभाखिशापने ॥ सर्वेकरवालागासोक ॥ पुन्यभोमीआ
परहरि ॥ जावुंजोसेजांएणुमृत्युलोक ॥ १ ॥ पापपेलीपथ्यविनतणां ॥ केमेरेसेक्षपत्रशरीर ॥ अवतेमवलुराट
लुं ॥ संगेचालमेनरवीर ॥ २ ॥ कोईकहेतेनोहरखछे ॥ नेकोइकसोकछेमन ॥ दुर्वासानेदर्शने ॥ थयुंहरख
ज्ञाकदीतवन ॥ ३ ॥ वुलतानारायणावोलीया ॥ तमेसोकमकरोलगार ॥ इछाअमारेराविहती ॥ अवनिपे
लेवाअवतार ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ मारीइछाविनाएविवात ॥ नथायेमोनजोमातात ॥ आआकृपीनेकरिजे
राव ॥ तेथुंनोमेंमोश्रोछेउपाव ॥ ५ ॥ आआदुर्वासामारीइछाथे ॥ आविनयांम्यामनमांनकोपे ॥ दिधोशापमें
नवार्यातेने ॥ बोल्याजेममेबोलाव्याएने ॥ ६ ॥ जोएंणुनीमित्तविनानिरधार ॥ केमलेयेसउअवतार ॥ मारेचिं
तामकरस्योकांये ॥ शापदियोछेमारिइछाये ॥ ७ ॥ कांजेमपवितेआप्युछेपाप ॥ तेएसाधुपांमेछेसंताप ॥
मारेपुत्रतमारेथायजो ॥ हरिनामेविख्येकेवाइजो ॥ ८ ॥ मारासाधुनिरक्षानेसारु ॥ थासेआमाथेविचारुमा
रु ॥ धर्मज्ञानवैरागनेभक्ति ॥ तेपुत्रताविचाओमीमेंप्रति ॥ ९ ॥ मारेचिंतामकरसोलगार ॥ लीधोद्विजकु ॥१५॥

ळेअवतार ॥ आपरछाधारितरविशे ॥ लीधोजनममनुजवेदेशे ॥ १० ॥ कणिनाराणानिएवोएय ॥ सउपायेला
ग्योजोइयोएय ॥ पछेआपआपणेआश्रम ॥ गियामुनिनेभगतीधर्म ॥ ११ ॥ पछेभक्तीधर्मऋषीजेह ॥ उडवा
दिकसरवेतेह ॥ कालेकरीआभोमिमोकार ॥ सउलेवामछाअवतार ॥ १२ ॥ देशादेशीलेवानेजनम ॥ ईछा
जोणिएवेलाविसंम ॥ धर्योद्विजजातिमोअतंन ॥ कहुंसांभलजोसउजंन ॥ १३ ॥ परवातएवद्रिकाश्रम ॥
लेजोजन्मऋषीभक्तीधर्म ॥ एवुंजांणिजेहतांदेव ॥ तेपणासारथ्यानन्तथेव ॥ १४ ॥ कहेअक्षरआगीरा
म ॥ काइमेणअधर्मनेकेम ॥ एवुंकेआपएणुपरिभागसे ॥ जेणसवेअधर्मकाढसे ॥ १५ ॥ नथीगयुंनरवोदआ
पणुं ॥ जेचालसेराजुंबलघणुं ॥ माटेआंसांएलेअवतार ॥ आंसातत्तपरहोतयार ॥ १६ ॥ एनासेवुंधीमोकरे
प्रवेश ॥ आंहोसांहाजनमेरामुनेश ॥ साविखटकोरहोकुसीयार ॥ प्रवताबेअधर्मअपार ॥ १७ ॥ जीयां
तियांपकीरानेकालो ॥ मतिभ्रतीसेअवलीआलो ॥ कोईहुंमुनेतोस्फजेछेराम ॥ कहोतमंनेतेस्फजेछेके
म ॥ १८ ॥ एवुंसांभलिबोल्याअक्षर ॥ जेमकोतेमकरियेजरुर ॥ मरवणानाशिहोपनेवणो ॥ पणाएनेतोजो
सेआपणो ॥ १९ ॥ करसंजुवाजुवाप्रवेश ॥ देसदुषवउअहोनेश ॥ एमपरियाणीमारअक्षर ॥ बोल्यान
रनारिकरिजोर ॥ २० ॥ एककहेथाउंएनीमात ॥ नीसमीषबुंपापनीवात ॥ एककहेथाउंएनीमासी ॥

॥भक्त०॥ नाखुमोहनेमायानिफासी॥२१॥एककहेछेपाउंरानिचेन॥रोईकलकली करावुंफेन॥एककहेछेपाउंडंदि कृ० ७
॥२५॥ करि॥मारिचिंतामानभजेहरि॥२२॥एमबोलीअक्षरनीनारि॥करिपेवेतविधेविघनमारि॥तारेवीसा
अक्षरनरवलता॥अमेवेउजाणंछुं खलता॥२३॥कहेएकपाउंरानोबाप॥मारिकुटीनेकरावुंपाप॥
कहेएकपाउंरानोनाश॥नांखुंअतीसेअधर्मभांश॥२४॥कहेएकपाउंरानोकाको॥वतावुंपापमारग
पाको॥कहेएकपाउंरानोमांमो॥करावुंअतीअधर्मसांमो॥२५॥कहेएकपाउंरानोवाल॥करुंभक्ती
नेधर्मनोकाल॥कहेएककहेतुरानोपग॥नीमराकेरेवादिधुंनर्ग॥२६॥कहेएकपाउंरानोसरवो॥करेभ
जनसोरचावुंउरवो॥कहेएकपाउंरानोसगो॥करुंरानाकुसांगमांदगो॥२७॥कहेएकपाउंरानोग
रु॥जगेअघएरसांकुंकरुं॥कहेअविद्यापाउंकुंनारु॥सीपोनारकाटेपगवारु॥२८॥नांनांवाजक
वकुउपजावि॥दियुंहेलकुंरामांवेधावि॥छोराछोरीकिरणुंफीलणुंबोली॥रामेरानोकालेजांतेफोली
२९॥एमसोमतीआपरोकरस्के॥जेणपासेरजीवचुंनरस्के॥एमखराखबुरदारपाचो॥आमोअव
सरमभुलोसावो॥३०॥एमपरसपरपरियाणवुं॥जोरअतीसेपोतानुंजाणवुं॥करोअक्षरेमनस्कबो
रावो॥घटेपापीअदेवनेजेवो॥३१॥इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानं ॥२५॥
रानाकुटेवमांप्रवेशकरीये गुरुसमंधिवुरुपधरिये एनाउरथीअधर्मनदसे एमकरवुंआपणेसंगलेश३०.२

दमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येदुर्वासाशापनेअक्षरनोउपायएनामेआठमुंप्रकर्णम्॥८॥रागसामेरि
कनमतीमरउमांमलो॥करणोअदेवनोउपाय॥वेरजेनेनथिविसरेवुं॥छेअवुताश्रीहरिमांपे॥१॥देवाकर
संग्राममोटो॥हरिसायेथामुवाअदेव॥तेतोकरिहरिअरिजाणि॥ततपरथीमालखेव॥२॥वलीकाप
रकलीनिमंधे॥आपेहणाहरियेअसंत॥जेपअपरवीअजगारनरमां॥रियाताससेताअनंत॥३॥जेनेश्री
कलेहाथेहणा॥तेतोपांमीयापदनिरवांण॥पणजीवांतीपांजेजुधेमुवा॥तेमवेथीपाअक्षरांण॥४॥
अतीविषेवासनावाला॥वेरकुसमाथेतेवालरा॥असफ्तीपांमिअवतस्या॥देतहजारुदजारहवा॥
५॥अक्षरवेरिश्वासना॥आव्याअघेभल्याअदेवअती॥धर्महरिनोजनमजांणि॥पीडाकरवाछेमनी
६॥अदेवदानवदेलडुटी॥जक्षराक्षसजेकेवाय॥वेरवालवावेजावदली॥रियाअगपश्यलेनमांय॥७॥
वामीरोविनेवेंदपवि॥दतुंजदिक्षालीधीकर॥धर्मनोअतीउपकरवा॥साधुसरिखाथीपासर॥८॥केट
लेकधस्रातेनफिजमो॥केटलाकराजामांरिया॥केटलाकवसीपावेअपमां॥केटलाकमुडमांथिया॥
९॥लागीवेरागीनेतपसी॥कुंडदंडनेकविरिया॥पिरफकीरपेडीतमां॥दतुंजदेहधरिरिया॥१०॥अ
धीपतीएहमांथया॥सीधसर्वाबोलाकरया॥नीमकपईनरनारकि॥अधर्मनेअतीआचरया॥११॥पु

॥भक्त०॥ मूलीसेशिशिकामचि॥ वलीवृगासेनारिनिमशि॥ एवाएअक्षरनरराद॥ तेवेगारात्रुएपनेवशि॥१२॥ जेवा ॥प्र०९॥
॥२६॥ एअदेवनरअभागि॥ तेविपलीयुंनेनेमली॥ धर्मनोअतीहेपकरवा॥ वडेअगदहमांहोवली॥१३॥ कहे
देवपित्रीअरुमां॥ मद्यमांसजेवुंकांयेनथी॥ जोअछोअवीरफलपांमवा॥ तोपुजजोमतराहथी॥१४॥ जी
जाकजीवजगमा॥ हेविसर्गनाजेहता॥ तेनेराचोडपदेत्राआपी॥ पापीयेकल्लापापरता॥१५॥ धर्मनी
अोदलईअधर्मि॥ धिरवीधंननारिहरे॥ त्राखूनाअर्थकेशवि॥ प्रेरेजेमपोतेकरे॥१६॥ कहेवेदमांराह
भेदछे॥ पशुमारिकरवोजगनने॥ वोमनारुशिसंगविन्या॥ नैपांमेआत्मदरसनने॥१७॥ पोतानाई
ष्टदेवमंदिरमां॥ द्विमेपरत्रियकलुदानजो॥ एहतुलकोयेपुन्नहीं॥ राहमोरोतपगारमांनजो॥१८॥
राविरित्मेअक्षरनर॥ धर्मनुरखेडनकरे॥ वेरछेजेनेकलसके॥ एवेआटरेओनीसफरे॥१९॥ वलीवर्णा
श्रममांरही॥ अक्षरकरेछेअक्षरपणुं॥ त्रातुभावश्रीकलसाथे॥ वेरचावेरछेघणुं॥२०॥ द्विजकुलेजेरा
तेनधूल्यो॥ तेमकारमात्मकेकथी॥ मद्यमांसमैथुनजेवुं॥ कल्पांराअर्थेकोमनथी॥२१॥ वेदमांराहभेद
छे॥ भैलभक्तीछेनली॥ अराससमकुरमसमके॥ वराशिगीपाआवटली॥२२॥ उत्तममधममांनेअज्ञानी
पलाआनमातोराकछे॥ तेमोवर्णाश्रमविधी॥ रजमोटोअविवेकछे॥२३॥ एवोअक्षरउपदेत्राआपि॥ का ॥२६॥

पिपापियेजरउधर्मनी॥ आपीमतीअवलीअती॥ वातवनाविकुकर्मनी॥२४॥ वलीअक्षरआवतल्या॥ क्ष
त्रीकुलमांईश्वरा॥ हेषाजेहछेधर्मना॥ तेराोपापीकल्योनारिनेरा॥२५॥ नरपतीकुमतीअती॥ परपत्नी
ने घांलेहरे॥ परजापिडेपापीअती॥ रातीपारकाघरमांकरे॥२६॥ विनाथांकेवाकदई॥ प्रजानेपिडे
घणुं॥ प्रपंचकरेधंनहरे॥ एमहरेवित्तआपणुं॥२७॥ सहुलनीरवलमायमां॥ अधर्मनेआसकरे
लोचलईदोषदरा॥ मायनोअन्यायकरे॥२८॥ वेदरागालूसंतनीवत्ती॥ कुलमर्यादानईरती॥ सत्यवादि
संतदेखि॥ अंतरमांदाफेअती॥२९॥ पापकरताधनहरता॥ रेतापरनारिसंगे॥ कपटिलंपटिकुडावो
ला॥ गुन्हगारताएवासंगे॥३०॥ प्रभुपणुंपोतामांपरठि॥ कल्पसमकिरतीगमे॥ रमशिनेकहेराधी
का॥ रसीपापरूपोतेरमे॥३१॥ एमअदेवअरिपणुं॥ प्रगटपालेप्रसिद्धके॥ धर्मभक्तीकलसाथे॥ वेर
जेनेवडविधके॥३२॥ वलीवेरूपजासमां॥ अक्षरजनजेआवतल्या॥ विश्वासघातिलेयेपाती॥ कुड क
पटदगेभल्या॥३३॥ छलकलनेछेतरवुं॥ देराांसाव्रीजांएीकला॥ धर्ममांनरहुकडा॥ अधर्मकर
वाउतावला॥३४॥ मुरमांसेताररिया॥ हैमदानवदगेभल्या॥ कलसंकडेत्राकरवा॥ कलकरामां
आवतल्या॥३५॥ जेवाएवर्णतेवाजआश्रम॥ पापीनापापीगुरु॥ अधर्मनेमाहाधर्ममांनो॥ वाततेनिकुं

॥ भक्त० ॥ फंकरू ॥ ३६ ॥ अती पापि मांसक्रापी ॥ मारे पशु चैन गोमनां ॥ खर श्रुकर कुकर कपी ॥ करि चकासम पृ. ९ ॥
॥ १५ ॥ कांमना ॥ ३७ ॥ ब्रह्मचारि भंगी नवलरंगी ॥ संगी धन नारि लगा ॥ पंचकेशो फरे विंदशो ॥ पीये प्याला मद्य
नाघणा ॥ ३८ ॥ यही अती नीरदई थइ ॥ अभ्यागत नुं अपमान करे ॥ अन्न न आपे मांयु संतापे ॥ पेट कुटंब नुं पो
ते भरे ॥ ३९ ॥ वानप्रस्थ विभ्रमाई ॥ धर्म को यध्या रंनुं नथी ॥ अती कामी लुगा हरांमी ॥ पापी परदारा पथी ॥ ४०
यई समासी फरे उदासी ॥ प्यासी पैसा ना घना ॥ करी काशो वर कंदर अंगे ॥ हैये भस्या हिंसा घना ॥ ४१ ॥ म
ति मेली अती फेली ॥ शेली भुंसी सिद्ध थीया ॥ धर्म हीणा बुद्धि खीणा ॥ दल मांन मलेइया ॥ ४२ ॥ कुपंथ क
ली काल मां ॥ वगडे लमत वोला थीया ॥ कुडकुदने तु जाहजे वा ॥ कुमती मति ग्रहीरिया ॥ ४३ ॥ वेद विप्र मं
त जाणु ॥ माने न हिमु लमती ॥ अवतार सरवे कहे ओरा ॥ पोतानुं आपे पुंजति ॥ ४४ ॥ प्रभु नो प्रताप मुकी
कर्मनागुणगाय छे ॥ अनेक जीव करी आगले ॥ जमपुरी ये जाय छे ॥ ४५ ॥ फंद रना रिजो रसाशि ॥ वातमां लई
वश्य करे ॥ विधवा संे विहार करतां ॥ मुरखमन मां न व्यारे ॥ ४६ ॥ अती पापी पढ सक्रापी ॥ घभंगा लेवजीनाह
ना ॥ एवा जगमां साधु कावे ॥ तेथा वघा तरवा रुना ॥ ४७ ॥ अंतर खोटा बाह्य मोटा ॥ अधर मरयाप्याच
शि ॥ एवे साधु नां मने ॥ खोटा मोटि दिधी खरि ॥ ४८ ॥ नाम वैरागि वैरागनहि ॥ वाटे घाटे वस्या जइ ॥ गुरु थई ॥ १५ ॥

डोभ कुकर्दई ॥ एम जीव उग्या कई ॥ ४९ ॥ उपाध्र पंच दंभमां ॥ माया त्रिष्यनी सेवा सहि ॥ आज्ञा त्रसा अती घृणि
कांम क्रोध घरमां कहि ॥ ५० ॥ रवखु दारखां नुं पानमां ॥ डांभ नां मन मां भुरखाभमे ॥ एवा अक्करा गुरु थया ॥ धर्म
ने अहो नी सदमे ॥ ५१ ॥ आं मनी पुने भावती ॥ वधी भक्त भक्ती आदरे ॥ खेल उछव आरसमेला ॥ मेला थई भुंडा
करे ॥ ५२ ॥ भक्ती नां मे भ्रष्ट सवाशे ॥ आचरण अक्करन गा ॥ नरनारु विकार वित्या ॥ गोतलो न मले घुरगा
५३ ॥ अपवे तनर अतिघरगा ॥ मात पीता गुरु नाघातकि ॥ कुकरमी कामी हरांमी ॥ केंपे महापंच पातकी ॥ ५
४ ॥ वेन वेटी मासी माता ॥ अनुज वधु सुत स्त्रिया ॥ गोत्र नारिन अरागणी ॥ अदेव जगमां रावाधीया ॥ ५५ ॥ आ
तताततकाकोमामो ॥ कांमे जु वेस्कत कामनी ॥ एवि कुलटा कन्यि अक्करे ॥ भवमां वउ भांमनी ॥ ५६ ॥ विधवा
नारु अपार कामी ॥ नरविना न व्यारसके ॥ वर्षं वरषे गर्भगाले ॥ वियेनरे पापथके ॥ ५७ ॥ एम अक्करउ
पदेशपी ॥ नरनारि नीमे नव्यारिया ॥ अमो अन्य गर्वभस्यां ॥ सर्व जंन सरखो थीया ॥ ५८ ॥ भद्रुकुल वाह्मणानुं
जेमां सत्रंग्रंथ अतीनिर्मला ॥ तेमां अक्करअवतरि ॥ कुल ग्रंथ अर्थ अवला ॥ ५९ ॥ रूडे कूल राजात एवुं ॥
जेमां भक्त हरिना थीया ॥ तेमां दैत्य परगटिने ॥ अधर्म सर्वे शपिरिया ॥ ६० ॥ पुष्टी करवा पापनी ॥ नवा ग्रं
थनी पजाविया ॥ संस्कृत प्राकृत ग्रावे ॥ जीव वउ भ्रमाविया ॥ ६१ ॥ एवे पापे पृथ्वी ॥ वारमवार केपे वली करि

॥भक्त०॥ समधर्मतीरथदेवता॥ पांम्यापीडापसेमली॥ ६२॥ पडेदुकालवउदासमनी॥ चालेवायुवेगेहक्षपडे॥ एवात्र ॥प्र०२०॥
॥१९॥ पडअन्यतीजे॥ प्राणधारिसडवेनडे॥ ६३॥ अतीपीडाअधर्मथी॥ चराचरसउपांमीया॥ तारेभक्तीधर्म
नेकृषी॥ प्रगटवाकरीदया॥ ६४॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिकुलानंदमुनि
विरचितेभक्तचिंतामणिमध्येअक्षरतकवरणानांमनवमुंप्रकरणम्॥ ९॥ चोपाई॥ कहुंदरसोमेछेसर्वांरदेचारे
जीयांधर्मेकरयोपरवेशरे॥ धर्मधर्मणधरापावेनरे॥ धर्मदेवनदित्ररदेवंनरे॥ १॥ अवेकंदवअसोकके
लीरे॥ जांबुलिंबुवलीजांमफलीरे॥ करमुक कुटीमकणीरे॥ बकुवडिनेनालीयेरिरे॥ २॥ तीयांसारसदं
समुकमोररे॥ करेकोयलकोकिलाकिगोररे॥ घणेवक्षेविटाणुंअंगांमरे॥ जांणेवुविजुंआधमनुंधांमरे
३॥ तियांसोनेमेरेकटरे॥ तेमांवर्तेआनंदअमटरे॥ पोनपांनपरेकथीलोकरे॥ नथीविगरहनहीसोकरे
४॥ तीयांवसेछेवर्णाश्रमरे॥ तेणेसोभेछेसेरअपाररे॥ द्विजक्षत्रिवैश्यवलीशुद्ररे॥ तस्याधर्मथीसोकसमु
द्ररे॥ ५॥ वसेविप्रतीयांसरवरियारे॥ अतीमावभक्तीनानरियारे॥ दयावालादलनाउदाररे॥ पापरहीतपु
न्यनाभंडाररे॥ ६॥ उंचेकुलेआचारछेअतीरे॥ सदाकधर्ममांयेछेमतीरे॥ गोत्रसावर्णिनेसांमवेदरे॥ ज्ञा
ताकौथुमीसांमलोभेदरे॥ ७॥ त्रणपर्वरतेनाकहुंसरे॥ भार्गववेतहव्यसावेतसरे॥ पांडेईटावगांमनाकें ॥१९॥

येरे॥ पुज्यद्विरनेतरुणानालेयेरे॥ ८॥ अतीकृपालुकनदिरांमरे॥ तेनाकुतवालश्रमानामरे॥ वेदशास्त्र
पद्माने पुराणरे॥ अरुआत्मावालाकजांणरे॥ ९॥ समवादिअतीइंद्रिजीतरे॥ धीरगंभीरधर्ममांप्रीतरे ॐ
शीलसंतोषदयलेउदाररे॥ कहुंसांतीगुणनाभंडाररे॥ १०॥ एवाबालश्रमामहामतीरे॥ जेनेघेरेंभागवती
सतीरे॥ गुणवांनपतीव्रतधारिरे॥ पुण्यपवित्रनीर्मलनारिरे॥ ११॥ एवीनरनारिगुणभंडाररे॥ तीयांधरयोध
र्मेअवताररे॥ संवतसत्तरव्रषछनुरे॥ अमोदनामसंवछरनुरे॥ १२॥ दक्षायणघनमांरविरमेरे॥ वर्तेशरदऋ
तुतेसमेरे॥ मासकार्तकशुदिसाररे॥ एकादशीकहुंबुधवाररे॥ १३॥ नक्षत्रउतरावज्रजोगरे॥ विष्टीकरण
हरणतेरोगरे॥ कुंभलग्नमांईभागवतिरे॥ जन्म्याधर्मदेवमहामतिरे॥ १४॥ धर्मजन्म्याजांणिजणीलोकरे॥
थियाविबुधसाधुअसोकरे॥ आआकरतेनरसिकोइरे॥ तेतोकरेस्तवनकरजोडिरे॥ १५॥ आआब्रह्माने
तीयांचस्त्रोतिरे॥ आआविचरेगीरज्यारंतिरे॥ गापसारदतोषमांगानरे॥ तोडकनरसेचोडेविवतां
नरे॥ १६॥ गापगांधर्वनेअपसररे॥ सिद्धचारणनेमुनिवररे॥ आआवेकुंठपकीदेमांनरे॥ नथगोनिर
खवाधर्मनेदांनरे॥ १७॥ करेकरतेवसीकमंनरे॥ वउवाजींत्रवाजेगगांनेरे॥ वाजेढोलनेनगारांगडेरे॥
तेनीरवरुयमुकंनपडेरे॥ १८॥ पायेनभैककवअपाररे॥ पीपोजांणिधर्मअवताररे॥ जेमगेहेकीरपोछेम

॥भक्त० गनरे ॥ तेमसोमीपे भक्तमगनरे ॥१९॥ नरनारिपांम्योछेआनंदरे ॥ धर्मप्रगटथापुरणचंदरे ॥ थैरेथैरेथीमानुनी प्र.१०॥
॥१८॥ मलीरे ॥ गायवधामंगलवलीरे ॥२०॥ करेउछवनरनेनारुरे ॥ बांध्यांतरियांतोरणवारुरे ॥ भरिगजमोतीना
थालरे ॥ वालीनारिवधावाद्यालरे ॥२१॥ वधावेछेविनतानांवृंदरे ॥ मुखजोइनेपांम्याआनंदरे ॥ पछेनाम
नीगरमोवेनरे ॥ तेसावित्रविद्यापेसपन्नरे ॥२२॥ जोयोवारघडिनेलगनरे ॥ जोइमनमांथीयामगनरे ॥ कहे
एविपलेवालभ्याथोरे ॥ जांणगुनीओवननेकपलायोरे ॥२३॥ आविपलेप्रगटजेथायरे ॥ तेतोधर्ममुरतीके
वायरे ॥ माटेआवातनमेछुपाडोरे ॥ एवुंनांमदेवश्रमापाडोरे ॥२४॥ तनसोभीतस्कंदरअतीरे ॥ माटेदेव
श्रमामस्ममतीरे ॥ पछेहरख्यावालश्रमामनरे ॥ आप्योदांनयथापरसेनरे ॥२५॥ ब्राह्मणभीख्रुकनेमरि
आप्यांरे ॥ दिधांदांनवछुमुखमाग्यांरे ॥ थइराजीअतीविप्रजनरे ॥ गीयापोतपोतानेभोवनरे ॥२६॥ पछेमावा
पेविचार्युमनरे ॥ आनीकरविजाकीजतनरे ॥ अतीहेतेराषेउरमांइरे ॥ अधघडिमेलेनहीक्यांइरे ॥२७॥
हैयेहेतमेलफुलावेरे ॥ घेमेपारणियामांफुलावेरे ॥ करेकांमधामनुंजोकांइरे ॥ पणवृतीरेवालकमांइ
रे ॥२८॥ करेहरखेस्नतनेरमाडेरे ॥ पयपान्याकरपाकजमाडेरे ॥ एमकरतांमोटाज्यारेहवारे ॥ तारेमांस्युंछेमु
खेबोलवारे ॥२९॥ कोइबोलेछेकालुंजोकालुंरे ॥ तेतोलागेमातानीनेवालुंरे ॥ वालचेउपेसेअहोनेत्रारे ॥१८॥

वाधेदेवश्रमातेहमेत्रारे ॥३०॥ धस्योधर्मेंजेदिनोजनमरे ॥ मटीसाधुनेवेलाविसमरे ॥ तर्तपापीनेपीडाउ
पनीरे ॥ आव्युंअचानकणवुंवनीरे ॥३१॥ पुस्यामगोत्राप्रथ्वीपररे ॥ तीयांउपनोआनंदमररे ॥ थीयाजज्ञ
अगिनीजधोमरे ॥ कथमेवाधुनीर्मलओमरे ॥३२॥ थयोसमपुरुषनांचितरे ॥ अतीनीरमलपरमपुनित
रे ॥ नदिकुपवाव्यनोंजेजलरे ॥ थीयांतालसरवेअमलरे ॥३३॥ सीदकृपीसतस्कथयांम्यारे ॥ अंतरथीअधर्म
नेवांम्यारे ॥ पर्यनीजीरआपेआश्रिपरे ॥ धर्मजीवजोकोटिवरिसरे ॥३४॥ एमस्कवपांम्यासधर्मिरे ॥ पां
म्यांपीडाजेहताकुकर्मिरे ॥ पापिपाथेदिनुंपडिभागुरे ॥ मनसउनेधर्ममांलागुरे ॥३५॥ धर्मपोतेअतीम
हाधीररे ॥ कथेडुंवरहेमनस्थिररे ॥ भुपथ्यासनेजीतउसेनेरे ॥ हेपतनमांनमांनेमेनेरे ॥३६॥ एवुंजोइवा
लश्रमावापेरे ॥ जोणपोमोटाजोगीहुआआपेरे ॥ वुरमस्आवजनमथीयिमारे ॥ आपीतानेउपवितलियारे ॥३७॥
आपीजनकेजनोइआरेरे ॥ कस्योमोटोउछववनेवारेरे ॥ पछेधर्मेवहुनाजेवेत्रारे ॥ धारिवधाश्रियापंचकेश्रारे ॥३८॥
मणयावेदत्राल्पनेपुराणरे ॥ थीयापडीतपोतेस्कजां गारे ॥ कुवावारवरसनाआपरे ॥ तारेथितेस्कंपुछीयुंवाप
रे ॥३९॥ पुत्रपरलोकमेराकुरे ॥ मांनोवचनएटलुंमाकुरे ॥ जेवापुत्रतमेगुणवांनरे ॥ जोइएपेस्कंदरशितमसमांन
रे ॥४०॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमद्ज्ञानंदस्वामीशिष्यनिकुजानंदमुनिविरचितेभक्तचिंताम

॥भक्त० इतिश्रीधर्मजन्मकथोगनामेदशमुंप्रकरणम्॥२०॥पुर्वढालो॥कुंदरदेशमरवारमां॥नदिमनोरमानां प्र० २१॥
॥२०॥ मछे॥मस्तोशतिरथस्रोयकी॥उतरेछपीपागोमछे॥१॥कुंदरमरस्तोसोपामतुं॥अतीअमलजलतेत
लुं॥पद्मपोयणानीपंगते॥सोभेछेकुंदरयणुं॥२॥तांथीदक्षणदिशामां॥वगीचाचुडवावेवंनछे॥फ
लफुलसकुंदरजेमां॥कुंदरकाडेमेघंनछे॥३॥अनुपमराविश्रवनीमां॥छेगांमनामेछपीपा॥द्विजक्ष
त्रिवैश्यशूद्र॥वारेवर्णमांवसीया॥४॥चोपाई॥तियांकुलक्रमाद्विजराकरे॥जांगोमारस्त्रसारविवेक
रे॥सीलमेलोपगुणेसंपन्नरे॥सुरुरुदेपरमपावनरे॥५॥तेनेघेरछेमवानीनारुरे॥अतीपवित्रअंत्र
उदाररे॥जेविनीरमलगजुवतीरे॥तेवाकुलस्त्रमाछेकमनीरे॥६॥वलीवारुदेवनीभगतीरे॥करे
भावभरिनेदंपतीरे॥एवानीरमलएनरनारुरे॥तीयोभक्तीपेधर्मोअवतारुरे॥७॥संवतसतरवर्ष
अडाणुंरे॥कारतकीपुनमसुमाणुंरे॥नक्षत्रकृतीकानेबुधवाररे॥पवेचंद्रउदेअवताररे॥८॥जीथो
जन्मजारेजसवतीरे॥पीपांमानतानतराजीअतीरे॥पछेकुलस्त्रमाजेविपररे॥तेज्ञाजोतसीब्राह्मणा
घेररे॥९॥जोषाजोसीपंजोसरुपालारे॥कहुंनामकेजेरागनुवालारे॥विजानांतलोनीरधाररे॥करसे म
गुणेकरीनरनाररे॥१०॥छेरादेवमनुष्यमजांणोरे॥भाग्यमोटांतमारांवखांणोरे॥एवुंकुणिकुलस्त्र ॥२०॥

माकोनरे॥कन्याविधुराजीदश्यांनरे॥११॥पछेमोटांथीयांरामुरतिरे॥लागेमावापनेवालांअतीरे॥क
रेखेलबालकसमांनरे॥तेरोटांक्युछेपोतानुंज्ञांनरे॥१२॥वाधेबालचंद्रपेठेनितेरे॥करेकुलस्त्रनीभगति
चितेरे॥मारेलोककहेभक्तीनांमरे॥रामबोलावेपुरुषवांमरे॥१३॥रुपगुणलक्षणछेरावांरे॥कपील
मातादेवहुतीजेवांरे॥शिलस्वभावेमोनेछेघणुंरे॥विज्ञासक्षमाकेटलाकगणुंरे॥१४॥तमावांनने
नीमूर्ताअतिरे॥दयाक्षमावालोरामुरतिरे॥कहुंअंतरसदाअमलरे॥निष्पापअपापेनिरमलरे॥१५
एवांभक्तीधर्मनीपतनीरे॥धरितेनवाजानामेवुनीरे॥जेदिव्यकीजनम्यांरासतीरे॥भाविसोनेश्रीक
स्ननीभक्तीरे॥१६॥वधीसरधासोनेरामभेरे॥भक्तीकरवाभक्तीजनमेरे॥रयोधुरघरआनंदछाइरे॥हुं
भीपावेडीगीपासंतारईरे॥१७॥एवीभक्तीतणोव्रतापरे॥जोईदोसाकुलस्त्रमावापरे॥आनीकरियेहवे
सगाईरे॥कुंदरमोटिमरवारमांईरे॥१८॥तीयांबालश्रमागुणवांनरे॥उंचेकुलेराघरनेरांनरे॥तेनोकृत
देवश्रमाकेपरे॥आकन्यारानेआपणीदेयेरे॥१९॥तारेराजीथीयांछेमवांनीरे॥साकुचानतमारिमेमां
निरे॥पछेलगनलखीतेवाररे॥कन्योविधजावानेतयाररे॥२०॥चालोब्राह्मणगामांथकीफटरे॥आवो
पुरजीयांरेकहटरे॥कहेबालश्रमानेविपहरे॥सामोलग्नकुंतमारेघेररे॥२१॥कुंततमारेघर्मछेनांमे

॥भक्त०॥ रे॥ तेने पुत्रना बोलपीये गमेरे॥ एवुं सांभली सौने आव्युं रे॥ करी हेत लगन वधाव्युं रे॥ २२॥ पछे सणगारि सुंदर ॥ प्र० ११॥
॥२१॥ रजोनरे॥ पीपासजन उगुणवानरे॥ कन्या वरे सुंदर सणगार रे॥ तेणे ज्यो पेछे धर्म अपार रे॥ २३॥ पेहेरो का
छक कव्वल वागोरे॥ त्रिजसोभेछे सोनेरि पागोरे॥ हेये हार नेमीरलहायेरे॥ सुंदर रत्नो सांछे छोगली यां
मायेरे॥ २४॥ कांने कुंडल वेलने कडिरे॥ कंठे सोनेछे हेमहांसडिरे॥ हैये फुलरहीरा सांकली रे॥ ओपे पेउ
तरि सुंदर वली रे॥ २५॥ पेरिमोहनमालारूपालीरे॥ उरपरउतरी सोभालीरे॥ बीजी पेरिछे फुलनी मा
लारे॥ तेणे लागेछे अनी रुपाला रे॥ २६॥ बाजु काजु पोची कर कडा रे॥ सुंदर सोभेछे वरनोन कडारे॥ पेरयां
वेढ विंटी जडिनंगेरे॥ मुद्रीकामां मणि कणिजगेरे॥ २७॥ सोने जुं सेछे सोनेरि अंसीरे॥ मुखपद दर्पण या
हसीरे॥ पाये पेरिछे मोजडि लालरे॥ चाले मलपता जेम मराल रे॥ २८॥ चडा घोडले वरवरक जांनरे॥ वाजे
टोलने गडेनी सोणरे॥ जोडां रथचेसनेगाडलां रे॥ चाले एकएकथी एकनलां रे॥ २९॥ चडी गर्दहंको सोग
गनरे॥ जोई अमर पीपां मगं नरे॥ पोतास्कंदरवरछेपेयरे॥ आव्युं गांमसर्वे सांमेयरे॥ ३०॥ जान जोईने
वरनुं रुपरे॥ कहे आछे कारमर भुपरे॥ आपी उतारा जुगते जमाड्या रे॥ पछे वरने तोरण आव्यारे॥ ३१॥
जोई सुंदर वरनुं रुप रे॥ मोयां नरनारि स्करभुपरे॥ मासुं भालतीलकनुं बिंदु रे॥ जोई सुंडगो छे आविजा ॥२१॥

ईडुरे॥ ३२॥ पछे पोली पारे पधराव्या रे॥ घणुं सासुजीने मन भाव्यां रे॥ पछे दिधांछे कन्यानां दान रे॥ वाई
वरना रे गुणवान रे॥ ३३॥ वेदमायरे वर कन्या जोडिरे॥ वाधी गांठ कहुं ते नहीं छोडिरे॥ त्रिमे परण्याछे धर्म
उदार रे॥ तिषांवरस्यो छे जेजेकार रे॥ ३४॥ करी पेराम णि वउ पेसुरे॥ पछे जांन वलावि छे घेरु रे॥ दिधी
ज्ञाने थवकुजहासरे॥ तेनी कैये अवे केम वातरे॥ ३५॥ उडे अबीर गुलाल नेतेलरे॥ पडरछे रंगरागनि
रेलरे॥ एमरम्या जम्या रुडी रितेरे॥ पछे कन्य आमाढी साधिते रे॥ ३६॥ बाल अमा मागु तम पास रे॥ सत
वादि छो पुर जो आसरे॥ कुल तमारां मांनी रधाररे॥ मागुजे तेन करो ना कार रे॥ ३७॥ मांटे मागुछुं कुं
जोरि पां णरे॥ देजो दया करीने कजांणरे॥ कन्त तमारो मारो जमाई रे॥ आपो मुजनेराखुं कुंआं मेरे॥ ३८॥
एवुं सुणि बाल अमाकोनरे पोताधर्म संकट ने दांन रे॥ एह वात मुथी केम थासे रे॥ कन्त धर्मते केम
देवासे रे॥ ३९॥ तेमना कारोपरणनई थायरे॥ पाडुं ना तो पसमारि जायरे॥ पछे कुलधर्म संभाली रे॥ कन्त
आप्यानगिहावालीरे॥ ४०॥ जेम काढी आपे कोपपत्रां गारे॥ एम आप्या सुतने सुजांणरे॥ रघुनर धीर जधा
रता रे॥ केतो कई नजाय पवारता रे॥ ४१॥ पछे आनंती सेघीरे अधास्युं रे॥ देवा त्री क्षामन मांविचार्युं रे॥ सु
णा दिलकी कुंवरिकन्यां णिरे॥ कडं तमारा देमनी वांणिरे॥ ४२॥ नमे पाल जी कोपतीव्रतरे॥ जेणे करी पां

 मोक्षसुखनतरे॥ पतीव्रतानाधर्मसमानरे॥ नथीनारिनेजसनेहांनरे॥ ४३॥ पतीव्रतापणानेजेपामेरे॥
॥२२॥ तेनांसर्वेसंकटवामेरे॥ मातताततथातकाकामामारे॥ धन्यपतीजेनेएविभामारे॥ ४४॥ तेनीतुल्यपेटहिन
गीतारेरे॥ जेकोयनारिपतीव्रतधारेरे॥ तेनरोमलेखेकोटिवरषरे॥ रमेस्वर्गेएनारिनेपुरुषरे॥ ४५॥
स्करजासीयावानेपावनरे॥ विलोपवंनपरसेतेनरे॥ तपतिरथवतजेकावेरे॥ तेतुनेजपतीव्रतापावेरे॥ ४६
पापीश्वविनापरमेजोरजरे॥ पापपवित्रनरअ्याचर्जरे॥ एविपतीव्रतापुन्यवांनरे॥ तेनांनामसांभजो
नेदांनरे॥ ४७॥ अरुधंतीअनसुयाजेहरे॥ साविचीसांदिलीसतीतेहरे॥ अहिल्याठुपदिसमरुपारे॥
मेनांसुनीतीसंज्ञाअनुपारे॥ ४८॥ स्वाहालोपामुद्राएहसतीरे॥ जेणोप्रेमेसर्वेसविप्यापतीरे॥ एविरतूप
एयाइसकरयांणिरे॥ सममांनजोकरुछेवांणिरे॥ ४९॥ पांसपतीमांयेप्रेमअन्नुतीरे॥ मांटेतुनेकेसे
प्रेमवतिरे॥ पछेपोतानाक्तपावेनरे॥ तेनेकहेछेहेतवचनरे॥ ५०॥ पुत्रवध्यकर्मजेकेवापरे॥ रेजोकु
नालतमेतेमांयरे॥ वलीआसकेहरजेसोभागरे॥ तेनोकरसोमांतेमसागरे॥ ५१॥ इतिश्रीमदेकांति
त्रीण्य कधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येधर्मभक्तीविवाहनां
मएकोदशमुप्रकरणम्॥ ११॥ पुर्वछाया॥ पछेभक्तीयेपुछीयुं॥ सुणोसमराहठतात॥ पतीव्रताना ॥२२॥

धर्मनी॥ कहोविधेविधेमुनेवात॥ १॥ एवुंसुणिनेबोलअ्रमा॥ कहेसांभलजोसुंदरि॥ आप्याछेधर्मशा
स्त्रमांये॥ महामुनियेदयाकरी॥ २॥ सतीगीतामांसतीये॥ धर्मपतीव्रतानापुछया॥ तेजोएविरितसं
जेवातिवायेवर्णाव्या॥ ३॥ दुखपडेहोयदंपती॥ तमेसमीरस्तनसंभारजो॥ कुलदेवएछेआपणा॥ क
रमेसंकटमांसारजो॥ ४॥ चोपाई॥ तेजोसर्वेएकादशिव्रतरे॥ करजोउछवजेवीसामर्थरे॥ वलीसत्य
पुरुषनेसंगरे॥ करजोउतरेआंणिउछरंगरे॥ ५॥ हारिचोरिमद्यमांसजेहरे॥ मुकेपणकरसोमांतेहरे॥
भएवारहेछेभांभीयेघणोरे॥ रखेपाससाग्रेतेहतणोरे॥ ६॥ कहेसुतपसेवोलअ्रमारे॥ तमेजाजोत्रजी
धानगमांरे॥ एविसांभलीसाधनीवांणरे॥ जागांपायेदंपतिसुजांणरे॥ ७॥ जारेनरनारियेनांआत्रि
सरे॥ तारेआपीछेपांडेआत्रिषरे॥ कहेसुषीरेजोनरनारुरे॥ पांसेजसतमारेअपाररे॥ ८॥ एमकु
हेवासाबालअ्रमारे॥ पोतेपांडेपोतानानगमांरे॥ नीयांविसाथ्योउाघणादनरे॥ पछेतरतसागपुसं
तंनरे॥ ९॥ पछेसांभलजोसुनमतीरे॥ कहुंरियांजेमएदंपतीरे॥ जेजेतातेकयांछेवचनरे॥ तेतेरितमां
रियांमगनरे॥ १०॥ रहेव्रतअखंडएकादशिरे॥ करेकथाकिरतनकुलसीरे॥ धर्मनसागेआपतका
लरे॥ कहेलोकआधर्मदयालरे॥ ११॥ पछेआविसांहादशनारिरे॥ सेवेअसुदिवेमवधारिरे॥ देखेधर्म

॥भक्त०॥ ने भक्ती होयरे॥ विज्ञा देखे नही जंन कोयरे॥ १२॥ करे संध्या त्रपण कर्मनीतरे॥ समजण स्मृ मांई घणि प्रीत पु० १२॥
॥२३॥ रे॥ एवा धर्म देव धुरंधर रे॥ करे भक्ती प्रभुनी आदर रे॥ १३॥ एम करतां दंपती आपरे॥ जन्म्या कृत श्री रां
म प्रतापरे॥ गुणग्राम करणा सम मांन रे॥ दाता करे भगत ने दांन रे॥ १४॥ हवे विज्ञा मुनी जेनी आपरे॥ पोता
भे छोड्या यो जेणे आपरे॥ तेहरुपी पेथ स्यां छे तंन रे॥ जोर हि जनो कुल पावन रे॥ १५॥ जीयां जियां रियातां एम मु
निरे॥ करता भक्ती प्रेमे स्प प्रभुनीरे॥ दिन दिन प्रेमे अती दलिरे॥ करता कथा श्री कृस्नजी नलिरे॥ १६॥ तारे त्य
भक्त नर जे अभागीरे॥ तेने वात एव समीलागीरे॥ पछे जीयांती यां थी अदेव रे॥ वेर आद रिसुं तत खेव रे॥ १७॥ ध
र्म दांन भक्ती वांन जंनरे॥ तेने आद स्फ करवा विघंनरे॥ वली भक्ती धर्म क्रषी जेह रे॥ तेने मम के माचा प्रभु तेह
रे॥ १८॥ जेम जेम पीडा पामे धर्मरे॥ एवां करे छे कुकर्मि कर्मरे॥ जेम जेम पीडा पामे भक्तिरे॥ एवां कष्ट उपजावे
कुमतिरे॥ १९॥ जेम जेम दुखी थाय मुनिरे॥ एवी मति छे मोक्ष स्कन्नीरे॥ प्रवे गुण मां अवगुण आतिरे॥ महापा
पमय जेनी मतिरे॥ २०॥ पुरगांम देशमां जेहे लरे॥ पीडे भक्ती धर्मने निस्परे॥ तेने दुखे भक्ती धर्म देवरे॥ आव्या अ
योध्या मांत तखेवरे॥ २१॥ तोय कुकर्मि केडन मुकेरे॥ देतां दुख घडियेन चुकेरे॥ पछे एदु खटाल वाकाजरे॥ गी
या काशी मांय धर्मराजरे॥ २२॥ जंगिग्रीवनी पुरिमंद ररे॥ ती यां करा व्यो महाकरूद रे॥ कहम टवा करयो॥ ॥२३॥

उपायरे॥ पण दुख मटयुं नई कांयरे॥ २३॥ ती यां पण दनुज समो हरे॥ वेशम नुष्यने करे छे द्रोहरे॥ पोम्यां पीडा ती
यां त्रणे अतीरे॥ पछे पुन पणो करी गतीरे॥ २४॥ कष्ट मटवा करे छे उपायरे॥ पण कष्ट मटे नई कांयरे॥ पछे सं
पकी आवी पाप्रागेरे॥ अती कष्ट छे तन मां सागेरे॥ २५॥ कस्युं संध्या त्रपण गंगा नागरे॥ करयो तीर्थ उपवास
सोगरे॥ रियाघण गुरु ल्छलमो जारारे॥ सां मस्वामी वैष्णवा चाररे॥ २६॥ नाम रामानंद महामतीरे॥ स्वेस्रुगुरु रू
प मुरतिरे॥ महात पेस्त्र रस्ता गतनेरे॥ धीर गंभिर मोटा छे मंनरे॥ २७॥ आपे मुमुक्षुने उपदेनारे॥ राख्या छे व
स्त्र चाम्नि वेशरे॥ उर्ध्वपुंड करूं स्यांके जारेरे॥ कुंकुमर्दु मध्ये मनहररे॥ २८॥ कंठे माला तुलसीनी होयरे॥
जोई जंन तणा मन मोयरे॥ एवे वेशे रामानंद मुनिरे॥ फरे सारूले वाज जगा स्कनीरे॥ २९॥ वड जीव्ये सहीत फ
रे छे रे॥ सौने ज्ञान उपदेश क रे छे रे॥ त्राव्ह ब्रह्म परब्रह्मने पीछे रे॥ यथार्थ पणो जे मई छे रे॥ ३०॥ एवा स्वामी तेरा
मानंदरे॥ तेने मली ने पाम्या आनंदरे॥ वृडहे ते करी धर्मदेवरे॥ करे मोटा जंगिनि त्य सेवरे॥ ३१॥ एक दीवस सं
पता वृतरे॥ आवीनी डाने दली या धरारे॥ कषे क्तता सांय युक्त पंन रे॥ पाम्या ते ज मेडल नुं दर्शनरे॥ ३२॥ ने
मां श्री कृस्न मुरती शामरे॥ निरख्या प्रभु जी पुरण कांमरे॥ पाम्या एं तरे दर्शन एहरे॥ जंगि कृपा श्री स्वामीनी
तेहरे॥ ३३॥ जंगि पास स्रुगुरु एक आस्वामि रे॥ पाम्या ज्ञाण वैडज्ञीम्य नामीरे॥ पछे स्ती दंपती ये किधी रे॥ एथी

॥भक्त०॥ भागवतिदीक्षालिधीरे ॥३४॥ आपीस्वामीयेमालातेहोपेरे ॥ बांधीधर्मेतुलसीनीसोयरे ॥ पछेश्रीकृष्णना प्र०२८
॥२५॥ मंत्रजेहरे ॥ अष्टाक्षरनाकावेछेतेहरे ॥३५॥ तेनोहेतेउपदेशकिधोरे ॥ पोतानेशरणेधर्मनेलीधोरे ॥ कृष्णे ३
शरणेमंत्रतेसमोनरे ॥ विशेषमहामंत्रनेदांनरे ॥३६॥ एहवेउमंत्रकृष्णकारिरे ॥ एणिधर्मेलीधामनेधारि
रे ॥ पछेनरनारिनेजेनेमरे ॥ पुछ्योपालवानाकरीप्रेमरे ॥३७॥ कहुंएणोसतजेनहवेरे ॥ जेजेकयुंछेराने
गुरुवेरे ॥ सर्वेसंप्रदायनीरितनरे ॥ कहीअतिपरमपुनीतरे ॥३८॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजा
नंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येधर्मनेगमानरपी[illegible]आचार्यमस्थापनानामेअठावीस
मुंप्रकरणम् ॥२८॥ पूर्वछायो ॥ स्वामिकहेछेधर्मनें ॥ तमेसांभलोवातसिधांत ॥ गुरुमतीअतीओलखि ॥ हवे
कहुंधर्मएकांत ॥१॥ त्यागीगृहीनरनारिनी ॥ कहुंरितेरूडिपेरय ॥ तमेरेजोरखावुजो ॥ त्यारेजाओनमा
रेघेरय ॥२॥ उत्तमरितसनेअनुसरि ॥ तमेवरतजोनरनारय ॥ अशुभरितसहोपआगमे ॥ तोयेकरसोमांको
यवार ॥३॥ शुभरितहवेसांभलो ॥ संक्षेपेकहुंछुंजोण ॥ जेणेकरीत्यागीगृही ॥ पांमेपदनिरवांण ॥४॥ चोप
ई ॥ कहुंआठप्रकारेपशुघातरे ॥ करविनईसांभलोवातरे ॥ एकादशीव्रतपणप्रकाररे ॥ एणपीचिनहिकोयवा
ररे ॥५॥ गुरुओपधीमांमद्यमलेरे ॥ तेनरवावुंपिवुंकोयपलेरे ॥ यज्ञशेषमांसलेशजेहरे ॥ भुलेभसनकार ॥२५॥

वुंतेहरे ॥६॥ कृष्णोधर्मदेववातमोरिरे ॥ पुरुषताकुवेनकरविचोरिरे ॥ परत्रियनोसंगनकिजेरे ॥ केदीत्रियनुं
दांननदिजेरे ॥७॥ त्रियमात्रजारनरजोइरे ॥ आपतकालेनरहेसंगेसोइरे ॥ वलीत्यागीनरहेपजेहरे ॥ ते
नेपरसेनहीनारिदेहरे ॥८॥ तेमत्यागीनरनिरधाररे ॥ तजेनारिनेअष्टप्रकाररे ॥ एछेजांणोअनादिनिरित
रे ॥ वलीकहुंकृष्णोहइचितरे ॥९॥ केदीआत्मघातनकिजेरे ॥ विमुखनीकथानसुणिजेरे ॥ हरिप्रसादिमा
नमेअंनरे ॥ नखपेतेतुनरवावुंजंनरे ॥१०॥ मीथ्याअपवादकोपरिरे ॥ देवोनहीकहुंधर्मधीररे ॥ कोयचि
पईसमनीजेनरे ॥ तेनोनकरोसंगकोपटंनरे ॥११॥ वलीतपसीकोधीभक्तकांमीरे ॥ होयशवाजेनरहरां
मीरे ॥ निजधर्मेविजोधर्मपालेरे ॥ कावेत्यागीनेलोभनटालेरे ॥१२॥ गुरुशिष्यनेशास्त्रप्रमोणरे ॥ नवतेवर
तावेअज्ञांणरे ॥ ज्ञानीखंडेप्रभुनोआकाररे ॥ एहखंडरखलनेधीकाररे ॥१३॥ एहपरखलनरजेहरे ॥ तजवा
एमुमुक्षनेतेहरे ॥ देवतीरथवेदनेगायरे ॥ ब्राह्मणसाधुधर्मकेवायरे ॥१४॥ तेनीनिंद्यानकरविमुखेरे ॥ ध
र्ममेलवोनदेदुखेरे ॥ वलीजेणासुमांश्रीकृष्णनेरे ॥ कथानीशकाअज्ञजंनेरे ॥१५॥ तेनसांभलवुंकृष्णोध
र्मेरे ॥ एहसमकीलेवोमनेमर्मेरे ॥ आयुरूविषनदेविगालरे ॥ जेथीजंनदुखपांमेतेकालरे ॥१६॥ वलीआमते
मोटाव्रस्तनरे ॥ तेनशाथेशास्त्रकोयदंनरे ॥ उर्ध्वपुंड्रतीलककरवुंरे ॥ मध्येकुंकुमनुंबिंदुधरवुंरे ॥१७॥ राधाकृ

॥भक्त०॥ लगमादिजेहोयरे॥ करेसधवाविंदुभालेमोयरे॥ नकरेविधवाविंदुतेपुनिमरे॥ एविश्यापणामतनीरिलरे प्र०१३॥
॥२५॥ १८॥ जेनीजेरिलतेचितधरविरे॥ भावेकृष्णनीभक्तीकरविरे॥ करवोगसपंचाध्यायपाठरे॥ कृष्णकृष्णकेवुंजे
मुखपाठरे॥ १९॥ कंठेमालाधरावुंजोदोयरे॥ तुलसीनेचंदननिसोयरे॥ एविवातगुरुजीयेकरिरे॥ भक्तीधर्मे
तेकृष्णमांधरिरे॥ २०॥ पछेअनन्यभक्तीनिरितरे॥ कर [illegible] करीपीतरे॥ कहेवाच्छातमेछोअस उद्धवे
रे॥ जेनेकृष्णछेरुदयमांएरे॥ २१॥ मातात्रिष्यमांमोटाछोतमेरे॥ कृष्णगुणवालाजांणपाअमेरे॥ हवेयेरु
जाओनरनारिरे॥ राधाकृष्णनेरुदेसंभारिरे॥ २२॥ आवेमुमुक्षजीवजोपासरे॥ आपीउपदेशोदासजोवा
सरे॥ अनेमहामंत्रनोजेजापरे॥ तमेकरजोनिरंतरआपरे॥ २३॥ अनेश्रीकृष्णनाजेवेमंत्ररे॥ जोमुमुक्ष
केजोनिरंतररे॥ ब्राह्मणक्षत्रीपर्वेरुपजेहरे॥ सतशुद्रनेस्त्रीपुंनेदरे॥ २४॥ केजोमंत्रप्रथमनोतेनेरे॥ भव
सागरतरवाराानेरे॥ करतांगहमंत्रनीसजापरे॥ पापअथीकाटिनरआपरे॥ २५॥ तारेद्विजोमंत्रतेनेकेजो
रे॥ एविरितेउपदेशदेजोरे॥ पंउतमारेजोकोइदुधरे॥ तोपाद्रोमहामंत्रथीकपरे॥ २६॥ करजोजापतोश्री
कृष्णदेवरे॥ देसेरुसिद्धितत्खेवरे॥ रामानुजनाग्रंथछेजेहरे॥ नमेमर्वेभगपाछोतेहरे॥ २७॥ गीताभाष्य
आदिग्रंथतेमांरे॥ श्रीकृष्णनुंमाहात्मछेजेमांरे॥ करजोकथातेनीअहोनेशरे॥ एवोआपोगुरुवेउपदे ॥२५॥

शरे॥ २८॥ पछेभक्तिधर्मआव्यादेहरे॥ करेकृष्णभक्तीरुडिपेरेरे॥ स्थुलसुक्ष्मकारणदेहरे॥ तेथीपरआत्मा
छेतेहरे॥ २९॥ वलीआप्योराघवएपरेकांणरे॥ तेनेश्रीकृष्णनोदासजांणरे॥ सर्वोपरिछेश्रीकृष्णकरे॥ जीवई
श्वरमायापरेकरे॥ ३०॥ एमनिश्चेकरुनरनारेरे॥ जक्तमीथ्यामनांणुछेतारेरे॥ गुरुआगम्नापेग्रंथजेहरे
रामानुजनाबांचेछेतेहरे॥ ३१॥ एवाकहुरुदेवालाजांणिरे॥ हैविजीववोजेएमवांणिरे॥ आतोधर्मदेवु
साक्षातरे॥ तेहविमानोपेआविवातरे॥ ३२॥ पछेअक्षरगुरुनेमागीरे॥ पीपाधर्मपदअनुरागीरे॥ जेने
देसगुरुमांछेहेतरे॥ पीपादेसतेकुलेसमेतरे॥ ३३॥ मांमांधर्मनांजेणेदवचेनरे॥ सोभादेवसमानतेजेन
रे॥ पछेअंमलवस्त्रअलंकाररे॥ पुत्राधर्मनेत्रिप्येतेवाररे॥ ३४॥ तेणेकरीपरछेसंपतीरे॥ गीपोदुपदाती
ठविपतीरे॥ एमकरतांविस्मारनसोररे॥ आपीक्षतनेसमेजनोरईरे॥ ३५॥ कृशोउछवजमाद्वाद्विजरे॥ ते
नेदेखीकरीदेनेखीजरे॥ पछेअक्षरनरभेलाथईरे॥ गोपाघरनीसंपतीलईरे॥ ३६॥ अंनधनमहीपीनेगा
यरे॥ तेमांरेवादीधुंनहीकांयेरे॥ एहआहिजेआपीमुंदुखरे॥ तेतोकयुंजायनहीमुखरे॥ ३७॥ पीपानिर्ध
ननेखावाअंनरे॥ नमलेनचुंपेरवावसंनरे॥ पडेएकांतरेउपवासरे॥ तेनेदेखीदुखकरेहासरे॥ ३८॥ कहे
छुवोआधर्मअगतिरे॥ कषमांलोछेकेचुंदंपतिरे॥ एतोसमर्वो छेनेदानरे॥ चालोथायेएमांमेमानरे॥ ३९॥ दी

॥भक्त०॥ आवे गमदे खाइ वा मुडुं रे ॥ जेने अंन नरे वेरछे उडुं रे ॥ तेने उसी उधारु करी ने रे ॥ भोजन करावे भाव भरि ने रे ॥ ४० ॥ प० १३ ॥
॥२६॥ नमले अंन पोताने खावा रे ॥ पण नदिये साज नने जावा रे ॥ एम वुडदंन दुष सयुं रे ॥ तारे एक दी भक्ती ये कयुं रे ॥
कहे प्रेमवती करुणा स्वामी रे ॥ पांम्यां दुष रहि नई खांमी रे ॥ तमे जाणो छो सर्व उपाये रे ॥ मराउ तो वारनथा
कांय रे ॥ ४२ ॥ अनवस्र नुं दुष अमपणी रे ॥ नथी मरता मे मोन अंगणी रे ॥ आपणे तो फलफुल जमु रे ॥
भाज्ञी खाइ ने दंन निगमु रे ॥ ४३ ॥ पण मे मोनने के मजमे रे ॥ को छुं एम पण जेमगमे रे ॥ एवुं सुणि बोला ध
र्मवांणि रे ॥ कउं सांभलो तमे कल्यांणि रे ॥ ४४ ॥ रूप दुख जेल खुं शरीर रे ॥ ए सुं नटले शख्वं धीर रे ॥ ज्ञोने क
रां आम हाफ जे हरे ॥ प्यावा रूप करावी पाने हरे ॥ ४५ ॥ तेणे दुष महेसु नई अगणुं रे ॥ मांमुक ह्यु को टि
गणुं रे ॥ मांटे रूप दुष लखुं जेमालरे ॥ मटे युटे नरे एक वात रे ॥ ४६ ॥ देव रूपी राजा प्रिन मटे रे ॥ जेने जेवुं ल
खाणुं छे घटे रे ॥ जोने रंकअगे थी पामे रे ॥ पांमी सची दुष पणष मंगे रे ॥ ४७ ॥ वसी छुं ने अरूप धंति जे हरे ॥ ग
त्रुथ की दुख पांम्या ते हरे ॥ राजा नल वली दमयंती रे ॥ तेह पण दुष पांम्या अति रे ॥ ४८ ॥ एवं मोटे मोटे दुष
सयुं रे ॥ पण कोय आगल्य न कयुं रे ॥ एवुं सांभली ने प्रेमवती रे ॥ मां डुं रूदन करवा अती रे ॥ ४९ ॥ क्रत्ते
तमने स्या वडे मेवुं रे ॥ नथी घर मां पदार्थ एवुं रे ॥ मारि कुंसर रमन मां यर रे ॥ तमने मे चिसकी नहि कांय रे ॥ ॥२६॥

५० ॥ नमले घर मां जमवा अंन रे ॥ सीयो करे मनोरथ मंन रे ॥ तारे बोलीया धर्म दयाल रे ॥ भक्ती दुषन रेस सदा का
ल रे ॥ ५१ ॥ मांटे धीरज एपर्म मां रेवुं रे ॥ मुखे कापर वेण न केवुं रे ॥ भक्ती मुकवी न इश्रीर मांटे रे ॥ कउ सम सवा दि
छो ते मांटे रे ॥ ५२ ॥ रूप दुष मांरे वुं अइ गां रे ॥ पर ठवो पाछा न मल वो पग रे ॥ एम टेक राषो मन मां ये रे ॥ कर वि
वेसा पर नहीं कांय रे ॥ ५३ ॥ जेवुं गाम सेगा लो कध णि ने रे ॥ तेवुं आव मे से जव णि रे ॥ करी सम णि नो कुं दवे उ ने
पाय रे ॥ रेजो राजी तमे मन मां य रे ॥ ५४ ॥ करसं ते म थासे जेम रूप रे ॥ हवे नै रे घणा दंन दुष रे ॥ एम आम्यो
धर्मे उपदेश रे ॥ कउं सम रूवा जे वो रस रे ॥ ५५ ॥ इति श्री मदेकांतिक धर्म प्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य
निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये राम्मानंद स्वामी नेमली ने धर्म भक्ती ये मन आणां गनां मे ने रम्युं प्रक
रणं ॥ १३ ॥ पूर्वछाया ॥ पछे धर्मे धीरज धरि ॥ वली कर्यो मन ने विचार ॥ ताते कयुं तुं चाउलनों ॥ तेह सांभर्यिउं
तेह वार ॥ १ ॥ कयुं कुलदेवे आपणा ॥ समीर रूल केवाय ॥ संकट मां संभार जो ॥ कर से एक क्षण मां साय ॥ २
मांटे कष्ट मोटो नथी ॥ आथी बीजो कोय अन्न ॥ दैसे दुष दी घुघणुं ॥ नथी अंगे अस न वसन ॥ ३ ॥ मांटे समीर
रूल ने ॥ संभारं करवा साये ॥ अंजनी रूल विना णके ॥ नथी टालवा दुषउ पाये ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पछे अयोध्या
मां जई आप रे ॥ जप्या हनुमांन जी ना जाप रे ॥ मारुत रूल मंदिर मां जई रे ॥ करि स्तुती एक पगे रई रे ॥ ५ ॥ राम

॥भक्ति० करतांधर्मसत्वंनरे ॥ थीयापवनफलपसंनरे ॥ आविकपनमांकयुंरामरे ॥ मुनेसंभारयोनेतमेकेमरे ॥ ह ॥ पु०१४॥
॥२७॥ दवेदुषतमाऊंदंपतीरे ॥ नईरेवादिषुंणकरतिरे ॥ कडेवातमांनोमारिमंनरे ॥ वेरोजाओतमेवंदावेनरे ॥ ७
तमसंगेआपेमुनीजंनरे ॥ धास्यांछेजेरोजजवोतंनरे ॥ तेतमनेस्यांसोमलसेरे ॥ दुषतमारुंतलरलसेरे ॥ ८
रामधर्मनेकेंहनुमांनरे ॥ पछेथीयापोतेअंतरध्यांनरे ॥ पछेजाणीथीयापरसंनरे ॥ समयमांयुंरामधर्मेकप
नरे ॥ ९ ॥ पछेपुत्रनेमेलीमोसालरे ॥ चाल्यांभक्तीधर्मततकालरे ॥ आव्यांनीमीसारण्येमंगेरे ॥ नथीचाल
ताकोयनेसंगेरे ॥ १० ॥ पछेत्यांथीहंदावंनआविरे ॥ निरखिकृष्णमुरतीमनभाविरे ॥ फुलडोलेफुलता
श्रीकृष्णरे ॥ एविमुरतीनांकयांछेदर्षणरे ॥ ११ ॥ पछेगोवरधनजेगिरिरे ॥ तेनीप्रेमेप्रदक्षणाकरिरे ॥ दस
प्रदक्षणावंदांहोयरे ॥ तीयांमल्यामुनीजंनसोयरे ॥ १२ ॥ मरिचआदिमोटामोटामुनीरे ॥ मलानईओल
खांणपआपुनिरे ॥ विप्रजेमहंदावंनरेनाररे ॥ तेपणानजाणोतेनेसगाररे ॥ १३ ॥ पछेहरिईछाबलवांन
रे ॥ पटीएकवीजानीपंचांनरे ॥ कृष्णकहेआधर्मभगतीरे ॥ धर्मकहेआमुनीस्रमतीरे ॥ १४ ॥ पछेमलीवे
वंछेएकांतरे ॥ कयुंएकवीजानुंव्रतांतरे ॥ कहेकृष्णरईनहिमणारे ॥ दिधांअसुरेदुषतेघणारे ॥ १५ ॥ भ
क्तिधर्मकेनजायकयुंरे ॥ जेजेअमारेतपरुथयुंरे ॥ पछेएकवीजानुंजेदुषरे ॥ सणिथयुंअतीसेसुख ॥२७॥

रे ॥ १६ ॥ कहेदुखामादगआपरे ॥ पछेबोल्यादयाकरीआपरे ॥ कृष्णपरुसेतमनेअतोलरे ॥ मीथ्यानई
थायेमारोबोलरे ॥ १७ ॥ पणकृष्णधरिअवताररे ॥ हरसेदुषतमारुंतेवाररे ॥ एहवातनोवायदोथीयोरे
दवेकरीपेडपापसीथोरे ॥ १८ ॥ कहेधर्मएत्वोदुंनथायरे ॥ रायोधीरजमोमनमांयरे ॥ करोश्रीकृष्णनुंआ
राधनरे ॥ जेरोगेराजीथायभगवंनरे ॥ १९ ॥ कुंपणजपुंछुंकृष्णनोजापरे ॥ जेरोकरिटलेदुषतापरे ॥ तमेंय
णतेनोअंगजेहरे ॥ करोपावसतमलीतेहरे ॥ २० ॥ पछेसुतकृष्णपेविचारिरे ॥ वातधर्मनीउरमांधारिरे
कोएकभागवतपावकरेरे ॥ कोयगीतानोपाठओचरेरे ॥ २१ ॥ कोपवासुदेवमहात्मजेहरे ॥ कोयवि
ष्णुसहस्त्रनांमतेहरे ॥ करेविष्णुगायत्रीनोजापरे ॥ कोपनारायणवर्मआपरे ॥ २२ ॥ कोयजपेश्रीकृष्ण
नुंनांमरे ॥ रामजापकरेआवुंजांमरे ॥ रासपंचाध्याईवलीजेहरे ॥ भक्तीपाठकरेनीसतेहरे ॥ २३ ॥ एमभ
क्तिधर्मकृष्णीरायरे ॥ करेदिवसमांएहउपायरे ॥ रात्रिमांईतालमृदंगेरे ॥ गायगीतगोविंदउमंगेरे ॥ २४
भक्तिधर्मकृष्णीवडभागेरे ॥ एमआदस्योछेविष्णुजागेरे ॥ पछेवेशाकसुदिएकादशिरे ॥ करयुंजागर
णसौवेउलसीरे ॥ २५ ॥ गाइरासपंचुंब्रंह्ममुर्तरे ॥ दिठुंब्रह्मतेजतीयांतुर्तरे ॥ तेमांदिठानंदनेजसोदा
रे ॥ जोइगोपिगोपयांमामुदारे ॥ २६ ॥ वलीदिठीअष्टपटराणिरे ॥ राधीकारमानेरुकमणिरे ॥ समा

॥भक्त०॥ सत्यभामा जांबुवती रे ॥ लक्ष्मणा ने नाग्नजिती रे ॥२७॥ वळी धेनु वसे छे एह धाममां रे ॥ जेनुं कहिये ते गोलोक प-१७॥
॥२८॥ नाममां रे ॥ तेमां मूर्ति सुंदर श्याममां रे ॥ दिठा श्रीकृष्ण पूरणकाममां रे ॥२८॥ श्यामवर्ण वस्त्र रे शोभे छे वळी रे ॥ मुखे
रुडि वेणु वाडे वांसळी रे ॥ सुंदर शोभे छे नटवर वेष धारी रे ॥ रत्नजडित मुगट शीश रे ॥२९॥ मकराकृत कुंडल कां
ने शोभे ॥ झीणा वक्र केश मन लोभे रे ॥ भाल शोभा भारे ई छे अलकि रे ॥ ते पर तो राशि या छे ललकि रे ॥३०॥
मुख पूरण शशि सम मान रे ॥ नयणां कमल दल ने दां नरे ॥ मोटा मोतीनी माळा ने ले के रे ॥ बीजी सुगंधी पु
ष्पनी बे के रे ॥३१॥ रवि बिंब गोरो अंग शोभा अति रे ॥ रस रूप रसिक मूरति रे ॥ सामुद्रिके शोभा कही जे विधि रे ॥ दि
व्य मूर्ति मनोहर ते विधि रे ॥३२॥ शोभा सागर सुंदर श्याम रे ॥ सारि प्यारि छबी कृष्ण धाम रे ॥ कोटि काम देव देखि
लाजे रे ॥ एवि छबी छबीलानी छाजे रे ॥३३॥ एवुं रूप जोइ कृष्णी राय रे ॥ पड्यां भक्ति धर्म सउ पाय रे ॥ हाथ जोडि
उभां आगळ पगे रे ॥ कीधो स्तव कुंन भरे रंगे रे ॥३४॥ जेम काष्ठ नां होय पुतळां रे ॥ एम उभां आगळ संगळां रे ॥ होय
घडि रहियां एम जंन रे ॥ पछे सर्वे थयां छे चेतंन रे ॥३५॥ करी स्तुति पछे जोडि हाथ रे ॥ कहे जय जय मारा नाथ
रे ॥ जय जय प्रबळ तेज पुंज रामी रे ॥ जय अक्षर रूप अविनाशि रे ॥३६॥ उत्पत्ति स्थिति प्रले काळ रे ॥ करवा समरथ त
मे दयाळ रे ॥ क्षर अक्षर पर प्रकाश रे ॥ रह्यो तेज पुंज ने मंडळ रे ॥३७॥ धर्म रक्षा अर्थे मो गर रे ॥ धरो मत्स्यादिक ॥२९॥

अवतार रे ॥ जंन हेते रघु जादो तंन रे ॥ धरि कृष्ण जंन नी जतंन रे ॥३८॥ जय गोलोकपती गोविंद रे ॥ जय निज जन
सुखकंद रे ॥ जय राधापती रसरूप रे ॥ जय सुंदर श्याम स्वरूप रे ॥३९॥ जय मनोहर महाराज रे ॥ जय ब्रजजन सुख
साज रे ॥ जय निज जन मन रंजन रे ॥ जय महादुःख भय भंजन रे ॥४०॥ जय दुष्ट दमन दयाळ रे ॥ जय कुकर्मि जीवना का
ळ रे ॥ जय भक्त भव दुःख हारि रे ॥ तमे संतना छो सुखकारि रे ॥४१॥ जय अनाथना नाथ आप रे ॥ स्वामी हरो अमारा सं
ताप रे ॥ जय दिनना बंधु दयाळ रे ॥ जय गौ ब्राह्मण प्रतिपाळ रे ॥४२॥ तमे गरिबना छो निवाज रे ॥ दुःख सागर मां सुख
साज रे ॥ अमे बुड्यां दुःख दधि मांय रे ॥ तम विना काळे कोण साहे बांय रे ॥४३॥ तमे समरथ छो मारा नाथ रे ॥ माटे कैंथ
छेये जोडि हाथ रे ॥ जे जे आव्यां छे शरणे तमारे रे ॥ तेनी रक्षा करी छे मोरारि रे ॥४४॥ माटे अमे छे तमारे शरणे रे
करो सुख महादुःख हरणे रे ॥ एम स्तुति करी धर्म मुनि रे ॥ पछे पाये लाग्यां से प्रभुनि रे ॥४५॥ इति श्रीमदेकांतिक
धर्मप्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य निष्कुळानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये धर्म भक्तिने कृष्ण मळ्या ने श्री
कृष्णनुं दर्शन थयुं ए नामे चौदमुं प्रकरणम् ॥१४॥ पूर्वछायो ॥ एविधि स्तवे सर्वे मळी ॥ करी स्तुति धर्म कृष्णी राय ॥ मुनि
श्रीहरि प्रसन्न थयो ॥ बोल्या राजी थई मन मांय ॥१॥ कहे सुख कहे धर्म कृष्णीने ॥ पीयो प्रसन्न तम पर आज ॥ मन वांछीत
जे मागशो ॥ ते सारि सर्वे काज ॥२॥ तारे धर्म कहे धन धन तमे ॥ सदाय प्रसन्न छो मुने श्याम ॥ मारे छे जे मागवुं

॥भक्त० तेकहुंछुंकरजोम ॥३॥ आकृपीकुंधर्ममक्ति ॥ तेनेतमाराजांणीनाथ ॥ देसेदुषहिधांघणां ॥ तेणेदुषीछुं पृ०२५॥
॥२६ येलउसाथ ॥४॥ चोपाई ॥ तारेश्रीकलंकेकह्योधर्मरे ॥ एतोसर्वेजांणुंछुंकुमर्मरे ॥ एकरनेडोहमुजसाथेरे
तेमाटेवेरतमारेमाथेरे ॥५॥ साधुदेवनेपीडेछेपापीरे ॥ मद्यमांसखजीवहंतव्यापिरे ॥ मारांजांणीनेदियेछेदुष
रे ॥ महाअकुरछेजेविसुखरे ॥६॥ तेनेमारिसकुंयांरेइंदनरे ॥ तजीभयरोनिरभेजेनरे ॥ मुजविनाकोयपीन
मरेरे ॥ जोकोहितपायकोयकेरेरे ॥७॥ धर्मतेमभक्तीनेआकपीरे ॥ सतरहीआनंदमांसुखीरे ॥ दुरिनांमेलुं
पाप्रजावालरे ॥ दुषसोनुंराखीमतनकालरे ॥८॥ दुर्वासानोसत्रनेछेव्यापरे ॥ तेमांकुंपरणआव्योछुंआपरे ॥ मा
देधर्मथेसेथरितेनरे ॥ कपीकरीससरवेजंनरे ॥९॥ परणपोछेधर्मनोनाशरे ॥ तेनेपाछोकरिसथकाशरे ॥ ए
कोतीकधर्मरुडिरितेरे ॥ स्थापनकरीसतेकुंप्रीतेरे ॥१०॥ माटेनिसंकरहेनरनारिरे ॥ मसवातमांनीतमेमारिरे
तमेपावकस्याजेजेस्तोत्रेरे ॥ वलीजपीपाजेजेमंत्रेरे ॥११॥ तेनोपावजापजेजेकरसेरे ॥ आमाकलमांपीनेउग
रसेरे ॥ देहछतांनर्थयायदुखरे ॥ अंतसमेपांमसेतेकपरे ॥१२॥ अंतछिपादिधांमछेजेहरे ॥ तीयांआनंदकर
सेएहरे ॥ एमकपानिधीजेश्रीकल्करे ॥ पीपाभक्तीधर्मपरप्रसनरे ॥१३॥ आपीएवोवरभगवांनरे ॥ पछे
ययोहुअंतरध्यांनरे ॥ तारेभक्तिधर्मकपीरायरे ॥ अतिहर्षपांम्यामनमांयरे ॥१४॥ पीछुंविद्युजागतु ॥२६॥

तपुहूरे ॥ मसाकृत्मनरियुंअधुहूरे ॥ करिपारणांवेगंएकांतरे ॥ कहेपुतरासविआवातरे ॥१५॥ तारेश्रीकृ
ष्णषुगटथाइरे ॥ तारेजेमहसेतेमजणासेरे ॥ एमकरीमनमांविचाररे ॥ मत्सांपरसपरकरीप्यारेरे ॥१६॥ प
छेपोतेपोतानेआश्रमरे ॥ गीयांकपीनेभक्तीधर्मरे ॥ धर्मपुरणमनोरथपाम्यारे ॥ थियुंकथदुषसर्वेवाम्या
रे ॥१७॥ पछेघरपरवासोदीयरे ॥ आव्यांनेमीत्रारएमांसोपरे ॥ संघनवंनसांवेजीनीघाटरे ॥ तेएकरीनेदं
कांणिछेवाटरे ॥१८॥ तुआंमारगआयम्योदनरे ॥ देसभयपिदिनोछेमेंनरे ॥ एवामभामावनमांजारहे ॥ मली
कुटमेसोतिएकनासरे ॥१९॥ अतिराजीरेमवेनमांयरे ॥ केनीविकनथिमनमांयरे ॥ वुडपुसकुटमछेएतुरे
नथीगणातांवलविज्ञाकेतुरे ॥२०॥ तेनेधर्मकहेकणपनारिरे ॥ कोणछोतेकहेवाततनारिरे ॥ कुटमतांकुंछेस
वेंकुशालरे ॥ आवुंकोणथीपांम्याछेंवलरे ॥२१॥ तारेबोलीविनतातेवारेरे ॥ तारेपुछ्यानोगंवाम्योप्यारेरे ॥
चात्साज्ञाओंनेपाधरिवाटरे ॥ पुछीतमेस्युंकरसोरवाटरे ॥२२॥ मारेतातकुसंगकेवायरे ॥ अधवंतीनांमे
मारिमायरे ॥ मांकंनांमअविद्याछेअनीरे ॥ शत्रुविमुषछेमारोपतिरे ॥२३॥ मारिपुत्रिमीध्याप्रमांणोरे ॥ आ
पीअधर्मनेतमेजांणोरे ॥ तेनीषजाछेअपरमपाररे ॥ सुंजांणपतुंवातनोविचाररे ॥२४॥ कांमकोधलोभनेजे
मोहरे ॥ इंभादिकदिकरासमोहरे ॥ आसात्रलोइपांअहिपांरे ॥ कुटिलकुमतीकुबुहियारे ॥२५॥ इरक्ती

॥ भक्त० ॥ एनिछेदिकरिरे ॥ एवेकुटमेरखुंघरभरिरे ॥ निद्राशेहनवगानरहेरे ॥ हर्षसोकवातनित्यकहेरे ॥ २६ ॥ त्रात्रुमी प० १५ ॥
॥ ३० ॥ त्रसोपीजगमांरेरे ॥ रागद्वेषराषेनिसमारेरे ॥ खलछलक्षमानरलेशरे ॥ अनुपहिंसाकरेउपदेशरे ॥ २७
भयविग्रहविपतीघणीरे ॥ एविप्रजाजायनहीगणीरे ॥ वगाहांसीमसकरिस्वतीरे ॥ केयेस्ववलाइनेकुमती
रे ॥ २८ ॥ अहंकारस्वभीमानस्वादिरे ॥ ममतामोमरेसउवादिरे ॥ एवुंअपारमारुंकुटमरे ॥ तेनीतमनेत्नपडे
गमरे ॥ २९ ॥ जोणेसर्वलोकमोपमुनेरे ॥ सांभलविप्रकहुंवाततुनेरे ॥ जगमांकोयनमकेजीतीरे ॥ एविज्ञा
एणुंछेकुरजनितीरे ॥ ३० ॥ आरंभवदावावनद्दुगरे ॥ वर्णाश्रमीमेवकछेमाररे ॥ आजचराचरमांकुंव
करे ॥ खेसविकुंकोयनीनरखकरे ॥ ३१ ॥ भेषपेरीतपीपरमारुरे ॥ तीयांरेतांजागेमुनेप्यारुंरे ॥ जोगीजतीस
न्यासीतपसीरे ॥ तीयारहिछुंअखंडवसीरे ॥ ३२ ॥ अधोउर्द्धमध्येजीववकुरे ॥ छोटामोटामेंपकडासउ
रे ॥ जावानदियुंमोक्षमारगेरे ॥ तुंकेवराविमकियांलगेरे ॥ ३३ ॥ एवुंसांभलीबोलीपाधर्मरे ॥ स्वरुपपाप
णिनारिवेसमर्वरे ॥ तेतोतारिमोरुपनेगणिरे ॥ नजांणिमोटपकुसनणिरे ॥ ३४ ॥ राधापतीनातेजप्रता
पेरे ॥ पाशेलारुंकुटमनासअपेरे ॥ तारिवजानेपाछीपडसेरे ॥ कोमकोधकोपनेननडसेरे ॥ ३५ ॥ अधर्म
नेउथडसेमुलरे ॥ करमेकुलनामसतारुंकुलरे ॥ पापपेखीनेप्रकेमारातरे ॥ प्रभुपगरसेतारेकाजरे ॥ ३६ ॥ ए ॥ ३० ॥

मकरनेवात्सांधर्मभक्तीरे ॥ सांधिकरीछेआधेरिगतिरे ॥ रामसलीछुंअधपारियोररे ॥ करेकरिकेसरिवकोररे
३७ ॥ वाघवाराहवांनरवडरे ॥ लडेमांहोमाहिएहसउरे ॥ मैंपानारनोलवलीनागरे ॥ एवाहिंसकनोनरईताग
रे ॥ ३८ ॥ लागाहवबलेवडवंनरे ॥ पाडेकोजीरांड्युपछुजनरे ॥ उडेउपरगिधनेगरजुरे ॥ जेपीडुबध्याअबराग
सरजुरे ॥ ३९ ॥ बोलेघुइफिपावडियलोरे ॥ त्राद्रुमपंकारतेहलणिरे ॥ एवावंनमांभुत्यांछेवाटरे ॥ मेलीमारगचा
ल्योउवाटरे ॥ ४० ॥ लागाकांटानेकांकराघणारे ॥ पडयुंदुषरहीनरमणारे ॥ नागीभुषनेनमछुंपाणिरे ॥ मुकोके
वनवोलायवांणिरे ॥ ४१ ॥ एवासममामांमसोतपसीरे ॥ जेनेजोइजापचितखमिरे ॥ भुरिजटाकपालमोटालरे ॥ चडि
चकुटिलोचनलालरे ॥ ४२ ॥ अतीकालोकुरुपविक्रालरे ॥ रुदजेवोरुद्रानोदपालरे ॥ भुंडाम्हुस्वचारिजेवोवेशरे
दयामेघनहीजेनेलेशरे ॥ ४३ ॥ अयोरिमोक्समरियोलागेरे ॥ आविउभोअचानकआगेरे ॥ तेनेधर्मेजोइजानुग
पोणरे ॥ तारेवोलीयोतपसीवाणरे ॥ ४४ ॥ तमेकोणछोपुरुषवामरे ॥ कीयांगेछोरुंछेतारुंनामरे ॥ तारेवो
लीपाधर्मस्वादरमांरे ॥ जातिद्विजनांमदेवध्रमारे ॥ ४५ ॥ पुर्वदेशमांहीअमेरेमेरे ॥ अतीदिनदाछदरिछेपेरे
पीडाअमनेदेसेअपाररे ॥ तासीआयोंश्रीव्रजमोझाररे ॥ ४६ ॥ तीयांविसुजागवतकिधुंरे ॥ तारेश्रीकृष्णदे
र्शनदिधुंरे ॥ पछेअमेअमारेजेकष्टरे ॥ कयोकृष्णीश्रीकृष्णेस्वपष्टरे ॥ ४७ ॥ कहेकृष्णकृकरीससाररे ॥ तर्ई

॥भक्त० तमारे घेर अवतार रे ॥ करिस कुंभकरण संघार रे ॥ तमे जांणो निश्चे निरधार रे ॥४८॥ एम वर दई श्रीकृष्ण गिया रे पृ०२६॥
॥त्र१॥ पछे ओरे अमे तो आविया रे ॥ तियां तमे मल्या महाराज रे ॥ तेरो राजी थी यां अमे आज रे ॥४९॥ एवुं सांभली ने
कोप्यो अति रे ॥ सर्वे कुलनी जांणुं हुं गति रे ॥ एणे पांडव पक्ष वधार्यो रे ॥ मुने वालो दुर्योधन मार्यो रे ॥५०॥ माटे कुं
छउं अमने मारा मारे ॥ दोछुं श्राप कृष्ण ने रवा मारे ॥ जेण पुत्र पाप तमारो रे ॥ कउं जासूं ते केदि मधारो रे ॥५१॥ त्रा
सु विनाशा नुं नमरसे रे ॥ मारे श्राप ने त्रासु नधरसे रे ॥ एम करतां त्रास लेस्से हाथ रे ॥ तो जीतसे नई वैरि साथ रे ॥
५२॥ एम कहीं थी यो अंतरधांन रे ॥ थी यां न भक्ति धर्म चंसावांन रे ॥ करतां चिंता मोटि मन मांय रे ॥ रियां रास भ
क्ति धर्म त्यांय रे ॥५३॥ इति श्री मदेकांतीकधर्मप्रवर्तक श्री मत्सहजानंदस्वामि शिष्य निष्कुलानंदमुनि विर
चिते भक्तचिंतामणि मध्ये भक्तिधर्मरंद्रावनना भेषन रस्मुपकर्णाम ॥१५॥ पूर्वछाया ॥ एवुं अवगुण सांभली ॥ अती
धर्म थया उदास ॥ घणा दाडानो दावडो ॥ तेवे रियेक स्यो विनास ॥१॥ विघ्न पडयुं ते विलोकि ने ॥ समस्या जे दे
वडं दाल ॥ विघ्न नाशक नां मनी ॥ पछे फेरवा मांडि माल ॥२॥ राम करतां वै गया ॥ जांमनी नावण पजांम ॥
समीरसुत व्रिपरवेशे ॥ आवीया एह गांम ॥३॥ धर्म ने ओलखां एण आवी ॥ कयुं कुं ते हनुमांन ॥ कृष्ण ज्यारे
प्रगटसे ॥ त्यारे मीद रहे सो कवांन ॥४॥ चोपाई ॥ ज्यारे कृष्ण लेने अवतार रे ॥ त्यारे थुं नो उतारसे मार रे ॥ आप ॥त्र१॥

सिद्धि नवनिधी देसे रे ॥ तमारे घेर वससे ने तेदर रे ॥५॥ दुखदालीद्र ने दर तिरे ॥ अति पांमसो क्षम संपती रे ॥ कु
ल पासे बहु वृद्धि वृंन रे ॥ करसे बुद्धिये दैत्यनो अंत रे ॥६॥ एनेनै परे त्रासनुं कांम रे ॥ कलीराल मे दुस्टनुं वांम रे
एम धिरज दे हनुमांन रे ॥ पछे थीया छे अंतरधांन रे ॥७॥ पछे सांथी चाल्यां दंपति रे ॥ घर पोतानां पर करी ग
ति रे ॥ वाटे जातां पुछे छे भगती रे ॥ केम अमर हनुमांन जती रे ॥८॥ स्वामी छे रांमना सेवक रे ॥ केम चुर्णा जी
विको विवेक रे ॥ पछे बोजीया छे रांम धर्म रे ॥ भक्ती मां भलो कोएनो मर्म रे ॥९॥ रघुविर प्रसाद कि पाम्य रे ॥ च
रणजी वि रियां छे सदाय रे ॥ पराजोने समरतां गणे त्राशे ॥ आआ हनुमान लई विप्रवेत्रा रे ॥१०॥ माटे आप लं
कारज पासे रे ॥ आजय की दुष्ट मर्द जासे रे ॥ पछे राजी थई आवया घेर रे ॥ आचिम सांस मंगा रुएपे रा रे ॥
११॥ त्रातु हता ते जमीत्र थीयां रे ॥ दुखदालीद्र सरवे गीयां रे ॥ तेतो कृष्ण तणो प्रताप रे ॥ जांण्यो धर्मने भक्ति
ये आप रे ॥१२॥ पछे जीवना कल्याण काज रे ॥ ईच्छा जनम लेवाने महाराज रे ॥ धर्मकुदामां श्रीहरि आवि रे ॥ सो
भा कांती अती उपजावि रे ॥१३॥ पांम्या हरि तणो परसाद रे ॥ लोक बोजावे छे करि साद रे ॥ कहे हरिप्रसाद
नां म रे ॥ एम बोलावे पुरुष ने वाम रे ॥१४॥ हवा पवित्र हरिप्रसाद रे ॥ रमे वाला मुकुंद करि उन्माद रे ॥ पछे ए
वा समामांर समती रे ॥ थियो गर्भ सोभीयो भगती रे ॥१५॥ जेम मक्ष पंने उगवे करी रे ॥ पुर्वदेशा रंसी भाधरि रे

॥भक्त०॥ एमसोभीयांप्रेमवतीरे॥ कुलषवेशकरीनेष्मवतीरे॥१६॥ दिनदिनप्रेमेष्मतिघसरे॥ जोगणागर्भमांष्मावि प॰ १६॥
॥३२॥ याकृतरे॥ तेरोकरीष्मानंदष्मपाररे॥ पांमानित्यप्रेमेनरनारीरे॥१७॥ एवातसमामांष्मक्करजेनरे॥ चा
स्पादेविनुंकरवापुजनरे॥ चारेवरणीहलातेहदेतरे॥ चालंमीदालत्रीयासहीतरे॥१८॥ ष्माबांविधवास
नीदेविहारेरे॥ पाडाघेटाष्मजालेष्मपाररे॥ हिंसावोकडाकुकडाकरेरे॥ ष्मामामदीरानाघडाजररे॥
१९॥ मारिदेविष्मागेऊंरकिधोरे॥ खाधुंमांसनेमदिरापिधोरे॥ तेरोथीपाकामातुरंष्मगरे॥ कुष्मात्र
लपत्रीपानामांसेगरे॥२०॥ कहिष्मक्करेपुजातोरविरे॥ तेनेदेषिनेकोपीछेदेविरे॥ कहेष्मावांकोमक
रनारोरे कोळुंजामेतेवेशतमारोरे॥२१॥ चलीतमारिपक्षेजेथासेरे॥ हसेराजातोयराजजासेरे॥ चली
ष्मावुंपुजनजेकरसेरे॥ जासेवंसपोतेपणमरसेरे॥२२॥ ष्माजथकिपोरेदनजांणोरे॥ थासेनासतमा
रोप्रमाणोरे॥ तमारोकरवानेसंहाररे॥ हमणांथासेहरिष्मवताररे॥२३॥ तमजेवातेष्मक्करदसेरे॥ ते
नेप्रभुसोधीनेमारसेरे॥ एमदेविरूपनामोकरेरे॥ पछेतर्तष्मंतर्ध्यानथईरे॥२४॥ एमसांभलिसर्वेष्मसु
ररे॥ सउपीयाछेचंताष्मातुररे॥ पछेदेवेविचारिसुंमंनरे॥ एनीकरविकोईकजतनरे॥२५॥ कोराज
न्मतांहरिनोनासरे॥ तोथायसर्वेरूपसमासरे॥ देविरुठितेनेराजीकरसुंरे॥ एकवारकरोडचुंनर ॥३२॥

सुंरे॥२६॥ जारेहरिनोजनमथायरे॥ तारेकरवोएनिश्चेउपायरे॥ हमणांसोसोनेघेरजाष्मोरे॥ पणाभुल
सोमांएददाष्मोरे॥२७॥ एमकहीगीयानीजघेररे॥ बांधीहरिसाथेवउवेररे॥ हवेधर्मभक्तीपेसंकरयुंरे॥
व्रतगणपतीनुंष्मादर्युंरे॥२८॥ रक्षागर्भनीकरवामाटेरे॥ करेगणपतीमंत्रनोपाटरे॥ गर्भवृद्धेसोभेछेष्मग
तिरे॥ जेमष्मदितिनेदेवहूतिरे॥२९॥ तेनेजोरनेमरवेजेंनरे॥ पांमेष्माश्चर्यपोतानेमनरे॥ एमकरतांथीया
मासनवरे॥ थीयादसमेंदहरिउदेवरे॥३०॥ संवत१८ष्मढारसोजेष्मनुपरे॥ वर्षसाडत्रीसोरूपष्मनुपरे॥ सं
वत्सरवरनेविरोधिरे॥ ष्मर्कउत्तरेवसंतप्रसिद्धिरे॥३१॥ चैत्रसुदिनोमीदनजांणोरे॥ वारतेसोमवाररवधा
णोरे॥ नक्षत्रपुष्यसुकर्माजोगरे॥ कौलवकरणहरणभवरोगरे॥३२॥ जातांजांमनीघटीकादशरे॥ प्रभु
प्रगट्याघुरणाजसरे॥ हतांमातातातरेनिंद्रावंनरे॥ पछेजागीथीयांसावधांनरे॥३३॥ दिठापुत्रनेमनुष्यसरी
खारे॥ तेमेहेतेकरीनेनिरखारे॥ संतोजणाणातेजष्मपाररे॥ दिठाघनश्यामनेमोझाररे॥३४॥ तेमुरतीष्म
तिसोभेघणिरे॥ सरकेसेसोभातेहतणिरे॥ हेमवर्णुवांसलीछेहाथेरे॥ नंगजडितमुगटमाथेरे॥३५॥
मुखपुरणसससीसमांनरे॥ नयणांकमलदलनेवांनरे॥ कनककुंडलजडितपांनगेरे॥ रविमुर्तिदिविमा
येडगेरे॥३६॥ कहेतमेछोकुमलक्षपालरे॥ प्रजेमस्यातातनेतमेवालरे॥ एवुंजोणिपछेप्रेमवतीरे॥ करेस्त

॥भक्त०॥ तिवालकनिश्चतिरे ॥३७॥ कहेधनकुलगाथापतिरे ॥धनआनंदरूपमुरतिरे ॥तमेश्रीकृष्णस्वरूपपुरणा पु.१६॥
॥२२॥ रे ॥सर्वेकारणनाछोकारणरे ॥३८॥ अनंतकोटिब्रह्मांडजेकेंधेरे ॥ आद्यअंतेनेमध्येतमनेंलेपेरे ॥समसज्ञानादि
शक्तीयेकरिरे ॥भुवनकोटिसमेआप्याहरिरे ॥३९॥ वलीअलगारहोअक्षरधांमरे ॥ जेमसहाभुतपुरणाकां
मरे ॥तमेपुरुषोतमपरिब्रह्मरे ॥तमनेनेतीनेतीकेनीगमरे ॥४०॥ तमेभोमीउतारवाभाररे ॥ लीधोजदुकुले
अवताररे ॥ तमेवसुदेवदेवकिघेरथरे ॥ प्रगटयामथुरांकरीमेरथरे ॥४१॥ कंसभयथकीवसुदेवरे ॥मेल्यागो
कुलमांनतखेवरे ॥ आपरछायेनीजजनमाथरे ॥आव्याव्रजमोर्ध्वव्रजनाथरे ॥४२॥ धननंदजसोदाभागवां
नरे ॥जेनेघेरथरम्यातमेकांनरे ॥ पयमआणपोतमेमासीअंतरे ॥मार्योअकरतमेत्रणावंतरे ॥४३॥ सकटभा
गीपगेतमेपाडयुंरे ॥ भिस्मुमातानेमुखमांदेखाडयुंरे ॥ गोलीमांगीनेदोह्यागोरसरे ॥ कस्योमातानेकोधविव
सरे ॥४४॥ जमलार्जुनमुलउखाडिरे ॥मार्योवकचपहीचांचफाडिरे ॥ कर्योतमेवछासुरकालरे ॥मार्श्यिअघा
सुरशखांवालरे ॥४५॥ तमेथीपायचछवाछरूपरे ॥ भालीभुलीगीयोब्रह्माभुपरे ॥ कालीनाथिकिधोदव
पांनरे ॥ दिधुंईएकम्नावनतदांनरे ॥४६॥ कुपीपत्निनीपुजालिधीरे ॥ नेनेस्तुतीसमाननेकिधीरे ॥ कस्युंहेत
नीजजनकाजरे ॥ धर्योकरउपरगीरिराजरे ॥४७॥ समवर्षमोयेभगवांनरे ॥ तमेमोड्युंमघवानुंमानरे ॥२३॥

वरुणभुवनथिछोड्यानंदरे ॥आण्युंव्रजजंननेआनंदरे ॥४८॥ व्रजजननेदेखाड्युंधांमरे ॥ कर्यांसेंनेतमे
पुरणकामरे ॥ तमेरमीयाजुवतीसंगरे ॥ कर्योकिकरतमेअनंगरे ॥४९॥ अजगरथिछोड्यानंदरे ॥ तमे
मार्योशंषचुडमंदरे ॥ वृषभनेव्योमासुरदेपीरे ॥ तमेमार्योवलेखलकेसिरे ॥५०॥ गर्वांअपारचरित्रकिधां
रे ॥ व्रजवासिनेवहुसुषदिधांरे ॥ अक्रुरनेआश्चर्यपमाड्युंरे ॥ नीजजननेधांमदेखाड्युंरे ॥५१॥ तमेपरिश्रपदपा
विनेमार्योरे ॥ सरसकुदामामालीनेतार्योरे ॥ टालीकुबजातनटेडाईरे ॥ मारयुंतेगोजेहतुंमनमांईरे ॥५२॥ भांग्युं
धनुष्यतमेकरधरिरे ॥ रंगहारेमार्योमतहरिरे ॥ मल्लहणाआव्याइमांहावररे ॥ केशग्रहिमार्योकंसनाथ
रे ॥५३॥ वसुदेवदेवकिदुखहर्युंरे ॥ उग्रसेननिरछत्रधर्युंरे ॥ तमेकिधांगुरुघेरवासरे ॥ तमेपुरिछेद्विजनी
आसरे ॥५४॥ तमेगोपीकाकुबजाभोवंनरे ॥ सत्यकिधुंपोतानुंवचनरे ॥ तमेगोपीआक्रुरनेधांमरे ॥ तेनेमोक
ल्योगजपुरगांमरे ॥५५॥ पंछमथुरांपीडारामतीरे ॥ आव्याषमेकरिवाणपतिरे ॥ मार्योकालजवनकल
करिरे ॥ मुचकुंदनेजगाड्योहरीरे ॥५६॥ तमेमार्योषभुजरासंधरे ॥ विसमसहसछोड्यानृपवंधरे ॥ नृपजी
तिनेसारंगपांणिरे ॥ तमेपरण्याअष्टपटरांणिरे ॥५७॥ मारिभौमासुरनेमुरारिरे ॥ लावीयासोलसहस्र
नारिरे ॥ छेद्याबांणासुरभुजतेदरे ॥ राख्योपारथजज्ञअखंडरे ॥५८॥ तमेमार्योमालवज्ञिशुपालरे ॥ क

॥भक्त० सोदेतवक्तनोतमेकालरे ॥ देखिदुर्वलछितकदामरे ॥ करयुंकंचनमयतेनुंधामरे ॥ ५९ ॥ स्वजनकुटुंबेवेमेलां प०३६॥
॥३४ किधांरे ॥ जेह्वातमातेमाणिलिधांरे ॥ पारथजनकनेसुतदेवरे ॥ तेनेकष्टआप्युंतत्खेवरे ॥ ६० ॥ एमअनेत
नाकसांकाजरे ॥ निजजनजोणिमहाराजरे ॥ जेजेयाविघ्नातमवेजाणीरे ॥ तेनेकरतकृतमारीचराणीरे ॥ ६१ ॥ तमे
दिनबंधुछोदयालुरे ॥ कृपाकरीनेआमाकृपालुरे ॥ कहिकतीएमभायेजारेरे ॥ सुणिबोलासुंदरशामतारेरे
६२ ॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमत्सहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येप्रेमव
तियेस्तुतिकरितनामेमोलमुंप्रकरणम् ॥ २६ ॥ पूर्वछायो ॥ स्तुतनेश्रीहरिसजोणि ॥ एमस्तुतिकरिजारेमात ॥ तेणि
तंरुपकृदेख्यत्तणि ॥ पछेबोलीयासाक्षात ॥ १ ॥ माताचिंतामकरो ॥ याभेतमारुंधासुंतेह ॥ वजनीवातसंभार
वो ॥ मेंरुपदेखाड्युंएह ॥ २ ॥ एमकहीनेअर्भकथयो ॥ करवाचरित्रदयाल ॥ अलौकिकरुपगोप्यकरिने ॥ बालव
ल्याननकाल ॥ ३ ॥ धर्मनेधीरजआवि ॥ देखीराबादिअबाल ॥ जोणयुंसंकटसर्वेगीयां ॥ थियोअक्षरनोकाल ॥ ४
चोपाई ॥ एवुंजोणीनेआनंदपांम्यारे ॥ देखीबालकनेदुखवांम्यारे ॥ थयोसर्वेकपनोसमाजरे ॥ जोणयुंगियुं
अधर्मनुंराजरे ॥ ५ ॥ करेमहोछवघेरघेररे ॥ अतीथईलीलालेहेररे ॥ तेमअमरलोकेअमरेरे ॥ करेमोटा
उछवमोदभररे ॥ ६ ॥ बोलेजयजयभ्रमाभ्रसोणीरे ॥ ब्राह्मणचिशिवब्रिवारोणीरे ॥ बोलेजयजयप्रदोस्त्र ॥३४॥

मरेरे ॥ करेपुष्पवृष्टिपुरंदररे ॥ ७ ॥ गायगांधर्वनाचेअपसरारे ॥ सिद्धचारणनेमुनिवरारे ॥ देवेवजाड्यांदुंदुभीव
डरे ॥ नभेआनंदपामीयासउरे ॥ ८ ॥ मंदसुगंधीसीतलवायरे ॥ वायसर्वजनसुखदाईरे ॥ थीयाप्राछेनेनभअमलरे
बोलेबोममांजेजेसकलरे ॥ ९ ॥ मोटाकेपदिथियेछेआजोधरे ॥ प्रभुजीवजोकोटिवरसरे ॥ एमहर्ख्यादेवऋषी
रायरे ॥ जोणिप्रभुप्रगटमनमांयरे ॥ १० ॥ वरुवाजांवाजेछेव्योमेरे ॥ तेमउछवथायछेभोमेरे ॥ जेमगेकिरयोछे
गगनरे ॥ तेममोमीयेजनमगनरे ॥ ११ ॥ कुवानीरथीमकुत्तामंनरे ॥ थयोपंसाफनिर्मलमंनरे ॥ जोणीदयापा
दिहादज्ञानारिरे ॥ आविदर्नेनेदिअदेहधारिरे ॥ १२ ॥ पछेनरनारीआविमउरे ॥ लाविमंगलीकसाजवुडरे ॥
श्रीवर्णापालभराग्रजमोतिरे ॥ आविवधावावापुन्यवतिरे ॥ १३ ॥ काजुकुमकुमकेसरउत्तारिरे ॥ श्रीफलअक्ष
तसारिसोपारिरे ॥ पानविडांलवंगगलचीरे ॥ दथीदरदिद्रारिदमोचरचीरे ॥ १४ ॥ अतीहर्षभरिमनमांईरे ॥
आविगातिमंगलवधाईरे ॥ वधावीनेलियेछेवारणांरे ॥ निरखीमनहरखानारितणांरे ॥ १५ ॥ निरखीत्रुपतन
थायलोचनरे ॥ वालुलागेबालानुवदनरे ॥ पछेभांमणांलईभांमनिरे ॥ बोलेआशिरवचनकामनीरे ॥ १६ ॥ बा
लकतमेजीवोबडुकालरे ॥ करोमावापनीप्रतीपालरे ॥ दियेआशिसनिरखेमुखरे ॥ लीयेअंतरेअलौकिकसु
खरे ॥ १७ ॥ हासविलासेमुखछेमारुंरे ॥ नेणकरचरणअतीचारुंरे ॥ वेषमूरतिमंगलकारिरे ॥ करोमंगलअम

॥भक्त० रूमुरारिरे ॥१८॥ रामकर्ईनारिगाइघेररे ॥ गोपिवालकरूदेरूडिपेररे ॥ वालअमानास्तरादंनरे ॥ पांम्यान्त्रति प्र० १७॥
॥३५ सेआनंदमंनरे ॥१९॥ वाजेवधाईनोवतुफडेरे ॥ मोटांडुदभीनगारंगगडेरे ॥ नेत्रिभुंगलांनेमरणाइरे ॥ गायरा
यकमंगलवधार्हरे ॥२०॥ कणिस्तीगांनतेहतणुंरे ॥ थीयाधर्ममगानमनघणुंरे ॥ पछेतेसमानेविधिध
र्मरे ॥ करयुंवेदेपुन्नजातकर्मरे ॥२१॥ पछेआप्यांछेविप्रनेदांनरे ॥ करिअतीघणुंसनमांनरे ॥ अंनधंनअव
नीअंवररे ॥ गजवाजनेगउस्कंदररे ॥२२॥ मणाविछेमहिषीडुजणिरे ॥ आपिविप्रनेतेवलीघणिरे ॥ व्रतपा
त्रपेआप्यांगेहरे ॥ आप्युंतेजेमागुंतेनेतेहरे ॥२३॥ दिधांदेवअमेदांनवोपेररे ॥ करिराजीवास्योडिजघेर
रे ॥ थीयांराजीसउनरनारीरे ॥ वांध्यांतरियांतोरणवाररे ॥२४॥ मातपिताभुलीदिव्यभावरे ॥ जांणापुत्र
नेसेजसुकभावरे ॥ मनुष्यजांणिमाततातेहरे ॥ जाइलडावेकतनेसनेहरे ॥२५॥ वलीधर्मनेप्रेमवृतिरे ॥ भु
लांपुर्वजनमंसंस्मृतिरे ॥ कोइजांणेवजांणेपोतानेरे ॥ एमवरतेतातमातनेरे ॥२६॥ पर्यसर्वेस्वपक्षपतिरे ॥
प्रभुप्रगटलेगर्वविपतिरे ॥ समवादिजंनपांम्याकष्ट ॥ थीयुंदेसअसुरनेडुखरे ॥२७॥ कौलनास्तिककुडक
विररे ॥ तेतोपांमीयाडुखअचीररे ॥ विजाअक्षरअवनीपेहताहे ॥ जेकोयअसोनिसदेवाकरताहे ॥२८॥
तेनुंनरसंस्थावानीरथाररे ॥ पायअवलांक्कनअपाररे ॥ फरकेडांवांअंगदावांनेरारे ॥ जापेमुजांसवप्रडु ॥३५॥

वदेणारे ॥२९॥ जोणेधरउपरत्रिसनथियेरे ॥ उंदेवेमारिकाम्योन्यांईथीरे ॥ अईजापछेदक्षणादेजारे ॥ एवांजोणेलांला
धेछेदमेवारे ॥३०॥ घरसांभाआविरुवेस्थांनरे ॥ रासेकवेस्करभीनेदांनरे ॥ घरपरकलसेकागडुंरे ॥ वोलेवपो
रेवोफीपांवडांरे ॥३१॥ घुडहोलांघुग्रवेअपाररे ॥ थापत्रांछत्रुंडामयंकाररे ॥ गीधगर्जुंसमलासमीतरे ॥ उडे
घरपरसकरानिसरे ॥३२॥ वलीअशुभआकाशमांथरे ॥ निसदेसनेचितजणायरे ॥ जांणुंशविज्ञाग्रीहताथो
मेरे ॥ पछांडउंसहीततेभोमरे ॥३३॥ एवांअवलांशुकनजांणिरे ॥ बोलेअक्करनोगुरुवांणिरे ॥ कणोदेसक
हेकालीदतरे ॥ करयुंदेवीपेनेयथुंसमरे ॥३४॥ अक्करमोकरवासंहाररे ॥ निश्चेथयोहरिअवताररे ॥ माटेआं प
णेउपायकरियेरे ॥ आमामृत्युमांथितोउगरियेरे ॥३५॥ हमणांहरिदमेवालनोनोरे ॥ मारोएनेकलक
रिछांनोरे ॥ मेलोकृताउकरिअपाररे ॥ करेतर्तहरिनोसंहाररे ॥३६॥ पछेकर्योछेमंत्रनोजापरे ॥ उपजा
विछेकृत्याउआपरे ॥ अतीकालीपुंनेछुटेकेचोरे ॥ करोसिंदुरनोलेपत्रिनेत्रेरे ॥३७॥ छेदेलछेनासीकानेकां
नरे ॥ अतीविरूपवरवेवानरे ॥ लोचाहोठनेफाडांछेमुखरे ॥ काटिजीभदांतदेवाडुषरे ॥३८॥ लांवांपेटनेलोचु
नलासरे ॥ खरडआरुधीरमांइलेगालरे ॥ मांणसनीखोपरियुंछेकररे ॥ नागीथुंनथीपेर्योवस्त्ररे ॥३९॥ उग्रा
मेलआयुधछेहाथरे ॥ एवोकिधोकृत्याउनोसाथरे ॥ तेनेआगमाआपीअक्करेरे ॥ कयुंनानुंछेछपीयेपुर

॥भक्ति०॥ रे॥४०॥ तेनीकरजोतमेंजईनासरे॥ करीकांमआवोआमपासरे॥ पछेकुसाऊंसांपीनडिमुंरे॥ भुलीयुंभमगलीनुं ॥प्र० २७॥
॥२६॥ डियुंरे॥४१॥ आवियुंहरिप्रसादघेरपरे॥ जेनेवालकमायंछेवेररे॥ हरिहताभातजीनेपासरे॥ लीधाजोरेकर
वानेनाशरे॥४२॥ कहेमारोमारोपाओलाओरे॥ ग्राचुमलोमभुलसोहाओरे॥ फाडुंमुखलगामांआयुरहेरे॥
हरिउपरघकरिकरोधरे॥४३॥ कालीगलेलईगरबायरे॥ रुवेजनुनीकरिपोकाररे॥ कणिवालानोकायर
सादरे॥ तीयांआमाहरिपरमादरे॥४४॥ हताएकादशीनेजागरणेरे॥ सांधिआविपाधेरूआपणेरे॥ आ
विजोधुसांनदिवावालरे॥ पांम्याधर्ममोरछातेकालरे॥४५॥ कणिभक्तिधर्मनोविलापरे॥ आव्याहनुमांन
तीयांआपरे॥ कहेकेमरुवोछोदंपतिरे॥ कहोटालुंतमारिविपतिरे॥४६॥ कहेभक्तीविरकतमारोरे॥ तेनेल
ईगयुंकुसाऊंवारोरे॥ हानेमारिनाखसेएततरे॥ मुकावोजोतमेहोसांमृतरे॥४७॥ एवुंकणिबोल्याहनुमं
तरे॥ बालाचेसामकरस्योचिंतरे॥ हमणांलाविसपुत्रतमारोरे॥ तमेश्रीकृष्णदेवसंभारोरे॥४८॥ तमेकरुंधु
श्रीलेवतमाऊंरे॥ रेवानेदियुंकष्टतमाऊंरे॥ पछेहनुमांनतेहकालरे॥ चाल्यामुकाववानेएवालरे॥४९॥
सांतोकुसाऊंनाकरमांरे॥ लागाबालतेसांमृथसांरे॥ जोयुंवांकिदृष्टिकरिबालरे॥ वलीकुसाऊंसांत
तकालरे॥५०॥ पछेनाख्याअवनीउपररे॥ मारोमारोकरेवउपेररे॥ सांतोआव्याहनुमांननतरे॥ जोयुंउ ॥२६॥

एकुसाऊंनुंकुलरे॥५१॥ अंजनीकृतकेऊभीरेजोरे॥ कृतमाराणुंफललेजोरे॥ आजनेंरोजीवतिथुंकोयरे
निश्चेमोनजोमनमांसोयरे॥५२॥ एमकहिनेजटियेकालिरे॥ मारिकुटिप्रथविमांघालीरे॥ तारेकुसाऊंके
करजोडिरे॥ मेलोविरकस्याधुनाकोडिरे॥५३॥ आजपछीनलीएतुंनांमरे॥ पाछोआवुंनईआंणेठांमरे॥ आ
जमेलोकउपायेलागीरे॥ नांवुंनजरेजावुंदुरभागीरे॥५४॥ एमकईनेकुसाऊंनाठिरे॥ जोणिअक्षरनिदग्रार
माठिरे॥ जईकपुंकालीदतपासरे॥ नथायुएवालकनोनासरे॥५५॥ एतोछेकोयअनीसमृथरे॥ एपीयाउं
असुरनुंमृतरे॥ पछेमहाविरएवालईरे॥ भक्तिधर्मनेपासलेजईरे॥५६॥ आप्याभक्तिनाहाथमांबालरे
थीयांराजीदंपतीतेकालरे॥ कहेभक्तीकणीहनुमांनरे॥ नोतिआकृतनीआसानेदांनरे॥५७॥ तारेहनुं
मांनकेभगतीरे॥ कृतनमारोसमृथअतिरे॥ नथीप्राकृतनरएनेदांनरे॥ एछेपोतेजखभगवांनरे॥५८॥
अक्षरगोलोकधांमनाधांमीरे॥ एछेकृष्णदेवबहुनांमिरे॥ धर्मरक्षाजीवुनोकल्याणरे॥ आव्याकरवा
ग्रामसुजांणरे॥५९॥ तमेभक्तिधर्मछोदंपतिरे॥ करसेपुत्रतमनेएअतिरे॥ ज्ञानवैराग्यआदिजेकेयें
रे॥ वेद्रतमारोपवित्रलेयेरे॥६०॥ तेनेवधारसेएहवालरे॥ करसेअक्षरजेनेनोकालरे॥ मारोमहीमाअ त
तिवधारसेरे॥ ग्रारणागतनोकाजसधारसेरे॥६१॥ मारेआवाअछेअत्रलोकिकरे॥ करोहेतपरहरीविकरे

॥भक्त०॥ एमकइरयाहनुमांनजाणेरे॥ जोयुंवालकेरासांमुतारेरे॥६२॥ पछेहरितणिइछाजोइरे॥ ययाहनुमांनत्रइ प.२८॥
॥द्रु॥ ससोइरे॥ तेजोइप्रेमवतीपावंनरे॥ अतिआश्चर्यपांमीयांमंनरे॥ ६३॥ वलीजोएछुंवालकआवाररे॥ आवो
निश्चेनवेअवताररे॥ कहीवातएलोकसहुनेरे॥ जीमोवालककोयकपुन्येरे॥ ६४॥ पछेनरनारियेनेमधा
संुरे॥ हनमांनसंहेतनवधासुरे॥ जेथिदखंडुकसानुंविघनरे॥ सहुकेवालागाधनधनरे॥ ६५॥ इतिश्रीमदे
कांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमद्गज्ञानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येकृस्नानुंविघ
ननिवारणनामअसतइमुंप्रकरणम्॥ १७॥ पुर्वछाया॥ तारपछीनिवारता॥ सोसांभलोथइसावधांन॥ ह
रिइछायेसंन्आविया॥ मारकंडेयगुणवांन॥ १॥ त्रिकालदर्शिनतवेता॥ ब्रह्मचारिनोछेवेश॥ धर्मनेघे
रआविया॥ संगेलइवडशिस॥ २॥ धर्मेवहुआदरदइ॥ पुजाकरिवहुपेर॥ ब्रह्मचारिभलेआविया॥
करुंपवित्रमारुघर॥ ३॥ कांथीआव्यातमेकोणछो॥ अनेसुंछेनमारुंनांम॥ सुंभणाछोत्रणस्वा
मि॥ पुछुछुंकरभांम॥ ४॥ चोपाइ॥ तारेकृपीकेसणवचंनरे॥ आवुंकरतांतिर्थअटंनरे॥ मारकंडेयमा
रुनांमजोणरे॥ भणाछुंयेवेदनेपुरांणरे॥ ५॥ जांणुंरुडिरिसेजोतिसंनरे॥ तेभणावुंछुंकुंआशिसनें
रे॥ तारेधर्मराजीवहुथीयारे॥ भलेआव्याआपप्रभुकरिदियारे॥ ६॥ मारावालकनुंनांमदिजेरे॥ वडकाल ॥द्रु॥

आमघरविजेरे॥ तमेजोतीसजोणाछोधणुंरे॥ केवुंभागपछेआवालकतणुंरे॥ ७॥ जुवोजन्मदिवसरुडियें
ररे॥ मुर्तलग्नजनमाक्षररे॥ घडिपलवेलाएनिवरतिरे॥ पाडेनांमएनुंमाहामतीरे॥ ८॥ पछेटीपणामां
जोइएहरे॥ करीजनमकुंडलीतेहरे॥ जोयुंजोतीसविद्यानेविसेरे॥ जांणुंआतोमोटाछेअतीसेरे॥ ९॥ प
छेधीरेरेर्इवोल्यावांणरे॥ तमेसांभलोधर्मसुजांणरे॥ अतीवुधिवांनएहथासेरे॥ माटेमोटासहुथीकेवा
सेरे॥ १०॥ वलीककनाचंद्रमाआवेरे॥ तेनुंनामहरिएवुंकावेरे॥ एकतमेविजाआमरमेरे॥ तेनीआप
दामदेहरमेरे॥ ११॥ मारेहरिएवुंएनुंनांमरे॥ सोनेसमरतांसुखधांमरे॥ वलीचैत्रमासमांजनमथायरे॥ तेने
कृस्नपणाकेवायरे॥ १२॥ सारुंसुंदररुपछेश्यांमरे॥ माटेएमुकैयेकृस्नंनामरे॥ मुर्तिजोईनेजननामनरे॥ तांणि
लेछेतेमाटेएकृष्णरे॥ १३॥ वलीवेउनांममधीएकरे॥ केमेजंनजेकरेविवेकरे॥ तारेत्रिकनांमहरिकृष्णरे॥ सम
रतांजंनमनप्रसंनरे॥ १४॥ तपसागजोगधर्मज्ञांनरे॥ एवाएपंचगुणेनेदांनरे॥ नेएणेत्रिवजीजेवाएपामेरे॥ मा
टेनिलकंठनांमेकेवासेरे॥ १५॥ एमगुणकर्मेकरिमांमरे॥ केसेवहुपुरुषनेवांमरे॥ वलीमुनेजएणपछेजेहरे॥ सुणो
धर्मकुंकहछुंतेहरे॥ १६॥ पासेवधुसमश्रोतावोनरे॥ भक्तीक्षमाप्रमशिघसमानरे॥ जनकना जेवुंनीजज्ञान
रे॥ मागवैराग्यमुक्तसमांनरे॥ १७॥ हरिदासहनुमांनजेचारे॥ एकइहनीघडमाएवारे॥ सहआगहस्कछवि

||भक्त० पेजेहरे || थासे पक्वादसरिवातेहरे || १८ || मायानेजेमायानुंकारजरे || तथी अज्ञांणपुंनेरहेरजरे || आतमानेतो प०१८ ||
||२७|| जांणवाणवारे || कर्इमक्तकपीलजीजेवारे || १९ || होपतजीनेगुणानेमेवारे || तेमांतोरस्तात्रियसमकेवारे || अ
धर्मसर्गथकीमंनरे || विसेजेमयुधिष्टीरराजंनरे || २० || हपालनेवलीदानातपणुंरे || थासेरतीदेवथकीघणुंरे
जीवनेदेवाप्रभुनुंजांणरे || तेमांनारदसमनेदांनरे || २१ || पवुमोयेदोपनपरवेरे || तेतोजांणोजंनकीनीपवे
रे || स्वतेत्रपणुंलक्ष्मीनाजेवुंरे || जेश्रीकणस्वरुपमांरेवुंरे || २२ || हरिहरिजंनजेहिमाथेरे || व्रतेलछमनसमते
साथेरे || थासेसउजीवनेरूपकारिरे || जेमपुत्रनेपालेमेतारिरे || २३ || हरिआज्ञामांरेवानेआपरे || थासेअ
र्थजीजेवानिष्पापरे || प्रभुपदरजमालमलेवारे || थासेभक्तअक्रुरजीजेवारे || २४ || प्रभुनेवालाजंनजेकेयरे ||
तेमांउपदीसमांनलेयरे || अंतरज्ञानुजीतवासामथरे || जांणुंविज्ञापुगटथापारथरे || २५ || पसउतरकरवाअ
तिरे || जांणुंआत्माआपेब्रह्मस्मतिरे || धिरजवांनमांधीरजवीनेरे || थासेवलीराजानेसामांनरे || २६ || अरूर
नेमोहउपजावारे || थासेवोमनजीमसमआवारे || करसेधर्मनीरक्षातेघणिरे || जुवोणधांणितमेतेतणिरे ||
२७ || हाथेछेपद्मांकुसनांचेनरे || सुखदेखिलाजेकोटिमेनरे || ऊर्धरेखाअसखुणध्वजरे || स्वस्तीअंकुश
वलीअंबुजरे || २८ || जवजांबुवजदेखोडगरे || तेणोमोमेछेदक्षणपगरे || मछत्रिकुणाकलशनेव्योमरे || धे ||२८||

त्रुपदधनुषनेसोमरे || २९ || मातचेनेसोभेवोमचरणरे || मारेआतोछेअसरणसरणरे || देखोवोजीवनेअभे
दांनरे || करसेमोटामोटासनमांनरे || ३० || वकुजीवनेआगमामांरे || वर्तावसेसतयुगत्यारेरे || नानाप्रका
रनांजेदुखरे || टालीनमारांकरसेसुखरे || ३१ || जेमविद्युविबुधनीसायरे || करछेमहाकष्टनेमांयरे || तेमक
रसेनमारिमारररे || एवाणमांगुणछेअपाररे || ३२ || विजावडमोटागुणगणमांरे || रूमगुणानीथासेराखेमार
णवोमारकंडेयनांवेणरे || रूणाधर्मेअतीरूपदेणरे || ३३ || पछेवल्लूघरेणानेधंनरे || आपांविविधभातनां
अंनरे || पीयामारकंडेयप्रसंनरे || रियातीयापछेदायदंनरे || ३४ || पछेदेआत्रिसमुनिरायरे || गीयात्रिसे
सेतप्रागमांयरे || पछेभक्तीधर्मराजीथइरे || रूतनेफुलावेमांमलइरे || ३५ || एमकरतांचारमासविसारे || वे
वोपोचमोमासपुनीतारे || तारेरूडेदिवसेदंपतिरे || मुयेवेमारुपारूपमुरतिरे || ३६ || वाराहेसहितवरूध
रारे || पुत्रीपीनेलेडाविविपरारे || करोमोटाउछवतेदंनरे || जमाडियावडविप्रजंनरे || ३७ || मंगलीकवाजां
वजडाविरे || करिवधाइतेमनभाविरे || पछेसातमासेदनमारे || आविपुरणातिथीगुरुवाररे || ३८ || तेदिकु
वुरनाविधाआकरणरे || घेणापेराव्यासंरक्षवरणरे || पछेआरूवदिविजदंनरे || कराव्याअंनवोरणांच
नरे || ३९ || करोउछवजमाडाजंनरे || कराव्यांव्रास्मणवेभोजंनरे || पछेणाभूमीरसमसेररे || त्रणमुक्ताआग

॥भक्त०॥ सतेवेररे ॥४०॥ पछेमोरखड्गमेलीनाथरे ॥ मुक्योपुस्तकउपरहाथरे ॥ इतीरुचीपोतानेजेमांइरे ॥ तेदविना प्र० ३८॥
॥३७॥ गम्युंनहिंकांइरे ॥४१॥ पछेमातापेतोलामांतेदिरे ॥ लीधिवकिरुदामांपेमिदिरे ॥ पछेधवराव्याकरीप्रीतरे ॥
करेहेतनवुंनितनितरे ॥४२॥ पछेदिनदिनप्रमेदपाजरे ॥ वाधेनिसचंद्रजेमवालरे ॥ करेवालचरित्रअपार
रे ॥ जोइमोइरहेनरनारीरे ॥४३॥ मातताततेलागेछेप्यारारे ॥ नथीमुकतानीमषन्यारारे ॥ एमजायछआनंद
मांदेनरे ॥ कतनिरषिहरखेमंनरे ॥४४॥ करेनरनारिजेदर्शनरे ॥ तेनाहेतमांहरायमंनरे ॥ वृद्धकोविदने
विद्यावांनरे ॥ देखिनाथभुलेनीजज्ञांनरे ॥४५॥ करेआवतांचरित्रनाथरे ॥ तेणेपोचेनईहाथोहाथरे ॥ मात
पिताभगनीमाईरे ॥ काकोमामोजेनेजेसगाइरे ॥४६॥ रापेहेतहरिमाथेसउरे ॥ विजानेपणावालाछेवउरे
नरनारिनेप्याराछेनाथरे ॥ नथीआवतामातानेहाथेरे ॥४७॥ पछेकांयेकमोटुंबोलवारे ॥ बोलेतोतलामृ
खथीलवारे ॥ जेमजेमबोलेकालुकालुंरे ॥ तेतोलागेमाताजीनेवालुंरे ॥४८॥ पछेस्कंदशिसरवेसयांगिरे ॥ सि
पवेसारिवालानेवांगिरे ॥ वलीरुदिरिसेस्कंरमाडेरे ॥ पयसाकरपाकजमाडेरे ॥४९॥ पेरापतासानेपकवां
नरे ॥ भावेजेजनमाडेभगवांनरे ॥ हलवेहलवेदिइवाकाजरे ॥ सिखवेनारिसिरतेमाराजरे ॥५०॥ पछेलटुय
डेपगलांभरेरे ॥ अहीआपकालतोनडेरेरे ॥ एमवालचरित्रमाराजरे ॥ करेनीजजनहेतकाजरे ॥५१॥ रिसे ॥३७॥

रडेपडेपेटवडेरे ॥ अतिदापडेडेवरोचडेरे ॥ सापगोढिलांगडथलांघणांरे ॥ करेचरित्रवालकतणांरे ॥५२॥
चालेगोवराभरघरमांइरे ॥ दरहेकआपेडआयायरे ॥ रावाअसोंप्रपदेषेसउरे ॥ पणधीरगंभिरछेवउरे ॥५३॥
भुधडुधवेभयेभइकेरे ॥ देवअदेवधिनथडकेरे ॥ भुतप्रेतदनुजनेदैतरे ॥ राक्षसराक्षसिजक्षमुहीतरे ॥५४॥
तेनोभयनहिमनमांयरे ॥ एवाअचलपर्वतप्रायरे ॥ विजासकअगुणवउसारारे ॥ तेतोलागेछेसउनेप्यारारे ॥
५५ ॥ रुवेनरराजीसदारमेरे ॥ तेमतेमतेसउनेगमेरे ॥ मीठुंमीठुंबोलेमुखेघणुंरे ॥ लागेसौजेनेनेसोपामणु
रे ॥५६॥ पयसाकरपियेनपियेरे ॥ आणरुछायेभोजननलीयेरे ॥ असनवसनभुषणसेजरे ॥ पोताकारणान
रछेतेजरे ॥५७॥ सीतडगमसकनेडमेरे ॥ कचवापनहिकोपमसेरे ॥ एवाकशीलजोइनेमडरे ॥ मानेआश्चर्य
मनमांसउरे ॥५८॥ कहेआतोमोटाकोयअतिरे ॥ एमकहेदेपिनेदंपतिरे ॥ एमकरतांवरसएकथयुंरे ॥ ते
नुंचरित्रकणोमेंकयुंरे ॥५९॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिवि
रचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रकथननामेअष्टादशमुंप्रकरणम् ॥१८॥ पुर्वछायो ॥ वलीवलीसउमां
भलो ॥ कहुंतारपछीनीवात ॥ मोटाकृतजेधर्मना ॥ श्रीरामप्रतापविख्यात ॥१॥ तेनोतेविचाराआदरयो ॥ प्रिते
करीरुडिपेरय ॥ कवासनीनामेकेदरि ॥ पराणाआवलदेवयेल ॥२॥ रुडागुणरुपेअती ॥ एकपतीव्रतासतीप

॥ भक्त० लुं ॥ प्रीते करिने पियुं पोतानो ॥ मेवे क्षवास नी श्रनिघणुं ॥ ३ ॥ पछे विज्जुं वर्ष वे सता ॥ आनंदे उछव आदर्यो प॰ १९॥
॥ ४० कुंवरनां कुशलकाजे ॥ देव ऋषीनो आदर कर्यो ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ हेते पुत्रा ह नुमान वलीरे ॥ व्यास ने कृपाचार्य जे
वलीरे ॥ अश्वत्थामा विभीषणजेह रे ॥ मार्कंडेय प्रक्रम तेह रे ॥ ५ ॥ ए सर्वे ने वि विध प्रकार रे ॥ पुजा लैषो ड
शउपचार रे ॥ जमाड्या विप्र नेह रिजंन रे ॥ आपीदक्षणा घण प्रसंन रे ॥ ६ ॥ बालकाजे करे बहु विधी रे ॥ राषे हेत
अती से संमंधी रे ॥ एम करतां वीत्या वर्ष दो य रे ॥ त्रिजुं वर्ष वरतियुं सोय रे ॥ ७ ॥ आवि जेव दि नी पंचमि रे ॥ मा
तता तजे तसी नेगमी रे ॥ ते दि कर्यो छे कुल आचार रे ॥ बालवाल उतार्या ते वार रे ॥ ८ ॥ कर्यो मोटो उछव ते
दे नरे ॥ जमाड्या विप्र नेह रिजंन रे ॥ तेना काम काज मांड मात रे ॥ भुली गी यां छे स्रत नी वात रे ॥ ९ ॥ पोते रियां
जेन जमाडवा रे ॥ पुत्र पर ने आप्यो रमाडवा रे ॥ ते ने ते रिंगयावी जां बाल रे ॥ जो वा सुंदर वाडि रसाल रे ॥ १० ॥
ती यां फल दिठां मी ठां घणां रे ॥ जांम फली मीता फली तणां रे ॥ नाली के जी अनुपम्म नार रे ॥ कर्या अमृत फ
लना सांभार रे ॥ ११ ॥ जांबु ली बुं ने रां एपुं रुपाली रे ॥ शुदि कर्मदी पा कि रसालि रे ॥ शखरखारे क खले ल्यां खरा
रे ॥ लेवा रियां ते सउ छो करां रे ॥ १२ ॥ हरिने बे सारि लरुतले रे ॥ फर्या बालक करु संग ले रे ॥ एम करतां आप
म्यो दंनरे ॥ आव्यो ए सम्मे अक्रर जंन रे ॥ १३ ॥ काली दत्तनां मे छे कपटि रे ॥ पापी परम कुमरकर मदि रे ॥ वल्यो ॥ ४० ॥

कु बुद्धि बालक जेवो रे ॥ कोयथि न अकलायए वो रे ॥ १४ ॥ आवि भेल्युं मां डयुं छे रमवा रे ॥ मन मां छे हरि ने ह मवा रे
कादि कर्या उते नो छे क्रोध रे ॥ वेर बाल बानो छे विरोध रे ॥ १५ ॥ पापी पो गरि वघट मां घात रे ॥ भर्यो कपट दग ने कुज्ञा
त रे ॥ रम्यो बाल संगे बहु वार रे ॥ पछे विसा रि माया अपार रे ॥ १७ ॥ करी शक्ति ओर खुंत न काल रे ॥ वाध्यो अं
गे पापी यो विकराल रे ॥ फाड्युं मुख फाटो जाणे गुंफा मरे ॥ काटी जी भलां बि विसम वां भरे ॥ १७ ॥ करडे दांत क्रोध मां
अती रे ॥ आव्यो हरि समारवा कुमती रे ॥ पापी पो भुंडो भयंकार बड रे ॥ ते ने देखि बिनां बाल सउ रे ॥ १८ ॥ कर्या जा
वा करत तन काल रे ॥ काली करवा बालनो काल रे ॥ सां ते वां कि दृष्टि क रीना थे रे ॥ पांम्यो मोह पछो भोमीमा
ये रे ॥ १९ ॥ ते गो दा प्युं कुबुद्धिनुं देह रे ॥ पछे क्रोध पाम्यो अक्रर तेह रे ॥ करी आकरि माया उतसंन रे ॥ चडि घटाने
चाल्यो पवंनरे ॥ २० ॥ आवि आंधी ने रजनि मली रे ॥ करे कडक कारा व डवि जली रे ॥ पायगाजमां घोर कडाका
रे ॥ दिये दामनी ते मां जडाका रे ॥ २१ ॥ वरसे मे घ रहे न ईम रणा रे ॥ चाल्यां पुर प्रथवि पर घणां रे ॥ वरसे मे घम
चीव ड कडि रे ॥ वायु वेगे ब्रक्ष गी यां पडि रे ॥ २२ ॥ त्रुटि पांखु पंखि पड्यां भोमरे ॥ मृग जाती थी यां छे व फो मरे
थी यो अती मोटो उत पात रे ॥ परिव्र ज मां वेर गारा त रे ॥ २३ ॥ वहु उपद्रवे वीनो बाल रे ॥ नासी गी यां बीजे तत
काल रे ॥ ल्लेसा स्याता आं वानले हरि रे ॥ ते ने निनरई खख खरखरि रे ॥ २४ ॥ च रि टाढ्य ने तो तं न धुजे रे ॥ मली रा सां मां

॥भक्त० कोयेनसकेरे ॥ एविमायाविलाश्वियकरेरे ॥ मारवाहरिजीनेजरुररे ॥ २५ ॥ फेरेरुछीनेजुवेसंगलेरे ॥ दिवाहरिवे प० १९॥
॥४१ ठाआंवातलेरे ॥ तारेउडिआकाशमांचड्योरे ॥ आविश्रंवरक्षपरपड्योरे ॥ २६ ॥ जेमहीमाचलनीसिखरथ
रे ॥ तुटिपडेपर्णकुटीपररे ॥ एमपड्योअकरअभागीरे ॥ तेनिकपटेपड्युंफाडभागीरे ॥ २७ ॥ तेनेतलेवेसि
रयावालरे ॥ थीयोनहिवांकोएकवालरे ॥ जेमरयागोवर्धनहेठेरे ॥ श्यातरुतलेतेनिपेठेरे ॥ २८ ॥ वायुंवर
सातनेविजलीरे ॥ तेनाथाभवनीपीडाटलीरे ॥ श्यामचलपर्वतथापरे ॥ अकरनुंनडपजेकांयरे ॥ २९ ॥
पछेअफरक्रोधकरिनेरे ॥ गीयोकालवाहायेहरिनेरे ॥ तारेवांकीदृष्टेजोयुंनाथेरे ॥ पाम्योमोहपड्योभोमिमा
येरे ॥ ३० ॥ पाम्योमोरछाआकुलथियोरे ॥ करुणारिरनीभुलीगीयोरे ॥ यस्वीकलनेभम्योवंनरे ॥ सोपृचंडवा
तोतोपवनरे ॥ ३१ ॥ तेनेवेगेपडतोताफाडेरे ॥ मुवोचेपाइपश्चुनेपाडुरे ॥ जेमअांखुअहिकुंडकापेरे ॥ जागे
सो आलमरेमुं[illegible]आपेरे ॥ ३२ ॥ जेमकापेकोपवेगानीडालरे ॥ पडेकुपेमरेततकालरे ॥ जेमकरोलीयोकरेवि
लासरे ॥ पामेपोतानीजालमांनासरे ॥ ३३ ॥ एमपोतानिमायामांमुवोरे ॥ आपपापेपापिनासकुवोरे ॥
मुवोहैलमायामदिगईरे ॥ वायुमेघविजलीनरहरे ॥ ३४ ॥ तारेशांतीपांम्यांसहुवालरे ॥ पछेकरीकृष्ण
निसंभालरे ॥ जारेनदिठापोतानेपासरे ॥ तारेवउथीयांछेउदासरे ॥ ३५ ॥ पछेकरेछेसादपोकारिरे ॥ जां ॥४१॥

होसांथीवोलोकथकारिरे ॥ करेसादघरणुंघरणुंगोतेरे ॥ जड्यानहिफाटेवकुजोतेरे ॥ ३६ ॥ तारेभुल्योआरिसं
भालरे ॥ करेहेहेकृष्णहेहरिवालरे ॥ एमसादकरीसोभ्यागतीरे ॥ वेगलाथानरुंगोपपतीरे ॥ ३७ ॥ तारेव्या
कुलथयांछेवालरे ॥ रुवेकरघसेकरेपोकाररे ॥ कहेक्यांथीलाव्याएनेआंहरे ॥ हवेसुंकेहेसुंजइगांममांहरे
३८ ॥ एनेमावापनेतेसुंकेसुंरे ॥ विजानेउतरसीपोदेसुंरे ॥ नरिसुंमुखदेखाडाजेवुंरे ॥ कयुंकांमतोआप
तोएगुंरे ॥ ३९ ॥ एमबोलेपरस्परवोएारे ॥ सोतोथीयुंछेगांममांजाणरे ॥ फरक्यापुरुषनांअंगडावांरे ॥ एवं
अपसुकनलागांथावारे ॥ ४० ॥ फरक्यांनारिनांजमणांअंगरे ॥ तेतोमदथीयांमनभंगरे ॥ सांतोभक्तीकहे
कंतमारोरे ॥ एनेकोणातेढिगयुंवारोरे ॥ ४१ ॥ खोलीकाढोरववदुखरानीवेलीरे ॥ पुत्रविनामातापडथेलीरे
थीयाधर्मतेव्याकुलवलीरे ॥ पामीमुरछापडियाढलीरे ॥ ४२ ॥ पछेआव्यांजनमलीसडरे ॥ करेवाडलेना
खरखुरोवडरे ॥ कहेछोकरोगीयोछेवाडीरे ॥ तीयांतेडिआयोएअनाडिरे ॥ ४३ ॥ पछेचाल्यांगोतेनरनार
रे ॥ करीदिविफानसकेंत्रपाररे ॥ करेजेष्टिकाअसीकमानुंरे ॥ आव्यांजीयांएवृक्षअंवानुंरे ॥ ४४ ॥ मात
तातलीयेलडथडियुंरे ॥ पुत्रवियोगनुंदुखपडियुंरे ॥ एवेसमेहरिपासेवलीरे ॥ आविधर्मनारिवारेम
लीरे ॥ ४५ ॥ कलजांगीलीधामोंवेखोलेरे ॥ वालधवराआमाववोलेरे ॥ हरिमानानीपुरवाहांमरे ॥ थीया

॥भक्त०॥ हादजास्वरूपेजागेमरे॥४६॥एवेसमेगांममकांरेनारेरे॥आवोखोलतांसोनरनारेरे॥कहेछेकरोआवृक्ष प्र०१९॥
॥४२॥ तलेरे॥अमेमुकातामलीसंगलेरे॥४७॥तेतोवृक्षपरिसुंछेभागीरे॥तेनेजोइसोनेविकलागीरे॥कहेआ
वुरूवपडंघुंजीयांरे॥नोयबालककुशलतीयांरे॥४८॥एमआंतरेथइउदासरे॥आवांजोवाएवृक्षनेपासरे
तारेसुधा आदिहादजिरे॥मुकिवालकनेगयुंरवसीरे॥४९॥मसागोंतलामामीनेनायरे॥तेणेआप्याछेभ
क्तीनेहायरे॥पांमीपुत्रराजीथीयांवालारे॥आपीभामीनेमोतीनीमालारे॥५०॥पछेकतहेतेथवराआरे
जोएगुनवेअवतारआयारे॥वलतोजोयांचाहिवक्षजारेरे॥मुवोपुरुषपडोदिगेतारेरे॥५१॥पछेपुछ्युं
वालकनेतेनुरे॥कयुंवालकेवतांतरानुंरे॥एतोआव्योतोकरवाघातरे॥कोएजाणेथइकेमवातरे॥५२॥
तारेपांमीयांविसमेसउरे॥आलोविघनविनीयुंबउरे॥पछेउगोचंदआव्याघेररे॥भक्तीधर्मबोल्याएह
पेररे॥५३॥कयुंश्रीकृष्णछेआजरूरे॥तेविनानमरेएअसुररे॥जारेकालीदत्तदेसमुवोरे॥तारेजा
एयुंसोनोनामरूवोरे॥५४॥छेआसंभृथआपसेरूरवरे॥भीजाएहामोविसारयुंदुखरे॥तारेहतुंजेह
रिनुंज्ञानरे॥रयुंतेजाणाफतसमांनरे॥५५॥पछेविरमुंजाणिविघनरे॥करयापारपुजादानपुन्यरे॥
कयुंसंसकारवालतणुंरे॥तेणेकरिनेसोभ्याछेघणुंरे॥५६॥इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमदजा ॥४२॥

नंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येअसुरविघननिवारणनामसप्तमप्रक
रणम्॥१९॥पुर्वछाया॥ वलीकउएकवारता॥सोमोभलजोसाक्षात॥एहगांममांअसुरनो॥अतीथ्या
वालागेउतपात॥१॥मातपीतादेमनमां॥वलतोतेकरयोविचार॥इयांरेतोआपणने॥थीयांविघनवा
रमवार॥२॥आपणेछेमीराअरणली॥जांणोजीवमहोरिजीवंन॥तेनेविघनजोआपसेतोथासेंवेउ
निरधंन॥३॥माटेआंपांथीचली॥जायेजोधापुर॥पविचधांमश्रीरांमनुं॥त्यांनइआवेअसुर॥४॥
चोपाइ॥ पछेगाडेघरनीसमृधिरे॥लेवाजेविनेसरवेलिधीरे॥पछेसंमंधीपासेसीखमागीरे॥चाल्यां
कनेमहीतकनागीरे॥५॥वेठांसकरेधर्मभगतीरे॥देयफलनेनेडिढंपतीरे॥जनकपासेवेवाछेजोषे
नेरे॥मानाखोलामांवेवामोहनरे॥६॥चलामांगाडुलांधीरेधिरेरे॥आवोसंआसमेसर्जतीरेरे॥ला
योवांगखेवटतेवारेरे॥वेसीउतरियांगंगापारेरे॥७॥जिधोमवेंसमाजसंभालीरे॥जोइसर्जनीसोभा
रूपालीरे॥जोयांजलस्केदरअमलरे॥कोवेफुलिरियांछेकमलरे॥८॥रातांपोयणांतीयांरूपालांरे॥ना
लिफुलछेसुगंधीवालांरे॥तीयांसारसहंसछेरुडांरे॥कुंफीबदकुजलकुकडांरे॥९॥करेपरस्परपंखि
नाहदरे॥जाणुंनावानेकरेछेसादरे॥एमसोभेछेसरजुघणिरे॥कोवेकुडमवाडिवउवणिरे॥१०॥गुला

॥भक्त० बगुलहजारिंघणां रे ॥ बउवंन सांतुलसीतणां रे ॥ गुलदावदिनें गदुलीयां रे ॥ केउरकरणिकाकुंभी कुलि प्र० २०॥
॥४३॥ यां रे ॥ २१ ॥ जासजुर जुपीकासेवत्तिं रे ॥ माधवीमलिकानेमालती रे ॥ कुंद केसुकणेर केतकी रे ॥ शियानि
माली [illegible] वालिवेकि रे ॥ २२ ॥ चंपो चमेली चंदन सारुं रे ॥ गुलसोमनागुलहजारुं रे ॥ पीपा वासपाडलजा
सूल रे ॥ वोरसडिवसंतनां फुल रे ॥ २३ ॥ मरवा सुगंधी आंबना मोर रे ॥ वेके केवडो ठोरमठोर रे ॥ फुलको
टीमफल रसाल रे ॥ बउविवीधभातेविमाल रे ॥ २४ ॥ एविसो भासजुंनी रतणि रे ॥ वली केंपेसुमुलथी
घणि रे ॥ बउवेदियेवेठा विपर रे ॥ करे स्नानने संध्या सुंदर रे ॥ २५ ॥ देवमंदिरबउतिर्थतीरे रे ॥ सोभे सजुंनी
रमलनि रे रे ॥ वाडिवंनसरजुनेवार रे ॥ पशुपधा सेसो भ्यां अपार रे ॥ २६ ॥ जीपां ज्ञा आपो ते घन जांम रे ॥ ते
रोकरी यीयां सोभाधांम रे ॥ एविसोभा जोइ छे समस्त रे ॥ सांतो स्वर्ग केपांमी पोछे स्प्रस्त रे ॥ २७ ॥ तारे दिवा
करुवावउतिर रे ॥ तेनां पद्मा पति विंवनि र रे ॥ कांठा पर हवेली छे घणि रे ॥ करिहा सुं सोदिप कतणि रे
२८ ॥ जुदहवेली नादिवामलि रे ॥ तेरो पुरिरकुलमलि रे ॥ एवुं सेरसोपाम एं युग्गुं रे ॥ रचे लछे मनुरा
ज्ञातएं रे ॥ २९ ॥ वली इक्ष्वाकु कुलना जेह रे ॥ नेने रे वानु स्थान कराह रे ॥ एवुं सेर सुंदर रविसाल रे ॥ तियां ॥४३॥
आविया धर्मनेवाला रे ॥ ३० ॥ वलीवासुदेवभगवांन रे ॥ जन्मी रामथी पाजेह स्थान रे ॥ एवि पुरि शापवित्र

घणि रे ॥ वाडिवंनेविरिसोपामणि रे ॥ ३१ ॥ सोभेसेरिवजारु चोवटा रे ॥ रुडा राजमारग वाल्या मोटा रे ॥ सा
तमाल नि हवेलीसार रे ॥ सोभे कैलास गीरि आकार रे ॥ ३२ ॥ बनी पेरानी ते निअपार रे ॥ सोभे वरो वस्य तेनां वार रे
वली हाट विवेक विभागे रे ॥ वरो वस्य सुंदर सारा जागे रे ॥ ३३ ॥ क्यांक वेचाय दुध ने दइं रे ॥ क्यांक घृत मीसरिने म
३ रे ॥ क्यांक फलफुल वलीपांन रे ॥ क्यांक वस्त्र ज्ञान नास मांन रे ॥ ३४ ॥ क्यांक चामरा भुषण वासा रे ॥ क्यांक कवे
रिने मोतियाला रे ॥ क्यांक गज वाज सणगारि रे ॥ फरे निमते निअसवारि रे ॥ ३५ ॥ क्यांक अनेक अन्न रसालुं रे ॥
क्यांक साक सुंदर वकालुं रे ॥ क्यांक हाट हाटे दलवाल रे ॥ वेचे विविधभाते मीठाइ रे ॥ ३६ ॥ क्यांक गांधी मोदि
मणियार रे ॥ क्यांक नाणावटी तणि हारु रे ॥ क्यांक माली ने तंबोली तेज रे ॥ क्यांक मालविने रंगरेज रे ॥ ३७ ॥
क्यांक गांनतांन नेग वेपार रे ॥ एमसौ कोय विभागे रियार रे ॥ क्यांक विप्र करे वेदाभ्यास रे ॥ क्यांक बालभणे पं
ड्यापास रे ॥ ३८ ॥ क्यांक क्षत्रीतणि सभा सार रे ॥ क्यांक वैश्य करे छे वेपार रे ॥ क्यांक शुद्र करे सेवा मारि रे ॥ सउ
वर्णं रियां धर्म धारि रे ॥ ३९ ॥ क्यांक लडे छे मलअखाडे रे ॥ खेले कुस्ती पेच ने लाकडि रे ॥ क्यांक पडि छे रुनी म
लीपुं रे ॥ एम सोभे सेरनेगली युं रे ॥ ४० ॥ वलीवसे बउ वितरागी रे ॥ रामउपासी वीपना त्यागी रे ॥ बउ मंदिरने
धर्मसालु रे ॥ तेणेलागे छे सेर रुपालुं रे ॥ ४१ ॥ पुष्पचंदने छोलाहेतु चोक रे ॥ देवसरिखा वसे छे लोक रे ॥ रामसी

॥भक्त० तालछमनजनीरे ॥ बडमंदिरे तेनी मुरतीरे ॥ ३२ ॥ तीयांनीमतविनरनारुरे ॥ आवेदरसनेकरीप्याररे ॥ थाय पृ· २०॥
॥४४॥ आरतीनाकणाकाररे ॥ करेउछवजननेसांअपाररे ॥ ३३ ॥ झांझमृदंगकालरिगांरवरे ॥ भेरितुरिनेवेणांअमं
खरे ॥ थायनादतेनोपुरमांइरे ॥ धोसेसेररिपुसर्वछाररे ॥ ३४ ॥ चालोंजा यणसोभसीनादरे ॥ पुमवती
हरिपरमादरे ॥ वलीवुनीमोभादिवानणिरे ॥ जांएंहारुंएमांदिमणिघणिरे ॥ ३५ ॥ तेनेप्रकाशेसेखिजा
रुरे ॥ फरेउजासेलोकहजारुरे ॥ एविसोभाजोतांनरनारुरे ॥ आवांसेरआोलंघीअपाररे ॥ ३६ ॥ रामथा
टविरखिनजरेरे ॥ आव्यावरहटामांखानगरेरे ॥ तीयांअनीहोवथापवडरे ॥ होमेहविसानघृतसडरे ॥
३७ ॥ तेस्कगंधीलङनीजधांमरे ॥ आविरियांकरिविमरांमरे ॥ पछेनिसप्रतेमजुंनारेरे ॥ करेसेध्यानेवंदन
सांईरे ॥ ३८ ॥ वलीकरेछेकुसनीमेवरे ॥ देखिकरेतेमहरिदेवरे ॥ हरिबुद्धिपेछेवडधीररे ॥ साधुरसभावेसोभे
त्रारिररे ॥ ३९ ॥ खोनपानखुविरेवलजेदरे ॥ नथीगामतुंअंतरतेदरे ॥ नातमंगाथेसरकुनाररे ॥ पाछाआवे
जारेघरमांईरे ॥ ४० ॥ तारेकरेकुलनिमुरतिरे ॥ पुजेतेनेभावेकरिअतिरे ॥ रम्यामांपणाअरुचीघणुंरे ॥ वलीम
हारामेरुचीपणुंरे ॥ ४१ ॥ तेमांकोपजोकरेविघनरे ॥ तेस्केदीमसेनईमंनरे ॥ कथाकिर्तनमांवउप्रीतरे ॥
सुणेरामनांचरित्रनिसरे ॥ ४२ ॥ जेमांहोयसाधुताअपाररे ॥ एवांजनस्कपोतानेप्याररे ॥ गामेनरअसाधुता ॥४४॥

रेचरे ॥ एमकरतावर्षथीपांचरे ॥ ४३ ॥ तारेकुमारावस्थाउतरिरे ॥ पोम्यापौगंडावस्थानेहरिरे ॥ तारेसरजुगं
गामांनावारे ॥ मांहुंआपेरकीवुतांजावारे ॥ ४४ ॥ सीतारामलक्ष्मनहनुरे ॥ करेरुमृणानित्यगहनुरे ॥ वलीता
ननामुखथिपर्मरे ॥ रुणपासमपुरुषनाधर्मरे ॥ ४५ ॥ वर्णाश्रमवलीचीयतणारे ॥ कपाछेवृवैधर्मजेघणारे ॥
तेतोसर्वेराख्याछेसंभारिरे ॥ नथीमेल्यामनथिविसारिरे ॥ ४६ ॥ बालपणामांवुद्धिछेघणिरे ॥ कोईकमुखपाठ
लिधुंभणिरे ॥ वलीरुणोश्रीमद्भागवतरे ॥ तेतोपोतानेवाल्युंअनंतरे ॥ ४७ ॥ घणोहरिजनस्कमनेहरे ॥ विजा
साधेछेवडनिस्पेहरे ॥ सागवैराग्यतेनमांवडरे ॥ देखीआश्चर्यपामेछेसउरे ॥ ४८ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्म
प्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येअवधपुरिवर्णनेनेधर्मभक्ती
सांवस्यांरानांभेविसमुंप्रकरणम् ॥ २० ॥ पूर्वछायो ॥ रूभमतीसउमांभली ॥ करुंकथातेअनुप ॥ तारपछीनीजे
वारता ॥ छेसोनेतेरुपसरुप ॥ १ ॥ राजवर्षवैसाखमासे ॥ सुकलद्वितीयादिन ॥ पतीव्रताप्रेमवतीये ॥ जन्म्या
पुत्रपावन ॥ २ ॥ गुणेकरिइद्युमनसरखा ॥ सभावेसंतसमांन ॥ प्रीतघणीप्रभुमां ॥ नांमरेछारामगुणवांन
न ॥ ३ ॥ जेअनुजमहाराजना ॥ जोणजो जगविख्यात ॥ तारपछीहवेहरिनि ॥ करुंसांभलजोसउवात ॥ ४ ॥ चोप
ई ॥ पछेप्रभुजेबुद्धविसालरे ॥ तेनेवेसाखिपाछेनीमालरे ॥ वैसाकसुदिवारमदिनेरे ॥ करणमांअक्षरहरिजि

॥भक्त० नेरे॥५॥जागी लक्ष्मिनारायणपायरे॥पुजीसरस्वतिगणपतिरायरे॥करीहोमजमाझाविपररे॥सिषवा प०२१॥
॥४५ नेस्कविद्याकंदररे॥६॥रामकरतांथोडुंघणोहंनरे॥सीख्याविद्यापरमपावंनरे॥जोंग्धर्मेंक्रतबुधिवोत
रे॥भणाव्यावेदच्चोगेसोतरे॥७॥सीख्याज्ञानस्त्रूत्ररथेमहीतरे॥थीयाविद्यावांनब्रह्मवितरे॥हलावाचा
लनेविद्याजोरेरे॥करेचरचानपोचेकोरेरे॥८॥पुछेजीयांतीयांपरसंनरे॥तेनोकरेउतरकोराजंनरे॥जा
यसजंमांनावाराकिलारे॥उठिव्रास्मुरतमांवेलारे॥९॥न्हावेनाईनेघरमांजारेरे॥करेरामजीनीपुजा
तारेरे॥धुपदिपपुष्पफलपत्ररे॥तेरापुजानेभणोछेस्तोत्ररे॥१०॥पछेनीवेदनुंजेजेच्यंनरे॥तेनेजमेथरपर
सेनरे॥पेरीकेवेतुलसीनीमालुरे॥उर्ध्वपुंडतीलकछेरूपालुंरे॥११॥रामकोरव्यादिरूडिरितेरे॥करेषदक्ष
णानेनेप्रीतेरे॥जन्मस्थांननेलछमनघाटरे॥रामघाटेजायवर्णिराटरे॥१२॥ब्रह्मकुंडवलीस्वर्गद्धारिरे॥जा
यजोनकीघाटेविचारिरे॥विद्याकुंडस्नरजकुंरजेहरे॥भदसाव्यादितिरथतेहरे॥१३॥कनकसींहासन
नोदसंनरे॥विसेजावुंरत्नसींघासंनरे॥हनुमांनगढियेहमेसरे॥जावुंस्रुग्रीवटिलेत्र्यहोनिसरे॥१४॥
जरांनाथकावडियानीजागेरे॥जावुंसागीपासेवालुलागेरे॥त्र्यहिल्यावाईनामेहरिमोररे॥जावुंनीसद
र्शनेसोईरे॥१५॥दिलायसिंगजरायगंजरे॥जुवेजेसेगेपुरस्कषपुंजरे॥जीयांहोयहरिस्हरिजंनरे॥तीयां ॥४५॥

तियोफरेभगवंनरे॥१६॥सर्वेतीरथउविसवारेरे॥फरेकरेदर्शनप्यारेरे॥रामजीनीमुरतीयुंन्यागेरे॥करे
उभास्तुतीराकपागेरे॥१७॥कहेधनधनरघुपतिरे॥तमारीमहीमामोटीव्यतीरे॥कहीनजायमुखथीगाय
रे॥धनधनहेजांनकीनाथरे॥१८॥जुवीतवपहरजथुलापेरे॥पग्रालाटलीत्र्यहिल्यान्यापेरे॥देखीविस्मेपांम्यां
पेयीपायरे॥धनधनहेजांनकीनाथरे॥१९॥कस्योगोहराजाभवपाररे॥कल्योत्र्यघवंतजयंतउधाररे॥करि
भिलरिनमेसनाथरे॥धनधनहेजांनकिनाथरे॥२०॥वेलीजटायुजनेअंतकालरे॥दिधोदर्शनतमेदयालरे
करिक्रियातेनिनिजहाथरे॥धनधनहेजांनकिनाथरे॥२१॥तास्योसुग्रीवमीत्रकरिरे॥रानेसारुमास्योवालि
हरिरे॥मारिकरिदयातेनेमाथेरे॥धनधनहेजांनकिनाथेरे॥२२॥तेनेपासेस्ताहनुमंतरे॥अतीसमर्थवोवलवं
तरे॥करीएकोनिकराख्यासाथरे॥धनधनहेजांनकिनाथरे॥२३॥विभीषणनिजजनजांणिरे॥तेनेत्र्योधा
स्योसारंगपाणिरे॥कस्योरायुमारिरावणहाथरे॥धनधनहेजांनकिनाथरे॥२४॥एवांत्र्यनेककाजकरिरे॥
त्र्यामात्र्ययोध्यामांनमेहरिरे॥जयजयगायजननाथरे॥धनधनहेजांनकिनाथरे॥२५॥करेस्तुतिराम्रुरति
न्यागेरे॥वारपोरवेपोरलोलागेरे॥रोनपांनमांहिनस्वतीरे॥सागवेंराम्रवालोछेम्रतीरे॥२६॥एमफरि
करिदर्शनरे॥जारेत्र्यावेमोवंनजीवंनरे॥तारेभणोछेवेदसन्त्रगरे॥सीजसंतोषसाधुतात्र्यंगरे॥२७॥

॥भक्त॰ एवुं जोइने पोताना तातरे॥ संभारे छे पुरवनी वातरे॥ कयुं तुं मारकंडेय जेहरे॥ सर्व गुण आमो तो छे एहरे॥ २८॥ भ॰ २१॥
॥४६॥ एवा हरिने जे आसरे छेरे॥ तेना सरव संसे दरे छेरे॥ आपी ज्ञान भक्ती नेवैराग रे॥ बीजी वासना करावे छे त्याग
रे॥ २९॥ बालपणामांई जेन वुठेरे॥ जोणे आतम दर्शी छे मउरे॥ कहे परमात्मा को रेछेरे॥ एम परस्पर जेनके
छेरे॥ ३०॥ पोताने पण एवो छे घाटरे॥ जोर रिघा छे जनो ना वाटरे॥ एवा थकाशि पामंदिर मांयरे॥ जेम कमल
रहेनिरमो यरे॥ ३१॥ नीजतातम स गुण वालारे॥ एवो पतीव्रता माता बालारे॥ एवो सस वादि जेन जोइरे॥ पा
यसेरवासी शिष्य सोइरे॥ ३२॥ तेने आपे उपदेश आपरे॥ करावे हरिना मनो जापरे॥ ज्ञान ने भक्ति वैराग्य
युक्त रे॥ आपी उपदेश ने करे मुक्त रे॥ ३३॥ दारू चोरि मद्य मांस तजरे॥ करावे हिंसा विश्वास जजरे॥ च्यारव
र्णजे आसरे आवेरे॥ तेने एवि रिते निम धरावेरे॥ ३४॥ एवुं जोइने जुवती जेनरे॥ रहे छे गुरु करवाने मन
रे॥ पछे विचारि ने धर्म तनेरे॥ न थी करता शिष्य पोते एनेरे॥ ३५॥ कहे आज कालु रिस एहरे॥ चाले पुरम
पराये तेहरे॥ तेनो आज तो न थाय विचाररे॥ पण पछे वगाड थशे पाररे॥ ३६॥ माटे कयुं सरवे जुवतिनेरे
तमे करो गुरु भगतिनेरे॥ एउद्धव संप्रदाय निरितरे॥ तेने पाल वि धवत करि प्रितरे॥ ३७॥ पछे बीय सउ
भक्ती नेमलीरे॥ धर्म नारि नाल धासां भलिरे॥ सधवा विधवा धर्म जेहरे॥ कहि सर्वे बीय पाले तेहरे॥ ३८॥ ॥४६॥

तेणे नारि यरसु इस्त्रतिरे॥ जेको पद्धति कुजटा कुमतिरे॥ एम धर्म ने भक्ति विचारिरे॥ उपदेश छेना तेना दे
रिरे॥ ३९॥ वली जन्म दिवस प्रभु तणारे॥ तेना करे छे उछव घणारे॥ जन्माष्टमी रामनोमी जेहरे॥ करे व्रत उ
छव सर्वे तेहरे॥ ४०॥ भादरवा सुदि चतुर्थि आवेरे॥ पुजे गणपती बउ भावेरे॥ आसो वदि आवे चौदसिरे॥ पुजे
हनुमानने करिजसिरे॥ ४१॥ निम धारि करिणे कृपा नितरे॥ वउ हरिचरित्र मां प्रितरे॥ वली जे आवे भगवा पास
रे॥ तेने करावे वेद अभ्यासरे॥ ४२॥ हे ते हरिवात संभलावेरे॥ कुदाधर्म ने पालेपलावेरे॥ आपे जिनी वेगात्रा
तुच्छ पेरे॥ तेम करणां आश्रित तत्र भयरे॥ ४३॥ एवा सत्य वादि भक्तिधर्मरे॥ जेने घेर पोते परब्रह्मरे॥ तीयां स
दगुण आवि ने रहेरे॥ तेतुं आ सूर्य कोकोण कहेरे॥ ४४॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वा
मिशिष्यनिकुलानंदमुनिविरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये हरिकृष्ण बाललीला नाम एकविंसमुं प्रकर्णम॥ २१॥ पू
र्वछायो॥ सउ जेन वली सांभलो॥ पछे धर्मे कयो विचार॥ जन्म थकि महाराज ने॥ वर्ष वित्युं अष्टमुं आवार॥ १॥
जनोइ देवा जनक ने॥ अती आनंद उर न माय॥ देश देशना जोतसी॥ तेडावि पाडि जगाय॥ २॥ पुष्प फल जे पु
जा करि॥ पछे पुछ्युं छे परसंन॥ उपवित देवा आस्कत ने॥ तमे सोधी कादो शुभ दंन॥ ३॥ जोई जोस जोसि बो
छे. लीया॥ वर्ष आठमुं आ अनुप॥ माघ सुदि दशमी दने॥ शुभ मुरत छे सरस रूप॥ ४॥ चोपाई॥ पछे राजी थय

॥भक्त०॥ मातताता॥ निश्चेकरिनेमांनिरावाल॥ मनाव्यासाजनसमाजघणा॥ कोयवातनिनराखिमणा॥५॥ पछेकंको प॰ २२॥
॥४१॥ तरिगोमोगोम॥ मेलीलखिसरवेनांनांम॥ रुडिरिमनांमराराग्यांघर॥ चित्रविचित्रकर्यासुंदर॥६॥ रो
प्यारेभानाथेअतेरास॥ बांधीतरियांतोरणावास॥ छांटांअगरचंदननांवां॥ तेणेसोभेछेवेकुवजेवो॥
७॥ रोप्योमंडपपुरयाछेचोक॥ जोयथकीतथायसेरलोक॥ दिविफानसकाचनिहांडि॥ वासीदिपकहारो
हारमांडि॥८॥ नीलापीलाभरयारंगराता॥ सोभेसाराकेथेनपीजाता॥ अतीउछाहेआदरयोजग॥ देवा
उपवितउरेउमंग॥९॥ पछेजेजेतेउगांतोजेन॥ तेतेआव्यानवमीनेदंन॥ रथवेसनेगाडुलीलइ॥ आ
न आव्यापरचरिकई॥१०॥ बालजुवांवृद्धनरनारि॥ आव्यांसवेतेमवधारि॥ एकजमवुनेजजोपवित
हरिनिरखवाचाहेछेचीत॥११॥ जेनेजेविधटेपेरामति॥ लावोमोसालीयांमलीघणि॥ बीजांवउत्सा
विधांहरिजेन॥ करवाधर्महरिनांदर्सन॥१२॥ तेनेआपांउतरघाघर॥ सारिपेरेकरीसराभर॥ पछेना
वेजमाडयांभोजेन॥ लेह्यचोषभक्षभोज्यअंन॥१३॥ साकपाकनेसंदरवडां॥ जम्याहरुमुवानानकडां॥
पछेआयोदशमीनोदंन॥ तेदाविप्रविद्याथेसंपन॥१४॥ कुलगोरमाराममामवेदि॥ अतीआचारेआ
पनीवेदि॥ पछेपुरनापुरांणिजेह॥ वेदशास्त्रनाभणेलतेह॥१५॥ मलीरूसभवेलापलजोर॥ आपवापभुजी ॥४१॥

नेजनोर॥ वाजेमेगलीकवाजांअपार॥ गायमंगलमलीवहुनार॥१६॥ प्रथमवृणपगायतीयांआपी॥ पु
त्रागोत्रविनायकस्थापी॥ करयांयेदिलेस्थापनअग्नि॥ आकृतीपआपेतेमांधिनी॥१७॥ पछेत्रांमवे
दनुंजेकर्म॥ पासेरस्करावेछेधर्म॥ पेलापुत्रनेनवारिजमाड्या॥ मुडनकरिफरिनवाड्या॥१८॥ धर्मेक
राविसंस्कार/विधी॥ आपिकोपीननेपेरिलिधी॥ पछेधर्मदेवेवकुमावे॥ आपीजनोइधरिसुभेडावे॥१९
तारेगुरुवेकपुंविचारि॥ फरोभोमीयेपरब्रह्मचारि॥ पछेधर्मेसीखामणदिधी॥ करजोवेमदेवकरिवि
धि॥२०॥ करवीत्रीकालसंध्यापावेन॥ जमवुंपंचग्रासकाढिअंन॥ नसुवुंदिवसेनिरधार॥ गुरुसेवा
मांराषवोप्यार॥२१॥ तारेसमसमकरेवाल॥ फणिगजीथीपामामोसाल॥ पछेधर्मेगायत्रीनोमंत्र
आप्योकरवाजापनिरंत्र॥२२॥ वुजउंाव्योवाजांतीयोवली॥ गायगीतसांमानुनीमली॥ करेविप्रतीयां
वेदधुनि॥ पोतीहेयानीहांमसउनि॥२३॥ करीवरसपरथेरामति॥ दिधिधर्मतेदक्षणाघणि॥ कल्या
राजीहिजनेगायक॥ आपिअंनधनवस्त्रअनेक॥२४॥ बोलेजाचकजयजयवउ॥ धनथनकहेजनसउ
पछेगुरुवेपलासडंड॥ आप्योहाथमांगेवाअखंड॥२५॥ बांध्योमुंजनतणोआरबंध॥ लीधरुरुचर्मव
लीकंध॥ आप्युंअंगेवस्त्रनेनवीन॥ तेणेकरिनेटांकिकोपीन॥२६॥ पछेपेलाकपालाजेधर्म॥ तेनाकरि

॥भक्त०॥ समकावेछेमर्मरे ॥ कहेत्यनघगुरुनांवेण ॥ हृदेधारजोकमलनेण ॥ ३७ ॥ क्रोधकरसोमांकोयवार ॥ मुषे पू०२२॥
॥४८॥ मीथ्यामकरसोउचार ॥ ग्रहप्रकारेत्यजजोनारि ॥ ग्रामकथ्याकरणेनहीसारि ॥ ३८ ॥ नृत्यवाजींत्रतननातां
न ॥ करवांनहिविषयगांन ॥ फगंधीतेलमर्दनत्यागी ॥ घसीपगनधोवासभागी ॥ ३९ ॥ गुरुआगलउं
चेआसन ॥ नबेसवुंभुलेकोयदंन ॥ दंतनघसोनगुंथोवाल ॥ भुयेनलखोवर्णकोकाल ॥ ४० ॥ क्षमाविनान
उतारोकेत्रा ॥ मद्यमांसनेत्यजवुंहमेशा ॥ वृषभेनकरवुंवाहंन ॥ दर्पणमांनजोवुवदंन ॥ ४१ ॥ निंद्याद्रोह
तेकेनोनकरिये ॥ पेरवोपनीयांपरहरिये ॥ मनकर्मनेवलीवचने ॥ हिंसाकरविनहीकोयदंने ॥ ४२ ॥ मु
क्तिअर्थेपणआत्मघात ॥ नकरविसांभलोएवात ॥ केदीकरवोनहिकुसंग ॥ जेणेथायकधर्मनोभं
ग ॥ ४३ ॥ धर्मसमनरकव्हार्य ॥ माटेएवुंतेकधर्ममाग ॥ भुमीपरनेकोसानेठाम ॥ नजमवुकेदीमनभा
मे ॥ ४४ ॥ काथोचुनोपांनबिडीकेये ॥ द्युतविद्याथकीडरेरेये ॥ गांजोआंगनेमफरजेह ॥ त्याकुआदितज
वानुंतेह ॥ ४५ ॥ देवतिर्थब्राह्मणगाय ॥ साधुसतिसच्छास्त्रकेवाय ॥ तेनीनिंद्याकेदियेनकरवि ॥ करेको
यतोकांनेनधरवि ॥ ४६ ॥ वलीब्रह्मचारिनीजेरित ॥ कहोणेहरिपरमपुनीत ॥ कोपीनमुंजीकटीजेकच
रेडंकमंडलुजजोपवित्र ॥ ४७ ॥ मृगाजीननेभीक्षानुंठाम ॥ तेनसागवांलीधांजेनाम ॥ स्नानसंध्याज ॥४८॥

पहोमजेह ॥ भणावुंनेभणववुंतेह ॥ ४८ ॥ देवपित्रतर्पणादिककर्म ॥ करवुंएब्रह्मचारिनोधर्म ॥ प्रेमेकरवुं
हरिनुंपुजंन ॥ नवधाभक्तीसहीतनीसदंन ॥ ४९ ॥ रामकृपुंजारेधर्मदेव ॥ कृष्णकहेसत्ससमेव ॥ पछेप
क्रमांअग्नीनेकरी ॥ वलतामातोवासेगयाहरि ॥ ५० ॥ मागीभीक्षाजरमातापासे ॥ आपीमातायेअती
हुल्लासे ॥ आपिपिछिजीकवांआंपेमली ॥ लिधीतेपणभीक्षानेवली ॥ ५१ ॥ ज्ञाचीभीक्षामेलीगुरुआगे ॥ आ
गन्यायेजम्याअनुरागे ॥ पछेकान्तिपेंजावानेकाज ॥ आप्योगुरुचेसर्वेसमाज ॥ ५२ ॥ दंडकमंडलुमृगछा
ला ॥ तुलसीमालविसालमेखला ॥ पछेमातायेआप्यांहिमरणा ॥ पेंजपतासाजोडेजमण ॥ ५३ ॥ पीली
आंगीपाघशिरपर ॥ खभेखाल्लरडंडसुंदर ॥ चाल्याभातुबांधीब्रह्मचारि ॥ भणवाकाशिपेथयातिया
रि ॥ ५४ ॥ निसस्याघरमांथीगामबार ॥ नथीवलवुंएमनिरधार ॥ चालतागाउकोवेरावकरि ॥ मायासंबंधि
नीपरहरि ॥ ५५ ॥ केअेधोडिधोडिमामोसालस्या ॥ नपोचांएवुंपछेतेपोकास्या ॥ कहेवलोवलोवृणींराज
मातपीतानेपालवाकाज ॥ ५६ ॥ पछेहरिविचारिमर्म ॥ पासेकुरवीवालवुलीधर्म ॥ माटेहमणा
तोपाछोवलु ॥ पछेसमोजोरनेनिकलुं ॥ ५७ ॥ वृजलावलीआव्यानीजधाम ॥ वेगेब्राह्मणमांघनत्रगां
म ॥ प्रभुवेगास्यांद्विजसमाज ॥ अतीसोभेछेवरणिराज ॥ ५८ ॥ एपोस्कन्नविधीसमापत ॥ राजीघ्यांस

त्रिकालज्ञानसमर्थेसहीत॥ पिपाविद्यावानवल्लविन॥ हताविचक्षणविद्याजोर॥ करेचरचानपोचेकोई॥५३॥

॥भक्त० मंथीसमस्त॥ पोम्यानतिआनंदरमंन॥ आप्यांदानयरपरसंन॥५९॥ कनकघेणवस्त्रसोपामणां प्र.२३॥
॥४८ आप्यांवाहननोहानघणां॥ आमोहतामोसेवकजंन॥ तेरगेपुत्रीपाधर्मपावंन॥५०॥ पछेराजीप
रमक्तिरन्ना॥ घरेतेमपुत्रानित्रचित्रा॥ वलतांसौनेकराअंभोजन॥ कदररसोरसारांविजन॥५१॥ प
छेराजीपरनीजधांम॥ गीयापुरुषनेवलीवांम॥ वलतातातेमणाविपातेह॥ अर्थेसहीतनणमवेदजे
ह॥५२॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमहज्जानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंता
मणिमध्येहरिजनोरनोउछववर्णननामसवाविसमुंपकरणम॥२३॥ पुर्वछायो॥ उपवितउछवपुरोथीयो
कंदरसारोनेदांन॥ तारपछीनीजेवारता॥ सौसांभलोपरसावधान॥१॥ धरुवाधर्महरियेवकु॥ जेजे
कपागुरुदेव॥ मातपितानिमहातमे॥ करेछेवडपेरुसेव॥२॥ पणअरंडहरदेछेअंतरे॥ घरमाग
करवाघार॥ क्यारेमेलीसन्याघरने॥ फुंक्यारेलरमवनवाट॥३॥ जेअर्थेआव्यवताररछे॥ तेकरिसुं
कैयेकाज॥ धर्मथापुंअधर्मउथापी॥ एमविचारेमाहाराज॥४॥ चोपाई॥ अपमगनाचालरणहाररे
एवाअक्षरजगेअपाररे॥ तेनेमोहपमाडिनेमारुंरे॥ धरापरधर्मनेकुंधारुंरे॥५॥ मुद्धधर्मेराखुंनर
नाररे॥ एअर्थेछेआअवताररे॥ पणहमणांस्यायुजोकुंगेहरे॥ मरेमावापमारेसनेहरे॥६॥ माटेवा ॥४८॥

स्रणनोछेजेआपरे॥ तेथिमुकायदंपतीआपरे॥ तेदिनिश्चेकुंत्यागीसघररे॥ गुढविचारएवोअंतररे
७॥ पछेविद्यागुरुत्तालकरिरे॥ वेदत्रिजोभणिलीधोहरिरे॥ मोटीबुद्धिवालाछेदयालरे॥ जेहसीपेतेअ
चीरकालरे॥८॥ जोरविस्मेपामेमउजंनरे॥ पोमीआश्चर्यकेधनधनरे॥ पछेधर्मनेभणपातानेहरे सर
वेहरिनेभणाव्युंतेहरे॥९॥ वेदशास्त्रनेकाव्यपुराणरे॥ महाभाषादिनरणाकत्तांणरे॥ पछेधर्मघररलीयात
रे॥ करइगेमप्रतापनेवातरे॥१०॥ कणोजेएपुत्रवडभागिरे॥ आतोथासेअतीसवत्यागीरे॥ जुवोआजथिरा
नोराधांणरे॥ नथीकांयवातनीजोलांणरे॥११॥ खांनपांनमांईनथिमनरे॥ नथीरछ्यतावसनभुषनरे॥ मोन
मोलपनेमारुंतारुंरे॥ नथीजागतुंएणनेसारुंरे॥१२॥ हर्षसोकवलीहांएपव्रहिरे॥ नथीगमतीघरसमृधीरे॥
अतीवैराग्यवांनछेराहरे॥ नथीसंभालतामीजदेहरे॥१३॥ अतीसागगमेछेतनमांरे॥ एमसुनेजणणपछे
मनमांरे॥ माटेआयीनरथायवेवाररे॥ तमेउपाडोघरनोभाररे॥१४॥ तमपासेएनरमागेकांइरे॥ नथीमन
एनुंघरमांररे॥ खावापीवानुंपणनरमागेरे॥ अतीउदासीछेवेरागेरे॥१५॥ एमजेएपुत्रजेजोषनरे॥ कप्रु
तातेतेमांनुंवचनरे॥ पछेसलचीतेयरतालरे॥ अंतरमांरविचारिवानरे॥१६॥ हवेदरुयपुंछेआदेहरे॥ मा
टेसोकंतजुंसनेहरे॥ हवेसोंध्ययोगनेआसरुंरे॥ श्रीकृष्णस्वामीनुंध्यांनधरुंरे॥१७॥ पणपोतानेदसिछेत्रे

॥भक्त०॥ हरे ॥ देवामीपामणाछेसनेहरे ॥ कणोकतहरिवातमाशिरे ॥ कषदायकछेअतीमाशिरे ॥१८॥ कोछुंतमा पृ॰२३॥
॥५०॥ राहेतनेसारूंरे ॥ माटेमोनजोववचनमारूंरे ॥ कोछुंधर्मभक्तीवैरागरे ॥ तेनोकरसोमातमेमारारे ॥१९॥ जा स
णोरामानंदस्वामीपामरे ॥ जोपाओघरमांथीउदासरे ॥ रामानंदस्वामीनोमहीमायरे ॥ नथीजातोमें
कयोजीभायरे ॥२०॥ नेतोवसेछेसोरवदेशरे ॥ दियेछेमुमुक्षनेउपदेशरे ॥ जाजोधीशेधिरेपुछीवाटरे
उतरिकाशिनदिनाघाटरे ॥२१॥ एविसांभलीतातनीवांणिरे ॥ सर्वेअंतरेलखीराधांणिरे ॥ पोतेविद्यायें
छेगुणवांनरे ॥ थीयागुणेतेतातसमांनरे ॥२२॥ वलीकणेछेतातमुखेथीरे ॥ कदरमवेंशास्त्रकेथीरे ॥
कणिकणिनेग्रहेछेसाररे ॥ निरखीरेमोखुंनिरधाररे ॥२३॥ जेजेकाल्वुंणमांथीअनुपरे ॥ सर्वेजीवनेतेक
खरूपरे ॥ श्रीमद्भागवतजेपुराणरे ॥ तेनोसारसोधीनेकजोणरे ॥२४॥ काढ्यास्कंधदोयदुःखहारिरे ॥ पंच
मस्कंधसदाकषकारिरे ॥ दुजोदशमस्कंधकेवायरे ॥ श्रीकृष्णचरित्रछेजेमांयरे ॥२५॥ एनुंनांमछेभागव
तसाररे ॥ लखीनेखुंराख्युंनीरधाररे ॥ वलीभारतसारसोधीनेरे ॥ लखीलिधुंविचारेबुद्धिनेरे ॥२६॥ भगव
द्गीताभवभयहारिरे लखीलिधीविचारिएवारिरे ॥ विष्णुसहस्रनामकषरूपरे ॥ लखीविदुरनितीसु
नुपरे ॥२७॥ एटलुंश्रीभारतमांकाररे ॥ सोधीकाढिलीधुंएमाररे ॥ वलीधर्मशास्त्रमांजेसाररे ॥ पोतेलखी ॥५०॥

छेकरिनेप्याररे ॥२८॥ याज्ञवल्क्यस्मृतीछेसारिरे ॥ लखिपोतेतेपणविचारिरे ॥ एहधर्मशास्त्रनुंछेसाररे
कषदायकसौनेअपाररे ॥२९॥ स्कंधपुराणनुंसारजेहरे ॥ लख्युंसुंदरसोधीनेतेहरे ॥ वासुदेवमाहात्म्यमा
णजेरे ॥ लख्युंसौजीवनाकखकाजेरे ॥३०॥ पछेसारस्कंधपुराणरे ॥ सोधीलखिलीधुंएकजाणरे ॥ एहजेआ
रेयेथमांछेमलरे ॥ सोधीकाढिलीधुंछेरातलरे ॥३१॥ पछेतेनोगोटकोलखाविरे ॥ सोधीसुंदरसारेखवावि
रे ॥ लाव्यातेतोपोतेतातपासरे ॥ तातेजोअनेकसौतपासरे ॥३२॥ नोयअथाबुद्धिमनुष्यतणिरे ॥ एमकहि
करीप्रसंसाघणिरे ॥ धनधनपुत्रमहामतीरे ॥ तमेसर्वेथीमोटाछोअतिरे ॥३३॥ एमकरनेविचार्युंछेजा
रेरे ॥ वातपुर्वेनीसांभरितारेरे ॥ कर्युंमारकैंयतेमल्युंरे ॥ सर्वेप्रकारेआजमेकल्युंरे ॥३४॥ वलीवृंदावं
ननीजेवातरे ॥ सांभरिछेपोतानेसाक्षातरे ॥ आविमलीपांमवैराधांणारे ॥ जोएपापुत्रनेजांमकजांणा
रे ॥३५॥ तारेआशयंवातएनथीरे ॥ एमविचारियुंछेमनथिरे ॥ पछेअतीकरीसतकाररे ॥ वलाएपाचा
रेशास्त्रनांसाररे ॥३६॥ एमतातेकर्युंतेमांभलीरे ॥ लखीराख्यापोतापासेवलीरे ॥ धर्मशास्त्रनेस्कंधपुरा
णरे ॥ तेनुंसारकर्युंपरमांणरे ॥३७॥ भार्थसारभागवतसाररे ॥ वांचेस्कणेनित्येनिरधाररे ॥ जेणेकरि
श्रीकृष्णमांप्रीतरे ॥ थायहरअतिनीतनितरे ॥३८॥ वलीशास्त्रयुक्तभक्तीजेहरे ॥ करविष्णुनीतान

॥भक्त०॥ केतेदरे ॥ करणांमेत्रमुथीमहामतीरे ॥ अष्टाक्षरनोतेमुभआतिरे ॥ ३९ ॥ वलीत्रणअक्षरनोतेहरे ॥ क प० ३३॥
॥५१॥ थोपीतायेकरीमनेहरे ॥ कथुमेंत्रणवालोछेमुनेरे ॥ अतीहेतकरीकयोतुनेरे ॥ ४० ॥ करोजपपुजाते
निमितरे ॥ पालजोस्वधर्मरूडिरितरे ॥ एविताततेसीषामणादिधीरे ॥ मांडुवरतवाहरिएविधीरे ॥ ४१ ॥
पीधांजन्मथीवर्षअग्यारेरे ॥ तीर्थोआआव्याअकरअपाररे ॥ अतीकालजीनवत्रकरुरेरे ॥ भर्याक्रोधमां
यमरघुरेरे ॥ ४२ ॥ मोटिदाढीमुंनेमाथेवालरे ॥ भुरासेंबुरावडाविकरालरे ॥ रातीआंख्युनेआयुधहा
थरे ॥ आव्याजीवापेवेगाहरिनाथरे ॥ ४३ ॥ वैत्रपेदेष्यवीपणाअकररे ॥ मनमांछेमारवानुंजरुररे ॥ आ
वि३गामांआयुधमहेरे ॥ तारेनजरकरीनीलकंठेरे ॥ ४४ ॥ पोताणमोहपरस्परगहरे ॥ मुवालडिमांहि
मायतेहरे ॥ मुवाअकरउतरयोनारेरे ॥ तेयेनाथेकह्योछेविचाररे ॥ ४५ ॥ देत्राषदेत्रोहसेविमुखरे
देताहसेमुनियुनेदुखरे ॥ मारेसर्वेनोउतारुंभाररे ॥ एहअर्थेछेआअवताररे ॥ ४६ ॥ मारेकेयेतजं
फुआघररे ॥ केयेजेतरसोधीसर्वेधररे ॥ केयेपमाडुपापीनेमोहरे ॥ मरेमांहोमांएतेममोहरे ॥ ४७ ॥
इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिम
ध्येहरिचरित्रनामेत्रेवीशमप्रकरणम् ॥ २३ ॥ पुर्वछाया ॥ एटलीवातथयापछ ॥ तमेसांभलजोसौसुजाण ॥ ॥५१॥

कथाकहुंतारकेडुनी ॥ सुडबुद्धिनेसुषखाण ॥ १ ॥ वृष्टदेतेहरिकृष्णनो ॥ जेचरित्रधरमेचीत्त ॥ हसेम
हापेचपातकि ॥ तोपणथासेततपुनीत ॥ २ ॥ एवोजसमाअनुपछे ॥ सभागीसांभलसेकांन ॥ तारपछीनी
जेवारता ॥ सौसांभलजोपरमसावधान ॥ ३ ॥ प्रेमवतीबाजाभगती ॥ केयेत्रणजेहनांनाम ॥ तेनातेनमांत
त्याविं ॥ वसतांपोत्याविराम ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ कार्तिकसुदिअष्टमीनेदनेरे ॥ तेदिमांदाथीयामातातेने
रे ॥ जेनुंव्रतलयेकरीदेहरे ॥ अतीसाधुलपपुंछेतेहरे ॥ ५ ॥ कुलस्फुलसमछेकायरे ॥ अतीसकोमलजन
सेवायरे ॥ तेनेजोरजेमस्कनजेहरे ॥ कोरेऔषधउपायतेहरे ॥ ६ ॥ करीऔषधविधीअनेकरे ॥ तेनीटां
किलागीनहींएकरे ॥ तारेप्रभुवेकरयोछेविचाररे ॥ नहिरहेतननिरधाररे ॥ ७ ॥ आपुंज्ञानमानेओंणि
पलेरे ॥ जेणेकरीतर्तदुखटलेरे ॥ तारेहरिकेसांभलोमातरे ॥ एकचीतदइमारिवातरे ॥ ८ ॥ सद्शास्त्र
मांमलतांवेणरे ॥ आवासमामांरसुखदेणरे ॥ जनममरणरूपमायामारिरे ॥ तेतोमर्वेनेछेदुखका
रिरे ॥ ९ ॥ पंचरात्रसांख्ययोगवालारे ॥ एमकेछेमांनोमातावालारे ॥ माटेज्ञानवैराग्यधर्मजुक्तरे ॥ भक्तीक
रनीकरीपेतोमुक्तरे ॥ १० ॥ सर्वेदुषमटवाउपायरे ॥ नथीएहविनाबिजोमायरे ॥ एविसांभलीसूतनीवा
तरे ॥ वसतांमनमांविचारियोमातरे ॥ ११ ॥ जेजेकयुंतुंमारकंडेयरे ॥ मलीवातसर्वेआतेयरे ॥ कयुंगुरो

॥भक्त०॥ छे नरविरक्तसरे ॥ एयुं एमां नथी कोए भूलसरे ॥१२॥ वली कयुं तेहे दासवेनमांरे ॥ तेह सर्वे सांभल्युं मन मांरे ॥ प ॥प०२५॥
॥५२॥ छे पुत्रने श्रीकृष्ण जाणिरे ॥ परद्विजनेबोलीया वाणिरे ॥१३॥ पुत्र कृष्णाविज्ञाण तमारि रे ॥ आपो सीषाम
णमुने सारिरे ॥ तमे कयुं जे ज्ञान वैरागेरे ॥ धर्मे सहीत भक्ति जे आगेरे ॥१४॥ तेतो विधीये विभाग करिरे ॥
कहो अतीहे तेत मे हरिरे ॥ वली साचा साधुनुं स्वरुपरे ॥ केजो कीपाकरी कृष्णरुपरे ॥१५॥ एम प्रेमे पुछ्युं
प्रेमवतिरे ॥ तारे बोल्या हरि माहामतीरे ॥ तेमी मिज्ञा जातां जुगजांमरे ॥ बोल्या माता प्रत्येघनश्यामरे ॥१६
देवामाताने ज्ञाननुं दांनरे ॥ करइ हरि गीता भगवांनरे ॥ पंचवात कही परबोधरे ॥ जेने सांभलतां बाधे मो
दरे ॥१७॥ तेहना छे पंच अध्यायरे ॥ कहुं प्रथमना अध्यायमांयरे ॥ स्वधर्म सहीत भक्ती जेहरे ॥ पाय सा
धुना संगथि तेहरे ॥१८॥ तेह साधुलक्षण जे लक्षणारे ॥ कर देखाड्यां सोतनक्षणारे ॥ बिजे अध्याय वर्णा
श्रमधर्मरे ॥ करदेखाड्यो तेहनो मर्मरे ॥१९॥ त्रीजे अध्यायेजीवात्मा ज्ञानरे ॥ कयुं माता प्रत्ये भगवांनरे
वली परमात्माश्रीकृष्णरे ॥ कयुं तेनुं ज्ञान थइ प्रसन्नरे ॥२०॥ चोथे अध्याये कयुं स्वरुपरे ॥ वैराग्यनुं स्वरू
पअनुपरे ॥ तेह वैराग्य जेणे कीधायरे ॥ कर्या तेहना सर्वे उपायरे ॥२१॥ पंचमा अध्यायमां नव प्रका
ररे ॥ करभक्तीविभाग विचाररे ॥ एम पंचाध्यायें उपदेशरे ॥ आप्यो माताने हरियें अशेषरे ॥२२॥ एवि ॥५२॥

रितेहरिगीता कइरे ॥ कपिलमातायेकरलि हृदयरे ॥ पछे पुत्र प्रत्येबोल्यां मातरे ॥ कपिलो हरि प्रभु मारि वातरे
२३॥ तमे कृष्णने विषे भगतीरे ॥ कयुं कर विहेत संमजावतीरे ॥ तेह श्रीकृष्ण छो कृतलमेरे ॥ निश्चे करिवे जांणए
छे अमेरे ॥२४॥ कृष्ण कैये जे गोलोकधांमेरे ॥ तेतमे थीपाछा हरि नांमेरे ॥ प्रभु तमारे वचने वलीरे ॥ मार
सर्वे संशय गीया टलीरे ॥२५॥ मारि मनवृती तम मांहे रहांणिरे ॥ कालमाया नाभेथी मुकांणिरे ॥ हवे जा
ने उं छुं तमारे धांमरे ॥ एम करि पांम्या विश्रांमरे ॥२६॥ पछे धर्युं प्रभुजीनुं ध्यांनरे ॥ तेणे करी भुल्यां तनभांन
रे ॥ एम कर्तां अंकें उदे थयारे ॥ तारे प्रभुजी नावाने गीयारे ॥२७॥ पछे निसकरम नेकाजरे ॥ आम्या अ
ग्निसालामां महाराजरे ॥ तारे माताजीने तेह वाररे ॥ देखाणा प्रभु रुडा मोझाररे ॥२८॥ प्रसंनवदन वर्णि
ने वेशरे ॥ बांध्यो छे मारो अंबोडो शीशरे ॥ चंद्रकांति सम मुखसोभेरे ॥ नयणां नविन कमल उमेरे ॥२९॥
घनश्याम संदर छे तनरे ॥ पेरे कोपीन परस्याछादनरे ॥ खभे स्वेत वस्त्र लीधु धारिरे ॥ कंठे माला वे स्कंद
रसारिरे ॥३०॥ पेचे उरे पुंइछे पुनीतरे ॥ पेरि स्वेत मारि उपवितरे ॥ एवि मुरती मां चीत चोटुंरे ॥ पोता
अंतर मां कृष्ण मोटुंरे ॥३१॥ पछे दिठो पोताना आतमारे ॥ तेजनेजनतेजनी छे सीमारे ॥ मने ध्यांणागु
णरंधि जेहरे ॥ तेहपर प्रकाश कहेहरे ॥३२॥ एवोनीजात्मा परकाशरे ॥ तेने पथी पोद्वल्य कं विलास

 रे॥ तेहवस्यतेजमांरमातरे॥ दिगहरितेकृष्णसाक्षातरे॥ ३३॥ मनोहरसुंदरघनश्यामरे॥ छबीजोइ
 लाजेकोटिकांमरे॥ कोटिकोटिइंदुनोउद्यामरे॥ अंगअंगप्रसेछेप्रकाशरे॥ ३४॥ हेमसमसोभावसन
न निरे॥ कटीमेखलाछेरत्ननिरे॥ मोरमुगटजड्योमणियेरे॥ मकराकृतकुंडलगणियेरे॥ ३५॥ कंठेकौस्तुभ
मणिनोहाररे॥ मोतीमालासोभेछेअपाररे॥ वेटवेटिकडांकरउभेरे॥ बाजुबाजुनेसांकलांसोभेरे॥
३६॥ पगेसोभेसुंदरनेपुररे॥ सारिकोमलावण्याकिसोररे॥ चर्चिचंदनपेर्याछेहाररे॥ तोरागजरासो
भेअपाररे॥ ३७॥ पेरिवेजंतीसुंदरमालारे॥ तेरोलागेछेअतीरूपालारे॥ सोभेवांसलीसारिसुंदररे॥ ए
वादिकमाथेनरवररे॥ ३८॥ निरखिहरखपांम्यामेतारिरे॥ पछेदिठातेनेब्रह्मचारिरे॥ कृष्णहरिदि
तेजकृष्णरे॥ तवुंथयुंमाताजीनेइछरे॥ ३९॥ पछेकरजोडिदिनथयरे॥ बोल्यांकृष्णप्रसेमाताहइरे॥ क
रिस्तुतिकेछेएममायरे॥ धनधनहरिकृष्णरायरे॥ ४०॥ साधुदेवतानेसत्यधर्मरे॥ तेनेपालोछोपुरण
ब्रह्मरे॥ वलीरक्षकवासरणगायरे॥ धनधनहरिकृष्णरायरे॥ ४१॥ करवानीजजननीप्रतीपालरे॥ आ
व्याअसुर पकीदयालरे॥ परपुत्रकरीमारिसायरे॥ धनधनकृष्णहरिरायरे॥ ४२॥ वलीअज्ञानरूपी
धुंतमरे॥ तेनेटालवाभुरजसमरे॥ धर्मराकांतीकथास्योमदायरे॥ धनधनकृष्णहरिरायरे॥ ४३॥ व

लीएकहाथेवरआपोरे॥ एकहाथेअनेकरिपापोरे॥ पापवंनदहनमदायरे॥ धनधनकृष्णहरि
रायरे॥ ४४॥ पाखंडधर्मनेखंडवाकाजरे॥ तमेप्रगटपंडितराजरे॥ सर्णागतनाकष्टसीमायरे॥ धनध
नकृष्णहरिरायरे॥ ४५॥ ज्ञानभक्तिवैराग्यभंडाररे॥ अहिंसादयाधर्मअपाररे॥ एवाव्रतगुणातममाय
रे॥ धनधनकृष्णहरिरायरे॥ ४६॥ तमेअकलरूपअवतारिरे॥ हमणांवर्णीवेशरपाधारिरे॥ एमक
रेछेस्तुतीनेमायरे॥ धनधनकृष्णहरिरायरे॥ ४७॥ एमभावेकरीनेभगतिरे॥ करेस्तुतीआगलविन
तिरे॥ करेवंदनावारंवारमायरे॥ धनधनकृष्णहरिरायरे॥ ४८॥ एमकर्इनेतजुंछेतनरे॥ राखिश्रीकृ
ष्णमुर्तिमांमनरे॥ एमदेहनेतजीभगतिरे॥ पांम्यादिव्यदेहहवेमवतीरे॥ ४९॥ मेलीएहदेहउछरंगेरे
रियांअरुणादिकदासंगेरे॥ दुर्वासानोश्रापतेटल्योरे॥ मोक्षहतोतेवोदेहमल्योरे॥ ५०॥ संवतअढार
अडतालीसरे॥ कार्तकसुदिदसमीदिवसरे॥ शनिवारसुंदरसवारेरे॥ मेलुंमाताजीयेतनतारेरे
५१॥ पछेदेहलइनेसमंधिरे॥ अग्निदागदिधोरूडिविधीरे॥ पछेरामप्रतापसुजांणीरे॥ करीक्रिया
श्रास्त्रपरमाणीरे॥ ५२॥ पछेहरिश्यांमांमाताजेहरे॥ मोटाभारनीचउछेतेहरे॥ कष्टभाभीजीयेहेत
घणुंरे॥ राखेवडउहरितणुंरे॥ ५३॥ नीसउमाडीनेपीतेजमेरे॥ जेजेकहेतेनेसरवेरखमेरे॥ अथघडि

॥भक्त० जो अलगा जायरे ॥ वणा दिठे ने आकुल थायरे ॥ ५४ ॥ वली आरमे हेत छे मारिरे ॥ नथाय पियेर ने विसारिरे ॥ पु०२५॥
॥५४॥ जाय रमवा तो हलवलेरे ॥ जोया विना तो जपन वलेरे ॥ ५५ ॥ हरि पोते वडनी सपेहरे ॥ खांन पांन मां न
सनेहरे ॥ सील संतोष साधुता अतीरे ॥ जो गुन पमाग नी मुरतीरे ॥ ५६ ॥ वली ताने आपी अला मरगुं रे ॥
आं निराव आख वस्य घणुं रे ॥ आंने नथी देहनी संभालरे ॥ तेनी कर जो तमे रखवालरे ॥ ५७ ॥ इति श्रीम
देकांतिक धर्म प्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये भक्ति देह
सागना मे चोविसमुं प्रकरणम ॥ २४ ॥ पुर्वछायो ॥ सउ मली हवे सांभलो ॥ कहुं तार पछी निरित ॥ धर्मदेव
नी वारता ॥ तमे सांभल जो दइ चीत ॥ १ ॥ सांख्य योग ने आसरि ॥ रिया पोते स्वधर्म ने मांय ॥ नीसदिन
श्रीकृष्णनुं ॥ स्मरण करे छे सदाय ॥ २ ॥ प्रकृति मन थिर परहरि ॥ करि विषे वासना साग ॥ स्वाद रहीत थयो
डुं जेम ॥ ब्रह्मचर्य राखवा काज ॥ ३ ॥ तप करी तन कर्य छे ॥ ध्यान जोग नुं छे वल ॥ सतत तेनी सेवा करे ॥ नी
रजर ज्योति निरमल ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पोताना सत भगवान जेह ॥ हरि माथे छे वडम नेह ॥ तेह विना तप
जो गवति ॥ मन ने स्फुरु करयुं छे अति ॥ ५ ॥ एवा समामां देह लक्षण ॥ थावा लाग्यं तन मां तनक्षण ॥ फर ॥५५॥
कि आं अमु जरा वंु अंग ॥ थीयां सक कन जोणा कुढंग ॥ ६ ॥ वली कफ पनां जाणां छे जेह ॥ अती अवलां ज

णाणो तेह ॥ जोणुं रवि जाणि वली ठडुं ॥ पडां जो मी थे एप राखुं डुं ॥ ७ ॥ कह्यो जाल ढिये विचार ॥ आ
खुं मनसुं जो एणुं निरधाररे ॥ जोगुं पोडां दाडा मांथे देह ॥ पड से एमां नई संदेह ॥ ८ ॥ पछे कहुं सनो वालचरि
त्र ॥ ह ग्राम मां कपो छे पवित्र ॥ तेनो निमनित्य पाठ करे ॥ कृष्ण मुरति उर मां धरे ॥ ९ ॥ विजा पकी वड छे उ
दास ॥ एम करतां वितो एक मास ॥ प्रेमवति नो मासी सो जेह ॥ कह्यो जाल विधी ये ने तेह ॥ १० ॥ आठ मा नि
ज माडा विपर ॥ कह्यो मासी सोमाग रफंदर ॥ पछे मासे मासे नीरधार ॥ जम्या द्विज दजा रुह जार ॥ ११ ॥ ए
म करतां सात मास थीया ॥ जमी ब्राह्मण तेने घेर गीया ॥ पछे पोत पोता ना संमंधी ॥ जम्या भेला वेसी नली
विधी ॥ १२ ॥ पछे धर्मदेवने तेदंने ॥ आंमो तावपिडा थयं तने ॥ तारे राम विचार्युं छे मंन ॥ आखुं मनसुं हवे
थोडे दंन ॥ १३ ॥ पछे सर्वे पदार्थ मांय ॥ प्रीत रेवा दिधी नथ कांय ॥ श्रीकृष्ण ध्यांने जोडयुं छे मंन ॥ आव्यो ए
कादशी नो त्यां दंन ॥ १४ ॥ ते दि श्रीकृष्णनी पुजा किधी ॥ ते दि ब्राह्मण ने भली विधी ॥ एम करतां आ प
मी ये दंन ॥ पडि रास आविया स्वजन ॥ १५ ॥ सर्वे समंधी रिया छे सोई ॥ हरि विना वेवुन थी कोई ॥ ए
कादशी ना जागरण काज ॥ एक जागे पोते महाराज ॥ १६ ॥ नीज तातना चांपे छे चरण ॥ एम करे छे आ
पे जागरण ॥ तात पांम्या पिडा तावने एो ॥ न थी आवती नींद राने एो ॥ १७ ॥ पछे हरिनी ईछाये करि ॥ व्रती

॥भक्त०॥ अंतरमांथेउतरि ॥ समाधीमांजोयुंब्रह्मतेज ॥ दिठोतेजसमुहनेमेज ॥ १८ ॥ जोयुंहुंदावेमनेमोझार ॥ दि पु० २५॥
॥५५॥ ठाकृष्णसांकरताविहार ॥ सुंदरमोरलीहाथेएवा ॥ शिरपुरवेदिठाताजेवा ॥ १९ ॥ निरखिश्रीकृष्णबा
ध्योआनंद ॥ थीयामगनदेखिस्वरूपकंद ॥ रुवांरोमांचितगात्रतेणे ॥ आव्योहर्षतणांआंसुनेणे ॥ २०
पछेधर्मेसंभ्रमेकरिने ॥ कृष्णादंडवतनवहरिने ॥ करीनमस्कारजोडिपांणी ॥ उभाआगळधर्मस्तु
जांणी ॥ २१ ॥ करतांदर्शनसांतनकाळ ॥ दिठाकृष्णपोतानातेवाळ ॥ कृष्णहरिहरितेजकृष्ण ॥ एवुंजां
णिनेकरेछेदर्श ॥ २२ ॥ कृष्णसमदेहनोआकार ॥ फेरनथवेजाब्रह्मचार ॥ पछेधर्मनेसर्वेसांभळ्युं ॥
कृष्णहरिनांमेदेहधर्युं ॥ २३ ॥ मारेघेरथयुंप्रगटनारायणकृष्ण ॥ परथोनेभगवानप्रश्न ॥ एमजांणिप्रेमव
या सर्थौ ॥ पछेहरिनेमळवागीया ॥ २४ ॥ सांतोअत्रध्यानपघुंरूप ॥ दिठुंसमाधीमांजेअनुप ॥ जाग्या
समाधीथी धर्म देव ॥ सांतोपासेदिठाकरतासेव ॥ २५ ॥ तेनेमस्ताकविशेअतीहेत ॥ तेणोथयापोते
रोमांचीत ॥ आव्योहर्षनांआंसुमांआंसु ॥ जोयुंआविमेडांगुचोमासे ॥ २६ ॥ पछेनमस्कारकरि
घणुं ॥ कर्युंशारथनाप्रभुतणुं ॥ कर्युंनरनारायणकतमेधरि ॥ तांकिरारखुंछेशाश्रुर्यदेहरि ॥ २७ ॥ नमेस
मग्रजेक्तनास्वामी ॥ कृष्णदेवतमेवडनांमी ॥ मारारुपदेवकृष्णजेह ॥ पुरणपुरुषोत्तमतमेतेह ॥ २८ ॥५५॥

करवासतपोतानुंवचन ॥ माराप्रुत्रथयाभगवंन ॥ तमेस्वतेजछोभगवान ॥ पुर्वेआप्युंतुंमुजनेज्ञान ॥
२९ ॥ साक्षातकारजनममांमे ॥ मुनेजणाणांनाथप्रभुतमे ॥ तेज्ञानकाळवेगेकरि ॥ मुनेविसरीगीयुंतुंहरि ॥ ३०
हवेआजथकीज्ञानरहे ॥ विसरेमजाअमोमागुंतेह ॥ कहुंतमनेकरुणादयाळ ॥ आव्योछेसमीपदेहका
ळे ॥ ३१ ॥ पांचछोदेहनेतेनछुटसे ॥ काचोकुंभतेनिश्चेफुटसे ॥ तेनोभयनथीमनमारे ॥ हुंदआश्चर्यकरितमा
रे ॥ ३२ ॥ पराणकरवेहमनमाथे ॥ विरहतमारोनदिसेवाये ॥ मारेफरिजन्मथाओमारे ॥ पराविथोगमथावो
तमारो ॥ ३३ ॥ एवोवरमागुंतमपास ॥ आपोदयाकरिअविनास ॥ एवांसुणिधर्मनांवचंन ॥ बोल्याआपेपो
तेभगवंन ॥ ३४ ॥ कहुंतातनेकरुणामारिवात ॥ मारुस्वरूपजाणुंसाक्षात ॥ पमुंजथार्थज्ञानमारु ॥ एतोथयुंछे
अतीसैसारु ॥ ३५ ॥ कांईजांणवापांमवामांई ॥ केहेरियुंनथीबाकीकांई ॥ तमेपुरणकांमछोतात ॥ मांनो
कृतारथकहुंवात ॥ ३६ ॥ माटेमौनतीकदेहनेसाथि ॥ दिव्यदेहपांमोवडभागी ॥ सर्वेसंबंधीमेळातमेतात ॥
रेस्योमारिपासेसाक्षात ॥ ३७ ॥ एमांसंन्नयनथीलगार ॥ तजोचिंतातातमेआणिवार ॥ थाओनिसंगसर्वे
थीधर्म ॥ कहुंआसमेसमकोमर्म ॥ ३८ ॥ मुजपरायणथाओतात ॥ मुरुमनेकरीकहुंवात ॥ निजआत्मा
मांईमारुंध्यान ॥ करोअतीधीतेगुणवान ॥ ३९ ॥ कहुंसोभळजोसउजंन ॥ कर्यांतातनेएवांवचंन ॥ स्वणिरा

॥भक्त०॥ जीथीयाधर्मदेव ॥ कर्योनमस्कारनतदेव ॥ ४१ ॥ पछेधर्मबोल्यातेहवार ॥ नमेकर्योमुपरउपगार ॥ तेनात्र ॥प०२५॥
॥५६॥ तिउपगारमांय ॥ हायजोआविनानथिकांय ॥ ४२ ॥ माटेचरणाकमलतमारे ॥ करुंवंदनवारमवारे ॥ एवुं
जांणिपोतेभगवांन ॥ कर्युतातनुंबहुसन्मांन ॥ ४२ ॥ पछेधर्मेकृततेडयाहोय ॥ रांमप्रतापमोटेरासोय ॥ ना
नासुतरछारोमजेह ॥ पोतापासलेतेडयाछेतेह ॥ ४३ ॥ मृत्युसमयजांणिनेधर्म ॥ समजावेछेकृततेमर्म ॥
हरिनाज्ञानरूपचिंतामणि ॥ देवारछ्याछेकृततेघणि ॥ ४४ ॥ जेममृत्युदांणोकोपजंन ॥ सौपेपोतानापुत्रने
धंन ॥ तेमहरिजीनाज्ञानरूप ॥ इछ्याकृतनेदेवाअनुप ॥ ४५ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमद्सहजान
दस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येधर्मसमाधिनामेपचासमुंप्रकर्णम् ॥५०॥ पुर्वछाया ॥
सर्वेमलीहवेसोभलो ॥ वलीवातकहुंअनुप ॥ हरिउपासीजंनने ॥ छेसांभलतांसुखरूप ॥ १ ॥ चरीचरीचरि
त्रचख्या ॥ कृष्णदेवनांबहुबहु ॥ अमृतवृतकथागह ॥ सदमतिफलमेसहु ॥ २ ॥ वचनछेधर्मदेवनां ॥ पुत्रप्र
तेपरमांणा ॥ श्रवणदइजेसांभले ॥ तेपांमेपदनिरवांण ॥ ३ ॥ पछेधर्मेकृततेडाविया ॥ देवासीखामणसु
खकाज ॥ अंतसमेनीधीआपवा ॥ इछ्याआपेधर्मराज ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पछेतेडाविप्यासुतहोय ॥ आवी
बेठावंदनकरीसोय ॥ ज्यारेपुत्रलागाआविपाय ॥ तेहप्रसेबोल्याधर्मराय ॥ ५ ॥ हेपुत्रतमेमाकुंवचंन ॥ हे ॥५६॥

तकारिछेमांनजोमंन ॥ कहुंरहस्यतणिवातराह ॥ धारोरुदीयेकरीसनेह ॥ ६ ॥ मारावचनमांपरतित ॥ हो
यतोतमेधारजोचित ॥ तारेकरजोडिकेबेउभ्रात ॥ अमेमांनसकेकोमारातात ॥ ७ ॥ जेजेकेसोअमसमेवचंन
तेतेसत्यमांनवांछेमंन ॥ तारेधर्मकेकृतसरेस ॥ राधाकृष्णजेआपणाइष्ट ॥ ८ ॥ जेनेउपासकछुंआवुंजांम ॥
तेजकृष्णस्वामिश्रीहरिनांम ॥ माराकृतनेलमाराभाई ॥ तेछेकृष्णमांनोमनमांइ ॥ ९ ॥ हरिरूपश्रीकृष्णसाक्षात ॥ ते
निभक्तीकरजोदोयेभ्रात ॥ रेजोगनावचनमांनित ॥ करजोसेवाकरीबहुप्रीत ॥ १० ॥ वलीकृष्णनीप्रतीमाजेह
आपणेपुजाकरुछुंतेह ॥ तेआहरिनीनिश्चेबुझजो ॥ एमजांणिविधीयेपुजजो ॥ ११ ॥ वलीप्रथमतमनेमें
पुत्र ॥ कर्याश्रीकृष्णनाजेवेमंत्र ॥ अष्टाक्षरमंत्रपांम्याआप ॥ तेपराख्यानाजांणिकरोजाप ॥ १२ ॥ अहिंसादिक
पालजोनेम ॥ रेजोस्वधर्ममांकरिप्रेम ॥ मारिशदलीआगमाधारि ॥ भजजोहरिप्यासुखकारि ॥ १३ ॥ एमवृत
सोतमेसुजांण ॥ धासेतमारांकौटिकल्यांण ॥ एमवृतजोदोयेभ्रात ॥ सत्समांनीलेजोमारिवात ॥ १४ ॥ वली
श्रीकृष्णजेआश्रकोध ॥ शास्त्रलस्महिकरेजुध ॥ नीजबुध्यियेकरिदयाल ॥ करसेअसुरजेमनोकाल ॥ १५ ॥
कलीअधर्मथीवाधीघणा ॥ वेद्यलेरियामनुष्यतणा ॥ तेपृथवियेलोपाविसुधर्म ॥ पापिकरावेछेजेकुकर्म
१६ ॥ तेअधर्मदलावसेसउ ॥ कृष्णभक्तीकरावसेबउ ॥ करसेअलोकिकबोकाज ॥ पछेविचारिनेवणिराज

॥भक्त० २७॥ निज आचार्यपद जेह॥ थापमें तमारे कुलें नेह॥ एम करि मोटां मोटां कांम॥ पछे पधारसे निजधां प०२६॥
॥५७॥ म॥ १८॥ तारे हरि आश्रित जे जंन॥ तेने धिरज मेंं रहे मंन॥ वडवडा करसे ते सोक॥ केसे प्रभुजी गया गो
लोक॥ १९॥ थासे निराधार निरास॥ तारे कर में विचारि ने दास॥ श्रीहरिनी करी प्रतिमा॥ करसे पुजा भा
वलावि ते मां॥ २०॥ वली मर्यादा बांधसे तेह रे॥ तेमां जंन रेसे ने ते जेह॥ ए निसुर्तिनां जे पुजनारा॥ एवा भ
क्त जक्षथी जे न्यारा॥ २१॥ तेह धर्म अर्थ मोक्ष कांम॥ पांमसे ज्यां लगी पुरुष ने वांम॥ एमां नथी संदेह लगार॥
निश्चे मांनो कहि निरधार॥ २२॥ एवि तातनी सांभली वात॥ भार वेउ थ्य थया रली यात॥ पछे ज्या गाछे हरि ने पा
ये॥ प्रेमें नमाराछुं वर्णिराये॥ २३॥ सर्वे काले रक्षा करो मारि॥ तारे भार प्रसें केमो रारि॥ तमे आनंदे नजो
श्रीकृष्ण॥ तेरो करी कृपा रसपष्ण॥ २४॥ आपणो ताते कहि आगम्या॥ तमारे न करवुं ते विस्मा॥ एवि
सणि वेउ भाये बोलि॥ भज्या श्रीहरिने कृष्ण जोणि॥ २५॥ एम प्रसन्न हरि थयुं ज्ञांन॥ रियुं हरि इछामां ने
दांन॥ केदी पाये ने केदी न थाये॥ एवि रिसे वरतेसदाये॥ २६॥ एम धर्मे तेडि कल वेउने॥ कह्यो उपदेश
तेतेउने॥ एकादशि निर्जिरे लां ज्ञांम॥ कयो में व्रत जेमां कृष्ण नांम॥ २७॥ मोते स्पर्श तणुं उदे थयुं॥ भारे सां
भलता नाथे कयुं॥ हे तात जे अभीसत मारे॥ होय ते कहो करवुं मारे॥ २८॥ तारे धर्म कहे सुणो हरी॥ पुरो ॥५७

काम छउ निश्चे करि॥ पणा कृष्ण भक्ती नित्य प्रति॥ तेनो मारे मन न थियती॥ २९॥ मारे देह पड्या स्कधी भक्ती॥ क
रवा नेड छुं छुं कृअति॥ यथुं असल देह आमारुं॥ नथी थातुं में पुजन वारु॥ ३०॥ मारे सात दिवसमां सकत॥
अर्थ सहित सणावो भागवत॥ एवि सो भली तात निवांणि॥ तेने मारा जे खडव खांणि॥ ३१॥ पछे मंडप करा
स विंपुरु॥ तेडो ब्राह्मण वैष्णव स्रुरु॥ श्रीमद्भागवत नो भणेलो॥ तेने तेडावि थोधे रवेलो॥ ३२॥ जथा विधि ये
पुजा श्रीकृष्ण॥ कथा प्रारंभी द्वादश दिन॥ ते दिपकि धर्मे ते विचारि॥ हरि मुरति मां प्रति धारि॥ ३३॥ जेने स
मीपे आवे जमरवुं॥ तेने घटि न छे राम करवुं॥ कथा सांभली पांम्या आनंद॥ तेरो ज्वर पीडा पडि मंद॥ ३४॥
सणि दिवसमां कथा कांने॥ रहे रात्रिमां समाधी ध्यांने॥ एम थया छोदंन ते वार॥ थयुं सात मे दंने सवार॥
३५॥ नथी चोथ्य ने प्रकर वारे॥ सुणि कथा से पुरणा तारे॥ करी कथ्या तणि समापती॥ आप्यां ब्राह्मण
ने दांन अती॥ ३६॥ वस्त्रानुषण दक्षणा दिधि॥ करि पुजा पछे रुडि विधी॥ पछे ब्राह्मण वलावों घेर
वलता वि प्रजम्या रुडि पेरु॥ ३७॥ सातो दिवस चडियो पोर॥ धर्मे तन ज्वरे कर्युं जोर॥ तारे धर्मे स्वजन
तेडाव्या॥ जो धनादिक जमीने आव्या॥ ३८॥ वेगा समीपे आवि स्वजन॥ सांतो हितुं छे सी धल तेन॥ विचा
रि ने स्रुत वात लिधी॥ तेडि विप्र की पास वें कीधी॥ ३९॥ धर्म शास्त्रे विधी कयो जेह॥ घटे नेम करावियो ते

 ह ॥ वळी ब्राह्मणाने तेडि हजारु ॥ आप्युं कांचुं अन्न घृत सारुं ॥ ४० ॥ आपि धेनु तणां दांन वळी ॥ पछे वेगे ध
॥५८॥ र्म पासे मळि ॥ चालो गाके दंडो त्यां सजां णि ॥ नव ग्रामने रथने पालि ॥ ४१ ॥ गउ छांणे तो भोंमी लीपी सार
ते उपर एक वास्त्र ते वार ॥ पछे पास ले हतां जे जंन ॥ कर वालागा श्रीकृष्ण भजंन ॥ ४२ ॥ धर्म पोते तो हरिने जो
इ ॥ थीयो धीरज ते मांज्ञ गहोइ ॥ अन्न भावण वाधर्म देव ॥ तेणो तज्युं तन तत खेव ॥ ४३ ॥ राम श्रीकृष्णने परता
पे ॥ छुटा कष्टीना आपथि आपे ॥ पछे भक्ति आदि दइ जेह ॥ सर्वे समंधी केवाय तेह ॥ ४४ ॥ पुत्र रुप हरिने
सेवाये ॥ रियां हरि समीपे सदाय ॥ पछे नाथे वेधवने कावि ॥ कृपाळा तनी सर्वे कराचि ॥ ४५ ॥ धर्मे ज्ञाल्लमां
जे विधी करयो ॥ हाहा दिक ते मपुरो थीयो ॥ सर्वे सजंन घरनां जंन ॥ सोकातुर करे छे रुदंन ॥ ४६ ॥ कल्पां आ
ठ तेतेर मासुधी ॥ जमाड्या ब्राह्मण भली विधी ॥ पछे अवणि थे जांति जंन ॥ ला आ वस्त्र घरेणाने धंन ॥ ४७
आपी रांम प्रतापने तेह ॥ गीया सौ सउने घेर गेह ॥ राम प्रतापने इछाराम ॥ जपे मंत्र जे मा कृष्णनां नाम ॥
४८ ॥ निज भाइमां श्रीहरि भाव ॥ राखे सदाये करी उछाव ॥ हरि पोते अतीनी स्नेह ॥ जेने कां पलक न थी
सनेह ॥ ४९ ॥ पोते रियाता घेर जे वाते ॥ पई पुरिने मुंतन ताते ॥ वळतो कह्यो छे विजो विचार ॥ करवा
अनेक जीव उधार ॥ ५० ॥ करि श्रीहरि राद लुं काम ॥ चाल्या घेल्य पकी घन श्याम ॥ संवत अढार अगण ॥५८॥

पंचास ॥ वरें ते वर्षे मां असाढ मास ॥ ५१ ॥ सुदि दशमी शुक्रवार ॥ ते दि प्रभुजी थी यात यार ॥ प्रातःकाले
चाल्या नावा मसे ॥ पोथी मुक्तुत्तरनी दक्षे ॥ ५२ ॥ घरपरथी उतर्युं मंन ॥ चाल्युं जांगुं छे वसवुं वंन ॥ एक को
पीन ने आछादंन ॥ ते विना विजुं न थी वसंन ॥ ५३ ॥ मृगछाला ने तुलसीनी माळ ॥ उर्ई पुडु ची क छे विशा
ल ॥ जटा मुगट उटिल माथे ॥ लीधो पालास नो इंड हाथे ॥ ५४ ॥ आरे शाल्लूतणुं जे हसार ॥ तेनुं पुस्तक रख
भा मो झार ॥ मुफी मेखला कमंडलुं कर ॥ पासे भी साणुं पात्र सुंदर ॥ ५५ ॥ बाल मुकुंद ने ऋाली ग्राम ॥ वां
ध्यो कंठे वड वोते श्यांम ॥ एवा थ का सरजुने तिर ॥ आव्या उतरवा नदी निर ॥ ५६ ॥ वळी जुवे छे वाणनी वाट
तर्ते नदी उतरवा माट ॥ वि ये मनुष्य आवतां भाली ॥ जां एरे खे जाय पाछा वाली ॥ ५७ ॥ एवे समे आव्यो छे
असुर ॥ जांणुं मली यो वेरी जरुर ॥ तेणे गउ पत्ता विगळे काली ॥ नाखी पुरमां निसयो चाली ॥ ५८ ॥ ज
ल अगाध अथाह वहे ॥ जे पडे ते जीवतो न रहे ॥ मोटा मगर मछ छे जेमां ॥ जल धोरा का त्रणि पुं ते मां ॥
५९ ॥ जलसा पने कचवा कर ॥ मघरि पुं शिंपुं डेडुं दर ॥ जे मां ग्रुड्युं जल्यो पुं चितल्युं ॥ मेले नई नांनुं मोटुं
मल्युं ॥ ६० ॥ एवो जल जंतु दुखकारि ॥ वहे निर भयानक भारि ॥ उवेले सुं भमरि पुं वले ॥ मोये लोट मोटा
ते उछले ॥ ६१ ॥ चाले प्रचंड वेगमां पुर ॥ ते मां नाखिने चल्यो असुर ॥ दिवाकुर लगी तो तणाणा ॥ पछे दुख

॥भक्त० नेन कहे खाणा ॥६२॥ तारे पापी पेटमां पेसुं ॥ सुतो वेरि निश्चे मन जाणेसुं ॥ पछे दैत गयो निज धाम ॥ क प्र॰२७॥
॥५८॥ हे करी आव्यो मोटुं काम ॥६३॥ वेरि मारयो कही एवी वात ॥ तारे अक्रर आरवीयात ॥ हवे हरि पड्या छे जे
पुरे ॥ तेमां निसरिया जरूर दुरे ॥६४॥ जल पोरसिया जलमांय ॥ बार गाउनी सरवा तणाय ॥ पुज्यां पुल कपास
लेरियुं ॥ विजु सरवृत गालश्रा पुं ॥६५॥ एम निसरिया ज्यारे नाथ ॥ चाल्या एकिला न जुवे साथ ॥ लीधी काला
पर्वतनी वाट ॥ सडनेचियमारि नेवर्णिराट ॥६६॥ परिसाफने आथम्यो दन ॥ आव्युं घोर विकट सां वन ॥
शिया रात्य ते वन मोझार ॥ नथी मनमां विकल्प गार ॥६७॥ इति श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तक श्रीसहजानंदस्वा
मी शिष्य निकुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये धर्म देह लाग ने श्री हरि घर थी निसरया ए नामे छविस
मुं प्रकर्णम् ॥२६॥ पूर्वछाया ॥ तार पछीनी वारता ॥ करग जोसे रुडि पेर ॥ वरो वृत्तनां बालका ॥ आव्या
हरिने मलवा घेर ॥१॥ आविने कयुं मारने ॥ कियां गया हरि महाराज ॥ सोधु छुं अमे सवारना ॥ पगाम
सो नहि एह आज ॥२॥ जेजे स्थले जाता अमे ॥ ते ते सोध्यां सरवे ठाम ॥ कांये न मल्या निलकंठजी ॥ घणुं
गोत्या अमे घनश्याम ॥३॥ तारे माये जाई सांभली ॥ वली पेटमां पडि फाल ॥ आथमा लगी न आवीया ॥ कि
यां हसे हरि दयाल ॥४॥ रागवेराडि ॥ एपछे पडि रास ॥ जातजो रने रे ॥ हेयुं न रयुं हाथ ॥ दिधुं रोरने रे ॥५ ॥५८॥

एमो जाई तन भोन ॥ भुल्यां सांभलि रे ॥ प्रेमे थया परवस ॥ पड्या भोये ढली रे ॥६॥ एपछे उठि राम ॥ बोलां वाणि ये
रे ॥ स्वामी सोधी सेर ॥ एने घेर आणिये रे ॥७॥ एम मरे भलाम गए ॥ आपी तिरा हनी रे ॥ सां कस्करधी खबर ॥ नली
धी तेहनी रे ॥८॥ एरवुं जाणि दोय ॥ हृदे दडोली यांरे ॥ खोनपोन खवरय ॥ सर्वे भुली यांरे ॥९॥ एतनुजम्छारोम
हवे घरमां रे ॥ पडिया बेउ भाइ ॥ सोकसागरमां रे ॥१०॥ एमारा नागपनी वात ॥ कें ये केहने रे ॥ बालपणा मोमा
ये ॥ मुक्यो देह मेरे ॥११॥ एजोगीनीलकंठ ॥ लाडलडावुमेरे ॥ तेपरागीयाक्यांय ॥ कें ये आवसे रे ॥१२॥ एपछेजो
वाकाज ॥ सर्वे चाली यांरे ॥ नयरोवृहेनीर ॥ नरहे कालीयां रे ॥१३॥ एजोयुं सर्वे सेर ॥ वृजारुसेरियुं रे ॥ जोयां
गली घर ॥ फरी फरी हेरियुं रे ॥१४॥ एजोया चौटा चोक ॥ मंदिर मालीयां रे ॥ जोया मेडि मोल ॥ जरुपां जालीयां
रे ॥१५॥ एअटारि आवास ॥ आगासी फली यांरे ॥ गोतता गरआस ॥ नाथ न मली यारे ॥१६॥ एजोई सर्वे सीम ॥ वेन
वाडियुं रे ॥ सरस रितां नीर ॥ पोका रुपाडि युं रे ॥१७॥ एविरमा एल रथाणा ॥ कोने कांगी यारे ॥ दियां अमने दु
ख ॥ केम ना विदी यारे ॥१८॥ एदयारथने दुख ॥ दिधुं रघुनाथजी रे ॥ एम कीधुं तमे आज ॥ नीलकंठनाथजी रे ॥
१९॥ एअमारो जासे प्राण ॥ पछे आवसो रे ॥ निंदा करसे लोक ॥ नमे रा कावसां रे ॥२०॥ एएमकस पे भाइ ॥ विरसा
भेरे रे ॥ नही एवा नीलकंठ ॥ विसार्या विसरे रे ॥२१॥ दियो रने वियोग ॥ दुख ते जाय पडि रे ॥ नोती करवी नाथ ॥ अम

॥ राकेमधरुंधीर ॥ मारामनमांरे ॥ मुरतिचड्रिचित ॥ तपियांतनमांरे ॥ २२ ॥

॥ भक्त० ॥ परआवड्रिरे ॥ २३ ॥ राओजाईमनमांई ॥ चिंतचित्तविरे ॥ हैयेनरुंधीर ॥ दुखिवोहविरे ॥ २४ ॥ राअवलउईरेख ॥ प्र० २१ ॥
॥ ६० ॥ होयेपगमारे ॥ पडुतिहसेछाप ॥ तेनीमारगमांरे ॥ २५ ॥ रापगअंगोछेरेख ॥ ओपेन्ग्रागलीरे ॥ मांचुंमणिला
ल ॥ नखआवलीरे ॥ २६ ॥ राअंकीतलंकीतपाय ॥ पेनीपानलीरे ॥ जारेजोईसनाथ ॥ तारेलईसकलीरे ॥ २७ ॥ ए
जेयाजानुउरु ॥ कभयजोईनेरे ॥ नाभीनिरखीनेरग ॥ मैपुछुंकोरनेरे ॥ २८ ॥ रापडेपेटेवल ॥ चणपतेस्नेरे ॥ उर
तरुतमाल ॥ भुलुंकेमराहनेरे ॥ २९ ॥ राचीवुकमुखमांय ॥ दंतआवलीरे ॥ ओपेछेअपार ॥ जोतांउअनारक
लीरे ॥ ३० ॥ एनासापासेतल ॥ अवलगालछेरे ॥ रावेग्धांगोनाथ ॥ मायेवालछेरे ॥ ३१ ॥ राकोमलस्कंदरनेगा
छपाडयोनेछपेरे ॥ जेनीभ्रकुटीजोईकाल ॥ मनमांयेकंपेरे ॥ ३२ ॥ राअवलछेगकतील ॥ डाबाकोनमांरे ॥ स्कं
दरसोभेभाल ॥ छेभीनावांममांरे ॥ ३३ ॥ राग्वामारेविश ॥ मसंताडजोरे ॥ मारेजीवनप्रांण ॥ मुनेदेखाड
जोरे ॥ ३४ ॥ रानावेबिजोकोय ॥ रावीजोडमांरे ॥ रानेण पुछेओलखाय ॥ लाखुकोडमांरे ॥ ३५ ॥ राजोगीज
तीकोय ॥ रखेभोलवोरे ॥ जोणिनांनोबाल ॥ रानेनेओलवोरे ॥ ३६ ॥ रानरनारीमांय ॥ जेनेजेनेमलेरे ॥ के
जोजाओघेरच ॥ घरनोकलकलेरे ॥ ३७ ॥ रानमलानीलकंठ ॥ थायांवउडखीरे ॥ पछेआवोघेरच ॥ विलखी
विलखिरे ॥ ३८ ॥ राकुटीडपरकर ॥ लीपेलइघडियांरे ॥ नयणेचालांनिर ॥ दुखडांपडियांरे ॥ ३९ ॥ रापछे ॥ ६० ॥

पोतांघेर ॥ गुणखटकेखरारे ॥ रांध्यांरियांवंन ॥ नाविनिंदरारे ॥ ४१ ॥ राजेखेसर्वेजंन ॥ संभारिसांमनेरे
गीयाघनसांम ॥ घेलुंकरीगांमनेरे ॥ ४२ ॥ रामाभीभोवनमांय ॥ जोईजराकरे ॥ हैयेमरईधीर ॥ जोरची
तडुखस्करे ॥ ४२ ॥ रापडीरेरपाघ ॥ नपेरिफुलडिरे ॥ गीयामागेपाय ॥ नपेरिमोजडिरे ॥ ४३ ॥ राकांटानेकोक
र ॥ वीरखुचसेरे ॥ जामसेजारेसुख ॥ नारेकोणपुछसेरे ॥ ४४ ॥ रामकलपेभाइ ॥ भोजाईमनमांरे ॥ जोलु
हुंजीवेन ॥ गीयाछोवंनमांरे ॥ ४५ ॥ रावरुवोनरवाघ ॥ वसेवंनमांरे ॥ तेथीविस्मोतात ॥ तमेमनमांरे ॥ ४६ ॥
रावलीरिछभीछ ॥ रोकचीतरारे ॥ महीषानेमातंग ॥ वाराहवनखरारे ॥ ४७ ॥ राभुतप्रेतदैत्य ॥ राक्षसराक्ष
सीरे ॥ वंनमांभावुंभील ॥ वसेहवसीरे ॥ ४८ ॥ राविकरहसेवंन ॥ सघनकाडथिरे ॥ पडुतीहसेकरु ॥ मोटा
पाडपाडरे ॥ ४९ ॥ रादेखीराबुवेन ॥ जनजापचलीरे ॥ तमेवीस्योबाप ॥ घेरआवोवलीरे ॥ ५० ॥ राभाईनेभोजा
ई ॥ रामकलकलेरे ॥ वालोपात्तावंन ॥ कोणसांभलेरे ॥ ५१ ॥ राकुटंमनेपरिवार ॥ हांस्यारोईनेरे ॥ केनोन
आपोमोह ॥ मनेनीरमोईनेरे ॥ ५२ ॥ जोतांसुसगांसेण ॥ नोतांरूपनेरे ॥ मेलीविसारिवात ॥ वैरागउपनेरे
५३ ॥ रालीधीविकटवाट ॥ वालेवंननीरे ॥ निष्कुलानंदनेनाथ ॥ नरूणिस्वजंननिरे ॥ ५४ ॥ इतिश्रीमदेका
तिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिमाता

॥भक्त०॥ राजघेरथी चाल्याने केंद्रे विलाप कर्यो रावणे सीतानें लाव्यो ते सर्व कही भवीं नीमि शुभकराणम ॥ १४ ॥ पुर्वछायो ॥ वलीकहोंगो सतकमन ॥ प्र० २८ ॥
॥ ६१ ॥ मत्ति ॥ कहेतार पछीनी वात ॥ बहुनोमी महाराजनी ॥ जेरिपाछेवेंनमां गात ॥ १ ॥ वेशराजनी वृश गार
पर्युस्केंदरसारुसवार ॥ उतरदिशानेउपरछे ॥ थीयाचालवा पोतेत्यार ॥ २ ॥ हेमाचलजोवाहोमछे ॥ फा
फुंहेतछे जोवाकार ॥ रामघाणाकदाडाचालता ॥ आव्यो प्रथमकालो पाड ॥ ३ ॥ मोटपाहाड फाडे अती ॥
जियापशुनो नहीं पार ॥ मनुष्यजातमलेनहि ॥ पोतापोतें तेंवेनमोझार ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ जोईकालागीरि
नितलाटी ॥ वेंनमधुननें घणी घाटि ॥ तीयांनपदेकर्यप्रकास ॥ तीयांकिधोपोतेंजरवास ॥ ५ ॥ जीयोपा
हाडमोटप्रचंड ॥ दृक्षकरेवातुंब्रह्मंड ॥ तेनांपुष्पपत्रमुलकंद ॥ जेहजमेतेपोमेआनंद ॥ ६ ॥ अतीरसाल
कोमलफल ॥ वहेनदिये नीर्मलजल ॥ तीयांपक्षनेपक्षिअपार ॥ फरेहमेसवेंनमोझार ॥ ७ ॥ सिंह्याघ्रवा
राहमहीषु ॥ पाडेगजगेंडांवउचीस ॥ रिंछरीछ संभरसांमाकुके ॥ मांरकेचारिसीघतादुके ॥ ८ ॥ स्याणयुने
रोफरोंघेरांणा ॥ फरेटोलांमेमरमालतणां ॥ वरुवानरनेरुरुरमे ॥ कस्तुरियामृगाकर्णभमे ॥ ९ ॥ मनुष्यमात्र
मलेनहीजेमां ॥ फरेपोतेएकाएकतेमां ॥ करताभोमीनेकोंकराअती ॥ करेकोमलचर्णेसंगती ॥ १० ॥ कांटा
फराटामांनी सफरे ॥ भुलप्रेतदेसथीनडरे ॥ आत्मदृष्टीनेधिरअती ॥ मोटीदृढताकुडाग्रछेमती ॥ ११ ॥ दर्प ॥ ६१ ॥

रहितवहरयाल ॥ फरेवेंनेधर्मप्रतीपाल ॥ फलफुलजेमलेतेजमे ॥ नेनोजलपोनेहेंनेनिगमे ॥ १२ ॥ कंदमुल
मलेकोपदेन ॥ धरिहरिनेकरेभोजन ॥ नथीसेंरांणेसांभरतुंघर ॥ वातुंलागेछेवेंनसुंदर ॥ १३ ॥ भरथजीनुंआख्या
नछेमुखे ॥ तेरणेआसेंगीरहेहेछे रुखे ॥ रवापकाजोताजोतावेन ॥ वासापुलहाश्रमेजीवेन ॥ १४ ॥ तपकरवाछे
रसकतेन ॥ लागेवैराग्यवालोछेमंन ॥ चालतांचालतोभुलावाट ॥ केडीमारगचालाउवाट ॥ १५ ॥ दहावांधी
नेचाल्यादयाल ॥ मुकिनीजशरिरसंभाल ॥ त्रणदिवसवेंगीपामोंई ॥ जलफलमसुंनदिठोंर ॥ १६ ॥ चोथेदी
वसचेतनरिमु ॥ प्रथविये पडपडिगीयुं ॥ रमुरछाधरिवेवार ॥ पछेउठियाप्राणआधार ॥ १७ ॥ जोयुंपछेस
रेकोरेजारे ॥ दिठिनदिउरयकिनारे ॥ पछेधिरेधीरेगीपासाय ॥ जरपोतेनायानीरमांय ॥ १८ ॥ पुजाकरीने
पिधुंछेनीर ॥ प्यासगईथई पछेधीर ॥ वलतोसांराकदिठोवड ॥ पोतेवेठाजै तेनेथड ॥ १९ ॥ सांतोअस्तपांमी ॥ नै
योछेदेन ॥ तारेकरुंसांसंध्यावेंदन ॥ कर्योनारायणवर्मजाप ॥ पछेसमर्याहनुमानआप ॥ २० ॥ तारेवहुवे
रोवलवंन ॥ आवीवेंगवडेहनुमंत ॥ तेनिस्मिजनमाशमीतणि ॥ रामआगजीआंधारिथणि ॥ २१ ॥ दिसे
वेनभुंडुंभयंकार ॥ पासेवाघकरेछेहुंकार ॥ माहेकपीचीसतीयांकाली ॥ नाचेचेतालनेसांवेंनाली ॥ २२ ॥ थई
रियोवेनहोहोकार ॥ बोलेटीटुडांलमरोनार ॥ गाजेमेघनेनदीधुघवे ॥ माथेविजलीवेरागावे ॥ २३ ॥ भुनवेन

॥भक्त० हनुजनेदैत ॥ जक्षराक्षसराक्षसीसैंत ॥ फरेराचापापिआसपासे ॥ तेदेखायदोमनीउल्लासे ॥ २४ ॥ तेथि श्रु०२९॥
॥६२॥ हरिवितानथीमंने ॥ अचलछेरूपनेभजंने ॥ सातोआवीपोराकमेरखु ॥ भूतपिशाचमायेछेसर्व ॥ २५ ॥ डाक
णिसाकणिपीचासणि ॥ भेली मेरविलाओछेघणि ॥ रक्तलोचनदाथेचीरूल ॥ भुंडुंरूपछेपापनुंमुल ॥
२६ ॥ अतीउंचोकालोजांणुकाल ॥ फाटेमोढेमोटोविकराल ॥ तिखीडाढेचाविप्रअपेली ॥ आव्योमनुष्य
नुंमांसभखी ॥ २७ ॥ भेली दिवीहजारुहजार ॥ आव्योवडनिकटनिरधार ॥ आविखरसमत्राहकरसो ॥ आख
आगमारुधीरेभस्यो ॥ २८ ॥ भेलीभुतनिमआछेवड ॥ पञ्चपंखीमाशिलाओसड ॥ राडवडमांछेराहनोवास ॥
तियाजेआवेतेपांमेनास ॥ २९ ॥ पोतेगीपोतोकरवाआर ॥ आविकस्योनादभयंकार ॥ तेणोभागीगियां
वेनजेत ॥ सुणिसांमाथयाहनुमंत ॥ ३० ॥ कस्योकपीतणोकीलकार ॥ सुणिभागीयांभुतनअपार ॥ दशोद
शाशब्दरयोछाई ॥ जाणाहरिविनानर्रकांई ॥ ३१ ॥ तारेभेरवकोपीपोचउ ॥ कहेआवोभुतप्रेतोसउ ॥ आने
खाउंजाओतकाल ॥ करोबटुनेवालनोकाल ॥ ३२ ॥ पियोलोहिराक्षसिआवेतुं ॥ खाओराक्षसोमां
सजाणनुं ॥ मारित्रीकलनेकरोनास ॥ रामकडनेआवोप्रभुपास ॥ ३३ ॥ भुतप्रेतनेआगम्याआपी ॥ मारि
वानरनेखाओकापी ॥ तारेगर्जनाकरीमहावीरे ॥ थीयापर्वतसमत्राशिरे ॥ ३४ ॥ पुंछेवांधीनेपासलेलीधा ॥६२॥

वडपगतणाप्रहारकिधा ॥ तेणेपापीपांम्याडुखअती ॥ मन्तुभयथीभागीगयोकुमती ॥ ३५ ॥ पछेभेरवभुतप
तिजोगणि ॥ मेली मुष्टिकामायामांतांणि ॥ तेणेधरुमांगरुदनगलुं ॥ मुखनासामांलोहिनीसरयुं ॥ ३६ ॥ पञ्चो
प्रथविपेचीतोपाट ॥ जेमपडेपाहाडकडेडाट ॥ पछे विचासुंभेरवेराह ॥ फरीमारसेनश्रहेदेह ॥ ३७ ॥ हवे
जेमनेमकरीभागुं ॥ एवुंपापीनेवरमुलागुं ॥ रामकपीभेरवनीजराश ॥ देवेजोयुंवोलानहिकोश ॥ ३८ ॥ आ
पेऐमसूर्यसंताडिसोम ॥ कराखुंशपरवाहकोम ॥ रामकरतांरासवर्ईगाश ॥ जांमनीपोरपाछलीरह ॥ ३९ ॥ पछे
अरुणउदेवेलाथई ॥ मायाप्रभुजीनदिमोजरई ॥ करीसंध्यानेआसनेवेठा ॥ लाग्याहनुमांनफलमेवां ॥ ४०
जम्याचोथेदाडेतेजीवंन ॥ कर्युंहनुमांनमनेधनधन ॥ तमेवडकरीरखवाल ॥ नैतोआजतोआवीर्मतोकाल ॥ ४१
हवेजारेसंभोरूतमने ॥ तारेसायेकरजोअमने ॥ तारेहसीवोलाहनुमांन ॥ धन्नसामथ्यप्रीभगवांन ॥ ४२
तमेकालतणामहाकाल ॥ तेनीकुंकेंकरूंरखवाल ॥ परगसंभारजोस्वामीतमे ॥ पासेसायतेकरसुंअमे ॥ ४३
रामकडशीपाहनुमांन ॥ चाल्याउत्तरमांभगवांन ॥ पछेजीपांजीपांरासरहे ॥ पश्नीसेकनीरभेरहे ॥ ४४ ॥ फ
लफुलखेनपोनजेह ॥ अगणरछंमुमलेजमेनेह ॥ रामकरतांकेरलाकंदंन ॥ केरोकालोपाहारडउलंघन ॥ ४५ ॥
आव्योआगलस्वेतसीवशि ॥ तेनेजोतांजोतांचाल्याहरि ॥ नेतोअगजोछेआकाशोजश ॥ रुपाजेवोजनजीयांनर

॥भक्त०॥ ४६॥ समधातुनि खाणुं छे जेमां॥ मोटि मोटि गुफा ऊंडि छे तेमां॥ देवतपस्वि नेरे वा जेवो॥ दिठो पर्वत स्कंदरणवो॥ प्र० २९॥
॥६२॥ ४७॥ जोईरह्या अचलनी तलाटि॥ घणां काढ काढी जी पो घाटि॥ रविरश्मि प्रकाश न पडे॥ वारयाटजी पान अजडे॥
४८॥ पुर्वपश्चम दक्षण दिसे॥ वन सघन वेली अतीसे॥ एवा विकट वन मोझार॥ तेमां भुला पड्या ब्रह्मचार॥ ४
९॥ जेने दशा विनानथि विचार॥ चाल्या उत्तर मां वृषणिराइ॥ मोतीगंगा आवी सुपधाम॥ पिधुं जल त्यां कर्यो विश्रा
म॥५०॥ इतिश्री मदेकांतीक धर्मप्रवर्तक श्री सद्गुरु ज्ञानंद स्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि म
ध्ये हरि वन विचरणनाम अष्ठाविसमुं प्रकरणम्॥२८॥ पुर्वछाया॥ तार पछि नी जे वारता॥ तमे सांभलजो संत सुजां
ण॥ त्याग वैराग्य जेना घणो॥ तेनो सी थाय करुं वखांण॥१॥ भुले पण नी जर देह ने॥ मांने नहि कोय दंन॥ ई
श्वर ईछाये तन रहयुं॥ पण पोते न कर्युं जतंन॥२॥ पछे प्रभुजी देखाडता॥ गेहेरि गंगा ने तिर॥ त्यां थी उठि ति
तरिया॥ जेह तुं अपार नीर॥३॥ उत्तर दिशा मां चालवा॥ अमी अंतर मां छे आनंद॥ करुं न गमे नि करणे
चाल्या घन त्यां मरुषर्कंद॥४॥ चोपाई॥ चाल्या उत्तर दिशे दयाल॥ निधडक थय रतन काल॥ मोटा मोटा
पर्वत ने पासे॥ जोरंगुं अडिअडा छे आकाशे॥५॥ त्यां मसां मी फुकि छे सीखंड॥ वड विष्यामणि घणि फ
ल्युं॥ चाले निकरणे निरधणां॥ पाय धोय अखे उतेतरणां॥६॥ जेम परस्पर फुका पाड॥ तेम फुंकुं विविधियो ॥६३॥

छे फाड॥ नमीरे मुंकरा डंसुं कराल॥ ने मां चाल्या जाय पछे दयाल॥७॥ स्वामी नदिये चाल्या छे श्याम॥ जेको पसर्व
नाथ आत्माराम॥ त्यां तो आव्यो छे अचल॥ आवे तेनी गुफा मां थी जल॥८॥ वहे वेग मां धारा प्रचंड॥ पा
यशा स्तेह नो अखंड॥ त्रणकोरे जावा न जाय॥ बले के मन जेने छे वैराग्य॥९॥ पछे वेवा ती पाघन श्याम॥ दन
अल्प पाम्यो रहता गाम॥ वलतुं जो पुंपुर्वे विलोकि॥ दिठो पुरुष सी नाक अलोकि॥१०॥ तेरो वणा पुछी कर्या वात
की पां जावु छो हे जगतात॥ पछे हरि बोल्या पाछे त्यां रे॥ मारे जावुं छे उत्तर मां रे॥११॥ पण तमे कोण छो दयाल
आव्या आं शोसमे तन काल॥ तारे ते केहे कर्णो भगवांन॥ हिमाचल कुं मुरती मां न॥१२॥ एम कहि ने वताबी वा
ट॥ गरे गुफा मां वृषणिराट॥ एमां चालतां आवसे मग॥ एम कहि ने न देखाणां नग॥१३॥ पछे चाल्या एमां अ
विनास॥ जेह ने न थी देह अध्यास॥ पेठा घोर अंधारि गुफा मां॥ आवती जल धारा ने सांमा॥१४॥ चालतां
चालतां विस्मो पोर॥ विजा नुं हशुं के मरे वेग॥ मांरमां रामो राम मणिधर॥ कुर्मकर्च त्या कर्ति स्या घर॥१५॥
मीन मघरि युं दादुर जेमां॥ नीसंक मन ने चाल्या जाय तेमां॥ पछे पांमी पाराह नो पार॥ निसर्या घोर गुफा
ने बार॥१६॥ त्यां तो आवियो छे राकधोह॥ ऊंडो अथाह जंतु सम्मोह॥ विमा त्रण पदि च मजो मांरा॥ फल फू
ल मल्युं नई कयाई॥१७॥ भुख्या पडी रिया तियां रात॥ संकट राधी रज मी वात॥ स्कतानी संकय परगरे रा॥

॥भक्त॰ जाणावभातेकमलनेण ॥१८॥ नाश्मंधाकरितेहवार ॥ मसोफलफुलकस्योआहार ॥ पछेचास्मासोथीथोडुं प्र॰ २९
॥६४॥ घणुं ॥ मस्युरधांरामारगनणुं ॥१९॥ तारेचास्मासमोरगलड ॥ तियांदंनवितीगियाकरे ॥ पछेवुलहब्रह्मा
नास्फुवंन ॥ आसुंआश्रमतेनुंपावंन ॥२०॥ अतीचमतकारिछेएह ॥ थायफथीसेवुंजंनजेह ॥ तपफलमले
तीपोतर्त ॥ जीमांतपकर्युंआगेभ्रत ॥२१॥ मुमुक्षनेछेसेववाजेवुं ॥ आश्रीकृष्णनेछेनित्सरेवुं ॥ चक्रनदी
जीयांचारेकोश ॥ नाथाछेतेमाधर्मकिसोर ॥२२॥ करीक्रियासोपाठपुंजन ॥ कस्युमुक्तनाथवुंदसंन ॥ पछेभरतेक
र्युंतपजीयां ॥ पोतेपणहवेजरतियां ॥२३॥ तेनिपेरेआदस्युंछेतप ॥ तेनाजेवोकरेनिसजप ॥ जांणगुंपांम्याभरत
मृगदेह ॥ मारेपोतेरहेछेनीस्नेह ॥२४॥ एमसंगतसोजारेवाग ॥ पछेअंतरेकर्योविचार ॥ पुर्वजंननीक
थासंभारि ॥ मुक्योबुद्धिनोसंगविसारि ॥२५॥ शुद्धस्वरुपआत्माकेवाये ॥ पोतापणुमांनुंछेतेमांये ॥ प
छेउर्धवाहुकरिआप ॥ करेगायत्रीनोनित्सजाप ॥२६॥ धर्मस्फुर्यनारायणनुंध्यांन ॥ गंडकीमांकरीनित्स
स्नांन ॥ मुक्तनाथसेवामनगमे ॥ फलफुलजेमलेतेजमे ॥२७॥ तेनेजोश्तपीसारेनार ॥ विस्मेपांमेछेमन
मोजार ॥ कहेआतोभक्तादछेआपे ॥ कांतोऋषभमुक्यांफरीवाये ॥२८॥ कांतोस्वामीकार्तकेयेये ॥ कांतोस
नतकुमारलेये ॥ कांतोसनकादिकसुजांण ॥ कांतोदत्तात्रियेपरमांण ॥२९॥ कृभुकांतोनारायणरूप ॥ ॥६४॥

तेहविनानरआतपसी ॥ जोनेकावुंकरेतपतंने ॥ तोथेपडतानथीमोलामंने ॥३०॥ जोनेमुखसोभामुनीइंद
जोणपुरणमासीनोचंद ॥ आवावृद्धतरवीमांनमात्या ॥ तेतोआजनजेरनिहाल्या ॥३१॥ मोटुंतपमनुष्येन
थाये ॥ तेआदर्युंछेअतीउछाये ॥ एनेआगस्तपआपणु ॥ थपुंखेलवणुंबोलतणु ॥३२॥ हीमेवालपणे
मोटावड ॥ जोश्विस्मेपांम्याछेयेसउ ॥ एममाहोमांयेकहेमुनि ॥ जोश्तपस्यातेदप्रभुनी ॥३३॥ एवुंतपजोर
निजजन ॥ प्रभुदुखेदुखापछेमंन ॥ भक्तीधर्मदिकदेहधरि ॥ रेछेपासेदोषहेतकरि ॥३४॥ अतिकृशातमा
एकपगे ॥ नथादेखीसकनातेठगे ॥ जोणंगुलरथरिपडसेनाथ ॥ थमास्थमाकरदियेहाथ ॥३५॥ अतीहेत
छेहरिनेमाथे ॥ तेणेरंपतीरहेछेसाथे ॥ देहदुबलुदेखुंनजाये ॥ रतीरुधीरनश्तनमाये ॥३६॥ अंगेगोअं
गनीसरवेनाडि ॥ तेतोपर्शरहिछेउघाडि ॥ दिसेअस्तीआमीसनदिसे ॥ त्वचाचोटिरश्छेतेविसे ॥३७॥
देहजोतांदेहनअरहे ॥ एमजेनजोईसउकहे ॥ एवेव्रतरिरेआदर्युंतप ॥ करेछेमुखगायत्रीजप ॥३८॥ तेमांध
रेछेस्फुर्यनुंध्यांन ॥ आवेकरीपोतेभगवांन ॥ करेछेएवुंतपहमेस ॥ देतातपस्वीनेउपदेश ॥३९॥ एमतप
कर्युंमासचार ॥ सहिमेघतणीघणीधार ॥ करीतेमांउपासनाघणी ॥ तेतोस्फुर्यनारायणतणी ॥४०॥
एमकरतांगकादशिजेह ॥ आविप्रबोधनिनामेतेह ॥ तारेअतीआनंदवधारि ॥ कर्युंस्नानगजांमनीसारि

४१ ॥ तारे रूप अनंत अपार जणायो छे ॥ दिधुं दर्शन एनि सिमा पे ॥ अती कंदर्प तन स्वरूप ॥ अंगो अंग सोभा छे अनु
प ॥ ४२ ॥ दोय कर कमल छे हाथे ॥ नंग जडीत मुगट छे माथे ॥ कनक कडां कर मां छे काजुं ॥ दोय भुजा ए बेंधा छे
बाजु ॥ ४३ ॥ कांने कुंडल सोभे छे सार ॥ तेज तेज तेज ना अंबार ॥ हास सहीत सोभे वदन ॥ तेमां करुणा एव भर्यां लो
चेन ॥ ४४ ॥ एवा रूपे दीधां दर्शन ॥ अती थयां आपे परसंन ॥ तेने देखि उदवा हरि तर्त ॥ कर्यो भक्ती ए स्तुति ईश्वर
४५ ॥ थी पागद गद कंठे वाणि ॥ प्रेमे भुल्या सुरत तन ताणि ॥ आंखे आंसु रोमाचीत तन ॥ जोडि हाथ करे स्तव
न ॥ ४६ ॥ तमे तेज पुंज मार तंड ॥ निज तेजे प्रकासो ब्रह्मंड ॥ धरि कस्य धरे अवतार ॥ एवा तमे तेने नमस्कार ॥ ४
७ ॥ तमारे उगवे करी घालु ॥ थाय सर्वे जक्त रुपालुं ॥ तेमां पापी पीडाये अपार ॥ एवा तमे तेने नमस्कार ॥ ४
८ ॥ तमारे उगवे करी कउ ॥ करे कालनी गणना सउ ॥ तेनो नोये कांय निरधार ॥ एवा तमे तेने नमस्कार ॥
४९ ॥ तमारे उगवे करी आप ॥ सर्वे प्राणिनां बांध्यां छे माप ॥ देव दानव ने नरनार ॥ एवा तमे तेने नमस्कार ॥ ५० ॥
तमे प्रभु प्रगट छो देव ॥ सउ जन जाणे छे एम एव ॥ नथी छांनो प्रताप लगार ॥ एवा तमे तेने नमस्कार ॥ ५१ ॥ एवि स्तु
ति करी जोडि कर ॥ तारे भावे बोल्या भास कर ॥ मागो हरि मुज पासेथी आज ॥ तारे हरि के मागु महाराज ॥ ५२ ॥ को
म क्रोध ईर्षा लोभ मोह ॥ ईंद्रि गुण आदि जे सम ओह ॥ तेथी रक्षा करजो अमारि ॥ जे छे रेये ने छिक ब्रह्मचारि ॥ ५३ ॥

वली तारे तारे कुंसे भारु ॥ तारे दर्शन थाय तमारुं ॥ एम वर मागुं छुं लमथी ॥ माग्य कस्य मागतो नथी ॥ ५४ ॥ तारे
सुर्य कहे सुखदाई ॥ तमे वडा छे माहिमा ओराई ॥ आपो तेज बल पछे मारो ॥ तेतो सर्वे जोरा जोतमारो ॥ ५५ ॥ नथी सम
र्थ तम थी अमे ॥ पण आपुं छे जेमागुं छे तमे ॥ एम हरिने आपी वरदांन ॥ पोते थीया छे अंतरध्यान ॥ ५६ ॥ पछे तपसमा
प्ती करी ॥ एह क्षेत्र वरतो गणे छे हरि ॥ रिधा निधा रघुदिनो दंन ॥ पछे कस्युं छे बालवा मन ॥ ५७ ॥ एम चरित्र करे बहु
नांमी ॥ जेको सर्वे धामना छे धामी ॥ जेनी आगमामां अज उमेश ॥ विधु विधु ठ सार्दा शेष ॥ ५८ ॥ जेनी आग
न्या मांमाया काल ॥ सर्वे लोक वली लोकपाल ॥ जेनी आगन्यामां वायु व्योम ॥ वली कैंपे तेज तोयभोम ॥ ५९ ॥ एह
सर्वना नियंता स्वामी ॥ करे एम चरित्र बौ नांमी ॥ नरतन धर्युं छे तेमाट ॥ एम चरनते छे वर्णि राट ॥ ६० ॥ इति श्री मद्
कौतिक धर्म प्रवर्तक श्री सद्गुरु आनंद स्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचित भक्त चिंतामणि मध्ये हरि तप सुर्य नाम
अगणत्रीसमुं प्रकर्णम ॥ २९ ॥ पुर्वछाया ॥ तार पछी कृष्णदेवनी ॥ कर्कं कथा अती रसाल ॥ वणि थया चालवा ॥
उतर दिशा मांदयाल ॥ १ ॥ नामी मस्तक मुक्तनाथ ने ॥ पछे नोमुं मुक्त ने शिस ॥ प्रभाते उठि पग धारिया ॥ एह आश्रम
थी जगदिश ॥ २ ॥ नग नदि पुंत लावतियां ॥ तरि उतर्या ते पार ॥ महा अघ्वरण एम जां मनुष्य न हो ॥ जोपे चालाते हमो
ज्ञार ॥ ३ ॥ हेमा चल अंगणि हालीया ॥ जोयो तेनी तलाटिनो वेंन ॥ फाड पाहाड जोर प्रथवि ॥ जोयां विवी धे हक्ष स घंन

॥भक्त॰ ४॥ढोपाई॥ काउपाइ ऊंचाछेअपार रे॥ जोगुंअढंगाआकाशमोजार रे॥ सोमसोमीसाखासकलाणि रे॥ एक प्र॰ ३०॥
॥६६॥ बिजामांघणि घुचांणि रे॥ ५॥ वलीविधेविधेवेलीजेह रे॥ एकबिजामां उरजीतेह रे॥ वंनवेलीगुथ्यांणिछेघा
टि रे॥ जेनेजोइछालीजायफाटि रे॥ ६॥ गवुंघाटुंवंनछेवीसम रे॥ जेमांनपडेरामदीनिगम रे॥ नदीजोउगिर
आथमेदंन रे॥ एवुंकारेछेवंनसघन रे॥ ७॥ तियांफलफुलफुल्यांकर रे॥ कंदमुलतणोपारनई रे॥ वलीसर
सरितांअपार रे॥ अतीअमलजलतेमोजार रे॥ ८॥ वलीगोहेरिगुफाउंस्याघणि रे॥ जोएवुंवेरि यामंदिरवंणि
रे॥ वलीपक्षनेपंखीसांघणां रे॥ फरेटोलावोलांतेहतणां रे॥ ९॥ सिंघसार्दुलकावेकेसरि रे॥ कपीकुरंगनेकई
करी रे॥ गेंडेरोजनेमहिषाघणां रे॥ वाघवाराहवोविषामणां रे॥ १०॥ स्वरागाडुंनेसेमरस्याल रे॥ जानवरनो
लवोलातीयांव्यल रे॥ मारेवोलेपरस्परतेह रे॥ पायत्राहसभयंकारतेह रे॥ ११॥ मनुष्यजनेतोत्यांनजवाय
रे॥ जोजायतोपाछुनआवाय रे॥ एवावंनमांएकाएक फरे रे॥ अतीधिरकोयपीनडरे रे॥ १२॥ भुतप्रेत
दनुजनेदैत्य रे॥ एवांमलेवंनमांयेनित्य रे॥ जक्षराक्षसराक्षसीजेह रे॥ भेरवभेरविवेतालीतेह रे॥ १३॥
एवोअहोनीसवंनमांरमे रे॥ तीयांहरिएकाएकभमे रे॥ जातांजातांपडेरामजि यां रे॥ एकवेनिरभेथया
नेतियां रे॥ १४॥ एमजोतांतेवंनसमग्र रे॥ आव्युंएकत्यांवुटोलनग्र रे॥ तेनोराजामहादत्तनाम रे॥ सवे ॥६६॥

अवनीराजानोसोम रे॥ १५॥ तेरोदिवासागीघनसांम रे॥ अनीहेतेरस्थानीजधाम रे॥ करेनीमपुत्रसेअती
सेव रे॥ जोएअाछेमोटाकोयदेव रे॥ १६॥ नृपभगनीनाममेयाजी रे॥ देखीहरिपायांबुउराजी रे॥ कहे
आतोमोटाकोयअती रे॥ नोयमनुष्यनीआवीगती रे॥ १७॥ जोरहरिनामोटाआचरण रे॥ सेवेकत्यांएा
सारुतेचरण रे॥ पछेनाथेदयाकरितेने रे॥ आप्युंनीजज्ञानराहवेने रे॥ १८॥ जन्ममरणातणुंजालकापु
रे॥ स्वसुखअंतरेअखंडआप्युं रे॥ रियातियांथोडाघणादंन रे॥ पछेत्यांथीचाल्याछेजीवंन रे॥ १९॥ तपकर
वाइसकछेअती रे॥ बिजीवाततेनथीगमति रे॥ सेरपुरनग्रगोसगांम रे॥ नथीगमतुंरेवानेएकांम रे॥
२०॥ मेरुमोसहवेलीअवास रे॥ तेमांरेतांरहेछेउदास रे॥ मारेवेगेचाल्यात्यांथीवंन रे॥ तेयेराजीपीया
वउमंन रे॥ २१॥ मुक्तनाथथियावाराअरणे रे॥ तेनेचितीगीयाकालउरण रे॥ चाल्यागहनवंनमांरे॥ आ
वाफलफुलनीलत्यांई रे॥ २२॥ नेपरामलेकेनमलेरोणी रे॥ तोयमनेअधीरनथीएणी रे॥ एवाथकावि
चरेछेवंन रे॥ अतीत्यागवैराग्यछेतंन रे॥ २३॥ जातांउतरदशानेमाइ रे॥ आव्योवडरूडोएकत्यांई रे॥
त्यांथीनहितलावनिकट रे॥ अतीउंचोविस्तारेछेवड रे॥ २४॥ तेनेआसपासगजफरे रे॥ बीजाजीव
भयंकारकरे रे॥ त्यांथीउगमणुएकताल रे॥ वहेउतरमांजलमाल रे॥ २५॥ नरइथुमडेविस्तोछेवड रे

॥ भक्त० वेदादिवा जोगी तेने थइ रे ॥ मृगाजीन पर बेठा आप रे ॥ माथे जटा मोटि निष्पाप रे ॥ २६ ॥ आछादने टां के ॥ प० ३० ॥
॥ ६१ ॥ लंगोपीन रे ॥ बधीने पण वस्त्र न चिन रे ॥ तेह विना नथि बीजु पास रे ॥ मारकस पथी छे उदास रे ॥ २७ ॥
ग्रामली ग्रामनी सेवा किधी छे रे ॥ गीता पाठ करवा लीधी छे रे ॥ एवा गोपाल जोगी तदा रे ॥ तेने नाथे कर्यो न
मस्कार रे ॥ २८ ॥ तारे ते नाथ पण जोगीराय रे ॥ मल्या हेत आणि उरमांय रे ॥ जेम वालां वेगले थी आवे रे ॥ तेने म
ले जेम अती भावे रे ॥ २९ ॥ एम पांम्या छे अती आनंद रे ॥ पछे मली वेदा मुनी इंद रे ॥ कर्युं एक बिजानुं व्रतंत रे ॥ ता
रे वापी युं हेत अनंत रे ॥ ३० ॥ कहे आप पण रे स्कंद वे मली रे ॥ बोल्या प्रभुजी एवुं सांभली रे ॥ कर्युं नमे गुरुने कुंडि
स रे ॥ आपो कृदोमुने उपदेश रे ॥ ३१ ॥ शिष्या गोपाल जोगीने पास रे ॥ कर्यो जोग ज्ञानस्तनो अभ्यास रे ॥ कावे जे
को पन्न अष्टांग योग रे ॥ सीष्या जेथी मटे भवरोग रे ॥ ३२ ॥ मोटि बुद्धिवाला घन ज्ञांम रे ॥ सीख्या योग अष्टांग क कुं
नोम रे ॥ यम ने नेम ने आसन जेह रे ॥ प्राणायाम प्रत्याहार तेह रे ॥ ३३ ॥ धारणा वली ध्यान जे कें थे रे ॥ अष्टमुं
अंग समाधी लेथे रे ॥ तेमां नजु जवा भेद छे वत रे ॥ सिख्या पोते दने हरि मत रे ॥ ३४ ॥ एक वार सुं भले छे जेह रे
सीषी करी देखाडे छे तेह रे ॥ वली सिख्या छे प्रथम पेले रे ॥ ते पण करी देखाडे छे छेले रे ॥ ३५ ॥ नेतिकुं जरिक्री
या जे केपे रे ॥ सिस्ली बे प्रकार निलेपे रे ॥ नोली त्रोख प्रक्षालनना मरे ॥ मोरुपसीष्या छे राघ न ज्ञांम रे ॥ ३६ ॥ तेतो ॥ ६१ ॥

सर्वे देखाडे छे करि रे ॥ गुरु गोपाल जोगीने हरि रे ॥ जोई गुरु करे छे विचार रे ॥ नोय मनुष्य आवी रथार रे ॥ ३७
आ तो रूप छे गोलोकपती रे ॥ आव्या छे पोते धरि मुरती रे ॥ आवो कुंजे अती नि स्त्रे ह रे ॥ तेने न थाय वि जे सं न
ह रे ॥ ३८ ॥ मारे ज्ञांणं छुं जरूर एक छ रे ॥ एवे भावे करे निमट्ठ स्पर्श रे ॥ एम परस्पर गुरु पणुं रे ॥ रा षे एक वी ज्ञा मां र घ
णुं रे ॥ ३९ ॥ कंदमुल फल फुल वली रे ॥ जमे आनंदे एक वा मली रे ॥ एम वित्युं एक छान के वर्ष रे ॥ करी उग्र तपथी
या कृष रे ॥ ४० ॥ शील उत्पन्नमे घनी धार रे ॥ सयुं सर्वे ज्ञारिर मो ज्ञार रे ॥ एम तप करे वंन मांय रे ॥ अतीधी रज पर्व
त थाय रे ॥ ४१ ॥ एवा जोगी मोटा जे दयाल रे ॥ जोइ पासे वस्या पशु पाउ रे ॥ वस्या गाय ने एण गोष करी रे ॥ सो तो के
डे पड्या केसरि रे ॥ ४२ ॥ नित्य करे ते गायुनी घात रे ॥ तेनी करे जोगी आगे वात रे ॥ कहे गोवाल अमे ए ना थ रे ॥ अ
मारे छे एण गायुं मी रां थ रे ॥ ४३ ॥ तेने वाघ करसे ज्ञोनास रे ॥ तारे अमारि सरगुज्ञास रे ॥ एवि सांभली दीन तावां णि रे
बोल्या जोगी तनेदु खा ज्ञाणि रे ॥ ४४ ॥ कहे मदी यो तमे गोवाल रे ॥ कार से हरि म त उनी रखवाल रे ॥ एम करुं ही धो रं
खरु थे रे ॥ वज्रा शिष्यो छे ते जोगीना थे रे ॥ ४५ ॥ जेद लामां सं भला णे ग्राह्य रे ॥ भाग्या हिंसक मुकी गरुद रे ॥ वली
यों वसताता जे वाय रे ॥ ते गोप णक रुं वं न मा ग रे ॥ ४६ ॥ शिष्या क थे गायुं ने गोवाल रे ॥ प्रभु गण उ वा स्मरण पनी पा
ज रे ॥ शिष्या कां यक पोते पछे ल्यांय रे ॥ वांचे गीताने वि ज्ञो अध्याय रे ॥ ४७ ॥ पछे आत्मानुं परम स्वरूप रे ॥ निष्ट करी

॥भक्त०॥ युंजेवुंछेरूपरे ॥ स्वाहारकरीमहामतिरे ॥ इंद्रियगणाअंतःकरणव्रतिरे ॥ ४८ ॥ तेनेआत्मामांवाळीलिधिरे प्र०३१॥
॥६८॥ पछेधीरजेधारणाकिधीरे ॥ एमकेटलाककालगीयारे ॥ आतमामांविषेथिरथियारे ॥ ४९ ॥ ध्यांनजोगते
निजेसमर्थीरे ॥ तेनिपक्वदशाअतीसाधीरे ॥ कहुंएमजोगिनेजीवनरे ॥ एविक्रियाउंकरेछेवेनरे ॥ ५०
॥इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्ये
श्रीहरिगोपाळजोगीनेमळ्यानामेत्रिसमुंप्रकरणम् ॥ ३० ॥ पूर्वछायो ॥ वळीकहुंएकवारता ॥ कह्णोसउथ
रसावधांन ॥ कृपानिधीकळदेवनां ॥ कहुंचरित्रअमृतसमान ॥ १ ॥ नाथप्रतापेनीजआतमा ॥ देखेअ
खंडरूपअनुप ॥ तेनिब्रह्मसाथेकरीएकता ॥ पछेथीयाब्रह्मस्वरुप ॥ २ ॥ एवाजोगनेसीधीया ॥ गोपाल
वलि जोगीजेह ॥ स्नेहकरीनेश्रीहरियें ॥ सीखविपुंछेनेह ॥ ३ ॥ तेएकरितर्तथीया ॥ जोगितेब्रह्मस्वरुप ॥ अ
तिप्रकाशिकआतमा ॥ तेहजोएखुपोतानुंरुप ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पछेजोगिनेजगणाएंएम ॥ आनेमनुष्यके
वायेकेम ॥ यपुंत्तानजयारथजारे ॥ बोल्यागोपालजोगीतेवारे ॥ ५ ॥ नरनारायणएकुपीराये ॥ यरब्रह्म
चारिआव्याआंये ॥ बहुजीवनांकरवाकाज ॥ आपेप्रगटथीयामाराज ॥ ६ ॥ एमनिश्चेकह्योनिरधार ॥ ना
रायणतेअवतार ॥ एवाजांणिपछेधर्युंध्यांन ॥ चोटिव्रतिमुर्त्तिमांएकतांन ॥ ७ ॥ तेणेविसरियुंनि ॥६८॥

जदेह ॥ थीयोमुरतीमांअतीसनेह ॥ एमरुंआपमरुंमुकयमोदु ॥ विजुंसर्वेलागुंछेखोटुं ॥ ८ ॥ एवामोटाजोगी
जेगोपाळ ॥ तेनोअनुभावदेहथोडेकाळ ॥ अतीविस्मृतीथइजोरे ॥ मुकयुंमाअकदेहनेतेवारे ॥ ९ ॥ श्रीकळदेवने
परतापे ॥ गीयागोलोकमांजोगीआपे ॥ पछेब्रह्मचारिनिळकंठ ॥ करीकीयातेनीसारिपरठ ॥ १० ॥ पछेमुकि
पोतेएहस्थांन ॥ चाल्याप्रुरवमांभगवांन ॥ रह्याअखंडब्रह्मस्वरुपे ॥ चाल्याआपेआपब्रह्मरुपे ॥ ११ ॥ नासाअ
ग्रेहष्टिकरीस्थीर ॥ चाल्याजेमकमाननोतीर ॥ आपस्वरुपमांदृष्टीअखंड ॥ नथीदेखतापिंडब्रह्मांड ॥ १२ ॥ दश्र
विनामहिविजोराह ॥ गीयासोधकीआघ्याराह ॥ तियांवर्णादिवसपोतेरिया ॥ सोनावासीनेदर्शनथी
या ॥ १३ ॥ निर्विघ्नआनंदपोमीयाअती ॥ जोएछुआव्याओसअवहस्ती ॥ एमजेननेआनंदआली ॥ पछेसांथकी
निसरयाचाली ॥ १४ ॥ गीयावंगदेशमांदयाळ ॥ आव्युंसीरपुरसेरविशाळ ॥ सिद्धवलभतेनोछेराय ॥ गीया
पोतेसोअणाईछाय ॥ १५ ॥ तेनेरेसेपारयनाकरी ॥ राख्याचोमासुंसांनावभरि ॥ दीठाअतीसागीएकाएक
राख्योपासलेएकसेवक ॥ १६ ॥ तेनुंनांमछेगोपाळदास ॥ करेटेलरहेनीतपास ॥ तीयांविजानेषधारिबुड
राख्याचोमासुकरवासउ ॥ १७ ॥ तेतमोगुणीमंत्रअभ्यासी ॥ सर्वेस्युंदेदेवनाउपासी ॥ तेनानुजवानुजवा
वेश ॥ कोयमुंडेलकेनेककेश ॥ १८ ॥ कोयनागाकोयनेकोपीन ॥ कोयनराखेवस्त्रनवीन ॥ तेमांसोएकतपसी

॥भक्त० मई ॥ तेतो बेसे तइ कामो जइ ॥१९॥ कोपवधारे ने कोपसमासी ॥ कोपकरे सने कोपउदासी ॥ कोयक कहे मुलेका ॥पु० ३२॥
॥६९॥ लीकाली ॥ कोप कहे तुं वेचरखाली ॥२०॥ कोपभेरव भेरवरियाभणि ॥ कोप भजे भवानी जोगणि ॥ कोप
मुनि ने कोयक बोले ॥ कोप अहानी सन्यासमन खोले ॥२१॥ केक खाखि केक कुइधंगा ॥ एममसावउत्र
इखंगा ॥ पीपासिरु भुंसी वडमेली ॥ भंगी जंगी पीपा ने लाफेली ॥२२॥ तेने राजा जोणि मोटा सिद्ध ॥ आपे
रसो थुं ते हरिविद्ध ॥ आसन साराफाप गादलां ॥ करे सनमान राजा भलां ॥२३॥ तारे जोगी बोले बलेव
उ ॥ करे बात सिद्ध ऐनी सउ ॥ एम करतां आव्यो वरसात ॥ वापो वापुं थयो उतपात ॥२४॥ थवे विजली वा
रमवार ॥ वरसे मेघ ते मुसलधार ॥ गरजे घोर ने कराका करे ॥ उपरा जलते अखंड फरे ॥२५॥ एवी अखंड म
डाणि एली ॥ वासो थय विये पुर रेली ॥ तेमा पोहि रिया पोते नाथ ॥ तन पर चढि रेती हाथ ॥२६॥ पछे सेवक
आवि सुवारे ॥ कादा काद थ मांये थी तारे ॥ वरसे मेघ मचि वडुफडि ॥ आंख उघाडे नइ एक घडि ॥२७
एम चार मास वुठो थंन ॥ पोचे सिद्ध केरला कदंन ॥ अती वरसाते असो या पीया ॥ पछे रासे रासे भागी
गिया ॥२८॥ हलवे हलवे सिद्ध गया नासी ॥ करवा लागो लोक तेनी हासी ॥ कहे मोटा सीद्ध गया चाली ॥
आ जो पड्यां छे आसन खाली ॥२९॥ एक वेगरिया ब्रह्मचारि ॥ तेने जोर न मान रनारि ॥ कहे सीद्ध तो आय ॥६९॥

करवरा ॥ विजा इ भी भागी गी पापरा ॥३०॥ राजा न मोजां गिण हरि मोटा ॥ विजा सरखे ने जां एपा छे खोटा ॥ बाधु
प्रभुजीनुं वडमांन ॥ विजानुं न करे सनमान ॥३१॥ तेरो करी बुझा विजा वउ ॥ आ आमली मारवा ने सउ ॥ ना
खि अइ दम ते तरि ने मुबुं ॥ पड्यु जे जे करयुं ते ते जुवुं ॥३२॥ पछे सेवक हतो जे पास ॥ करतो सेवा जे गोपालदास ॥
तेने माथे नाखि एगो मुठ ॥ पड्यो भुमी थेने फेर पुठ ॥३३॥ आ बुं मोटे फीणा ते ने जोर ॥ नही जीवे कहे सउ को
इ ॥ पछे राजाये सिद्ध बोलावि ॥ कहे आने जले यो उगावि ॥३४॥ तारे सिद्ध ने छे मरइ भारि ॥ कयुं उगाइ संब्रह्मस्
चारि ॥ तारे रथे जो उआ आवि हाथ ॥ कयुं आने जीवाडि ये नाथ ॥३५॥ पछे हरि तेने पासे जइ ॥ उवाइ यो श्रीकृष्ण
मंत्र कइ ॥ उठ्यो ततकाल गीन हि वार ॥ पांम्या विस्मे सउ नर नार ॥३६॥ कहे आ तो छे पोते श्रीकृष्ण ॥ मोटा भाग्य
थयो एनो उघ्या ॥ वली एम कहे नर नारि ॥ कृष्ण ने तो कुस भक्त भारि ॥३७॥ पछे सुत नार वाती जे सिद्धे ॥ पडि
तेने माथे भली विद्धे ॥ पड्यो पड़ा कन्ह थवी मांइ ॥ मुख मां गाइ धुडा भरा इ ॥३८॥ आ बुं मोटे फीणा फा इट्टं डाचुं
पीयुं जीभा नी कोर नुं काचुं ॥ पछे तेरा ते ना सिद्ध लावि ॥ कस्या उपाय तेने बोलावि ॥३९॥ तेरा फेर पड्यो न
हीरती ॥ तारे क रिहरी ने विनती ॥ पछे नाथ तेने पास आवि ॥ कही मंत्र ने ली धो जीवावी ॥४०॥ तारे सिद्ध राजा
सउ मली ॥ करे स्तुति हरिजी ने वली ॥ जां एपा राजाये मोटा छे सरे ॥ थीयो परिवार सहीत आसरे ॥४१॥ जे

॥भक्त०॥ जेहतोगसीहनोवर्त्ता ॥ मुरनारीवालीपेटभर्ता ॥ तेतोनीलकंठेभांग्योभय ॥ थीयांमनुष्यसोनीर्भय ॥ ४२ ॥ ॥प्र० ३१॥
॥५०॥ लावीवस्त्रधनआगेधरे ॥ हरिलागीछेतेनेस्कंकरे ॥ एटलाकमांविप्रतेलेग ॥ आव्योनारिक्तलरसंग ॥ ४३ ॥
भण्योवेदशास्त्रनेपुराण ॥ तेसीधविप्रप्रथवीप्रमाण ॥ आव्योसीहवलभगयपास ॥ मनेदानलेवानीछे
आस ॥ ४४ ॥ पछेतेराजाछेधर्मवान ॥ आप्युंभण्योजाणीभारेदान ॥ आप्योहस्तीनेकालपुरुष ॥ लेतांविप्र
थयोकालोमश ॥ ४५ ॥ गोरमटीनेथीयोछेश्यांम ॥ तारेनंद्याकरवालागुगांम ॥ पछेहरिपासेविप्रआवि ॥ अ
तिदिनतायेवांणीकावि ॥ ४६ ॥ हेमहाराजकुंतोहतोदुखी ॥ दानलइथावागयोस्कपी ॥ त्यांतोसांमुदुखथी
युंघणुं ॥ हवेस्कंमातमजीमातणुं ॥ ४७ ॥ मोरेलागीसकुंहवेतंव ॥ थायतोतमेकरोजतंन ॥ पछेदुखिविप्र
हरिजांणी ॥ दयालेदयाएपरमाणी ॥ ४८ ॥ कस्योश्रीकृष्णनोमत्रकांने ॥ मटीश्यांमथयोगोरवांने ॥ पछे
ब्राह्मणलागीयोपाये ॥ कस्युंरियोकुंमानुष्यमांये ॥ ४९ ॥ पछेगालोप्रभुजीनागुण ॥ गीयोदेशपोतानेब्रा
ह्मण ॥ एवाप्रभुजीवउप्रतापी ॥ कस्योस्कपीनवदुखकापी ॥ ५० ॥ सागवैराग्यतरमाछेव्रती ॥ सउपरवु
तेमहामती ॥ एमकरतांउनरस्युंचोमासुं ॥ आव्योकार्तकउतस्योआसु ॥ ५१ ॥ पछेहरिनेविज्ञाजेसिरु ॥ ते
नेपुमानपेवउविरु ॥ पछेचासाछेसांथकीसउ ॥ हरिसंगेचाल्यासिरुवउ ॥ ५२ ॥ आव्याकामाक्षीदेवीनिका ॥५०॥

दिये ॥ उतस्याशिरुसउवाडिये ॥ पछेरसोइकरवाकाज ॥ कस्योभेलोमरवेसमाज ॥ ५३ ॥ तेनेसमीपेछेएकगां
म ॥ वसेहिजसांपीवेकनाम ॥ सिरुमंडलआव्युंसांभली ॥ उठयोतर्ततीयांथकीवली ॥ ५४ ॥ केसीहाईराजी
थुयानासुखु ॥ करीगुलामनेघेरराखुं ॥ जोजोमाताजीयेकरिमेरु ॥ आव्यांवरणगोसांपप्रभुघेरु ॥ ५५ ॥ इति
श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरि
त्रेनांमेएकत्रीसमुप्रकरणम् ॥ ३१ ॥ पूर्वछाया ॥ प्रेमवतीसउसांभलो ॥ हरिकथाकउंअनुप ॥ दुखनेदुखदा
यकछे ॥ छेसंतनेस्कपरूप ॥ १ ॥ अस्करजेअवनीरिया ॥ वदलाविनेविजोवेश ॥ तेनेतेअर्थेश्रीहरि ॥ फरे
छेदेशपदेश ॥ २ ॥ जेकारणअवतारछे ॥ तेकरवाथीयाछेसार ॥ हरिरईछायेआविया ॥ प्रभुएवाडिमो
जार ॥ ३ ॥ पिवेकसांपरमाणियो ॥ करवातेसिधुनीघात ॥ नेदांनतेमांपीजेनीपनुं ॥ तेनीसांभलोसउवा
त ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ हतोब्राह्मणमोरुशस्करु ॥ मलीवांमीपेकल्योअस्करु ॥ कौलार्णवभणेलेभुदेवे ॥ मली
नरएकस्योतनखेवे ॥ ५ ॥ पीयोकालीउपासीकभारि ॥ नीसप्रसेपीयेकुलवारि ॥ वलीसीरुनेजीतवाकाज
तेदिसजोसरवेसमाज ॥ ६ ॥ मद्यमांसखाइथीयांमस्त ॥ तीरखुत्रीस्कलतीधुंछेहस्त ॥ कस्योसीदुरलेपल
लाट ॥ चाल्योसीरुनेजीतवामाटे ॥ ७ ॥ रजेभीजेसकुंकुमलइ ॥ चाल्योकपालेचांदलोदइ ॥ वलीकुलवारि

॥भक्त० खुबपीधुं॥ वध्युं तेनारिरे छोडि लीधुं ८॥ चालो मछवा विमदमाती॥ जिमे वांध्यो छे पर कोण तो॥ माथे घ प्र॰ ३२॥
॥५१ णा गुचोणा मुवाला॥ ते दिसे छे बुंडा भमं णाला॥ ९॥ मीइ वसीइ पोते केवाये॥ तेने जोणे म उदे ग्रमाथे॥ को
यसां मुंच्या विनेन मोखे॥ मोखे जे कोपतो मारि नाखे १०॥ एवो भुंडा पेम खोष्य पार॥ मद्य आरवार नो पीना
र॥ कवे वांध्यो छे अली मंजार॥ थी यो सिइ जीत वाती पार॥ ११॥ नर नारि जे रे गाम वासे॥ संगे लई आवो
मीइ पासे॥ वृलतो आवी ने बोजी यो एम॥ पाखंडी पो साहु कावो केम॥ १२॥ सिहु तो एक कुंछ उन्याज॥ त
ज्ञा म जे वातो छे मारु वाज॥ मोटा मोटा ने में जीती लीधा॥ तम जेवा ब्रिष्य कम किधा॥ १३॥ जे जे आवि ने मृ
ने न मीया॥ ते ते सरवे जी वतारिया॥ जेणे जेणे वांधी मुज साथे॥ तेने मार्या मुकी विर माथे॥ १४॥ मारे तन
मे मन मां विचारि॥ पाखंडी थ्यमाला उं उतारि॥ उतारी उपवित अचार॥ नैतो हमणां होका रुछुं विर॥
१५॥ भुत प्रेत ला वि संगे घणां॥ खारुजा से मां सत मतणां॥ एम बोलो एवु लमां बडे॥ बीना हरि वि नामीइ
सउ॥ १६॥ कहे जेम एके मेम करिये॥ तो आज्ञा मोन मां थी उगरिये॥ नैतो मार से विर ने मेली॥ मारे मेली
ये माला संकेली॥ १७॥ मेली जनोई पण उतारि॥ एम से सिहे वात विचारि॥ तारे हरिये सिइ प्रसे कर्युं॥ रा
खोधी रजे हाकली हर्युं॥ १८॥ करे ब्रिष्य मोरुये मरमुने॥ पछे पावुं तमारे सउने॥ तो य सिहे धीरजनधारि ॥५१॥

कर्युं नारवसे तमने मारि॥ १९॥ महादुष्ण पापी छे वउ॥ तेने अमे जाणुं छउ सउ॥ एवि मोइ हरिनी जे वाणि
म्रणि बोल्यो अती क्रोध आंणि॥ २०॥ तारे पिबेक के ब्रह्मचारि॥ तुने देखाडुं सामर्थी मारि॥ जो तुं आनी ला
वड माहाल॥ हमणां करु हुं म्रकवी साल॥ २१॥ एम कह्युं नाखी मुर्जारे॥ वड म्रकी गीयो ते ह वारे॥ कहे मा
म्यवणि वात मारि॥ नैतो आगती जाण जे तारि॥ २२॥ तारे हरि के नवी उन्य मे॥ कर्युं होय ते करो म्रघेत मे॥
एम कईने विर आसने॥ वेठा हरि ते अचल मने॥ २३॥ विज्ञानी तो धीरज न रई॥ वेगा क्रुष्ण केडे कंपे करई॥ प
छे पिबेके थ उद मंतरि॥ नाख्या हरि उपर रिस करि॥ २४॥ तेणे हरिने नथयुं कांइ॥ तारे इजकोप्यो मनमांई
कहे रे जे रव वडदार थई॥ आज मारा विना मुकु नई॥ २५॥ एम कईने नाखी मुठ गणो॥ फेर पड्यो न कांइ तेणो॥
तारे पीबेके पणा लीधुं॥ तुने मारा कुंनो थुं में कीधुं॥ २६॥ करवुं होय ते करय समरण॥ आज आव्युं तारु चा
ली म्रण॥ नाखुं छुं काल भैरव नी मुठ॥ तारे जीववानुं जाणे जुठ॥ २७॥ तारे हरि के वेगो छुं फुंज॥ करवुं हो
य ते करयने तुज॥ तारे मुक्यो छे भैरव विर॥ तो य हरि वे मी रिया स्थीर॥ २८॥ आव्यो भैरव ने विर दोई॥ तेतो सां
मुसा आवे न इ जोई॥ पाछा पीवेक उपर पड्या॥ उलटा नाखत तने नड्या॥ २९॥ पड्यो काली उपासी कटली॥
चाव्युं मुर्खे थी लोहि नीकली॥ आवि मुरछा न रहे रुहु॥ पड्यो अवनीये उंधमुध॥ ३०॥ पछे मोइ थी मोरछा

॥भक्त० टली॥ उविवोसोछेवलमांवली॥ कयुंउभोरेजेब्रह्मचारि॥ मेघुंबदुंभेरवनाखेमारि॥ ३१॥ तारेहरिकेमोक पु० ३३॥
॥५२॥ लोरूपे॥ मुक्यावदुंविरनेविमुखे॥ तेतोविनेपाछावलीगीया॥ पाछापीवेकनेवसगीया॥ ३२॥ नाख्योभुमी
येपाडिभड़ाक॥ ध्रुजीधरणीयेपड्योधड़ाक॥ वलीलरितडफडितड्यो॥ वोल्योप्रभुजीउपररुठ्यो॥ ३३॥ क
हेमुकुंछुविरमाकाली॥ तुनेनेमारेविजाराताली॥ एमकइनेतेनेमुकीया॥ तेतोहरिपासेनआवीया॥
३४॥ पाछाफरीनेलागीमारवे॥ टोलीपाडियोभोमीयेतेमे॥ पयोअसायोनरइस्फुट॥ तोपवांमीनमुके
विरुद्द॥ ३५॥ पडियोरउहिउनोथीयो॥ वलीप्रभुजीनेकेवारियो॥ कहेउभोरेजेवह्मचारि॥ हवेकरुछु
वलेकुंतारि॥ ३६॥ वउविरेसहीतहनुमंत॥ मुकुतेनेकरेतारोअंत॥ एमकइनेमुक्यातेवार॥ आवितेत
णेकर्योनमस्कार॥ ३७॥ करिप्रणिपतपाछागीया॥ वउपीवेकपरकोपीया॥ आविवलग्यातेविप्र
नेसउ॥ पड्योविप्रअंडिहालेवउ॥ ३८॥ फाडुंमोटुंनेआवीयुंफीण॥ पडिअंगनीनाडियुंक्षीण॥ मा
थुंगरियुंमहीमाथे॥ मुखमांगरधुडभराई॥ ३९॥ पड्योभेच्चकपडरितडंडि॥ आंख्युउतरियुं
छेडंडि॥ नाकमुखमांथीलोईवयुं॥ पछेउववाजेवुनरयुं॥ ४०॥ तारेतेहनांसंमधीमली॥ लागापाये
प्रभुजीनेसली॥ कहेदयाकरोएनेहरि॥ हवेनेकरेएआवुंफरि॥ ४१॥ मागतोहतोतेफलमल्युं॥ मद ॥५२॥

अहंकारिनुंमानगल्युं॥ पछेप्रभुवेतेनेउगाड्यो॥ उविविप्रप्रभुपगेपड्यो॥ ४२॥ कर्यादंडवतवउवा
र॥ कहेआओनवेअवतार॥ पछेसीक्रहतातेनेजोर॥ आपीव्राह्मणोतेनेरसोर॥ ४३॥ एमकरिगयोघेरज्ञा
रे॥ मनरियुंनईरावुंतारे॥ पुज्योकालभेरवनेजई॥ मद्यमांसवलीहानदई॥ ४४॥ मुक्योहरिमाथेततकाल॥ आ
व्योभयंकारविकराल॥ भेडुंमोटुंतेभस्युंरुधीरे॥ नख्योनथावरुद्राशिरे॥ ४५॥ आंख्युरातीअतीकालोसाई॥
लीधुत्रीशूलनेकरमांय॥ एवेरुपेप्रभुपासेआव्यो॥ पणआवीनेकांयेनफाव्यो॥ ४६॥ छेवेवेसीरियोआखीरात
हरिहसाजोरपरभात॥ पछेनावाचालाज्यारेहरि॥ तारेतानासोमीहसीकरी॥ ४७॥ तारेथरथरध्रुजीनेभागो
जईपीवेकनेकेडेलागो॥ कहेआजनिश्चेएनेमारुं॥ तारेप्रभुजीयेकह्युंवारुं॥ ४८॥ कहेएनुंखाधुसिद्धेअन॥ ते
नीतारेकरवीजतंन॥ पछेब्राह्मणपासेभेरव॥ जइकईछेवातसरव॥ ४९॥ आजमस्तुंकरवुंतुंतारुं॥ पणबलि
येकर्युंछेवारुं॥ एमकइनेभेरवुगीयो॥ द्विजप्रभुनेपासेआवियो॥ ५०॥ जांणिइन्द्रवरनांमीसुद्विप्र॥ कहेक
रजोगुनावगढिप्र॥ एमकईनेवारमवार॥ करेवउपोतानेधीकार॥ ५१॥ कहेभणिगणिभआभुत॥ कर्यांव
कुभुंडांकरतुत॥ कर्यांकुकर्मनजीआचार॥ एवोपापीकुंतेनेधिकार॥ ५२॥ एमकईनेवहुहरिचर्णी॥ प्रभुआ
व्योकुंतमारेशर्णी॥ एमकईनेपीयोछेविप्र॥ जांणिमाहात्मजनेजगदिश्र॥ ५३॥ थाय्योप्रथमनाजेवोधर्म॥

सुक्तादिकजेकरवांकुकर्म॥ कौलार्णवादिग्रंथसंभाली॥ जालमवाक्यजांणीदिधांवाली॥ ५४॥ भागवत
गीतापछेभणतो॥ साचोभक्तश्रीकृष्णनोथणतो॥ एवुंचरित्रकरीदयाल॥ पछेसांथीचाल्यातत्काल॥ ५५॥
हतासिद्धतेनेसीखदिधी॥ पोतेवाटनवलखानीलिधी॥ मनुष्याकृतीमांमृगअपार॥ धनजनमनमोहभंडा
र॥ ५६॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणि
मध्येहरिचरित्रनामेबत्रीसमुंप्रकरणम्॥ ३२॥ पूर्वछायो॥ वृंदनांमीकुंजदेववनां॥ फलाचरित्रसर्वरसाल॥ भक्त
अभक्तकारणे॥ फरेहदवेहदेदयाल॥ १॥ संतनेसुखआपवा॥ देवाडुष्टजननेदंड॥ तेजकारणपोतेप्रभुवे
प्रथवियेधर्युंछेपंड॥ २॥ जीयांजीयांजावुंघटे॥ तीयांतीयांजायजरूर॥ सुखदुखभुखप्यासनुं॥ नथीगणता
नीकटदुर॥ ३॥ पछेएकाएकचालीया॥ महाविकटअटवीमांये॥ नवलाखजोगीनीरखवा॥ चाल्याप्रभुजीच
कछायें॥ ४॥ चोपाई॥ चाल्यापर्वतपेखवाहरि॥ आव्याअतीचसमोअद्रि॥ जावावाटजडेनहीजीयां॥
जावुंजरूरपोतानेतियां॥ ५॥ जातांगादज्ञोमनुष्येवासुं॥ पणाकर्युंछेपोतानुंधार्युं॥ चड्यापर्वतउपरप्रपो
ते॥ वास्याश्वेलतणीसोभाजोने॥ ६॥ आविनवलाखधुणीरूपाली॥ तेनेमेसेजेवलेवगावाली॥ तीयांकुंड
दिठाछेअपार॥ भर्यांजलअमलतेमोझार॥ ७॥ कयांकटाढांजलकयांकटेना॥ रामबेंकुंडदिठानीरुना॥ पछे ॥ ५३॥

सोनारेनारांजेमिहु॥ मल्यातेपरणआविप्रसीद्ध॥ ८॥ जेनीकोयनेभेटनहोये॥ नरमोटामुक्तजोगीहोये॥ तेने
मोनेमल्याएकवार॥ कर्यापरस्परनमस्कार॥ ९॥ पछेप्रेमेवेंगामडपास॥ पुछ्योजोगीनेजोगअभ्यास॥ कयुंते
णेतेनेंवरतंत॥ सुणीहरिहरखाअत्यंत॥ १०॥ कहुंसीद्धनेछोधनधन॥ रामकद्दिरियाचरणपदंन॥ आपीआनंद
सांथीउतर्या॥ चाल्याहरिवृडमोदभर्या॥ ११॥ नवलाखजोगीनेनिरखि॥ चाल्याहस्तीमार्गेहरखी॥ सांथीप्रभु
रुडउतरमांवली॥ रियोरांमकोरजलमली॥ १२॥ तियांजावानुंकिधुंछेमन॥ पणसांतीनगीयाजोवंन॥ जोतांवृंन
पर्वतविसाल॥ गीयावालवाकुंडेदयाल॥ १३॥ जोयोकुंडएजुगतेकरि॥ चरणएतनेरियोतेधरि॥ वायुअग्नीज
लचरणमली॥ तेनासमेहरियानीकली॥ १४॥ तीयांथीरियापोतेचरणपदंन॥ पछेसांथीचाल्याभगवंन॥ कर्युअ
ग्निकुणोपरवेश॥ चाल्याजोताजोतांसर्वेदेश॥ १५॥ गीयागंगासिंधुनेसंगमे॥ नायातेमांपोतेजोरसमे॥ रिया
त्रणदिवसत्यांहरि॥ चाल्यासमुद्रचाडीतरि॥ १६॥ आव्याकपीलजीनेआश्रमे॥ जेहजायगांमडनेगामे॥ चा
रेकोरेसोभेसमुदर॥ मध्येआश्रमअतीसुंदर॥ १७॥ सांख्यज्ञानरुडाआचार्यजेह॥ तेनागुरुकपीलजीतेह॥
करेतपपोतेसमरथ॥ सर्वेजीवनांकल्याणअर्थ॥ १८॥ ज्ञानवैराग्यभक्तीनेधर्म॥ जोगसेंतपांचेराहमर्म॥ तेना
स्थापनाकरनार॥ एवाकपीलमाकर्यादेदार॥ १९॥ रियाभक्तीकरनतियांमास॥ पछेसांथीचाल्याअवीना
प

॥भक्त० स॥आवा पुरुषोतम पुरि मांई॥निरखी जगनाथजी ने सांई॥२०॥पछे रिया पोते एहठांम॥कोपे कथा रूंकें ते ॥प० ३३॥
॥१४॥ करतुं कोम॥नाथ समुद्र मोजा उनिमे॥निरखे जगनाथजी ने प्रीमे॥२१॥करतुं आमन मेरथी बारु॥मेरु द्यु
२ मूर्त जोरे सारु॥तीर्थो दीठा छे अकरघणा॥वे ज्ञाल रसीध ने साधु तणा॥२२॥काम क्रोध ने मछर अती॥मा
हे मांथे छे वेर नी मती॥धर्म हेत्रि कपटी ने कांमी॥वेश्या शै वि वे ख्य विने वांमी॥२३॥मंत्र जंत्र जांणे छे अपार
ते णे वस करयां नर नारु॥मुका वि वर्णाश्रम नो धर्म॥करयां अ एवा गाढि वे सर्म॥२४॥मोटा मोटा साधु सेवा
फल॥कई देखाडे मारि आगल॥एम करई ने धर्मथी पाडे॥साधु निंद्यानुं पाप देखाडे॥२५॥एवा अधर्म नुं थ्या
अपार॥दिवा हरिये हजारु हजार॥थयां ला पे तीरथा हथी पार॥लीधा धोका ठरा ने कटार॥२६॥ख ड ग लो डा
लाक डि हथु वांगुं॥करे कमा न्तु सल केसांगुं॥व ड वंधक कुने कोकबांण॥चक्र चि पी पाली धा छे पांण॥२७॥फ
रि शीरी सकल वरसी मुंलर॥जंजाल तुं आदे ज्ञान छे कई॥अती फरा इ छे नी सम तुं ह॥केट लाक नगरवे आयुध॥२८
केटलाक सा गीत पकुरता॥केटलाक सोम्य वेद्राध रता॥कोला एवं वगे षवांचे नि ते॥पुजे शक्ती मेरव ने थीते
२९॥एवा दिठा छे नाथे अपार॥महा पापरुप नो मीमार॥तीर्थो रिया पोते अविनास॥करवा एवा अ सुरनो ॥३४॥
नास॥३०॥पण पोताथी न पापरति॥कां जे राखे छे अहिंसावती॥वेसी रिया विचारि विड॥तारे लोके जांण्या

आछे सीड॥३१॥एम जांणि ने पुछे छे जेह॥कहे हरि याय ते मते ह॥तारे लोकने आवि प्रतीत॥जावे अंन वस्र दम
नित॥३२॥तेह माथे लुं कांय न लीये॥भुख भ विसनुं करदिये॥एम करतां ते रा कदंन॥आव्या पामल अरुजंन॥
३३॥कहे करय अमारु तु काज॥लाख जन संघ ला समाज॥द रशे रोने ब उरा आ॥न करवा नो कांम करा आ॥३४
करे कांम जर भ्र नजेम॥तारे वि जा केम करो एम॥ते पे ते सं बो ला क्रोध करी॥एनी पक्ष मे लो पर हरि॥३५॥एम
वद तो पड्यो विरोध॥मांहो मांपे उपनो करोध॥पछे ते मां पडी तड बे उ॥ने छा परस्पर करे ते उ॥३६॥एम करतां वृ
धा णुं वेर॥रखा मारवाने जे ने मे रुं॥प्रथम नो बोली चोली थय॥पछे उग्या ल डा मोटा ल र॥३७॥लीधी ल डवा पेली
ला कडी॥ते तो पर स्पर व उपडि॥पछे लीधं खाडा कर मां थे॥आवा मा स सो माम ली धाथे॥३८॥नारे व्र सी पुं वो
सोम सोमी॥चाले छुवांगुं न रदे खांमी॥सलके सांग ने मरोगोतीर॥ल डे मांहो मांपे करवि र॥३९॥कोर पर सुं त णा व
उप्र हार॥नारे धो का छुरा ने कटार॥तीरखांची फ्रक्त चाले सांघणां॥करे याच क्रची पी पाल णा॥४०॥वेध क कुं तें जा
लुं को कबोण॥नारे मांहो मांथे अकरांण॥एम जीरे मेंडा णो छे जुध॥थां म्या त्रास आ काचो वि बुध॥४१॥वागे
ढोल नगारा कुरा कं॥चाले सांम सांमी तरवा सं॥तुरि रणा सांग्या बोले शोंर व॥पडे पापी नां मा थां अ संख्य॥४२
मयो जुध रहि न ई मणा॥पड्यां प्रथवि पे धड घणा॥तेने देखी हर स्यां मां मा शि॥कहे रसा सं आ ज स्तु व क शि॥४३॥मु

॥भक्त० तद्येननेत्र्याव्याभेरव॥पीसावजक्षराक्षसमर्व॥एकणिसाकणिनेज्ञेगणि॥त्र्याविभुखीभेरवीयुंघणि॥ प्र. ३३॥
॥११५॥ ४४॥ कंककागनेवलीकुलग॥पगगधंसीयालनेसग॥पञोमांथाप्रथवीपररडे॥ज्ञांलुंदेसरमीगीमादडे॥४
५॥केकनाहाथपगकपाणा॥केकनासीभागीनेछपाणा॥एमजुधथयुंवडपेरु॥दञ्जासहस्रगयाजमघे
र॥४६॥एटलीतोश्यांनललरिया॥बिज्ञानासीभागीपेणागीया॥तेनोदेशायदेज्ञाप्रवशि॥बिजांदेनुंत्र्यागे
वातकरी॥४७॥कयुंएकहतोनंनोवाल॥तेनेजंणातात्र्यमेदयाल॥तेनेत्र्यथैवधीयोविरोध॥मुवामांहोमो
येकरीक्रोध॥४८॥तारेत्र्यक्रूरबोजीपाराम॥एनेत्र्योलषीयेत्र्येमकेम॥तारेकयुंत्र्यापीपेराथांणा॥तेणोपडेतेम
नेपेरांण॥४९॥त्र्यतीसागीलपस्वीछेतेने॥नथीलोभातोनारिनेधंने॥रेछेसमाधीमांदिनरात॥वलीजंणो
छेमननीवात॥५०॥एथीपडोपरस्परभेद॥तेणोथयोत्र्यापणोउछेद॥माटेमलेतोमेलवोनहि॥एवीवात
त्र्यक्रूरनेकही॥५१॥एवुंसुणिनेबोल्याअक्रूर॥हवेगोलकंरानेजरूर॥जोमलसेतोमारकेछले॥एमवंधा
णुंवेरसंगले॥५२॥एमदेसकरुंपुरीयांणा॥तेनेजांणोछेहरिसजांणा॥कंछेजेमथासेतेमठीक॥नथीत्र्या
त्मानेकंनीबीक॥५३॥एमकरईजायुंतनखेव॥दिगांदेविसंपतीनाजीव॥तेनेपोतेउपदेसत्र्यापी॥कल्यांण
कीभवदुखकापी॥५४॥त्र्याजेहरिचरीत्रत्र्यनुप॥कुसभक्तनेछेसुखरुप॥तेनेकेसेसांभलसेजेह॥महासुख ॥१५॥

पीमुकासेतेह॥५५॥त्र्यालोकमांपणासुखपीरेसे॥परलोकेपरमसुखलेसे॥पापहरणिकथाछेपवित्र॥जेमां
प्रगटप्रभुनाचरित्र॥५६॥भक्तहसेतेसुणासेभावे॥त्र्यभक्तनेतोत्र्यर्थनत्र्यावे॥केसेदेतेमांभलसेकोन॥तेपर
राज्ञीथासेभगवांन॥५७॥इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमदजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचि
तेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रनामेतेतनरिसमुंप्रकर्णम॥३३॥पूर्वछायो॥तारपछीजेजेकर्युं॥तेसांभलो
वातसरेस॥एटलुंकांमकरीहरि॥पछेचालीयादक्षणदेश॥१॥एकाएकत्र्यरणमांई॥रेवाराजाछेमेन
सेरनरछेसुपने॥वालुलागेचसतुंवंन॥२॥भक्तीधर्मादीभेलांरहे॥दिव्यदेहधरिनेसाथे॥तेहविनाजीव
जंतना॥नथीगमताबिज्ञाकांये॥३॥सागवैरागपतेनमां॥तेणेमगनरेछेमंने॥नावेदिज्ञानजरे॥जोनो
यहरिनांजेन॥४॥चोपाई॥एवाहरिवडनिमसेह॥त्र्यणइछापेचालीयानेह॥त्र्याय्यात्र्याएकुरमतिर
घ॥सुपदाईहरिसमरथ॥५॥तेनेसमीपेमांनसासेर॥त्र्याव्यातीयांकरीहरिमेर्य॥तेनोराजाछेत्र्यतीपवी
त्र॥जेणेवांध्याछेत्र्यंननांक्षेत्र॥६॥त्र्यनार्थित्र्यावेजेहजेन॥तेनेभावेकरावेभोजंन॥तेणेदिठाएहब्रह्मचारी
जोईमनमांविचारि॥७॥कहेत्र्यातोमोटाकोयत्र्यतिी॥पछेराख्याछेकरीविनती॥राख्याएकोतेवर
णिराट॥त्र्यतीसागीतपस्वीतेमाट॥८॥एकराकोतेत्र्योरोसुंदर॥रियातियांप्रभुतेउपसु॥पछेराजाराजा

॥भक्त० नासेवक॥करेवाकरिकरिविवेक॥१९॥नीलपुसेकरेएमसेव॥जांणेमहात्मछेमोटादेव॥करेसतमांनजो पु० ३४॥
॥पु६ ईमागी॥विजाभेखनुंपडियुंभागी॥१०॥मारेअसुरमांनारेनार॥कहेआतोछेआपणोमार॥जांणेदैतसमु
द्रमरणो॥तेहुंमुलकारणआजांणो॥२१॥पछेमांनारेनाराअसुर॥कहेमारियेएनेजरुर॥एमपापीस
उपरियांणपा॥मारवापछेपयराआंणपा॥२२॥जांणपाएकाएकवेणाओरे॥आव्यामास्यामारुदरिडोरे॥नि
त्रिमोयेआव्यानिशाचर॥मांड्याफेंकवावडपथर॥२३॥मलीदैसहजारुदजार॥नाख्याअग्नमअतीसेअपा
र॥समीसांजथकीसारिरात॥करयोपोणातणोवरसात॥२४॥साधुस्वभाववालासुवुरु॥निरवैरअतीअवि
रुरु॥वडक्षमावालाहरिधीर॥तेनेनलागुंकांयेतारिर॥२५॥ओदाआसपासपाणापड्या॥गजओराथी
उंचेराचड्या॥दिवाहरिनेमांथीकुत्राले॥लिधांदेमेआपुधतेपले॥२६॥जाणपुंजांगसेराजाजोवात॥तो
पासेआंमांथीउतपात॥सांतोराजानेखबरपडी॥आवोप्रभुपासलेतेघडि॥२७॥आव्यांलोकवीजोव
उमली॥देखीपोणापांमाविस्मेवली॥जोदराजाविचारेछेमंने॥उगारयोवृरणिभगवंने॥१८॥करीपृक्षा
दनीजेमसाये॥नथीतेमांआमांफेरकांये॥एमकरनेनमीयोराज॥आमेछेयेतमारमाराज॥१९॥पछेना
येरिष्यतेनेकिधो॥विजाबैनेउपदेशदिधो॥पछेएमविचारयोप्रभुपाउ॥पापीकरमआवणिनोकाल॥२०॥ ॥५६॥

आतोआपणाछेरेएदेव॥तेनीदेखिसकयानइसेव॥एणेजरुरमाय्यातात्याज॥वोश्तीराणीआपणिलाज॥२१
मारेखराखुनीएअसुर॥एनेजोवाआपणेजरुर॥पछेएनेकेडेफोजचडि॥घेरिलीधाअसुरतेघडि॥२२॥क
युंओउभाशेउडुंडुंडुं॥एमकरईकरईनेकापीमुंडुं॥मुवाअधर्मिनीपांअपार॥वउउतरयोभुमीनोभार॥२३॥एमपो
तानापापघुतापे॥पीपानासतेअसुरआपे॥हरियोतेअपापअदोष॥नथीराखनाकोपरकेरोस॥२४॥राजा
करद्देवजेदयाज॥पछेचालासाथीततकाल॥आव्यावेंकटाडिमेजीवंन॥करयांठाकुरजीनांदरसंन॥२५॥प
छेचालासाथीनीरमोई॥त्रिवकांचिविस्नुकांचिजोई॥त्यांथीश्रीरंगेआव्याछेश्याम॥मोटामोटानांकरवा
कोम॥२६॥कावेरिगंगामांपोतेनाइ॥उततियाफुलवाडिमांई॥वाडिसोभेछेसुंदरसार॥जेमांफलफुलछे
अपार॥२७॥रियापोतेतियांदोयमास॥करवाबउजीवनेसमास॥नीपांचैसबनेवानकरी॥एनाफेसतम
वियाहरि॥२८॥विजांवाटकचेटकवालां॥वउकरतोनाकर्मकालां॥तेनेजीनीपोतेततकाल॥डंकोबेसा
रयोपोतेदयाल॥२९॥चालासाथीयरतनपर॥आव्यासेतुबंधरामेश्वर॥नापासमुद्रमांतोजीवंन॥करयांरा
मेश्वरनांदर्शन॥३०॥क्षेत्रपवित्रछेअतीएह॥तपस्वीनेसेव्याजेवुंतेह॥रियापोतेतीपांदोयमास॥पछेसा
थीचालाअवीनास॥३१॥आव्याकंदरराजमांश्याम॥करयोतिमांकांपककविश्राम॥पछेचालाभुतपुरिभणि

॥भक्त॰ नपुछीरितएवातताणि॥३२॥चालादश्यबांधीनेदयाल॥मुकिनीजञरिसंभाल॥आवुंआगलविकटवं प्र॰ ३४॥
॥१५ न॥अतीघोरघणुंछेमधंन॥३३॥चालतांचालतापड़ेराम॥तीयांपोटिजागेपरभात॥एमवरगीयापेसदं
न॥मलेनईकोयांजलअेन॥३४॥पडीसांकमसुनहिंपाणि॥मुकोकेंरनबोलायवाणि॥पीमाआपेअनी
सेअवेत॥एमकष्टसहेजनहेत॥३५॥पछेधीरेधिरेचालाधिर॥मांतोआवुंछेअरएमोनीर॥तेमांनापा पो
तेघनशाम॥पछेनवरामाजालीग्राम॥३६॥तीयांप्रबोलीपाफजीचार॥त्राकिकलुंमीवेदतेवार॥तेनेजम्पा
पोतेघनशाम॥पोरएकरयाएहगाम॥३७॥पछेचालातीपायीदयाल॥पीयांविजेदीमध्यानकाल॥तीयां
अरणेआयाएकक्कुप॥भरोअमलजलेअनुप॥३८॥तीयांनायापोतेजलकाढि॥पछेवेगछायाजोईटा
ढि॥भरिगलीजलनीकगारि॥त्रोरदक्षनीस्कंदरसारि॥३९॥पछेत्रालीग्रामलइसांई॥तेधस्यापछेकढो
रिमांई॥ऊपरथ्यीकिधीजलधार॥परंगालीकणारितेवार॥४०॥तारेपोतेजोयुंछेविचारि॥कीयांवेगपुं
आरंलुंवारि॥रखेकटोरिकुरलहोय॥जोयुंतारेसाजीदिठिसोय॥४१॥पछेजोयुंएमघनशामे॥पीधुं
जरुरत्रालीग्रामे॥रखेहोयहजीयेपीयासा॥एमकरनेमनविमासा॥४२॥पछेकाढिकाढिनेकवारि
पायुंवोगालीग्रामनेवारि॥जेमजेमभांडुंजलपावा॥तेमतेमभांडुंगलुंपावा॥४३॥एकवेनोनरियो ॥१५॥

विचार॥पीधुंजलकगारिअपार॥सिचीसिचीथ्याकायघनशाम॥तारेश्चनथीयात्रालीग्राम॥४४॥पछेपुजा
छेचंदनेकरी॥वलताएमविचारियाहरि॥प्यासलागीपणहसेभुख॥पीधुंएवातनुंअतीदुख॥४५॥पोताने
तोमलेनथीअेन॥तेनेचितीगयाखटदंन॥तेनुंतोपोतानेनथीकाये॥अतीधीरजपर्वतपाये॥४६॥तेसमे
तांआवांकापड़ि॥पुरुषनारिनेपोठीयेचढि॥कावांवरनेस्कंदरधर्या॥वेउपतीभावमांयेभर्या॥४७॥आ
वोएहवेननेमोजार॥देखीहरिकर्योनमस्कार॥आप्युंआमनआदरेमोर॥वलतांदंपतीवोल्याछेतारे॥
४८॥तमेकोणीआव्याएकाएक॥नथीसंगेतेकेमसेवक॥तमेभुखाहस्योमाराविर॥एमकरभर्यानेरो
निर॥४९॥पछेवीपनेकेमहामती॥आपोसाधुआभुखाछेअती॥तारेआप्योसापुलुएसेने॥धर्यफेविसु
नेमिवेदपाने॥५०॥तारेहरिकेपुंछुंछुंअमे॥आवांकोएदयालछोतमे॥तारेजोगीकहेजमीलीयो॥धीरा
रईपछेजलपीयो॥५१॥तारपछेकुंकरीसवात॥जेमछेतेमकेत्राविख्यात॥पछेजमीजलपानकर्युं॥तारे
रामश्री जोगीवोल्यामोदभर्यु॥५२॥करणोवर्णितपस्विअक्रोध॥जांएपोकल[illegible]तमेअबुध॥माटेनेवोल्युंतुंतुंम
हामती॥मुनेजांणोरत्राआछेसती॥५३॥तमनेभुख्याजांणिनेदयाल॥अमेओआआव्यांततकाल॥श्री
रेगदिजेहवीजोक्षेत्र॥तीयांफरुछुंजाणिपवित्र॥५४॥तमजेवानादर्शनसारु॥नाथरेवुंजांणोआंईमा

॥भक्त० रू॥ एविस्कंणीमहेसनीवात॥ पीपाहरिवित्रस्तीमात॥ ५५॥ सदाशिवकैलासेरेनार॥ तेमस्त्मामुनेसा ॥प्र० २५॥
॥५८॥ क्षातकार॥ लागापायेपरिस्त्रोलखाणा॥ तारेनाथेजाेउग्रानुगपाणा॥ ५६॥ कहेनाथकरोशिवज्ञाये॥
जेथकिहृदवेराग्यथाये॥ कहेशिवजीसांभलोविर॥ थासेदृढवेराग्यकधीर॥ ५७॥ करीप्रसंसापरस
पर॥ मस्तावेरुपछेमोदभर॥ वलताइन्नाश्वेनघ्योनथीया॥ प्रभुभुलपुरियेआवीया॥ ५८॥ इतिश्रीमदे
कांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणीमध्येहरि
चरित्रेनामेपंचविंसमुंप्रकरणम॥ २५॥ पुर्वछायो॥ स्तभमतिसउसांभलो॥ एमकरतांकरतोकाज॥
सोयथकीहरिआवीया॥ भुतपुरिमांरमाराज॥ १॥ रामानुजनीसांमुरती॥ कस्यांपोतेतेनांदर्शन॥ कांय
कदिनस्योरई॥ पुछ्यांसागीप्रसेप्रसंन॥ २॥ उतरतेनोदक्षणादिये॥ नथीयोजारेजरुर॥ तारेतेउग्रा
मारवा॥ परकोधमांचकचुर॥ ३॥ कहेआव्योतुंकासने॥ तेलेछेअमारिलाज॥ एवुंप्रसनअ्टपटुं॥
तारेपुछवानुंस्कंकाज॥ ४॥ चोपाई॥ हरिनिरमानीअतीनेक॥ बोल्यामेनेकरिविवेक॥ क्षमावंतअ
तंतछेत्रणंती॥ क्रोधआव्योनथीजेनीपोती॥ ५॥ अतीधीरगंभीरछेघणा॥ कंकेपेसदगुणतेतणा॥
पछेसारुकरईनेसधाव्या॥ सांथीकुमारिकआयेआव्या॥ ६॥ वलतापद्मनाभमांपधार्या॥ सांनावासी ॥५८॥

नेमोद्वधार्या॥ पछेआव्याजनार्दननाथ॥ चालेरोकीलानजोवेसाथ॥ ७॥ सांथीआव्याछेआदिकेश
वे॥ तेनीवातस्कणोकहुंहवे॥ तेनेसमीपेस्कंदरपुर॥ सादिराहीमदस्त्रअस्कर॥ ८॥ तेतोहरिनाछेवेरवाई
देखी उग्राछेमारवाधाई॥ कहेआपणोमारएकेलो॥ आव्योहाथहवेरखेमेलो॥ ९॥ एमकरनेआव्यामारे
वा॥ तारेलोकेमांडयुंछेवारवा॥ तेनीवातकोनेनथधरि॥ तारेराजानेखबरकरी॥ १०॥ कहेराजाअन्यायम
करो॥ कोयेकप्रभुनाररथीडरो॥ तारेराजाप्रत्येकेअस्कर॥ एनेमारस्युंअमेजरुर॥ ११॥ तेनीकरीमजोर
खवाल॥ तोजोएजेआव्योनारोकाल॥ तारेराजानेचडिछेरिस॥ काप्यांसांमदांसउनांशिस॥ १२॥ मुवादेत
सांदोयहजार॥ राजाहारेउतासोराभार॥ पछेआदिकेशवनांदर्शन॥ करीवाल्यासांथीभगवंन॥ १३॥ आ
व्यामलीयाचलनेमोर॥ दिनपांचरियापोतेसांर॥ करीसाक्षीगोपालनांदर्शन॥ पछेजोयुंछेविविधेवन॥ १४
व्यालेविसागांदिठांचंदन॥ तियारियाछेकोयकदंन॥ सांथीआव्याकिस्कंदानगर॥ नायासांप्रभुजीपंपासर
१५॥ सांथीवासाछेस्कंदरशोम॥ करवाअनेकजीवनांकाम॥ पछेचंद्रभागानदिनाई॥ सांथीआव्यापंढर
पुरमांई॥ १६॥ कर्यांविठुवानांदर्शन॥ रियाछेमासत्यांभगवंन॥ पछेविठुवानेपोतेमली॥ चालवंदनाकरि
नेवली॥ १७॥ सांथीआव्यापोतेगोदावरि॥ करनातिर्थनेपवित्रहरि॥ जोइतीर्थनेतीरथनावासी॥ एमजोना

||भक्त० ||आवेश्रविनासी||१९||पछेआआडंडकारणपहरि||तेनीपोतेप्रदक्षणाकरि||तीयारामसमोराक्षसस्त्राप||स्क प्र· ३५||
||पु०|| नोतोमोटोकरिनेताप||१९||तेनेजगाडिनेपुछीवात||पछेचालाछेवरणीरात||त्यांथीआआनासकमांआ
प||निर्विजनथीयोछेनीव्याप||२०||करीदंवेकेंप्रुरनादेहार||त्यांथीआआत्यांनदिपार||पछेआत्रान्दव पि
दानीकरी||सांथीआआमरघ्रमेहरि||२१||बहुतातउतरयासाभरमांम||बुउजीवनांकरवाकांम||जोश्रीम
नाथभगवांन||चालानाथतीयांथानेदांन||२२||त्यांथीगोपनाथजीमांगीया||पेंचुतीर्थमांकोपेकरिया||रिया
डोटमासगुप्तयागे||अतीरूपतनमांछेत्यागे||२३||पछेचालासोथीश्रवीनाम||रियालोटवामांचरामास||सां
थीआआमांगरोलसेर||बुउजीवुंपरकरीमेर||२४||आमाकठणाकष्टनेमही||केतांकष्टतेकेवायनही||वं
नपर्वतनवसमीवाट||घणाकठणओघटघाट||२५||वोकारेदावंनमांरेनार||मसाणेंस्पहजारुदजोर||भुत
प्रेतभवांनीभेरव||जक्षराक्षसराक्षसीसर्व||२६||डाकणीसाकणीवेंताली||मलीजोगणीयुंकरकाली||वां
मोडांमप्रसुनोंदेकांणा||रियांघणानेंथोडांलखांणा||२७||ज्यांज्यांफरयाकरयांपोतेतप||मेलीजीआनीकोर
नोरवप||जेजेकरयाछेहरियेडपाये||तेतोदेहथागीयेनथाये||२८||तीर्थमांथीअधर्मनेटाली||आव्यापाथंडि
नोमांनगाली||पापीजीवुनेपाछेरापाडि||साधुनेसारिरितदेखाडि||२९||मुमुक्षुनेआनंदआपना||अघउ ||पु०||

पापीधर्मथापना||त्यागवेंराग्यनेतपश्चर्य||नीमेमहीतरखीव्रह्मचर्य||३०||एमफरयातीरथमांआप||सां
नात्यागीजोरपरताप||पञ्चाफांथाहरिजीनेजोग||केछेआतोअतीमोटाकोग||३१||पोतानेतोछेसहजस्व
भाव||धनत्रीयतणोनेअभाव||ज्ञांनीतितीक्षानेअतीत्याग||नीमपेहनअनुराग||३२||कोपीनविनानेपट
लेश||मृगाजीननेजटाछेत्रीश||शीतउशनेरउथाडेतन||गांममांपेनकरेआसन||३३||त्रणपकालेनायजल
नीते||करेहठसनीपुजाप्रीते||पेंचाध्यायपाठनुंछेनेम||करेत्रणपकालेप्राणायम||३४||करेआसनचोरासी
आपे||टाढमांयणाअग्नीनताप||कठमुरतिमांवेराविवर्ति||तेणेमरकुंपांरवनथीभरनी||३५||रक्तपल्ल
नथीतेनेरति||केवलरियाछेतुचाअति||आखात्राणीमांयेउघाडि||सर्वेनीमरिरछेनाडि||३६||कांटाकां
करामांश्रणवाणा||चालेआपेराषेनरमता||नीमचालवुंवणपुछीवाटे||वंनपर्वतओघटघाटे||३७||चा
लेनिरभेघर्रनीसंक||नथीकोयनीमनमांसंक||वाघकालवरूनीसमले||तेतोतेनीमेलेडुरपले||३८||फ
लफुलजेवंनमोझार||मलेतोतेजमेएकवार||नेंतोरहेंवायुवारिपीने||नथीजमताकेनेजाचीने||३९||अ
जाणुंवंनमलेतोजमे||नेतोजलपांनेदंननीगमे||एकादशीजन्मदनजेह||करेतनकृछ्व्रतनतेह||४०||पं
चविषेस्नेनथीसबंध||नथीगमतोनारिनोगंध||धर्मवालाजोरहरिरावा||विज्ञापणारछाराखेवा||४१||सा

॥ भक्त० ॥ ८०

रुजोगिसंगे रियाकरइ ॥ देहमांनी सक्यानहीं रइ ॥ अतीकठणतपकरता ॥ आवादेशप्रदेशफरता ॥ ४२ ॥ प्र· २५ ॥
वर्षसातवेगयोवनवास ॥ तेउपरथीपोताकमास ॥ संवत्अढारछपनांकेंये ॥ श्रावणवदीषष्टमीलेंये ॥ ४३ ॥
तेदीलोजपधाऱ्यामागरज ॥ करवाअनेकजीवनांकाज ॥ सुंदरवावमांणकुणगांमव्हार ॥ तियांवेठापोतेघडीवार ॥
४४ ॥ तेगांममांउद्धवअवतार ॥ स्वामीरामानंदजेउदार ॥ तेनासंतनोदवमेसमोद ॥ जेनेकांमक्रोधनहीमोह ॥
४५ ॥ तेमांमोटेराछेमुक्तानंद ॥ तेनीआगन्यामांरेमुनीवृंद ॥ आपेसदावृतजमेसंत ॥ तीयांआव्यापोतेभगवंत ॥
४६ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरि
चरित्रामृतेवनवासपोताकरिसमुपकरणाम ॥ २४ ॥ पुर्वछायो ॥ हवेकहुंस्वामीरामानंदनुं ॥ आख्यांनकरुंअनुप ॥ जेआ
पेउद्धवजीअवतऱ्या ॥ तेथयारामानंदरूप ॥ १ ॥ जेहपुरिजेहकुलमां ॥ जेहगोत्रजेहमाततात ॥ जीयांउद्ध
वजीअवतऱ्या ॥ कहुंरामानंदविख्यात ॥ २ ॥ जेममुक्तमुनीजगतना ॥ जेमसीषआपीमानताता ॥ जेमआव्या
आदेशमां ॥ कहुंतेनीसर्वेवात ॥ ३ ॥ सउमलीदवेसांभलो ॥ सारिकथाछेअनुप ॥ कहुंचरित्रकोशामएणुं
रामानंदजीनुंरसरूप ॥ ४ ॥ दुर्वासानाश्रापथी ॥ उद्धवेधऱ्योअवतार ॥ पुर्वदेशअजोध्यापुरि ॥ सांदिब्राम्हणसुंद
रसार ॥ ५ ॥ भक्तश्रीभगवानना ॥ वलीसदासतपादिपणुं ॥ विद्यावांनअमांनआपे ॥ इंदीजीतअतीसेघ ॥ ८० ॥

णुं ॥ ६ ॥ पापरहीतपुन्यवंता ॥ स्वधर्ममांसावधांन ॥ उंचेकुलेआचारअती ॥ घणुंघणुंगुणवांन ॥ ७ ॥ कश्य
पगोत्रनेरग्वेदि ॥ आश्वलायनसाखाजेहनी ॥ अजयनामेविप्रपवित्र ॥ सुमतीपतनीतेहनी ॥ ८ ॥ तेनेतेघेरप्रग
ट्या ॥ उद्धवआपेउदार ॥ संवतसतरपंचाणवे ॥ श्रावणवदीआठमसवार ॥ ९ ॥ तेहसमेउद्धवजीये ॥ आपे
धऱ्योअवतार ॥ जन्मसमेजयजयशब्दे ॥ वदेछेनरनेनार ॥ १० ॥ आनंदवाध्योअतीघणो ॥ घेरघेरमंगल
गाय ॥ विध्येविध्येकरेवधामणि ॥ वलीहैयेहरखनमाय ॥ ११ ॥ बलतानेविप्रतेडाविया ॥ तेहआवियानि
जधांम ॥ जन्मअक्षरजोइने ॥ कहेनांमरामनुंश्रीरांम ॥ १२ ॥ शुभवारनेचोघडियुं ॥ सुभघडिपेललगंन ॥ रा
वासममामांआविया ॥ बुद्धलमारोपावंन ॥ १३ ॥ अतीप्रतापीराहछे ॥ उद्धवजेवारअनुप ॥ ज्ञांनगुणनेलक्ष
णे ॥ थासेतेहजेवातदरूप ॥ १४ ॥ एवुंसुणिआनंदपांमी ॥ मातपिताअतीमंन ॥ महामतीजेउद्धवजी ॥
तेजोएणपोतानातेन ॥ १५ ॥ पछेआप्यांदांनअतीघणां ॥ भांगीब्राम्हणनीभुख ॥ अनधनअंबरअव
नी ॥ गजबाजगौगेहसुख ॥ १६ ॥ विप्रमनप्रसंनथीया ॥ गीयापोतपोतानेगेह ॥ मातपीतासुतमुखजो
इ ॥ हैयेनमायसनेह ॥ १७ ॥ मनोहरसुंदरमुरती ॥ अतीरुडांदिसेरांम ॥ जेनुंमुखजोतांमयंकलाजे ॥ ला
जेछबीजोइकोटिकांम ॥ १८ ॥ रानाचरणनीसोभासुंकहुं ॥ अतीसोपेनखनेआंगली ॥ जोएणुंजलमांकम

जकेरि ॥ कुलीरस्रीतिकली ॥ १९ ॥ अंकितलंकीतलालअंघ्रि ॥ पेनीवुनीअतीपातलि ॥ गुलफजंघाजा
नुजीता ॥ उरुअेसोभेवली ॥ २० ॥ उंडिनाभीउदरसुंदर ॥ पडेवलत्रणेतिमां ॥ स्तनदोरुडेजोइ ॥ जनमन
लोभीरियां ॥ २१ ॥ अजवकंठअजांनबाहु ॥ अतीसुंदरकरअंगली ॥ अरुणनखअोपेघणा ॥ जोरणुंव
णिमणिनिअावली ॥ २२ ॥ चिबुकमुखअधरपर ॥ वलीरसनारसरुडेभरि ॥ मंदमंदहासकरता ॥ सो
भेछेसुंदरकरी ॥ २३ ॥ नासीकासरपदिपकेरि ॥ वलीलघुकपोलकोनछे ॥ गोरमुरतीअतीसुंदर ॥ सोभी
ततनएवेवांनछे ॥ २४ ॥ अांखमांअमतनमरुं ॥ वलीभ्रकुटीभरिभावनी ॥ भालसुंदरसोयामणुं ॥ मनो
हरमुर्तिमानुंमावनी ॥ २५ ॥ उरविसालभालभलके ॥ क्रिसेकेशातेश्यामछे ॥ फीणावक्रकरीघणा ॥ वली
भ्रातपडेश्रीरामछे ॥ २६ ॥ एवाकृतलनेनिरखि ॥ मातपितामगनमने ॥ हेतेलाडलडावता ॥ मोदथीपापा
डेदने ॥ २७ ॥ वालचंदनीपेठेपोते ॥ निसवधताजायछे ॥ तेनेदेखीमाततातनां ॥ नयणांतेठारांथायछे ॥
२८ ॥ सोभेसुंदरमुरती ॥ नांमश्रीरामनेरुप ॥ अाववरसेअन्नप्रजनके ॥ अापीजनोअनुप ॥ २९ ॥ पछेव
रणिव्रतने ॥ धरमनेकरीधारियुं ॥ मनस्थामनथीकरवुं ॥ एवुंअांपवलीविचारियुं ॥ ३० ॥ धर्माज्ञाए
वाजेउदव ॥ वलीनेछिकवतवालुंअती ॥ श्रीकृस्नभक्तिरुपकेजने ॥ प्रकाशकरवाउंरुपती ॥ ३१ ॥ नि

वृत्तिवाळासंतनो ॥ समागममगमेघणुं ॥ तातमुखथीकरेसदा ॥ श्रवणनीतभागवततणुं ॥ ३२ ॥ तेलोक
रिश्रीकृस्नकेरि ॥ भक्तीअतीभावेमने ॥ पछेश्रीकृस्नीमूर्तिमा ॥ नीमेसंपुजेमीसदने ॥ ३३ ॥ वलीप्रत्यक्ष
श्रीकृस्नना ॥ रहेछेछेदरसनने ॥ महात्म्यकनथीगमतुं ॥ रेछेसदाउदासीमनने ॥ ३४ ॥ पछेउरवेमनमांइ
रामकरयोनिरधारने ॥ वेदभणावोमोमीशालइ ॥ तजुहवेघरद्वारने ॥ ३५ ॥ तारेतेपुछयुंतातने ॥ मालनेजोदि
पोण ॥ अापोमुनेअागमां ॥ कुंभणुंवेदपुरांणा ॥ ३६ ॥ करवाकाशिकानीजातरा ॥ देखवादेशप्रदेशा ॥ एवी
रछाउरमांइ ॥ मारेवर्तेछेअतीघणी ॥ ३७ ॥ तारेमाताअावीमुरछा ॥ वलीटलीनेकदलीजेम ॥ श्रीरामतमे
सधावता ॥ मारांप्राणरहेशेकेम ॥ ३८ ॥ पुत्रतमेनांमकहा ॥ नमदेखीसुंकरुंदुख ॥ कोणतमनेजमाडसे ॥ जा
रेलागसेवलीभुख ॥ ३९ ॥ वारमांरवाघवर ॥ विवाहांवेवडवालने ॥ पुत्रमारामंदीरवेवा ॥ भजोश्रीगोपालने
४० ॥ श्रीरामकेमांसांभळो ॥ मारेजावुंछेजरुर ॥ राखोनमारांमनरकुं ॥ मारुंचेतरहेछेअातुर ॥ ४१ ॥ सारुंपुत्रस
धावजो ॥ वेलाअावजोमागवरि ॥ सीघ्रदेतांश्रीरामने ॥ नयणेनेचालांनीर ॥ ४२ ॥ रहोपुत्रस्मोरकुं ॥ ए
कवारजमोजीवेन ॥ अामुखमोघुंमलवुं ॥ मारानिर्थवासीतंन ॥ ४३ ॥ कतनमेसधावता ॥ केमजासेमारा
दंन ॥ अोधळानीअांख्यळो ॥ मुजनिरधनीनुंधंन ॥ ४४ ॥ मुजराकनुंरतनछो ॥ जातांतेजीवडोनरहे ॥ अ

॥भक्त० एतोत्तुं दुखआवतां॥ देहधारिनेकेटलुंमहे॥४५॥ अपराधओसाभवना॥ पुत्रआविआजनजा॥ प्र० २७॥
॥८२॥ एमकरअचेतथए॥ उठथईप्रथविपडतां॥४६॥ तारेश्रीरामकेमामांभलो॥ दलगीरमथाओमनमां॥
करोरसोऽजमसकं॥ थाओसचेतनमां॥४७॥ तारेमातानेउत्तरिमोरुछा॥ जागीनेजोयाफरी॥ पछेरुदि
नितसरुं॥ राज्ञीथएरसोइकरी॥४८॥ जमीनेजीवनचालीया॥ कल पद्ममनरकोरने॥ मातताततणोमोह
आपोनहिनीरमोहिने॥४९॥ जेमपुर्वदेशेप्रगटि॥ इंदुआवेवरुणिदेश॥ तेमश्रीरामआपे॥ कर्योपंछ
मेप्रवेश॥५०॥ तरतसांधीचालीया॥ अनेजोयांतीरथधाम॥ सींधुतीरसोयांमगुं॥ एकआव्युंतलाजु
गाम॥५१॥ साधुलक्षणावेश्यास्वरूतेत॥ नांमतेकाजीरांम॥ सत्यगुणिसंतज्ञांणि॥ तीयांकर्योविश्राम॥५२॥
ज्ञातुरुएनासर्वेसोधी॥ लीधुसमकीमार॥ नथीअजांणुंराहची॥ कर्योउपायोउपचार॥५३॥ गोपनाथ
नागोपालजोगी॥ तेनाशिष्यतेआत्मानंद॥ तेमसारेवताचले॥ जेमहामोटाजोगीइंद॥५४॥ इति
श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनीकुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येउ
द्धवनुंजन्मकर्युंएनामेछत्रीसमुंप्रकर्णम्॥३६॥ पुर्वछायो॥ सउमलीवलीसांभलो॥ कहुंतारपछीनीवा
त॥ मोटाजोगीनेमांज्याजेवा॥ मुनिआत्मानंदविख्यात॥१॥ आवेपोरनयउतरे॥ जेनेसमाधीस्कष ॥८२॥

रुप॥ बहुसंगाथेएकता॥ कर्योनिजआत्माअनुप॥२॥ वडकालतनराखवुं॥ वलीतरततजवुंदेह॥ नीज
गुरुप्रतापथी॥ थीयासत्ततेव्रतेह॥३॥ पोतानीक्रियायेकरि॥ जोगसीद्धिनेपांमीयासिद्ध॥ तेनेसमोहेविटता
सामी॥ आत्मानंदमुनेन्द्र॥४॥ चोपाई॥ तेनेपासेआविनिरधाररे॥ कर्योउद्धवेनमस्काररे॥ अतिप्रेमतापी
प्रसीधजेहरे॥ आत्मानंदमुनीछेतेहरे॥५॥ तेनेनमीउद्धवनीरधाररे॥ शियामासएअडीमोज्यारेरे॥ जोईआ
त्मानंदनिमित्तरे॥ वर्णियेविचारियुंचीतरे॥६॥ आनेसमाधीमांहीश्रीकष्णरे॥ देतादर्शतेनिश्चेउसरे॥ ए
मकरीउद्धवविचाररे॥ कर्योकरजोडीनमस्काररे॥७॥ करीप्रार्थनाबोल्याआपरे॥ सुणोस्वामीहरशासं
तापरे॥ जेहसाक्षातकारश्रीकष्णरे॥ तेनोगछुंछुंकरवादर्शरे॥८॥ तेनीसीधिमारुजेसाधनरे॥ कहोकिपा
करिमुनिजनरे॥ तारेबोल्याश्रीआत्मानंदरे॥ जोगसाधतांथायेआनंदरे॥९॥ इसेगमतुंतमारुजेहरे
थासेसर्वेसीद्धजोणोतेहरे॥ एवुंस्वणिउद्धववचनरे॥ हर्षपांमीयाअतीमनरे॥१०॥ वलीजांणिनेमोटाजो
गेन्द्ररे॥ जोगसाध्यामारुथीयाचापरे॥ करीविनतीलागाछेपायरे॥ तारेएमबोल्यागुरुरायरे॥११॥ सुणोव
ततमेवर्णिइंद्ररे॥ नांमतमारुंश्रीरामानंदरे॥ पछेजोगजेअंगेसहीतरे॥ तेमीघ्योकरीवउप्रीतरे॥१२॥ मु
णिवर्णिउद्धवरयालरे॥ थीयासीदपोतेयोडेकालरे॥ नीजगुरुसमव्रतमायेरे॥ पोम्याएकत्वपणुंआत्मा

||भक्त० थेरे ॥२३॥ पछे रामानंद स्वामी जेह रे ॥ दिठुं अखंड ब्रह्म तेज तेह रे ॥ दशे दिशे आपुं एकरस रे ॥ देखी समाधी पृ० ३७
||८३|| मां अहोनीस रे ॥२४॥ पण ते तेजमां पथ श्रीकृष्ण रे ॥ तेनुं पांम्या न दिदार सेन रे ॥ ताहे न पांम्या संतोष पणुं रे ॥ प
या उरुव माकुळ घणुं रे ॥२५॥ पछे गुरु आगे जो दिह्या थे रे ॥ कहे कृपा करि कृपानाथ रे ॥ पांम्यो समाधीनुं सी
ह पणुं रे ॥ देखुं केवळ ब्रह्म तेज घणुं रे ॥२६॥ ते तो निराकार निरधार रे ॥ मारे थभी श्रीकृष्ण साकार रे ॥ ते
ने नथी देखतो कुंनाथ रे ॥ तेणे मां तु छुं मने अनाथ रे ॥२७॥ राधीकानापती जे श्रीकृष्ण रे ॥ तेने अदिठे उठे
गमन रे ॥ कहे गुरु सुणो ब्रह्मचारि रे ॥ कृष्ण ते जोम पनी राकार रे ॥२८॥ जे जे आकार ते ते मायकेरे ॥ नीरा
कार अखंड छे एक रे ॥ एवि सांभळी गुरुनी वांणी रे ॥ पांम्या मुरछा वर्तिस्क जांणी रे ॥२९॥ पड्या ओमी थेयर
निरास रे ॥ घडी बे पछे आवी पोस्तास रे ॥ पछे रुदन करतं अपार रे ॥ कहि श्रीकृष्णने नीराकार रे ॥३०॥ कयो
कृष्णनो आकार खोटो रे ॥ आवो तेणे अवगुण मोटो रे ॥ पछे गुरुने त्यागी ते वार रे ॥ यांथी चाली निसर्या
निरधार रे ॥३१॥ गुरु वेंवा रुपाणा नरिया रे ॥ रामानुजनी गादीये गीया रे ॥ निरख्या श्रीरंगजीने कृष्णासे रे ॥
रिय्या विष्णुकांचीमां रवासे रे ॥३२॥ करे सम्बुण श्रीकृष्ण तणुं रे ॥ वाल्हुं लागुं सांवसवुं घणुं रे ॥ नाय निर्मळ
जळमां नित्ये रे ॥ करे नित्यविधी पोते प्रिते रे ॥३३॥ निरखे श्रीरंगने भाव भरि रे ॥ करे भक्त मामंदिर फरि रे ॥ ॥८३॥

पोरपाछली रे जारे दिन रे ॥ सुणे गीता भाषद रमे मन रे ॥३४॥ वांचे श्रीविष्णु नित्ये वळी रे ॥ याय मगन एणे
पसांभळी रे ॥ पुर्वे नाम्हृत ग्रंथने भीने रे ॥ सुणे राक चीत दरनित्ते रे ॥३५॥ जेमां रामानुजनां चरित्र रे ॥ अती
परम पावन पवित्र रे ॥ सुणे सर्वे ते अच सादरे रे ॥ अथर निपर्यंत नरे रे ॥३६॥ तेमां आवी वात एवी घणि रे
मोक्षप श्रीरामानुज तणि रे ॥ पछे मनमां कर्यो विचार रे ॥ रामानुज तो मोटा अपार रे ॥३७॥ वळी छोटा मो
टा ग्रंथ घणा ना रे ॥ सुणे पाउरुवे आदरे तेना रे ॥ एम सद्ग्रंथने सांभळतां रे ॥ मास बे ऊ सावरणिने वितां रे ॥३८॥
कह्युं मनन सुणि ग्रंथ रे ॥ जो एणा रामानुजने सम्प थे रे ॥ निश्चे भक्त मोटा राने दांन रे ॥ एकांती कर दिश स
मां न रे ॥३९॥ ही अहें हे रे ताहस मे आं उरे ॥ मुने जणाय पछे मनमां रे ॥ एना अनन्य भक्त हसे जेह रे ॥ तेने देखा
ता हसे राते तेह रे ॥४०॥ वळी श्रीकृष्ण जे भगवांन रे ॥ हसे एने वस राने दांन रे ॥ एम निश्चे करि वृणिराय रे ॥
कृष्णना नाहर्ज्ञाननो उछाय रे ॥४१॥ एना जन्म कर्मने सांभळी रे ॥ कर्युं उछव एनुं ध्यान वळी रे ॥ एम कर
ची तां स्वामी तवंन रे ॥ आव्यो चैत्र पंचमीनो दिन रे ॥४२॥ ते दने स्कंद रस वारे रे ॥ पयुंखत अत्र जो कि कतां
रे ॥ तेमां दिठा रामानुजाचार रे ॥ सो भेसर र जसम उदार रे ॥४३॥ दिठा सुणा पात अवगो जे वार रे ॥ मस्यां
धां रााणवा नां गवो रे ॥ पड़ि पे चान ताम गाठे पाय रे ॥ आओं हर्ष ओं सुरु आंख मां य रे ॥४४॥ कृष्ण स

निश्छाछेगनेरे॥ एवुंजांणिमध्यापछेतेनेरे॥ वलतावेउवेगारकरांमरे॥ वीजावर्णिकरीपरणांमरे॥३५॥
वउदनेपोम्पोदरसेनरे॥ पीपोप्पाजकुंतेधनधनरे॥ रूपराजेदिनातमाराग्रंथरे॥ जांणातमनेमेंसमूष
रे॥३६॥ वलीश्रीकृष्णभक्तधर्मरे॥ तमेछोमेंजाण्युंगममेनरे॥ हसेश्रीकृसवयस्तमारेरे॥ एमांनपीसं
सेकांरमारेरे॥३७॥ मारेरूलरूदस्पततंप्यापरे॥ एउुंवतावोसाधनकांपरे॥ कस्युंत्तवनवचीविश्रोजारे
स्वप्रमोयस्वामीनांमिश्रिजारे॥३८॥ पीपाराजीरामानुजाचारे॥ रूणिवर्णिवेगवाधोप्पारे॥ जांणपु
वर्णिछ्यापोतानोषापुरे॥ एमश्रीवैष्णवीदिक्षाज्यापुंरे॥३९॥ एमश्रीरामानुजविचारिरे॥ कृपामंत्रतेवेस्त्र
पकारिरे॥ कष्युंकरज्ञोतमेग्यानोजापरे॥ मलसेरूलपरमपुरुष्यापरे॥४०॥ जपोमंत्रतमेवडभागरे॥ च
लीधर्मज्ञानवेंरागरे॥ तेमहीतश्रीकृस्लनीभक्तीरे॥ करेनिरविघनमहामतीरे॥४१॥ निर्मनेमिति
करूलसेवरं॥ तेनोसर्वेसमफाप्योमेवरे॥ करब्रतउछववनिरितरे॥ तेरूणिवर्णिपेदरचितरे॥४२॥
कस्पापंचसंस्कारमुकवर्णिरे॥ कृपामंत्रनेवेमहामणिरे॥ करोंशिष्यकेजोमंत्रतेनेरे॥ भवपारुउतं
रवाएनेरे॥४३॥ रहसकोतरेजोष्यांरे॥ नैतोविचेरजोभुमीमांरे॥ एमउरुवनेवरदांनरे॥ आपीय
याछेअंतरधांनरे॥४४॥ इतिश्रीसदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमद्सहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनि ॥८४॥

विरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये रामानंदस्वामीनेरामानुजाचार्यमल्यानोंमेसाडत्रीसमुंप्रकर्णम्॥३७॥ पुर्वछा
यो॥ रूनमतीसउसोभलो॥ एममल्यारामानुजाचार॥ जाण्यास्वामीस्वप्रथकी॥ ताश्करवाजागाविचा
र॥१॥ आवेरूसाक्षातमल्या॥ केज्याकेयपुरूपेन॥ एमविचारतांअंतरे॥ दिधुंपेचसंस्कारेतेन॥२॥
उर्ध्वपुंड्रद्वादशादिकं॥ द्विचीकेरमोरूदरदांम॥ मंत्रकयातेदेहेपेरपा॥ तारेमांन्यापुरणकांम॥३॥ अंकिततंत्र
गजोरउमंग॥ अतीसेआवीयोमंन॥ प्रगटचिन्हदेखीपंडना॥ मांन्युमलसेनिश्चेभगवंन॥४॥ चोपाई॥ पछे
रामाचंद्र राजीथइरे॥ करोमंत्रजापमुमरइरे॥ वेगआसनअत्रणवालीरे॥ जोयुंअंतरमांहनीहालीरे॥५॥
तुलाशरिरतुंभांनस्वामीरे॥ वतीअतीसेआनंदपामीरे॥ दिठुंअंतरमोतेजअतिरे॥ तेतेजमांयदिठिमुरति
रे॥६॥ नेतोलक्ष्मीनारायणरूपरे॥ तेनोथीपांछेपोतानेरूपरे॥ अतीसुंदरसोभानाधांमरे॥ निरखीप्रभु
जीपुरणकांमरे॥७॥ नेनेपापुजाप्पालजीलसीरे॥ पांम्याअतीसेआनंदवलीरे॥ पीपामगनमनमांयघणारे॥
मल्याकृस्नरहीनरमणारे॥८॥ जेवुंहतुंमंनेचिंतवंनरे॥ थीयुंतेवानुंतेवुंदरसंनरे॥ आपीरामहरज्ञानदांनरे
पछेथयाछेअंतरधांनरे॥९॥ जाण्यासमाधीथीस्वामीजारेरे॥ अतिआनंदपामीयातारेरे॥ कहेधनधन
आछेधांमरे॥ जेमांपुरीथयरमारिहांमरे॥१०॥ पछेवचनगुरुनामेमारिरे॥ रंउधर्ममांभक्तीवधारिरे॥ तापिन्नी

॥भक्त०॥ वश्गोतीदमाइलेरे॥ क्रोधकरेनहिकोपपलेरे॥१९॥ लोभमोहमाननहीलेशरे॥ करेमुमुक्षनेउपदेशरे॥ ॥पु॰ २०॥
॥८५॥ कहेमंत्रदोपतेनेकानरे॥ वलीकरावेकृष्णनुंध्यानरे॥२२॥ पापतेनेडखकृष्णनलगुंरे॥ तेणेमगनथायएजनथ
ागुंरे॥ पीयाशिष्यभाविवउजंनरे॥ सउमांनीस्वामीनुंवचनरे॥२३॥ जुवोजायगानाजेरेनाररे॥ तेनेमांनेनहि
नरनारुपरे॥ तारेश्रीवेंडलवनेरिसचडिरे॥ आवास्वामीपासलेतेघडिरे॥२४॥ कयुंभाजकालनोतुंभावोरे॥
भोरंभावीनेतुंघणोफावोरे॥ सर्वेलोकनेलीधानेंवालीरे॥ एवांरांकरूंस्थमनेभालीरे॥२५॥ मादेजीवानोखप
होयतारेरे॥ भागीजाजेसमझीसवारेरे॥ एमकरूवितरागीगियारे॥ तारेस्वामीमनेविचारियारे॥२६॥ यापउपा
धीभापणोमादरे॥ तारेंध्यारियामांसुंखादरे॥ कृष्णप्रियेजेवृंदावनरे॥ जारतीयांकरीयेभजनरे॥२७॥ पछे
यांपकीवालाउमंगेरे॥ चालाबिजाशिष्यवुडसंगेरे॥ भावावृंदावनतेवाररे॥ निरखीगोविंदजीकरि
प्याररे॥२८॥ जोश्मुरतीगरूरवर्खांणपरे॥ जांणुंकृष्णप्रतक्षप्रमांणरे॥ पांम्याभाश्चर्यवर्णिमनरे॥ वाध्योभा
नंदथीयामगंनरे॥२९॥ पछेतेस्थलेवालीभासनरे॥ बेठामरलराखीस्वामीमंनरे॥ गुरुदेवेकृपामहानीधी
मंत्ररे॥ जपेमनमांरतेनिरंतररे॥३०॥ एकाग्रमनकरीभापरे॥ कह्योश्रीकृष्णमंत्रनोजापरे॥ मातोतर्तस्फुरयुं
तेजव्वतिरे॥ तेमांदिठारमाराधापतिरे॥३१॥ मनोहरमुरतिजेकृष्णरे॥ तेनोपीयांछेपोतानेइसरे॥ मुखेमा ॥८५॥

रलीनेभुजारोयरे॥ श्यामसुंदरनटवरसोयरे॥३२॥ सोभेमुपरणमुगटशिरोरे॥ गलेवैजंतीमालादिठोरे॥ ए
वाश्रीकृष्णस्वामीयेनिरखींरे॥ निरखिहयामांरघणुंहरखींरे॥३३॥ दिठीमुर्तितेजदिनेशरे॥ पछेबोल्यास्वामी
नोमीशिसरे॥ कहेधनभारुपरसालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३४॥ करेस्तवनथइमनदिनरे॥ उभाभा
गलेथइआधीनरे॥ कहेलीधीभमारिसंभालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३५॥ तमेसंतनीकरोछोमायरे॥ वु
दीवेनांमीमहीछोवायरे॥ तेनेमुकोनरकोपकालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३६॥ तमेसंतहेतेधरोतनरे॥
करोनीजजननीजतनरे॥ एवाकरूणानिधीकृपालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३७॥ तमेसंतनांदुखकापी
करोपसेनदर्शनभापीरे॥ नीजजननाछोप्रतीपालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३८॥ तमेवजजनहेतकाजरे
भाभावुजमांरव्रजराजरे॥ कह्यासुपीयागोपिगोवालरे॥ धनधनदिननाथदयालरे॥३९॥ एमकयुंस्वामीयेस्तवन
रे॥ सुणिप्रभुजीथीयापसंनरे॥ मागोरामानंदमुजपासरे॥ जेमागोतेपुरूकुंभासरे॥४०॥ तारेस्वामीकेडजनमां
रे॥ थायमुनेकुंजेसेभाकरे॥ वलीपुजासामग्रीलीजेरे॥ एविकृपाभमपरकिजेरे॥४१॥ वलीजेमगलेतेमरुं
रे॥ कुंतेतमारेभासरेछउंरे॥ कहेकृष्णउरुचछोनमेरे॥ रंपाम्यापेभ्याभातमेभमेरे॥४२॥ मारेकाहोसेप्रदानवि
रे॥ भाज्ञथकीकरूंउरुविरे॥ एमकरूखंनरध्यानथायारे॥ स्वामीजागीवउहरखियारे॥४३॥ पुरूषोत्तमकृष्णने

॥६६॥ पामिरे॥ थीयापुरणकामतेस्वामीरे॥ पछेजारेजारेकरेध्यानरे॥ तारेदेखेक्रुस्नभगवानरे॥ ३४॥ वलीपुजता
प्रेमेघ्रतीमारे॥ देखेश्रीक्रुस्नेनीसतेमारे॥ पुजाहारआपेजेजेप्रीतेरे॥ लीयेचमत्कृतश्रीकृस्ननीतेरे॥ ३५॥ तेणे
परमसुखत्रणतीपामीरे॥ थीयामगनमनमांस्वामीरे॥ रियामासएककहेंदावनरे॥ थीयाशिष्यसौमुमुक्षुजे
नरे॥ ३६॥ पछेगुरुनेआग्याउमाभारिरे॥ क्रुस्नभक्तीमांमीयेवधारिरे॥ सोथीबडशिष्यलइसंगेरे॥ रियात्रयाग
मांरंगमेंगेरे॥ ३७॥ तीयांपणकिधाशिषवडरे॥ जीमाआपेमनवांछितरे॥ रियाकेटलाकमासतीयांरे॥ भ
क्तीधर्मदेयशिष्यथीयांरे॥ ३८॥ एतोकथामेंकरछेआगेरे॥ तेतोमुणिमडवेअनुरागेरे॥ पछेभक्तगुरुस्वा
मीजेहरे॥ फस्यातीरथसरवेतेहरे॥ ३९॥ सांथीआव्याएंश्वेताचलेरे॥ क्रुस्नेकिराकरीछेजेस्थलेरे॥ वधेएक
रियाएणेठामरे॥ करयांमुमुक्षुजीवनांकामरे॥ ४०॥ सागीप्रहीवृजीनरमायरे॥ तेस्वामीपेआव्याध्याअपारे
थीयाशिष्यतेसरवेआविरे॥ तेनेक्रुस्ननीभक्तीकराविरे॥ ४१॥ संप्रदायनामारगमांरेरे॥ रियोतोजेअधर्मछ
पाईरे॥ कापीजइनेअधर्मतणिरे॥ क्रुस्नभक्तीविस्तारिछेघणिरे॥ ४२॥ एवारामानंदस्वामीजेहरे॥ छेतोरामा
नुजजीनातेहरे॥ पणरामानुजनाआश्रितरे॥ जाणिअवतरनकरिप्रीतरे॥ ४३॥ कहेरामानुजनाआनरेरे॥ राम
मनमांमांनीप्रुसररे॥ एवुंस्वामीतुंचरित्रजेहरे॥ कपुंपवित्रसउनेतेहरे॥ ४४॥ तेस्वामीनासाधुजेपचासरे॥ नि ॥६६॥

स्रतीवाळाजगथीउदासरे॥ रामानंदजीनीआगन्यायेरे॥ रियाहूतागांमलोजमांयेरे॥ ४५॥ तेमांसुधानंदए
कसंतरे॥ आत्मानावाळाछेगुणवंतरे॥ निस्कांमीनीलकंठनेसोरेरे॥ थियामगनअतीमनमांरे॥ ४६॥ देषतां
दृगठेरियांदोयरे॥ कहेआवामेंनदीठाकोयरे॥ पछेनम्यातेनीमूर्तीआंणिरे॥ अतीदीनतापेबोल्यावांणिरे॥
४७॥ धनवर्णिकीयांथीआवीयारे॥ हवेजावानुंधारयुंछेकियांरे॥ मोटांभाग्यथीपांदर्शनरे॥ तमनेनिरखि
कुपीयोपावनरे॥ ४८॥ तमजेवानांदर्शनक्यांथिरे॥ पोतेप्रभुमेकरीयातोनथीरे॥ कोपपुरवजन्मनेपुनेरे॥ थी
योदर्शनतमारांमुनेरे॥ ४९॥ इतिश्रीमदेकोतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविर
चितेभक्तचिंतामणिमध्येरामानंदमुनिनुंआख्यानकपुंएनामेअठारमुंप्रकरणम्॥ १८॥ पुर्वछायो॥ अतीउ
तमआख्याननि॥ कर्युंवरणपुछीमेंवात॥ हवेश्रीहरिनीकथा॥ कउंकरणोसतउसाक्षात॥ १॥ महामनोहर
मुरति॥ सोभेवरणिनेवेश॥ सीयाकृतत्रसोयामणुं॥ शिषेतेसुंदरकेश॥ २॥ नासाग्रवृतीरहे॥ अनेदृष्टिते
अनीमेश॥ एवाएकाएकाअविया॥ चक्रुनेमीक्रुस्नदिनेश॥ ३॥ आविनारणवायमां॥ पछेवेराकांठेनाथ॥ एवे
समेसुखानंदआविया॥ निरखिंथीयासनाथ॥ ४॥ चोपाई॥ निरखिनाथनेपांम्याआश्चर्य॥ अंगेमागअतीतप
श्चर्य॥ सीलसंतोषनेक्षमाअती॥ जाणेधरिवेराग्येमुरती॥ ५॥ आवासाधुमेंनदिठाकोइ॥ जाणेभाग्यरहेरा

॥भक्त० जोड्यांर ॥ पछे पीते संपुछवा जाणा ॥ कोण गुरु क्यांत मारि जाण्या ॥ ६ ॥ कहे हरि सकणो साकवात ॥ नहि गुरु पृ॰ ३८॥

॥८१॥ स्वजन मात तात ॥ जेथी छुटी येसर्वे संताप ॥ तेजगुरु स्वजन मारवाप ॥ ७ ॥ तारे वोल्या सकथानंद संत ॥ महा राज

राजछे मीडंत ॥ पण पुछवानी राक रिन ॥ मारे पुछुं छुं कृ करि प्रित ॥ ८ ॥ तारे कहे नीलकंठ कथी ॥ आमा उतर को

ज्ञालदे ज्ञायी ॥ सर्व तीर्थ फरता जोता धाम ॥ अमे आव्या छैये आं गाम ॥ ९ ॥ अमे कयुं अमारुं मन तंत ॥ तमे

कोणना शिष्य छो संत ॥ पछे वोल्या सकथानंद तैये ॥ अमे रामानंदजीना छैये ॥ १० ॥ अम मांइ मोटा मुक्तानंद

तेनी आज्ञामां रहुं वरणिंद ॥ आव्यो आवाछे नावाकुं काज ॥ सांतीत मेमसामहाराज ॥ ११ ॥ मोटे भाग्य मां

सुं आज मारुं ॥ मुने दर्शन थयुं तमारुं ॥ एमकहीने जागाछे पाये ॥ आवो अमारि जायगामां ये ॥ १२ ॥ इयांवसे

छे संतसकजांण ॥ वर्ते छे पंचव्रत प्रमांण ॥ प्रभुतीयां लगी पधारिजे ॥ दयाकरीने दर्शन दिजे ॥ १३ ॥ मुक्तानंद

जी जेइयां रे छे ॥ तेतमजे वाने मलवा इछेछे ॥ गुरु आगमापे अमे रहुं छु ॥ तमजे वानी सेवा करुं छुं ॥ १४ ॥ मुक्तानं

दजी संत छे रावा ॥ सौने दरशन करवा जेवा ॥ मारे तमे पधारो तेमांर ॥ नहिं तो निश्चे राखा वसे आंर ॥ १५ ॥ तारे

वर्णि वोल्या एमवांण ॥ तमे सांभलो संतसुजांण ॥ सेरपुर नगरने गांम ॥ अमे जाता नथी केने धाम ॥ १६ ॥ फस्या

विसम वंन संगले ॥ रेता निसनवात रुतले ॥ परणावाना दर्शन सारु ॥ चालो मानी सववचनत मारु ॥ १७ ॥ प ॥८१॥

छे तेतसाथे वर्णि राये ॥ आव्या आपे धर्मसालामाये ॥ उठि मंतने कस्यो नमस्कार ॥ नम्या हरि सउने ते वार ॥ १८

पछे वेगा घटेंते मसउ ॥ सो भी सभाते समामावउ ॥ सर्वे वर्णि सांमु जोइ रिया ॥ देखि हरि आश्चर्य पामीया ॥ १९

तपते जनेसांतपरगुं ॥ देखीमन नेणा लोभांयगुं ॥ कहे आवा नदिवा सांभस्या ॥ आज मोसे पणन थी मल्या ॥

२० ॥ वालपणामां आवा छे सकर ॥ मारे मनुष्य नथी छे विवुर ॥ कां तो चेद कां तो छे आप्यर्क ॥ कां तो अग्नी के

स्वामिकार्तक ॥ २१ ॥ कां तो निरंन्नमुक्तआनेदांन ॥ कां तो तपछे सुरनिमांन ॥ कां तो वडिपती छे आ आप ॥ जो

नोरनां आवा आनो प्रताप ॥ २२ ॥ आपणां मननलोभे कोइ ॥ तेतो रिशं छे राम मां जोइ ॥ माटे आपणां मोटा छे

भाग्य ॥ मल्या मुर्ति मांन वैराग्य ॥ २३ ॥ आनी सेवा करो करमांमी ॥ तो रिझसे रामानंद स्वांमी ॥ पछे संत सेवा

मांडिया ॥ मुक्तानंदे भोजन करावीया ॥ २४ ॥ पछे जीतेंडी साधुने जोति ॥ राजीय रवोल्या हरि वांणि ॥ कहे छु

मेरे संतमपास ॥ करस्यं टेसकरुं जेमदास ॥ २५ ॥ पछे संत मांडिया माराज ॥ पुछुं प्रश्न परिक्षाने काज ॥ कंह

नीलकंठ सकणो संत ॥ तमे जांणो छो सर्वे सीइंत ॥ २६ ॥ मारे कहुं छुं प्रश्न महाराज ॥ उतर करवा इछुं छुं आज ॥ जी

वेश्वर माया ब्रह्म जेह ॥ परब्रह्म रूप जांणो तेह ॥ २७ ॥ के जो मुजवां विगत पाडी ॥ जेम छे तेम दे जो देखाडि ॥

एवां सकश्मग्र प्रसांभली ॥ वोला मुक्तानंदजी मांवली ॥ २८ ॥ कहे सकणं पुगुरुमुख ले अमे ॥ कउं ते वरणि सकणो तमे

॥भक्त०॥ स्थूलसूक्ष्मकारणदेह ॥ तेमांआव्योनरवसीयाजेह ॥२९॥ इंद्रियअंतःकरणप्राणआधार ॥ करेक्रियानाना मु॰ ३९
॥४९॥ परकार ॥ वलीजांणोअजन्माछेएह ॥ निसुनिरंशअखंडतेह ॥३०॥ छेप्रकाशकतेनछेदाये ॥ नबुडेनस
डेनसुकाये ॥ एवुंजांणजोजीवनुंरुप ॥ हवेकहुंईश्वरनुंस्वरुप ॥३१॥ वेराटरुपआत्माजांणो ॥ अभि
रुतमांव्याप्यप्रमांणो ॥ उतपतीस्थितिप्रलेजेह ॥ करेसर्वेजगतनोतेह ॥३२॥ एहकयुंईश्वरनुंरुप ॥ हवे
कहुंमायानुंस्वरुप ॥ जडकर्मोरुकयेजीवजेह ॥ तेनाउभवनुंक्षेत्रतेह ॥३३॥ अनादितममयनेकेंये ॥ जडचि
दआत्मकलेंये ॥ कार्यकारणरुपएजांणो ॥ भगवाननीशक्तीप्रमांणो ॥३४॥ त्रणगुणआत्मककेंये ॥ अ
जन्माअज्ञानरुपलेंये ॥ एवुंमायानुंरुपसरेछे ॥ हरिआश्रितरानेतरेछे ॥३५॥ हवेसुणोब्रह्मनीरुपण ॥
ग सत्यज्ञानअनंतपुरण ॥ अखंडनेअक्षरएवुंनांमे ॥ पुरुषोतमनेरेवानुंधांम ॥३६॥ मुर्तिमांनअमुर्तकेंवा
ये ॥ अरुनीतविकाररविनाये ॥ मायाईश्वरजीवतत्वजेह ॥ तेनुंप्रकासीकजांणोतेह ॥३७॥ सर्वाधारएवुंएह
ब्रह्म ॥ जांणोवरणीराटएहमर्म ॥ हवेपरब्रह्मनेकेंयेछेये ॥ तेनोकेतामांपारनलेंये ॥३८॥ नारायणवासु
देवकेवाय ॥ स्वतंत्रप्रकाशकलेवाय ॥ आनंदमयदिव्यमुरत ॥ विलुक्कलनेकेंयेअच्युत ॥३९॥ वलीकेंये
अव्ययभगवांन ॥ अक्षरमायाकार्यजेनेदांन ॥ तेमांशक्तीयेअन्वयथीया ॥ वलीमुरतीमांनजुदाजिया ॥४०॥ ॥४९॥

कालमायानानीयंताजेह ॥ सर्वेकारणनाकारणतेह ॥ एहपरमात्मापरिब्रह्म ॥ मुमुक्षजीवनेलेवोएमर्म
॥४१॥ एहछेसर्वेनेउपास्याजेवा ॥ कृणेवरणीपरिब्रह्मएवा ॥ कह्योउतरमेंस्रणप्रमांणे ॥ जयारथ्यतोसदगुरु
जांणे ॥४२॥ तेतोदेखुंहलामलवली ॥ देखाडेछेमुमुक्षनेमली ॥ एमकह्याउतरमुक्तानंद ॥ सुणिचाणिंपा
म्याछेआनंद ॥४३॥ साधुस्वभावनेसरलचीत ॥ जांणीहरिवोल्याकरिप्रीत ॥ हेमुनीकह्योउतरतमे ॥ थीयो
जयारथ्यजांण्योअमे ॥४४॥ एप्रश्नमेंपुछ्योछेवडने ॥ केतांकवणथीयाछेसडने ॥ तेनीतमनेलागीनहि
वार ॥ मारेतमेमोटानिरधार ॥४५॥ करीमुनीतमारांदर्शन ॥ मारामनमांथीयोमगंन ॥ तारेमुक्तानंद
केमाराज ॥ मेंदिठाछेवुउतपीराज ॥४६॥ पणतमजेवाएकतमे ॥ केंकेयेमुखथीयएंअमे ॥ प्रश्नकरीस
मकवोउतर ॥ एवायणनोयेकाफानर ॥४७॥ एमकेंतांसांभलतागाय ॥ साधुहेतरिपासंतसाय ॥ नीसप्रश्र
नाउतरथाय ॥ सुणिसाधुनेहरखनमाय ॥४८॥ संस्कृतप्राकृतप्रसनजे ॥ करेउतरनथायविजे ॥ पछेउपा
सीयाणजेहता ॥ मनुष्यबुद्धिजेमांनकरता ॥४९॥ छुंअकलआतोभगवंन ॥ एमजांणिसवेसंतजंन ॥ पापक
लकयातीयांनित ॥ करणनायमोतेदरचीत ॥५०॥ राखांनीमतेमांनअचुके ॥ करेतपतेपणनमुके ॥ देखीए
सीश्रीहरिनीसंत ॥ मांनेआतोमोटाछेअतंत ॥५१॥ तारेसाधुकहेभगवांन ॥ स्थीरहष्टिकरीकेनुंध्यांन ॥ ता

 रेवोलीपावरणिराज ॥ स्कर्णोमुक्तानंदजीमाराज ॥५२॥ राधाआदिजेसर्वनास्वामि ॥ तेउसमाराअंतरजामि ॥
ब्रह्माविष्णुशिवनाजेदेव ॥ तेनीकरुंछुंकुंनीससेव ॥५३॥ वाराहआदिजेअवतार ॥ तेसहसर्वनाजेधरनार ॥ ए
वाकृस्नपरब्रह्मजांणो ॥ माटेतेनुंध्यानपरमांणो ॥५४॥ वलीकरुंछुंसेवापुजेन ॥ नितसमरणनेकिर्तन ॥ तेवि
नानथीजीवुंनेशांति ॥ माटेएणवीजेनथीमति ॥५५॥ एमबोलीयाछेवउनांमी ॥ छेतोपोतेजश्रीकृस्नस्वांमी
पणबोलवानीएहरित ॥ तेमवोलेछेकरुणानीकेत ॥५६॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीमहजानंदस्वा
मीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येषष्ठोतरशतमेप्रकरणचालीसमुंप्रकरणम ॥ ३ए ॥ पुर्व
छायो ॥ स्कनमतीसउसांभलो ॥ एमबोल्याआवेभगवंत ॥ तेस्कणिमुक्तानंदजीये ॥ कयुंपोतानुंवरतंत ॥१॥
अमेपणश्रीकृस्नने ॥ भजुंछुंभगवांन ॥ गुरुनीकृपायेकरीवली ॥ देखुंछुंमुरतीमांन ॥२॥ तेगुरुरामानंद
जी ॥ उध्धवनोअवतार ॥ मुमुक्षनेआसरवा ॥ जोगपनिसुं निरधार ॥३॥ तेनीकृपायेजंनते ॥ देखेगोलोका
दिधांम ॥ मोरलीधरश्रीकृस्नजे ॥ तेदेखेसमाधीयेत्यांम ॥४॥ चोपाई ॥ एतोकरमेंवीजानिवात ॥ तमेतोदे
खछोसाक्षात ॥ तेतोरामनेवसछेराह ॥ नथीएवातमांसंदेह ॥४॥ वलीरामानंदनेश्रीकस्न ॥ तेनोपथक्रम
जोणजोइस ॥ एतोजीवुंनाकल्याणकाज ॥ पोतेस्वेकृस्नरियाछेआज ॥६॥ गुरुउध्धवविनानथीअन्य ॥ तेछे

भागवतमांवचंन ॥ इछाआलोकतजवाकाजे ॥ तारेविचार्युंकृस्नमाराजे ॥७॥ मारुंज्ञांनकुंकेनेआपीस
ज्ञानाचार्यतेकेनेथापीस ॥ जोतोदिठाउध्धवजीएक ॥ आपुंछेज्ञानकरिविवेक ॥८॥ उध्धवमारआतमा
गणुं ॥ नथीमुजथीअणुंनरणअणुं ॥ एमकरउध्धवनेज्ञांन ॥ आपीथीपाछेअंतरध्यांन ॥९॥ तेउध्धवतेजरामाने
द ॥ तेनाआमेछेंयेवणिंइंद ॥ करियेछैंयेश्रीकृस्नभजंन ॥ एवांस्कणपाचरिीयेवचंन ॥१०॥ पछेसांभरिआ
विएवात ॥ जेकरहतीपोतानेतात ॥ जांएयाउध्धवतेरामानंद ॥ क्यारेमलेनेपांमुआनंद ॥११॥ मलेतोसेवा
येकरुप्रत्य ॥ तोमलेप्रतक्षमुनेकृस्न ॥ कहेमुक्तानंदप्रसेहरि ॥ मुनेजांणजोतमारीकरी ॥१२॥ जेजेहोय
हेतनांवचन ॥ केजोमुनेपरपरसंन ॥ मेनेतेमकरजोउपाय ॥ जेणेसहस्वामीनेमलाय ॥१३॥ एमकेकयुंनी
जवतंन ॥ तेनेसांभलीवोल्याप्रासंन ॥ जांणुंछुंवाल्हगामांजनम ॥ करांछेअनीतपछिसम ॥१४॥ पछेमेंवे
कयुंधनधन ॥ तमनेथासेस्वामीनांदरशन ॥ हमणांस्वामीछेभुजनगर ॥ संदरमुरतीजेमनोहर ॥१५॥ तेआ
वसेजारेदेशआंणे ॥ पाछेदरशनसोनेतेदांणे ॥ हमणांनकरोजावानोघाट ॥ मांनोवचनजुवोनमेवाट ॥१६॥
एवांसुणिसाधुनांवचंन ॥ रियाथिपोधीरकरीमंन ॥ करेसाधुनीसेवाअपार ॥ नीमप्रमेकरीवउपार ॥१७॥
जोरसेवाव्रतीतेअनंत ॥ करेहेतसउमलीसंत ॥ पोतानेतोभक्तीअमीरजे ॥ आपतकालेधर्मननजे ॥१८॥ सीत

॥भक्त०॥ उत्सव रसातनो दुःख ॥ सहे ज्ञारिरे प्यासने भुष ॥ तेने जोइने मरवे जंन ॥ पांमे विस्मे ते पोताने मंन ॥ १९ ॥ एम पु.४०॥
॥८०॥ करतां चैत्र मास गीयो ॥ सेधें सो स्वामीनो न आवीयो ॥ तारे पीपा अती से उदास ॥ नथी पुंछस मेले निस्वास
२० ॥ सर्वे संतने के त्रिासनांमी ॥ क्यारे मलसे रामानंद स्वामी ॥ विनो वाघ दीना आहपाल ॥ मारां भाग्य के कठण
आ काल ॥ २१ ॥ एम कुरुमरे नयणे नीर ॥ दर्शन विनादले दलगीर ॥ एम करतां वितेदंन रात ॥ करे वैराग्य प्रसा
गनी वात ॥ २२ ॥ सर्वे संत करे छे विचार ॥ के मरसे आ ज्ञा प्रमा ज्ञार ॥ आवा वैराग्य वांनने कोइ आवेलाज
एनी दशा जोर ॥ २३ ॥ जायस्यां न करवाने ज्ञारे ॥ पाछे मंदिर न आवा पनारे ॥ वारे कांटा कांकरा ने रेस ॥ न
देखाय दृष्टी अनीमेष ॥ २४ ॥ नरहे नीजदेह संभाल ॥ नीयबोले दया पेदयाल ॥ कहे मन जीवे अखरराने ॥ दे
खुं छुं कुमाया ब्रस्त तेने ॥ २५ ॥ नथी कोय मुज पीअ कल ॥ जाणे जेम दस्थेली नुं जल ॥ आंमां जाय छे मनत
मारुं ॥ तेपगनथी आ ज्ञांरणुं अमारुं ॥ २६ ॥ राविवानकरे हरि ज्ञारे ॥ सर्वे संत समस कहेता ते ॥ रहे पोताने स
हज स्वभाव ॥ अती नारीनणांते अभाव ॥ २७ ॥ आवे नारि तणि गंध ज्ञारे ॥ रहे नर पेटे अन तारे ॥ अतिडल
नी पतनसाग ॥ वली अंगे अतेलवैराग ॥ २८ ॥ वली वली करे एमवात ॥ इस स्वामीनुं केमनथी पातुं ॥ ज्ञारे
मलसे स्वामी रामानंद ॥ तारे मनमो मानीस आनंद ॥ २९ ॥ के मुक्तानंदने भगवांन ॥ तमे करोने स्वामीनुं ध्यांन ॥ ॥८०॥

तमारि वृतीमां मेलीवृति ॥ जोउ स्वामीश्रीजीनि मुरति ॥ ३० ॥ पछे सेने धरके ज्ञारे ध्यांन ॥ तेने भेले जोयुं भग
वांन ॥ तारे दिठा रामानंद स्वामी ॥ पीपा राज्जी रई नहि लांमि ॥ ३१ ॥ दिठा के ज्ञ अरुण वर्ण पाये ॥ रुडि रेख धरि रे
याछे ते मांये ॥ ज्ञमणा अंगुठा नेपग रेख ॥ तेनो सोभे छे वलीविसेख ॥ ३२ ॥ कर अमर खिसो भाउरु तणि ॥ वृ
दीना भीगे भीर छे घणि ॥ मुरती पुरुछे महाराजकेरि ॥ वली अत्र तथोतीदिठि पेरि ॥ ३३ ॥ गोरवांने छे मुरती
सारि ॥ मोटि फांदे सोभे स्रुख कारि ॥ परे वलवलयत्यांविज्ञाल ॥ उर अोपे छे तरुल माल ॥ ३४ ॥ तीयां सो
भे स्कंद रगेम राजी ॥ कंवकमल मालारे विराजी ॥ भुज गज स्कंद सम सोभे ॥ अोपे अरुण पंकज पोचा
उभे ॥ ३५ ॥ जेम केजनी सोभे छे कली युं ॥ तेम सोभे छे हाय अांगली युं ॥ पडे ज्ञारे उपर पातली ॥ एवि दिठी
मेंदे अांगली ॥ ३६ ॥ नखु आवली सोभे छे घणि ॥ जाणे हार वृणि मणि तणि ॥ कंव के बुसमान छे एवुं ॥
मुख सोभे पुरण त्रासी जेवुं ॥ ३७ ॥ तीयां दिठा अधर प्रवाल ॥ दंतदाडम कुलीरसाल ॥ मुइ कठते सोभा
मुखनी ॥ सोभे नासीका चंचल अकनि ॥ ३८ ॥ नयण कमल दल विसाल ॥ भरया करुणा रसे रसाल ॥ अती
भ्रकुटी भाल विराजे ॥ तियां उर्ध्व पुंड तिलक राजे ॥ ३९ ॥ रिया छोटा मोटा श्रवण सोभी ॥ दिठी चिसपर सीषा
उभी ॥ माथे अोढि छे धोली पछेडि ॥ करुणा रस रिया छे रेडि ॥ ४० ॥ रूपाये जोइ रयाछे सांमु ॥ पुरे नीज जनम

नहामुं ॥ हसतां खाणापडे छे वेगाले ॥ वळी चाले छे फंदर चाले ॥ ४१ ॥ चरणे चालतां चमके चाखडि ॥ हाथे
छे नीला रंगनी छडि ॥ एवि मुरति दिठी मनोहर ॥ सोभा सागर रूपदफंदर ॥ ४२ ॥ तारे संत कहे सत्य वात
एतो स्वामी श्रीजी साक्षात ॥ तमे आपो छो जे जेणे ध्यांण ॥ ते मज छे प्रत्यक्ष प्रमांण ॥ ४३ ॥ जेवुं छे रामानंदजीनुं
रूप ॥ तेवुं तमे जकपुं स्वरूप ॥ तमे दिठी छे जे विमुरति ॥ ते मो फेर नथी एक रती ॥ ४४ ॥ ज्यारे ए मुरती छे
जेवि ॥ तमे पण दिठी प्रभु तेवि ॥ तारे बोल्या हरि राम वळी ॥ तमे सुणो संत सउ मळी ॥ ४५ ॥ स्वामी रामानंदजी
तो पेरे ॥ तेने देखुं छुं ध्यानने अखंड ॥ पण आ मउमे प्रत्यक्ष प्रमांण ॥ तारे टळ मे अंतरतांण ॥ ४६ ॥ एम कहिने पायद
लगीए ॥ वळी भरे नयणमां निर ॥ एवां चरित्र करे अविनाशी ॥ जोइ संत रहे छे विमासी ॥ ४७ ॥ कहे आ छे को
ण समरथ ॥ एतो आआ छे आपणे अर्थ ॥ एने करवुं री छुं नथी लेश ॥ आपे छे आपणने उपदेश ॥ ४८ ॥ आप
णे करी ये छें ये ध्यांन ॥ तारे रे छे तन मन भांन ॥ वळी जो जो मन दिये डोहुं ॥ जग्य हे पदार्थ खोटुं ॥ ४९ ॥ ते एजां
ण्ये छे मननी घात ॥ नथी एथी अजांणि कोय वात ॥ तमे ज्ञ्वो ने मउ विचारि ॥ आवा कोय दिठा तनधारि ॥
५० ॥ ब्रह्म सृष्टि मांन जडे गोते ॥ आतो पुरण ब्रह्म छे पोते ॥ एम जी संत रहे प्रसंन ॥ हरे फरे करे दरसंन ॥ ५१
एम करतां वित्या नव मास ॥ तारे अति से थीया उदास ॥ अहो आपणे आ के जो थयुं ॥ कहो केम न फाटतुं आह ॥८२॥

युं ॥ ५२ ॥ जळ काढवे ज्यु जवि जाति ॥ प्रीतम वियोगे फाटे छे छाति ॥ जळ मीन नि प्रीत प्रमांण ॥ पियु वियोगे प्रहरे
प्रांण ॥ ५३ ॥ कुंजी कहत विते षटमास ॥ तजे तेनथड नेनी रास ॥ आतो विती गया नव मास ॥ एम कहिने थीया उदा
स ॥ ५४ ॥ कहे मुक्तानंद ने माराज ॥ आपो आप्या जाउं डल काज ॥ तमे कह्यो तो वायदो जेह ॥ विचारोने विति
गयो तेह ॥ ५५ ॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तक श्री सहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविरचिते भक्तचिंता
मणिमध्ये श्री स्वामी नी मुर्तिनुं ध्यान करि ने कपुरणनां मेवा ळी समु प्रकरणम् ॥ ५० ॥ पुर्वछाया ॥ जोगि उदासी अंतरे
एम बोल्या वरणि राट ॥ ते सुणि मुक्तानंदजी ॥ अती करे छे उचाट ॥ १ ॥ आवा लागी लगनि ॥ निरमोही ने
वैरागवांन ॥ नीसपेह पणु जो अंजाणो ॥ रवे जाता रहेने दांन ॥ २ ॥ कोय ये कड पाये के के ॥ जेणो रहेवु रणिइंद
प छे मीठी वाणिये ॥ बोल्या ते मुक्तानंद ॥ ३ ॥ वेंत्रा कह्य दिनो वायदो ॥ एनइ परे खोटो नाथ ॥ तीयां लगी तमे
रहो ॥ कडुं कर गरि जोडि हाथ ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ तमने कें ये छे ये अमे एह ॥ ते तो जोइने तमारो देह ॥ तपे करि त
नं छे दुर्बळुं ॥ नें पो चायमे रछे वेगळुं ॥ ५ ॥ खारा समुद्रनां छे जे तारि ॥ ते तो भुत जनानां आवे आदि ॥ नथी सिद्धि
जा भाप गवाट ॥ अमे कें ये छें ये तेह माट ॥ ६ ॥ हम णांर हो जा ळ विपल ॥ फुंमे लुछुं लखि ने कागळ ॥ तेनो वळ
तो उत्तर आवे ॥ करवुं सों ने जेम स्वामी कावे ॥ ७ ॥ तेनी आगन्या वि मान जावुं ॥ अमने तो जण ए यछे आवुं ॥ ना

रेहरिबोल्यातेहपल॥ सारुलखोस्वामीनेकागल॥ ९ ॥ पछेमुक्तानंदजीमाराज॥ वेवाकागललखवाकाज
सुखीथीभुजनगरमांर॥ स्वामीरामानेदक्रुषदार्य॥ ९ ॥ दिनबंधुपतीतपावंन॥ भक्तजंननेमनभावंन॥ पु
मपवित्रथोदषताप॥ त्राणीयतनासमावीताप॥ १० ॥ क्रुपानीधीकरुणानाधांम॥ पतीतपावंनपुरणकां
म॥ दयासिंधुदलनादयाल॥ नीजजनतणाप्रतीपाल॥ ११ ॥ अनाथुनानाथअधमउधार॥ तमनेकरुंछुं
नमस्कार॥ कल्यांणकारिअनेकगुण॥ तेणेकरीतमेछोपुरण॥ १२ ॥ सीइसिध्धिपुंसर्वेकेवाये॥ तेतोसेवुं
छेतमारापाये॥ अरुभक्तजेलाखुकरोड्‌ि॥ तेतमनेनमेकरजोड्‌ि॥ १३ ॥ आपरछापंमनुप्याकृती॥ तमेधरि
प्रभुअमवती॥ एवातमेजंनरक्षकारि॥ प्रभुवांचुजोविनतीमारि॥ १४ ॥ अत्रजोकथीलख्योकागल॥ तमक्रि
पायेक्रुषीसकल॥ तमाराक्षषनासमाचार॥ लषजोमाराप्रांणआधार॥ १५ ॥ विजुंलखवाकारणएह॥ स्वा
मीसांभलजोतमतेह॥ कोइआलदेशथीआव्याछेमुनी॥ कहुंवातहवेकेतेकुनी॥ १६ ॥ देहमांहजेदलीछेनाड्‌ि
देखायछेतेसर्वेउघाड्‌ि॥ त्यागवैराग्यतनेछेअती॥ जोगकुआपेतपनीमुरती॥ १७ ॥ नीलकंठनांमेनंदांनछे
शिवजेवावैराग्यवांनछे॥ मेघजेवासोनाक्रखधांम॥ देखीदर्पहारेकोटीकांम॥ १८ ॥ वर्णिवेत्राइथीअनी
मेत्र॥ ब्रह्मस्थीतिमांरेछेहमेत्र॥ उदारमतीअचपलता॥ पासलेकांईनथीराषता॥ १९ ॥ किशोरअवस्था ॥ ८२॥

नेउतरि॥ आमापवित्रतीरथमांफरि॥ संदरमुखनेमाथाउपर॥ केशनानाभुराछेसुंदर॥ २० ॥ बोलेछेसरुप
रुवांणिमुख॥ नारिगंधथीपांमेछेदुख॥ मोनमछरनथीधारता॥ प्रभुविनानथीसंभारता॥ २१ ॥ जीर्णवलक
लनेमृगछाला॥ हाथमांपेहछेतुलसीमाला॥ सर्लक्रीयामांसदारेवेछे॥ मुनीनाधर्मनेसीषवेछे॥ २२ ॥ राखे
छेगुरुभावअममां॥ रतीलागीरहछेतममां॥ रसरहीतजमेछेअंन॥ नेहपणविजेनीजेदंन॥ २३ ॥ क्यारेफल
फुलनेदांन॥ क्यारेकरेवारिवायुंपांन॥ क्यारेअजाचुंअंनआव्युंलीये॥ क्यारेमलुंपणमेलीदिये॥ २४ ॥ क्यारे
मरचांमिटीआवल॥ जमेगजणकलुंकेवल॥ खारुखाटुंतीखुंतमतमुं॥ रसनिरसबरोबरसमुं॥ २५ ॥ टेक
टोणानीटेवजनथी॥ अतीनीस्नेहछेदेहथी॥ जेजेक्रियाकरेछेएह॥ तनभारियेनथायनेह॥ २६ ॥ ग्री
षमपावषनेसर्दऋतु॥ हेमंतसीतवसीवसंतु॥ छोयेऋतुमांवसवुंवने॥ वाल्हुजाणेछेपोतानेमने॥ २७ ॥
मेहिमोलअवासमांरेवुं॥ तेजाणेछेकालाग्नजेवुं॥ उनालेनीतापेछेअगनी॥ चोमासेसहेछेधारमेघनि
२८ ॥ सीयालेवेसेछेजलमांय॥ तेणेतनगयुंछेसुकाय॥ कीधांबालपणानीरमत॥ कियांपांमवोसीधुमो
मत॥ २९ ॥ बालपणेसीइदत्रणजोय॥ अमेसंसेकहुंसउकोय॥ एनातपनातेजनेमोय॥ अमाकहुंतपणीपुंदकाय
३० ॥ जेमदिनकरआगलदिवो॥ एपासेलागअमारोराखो॥ एनीवाततोअप्रमांणछे॥ सर्वेजोगकलानेजांणेछे

॥भक्त०॥ ३१॥ तोयशिष्यथइनेरियाछे॥ जेनीअतीअपारक्रियाछे॥ केणेपाम्यानथीनिरधार॥ जाणुंपाम्याछेशास्त्र प्र० ४१॥
॥८३ नोपार॥ ३२॥ पुछेछेप्रश्नअलपकोइ॥ तेमांपंडितरेछेमुझाइ॥ सभामांसंवादप्रतिवादे॥ बोलेछेपोतेशास्त्रप्र
माणे॥ ३३॥ तारेपंडितनातर्कसर्व॥ थायखंडननेरहेगर्व॥ पुछेप्रश्नकोयपोतापास॥ तारेबोरितेकरेसमा
स॥ ३४॥ तारेसंसेकरेएममन॥ आकेआपोतेभगवंन॥ बेसेकांघणांनेजोजोइमनजाय॥ तेनेदेखेछेसाक्षी
नेमाय॥ ३५॥ दुरिजेनवचननोबाण॥ सेवापोतेलेवजनप्रमाण॥ एवाक्षमावंतमहामती॥ परदुःखेपीडाय
छेअती॥ ३६॥ कोमलताकहेनथीजाती॥ उपमापणनथीदेवाती॥ सरीखफुलमांखणनेकेंज॥ जाणुं
पाम्याकोमलतारंज॥ ३७॥ सर्वेसाधुताजेजेकेवाय॥ तेतोरहीछेजाणुंएहमांय॥ नमविनाएवागुणविजे
नथीसोभसासाचुंकहीजे॥ ३८॥ एनांचरित्रजोइनेअमे॥ जाणुंइहलांजोवाआव्यातमे॥ वळीतमारादं
र्शनकाज॥ अतीआतुररहेछेमाराज॥ ३९॥ तेनेशेकिनेराख्याछेआंइ॥ कोतोआवेतमपासेसांइ॥ यां
नीवातमैंलखीजणावि॥ राजीहोतेमसुकजोकावि॥ ४०॥ लख्युंछेमारिबुद्धिप्रमाण॥ सर्वेजाणोछोजो
रुजाण॥ ओछुंअदकुंलखाएंजेहोय॥ करजोक्षमाअपराधमोय॥ ४१॥ दयाकरीनेवांचजोपत्र॥ घ
टेतेमलखावजोउतर॥ तेनीजोइरियाछेयेवाट॥ आमेउतरदलसेउचाट॥ ४२॥ वारेवारेविनतीमाराज॥ ॥८३॥

कहुंछुंकुंआवरणिकाज॥ हुंसेतमनेगमतुंतेथाजो॥ दिनशयांतुंशरणजामे॥ ४३॥ योडेलख्येवींमोन
जोनाथ॥ राखजोदयाप्रभुमुजमाथ॥ एवोपत्रलख्योमुक्तानंदे॥ वांचोसोभलोसौमैमुनीवृंदे॥ ४४॥ कहेप्रभु
निधनछोमहाराज॥ अतीरुडोपत्रलख्योआज॥ वांचीआवसेवेलादयाल॥ लेसेप्रभुआपणिसंभाल॥ ४५
पछेबोलाएममुक्तानंद॥ सुणोनीलकंठमुनींद्र॥ लख्योस्वामीप्रलेपत्रअमे॥ कांपेकलखोनेकुरुछुंतमे॥
४६॥ सुणीमुक्तानंदनांवचन॥ विचारुंछेवरणिपेमन॥ कुंकेलखीजणावुंस्वामीने॥ कपुंनघटेअंतरजामीने
४७॥ जोजोमननीवारतानेने॥ सर्वेजोकहुंछुंमलजेने॥ एथीअजाण्युंनथीलगार॥ जोएसर्वअंतरमांरवारु
४८॥ एमआगेकरविचक्षुराइ॥ तेविचारिलेवुंमनमोर॥ अमारेतोनथीएवाधार॥ लखुंतमनेकहोछोतेमार॥ ४९
एमकरनेवेराग्यकांत॥ लखवाकागलकरीछेखांत॥ कानुकागललिधोछेकर॥ मांडीपाटिगोठणउपर॥ ५०
जमणाकरमांकलमलीधि॥ लखवापत्रीकानीइच्छाकिधी॥ प्रथमकरिमनविचार॥ मांडीओलखवासुभसमा
चार॥ ५१॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमत्सहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणि
मध्येमुक्तानंदेपत्रलख्योएनामेएकतालीसमुंप्रकरणम्॥ ४१॥ पूर्वछाया॥ स्वस्तिश्रीभुजनगरमो॥ रियाराज
अधीराज॥ सर्वेरुअसोभालांरहे॥ मांआपबिराजोमहाराज॥ १॥ सर्वेसदगुणमणितणि॥ धरिया

॥भक्त०॥ तमेमात ॥ भक्तजेननामंरतमां ॥ वीसोमोछोदयाल ॥ २ ॥ जेजेनआवेआसरे ॥ तेनेआपोछोअभयदांन ॥ कृष्ण प्र·४२॥
॥ ६४ ॥ भक्तीप्रगटकरि ॥ आसमेतमेभगवांन ॥ ३ ॥ सर्वेगुरुनागुरुतमे ॥ आपेतरुवछोतमेआज ॥ एवास्वामीशामा
नेदजी ॥ जयकारिप्रभुतोमहाराज ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ तमेसाक्षातकाररुव ॥ प्रगटाजीवतारवामवु ॥ धर्मर
क्षाकरवानेकाज ॥ तमेजन्मलीधोछेमहाराज ॥ ५ ॥ अवधपुरिअजयोविप्र ॥ लीधोजन्मस्कमतीउदर ॥ एवा
उरुवतमेरामानंद ॥ जडाकजीवनाक्षयकंद ॥ ६ ॥ तेनेप्रथवीपर्सिनमस्कार ॥ करुंछुंहुंहजारेहजार ॥ राम
करिलखुछुंविनती ॥ तमेसांभलजोमहामती ॥ ७ ॥ नीलकंठवर्णिमारुंनाम ॥ तमसर्वोवीनानथीठाम ॥
एवोहुंआव्योसरणेतमारि ॥ स्वामीसायकरजोअमारि ॥ ८ ॥ कोशलदेशमांमेलीसंबंधी ॥ कृष्णमलवावन
वाटलिधी ॥ पछेफर्योहुंसर्वेतीरथे ॥ कृष्णप्रगटमलेएहअर्थे ॥ ९ ॥ रामकरतांआव्योलोजयाइ ॥ रियोछुंतमा
रासंतमांइ ॥ कृष्णप्रत्यक्षमलवाकाज ॥ करुंआग्रहतेकहुंमाराज ॥ १० ॥ तपकरुंछुंकठणालंने ॥ नथीमोलो
हुंपरतोमेने ॥ चारेमासचोमासानाजेह ॥ करुंधारणापारणांहुंतेह ॥ ११ ॥ वर्षोवर्षकारतकमास ॥ करुंछुं
सामटाउपवास ॥ वलीएमासमांकोथसमे ॥ करुंहुंछुंवतनेतेअमे ॥ १२ ॥ तारपछीमाघमासमांये ॥ क
रुंचाराकरुंछकेवाये ॥ चांद्रायणएकादशीलइ ॥ सर्वेव्रतकरुंछुंहुंसइ ॥ १३ ॥ कृष्णप्रसंनकरवाकाज ॥ रा ॥ ६४ ॥

नुंदुखमुनेनथीमाराज ॥ पंचविषेथीमनउतारि ॥ करुंछुंतपकठणभारि ॥ १४ ॥ तेणेकरिनेशरिरमांइ ॥ लो
हीमांसगयुंछेसुकाइ ॥ प्राणरह्यातणिएकेरिते ॥ नथिराखीमेंचीतमुंचिते ॥ १५ ॥ कृष्णहस्तआसासुधावेल
तेणेजांणीआप्राणराखेल ॥ नेतोआंनविनामारेदेह ॥ वलीचालेएवोप्राणजेह ॥ १६ ॥ तेनेरेवाविजोआ
लंबन ॥ नथीबडविचार्युमेंमन ॥ कलीजुगेआंनसमाप्राण ॥ सर्वेजांणेछेजांणअजांण ॥ १७ ॥ मारेमारेखो
राकनथीरवो ॥ सउजांणेछेसतयुगजेवो ॥ वलीअस्नोगयोएथीघणुं ॥ उपजुंछेजेणेसूर्यपणुं ॥ १८ ॥ तेणेकरी
देहकीपाजेह ॥ वलीतपउपवासतेह ॥ नथीपडुतातेकरणकांइ ॥ तेतोप्रभुतमारिकृपाइ ॥ १९ ॥ एवोकृष्ण
भक्तमुनेजांणि ॥ मलजोमारेमायेमेरुआंणि ॥ मारेमाततातबंधुलेये ॥ सर्कदस्वामीगुरुकृष्णकेये ॥ २०
तेहकृष्णविसेछेमनेह ॥ बंधाणांछेमनप्राणदेह ॥ तेविनाविजेप्रीतबंधाणि ॥ तेतोश्रीकृष्णनाभक्तजांणि
२१ ॥ तेविनापंचविषेदेनार ॥ वाहोयसंबंधिनरनार ॥ तेनेनोयजोकृष्णमांप्रीत ॥ तोतजुंतेनेवेरिनिरित २२
तेमांकाइसोदोषजोतमे ॥ तीयांकेयेछयेस्वामीअमे ॥ आगेसाधुएममोरेमोटे ॥ तेवेआविनइकांपरखोटे
२३ ॥ जुवोविभीषणेतजोभ्रात ॥ तेमतजीभ्रतजीयेमात ॥ तजीविदुरेकुलनिविधी ॥ कृषिपत्नीयेतजोसंमधी
२४ ॥ गोपीयेतजोपतीनोसंग ॥ तजोपुत्रवेनराजाअंग ॥ तजीपह्लादेपीतानेवली ॥ तेमगुरुतजोराजावलि ॥

 २५ ॥ तेनी अपकिर्तिन थाय ॥ सांभलि कीर्तिनाम्रसमांई कई ॥ माटे गरितरुनादिखरि ॥ कृष्णविमुखमेला
प्रहरि ॥ २६ ॥ माटे कृष्णभक्तमुनेवाला ॥ विज्ञासर्वेलागेछेनमाला ॥ जेने तमाराजेनस्नेह ॥ तेजपांम्याछे
मनुष्यदेह ॥ २७ ॥ विज्ञाजीवछेपशुसमांन ॥ जेनेविषयसंबंधीछेज्ञांन ॥ तेमांनेपशुमांफेरनथी ॥ एमविचा
रुछुं कुंमनेथी ॥ २८ ॥ मनुष्यदेहनेदछेदेव ॥ तेपांमीनकरीहरिसेव ॥ तेलोपशुपुंछसींगहीणा ॥ मरहोग्र
गुणिपरविणा ॥ २९ ॥ कुलकिर्तिरुडागुणरुप ॥ होयपरोम्रपकरीअनुप ॥ तेतोजक्तमांसोभेछेघणुं ॥ जेमसो
भेफलरुंडामणुं ॥ ३० ॥ सर्वेगुणतोसोनेछेतारे ॥ कृष्णभक्तीकरेजनज्यारे ॥ कृष्णभक्तिहीणगुणहोय ॥ वण
लुंणविंजनसमसोय ॥ ३१ ॥ भक्तिहीणावस्नेलोकजायें ॥ तोपणकालथिनमुकायें ॥ भगवांनचुंम्बेनमांस्त
ख ॥ नथीपांमताहरिविमुख ॥ ३२ ॥ माटेकृष्णनीभक्तीछेमोटि ॥ जेथीकृष्णीपापाकोटिकोटि ॥ शिवब्रह्मादि
कश्रुकादेली ॥ करेछेभक्तीमोननेमेजी ॥ ३३ ॥ जेमकरेछेविज्ञामोजीव ॥ तेमकरेछेब्रह्मानेशिव ॥ राधाआ
दिशक्तीयुंग्मपार ॥ करेसेवादासीजेमहार ॥ ३४ ॥ अल्पजीवकृष्णभक्तीकरे ॥ तोतेकालकर्मनेथीतरे ॥ व
ल्हाहोयजोनभक्तीयेहिणो ॥ तोतेपणछेकालचविणो ॥ ३५ ॥ एवुंमाहात्म्यश्रीकृष्णतणुं ॥ कृष्णवुंवालरुसाक्षयी
मेघणुं ॥ माटेमेतीआलसमुंकुश्चेगे ॥ करुछुंउग्रतपउमंगे ॥ ३६ ॥ तेतोकृष्णप्रसन्नथावामाट ॥ मलेप्रमस्राम

नेघाट ॥ पोमसेवीतनीरोमतारे ॥ मलसेकृष्णप्रगटजारे ॥ ३७ ॥ माटेसंतवचनेवंधाइ ॥ रियोछुंतमाराससाधु
मोइ ॥ वलीजोउछुंतमारिवाट ॥ अतीग्रहमोकरुछुंउचाट ॥ ३८ ॥ कृष्णकिरतीविनापदगांन ॥ ज्ञास्लागेविसु
लसमांन ॥ नारिरुपालीलागेछेरावि ॥ जोलंग्नुरवीराक्षसणिजेवि ॥ ३९ ॥ वलीकृष्णगंधपुष्पनीमाल ॥ नेतो
लागेछेकंवेआल ॥ चंदनकेशरनेकुमकुम ॥ तेलेपनलागेपंकसम ॥ ४० ॥ कृष्णविषिरसुमारुमंन ॥ रे
वुंप्रसादेलागेछेवंन ॥ फीणांघाटांअंवरछेजेह ॥ थीयासर्पसममुनेतेह ॥ ४१ ॥ नानाप्रकारनांजेभोजंन ॥
तेलागेछेफेरजेवांअंन ॥ वलीजेजेवस्तुकृष्णकारि ॥ तेसर्वेमुनेथरछेखारि ॥ ४२ ॥ कृष्णरुसविनाछेकुंघे
लो ॥ सामीमेलजोसंधेसोवेलो ॥ नमाकुंदरसनजारेथासे ॥ तारेसर्वेदुखमाराज्ञासे ॥ ४३ ॥ माटेकृपाकरी
दर्शनदेजो ॥ ब्रह्माळीमोक्षुरांवांयेग्नेजो ॥ जेमवर्तेछेपोतानेमंन ॥ एवोलख्योवर्णिपेवचंन ॥ ४४ ॥ जेवुंछे
पोतानुंवरतंत ॥ तेतोलखतानआवेअंत ॥ लख्युंसंक्षेपेसारग्रदचुं ॥ नलखायजेमछेतेदचुं ॥ ४५ ॥ एमपत्री
लपीपुरिकिधी ॥ लइमुक्तानंदजीनेदीधी ॥ पछेमुक्तानंदेपत्रलीधो ॥ पोतानापत्रभेलोनेकीधो ॥ ४६ ॥ बिडिवे
उलखुसीरनांम ॥ पछेतेसानंदमयारांम ॥ कंपुंआकागलउतावले ॥ पोचाडोश्रीसामीनेपासले ॥ ४७
केजोमुखेसर्वेसमाचार ॥ आवेवेलातेकरजोविचार ॥ पछेमयारांमलागीपाये ॥ चालाभुजनगरनेराये ॥ ४८

सतदने पोताभुजसेरे ॥ स्वामी हता गंगारामघेरे ॥ निर्विघ्न पाम्यो छे आनंद ॥ केवा सोभे छे ते सुखकंद
४९ ॥ नयणां कमलसम दोय ॥ पुर्णशशिसम मुखसोय ॥ गौरश्यामरिअजोनकार ॥ सुंदरस्वेत पेर्यां छे व
स्त्र ॥ ५० ॥ वांकि भ्रुकुटि मंदमंद हास ॥ पृथ्वि वदने करे छे विलास ॥ कमलसरिषां चरण छे दोय ॥ भक्त रिया
छे तेने सामु जोय ॥ ५१ ॥ आपे छे निजजनने आनंद ॥ सुषदाइ स्वामी रामानंद ॥ एवा निर्विघ्न पा रामे ना
थ ॥ आप्या पत्र वेसामीने हाथ ॥ ५२ ॥ इति श्री मदेकांतिक धर्मप्रवर्तक श्री सद्जानंद स्वामी शिष्य निष्कुला
नंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये नीलकंठ पत्रीका नाम अव्तालीसमु प्रकरणम् ॥ ४८ ॥ पुर्वछायो ॥ राजी
थइ रामानंदजीये ॥ लीधा पत्र ते वे उ हाथ ॥ वर्णि आव्यानी वात वांचि ॥ राजी थया आपे नाथ ॥ १ ॥ पोता
विषे अतीभाव छे ॥ तपे करी कस्या छे शरिर ॥ एवां वचन विचारिने ॥ आव्यां पोताने नयणे नीर ॥ २ ॥ ग
द्गद कंठे गीरा थइ ॥ धीरा रइने वांच्या कागल ॥ पछे तेहनी वारता ॥ कहि हरिजनने आगल ॥ ३ ॥ सुंद
र आदी संत संगी ॥ सुणावा आव्या सौ कोय ॥ नीलकंठजी ना गुण ने ॥ केतां सुणतां तृपत न होय ॥ ४ ॥
॥ चोपाइ ॥ धन धन एवु वरणि राट ॥ आव्या छे अलसे सर्वे उचाट ॥ करवु वरणिनी मोट पवड ॥ सुणि संत संगी
ये ते सउ ॥ ५ ॥ पछे पत्रनो प्रती उतर ॥ लखे छे पोते अती सुंदर ॥ ब्रह्मचारिनी प्रसंसा करि ॥ रुडो उतर लखे ॥९६॥

छे हरि ॥ ६ ॥ श्री लोजपुरमां रियासंत ॥ ते मुजने वाला छो अतंत ॥ तीरथवासी निकरो छो टेल ॥ तेमां पल्ल
न थी पांमतां वेल ॥ ७ ॥ मोटा साधुनी करवी सेव ॥ वली तके सुरणरखुं विदेव ॥ ते तो को पण थी बनी न आवे ॥ ते
हतमे जकरो छो भावे ॥ ८ ॥ दुखिने तमे द्यो छो आनंद ॥ एवा परमारथी मुनी इंद ॥ वली अ समाते त्रीयसा
गी ॥ एवा संत तमे बहुभागी ॥ ९ ॥ माटे तमारा ब्रह्मचर्य मांय ॥ कउ विघ्न पडसो मां कोय ॥ नारि आश्रि स
थी मुनी जेन ॥ ने आवे ब्रह्मचर्ये विघन ॥ १० ॥ ते ब्रह्मचर्य छे ब्रह्मस्वरुप ॥ कपुं सनतसुजाते अनुप ॥ श्री
भुज थी लखी तं गरअमे ॥ करजो आशिस ग्रहण तमे ॥ ११ ॥ श्री कृष्ण क्रिपा पर तापे ॥ छइये सुषी संतो
अमे आपे ॥ पत्र पोता छे तमारा बेउ ॥ भद मया रंगमला व्याते उ ॥ १२ ॥ वांची जांण्यो सर्वे अभीप्राये ॥ जेजे
लख्युं छे कागलमांये ॥ तमपासे आव्या ब्रह्मचार ॥ ते पण जांण्या छे समाचार ॥ १३ ॥ जेजे रित लखि
एनी तमे ॥ तेनी वात कें ये हेते अमे ॥ रानि क्रिपाजे जेतमे करि ॥ ते तो एके मनुष्य नी नइ ॥ १४ ॥ माटे सा
धारण पुरुषरह ॥ तमे जांणसो मां मुनी तेह ॥ निरमुक्त छे एविर धार ॥ स्वेतद्विपधांम मनारे नार ॥ १५
का तो बद्रिकाश्रमना मुक्त ॥ आव्या छे तपने सागे जुक्त ॥ इमुरग्छाये आव्या छे आंइ ॥ विजी वात जां
ण सो मां कोइ ॥ १६ ॥ एजे आव्या छे तमारे पास ॥ तेनो अमे करयो छे तपास ॥ माटे राने गमे ते विरिते ॥ कर

॥भक्त० जोसेवासउमलीप्रीत॥१७॥एवेपासेथीजोगनीकला॥तमेसीषजोसंतसंगला॥ तेतिधीतीनेनोलीकु प्र.४३॥
॥८७॥ जरि॥भीत्तीवेप्रकारनीखरि॥१८॥तेणेच्चारिरनिस्कढियापे॥तमेसीषजोसोमुनीरायै॥पछेअनुक
मेकरिराह॥सिषजोअष्टांगयोगतेह॥१९॥यमनियमनेआसनकैये॥प्राणायामप्रत्याहारलैये॥धा
रणाध्याननेंजेसमाधी॥एकेतेमलेजोसिखीसाधी॥२०॥अष्टांगयोगअभ्यासविना॥उठेअंतरेघाटन
विना॥अष्टब्रह्मचर्यनव्यपले॥माटेजरूरकरवुंसंगले॥२१॥एमकरसोतैयेइंद्रिजीत॥केवासोतमेसंतपु
नित॥कामरूपशत्रुतोजीताय॥जोस्त्रीसंगनोत्यागथाय॥२२॥ब्रह्मचर्यराषवाजेमछे॥नजुवेनारिभ
लीतुंदिछे॥स्त्रीनीकथाकेदीयेनस्रणे॥नकहेतेनाअवगुणगुणे॥२३॥स्त्रीनेरमवानाजेजेस्थले॥नजा
वुंत्यागीनेआंकोयपले॥स्रतीनोनीहोयजोप्रीत॥जोतिजेजाविनहृदेदर्शचीत॥२४॥चित्रप्रतीमानीजेसुं
दरि॥नअडवुंजोवुंहृदयभरि॥नारिचित्रनीपरानकरवि॥एनामर्मनीवातपरहरवि॥२५॥एनीवातकेवीन
हीकोई॥नेवुंचालवुंनस्वादमांई॥संकेतेपणभाषणनकरवुं॥नारिपरसेलपटपरहरवुं॥२६॥नारिचित्तवेनो
संकल्पत्यागी॥रेवुंप्रभुपदेअनुरागी॥कृलभक्तत्यागीप्रांणअंत॥नपरसेनारिप्रत्यांपरजंत॥२७॥नारिनाती
न धोतीहोयजीयां॥ब्रह्मचारिनेंजावुंतीयां॥जेघरमांकृतीहोयनारि॥तीयांरहेवुंनहीब्रह्मचारि॥२८॥आ ॥८७॥

रहीयथिचालवुंडर॥एवोनीमराषवुंजरूर॥एटलांव्रतपालेजेजोगी॥थायअंतरेतेजआरोगी॥२९॥जेरो
दुर्लभजोगीछेएवा॥तेब्रह्मादिकनेवंद्याजेवा॥एरिसेब्रह्मचर्यरखाये॥एमनरहेतेभ्रष्टथाये॥३०॥क्रो
धमांनमत्सरमरस॥मस्रत्नानाभातमारस॥एयोगीनेविघ्नकरनार॥माटेतजवोतेनिरधार॥३१॥आ
रनीशपेजुक्तिकरवुं॥व्यसनफैलमात्रपरहरवुं॥मद्यमांसनोप्रसपरहरिये॥द्रोहप्राणीमात्रनोनकरी
ये॥३२॥केदीमनकर्मनेवचने॥आपेमरवुंनमारवुंकेने॥चोरिकरवाचीनेनचावुं॥वर्णअसंकरजोगीने
नथावुं॥३३॥एवाधर्मवांनमुनेप्रेह॥श्रीकृष्णनेपणवालातेह॥मुक्तानंदजीनेद्विजासंत॥तमेसोभल
जोगुणवंत॥३४॥नीलकंठमारीगुरुभाव॥राखजोतमेकरीउछाव॥सिषजोसर्वेजोगनीरीत॥धर्मविषे
रेजोकरीप्रीत॥३५॥तपेकरीकृशछेवरणि॥करजोसेवाअंनजलेघणि॥एछेनानाएनेकरोघाट॥न
मेवयेमोटाछोतेमाट॥३६॥अमेवितततेवैसाकमासे॥आवसंसंतोतमारेपास॥सांस्र्थीराषजोकरि
प्रेह॥रखेजातारहेनीस्नेह॥३७॥एवोसमाचारघणोघणो॥उखोउतरएमपत्रतणो॥पछेनीलकंठनीप
त्रीनो॥उतरछेस्वामीउत्तरणनो॥३८॥श्वेतद्वीपवासीनिरन्नमुक्त॥तेमांमुख्यअतीतेजेजुक्त॥नीलकंठज
णाव्योछेएवा॥तपेकरीछोनरविरजेवा॥३९॥एवालमांनपीसंदेह॥तेआव्याछोधरिनरदेह॥एवातमेते

॥भक्त०॥ नोजेकागल॥ आव्योछेतेअमारेपासल॥४०॥ वांचीजोएपासवैंसमाचार॥ कलिक्रियामेंकुलोविचार प्र० ४३॥
॥८९॥ तेलोमनुष्यथकीनथाये॥ जोयुंछेविचारिमनमांय॥४१॥ ज्ञानवैराग्यभक्तीदृढाव॥ नीमधर्मनीएकांती
भाव॥ पुर्वजन्मनुंछेतेतमारे॥ तेतुंनथीआश्चर्यअमारे॥४२॥ तमेदेखोछोध्यानमांजेवा॥ नथीफेरश्रीकृष्ण
छेएवा॥ साधुमांरहुनेजोजोवाट॥ आवकेअमेमकरोउचाट॥४३॥ वेंग्याकमासउतरयाटांएो॥ आवि
सफुंगणेमविपलांएा॥ आव्याजोणिनेआववजोतमे॥ तिपांमहारकंतमेतेअमे॥४४॥ तमनेदर्शननीछे
जेतांएा॥ तेकुंजांएुंछुंवर्णिकजांएा॥ पणयांआव्यानुंनथीठिक॥ वचेलागेछेदुष्टनीबिक॥४५॥ मारे
तमारेआववुंनहि॥ होयहेततोमांनजोसही॥ सर्वेसाधुनेयोगसीपवजो॥ आनंदेसंतजनमांरेजो॥४६॥
जेमतमनेइछाछेमारि॥ तेमअमनेइछाछेतमारि॥ मारेआविसकुंडतावले॥ पासेरूपतेतमनेमले॥
४७॥ तमजेवाजेभक्तनोसंग॥ तेकरवामारेछेउमंग॥ रेजोधर्ममांरसावधान॥ धर्मवाजोमुनेभगवांन
४८॥ धर्मतुल्कभक्तरेछेदुर॥ पणजांएुंछंतेनेहजुर॥ वलीतमजेवानाकाएर्णोय॥ पणिसमनुष्यपावुंनहोय॥
४९॥ तमजेवानीकरेजेसेव॥ तेएोपुज्याछेसरवेदेव॥ एवासाधुमांपीनछेमारि॥ तेविनपीमेंदेहमांधारि॥
५०॥ एवाकृलभक्तधर्मवांन॥ तेमाकुरुदपछेनेदांन॥ मारेक्षोभमकरसोकोइ॥ मलसंकेआपएोपीप्पल ॥८९॥

मोइ॥५१॥ मारेमाह्मादिनानेआवो॥ आवसोतोपासेपस्तावो॥ जोछेअतीसेहेततमारु॥ तोपइपोंआ
आनुंछेवारु॥५२॥ करजोसाधुनोआदरभाव॥ राषजोसंगेसेजस्वभाव॥ तपेकरिछेकरसतन॥ मारेजम
जोकोपेकरवेन॥५३॥ हवेतपकरसोमांएवुं॥ पडेतेननमलेएजेचुं॥ ज्ञानभक्तीतपनीजधर्म॥ तेनुंसाध
नरूपरामम॥५४॥ मारेअमसारूएादेहने॥ करवुंपोषणकोछुंतेहने॥ एहदेहवडेमहाराज॥ वडुधा
लाछेकरवाकाज॥५५॥ एमस्वामीयेविचारिमंन॥ एवोलख्योकागलेपवंन॥ पछेविडयोछेकागलहा
थे॥ मोकल्योमयारामजीसाथे॥५६॥ पछेमयारामसाथीचाल्यो॥ दिनसातेआविपत्रआल्यो॥ आप्योप
त्रसाधुनेतेविडी॥ ज्यमुक्तानंदेरुदेभीडी॥५७॥ पछेवरणिनेमुक्तानंद॥ वांचीपत्रनेपाम्याआनंद॥ प
छेस्वामीनीआज्ञामांइ॥ रियानीलकंठवणीतेत्यांई॥५८॥ सीषवेंछेनीलयोगकला॥ तेहसीषेछेसंतसे
गला॥ तेगुरुकृपायेततकाले॥ सीखिलीधीतेसर्वेमराले॥५९॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसह
जानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येरामानंदस्वामीयेकागलनोउतरलख्योएनां
मेत्रेतालीसमुंप्रकरणम्॥४३॥ पुर्वछायो॥ पछेजोगसीषवतां॥ करतांतेतपश्चयास॥ अहोनीसएमक
रतां॥ वैंगयोवरसाकमास॥१॥ तारेवर्णियेविचारियुं॥ आजकालअवेशविनास॥ एमकरतोवैंग

॥भक्त०॥ यो॥ अधोंलेजे एमास॥३॥ वलतावरणिव्याकुलथइ॥ जुवेवारवारमवार॥ एकतपनेचिंताघिजी॥ तेऐ पृ. ४४॥
॥४५॥ कपथ्यापाछेअपार॥२॥ आतुरतामनअतीघणि॥ थइस्वामीनेमलवामाट॥ स्वामीपणपछेसांभ
कि॥ इछादेषवावर्णिरार॥४॥ चोपाइ॥ पीपाउतावलातत्तकाल॥ भुजनधमांदृषिदपाल॥ सोवणसरि
षोअंगएषोछेरथ॥ बेठातेउपरसमरथ॥५॥ चलाव्योरथसेरबजार॥ आव्यांदर्शनेबहुनरनार॥ तेनेजो
तांमोतांजक्ताधार॥ आव्यासेरथकीपोतेबार॥६॥ संगेआव्यांछेबजावाजंन॥ नथीवलतांकरेछेरुदंन
तेनेआपेछेमाराजधीर॥ केछेमअशोनयणेनिर॥७॥ आसमोनथीरोयानोजंन॥ करीलीयोकउछुं
दर्शंन॥ तारेजंनचुरनीरनयणे॥ बोल्याछेअतीदिनताचयणे॥८॥ कहेवेवाआवजोदयाल॥ जेजोना
थअमारिसंभाल॥ एमकरनेजोडियाहाथ॥ तारेतेपसेकहेछेनाथ॥९॥ जंनसर्वेरेजोसावचेत॥ राष
जोहरिजंनुस्नेहेत॥ अमेआवुफेरमणीवली॥ पणपाछुलनेसकेकली॥१०॥ एमकहनेचालीयानाथ
सेतंबेचारनेलइसाथ॥ सांकेसांकेकरतामुकाम॥ आव्यास्वामीपीपलाणेगांम॥११॥ करीमहाराजेमो
टिमेरू॥ आव्यामेतानरसैनेघेरू॥ पछेवियपरकुरजीनांमे॥ तेनेमोकलीयोलोजगांमे॥१२॥ कयुंतेडिला
वोसंतजंन॥ मरआविकरेदरशंन॥ चाल्योबासएलागीनेपाये॥ आव्योउतावलोलोजमांय॥१३॥ ॥४५॥

आपीसेतनेजैवधामणि॥ स्वामीपधारियातेहतणि॥ कयुंस्वामीयेमोकयुंकावि॥ करोदर्शनसंतसों
आवि॥१४॥ एवांअमृतवचनसांभली॥ पांम्याआनंदसंतमडली॥ कहेनित्यकेवलब्रह्मचारि॥ चाल्योह
मणांकरीतैयारि॥१५॥ तारेसंतकहेरूडोनाथ॥ रंडुडगेचालसुंसैसाथ॥ पछेचालीयाउगत्तेचंद॥ नि
त्यकेवनेमुक्तानंद॥१६॥ देवानंदनेपर्वतभाइ॥ चाल्याजेठाभक्तआदिदइ॥ दर्शनकरवानिइछाछेघणि॥
बांधीइच्छिसोवेस्वामीभणि॥१७॥ वर्णितनेकर्षछेवली॥ मचलागुंपडआभोमेदली॥ पछेसर्वेबेठापासेआ
वि॥ चापेहाथपगहेतलावि॥१८॥ तारेसंताआवीछेढारिरे॥ पछेउठिचाल्याधिरेधिरे॥ तारेसर्वेमलीक
हेजंन॥ आमकेमथासेदरसंन॥१९॥ करोजेगधारणादयाल॥ तोपोचीपेसउतत्तकाल॥ तारेतेमकरि
चाल्यानाथ॥ तेयेकेरोननपोचाएसुसाथ॥२०॥ जेमछुटोकमानथीतीर॥ तेमपोताओफतेअचीर॥ वहे
चवेइयुरेतैनतर्दी॥ परेजेतेननिसरेकही॥२१॥ पडआएवापुरमांइपोते॥ सरसमउतरआसउजोते॥ बिजो
उतरआचापेकपार॥ पछेसैआव्यागांममोझार॥२२॥ जेणदहीबारसनेदंन॥ कयुंसैवेस्वामीनुंदर्शन॥
अतीगोरनेपुछेछेतंन॥ अंगेपेरयांछेश्वेतवसंन॥२३॥ सुंदरमुखनेकमलनेण॥ मंदहासेमुखस्रुष्दे ण
उरविसालस्त्रजांनबाउ॥ केजसरिखासोभेबेपाउ॥२४॥ भक्तेपुज्याछेपुष्पचंदने॥ बेगहीडामभामायजंने

॥भक्त० परमहेतकारिवृत्तनांमी॥ बेठासींहासनपरस्वामी॥२५॥ तेनेदेखिनेपांम्याआनंद॥ तारेउत्तरस्वामिरा प्र० ४४॥
॥१०० मानंद॥ कल्याणीजकेरेहेडव्रत॥ तेनेउठाडग्रासवामीयेततनं॥२६॥ एमेमलीनेवेसासायापास॥ करीविज्ञा
नीवैं आसवास॥ जेवाकृपाळासाधुवेमली॥ तेवादिवाछेवर्णीयेवली॥२७॥ पांम्यापरमानंदस्वरूपमा
आमाहपरनोनयरीवारि॥ पीयाब्रह्मचारिरोमांचिते॥ जोरस्पासांमुखउभीते॥२८॥ तेमजोडरयास्वामि
हेते॥ एकमीटेमटकारहीते॥ पछेपुछेछेएममाराज॥ क्यांथीआव्यातमेवर्णीराज॥२९॥ कयुंमुक्तानंदे
वरनेते॥ मुणिराजश्रीथीपाम्यावंत॥ पछेस्वामीयेतेघणापणो॥ करयांवखाणवर्णीतणां॥३०॥ पछेगदग
दकंठेकेंगीरा॥ बोल्याब्रह्मचारिरधीरा॥ मारोमनोरथमहाराज॥ थीयोपोफलसुरवेआज॥३१॥ त
मेसाक्षातश्रीकलनीभक्ति॥ प्रवर्तावीआजुगमांप्रति॥ एवाजेनहेतकारितमे॥ मसेजन्मसुफलमां
न्योअमे॥३२॥ तारेस्वामीकहेसमवात॥ तेमजअमेहुरलीयात॥ आव्याकांथीचालीतमेआज॥ हसो
भुख्यातमेमहाराज॥३३॥ पछेस्वादुफलमगाविया॥ संदरफलकरावियां॥ पछेवर्णीराजमुनि
इंद॥ बेठादेखिसैपांम्याआनंद॥३४॥ एमकरतांथीयोसायंकाल॥ उठ्यापुजाकरवादयाल॥ पुजासा
मग्रिलेवडुवीघी॥ पुजाप्याकुलदेवनीकिधी॥३५॥ तेदिहतिरेवाएकादशी॥ करयुंजागरणसैमली ॥१००॥

निशि॥ कर्त्ताकथाकिरतनगांन॥ बोल्यावर्णीप्रत्येभगवांन॥३६॥ कोणदेशकोणजन्मजाग्य॥ कोणकु
लमुखशुभभाग्य॥ कोणमाततातगोत्रहेंवे॥ कोणप्रवरसाखावेदकेंये॥३७॥ कोणरितेउपनोवैराग
केमकरयोत्यजनगेहसाग॥ कोणगुरुदेवछेउपास॥ केमकरयोतमेवनवास॥३८॥ कहोतपनाभेदनि
विधी॥ जोगसाधनाकेंपेसेकिधी॥ तीर्थजात्रातिर्थनारेनार॥ तेतेजोसातेकोणप्रकार॥३९॥ एटली
वातपुछीस्वामीजारे॥ क्रमअनुक्रमेकरीतारे॥ कहिविस्तारेवारतासउ॥ स्वामीआनंदपांम्यावहु॥
४०॥ पछेबोल्यास्वामीसुखकारी॥ तमेसांभलोहेब्रह्मचारि॥ धर्मविप्रजेतातत्तमारा॥ तेतोछिविष्णुपणा
तामारा॥४१॥ भक्तीधर्मदेवीजेदंपती॥ तेमुख्यपांम्यादिक्षाभागवती॥ तेनाकुलतमेब्रह्मचार॥ तेतो
अमाराछोनिरधार॥४२॥ तमारामाततातजेवेउ॥ मलांतांमुनेप्रागमांतेउ॥ एहोरेतातांकोत्रालदेश
करतामुमुक्षनेउपदेश॥४३॥ अहिंसादिरखाववतांनेमे॥ कुलभक्तिकरावतांप्रेमे॥ तमेतेथीअधीकअ
नंत॥ गुणलक्षणेछोबुद्धिवंत॥४४॥ तमनेदेखतांएवांजेप्रस॥ तेनेजाणअंछोजअमृत॥ एविस्कंदरसा
रिजेवात॥ केतांसुणतांगेंअर्धरात॥४५॥ तारेदिवुंछेआव्यापर्पएक॥ जांणुंउगीयाअर्कअनेक॥ श्री
स्वामीनारोमरोमप्रति॥ दिवातेजनासमोहअति॥४६॥ तेतेजनेदरशोदनामांइ॥ रयुंघरबारप्रसेछाई

पछे हतुं रासे तम कालुं । तेम दिने थयुं अजवालुं ॥ ४७ ॥ दिठुं एवा एवुं पोरवार । जोइ विस्मे पांम्या नरनार ॥
पछे सर्वे तेज संकेलाइ । मलुं स्वामी निमुरति मांइ ॥ ४८ ॥ जेम चोमासा मांय मेघ थाय । सर्वे सरद ऋतुमां समा
य ॥ तारे वर्णिवो आशिष नांमी । गुरुने कह्युं समान छे स्वामि ॥ ४९ ॥ एमां कसर नि रंच रती छे । आ स्वामीने वस
श्री कृष्ण छे ॥ एमां अंस सत्य नथी जो कोइ । एवुं निश्चे करयुं मन मांइ ॥ ५० ॥ पछे गुरुवे मांग्या एकासोइ । रिया स्वा
मि संगे ते सदाइ ॥ वे उमुरती ने जोइ जन । पांम्या अती सूखा आनंद मन ॥ ५१ ॥ स्वामी वला वर्णी गुरु जाणे जोइ । कृष्ण
समान मांने छे सोइ ॥ जोग धर्मनी रक्षाने काज । प्रगट्या छे श्री कृष्ण महाराज ॥ ५२ ॥ एम परस्पर अति प्रीते
करे वात अलौकिक निते ॥ सुणि जन पांमे छे आनंद । कहे धन धन सुखकंद ॥ ५३ ॥ इति श्री मदेकांतिक धर्म
प्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये रामानंद स्वामी ने नील कंठ म
ल्यानो नामे चुमालीसमो प्रकरणम् ॥ ४४ ॥ पूर्वछायो ॥ पछे लोक मोरम जांणियुं । स्वामी पासे आव्या छे संत ॥ नानि
वे मां न थाय एवां । कर्या छे तप अनंत ॥ १ ॥ ते सुणि देश देशथी । आवे छे नरने नार ॥ जोगी त्यागी दरसने
आवे लोक हजारे हजार ॥ २ ॥ तेम मनुष्य ने स्वामी पोते । बोलवा वेरा मला चार ॥ सुसतन ने तपसी अती ॥ जोइ विस्मे
पांमे नरनार ॥ ३ ॥ पछे पुछे छे स्वामीने । कोण थी आवरणि राज ॥ नांनी वेमां मोटा अती । तप करे छे मा राज ॥ ॥ २०२ ॥

४ ॥ चोपाई ॥ जोने पेरी छे जरजरो पवित । जटा त्रिसेर्नुं गोती अति चित ॥ नाडियुं जेने शरिर मोझार । सर्वे नीसरि रयुं
छे वार ॥ ५ ॥ उर्ध्वपुंड्र छे तुलसीनी माला । उदास छे पासे मृगछाला ॥ ध्यांने करी थंभ्यां छे लोचन । अती विसा
रि मुक्युं छे तन ॥ ६ ॥ वेउनी स्नेही ने निरमांन । एवा आ कोण छे भगवांन ॥ तारे स्वामी कहे सुणो तेह । आ आ
को शलदेशथी एह ॥ ७ ॥ एना मात तात हतां जेह । अती धर्मवाला वेउ तेह ॥ करतां भगवांननि ते भक्ती । ते
सुणतां पोते हे ते अती ॥ ८ ॥ भक्ति ज्ञान वैराग्य माहात्म्य । जेम सो भजुं रे छे तेम ॥ एणे सर्वे संमंधी ने त्यागि
गी थाला वेन मां बहु भागि ॥ ९ ॥ तीर्थ मां घोर तप अती करी । कर्या भक्ती पें प्रभु श्री हरि ॥ सो थी आव्या माहरि
रछा पे ॥ करशे तप तेहु पेन थाये ॥ १० ॥ एवां स्वामीनां वचन सांभली । अति विस्मे पांम्या जन वली ॥ पछे निर
खी हरखि जंन । गया पोत पोताने भोवंन ॥ ११ ॥ पछे जांणि ज्ञायाने चतुर । राख्या स्वामी ये पोता हजुर ॥ कृष्ण
पुजा मां प्रविण जांणि । राख्या आपवा सांमग्री आंणि ॥ १२ ॥ पछे पोत पोता निजे सेव । करे वेला उठि तन तेव
पछे स्वामीने पुजवा समे । करे परिचर्या जेम गमे ॥ १३ ॥ तुलसी चंदन पुष्पने धुप । लावे नी वेद आंणि अनुप
जेम मन लगि जांणे कोय । लावी आपे जेजे जेये सोये ॥ १४ ॥ पछे राजी थया तेह माथे । पीया वस्त्र पोतं
वर्णि साथे ॥ एम रइ करि पुजा घणि । रामानंद जीये हुलसत णि ॥ १५ ॥ आपी पुजा सांमग्री जेह । जीधी सा

॥भक्ति०॥ क्षांतसरवे तेह ॥ ते उडव विना विज्ञा कोय ॥ नथी देखतां ते जेनसोय ॥ १६ ॥ पछे स्वामी इछा मन मांये मा ॥ प्र·४५॥
॥२०२ रिपे वेवर्णिने देखाये ॥ तारे श्री कृष्णने स्वामी केछे ॥ वर्णिं उष्णन मां गंइछे छे ॥ १७ ॥ पछे हसी बोल्या भगवां
न ॥ देकं वर्णिने दर्शन दांन ॥ राम कृष्ण दिधुं वरसंन ॥ निरविघ्न ब्रह्मचारि थ्या प्रसंन ॥ १८ ॥ पछे गुरुनी सेवा मां
रिया ॥ एवा हरि स्वामीने भाविया ॥ आपिन्नेन प्रसादिते जमे ॥ करे ते ते जे नाथ ने गमे ॥ १९ ॥ पछे ज्यारे ज्या
रे पुजे स्वामी ॥ त्यारे निसे देखे वउ नामी ॥ पछे वर्णियें ज्यां एंपुग रिते ॥ पुज्य कृदिये दर्शन प्रीते ॥ २० ॥ लीये छे
पुज्याजे स्वामी दिये ॥ ते मम्मारि पुरण प्रभु लीये ॥ राम जेसे प्रभु पुज्या ज्यारे ॥ कुरुता रथ मां नीसता रे ॥ २१ ॥ ते
श्री स्वामीनी सेवाये करी ॥ कृरसे मनोरथ पुरो हरि ॥ पछे स्वामी निसेवा अरुपे ॥ करतां वितं छे चोमास्कं
मांये ॥ २२ ॥ संवत् अढार वर्षेसत्तावंन ॥ कार्तक शुदि दंन पावंन ॥ एकादशि प्रबोधनी नांम ॥ अति स्कंद
रस्क पवंनुं धांम ॥ २३ ॥ ते दि महा दिक्षा देवाने काज ॥ इछ्या रामानंद जी महाराज ॥ पछे महादिक्षा लेवाने
माटे ॥ कर्यो उपवास वरणिराटे ॥ २४ ॥ पछे श्री कृष्ण मंत्रनो जाप ॥ कर्यो महादिक्षा लेवाने आप ॥ ति पां
ते स्याद्वा स्मरण अमल ॥ पोता नासं बुद्धा मां कुशाज ॥ २५ ॥ ते पासे वेद शास्त्रनी वीधि ॥ कराविने तें सरवे
किपी ॥ पछे श्री कृष्णनो मंत्र जेह ॥ अष्टाक्षर कंचवा पछे तेह ॥ २६ ॥ कर्यो जप मणकां न मांते वार ॥ अर्थे स ॥२०२॥

ब्राह्मण

हित करी उचार ॥ प्रबोधनी एकादशि दंन ॥ आप्युं महादिक्षा रुपी पुंधन ॥ २७ ॥ बउ विधे वाजा वजडावि
के स्रोउछव संत तेडावि ॥ आव्यो ब्रह्मचारिने संत ॥ वध्यो आनंद सौने अनंत ॥ २८ ॥ कर्यो एज श्री कृष्ण
नो मंत्र ॥ तेनो अर्थ कपो धार्यो अंत्र ॥ अंतःकरणे नीवरती पुंजेह ॥ करवानी रोध मंत्र छे एह ॥ २९ ॥ प्याय कृष्ण
मांये परकाश ॥ थांमे कृष्ण दृष्ट फलदास ॥ एह मंत्र फल कृष्ण कारि ॥ कहे स्वामी कृष्णो ब्रह्मचारि ॥ तु
देह संमृती आवगी होय ॥ धर्मे तज वोनेक उ सो य ॥ ते धर्म कृपा ताता वेल मारे ॥ तमे पालो छो ने अनुस
रे ॥ ३० ॥ वली पालजो विशेषे तमे ॥ एवी सी खामणे द उछुं अमे ॥ कृष्ण पुज्या मने वारु करजो ॥ पंचाध्याय प
ठ ओपु रज्जो ॥ ३१ ॥ आप चान्की प्रमांणे परम ॥ पावक रज्जो वासुदेव मातम ॥ फलदल प्रसादिनुं लेवुं ॥ ज
लपण प्रसादिनुं पीवुं ॥ ३२ ॥ कृष्ण निवेदनुं अंन जेह ॥ जम तुं अधीक करिस ने ह ॥ पो रश स जातां नित्य
कवुं ॥ पोर पाछली रात्ये उठवुं ॥ ३३ ॥ बुध वीपर करवुं आसन ॥ करवुं कृष्ण नाम किरतंन ॥ कृष्ण भक्ती
विना कोय काज ॥ वपान जावादे वोर्ह्याज ॥ ३४ ॥ जेगंथ कृष्ण मान मे सेंत ॥ ते कृष्ण जो के जो करि हेत
एम धर्म उपदेश आप्या ॥ शिष्य मां मुख्य मोटेरा थाप्या ॥ ३५ ॥ पछे अर्थे सहीत पाडयुं नांम ॥ छेतां जेन पामे
कृष्ण धांम ॥ से जे सेंत नने कृष्ण भंडार ॥ एह अरथ ने अनुसार ॥ ३६ ॥ सहजानंद जग वंद जेह ॥ कयुं नां

॥भक्ति० मनमा रुंछे तेह ॥ तपसुआदे आकारे करी ॥ नारायण समनमे हरि ॥ ३८ ॥ मारे नारायणमुनि नांम ॥ के प्र०४५॥
॥१०३ सेसर्वे पुरुषने वांम ॥ एमनांम स्वामी रामानंदे ॥ कयाते सांभल्यां कष्ट कंदे ॥ ३९ ॥ पछे वर्णि स्वामी नितै
वारे ॥ करि पुजा षोडश उपचारे ॥ करि प्रदक्षणा ने दंडवत ॥ पछे पुजा छे संत समस्त ॥ ४० ॥ पुजा वर्णि
विप्र मली विधी ॥ वेदमां सर्व विधी पुरि किधी ॥ पछे हाथ जोडि उभा आगे ॥ करे स्तुती अती अनुरागे ॥
४१ ॥ तारे स्वामी कहे प्रभु पास ॥ मागो वर जे विहो पल्यास ॥ तारे वरणि के मागवुं एह छे ॥ जेतमारि पुजा क
रवले छे ॥ ४२ ॥ वली प्रगट दिये छे दरसंन ॥ तेम मारे थाय भगवंन ॥ एह मागुं छुं महाराज ॥ विजी इच्छा न
थी मारे आज ॥ ४३ ॥ तारे स्वामी के सत्य वचन ॥ लेसे पुजा ने दे से दरसंन ॥ एम केतां सांभलतां वात ॥ ग
यो दंन ने पडि छे रात ॥ ४४ ॥ करसुं जागरण सौ मली जंन ॥ गायां श्री कृष्ण नां किर्तंन ॥ एम करतां थयुं सवार ॥
करावी कृष्ण दिक्षा ओ पुं सार ॥ ४५ ॥ जन्मा ब्राह्मणने ब्रह्मचारि ॥ साधु संत संगी नर नारि ॥ सौ जमाड्या स्वामी रामा
नंदे ॥ कर्यो मोटो उछव आनंदे ॥ ४६ ॥ आप्यां वस्त्र ने दक्षणा बहु ॥ राजी थया विप्र द्विज सहु ॥ पछे स्वामी नी पेठे पुंज
न ॥ जीये नी सप्रसे श्री कृष्ण ॥ ४७ ॥ तेणे राजी थया हरि घणुं ॥ मान्युं पोते कृतार्थ पणुं ॥ वली आपे एम जन दर्श
न ॥ तेणे पोते रहे छे प्रसंन ॥ ४८ ॥ द्विभुज रूप राधिका संगे ॥ सुंदर वेणु वजावे उमंगे ॥ मनोहर मुर्ति नटवर ॥ ॥१०३॥

देखे छे लक्ष लिलो सुंदर ॥ ४९ ॥ क्यारे रमा संगे रंगराज ॥ क्यारे रुक्मणि संगे महाराज ॥ क्यारे सत्या संगे अरजुन
क्यारे एकाएक थाय दरसंन ॥ ५० ॥ के पे द्विभुज चतुर्भुज हरे खे ॥ देखि अती मोद मन लेखे ॥ एम आपे थयुं नर
नाट्य ॥ करे चरित्र पोते ते माट्य ॥ ५१ ॥ वे ब्रातपसी नो छे ते काज ॥ करे मनुष्य चरित्र महाराज ॥ एम कृष्ण नी बु
द्धि ये करि ॥ सेवे छे पोते गुरु ने हरि ॥ ५२ ॥ इति श्रीमदेकांतिक धर्म प्रवर्तक श्रीमत्सहजानंद स्वामी शिष्य निष्कुलानं
द मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये रामानंद स्वामीये वर्णिने महा दिक्षा दिधी ए नामे पंस्तालीसमुं प्रकर्णम् ॥ ४५
॥ पूर्वछायो ॥ सुंदर कथा सांभलो ॥ पापा स्वामी ना वर्णि शिष्य ॥ इयां सर्वे सद्गुण जेमां ॥ असाधारण अ
होनीश ॥ १ ॥ एवा हरि बुद्धिवंत सं ॥ स्वामीये राख्यो सखा भाव ॥ कोई कांम कारणे ॥ पुछे पोते करी उछा
व ॥ २ ॥ जीयां जीयां पोते वीचर्या ॥ तीयां तियां वर्णि साथ ॥ रेवताचल आसपास ले ॥ कर्या बौ जीव सनाथ
३ ॥ कृष्णनी भक्ती अती से ॥ प्रवर्तावी जंन मांये ॥ जक्तास जीव जोई ने ॥ पोते फर्या गेहे वावाये ॥ ४ ॥ चोपाइ
क्यांक पक्ष क्यांक रया मास रे ॥ एम फर्या दे ना अविनास रे ॥ एम फरतां दे तां दर्शन त्यां मरे ॥ पोते आव्या जेतपु
र गांमरे ॥ ५ ॥ तीयां उनड नामे राजंनरे ॥ तेणे राख्या बौ करी स्तवंनरे ॥ कयुं आ जे सर्वे छे मारुंरे ॥ तेतो जोए
जो स्वामी तमारुंरे ॥ ६ ॥ पछे रिया तीयां रामानंद रे ॥ सर्वे जंन ने दे वा आनंद रे ॥ रहे सेवामां हरि तत्पर रे ॥ करे

॥भक्त०॥ सेवास्वामिनी संकट हरे रे ॥ ७ ॥ गुणे करी अधीक छे सौथि रे ॥ गुण स्वभावीक आवर्या नथि रे ॥ सर्वे काल वली स ॥ प्र० ४६॥
॥१०४ वे रुडल रे ॥ स्वस्वरूप विषे रे अचलरे ॥ ८ ॥ समसो चद पाक्ष मात्यागरे ॥ संतोष आर्जव वैरागरे ॥ समदम श्रो
मउपरती रे ॥ तपतेजस्ती तीक्षा नापति रे ॥ ९ ॥ ज्ञान गुप्त ज्ञान ए अंपं ताअति रे ॥ बुद्धकरपणुं ने समृति रे ॥ सतं
चकुशलकांति धिर्य रे ॥ चित कोमलवाक्य चातुर्य रे ॥ १० ॥ नम्रता शील सहन्यो जवलरे ॥ भगस्थीर गंभी
र अकल रे ॥ आस्तीक्य दंभीअमान रे ॥ किर्ति मौन गर्व नइ ने दान रे ॥ ११ ॥ मीता हार शयामीत्र पणुं रे ॥
सर्वे उपकारि दयाघणुं रे ॥ कामे क्षोभन पांमे चीत रे ॥ अद्रोह षट ऊरमी जित रे ॥ १२ ॥ आपे पर ने मान ते
घणुं रे ॥ अपरिग्रह स्वस्नस पणुं रे ॥ शरणागत वत्सल अनीह रे ॥ एह आदी सद गुण जेह रे ॥ १३ ॥ तेह देषी
ने सर्वे जन रे ॥ पामे विस्मय पोताने मन रे ॥ एवा गुणवाला जोइ सउ रे ॥ मोने मोटा हरि जाने च उरे ॥ १४ ॥
एवा गुणवाला अस्वारि रे ॥ करे सेवा स्वामि श्रीनी सारि रे ॥ एम अहो नीस सेवा करता रे ॥ विसां वर्षदे
यसंग रहेता रे ॥ १५ ॥ धार्या धर्म नी मतेन मुके रे ॥ करे तप जोग मां न चुके रे ॥ जोइ स्वामी एवा वर्णि रायरे ॥ स्या
पि धर्म धुरा एह मांय रे ॥ १६ ॥ आपे इच्छा अंतर ध्यान थावा रे ॥ मोटुं वर्णि ने वचन मनावा रे ॥ जे वेवार न जांणे
लगार रे ॥ तेने इच्छा सोपवा वेवार रे ॥ १७ ॥ कहे स्वामी सोंभलो सुजांण रे ॥ कहुं वचन ते कर्वु प्रमाण रे ॥ जेमा ॥२०४॥

रा आश्रित नरनारि रे ॥ तेने राषवा धर्म मोझार रे ॥ १८ ॥ तमे श्रीकृष्ण देव मा हाल ते म रे ॥ निसे पालक थावुं छे नेम रे ॥ रे
तेमो वर्णाश्रमना धर्म रे ॥ कपा श्री नाथ धर्म अतिपर्म रे ॥ १९ ॥ तेमरखावजो सौ ने तमे रे ॥ एम आगन्या करूं
छुं अमे रे ॥ करजो कृष्णनी पुजा नो ए विधि रे ॥ करि विठलेश्वे वली जे विधि रे ॥ २० ॥ तेतो श्री कृष्ण तमारे विषे रे ॥ विरा
जी रिया छे अहो निसे रे ॥ तेना व्रत उपवास जेम रे ॥ करवा ते सव करे छे नेम रे ॥ २१ ॥ तमे तो अत्यारजां सुधी णो छो घणुं
रे ॥ मारे मोनो वचन मुजत रणुं रे ॥ मारा स्थानक उपर रेवा रे ॥ नथी बिजा कोय तम जेवा रे ॥ २२ ॥ जे दिनाम मे नी र
ख्या छे तमने रे ॥ करवो छे मेंम नोरथ मने रे ॥ ते पुरो करो व रणिराट रे ॥ करवां जोग छो कोछुं ते माट रे ॥ २३ ॥ तमा
रा वैराग्य नी वात रे ॥ अती तिव्र छुं जांणुं छुं तात रे ॥ पण एणकाज तम थी था य रे ॥ बिजाने तेरा केम कहवाय रे ॥ २४
तमु जेवा नो तमे छो ए क रे ॥ अमे जो युं छे कवि वि वेक रे ॥ तम ने नि रलेप अती जांणि रे ॥ निर बंध जोइ कहुं वां
णि रे ॥ २५ ॥ वसन भुषण वाहन जेह रे ॥ ग्रहण करजो आपे जन नेह रे ॥ नीज जनती पुर जो सांमरे ॥ करजो रक्षा
तेनी आचो जांम रे ॥ २६ ॥ कली दोष लागवा म दे जो रे ॥ शरणागत ने उगारि लेजो रे ॥ तमे समर्थ छो तपोधन रे ॥
उधनारि ने करे वंधन रे ॥ २७ ॥ गुणे करी छो कृष्ण समान रे ॥ एम जांणी छे सउ ने दान रे ॥ अती धीरज णाणा अम
ने रे ॥ मारे मोटा करवा छे तमने रे ॥ २८ ॥ ए विसां भलो स्वामी निवां णि रे ॥ बोला प्रभुजी उदासि थां णि रे ॥ स्वामि तमा

॥ भक्ति० रिआगमाजेमरे॥ करवुं घटे सर्वेने तेमरे॥ २९॥ पणब्रह्मचर्यव्रतजेहरे॥ तेनेपालतोएवोकुंतेहरे॥ तेनेमां पृ. ४६॥
॥१०५ नवुं आवुंवचनरे॥ नथीसम्यथकुंभगवंनरे॥ ३०॥ लोकशास्त्रमांवातछेएविरे॥ ब्रह्मचर्यनेनंदवोजेवीरे॥ ते
नीगंधमुखथीनसेवायरे॥ तेनेपासेमेंकेमरेवायरे॥ ३१॥ वलीनारिनेसंगेसदायरे॥ मोटामुमुक्षुनेबंधथा
यरे॥ मुक्तपणपड्याएनेमलीरे॥ तेनिवाननमेंअवगणसांभलीरे॥ ३२॥ सौभरिनेवलीएकलशृंगरे॥ एनेसंगेज्ञा
नगोछेअनंगरे॥ कामशागेमांक्रोधजहोयरे॥ क्रोधसांमोहजाणवोसोयरे॥ ३३॥ मोहथीथायसंमृतीनासरे॥
संमृतीनासेबुद्धिविनासरे॥ पछेमोक्षनेमार्गथिपडेरे॥ एनेसंगेअधमगेचडेरे॥ ३४॥ माटेविषुछेएनासंगथी
रे॥ केमवचनमनासेएमुंथीरे॥ एनाविसवासमांजेरियारे॥ हतामोटातेपणछोडायापारे॥ ३५॥ जुवोन्निकने
ब्रह्मानीवातरे॥ लखीछेशास्त्रमांघेविख्यातरे॥ एनोजेणेविसवासकिधोरे॥ तेनेअंतरघातेगलेजीधोरे॥ ३६॥
काममक्रोधमदलोभमोहरे॥ भयशोकादिशत्रुसमोहरे॥ एहप्रगटेअंतरमांयरे॥ तेणेकरीकर्मबंधथाय
रे॥ ३७॥ माटेबुद्धिवानजेकेवायरे॥ तेणेएनेसंगेनरेवायरे॥ माटेप्रतितिनकरविमननिरे॥ एमसमकि
एपकुलनाजननीरे॥ ३८॥ जोदयायेकरेमनसंगरे॥ थायभर्तपेवेव्रतभंगरे॥ मारेअग्नीमांयेबलीजावुंरे
सारुंविषहलाहलखावुंरे॥ ३९॥ पणनारितणोपरसंगरे॥ अतीभुंडोजागेमुनेअंगरे॥ तेमदश्नलेगमतु ॥१०५॥

नथीरे॥ तेनीवातकरुंहवेकथीरे॥ ४०॥ मोटाधर्मवालोहोयजेहरे॥ थायभ्रष्टअमारुतेहरे॥ जुवोनेमीवत्रि
ष्ठनीवातरे॥ पुर्वनीपुराणमांविख्यातरे॥ ४१॥ श्रिधालोभेसांमसोमाष्यापरे॥ तेणेदुःखपांम्यादोषेपापरे॥ व
त्रिएतेवेशासतथियारे॥ नेमीजनकजीवधीगीयारे॥ ४२॥ एमदंभमांरियोसंतापरे॥ द्रव्यसारुथायछेउ
पापरे॥ माटेसमजुनेकरवोविवेकरे॥ त्योद्रव्यसमबंधनेएकरे॥ ४३॥ वलीदेशकालक्रियादेवरे॥ शास्त्रदि
क्षामंत्रसंगभेवरे॥ एसवलेतेहोयसवलुरे॥ अनेअवलेतेहोयअवलुरे॥ ४४॥ जेवुंसेवेतेवीथायमतरे॥
श्र करेकर्मपछेससरसमरे॥ कर्मप्रमाणेफलनेलहेरे॥ मारेविवेकिवेगलारहेरे॥ ४५॥ पीयेडायोभोलो
भोगपमदररे॥ थायेवेडघेलाजाणोसघरे॥ तेमदांमचामफेलेकरिरे॥ सत्वगुणिज्ञानीभुलेहरिरे॥ ४६॥ मा
टेस्वभाविकगुणजेहरे॥ द्रव्यत्रिपमांरमाछेतेहरे॥ एमस्वभाविकगुणहोयरे॥ तेत्यागवासंमृथनहीकोयरे॥ ४७॥ माटेएअसंगमांईक्यारेरे॥ स्वभाविकरुचीनरमारेरे॥ पणतमेत्यागम्याएकिधीरे॥ कहोकरु
हवेकोणविधीरे॥ ४८॥ पांमेबीतखेदअतीमारुंरे॥ कहोथायमारुंजेमसारुंरे॥ सर्वधर्मप्रभावनास्वामी
रे॥ तमेसेमृथछोबहुनांमीरे॥ ४९॥ माटेएमांमारुंसंछेकोमरे॥ एथीविजुंकहोस्रुखधामरे॥ एमनारायु
णमुनीजेहरे॥ कयुंपोतानुंहारदतेहरे॥ ५०॥ त्यागीपुनेदेवाउपदेशरे॥ एमबोलीयावर्णिदीनेशरे॥

॥भक्त०॥ एलोपोतेछेपुरुषोत्तमरे॥ जेनेनेतिनेतिकेनिगमरे॥ ५२॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानं प्र० ५७॥
॥१०६ दस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीनारायणमुनीयेपोतानीरुचीकहीएनामेर
छेनालीसमुंप्रकरणम्॥ ४६॥ पूर्वछायो॥ एवुंकहीस्वामीबोलीया॥ कहोहरिकहुंबुद्धिवांण॥ हाईतमारा
हृद्यातणुं॥ तेसर्वेजांणुमेंकरजोड॥ १॥ पणकुंकहुंतेविचारिकरु॥ वणविचारेनकरुंलेश॥ बंधथा
तोदेखुंजेहने॥ तेमेनाथुरगवोउपदेश॥ २॥ कुंपलाहमणांरिषीछउ॥ आपवित्रप्रयविमोहार॥ धर्मपला
ववासमथछुं॥ सर्वेवातमांनोनिरधार॥ ३॥ हवेपणेमारेजावुंथासे॥ भोमीलजीनेब्रह्ममोल॥ सीषामण
सदशिष्यजाणि॥ आपुछुंमलीअडोल॥ ४॥ चोपाई॥ मारोमनोरथसरवसारोरे॥ कहुंवचनतेरुदेधा
रोरे॥ तमविनाधर्मधुरजेहरे॥ बिजाथकिनउपडेतेहरे॥ ५॥ माटेमांनोवचनवर्णिरायरे॥ तमनेबंध
ननहियायरे॥ तमेकरसोजोमारिकहीवातरे॥ नईबंधाओकहुंछुंतातरे॥ ६॥ होयजुवतीजुथअपार
रे॥ तमेरेजोतेनारिथीन्यारारे॥ सदारेस्योतेमांनिरलेपरे॥ बिजानेतोबोलेचढेकेपरे॥ ७॥ तमेकंचनकां
तायेकरिरे॥ निश्चेनेबंधाओतमेहरिरे॥ तमनेसाक्षातसवितामलीरे॥ आप्योछेवरतमनेवलीरे॥ ८
सूर्यनारायणपद्धराजीरे॥ रथारुढीयेतमारेविराजीरे॥ तमेनारायणरुपकारिरे॥ निरलेपनेनिर ॥१०६॥

विकारिरे॥ ९॥ एवासमर्थछोसरववातरे॥ मारेकहुंछुंतमनेतातरे॥ बिजासर्वेसंतछेसारारे॥ पणएनेतो
राखवामारारे॥ १०॥ बिजाब्रह्मचारिसंतसोयरे॥ नारीवातसांभलसेकोयरे॥ थासेभ्रष्टजासेनर्कमांई
रे॥ तेमोकेरमजाणसोकांइरे॥ ११॥ मारेरक्षानेकरजोडनीरे॥ होयआश्रितमारातेनिरे॥ दुःखनारिथिउ
गारिलेजोरे॥ एविसीषामणनीसदेजोरे॥ १२॥ कहुंसांभलजोसहुजनरे॥ एममनावुंगुरुवेवचनरे॥ इ
छानथीतरमांइजेनीरे॥ वातमनाविस्वामीयेतेनीरे॥ १३॥ जारेआगन्यामांनिरधारुरे॥ तारेस्वामीबोल्यावि
स्तरुरे॥ सर्वेसंतनेकहुंबोलाविरे॥ सांभलोशिष्यसरवेआविरे॥ १४॥ आजथीनारायणमुनिजेछेरे॥ आज
थीमारेठेकाणेरेछेरे॥ मांनजोसहुआनांवचनरे॥ जेहआश्रितहोमाराजनरे॥ १५॥ तारेसर्वेजनेजोड्याहा
थरे॥ साहमांनुंआमेमारगनाथरे॥ तारेहरिपोतेउभाथयारे॥ गुरुआगेहाथजोडिरियारे॥ १६॥ तारेस्वामी
केहुंछुंप्रसंनरे॥ मागोमुजपासेथीवचनरे॥ एविवसादेवस्तनेकांयरे॥ जेमागोतेआमेनथापायरे॥ १७॥
अतिहेतेभर्यांकरवसदनरे॥ एवांकहणांस्वामीनांवचनरे॥ पछेबोल्याछेवरणिराटरे॥ स्वामीप्रसंनजांणपाते
माटरे॥ १८॥ स्वामीवरदेवाजोगजोहउरे॥ तोकरजोडितमनेकहुंरे॥ मागुंप्रथमएगुरुरायरे॥ कृष्णचरणकंजे
प्रीतथायरे॥ १९॥ वलीहरिजननेदोषदुखरे॥ थायपशुनेएभोगवेकृष्णरे॥ कृष्णभक्तजोपुर्वनेकर्मेरे॥ पांमेअंत्र

॥भक्त० नवरूपरिश्रमेरे॥२०॥एनोकष्टआवेमुजमांइरे॥एहकष्टमोरहेसदाइरे॥रुडीहरिकथाहरिजंनरे॥तेनो प्र·४७॥
॥२०७ संगदेजोनीसदंनरे॥२१॥वलीहरिनागुणनेविषेरे॥मारिवांणितेरेजोहमेरोरे॥कृष्णकथामांरेजोआकां
नरे॥हरिसेवामांहाथनेदांनरे॥२२॥हरीसंमृतीमांमारुमनरे॥मागुछंकुरेजोनिसदंनरे॥कृष्णइष्टमांइ
मारांनेणरे॥मागुछंकुरेजोदिनरेणरे॥२३॥देहअंतःकरणक्रियायेरे॥नीसहरिनीभगतीथायरे॥एहमा
गुंतेदेजोउमंगेरे॥केदीराघसोमांकुष्टनेसंगेरे॥२४॥एटलावरमुजनेदेजोरे॥मारिप्रारथनाकृणिलेजो
रे॥एवुकृणिबोल्यागुरुवांणिरे॥शुद्धआसेवाजाशिष्यजांणिरे॥२५॥कयुंमनोरथजेतमारोरे॥निश्चेपुरो
थासेउरधारोरे॥एवोवरवरणीनेआपिरे॥राख्यापोतानेठेकांणेथापीरे॥२६॥पछेशिष्यलइनीजसाथ
रे॥आव्यागंमफरोणिथेनाथरे॥तेदिहलोएकादशिदंनरे॥कर्युंउछवसोमळीजंनरे॥२७॥द्वादशिथेस
तविप्रजंनरे॥तेनेकराविया छेभोजंनरे॥आप्यांविप्रनेकंदरदांनरे॥कर्युंभद्रानदिमांयेस्नांनरे॥२८॥वे
ठाएकांतपद्मासनेरे॥कृष्णमुरतिचितविमनेरे॥करीसमाधीकृष्णमांरइरे॥तारेदेहनीविस्मृतीथइरे॥
२९॥पछेश्रीकृष्णइछायेकरिरे॥उद्धवजीयेदेहप्रहरिरे॥गीयाविसालाप्रेमेतेवलीरे॥पुर्वेहतितेविदेह
मळीरे॥३०॥पोम्यासिद्धदेहतेदवाररे॥कृष्णभक्तीकेरवानिरधाररे॥संवतअढारवर्षअवावंनरे॥जनक ॥२०७॥

मागाशरकृदितेरसनेसंनरे ३१ वारदेवगुरुदनजांणोरे मुक्युंतनतेदिपरमाणोरे

रतोतांकिर्तनरे॥तेनेजणाएयुंतजीयुंतंनरे॥३२॥जोइनाडिचालतांनजांणिरे॥तारेजंननेआव्यांआंखे
पांणिरे॥मळीजंनकरेबहुसोकरे॥कहेतजयुंउद्धवेआलोकरे॥३३॥जांणुंसौवेहराधांमगीयारे॥एवुंकृणि
नेव्याकुलथीयारे॥रुवेजंननेणेभरिनीररे॥कोयधरिसकेनहिधीररे॥३४॥हावनावहसवुंसंभारिरे॥मीठी
बोलनीमनमांधारिरे॥मनोहरमुरतीविचारिरे॥बहुरुवेछेनरनेनारिरे॥३५॥वलीवरणीआद्येजेसंत
रे॥सर्वेसोकातुरछेअतंनरे॥पछेनारनेआव्यासांजंनरे॥लाव्याअबीरगुलालचंदनरे॥३६॥पुजानेवंद
नाबहुविधीरे॥शास्त्रप्रमाणेसरवेकिधीरे॥पछेकरीकंदरवेमांनरे॥तेमांतनवेसारयुंनेदांनरे॥३७॥ल
इचालाभद्रानदिकांठेरे॥विप्रविष्णुभक्तकरीपाठेरे॥झांझमृदंगगावापछेजंनरे॥गायामांइपापछेरुदनरे॥
३८॥मछेभद्रावतितिरेगीयारे॥सोधीकंदरभोमीकानीयांरे॥तीयांउतारिवेमांनजंनरे॥लाव्यातुलसीपी
पळोचंदनरे॥३९॥एहकाष्टतणीचीतारच्युंरे॥नवरावितनेघीचरच्युंरे॥चितामांपधराव्युंतेवाररे॥कर्यो
कृष्णेअग्निसंस्काररे॥४०॥बहुघृतेहोमीबालीदेहरे॥नाखीबांनीजलमांइतेहरे॥सर्वेशास्त्रविधीकरि
स्नांनरे॥आव्यासर्वेमनीजस्थांनरे॥४१॥पछेतेदिउपवासकरीरे॥बिजेदिवसलरवीपनरिरे॥कृणिसर्वे
साधुहरिजंनरे॥अतीव्याकुलथीयाछेमंनरे॥४२॥कर्यांस्नांनतजांघरकामरे॥मळीआव्यांछेफरीतिगां

॥भक्त०॥ मरे॥ नयणे वरसे छे आंसुनी धाररे॥ स्वामी मांहे छे स्नेह अपाररे॥ ४३॥ घडि घडि नां सुख सांभरे रे॥ तेणे अं प्र० ५८॥
॥२०८॥ तरमां आसु रोफ रे रे॥ लुइ लुइ नेना खेंछे निररे॥ अती सोके छे मन अधीररे॥ ४४॥ ब्रह्मभावने पांम्या उद्धव
स रे॥ करे बोसोक ते नो ते अभावे रे॥ तोय समतो न थीत न तापरे॥ करे वि जोग मांहे विलापरे॥ ४५॥ तेने जोर ना रा
यण मुनी रे॥ करे छे मनुवार सउनी रे॥ आपी धीरज उठाड्यां जनरे॥ एम करतां थियां बि जां दनरे॥ ४६॥ तेदि
वसथी तेरमा सुधी रे॥ वांची गीता ते विप्र सुबुद्धि रे॥ शास्त्र विधे एक पुराण वुं अनरे॥ तेनुं करुं छे सौ वे भोजन न
रे॥ ४७॥ पालवानुं पालु आधकि धुंरे॥ दांन दे वानुं ते दांन दिधुंरे॥ करवुं वारमुं जेम घटी तरे॥ जमाड्या वाड्व
करी प्रीतरे॥ ४८॥ तेर मे त्रीसवर णिसाथरे॥ जमाडि आप्यांव स्त्र तेहा थरे॥ पछे आव्यां सतां हरिजं नरे॥ ते ने प
ण कराव्यां भोजंनरे॥ ४९॥ वली तह गांमनां रे नाररे॥ तेह पण जम्यां नरनाररे॥ पछे सर्वे मली हरिजंनरे॥
कर्युं कल्प देवनुं पुजंनरे॥ ५०॥ सुंदर वस्त्र घरेणा पेरा विरे॥ पुजा माहा राजने प्रेमला विरे॥ गीता नां वां चना
राने वली रे॥ आप्यां वस्त्र द्रव्य सौ वे मलीरे॥ ५१॥ जथा जोग्य क्रिया सर्वे कीधि रे॥ जेम कर छे शास्त्र मां विधीरे॥
तेना खर चुत णुं जेथं नरे॥ भक्तिआपु मली सउ जंनरे॥ ५२॥ नीज पोताना प्रमांण सो गन स्तेरे॥ खरचउपाडि ली
धुं समस्तेरे॥ थी थो उछव पुरण जारे रे॥ दिन चौद मो थी यो छे ता रे रे॥ ५३॥ इति श्रीमदेकांतिक धर्मप्रवर्तक श्री ॥१०८॥

चा सहजानंदस्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये स्वामी रामानंदे देहत्यागी हरि नामे सउ
नाली समुं प्रकरणम्॥ ४५॥ पुर्वछायो॥ सुंदर सारि कथा कहुं॥ तार पछी नी जांणो जेह॥ अती चरित्र अनु
पछे॥ सौ सुण जो करि स्नेह॥ १॥ सत संगी स्वामी तणा॥ भीरमल अतिन रना रु॥ हरि वेग समा करि॥ ला
गि से तन ग्रह सुख व्रह्म र॥ २॥ मुख आगे मुकुंद आदि॥ वेगा वडभाग सदाचार॥ तार पछी मुक्तानंद आदि॥ वेग
संत सुजांण॥ ३॥ तार पछे मयाराम आदी॥ वेगा द्विज सुजांण॥ तार पछे मुलजी आदि॥ वेगा क्षत्री
प्रमांण॥ ४॥ चोपाइ॥ वेगा वैश्य पर्वतादि जेह रे॥ शुद्र कालानाई आदि तेह रे॥ वेगा पुरुष पुरुष मां म
लीरे॥ तेके डे वेठी बाइयुं मं डलीरे॥ ५॥ द्विज लाड कि आदि जे बाइ रे॥ वेठी जेम मन अड्रे को ई माइ रे॥ द्विजा श्र
श्रित जन छे जेह रे॥ वउ मली वेठां सउ तेह रे॥ ६॥ सर्वे हाथ जोडि पाये नमे रे॥ अमारा गुरु मुरती छो त
मे रे॥ वली से जे आपो छो आनंद रे॥ माटे सर्व ने नाम सहजानंद रे॥ ७॥ सदगुणे सोभावुं छो धांम रे॥ वली त
मे छो स्वामी ने ठांम रे॥ मारे आम ने जांणि तमा रो रे॥ के जो सीख नां वचन सारां रे॥ ८॥ प्रभु तमारि आग
न्या विषे रे॥ रेशुं अधा ये सही तह मे त्यो रे॥ माटे के वुं घटे तेम के जो रे॥ मारि सुख नी सीषा मणा दे जो रे
॥ ९॥ एम सौ मली ने कहे जंनरे॥ ते ने सांभसां ना थे वचनरे॥ पछे बोल्या नारायण मुनी रे॥ सीषामण पहेल

॥भक्त० कारिसतनी रे ॥१०॥ कथुं धर्मशास्त्रने वचने रे ॥ धर्म मांय राखवा जंनने रे ॥ कहे नरदेवने पोतरे ॥ शेष प्र- ४८॥
॥१०८॥ शास्त्री स्फरने इतर रे ॥११॥ जे जे पांम्यां स्रुखने मोटा इरे ॥ ते तो रे ना थकां धर्म मांई रे ॥ कथुं स्रुति सम्रुती मांरा
मरे ॥ सखधर्मने मुकि पेके मरं रे ॥१२॥ ते तो मोटा पुरुषने मले रे ॥ तारे सौ सौना धर्म पले रे ॥ ते वा स्रुदेव मा
हात्म मांइ रे ॥ कथा छे स उमा धर्मस्मां इरे ॥१३॥ एम उद्धव स्वामिये कथुं छे रे ॥ ते सर्वे मारे हृदये रथुं छे रे ॥ मा टे ध
र्मने स उ अनुसरो रे ॥ भावे कृष्णनी भगति करो रे ॥१४॥ पालो एट ली आगन्या मारि रे ॥ जेणे स्रुखी थाओ
नरनारि रे ॥ एह सौ आमरुपनां वचन रे ॥ सर्वे रुदामां धारजो जंन रे ॥१५॥ वली शाकुनजी वनिशिते रे ॥ सोक स्वा
मिनो मकरोचिते रे ॥ एनुं अखंड रुप अविनास रे ॥ ते तो केदी ये न थाय नास रे ॥१६॥ पाय थगुण स्रमी मी थे मारा
जन रे ॥ ते तो जीव ना क स्मारा काज रे ॥ एनुं उद्धवने अवृधर्म्यां न रे ॥ ते तो स्वतंत्र परो नेदां न रे ॥१७॥ परा काल क
र्मने व शारे ॥ नो य जीव पेरे परवशा रे ॥ एम समके छे दे वि जेजंन रे ॥ आ कृ रिमोह पामे छे मेनरे ॥१८॥ मा टे ए
सो कने स रवे तजो रे ॥ प्रसक्ष परमेश्वरने भजो रे ॥ मांनी मनमांए उपदेश रे ॥ हवे जावो सौ देश प्रदेश रे ॥
१९॥ कुं पराण जाउ छुं पुर धांम राजी रे ॥ तम रे जो स उ जंन रा जी रे ॥ कहुं सां भलजो स उ जंन रे ॥ एम बोल्या प्रभु
जी वचंन रे ॥२०॥ कृणि सोक तजो स उ जंने रे ॥ जो एणा प्रभुजीने गुरुमंने रे ॥ पछे गीधा घेरुस्रुन रनारि रे ॥ रुदे ॥१०८॥

हरिनी मुरती धारि रे ॥२१॥ हरिनी जग गुरुने विरहे रे ॥ चीते क्षोभने दुखछे देहे रे ॥ पण अंतरदृशीने करि
रे ॥ धारि रिया छे धीरज हरि रे ॥२२॥ पोते हृद्यो सरवेनो सोक रे ॥ मा टे हरि नाम कहे जो क रे ॥ पछे स उ सत
लरसा थरे ॥ सां थी चाल्या नीलकंठ नाथ रे ॥२३॥ धर्म प्रवर्तवा मां छे चित रे ॥ आव्या धीराजी संते सहीत रे
ती पामती हे ते करी जंन रे ॥ कलुं प्रभुजीनुं पुजंन रे ॥२४॥ दरदर्शन आव्या भाइ रे रे ॥ नीज जन पर के रि
मेर रे ॥ सो थो मा रा गावद र गया भाथ रे ॥ निर्विजंन सौ थपास ना थ रे ॥२५॥ सां थी थी पला णा भांपधार्या रे
जनने मनमोद वधार्या रे ॥ सां थी आव्या गांमअ गत्राइ रे ॥ जीपां भक्त छे पर्वत भाइ रे ॥२६॥ सां थी आव्या गां
म कालवांणि रे ॥ नीज दास पर दया आंणि रे ॥ कृपांए कदीन कृपां दो परे ॥ कीयां चरण दन रमा सोयरे ॥२७
सौने ज्ञान आपी समझाव्या रे ॥ पोते पोताने धर्मे र खाव्यां रे ॥ पोते गुरुनी आगन्या मांनी रे ॥ वेगा वाहन
पर कृष्ण दानी रे ॥२८॥ भारे भारे व स्रुने भुशा न रे ॥ पेस्रां जंन हते ते जिवं न रे ॥ स्त्रीपुंने धर्ममां रखावा रे ॥
बोल्या ते स्रु ते ने स्रुख थावा रे ॥२९॥ कथुं मोटि उपाधीनुं म्रणा रे ॥ पण रतीन थी अंतः करण रे ॥ कोप सम्रे
ने कोप ठे कां ए रे ॥ नथी आ सक्त सौ जंन जाणे रे ॥३०॥ सर्वे धर्मने स्थापवा काज रे ॥ गीधा मा गरे ले महा
राज रे ॥ सेर वाल छे स्रुद रवट रे ॥ सो ने सांधुनी र स्रानी कट रे ॥३१॥ कथुं एकांत वडे आसन रे ॥ ती पां आ

थोछेजीज्ञाक्षजंनरे ॥ करीदर्शनपांम्याआनंदरे ॥ वृध्योहर्षजोरजगवंदरे ॥ ३२ ॥ तीयासंतवसेछेसमोहरे
जेनेकोमक्रोधनइमोहरे ॥ आपकानंदसुरुपानंदरे ॥ एहादिनिर्खिपांम्याआनंदरे ॥ ३३ ॥ गोवरधनदामो
दरजेहरे ॥ रामचंदक्षरचंदतेहरे ॥ रतनजीआदेजेवणिकरे ॥ क्षत्रीमनछाराममक्तएकरे ॥ ३४ ॥ धनजी
माधोआणंदभाइरे ॥ त्रीकमनेराजुभाणबाइरे ॥ एहादिजनसुखअपाररे ॥ सउआविवेठांनरनाररे ॥ ३५ ॥
करेसैवेपुछेसमाचाररे ॥ भलेपधार्याप्राणआधाररे ॥ तेहप्रेमेहरिधीरररे ॥ जेमछेतेमवारताकहेरे
३६ ॥ कहुंस्वामीरामानंदजेहरे ॥ गीयास्वधांमममांतजीदेहरे ॥ कणिसर्वेसोकातुरथियारे ॥ स्वामीआपण
नेछलीगीयारे ॥ ३७ ॥ तारेहरिकेसंतक्षजांणरे ॥ प्रभुरियाछेपगटप्रमांणरे ॥ बउसम्रथछेबालजनांनारे
सौजोएसेनैरहेछांनारे ॥ ३८ ॥ रामकहेनेधिरजआपिरे ॥ सोकस्वामीनीकोरनोकापिरे ॥ पछेवाव्यतीपांए
कहतिरे ॥ जेनुंसाउजलमीठुंअतीरे ॥ ३९ ॥ तेतोकालेकरिनेखुरांणिरे ॥ नाचेकामेतेकोपनेपांणिरे ॥ तेतो
गलाविआवेमहाराजेरे ॥ सउनेजलपीवानेकाजेरे ॥ ४० ॥ काढ्योगालनेजलनीसरयुंरे ॥ पछेकह्युएवाव्यनुं
भरयुंरे ॥ कह्योमोटोउछवनेदंनरे ॥ तेदाब्राह्मणकरवाभोजंनरे ॥ ४१ ॥ थोडोघणोलीधोसुराजांमरे ॥ आ
दर्युंतेपरमोदुंकांमरे ॥ द्विजसरनासउनोतर्यारे ॥ तेतोमनमांम्यामोदकस्यांरे ॥ ४२ ॥ तिर्थवासीनेकाजेत ॥११०॥

क

पाररे ॥ कह्योसीरेपुरिनेकंसाररे ॥ सतसंगीनेकयुंवचंनरे ॥ जमोआजउछवनुंअंनरे ॥ ४३ ॥ कहेकेविस्वा
सीकेमथासेरे ॥ सीधुखुदसेवेलाजजासेरे ॥ पएानसुंदुंमीधुनेजोदरे ॥ नाविदालमसालानीखोटरे ॥ ४४
जम्याद्विजसजारुहजाररे ॥ बिजासतसंगीजम्याअपाररे ॥ रुडीरितेसंकल्योसमैयोरे ॥ तेतोकेमजायमु
वेकेंयोरे ॥ ४५ ॥ देवुतानिचपतीनेकाजेरे ॥ कराओहोमदचनमाराजेरे ॥ करतांपुजनदेवतातरांगुरे ॥ दिवु
जंनेसोआछुपंघरांगुरे ॥ ४६ ॥ सतसंगीसाधुसउकोइरे ॥ सउरयातांहरिनेजोइरे ॥ सांतोयमुंअलोकिइस
नरे ॥ जोइमगनथियांछेजंनरे ॥ ४७ ॥ हिंगचारेआयुधचारेहाथेरे ॥ सारोमुगटधर्योछेमाथेरे ॥ पेर्यांपी
तांवरहेमरुपरे ॥ घनश्यांममुरतीअनुपरे ॥ ४८ ॥ श्रीवच्छचिंनसोभेछेघरांगुरे ॥ एवुंउसनयमुंहरिलगांरे
तेनेउगवेपउखेदयालरे ॥ हिरिम्बेलमुरतीविशालरे ॥ ४९ ॥ चारमुखनेअसछेउगारे ॥ चारहायनेचार
छेपगारे ॥ जोडिरियाजुगकरआगेरे ॥ महीएकेपुजाअनुरागेरे ॥ ५० ॥ एकहायमांछेधर्मत्राणलरे ॥ स्वेतां
बरेसोभेछेसुंदररे ॥ अंगोअंगेसोभेअलंकाररे ॥ रत्नजडितमुगटसाररे ॥ ५१ ॥ अतीज्ञानएवाधर्मभालीरे
जोयुंजमणिकोरेनीहालीरे ॥ दिवांद्विभुजवालांभगतीरे ॥ वस्त्रघरेएसोभेछेअतीरे ॥ ५२ ॥ गोरतनकनक
करथालीं ॥ पुजाविधीलिधीछेतेमालीरे ॥ एवांविष्णुभक्तीधर्मजोइरे ॥ पांम्याविस्मेजंनसउकोइरे ॥ ५३ ॥

॥भक्त०॥ कहेमनुष्याकारस्यामोरारे॥एवुंदिवुंछेमुकुंदनेवारेरे॥पछेपुजाविधीपुरीथियोरे॥सर्वेजननेमोदस्यावियो प्र· ७८॥
॥१११॥ रे॥५४॥पछेवेदविप्रजेब्राह्मनेरे॥विप्रजांमस्यांतांजेबहुजनरे॥करिनिस्चेथीपास्याश्रितरे॥रिपांवचनमां
करीप्रीतरे॥५५॥मेलीबिजादेवनीउपासरे॥थीयांश्रीकृष्णदेवनांदासरे॥एमनीजरीणेस्युर्येस्चनुपरे॥देखा
डुंएपकारडुंरुपरे॥५६॥जोइब्राह्मणनेविजेजनेरे॥हदनिस्चेकरिलीधुंमनेरे॥एहदेखाडयोपोदप्रता
परे॥जोइजनमगनथयामांत्यापरे॥५७॥कनुवसंतसमाचेविषेरे॥कर्युंचरित्रएजगदिनोरे॥एहचरित्र
श्रीहरितणुंरे॥कयुंथोडुंनेरयुंछेघणुंरे॥५८॥इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशि
ष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येमांगरोलेमहाराजेउछवकर्योएनांमेअडतालीसमुंप्रक
रणं॥४८॥पुर्वछायो॥सुभमतीसहुसांभलो॥अतीपावनपीकृष्णदेव॥तारपछीनीवारता॥कहुंसांभलोस
हुतत्खेव॥१॥अतीसांमथीवाधरे॥जनमनमनावाकाज॥जोकुमांआलोकीकपएमुं॥देखाडेमहाराज
२॥जेकृष्णनकृष्णएंउंश्रवणे॥नयणेनदिठुंनिरधार॥तेहकृष्णआलोमीमां॥भोगवेछेनरनार॥३॥तेहप्रता
पश्रीहरितणो॥जांणेजननसहुकोय॥तारपछीनीकथाकहुं॥सहुसांभलजोचीतप्रोय॥४॥चोपाइ॥प्र
भुसांमथ्यकृष्णनाधांम॥वेगासंतमोटघनश्यांम॥करेध्यांनधारणानीवात॥कृष्णजनथायरजीयात ॥१११॥

५॥पछेथीपायोइगघणादंन॥बेसेसंतनेकरेभजंन॥सोतोध्यांनमांदिठादयाल॥सहजानंदजनप्रतीपा
ल॥६॥जेनाएकएकअंगनेहांन॥कोटिकोटिस्करशशिसमांन॥नीसरेछेतेजनासमोह॥घनश्यांममुर
तीछेसोह॥७॥अंगेपेर्यांपीतांबरनाथे॥मोरमुगटधर्योछेमाथे॥कौस्तुभमणिवेजंतीमाला॥दिव्यघरेणां
सोभेछेरुपाला॥८॥बेठहाथेवजाडेछेवेण॥एवाश्रीकृष्णदीठाकृष्णदेण॥पर्युंएवुंसाक्षातकाररुप॥जांणे
प्यापुर्णपुरुषोतमभूप॥९॥पछेकरीपरस्परवात॥थीयासंतसर्वेरलीयात॥सेजेसेजेआपेछेआनंद
कृष्णदाइस्वामीसहजानंद॥१०॥सेजेसेजेथायछेसमाध॥जेकोयदेवनेछेसोद्रुगाध॥पछेचलाव्युंएज
प्रकर्ण॥थायसमाधीहोयसंमरण॥११॥बालजोबनमनेब्रडवली॥थायधारणानेपडेढली॥द्विजक्षत्री
वैश्यशुद्रचारि॥होयकोयेनरवलीनारि॥१२॥पडेनजरेथायप्रांणलीन॥मरहोयकोयजोमलीन॥रां
मउपासीरांमनेदेखे॥कृष्णउपासीकृष्णनेपेखे॥१३॥नृसीघउपासीदेखेनृसंग॥देखेइष्टथायदढे
ढंग॥शिवउपासीदेखेशिवने॥थायदर्शनामजीवने॥१४॥देविउपासीकदेखेदेवि॥आवेध्यांनमांमु
रतीएवि॥आवेजेनदेखेतीर्थंकर॥वलीमलेछपेखेपेगांबर॥१५॥पीरउपासीदेखेपिरने॥विरउपासीदे
खेवीरने॥देखेब्रह्मनेब्रह्मउपासी॥एकरसचिदघनरासि॥१६॥वांमनउपासीदेखेवामंन॥लछमनउपा

 सिद्दे देखे लछमन ॥ देखे हनुमान नाहनुमान ॥ पापमारगी ने धणीनुं ध्यांन ॥ १७ ॥ सुर्यउपासी सुर्यनी हाले
 भैरवउपासी भैरवभाले ॥ एम आपआपणा जेदेव ॥ देखे ध्यांनमां तत खेव ॥ १८ ॥ होय पापी ते देखे कृतांत ॥
जेवुं देखे के ते तेवुं वृतांत ॥ कोय देखे छे जोषगणीजा ॥ यायधारणा एम हमेशा ॥ १९ ॥ देखे सुरपुर कइलास ॥ को
यसतलोक वैकुंठवास ॥ कोय गोलोक ब्रह्मनगरि ॥ एम देखाडे ध्यांनमां हरि ॥ २० ॥ कोय देखे देहनुं स्वरु
प ॥ महा मलीन जांणे नर्ककुप ॥ देखि पोतानुं पारकुं मन ॥ जेम देखे तेम कहे जन ॥ २१ ॥ एम देखाडे आपतापथ
णो ॥ सउजांणे आमहाराजतणो ॥ देखे नाथने नाडि तणा चे ॥ निर्विस्वामी ने समाधी थाय ॥ २२ ॥ पछे सउ
ने वात साची लागी ॥ थीया सतसंगी मतपोते त्यागी ॥ आ रे संप्रदाना संत आया ॥ जांणि कृपा ए स्वामी
ना काया ॥ २३ ॥ तेने सिखवे छे जोगकला ॥ सीखे जन मली तेसंगला ॥ जेजे देखे समाधमे साक्षात्‌ ॥ सुणो
सउ कहुं तेनी वात ॥ २४ ॥ राधा पार्षदादि व्रजपती ॥ देखे गोलोकमां करी गती ॥ वैकुंठ रमामे पारसद ॥ दे
 खे समाधी मांहरि सद ॥ २५ ॥ कोय देखे मपुरुषप्रभेव ॥ स्वेतद्विपमुक्तवास देव ॥ रमा पारसद भुमापुरु
स ॥ देखे तेजमंडले सजस ॥ २६ ॥ कोय नरनारायण कृषी ॥ देखी विशालाने थाय खुसी ॥ कोये जोगेश्वर
भगवान ॥ तेनुं करावे जनने ध्यांन ॥ २७ ॥ क्षीरसागरे कमलासाथ ॥ देखे सेषापर सुनाना थ ॥ कोय देखे हि

रणमय शोभ ॥ अर्कचांद्र सहीत सुषधांम ॥ २८ ॥ यज्ञपुरुष रुपजन जोइ ॥ मांने सौ तुं कारण हरि सोइ ॥ कोय
नारि वांणवे संकेजी ॥ देखे प्रगट पुरति रसीजी ॥ २९ ॥ पांणरारखवा सागवा तनी ॥ थीया स्वतंत्र जंन सेम्न ॥ थ
कोय सिंहासन पद्मासन ॥ जांणे विरवु आसनजन ॥ ३० ॥ स्वली स्वासने राखि प्राण ॥ थाय तन समका
ष्ट पाषाण ॥ बालजुवा वृद्ध त्रियाजेह ॥ ध्यांनमां थीन निसरे तेह ॥ ३१ ॥ ते मांथी केने पोरे जगाडे ॥ केने दो
पोरे केने दीहाडे ॥ केने पक्षमासे मासे सोय ॥ जागे त्रण च्यार मासे कोय ॥ ३२ ॥ थोडे काले बौ काले उचा
डे ॥ त्राहे संकल्पे जोर जगाडे ॥ कोय नजागे नावे देहमां ॥ तेने जोरे आवे तनतेमां ॥ ३३ ॥ कोय ब्रह्मपुरवे कुं
व जेह ॥ करे गोलोकनी वात तेह ॥ स्वेतद्विपनी लोकनी थाली ॥ कहे सुरासुरस्थान भाली ॥ ३४ ॥ कहे स्वं
नभ्रजे हरिहरनुं ॥ कहे लोकालोक पीपरनुं ॥ भुगोल खगोलके पाताल ॥ उसनी थी तिने वुले काल
॥ ३५ ॥ एवा जोर पाकी स्थीती वाला ॥ तेने सीष वे छे पोगकला ॥ सीषवे नाडि खेची ने मेले ॥ सर्वे अंगे थी प्रां
ण संकेले ॥ ३६ ॥ एक अंगे लावे जीव प्रांण ॥ एम सीषवे सउ ने सुजांण ॥ पछे अंग कापे वाले कोय ॥ तेनि पं
डे पीडा लेश नोय ॥ ३७ ॥ कोय रियामुंत्र ढली करि ॥ कोय देखे ढली आगे हरि ॥ कोय एकने त्रेमुर्ति ला
वे ॥ कोय रोयडगमां देरावे ॥ ३८ ॥ कोय उत्तरां पलरावे नेरा ॥ एम सीषवे छे सुखदेरा ॥ तेमां मुरतीमा देखी

॥भक्त० नजाय॥ अक्षी विद्याए नाम केवाय॥३९॥ फेरि नेत्र ताणी नाडि शोधाण॥ एह अक्षी विद्या नुं राधंणा॥ अनि प्र० ७७॥
॥११३ मेष्टा रहे दृग दोय॥ एवुं सीखवे श्रीहरि सोय॥४०॥ षटचक्र मांथी चक्र एक॥ सीखवे प्राणरुंधवा विवेक॥
एकुचक्रे रेरु कारणे वीरुश्व॥ एकुचक्रे रेरु गणे प्राणव॥४१॥ ईडा पींगला सुषुमणा नाडी॥ तेने मारगे चलावे
दाडि॥ रविचंद्रनुं लोक पमाडे॥ कोयने क्रूर पुरंदे खाडे॥४२॥ करावे अन्न तन मांप्रवेश॥ जोगे परनामन
निश्चेश॥ वली परना प्राणा करे रुद्ध॥ एवुं सीखवे जनने सबुद्ध॥४३॥ जोगे परना अंत्र नी ल्हापे॥ तेतो श्री
हरिने प्रतापे॥ एवो प्रताप नजाय कैये॥ सउ विचारि रिया छे हृदये॥४४॥ पछी वात चाली गांमोगांम॥ कहे
त्रगत्या पुरण काम॥ वली बांधा सदाव्रत बहु॥ करणे सउनां मतेनां कहु॥४५॥ माणावदरी जमां गरो
दे॥ थायती र्थवासी तीया होले॥ अगराश्माईश्वरो राजी॥ तीयां जमे साधु थाय राजी॥४६॥ जामवाली भु
जनेन गर॥ फरेणि सोकली जेतपर॥ कोटडुं गढडुं कारियांणि॥ आदे तीर्थवासी तीयां तांणि॥४७॥ जे
तलपुर ने श्रीनगर॥ एह आदि विजाव रूपुर॥ दियेसदाव्रत दे दे कार॥ सर्वे जन करे जे जे कार॥४८॥ एम
आनंद उछव थाय॥ गुणश्री हरिजीना गवाय॥ पछे महाराज के मुनी राय॥ आपेजा संत संग मांय॥
४९॥ तमे राजी आनंद मोरे जो॥ फरि रिसे सदाव्रत दे जो॥ एम कर स्वामी सहजानंद॥ चाल्या जनने देवा ॥११३॥

आनंद॥५०॥ सो थी आवा मेघपुर मांय॥ मल्या मुक्तानंद स्वामी सोय॥ तेतो गीपाहता कछदेश॥ दे वासी
ने सारे उपदेश॥५१॥ तेले करिती समाधी कांने॥ तोती मनाणि मायाने आंने॥ तेनावो मन मां फोमन रह
बोल्या सत संगनो पक्ष लइ॥५२॥ कहे सोनी समफल्प काची॥ मांनी जु छि समाधीने साची॥ आरलादेन
सत संग करि॥ घडिक मां मती केम फरी॥५३॥ महाराज दिधो पाखंड मेली॥ सतसंग मां न पावुं फेली॥
समाधी कांयन थी सोयेली॥ मोटा जोगीने पण दोयली॥५४॥ तेतो जेने तेने केम थाय॥ विज्ञामां ने भ्रमे नम
नाय॥ पछे हरिवो साधिरा रह॥ मुक्तानंदजीने वात कह॥५५॥ कहे सो मजी करे छे जंन॥ स्वामी रामानंदनुं
भजेन॥ ते मांथी एने जरणानुं हसे॥ तेतो चार सो पणाते म के से॥५६॥ एम वात करी बउ चार॥ पण मना णि
नहीं लगार॥ पछे पासे हता संत दास॥ जेने अंतरे छे परकास॥५७॥ ते मेले सात्ता धारणा मांय॥ नाडि
प्राण रियां न रे कांई॥ कहे मुक्तानंद ने श्रीहरि॥ जुवो धारणा धीरजे करी॥५८॥ जुवो हाथने पग निना
डि॥ जो जागे तो उवाडो जगाडी॥ मुक्तानंद जिये करो विचार॥ न थी वात खोटि निरधार॥५९॥ आवुं न
दिठुं ने नसो भर्युं॥ तेतो केम करी जाय कर्युं॥ पछे महाराज तेने जगाडि॥ कयुं वात करो चित्त पाडि॥
६०॥ संतदास न्या छे सम बोल॥ कहे दिठा में ब्रह्म मोहोल॥ ते मां मुरती दिठी में तोय॥ उद्धव ने श्री कृष्ण

॥भक्त०॥ निसोय ॥६१॥ उद्धवते रामानंदरूप ॥ श्रीकृष्ण ते श्रीहरिस्वरूप ॥ शिवब्रह्माने सनकादिक ॥ बिजा ऋषि प्र. ४७॥
॥११४॥ मुनिसांभअनेक ॥६२॥ एहादिक उमुक्तसमोह ॥ तेणेविठाादिवाएहदोय ॥ एहदोपछे तेजनो पुंज ॥ को टिकाना
अर्कनाशिस्कंजे ॥६३॥ तेजनेजतेजनी पांश्चनी ॥ तेमांदिठीएहदोयमुरति ॥ स्वामी रामानंदवोल्या
एम ॥ मुक्तानंदेमांनुंनही केम ॥६४॥ साचीवातजुवि केमथासे ॥ अंतेसांचुंहसेतेमनासे ॥ वलीबि
जाजे समाधीवांन ॥ तेणेएतुंएकथुंनेहांन ॥६५॥ वलतामुक्तानंद कह्युं कांय ॥ पछेजोयुं छे अंतरमां
य ॥ हतोपोतानेजेनो विश्वास ॥ तेदिठाजेठोमाधवदास ॥६६॥ माधवदासे करिवात मोटि ॥ मांनोमुक्ता
नंदनेथी खोटि ॥ मुक्तानंदसंसेवृतथीपा ॥ पांथोसोकाल्लवांणियेगीपा ॥६७॥ श्राव्यासांभलीनेसउ
जन ॥ निर्विनायुनेथीयामगंन ॥ बिजां आव्यांवालांभोलावउ ॥ तेतोकष्टीसमाधीयेसउ ॥६८॥ क्या
पधारणानरहेनाडि ॥ मेलेकोरेउपाडिउपाडि ॥ एविसांमुथीसोनेदेखाडि ॥ कयुंएकनेश्राव्युजगाडि ॥
६९॥ तेपेसरवेफरीफरजाग्या ॥ आवी प्रभुजीने पायेलाग्या ॥ कहेमहाराजमलेजेकोटि ॥ केमकर
सेसमाधीनेरवोटि ॥७०॥ कणिमुक्तानंदेमेल्युंमांन ॥ प्रभुतमेपुरणभगवांन ॥ पछेनीमृतायेपायेनम्मा
प्रभुकरजोश्रमपरक्षमा ॥७१॥ पछेप्रेमेकंपुजीयानाथ ॥ करीस्तुतिनेजोडियाहाथ ॥ तारेप्रभुजीप्रसं ॥११४॥

नथिया ॥ करिमुक्तानंदजीनेदिया ॥७२॥ पछेमुक्तानंदनेवचने ॥ थायसमाधीबउजनने ॥ देखेकैला
सनेवैकुंठ ॥ तेमांजरायेनमलेजुठ ॥७३॥ देखेगोलोकश्वेतद्विपने ॥ जोअक्षरपुरहर्खेमने ॥ एहआ
दिबिजांबउधाम ॥ जागीजनेलीयेतेनांनाम ॥७४॥ पछेएजप्रकरणचलाव्युं ॥ सर्वेजनतणेमनभाव्युं ॥
जेजेसंतवेसारेभजनने ॥ थायसमाधीतेनेवचने ॥७५॥ संतविनाबिजाजनजेह ॥ थायसमाधीकरावे
तेह ॥ तेवतापछेमहाराजतणो ॥ कंकेयेवलीवृएविघणो ॥७६॥ तारपछीगीयागुजरात ॥ कहुंते
हनीसांभलोवात ॥ जेरअमदावादमांआप ॥ तीर्थदेखाड्योप्रोढप्रताप ॥७७॥ आवेदर्शनेकोयनर
नार ॥ तेनाहृदयामांदिसेमोरार ॥ थायसमाधीनरहेनाडि ॥ नायउठाडेतेनेजगाडि ॥७८॥ सर्वेलोक
आश्चर्यपांमीया ॥ नाथनरणेशिसनांमीयां ॥ जनेमलीकरेजेजेकार ॥ प्रभुप्रगट्याथ्योअवता
र ॥७९॥ एविवातअवुणेसांभली ॥ उठ्याभेषअंतरमांबली ॥ जेमउलुकनेउग्योसूर ॥ आव्यामार
वामलीअसुर ॥८०॥ पछेनाथेनिर्मानने गृह्युं ॥ आपेसंमथपणसर्वेसह्युं ॥ एमांकरयुंहतुंजेकाज ॥
करीचाल्यासांथीमहाराज ॥८१॥ संतजोईनेपांमीयासुख ॥ हतापापिर्तनेथयुंदुख ॥ दिव्यचरित्र
करिमोराशि ॥ आव्यासोरठमांसुखकारी ॥८२॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वा

॥भक्त० श्रीनिष्कुलानंदमुनिविरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये श्रीहरिचरित्रनामे ओगणपचासमुं प्रकरणम् ॥४९॥ प्र०५०॥
॥११५॥ ॥पूर्वछायो॥ ध्यानधारणाअतिघणि ॥ लीयेसमाधीयेजनकष ॥ जोर प्रतापमहाराजनो ॥ दलमोनम
नाथदुष ॥१॥ चोपाइ ॥ एवोप्रोढप्रतापजणाव्यो ॥ देखिदासनेआनंदआव्यो ॥ सर्वेजननेचडिखुमारि
निरखिसहुआनंदकषकारि ॥२॥ बोलेमस्तिमांअतिमोटुं ॥ एकस्वामीसत्यबिजुंखोटुं ॥ स्वामीमलेक
साणहेकोइ ॥ बिजीवातमांआवसेखोट ॥३॥ ज्यारेसेवुंसोस्वामीनांचुर्ण ॥ तारेजासेजनमनेमरण
संग बिजेसिदरियाछोबंधाइ ॥ मेलोमतआवोसंतमांइ ॥४॥ मद्यमांसदारिचोरिमेली ॥ आवोसतसंगमां
मटोफेली ॥ गांजाअंमलमफरकेफमेली ॥ मेलोमाजमलसणडुगली ॥५॥ पयपांणिगलीवलीपीजे
सतसंगमांएरितेरिजे ॥ एविवातकरेसंतसउ ॥ कणिपायसतसंगीवउ ॥६॥ वलीगुरुजेसतअसत
तेनिंदरवाडेपाडिविगत ॥ साधुअसाधनीओलखांण ॥ तेनांदेखाडेसर्वेएधांण ॥७॥ सर्वेगुणलक्ष
णिसांभलावि ॥ दियेअसाधनेओलखावि ॥ केअसाधुथिनसरेअर्थ ॥ एतोलेवानेवेगछेव्यर्थ ॥
८॥ मारेसतसंगसउकरो ॥ सीदसखचोरसीमांफरो ॥ एवीवातश्रवणेसांभली ॥ सर्वेअसाधुउठिया
वली ॥९॥ प्रथमअेखमांहेषजपेठो ॥ कलीमलीएनेघेरवेठो ॥ जीयांतीयांथिउठ्याछेवली ॥ मांड्यासंत ॥११५॥

नेमारवावली ॥१०॥ जोज्योजीवनमुक्तनुंजोर ॥ आपणनेकिधाचोयाचोर ॥ आपणाशिष्यपरमोटि
लीधा ॥ देइउपदेशपोतानाकिधा ॥११॥ मारेआजथीसौएमधारो ॥ जेनेजांमलेसांएनेमारो ॥ लइलुग
डांतुंबडांफोडो ॥ वलीसदाव्रतएनांत्रोडो ॥१२॥ एमपरियांणिअसरसंभ्या ॥ मारेसाधुनेवांकजविना ॥ ग
रजगीधनेस्वानसियाल ॥ काकचीलएवरणांचंडाल ॥१३॥ एनीजणायजुजविजात ॥ मलेमारणोछेरा
कनात ॥ एमदांमवांमेफेलेएक ॥ एवामेलापीपाछेअनेक ॥१४॥ आआजापणाउपरमली ॥ मांड्यासाध
नेमारवावली ॥ नाखेगेरिधोकानेलाकडि ॥ करीकालीपथरानीफडि ॥१५॥ तेतोसाधुवेसरवेसयुं ॥ अतीनि
र्मांनीव्रतअयुं ॥ असंतेअसंतपणुंकरि ॥ पछेगीयाएसरवेफरि ॥१६॥ पछेस्वामीकहेसुणोसंत ॥ आतो
मेथेउपाड्युंअनंत ॥ आपणेतोखम्याधरणुंघणुं ॥ केएनकलंकउपरआपणुं ॥१७॥ हवेसदाव्रतनुंकंकां
म ॥ मेलोउपाडीमपुछोनांम ॥ ज्यारेप्रभुनेगमीयुंएम ॥ तारेआपणेकरवुंतेम ॥१८॥ त्रोड्युंसदाव्रततेसका
ले ॥ पछेबांधीमंडलीदयाले ॥ संतोविचरेदेशविदेश ॥ जेमछेतेमराखजोवेश ॥१९॥ वर्तजोपंचव्रतप्र
मांणे ॥ जेकोपलखांछेवेदपुराणे ॥ अष्टभालीत्रीयधनत्याग ॥ राखजोउरअतीवैराग ॥२०॥ स्कंदरमु
र्तिराषजोसारि ॥ तेनेपुजजोप्रेमवधारि ॥ बहुविधनांवाजांवजाडि ॥ करजोआनंदेउछवदाडि ॥२१॥

कथाकिर्त्तनवातकरजो॥एमदेशविदेशमांफरजो॥अंनवुस्रजेआपसेतमने॥तेतोनरजायपहाथ
जमने॥२२॥वलीवाततमारिसांभलसे॥तेनांजनममरणदुषटलसे॥भावेकरसेतमारुदर्शन॥तेनुंथासे
निर्मलमंन॥२३॥मारेमोटोउपगाररात॥तमारेपणकरवोतेह॥पछेसंतराजीसउथीया॥मागीआगन्याफ
रवागीया॥२४॥कच्छसोरठदेशहालार॥पछेआव्यापांचालमोझार॥भालोमालनेगुजरदेश॥कच्छसीरु
पुरेपरवेश॥२५॥थीयोसीतपुरनोसमैयो॥कह्योउछवनजायकैयो॥सर्वेसंतहताहरीभेला॥महाराजेक
रिमोटीलीला॥२६॥सारेसंतमहाराजसमैयो॥कह्योसीतपुरनोतेकैयो॥पछेपोतेसोरठमांआव्या॥मेघपु
रमांविप्रजमाड्या॥२७॥राख्याबाहराणनेखटमास॥जमीजमीनेथयाउदास॥पछेनंदातनरणोविवाकरि
आव्याकाठियावाडमांफरी॥२८॥कंदरसाकरकारियाणिगांम॥भक्तवसेतीयांमाचोनांम॥तेनेघेरस्यपधा
र्यामाराज॥करवाअनेकजीवनांकाज॥२९॥मार्त्वरकुकरीमनुवार॥जुकेजमाड्याजाणआधार॥पछेपा
सेबेठाजेोडिपांण॥बोल्यामहाराजप्रेलेसुजांण॥३०॥नाथअमाराकुलमांएक॥नांमएभेजांणोविवेक
तेनोपवित्रछेपरिवार॥तेतोतमनेइछेछेअपार॥३१॥कोतोमांजरदर्शनदिजे॥नेतोतेनेतेडाविपांलीजे
तारेरामबोल्यामहाराज॥एतोसर्वेछेभगतराज॥३२॥पांजावानुंथासेअमारे॥निश्चेमांनजोमनेतमारे॥

रेस्केअमेतीयांघरणुंघरणुं॥करसुमनमांनुरागहतणुं॥३३॥जैयेथासेअमारुदर्शन॥तेपेनरहेविजेमंन
एमजणायपछेवातअमने॥नीजभक्तजोणिकपुंतेमने॥३४॥कह्णिमाचेएसरवेवात॥थीयाअतीपोतेरलीयात
॥एमकरतांथोडेघरणेदने॥आव्यासर्वेगामलीदर्शने॥३५॥आविनिरख्यानेणांभरिनाथ॥जोडिजीवनथ
यांसनाथ॥जेवाजोयानेघणोनिरखी॥तेवाछिधाछेअंतरेलखी॥३६॥जोपुंमहाराजेहेतसुंजारे॥थीयाम
नेमगनजनतारे॥पछेसर्वेबोल्याजोडीहाथ॥अमेछयेतमारांहोनाथ॥३७॥अमपरकरिहरिमेरु॥आ
वोदयाकरीअमघेरु॥एविसांभलीजनेनीवात॥थीयाप्रभुपोतेरलीयात॥३८॥तेहविनाआव्यांदुउजेन
करेनाथनांसोंदरसंन॥आव्यादेशपदेशनासंघ॥नरनारिजेअतीअनेघ॥३९॥करेपुजागायकिरतंन
थायकथासुणेसउजंन॥देशदेशनादर्शनेआवे॥आपेआगन्यातातरगलावे॥४०॥एमकरतांनिसेन
विलीला॥दिपेस्रुषकरीजंनभेला॥पछेसाधुनेआपीछेसीख॥हवेफरवाजाओतोठिक॥४१॥पछेसंतने
सीषजआपि॥रेजोनिर्भेकइपाठथापि॥संतसधाविंयानांमीशिश॥पोतेपधार्यागुजरदेश॥४२॥गीयासं
तमलीकालावाड॥आवीअसुरेरवाविराडन॥सर्वेसाधनेदुखजदिधां॥वलीवुस्रजासुटिलीधां॥
४३॥वोरिमालाकरीवकुजेली॥लीधांनुबंडांतलकचेली॥जोरेठाकुरमुरतिलीधी॥तेनेभांगीनेखंडित

॥भक्त० किधी ॥४४॥ राह्यलुंकरीअसाधुगीया ॥ तोमसंतसंतपणोरिया ॥ पछेमुक्तानंदवोल्यामुखे ॥ संतोसोकृतज्ञी प्र० ५१॥
॥११७ रेजोस्रूपे ॥४५॥ पयुंगमतुंगोविंदतणुं ॥ जुवोज्ञानेस्कंगीयुंआपणुं ॥ एमकरचाल्याप्रभुपास ॥ हताग्रजरा
तेअविनास ॥४६॥ जइनिरख्यानवपणेनाथ ॥ जोरजीवनथयासनाथ ॥ सांभुजोरराजीथीपाराज ॥ कहोके
मथीपुमहाराज ॥४७॥ तारेसंतवोल्याकरभांमी ॥ सर्वेजांणोछोअंतरजांमी ॥ अक्षरेबक्कडुखजदिधुं ॥ तेनुं
की ऊपरकेरीनेधुं ॥४८॥ पोउआसंतनेवोकविनापे ॥ लोभीराजायेनकर्योमापे ॥ पछेसर्वेआव्याआर्यमली
हवेकोतेमकरियेवली ॥४९॥ कहेमहाराजयाथीयुंगसारु ॥ एमगमतुंहतुंअमारु ॥ एनीमाळातीलकनेमेलो ॥ अ
पणोअलक्षपणोखेलो ॥५०॥ एमकरनेआव्यावेलाल ॥ राख्याकांपकसंगेमराल ॥ विजीबांधीसंतनीमंडली
पोतेपधारियाकछवली ॥५१॥ रामअधारवावउजेन ॥ फरेसंतनेश्रीभगवंन ॥ सहेउपहासजगकेरि ॥ तो
यनकरेरिसलेशकेरि ॥५२॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिवि
रचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रनामेप्रकरणम् ॥५०॥ पुर्वछायो ॥ पछेप्रभुजीपधारिया ॥ कछ
देशमांकृपाल ॥ देवादर्शनदासने ॥ दिनबंधुदिनदयाल ॥१॥ वालहइअंधअपंग ॥ अंगेअबलाजेन
गांमोगांमानेभोवंनभोवंन ॥ दिधांतेनेदरसंन ॥२॥ आधुरस्रापरकोरकंथा ॥ भचाउनेभुजमांगाया ॥ जी ॥११७॥
थाश्रीपरमहंसकापोथीरिएथिनथिपदविकोयेमोहि एतोभेलभण्योछेशापमां सिरपडियेआपणेपापमां ३६

योस्वामीरामानंदजी ॥ रेताबउकरीदया ॥३॥ मोनकुवोनेमांडवि ॥ गजोडपुनडिगांमजी ॥ डोरपतेराक्त लोका व
ले ॥ फरियास्कंदरशांमजी ॥४॥ पछेपोतेथसंनथर ॥ उछवनीइछाकरि ॥ दासनेदर्शनदेवा ॥ फेरविकंकोतरि
५॥ देशसोरठडुरगजुनो ॥ लियांसउआवुजोतमे ॥ कंदरचैत्रमासमां ॥ सुदिपुनमेआवस्कंअमे ॥६॥ पछेपोत
पधारिया ॥ कछदेशथीहालार ॥ सतसंगीसौसगेजइ ॥ चाल्यापाणआधार ॥७॥ पछेपोतेआवीकरि ॥ बकु
लीआधोराजीये ॥ संतसउनेस्कपदेवा ॥ अतीसेमनराजीये ॥८॥ मांथीपधार्यागढडुंने ॥ संगेसर्वेसाथछे ॥ आ
सपासेदासदिसे ॥ विचमांपोतेनाथछे ॥९॥ दसदसामाचालीया ॥ पुरखतारेपोतेहरी ॥ अनेकजीवनेउपदे
दर्शननीदयाकरि ॥१०॥ आश्रमवर्णओफलनी ॥ जेआडेरियांतामाचरि ॥ तेहनेघेरपधारिया ॥ हेतजोइ
पोतेहरि ॥११॥ भोजनबहुजीवनेकर्या ॥ फरीपासर्वेसेर ॥ दिनडुर्बलदासउपर ॥ महाराजेकरिमेर ॥१२
वाजीत्रेवउविधनां ॥ वजडावियांवाजीपरे ॥ संगसमोहजनतरा ॥ चाल्याकुंडदामोदरे ॥१३॥ नारदामो
दरकुंडमां ॥ नाह्यणनेभरिभागीया ॥ हलउदारेदांनदिधां ॥ जेजेमुखेमागीयां ॥१४॥ जयजयशब्दसेजं
नबोले ॥ मननमांमगनघणुं ॥ पछेपोतेप्रेमस्कंकरि ॥ कसुंदर्शनदामोदरतणुं ॥१५॥ पछेपधार्यासे
रमां ॥ आम्याहरकेमपुरेपोतेहरि ॥ दर्शनकरीदेवनां ॥ तीर्थाविराजीयादयाकरी ॥१६॥ त्रिवसेवकपा

॥भक्त० थेलागि ॥ मागिमायामुखदुषकर ॥ तेनुं दासीदकापीधुं ॥ मोरसतपोचढ्युं ॥ १७ ॥ पछेपधार्या पुरखजा रे पृ. ५१
॥११८ जोवानारिजरुषेचढि ॥ नाथनिर्खिहयेहरखि ॥ धनधनमानीघडि ॥ १८ ॥ पछेहारस्यपारफुलना ॥ प्रभुनेपे
राविया ॥ जेवानपरोनिरखिया ॥ तेवाअंतरेउतारिया ॥ १९ ॥ सोपीउलारेआविया ॥ पुछीसीधानिसांमग
रि ॥ विप्रनेजमाडवाने ॥ तेडाविप्राभावेभरि ॥ २० ॥ जमवानुंजांणिब्राह्मण ॥ राजीथीयामनमां ॥ अक्र
रजनेविघ्नकिधुं ॥ ब्राह्मणनाभोजनमां ॥ २१ ॥ सीधुजमाडवुंसंतने ॥ पछेपोतेपधारिया ॥ एविलीला
करीआपे ॥ सेरखारामांविया ॥ २२ ॥ पछेसंतनेसीषआपि ॥ फरीकरोहरिवारता ॥ जेजेवचनकयां
अमे ॥ तेहरखेविसारता ॥ २३ ॥ पगरप्रमांणवातकरजो ॥ आलीकजंननेआगले ॥ अमेपणआसं
गवलावि ॥ आवसुंनमपासले ॥ २४ ॥ पछेसंतसधाविया ॥ फरियातेदेशोदेश ॥ अनेकजीवनेआगले
करेहेतनोउपदेश ॥ २५ ॥ ठांमठांमथिदुरवरते ॥ तजीरसरसनातणो ॥ तेनेदेषिदुष्टदाझ्या ॥ मांडयोके
षअतीघणो ॥ २६ ॥ जीपांतीपांथीजुजमीजोरे ॥ उठेअक्रमारवा ॥ नरनरेसनजरेदेखे ॥ पणकोप
नआवेवारवा ॥ २७ ॥ एकअक्ररआवेआपे ॥ संतापेसंतनसीघने ॥ कदजनीपेठेकष्टसहे ॥ कहेनर
तोपकोपने ॥ २८ ॥ वलतीतेनीचारतं ॥ सांभलीश्रीभगवांन ॥ अतीदुषाणादलमां ॥ भाखुंनरभोजनपांन ॥११८॥

२९ ॥ पछेसंतपासले ॥ पधारीयापोतेहरि ॥ दरदर्शनमलीवली ॥ साधुसंवातकरी ॥ ३० ॥ कणोसंतश्रीह
रिकहे ॥ आपणेवोंबडसयुं ॥ जेमजेमआपणेक्षमाकरि ॥ तेमतेमदुषदुसेदयुं ॥ ३१ ॥ आजपछेएकमांक
वचनकदीपेधारवुं ॥ दुष्टआवेजोमारवा ॥ तेनेथोडुंघणुंउरावबुं ॥ ३२ ॥ तारेतेसंतबोलीया ॥ महाराजनर
कहोएम ॥ भुंडाभुंडाइनमतजेतो ॥ भलाभलाइनजेकेम ॥ ३३ ॥ तारेप्रभुजीबोलीया ॥ धमधमसंततमे ॥
जेउभेरतकष्टजनेवा ॥ क्षमावांनबोलखाअमे ॥ ३४ ॥ जेदेवजेवामेंजाणिया ॥ क्षमवंततमेखरा ॥ तम
तोलेत्रीलोकमां ॥ मांनोनथीमुनीवरा ॥ ३५ ॥ तमारिक्षमावडे ॥ थाशेनासअक्ररजंननो ॥ वुणमासे
मरसे ॥ तमेचासतजोतेननो ॥ ३६ ॥ क्षमासमषडगमही ॥ जरणासमनइजापरे ॥ धीरजसमढालनहि
मुन्यसमनरआपरे ॥ ३७ ॥ क्षमावांनजंननो ॥ जोअक्ररेक्ररद्रोहकरे ॥ देवदांनवमानवमुनी ॥ एहपा
पेआपेमरे ॥ ३८ ॥ मारेतमेमोनजो ॥ आओअक्ररनोअंतआजथी ॥ कषेनजोश्रीकष्णने ॥ खकुंफकेपो
तेनपी ॥ ३९ ॥ तमजेवानीमांनीनो ॥ जेणेजेणेद्रोहकर्यो ॥ नुवोविचारिआजक्तमां ॥ आजमोसकोणाठ
र्यो ॥ ४० ॥ मारेएनोवेराउतारि ॥ अलक्षपणेरहोतमे ॥ पछेमाजापरजो ॥ ज्यारेआगम्याकरुअमे ॥ ४१ ॥
तारेसेतकहेसारुस्वामी ॥ जेमकहोतेमकरसुं ॥ मालातिलकमुकीअमे ॥ अलक्षपणेफरसुं ॥ ४२ ॥ पछे

॥ भक्त॰ कापी चोरिकेंगीयुं ॥ मुखसां मुज़ोरहरिहसा ॥ उतारिमाला मुठका ॥ यही निर्मानीदस्या ॥ ५३ ॥ कर्कंगं पु॰ ५३॥
॥ ११९ मकाजवांणिये ॥ हता परमहंस पांचसे ॥ पंचवृर्तेपुरा स्करा ॥ वैरागमागउर विषे ॥ ५४ ॥ इति श्रीमदेकां
तिकधर्मप्रवर्तक श्रीसहजानंदस्वामी शिष्य निष्कुलानंदमुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये साधुने परमहंस
करस्या एनामेएकोचनमुं प्रकर्णम् ॥ ५२ ॥ रागसामेरि ॥ दुर्वासामाश्रापथी ॥ कपीपेधस्यातांदेह ॥ तेहमसा
छेमहाराजने ॥ करिश्यतासेसनेह ॥ १ ॥ एवासंतसारेमणि ॥ तेनांतेकउंहवेनाम ॥ तेसांभलतां कप
उपजे ॥ वलीपामेपरमधाम ॥ २ ॥ मोटामुक्तमाहाराजना ॥ भाइरांमदासअकांम ॥ पंचव्रतनीमुरति
मुख्य जेनेवालाकंदरश्याम ॥ ३ ॥ मुक्तानंद छेनामं ॥ भ्रकमुनीआदिअपार ॥ कंदरनांमसउसांभली ॥ करुं
नांमतेनिरधार ॥ ४ ॥ स्वरूपानंदव्यापकानंद ॥ ब्रह्मानंदनेगोविंद ॥ निसानंदचैतन्यानंद ॥ शांतानंद
नेआनंद ॥ ५ ॥ स्वकानंद नीरंजनानंद ॥ अद्वितानंदएनामछे ॥ अच्युतानंदअनंतानंद ॥ आत्मानंदअ
कांमछे ॥ ६ ॥ अचिंतानंदनेअमोघानंद ॥ अखंडानंदअजीतजे ॥ अद्भुतानंदअरिहंतानंद ॥ गोपालानं
दवलवितते ॥ ७ ॥ अरुपानंदनेअनुभावानंद ॥ अक्षरानंदनेआधारजी ॥ अपारानंदनेअणवक ॥
आदिसानंद उदारजी ॥ ८ ॥ अचलानंदअवधुतानंद ॥ अजन्मानंदअजीतमुनी ॥ अखीलानंदअमुर्त ॥ ११९॥

नंद ॥ नंदसंगन्यासकुनी ॥ ९ ॥ अखीलब्रह्मांडेश्वरानंद ॥ आकाशानंदउदारानंदजी ॥ एकएकमांअपा
रविज्ञ ॥ नामनोछेवंदजी ॥ १० ॥ विर्यानंदवेभवानंद ॥ विलासचैतन्यानंदछे ॥ वैराग्यानंदनेवल्लभानंद
विश्वस्वरुपानंदसुखंदछे ॥ ११ ॥ स्वयंप्रकाशानंदसहानंद ॥ प्रज्ञानंदपरमानंदवली ॥ परमचैतन्यानं
दनांमे ॥ परमहंसबोलामली ॥ १२ ॥ वेदांतानंदवैकुंठानंद ॥ कैवल्यानंदकल्पेंद्रकैपे ॥ महानुभावानं
दमुकुंदानंद ॥ ज्ञानानंदघणालेये ॥ १३ ॥ भगवदानंदभागेश्वरानंद ॥ शिवानंदवकुसंगन्या ॥ रामानं
दनेराघवानंद ॥ अक्रोधानंदक्रोधविना ॥ १४ ॥ नत्यानंदनेत्रिविक्रमानंद ॥ त्रीकमानंदतदरूपछे ॥ नी
ज्ञानंदनिजबोधानंद ॥ सच्चिदानंदस्वरुपछे ॥ १५ ॥ नेमानंदनिर्मानानंद ॥ निर्लोभानंदनिष्कामजी ॥ नि
स्वादानंदनिस्नेहानंद ॥ नरनारायणानंदनांमजी ॥ १६ ॥ कल्याणानंदकौशकानंद ॥ जीज्ञासानंदमुक्ता
नंदजे ॥ जलखंडानंदजगदिसानंद ॥ चिन्मयानंदचिदानंदते ॥ १७ ॥ ईश्वरानंदपरमेश्वरानंद ॥ वलभ
ज्ञानांमेवउजी ॥ दयानंददयालानंद ॥ भजनानंदगासउजी ॥ १८ ॥ हरियानंदनरहरियानंद ॥ धर्मानं
दपर्मानंदते ॥ पुरुषोत्तमानंदप्रकाशानंद ॥ साधानंदजगवंदते ॥ १९ ॥ सीद्धानंदसर्वसत्येश्वरानंद ॥
सेकुरानंदस्कजांणछे ॥ सज्ञानंदनेसत्यानंद ॥ कृपानंदमलेकल्याणछे ॥ २० ॥ केसवानंदकपीलेश्वर

॥ भक्त० नंद॥ प्रस्तुतानंद परवेशजी॥ माधवानंद महापुरुषानंद॥ सकीयानंद स्वपदेशजी॥ २१॥ धीरानंद उस्प्र पृ० ५२॥
॥ १२०॥ काशानंद॥ ध्यानानंद ध्यानधरे॥ प्रमानंद ने पुरुषानंद॥ सांख्यानंद स्वानंद करे॥ २२॥ चीदानंद चिदरु
पानंद॥ भास्करानंद भजे हरि॥ रूपआनंद रामरतनानंद॥ योगेश्वरानंद जांणोफरि॥ २३॥ निर्गुणानंद
सगुणानंद॥ गुणातीतानंद गंभीरजी॥ नृसींहानंद निर्बंधानंद॥ नीरलंबा माहाधीरजी॥ २४॥ विदेहानंद
निरसंदेहानंद॥ निरविकारानंदजी॥ विज्ञानंद विश्वासानंद॥ देवानंद स्वछंदजी॥ २५॥ नीसानंद भास्क
देवानंद॥ निरपेक्षानंद नचिंतजी॥ गणेशानंद गोतितानंद॥ लक्ष्मणानंद अजीतजी॥ २६॥ नीव्रतानंद
नीलकंठानंद॥ असोकानंद अशोयेघणु॥ आज्ञानंद अविनासानंद॥ भद्रानंद भावानंद भणु॥ २७॥ भवा
नंद नेभुधरानंद॥ अछेद आत्मानंद छे॥ मायातीतानंद मंजुकेशानंद॥ रामानुजानंद स्वरूपानंद छे॥ २८॥
हंसानंद हरिभजनानंद॥ हयग्रिवानंद हरिरूपजे॥ प्रद्युम्नानंद प्रतोषानंद॥ स्वरूपानंद सत्यस्वरूपजे॥ २९॥
नरोत्मानंद नारायणानंद॥ निर्मलानंद निर्मलरा॥ परमात्मानंद प्रशांतानंद॥ मुक्तात्मानंद अकलरा॥
३०॥ सविज्ञानंद सर्वेश्वरानंद॥ स्वज्ञानंद स्वजांणछे॥ बद्रिनाथानंद जोतेश्वरानंद॥ प्रबोधानंद प्रमा
णछे॥ ३१॥ रामचंद्रानंद परमेश्वरानंद॥ रासमंडलेश्वरानंद कैंये॥ प्रभवानंद पद्मनाभानंद॥ विश्वात्मा ॥१२०॥

त्मानंद लैये॥ ३२॥ स्वदेहानंद सर्वज्ञानंद॥ स्वस्वरुपानंद अव्यातितजी॥ जोगानंद जडनीवासानंद॥ अ
स्परूपानंद अजीतजी॥ ३३॥ तपरूपानंद त्रीगुणातीतानंद॥ जक्षप्रकाशानंद जडभरतजी॥ गवेंद्रानं
द गोलोकेश्वरानंद॥ श्वेतद्वीपानंद समर्थजी॥ ३४॥ तुर्यानंद तुर्यातीतानंद॥ पतीतपावनानंद नामछे
वामनानंद विवेकानंद॥ दृढव्रतानंद स्वधामछे॥ ३५॥ श्री गुरुचरणारतानंद॥ निरविघ्नेश्वरानंद
कैंये॥ अनीरुधानंद अभेदानंद॥ मधुसूदनानंद लैये॥ ३६॥ मंगलानंद मोहनानंद॥ अक्षयआ
त्मानंद जे॥ स्वव्रतानंद संसीतव्रतानंद॥ वली ज्ञानवल्लभानंद ते॥ ३७॥ विचारानंद विद्याधारानंद॥
ज्ञानार्णवानंद क्षेमानंद खरा॥ स्वखानंद घनश्यामानंद॥ जीलवानंद जोगेश्वरा॥ ३८॥ अवदातानंद
अतीप्रकाशानंद॥ मुक्तिदानंद वृंदावनकैंये॥ स्वपर्णानंद श्रीनिवासानंद॥ बालमुकुंदानंद लैये॥
द ३९॥ प्रभासंभास्करानंद॥ स्वत्रिज्ञानंद मनोहरा॥ आकाशानंद निवासानंद जांणो॥ प्रसादानंद न
ददहरा॥ ४०॥ पवित्रानंद पर्मकैवल्यानंद॥ पद्मधरानंद रानंद॥ भीमानंद भक्तेश्वरानंद॥ सस्धर्मानं दह
द अानंद॥ ४१॥ अनोपमानंद अक्षरनिवासानंद॥ गदाधरानंद करुणानंद कैंये॥ त्रांखधरानंद सर्व
प्रकाशानंद॥ स्वप्रकाशानंद लैंये॥ ४२॥ चिदाकाशानंद चतुरात्मानंद॥ चतुर्भुजानंद चतुं॥ हिर

॥भक्त०॥ ल्पगर्भानंद हरिप्रकाशानंद ॥ वंसीधरानंद व्रणावुं ॥ ४३ ॥ मायाजीतानंद मुनिमूरानंद ॥ धामानंद राम ॥ प० ५३॥
॥१२१॥ चर्णानंद छे ॥ एकएकनां मममांई ॥ मोनो मुनिनो हेद छे ॥ ४४ ॥ पुंडरिकाक्षानंद प्रधान पुरुषेश्वरानंद
प्राणदानंद प्रतापानंद जे ॥ पावनानंद प्रकाशात्मानंद ॥ प्रथीतानंद प्रमेणानंद जे ॥ ४५ ॥ प्रमोदा
नंद पुलपकिर्त्यानंद ॥ पुल्पानंद कृतज्ञानंद कैये ॥ कारणानंद क्रोधहानंद ॥ कुमोदानंद लोकाध्य
क्षानंद लैये ॥ ४६ ॥ विधात्रानंद विश्रामानंद ॥ वृषाकप्यानंद वली ॥ वस्त्रानंद विश्वकर्मानंद ॥ विष्वसे क
नानंद वेदानंद मली ॥ ४७ ॥ वेदांगानंद विजयानंद ॥ विश्रुतानंद विश्वानंद छे ॥ वर्द्धनानंद विविक्ता
नंद ॥ विविक्षानंद स्वछंदद छे ॥ ४८ ॥ निरमत्सरानंद नीवृत्तानंद ॥ धर्माध्यक्षानंद ध्रुवानंद छे ॥ स्थीरा
नंद स्थविरशानंद ॥ अप्रमेयानंद आनंद छे ॥ ४९ ॥ वर्द्धपानंद वक्रपानंद ॥ व्यससायानंद विद्यानं
द वेदु ॥ विसमानंद विसालानंद ॥ विमुक्तानंद केआनंदु ॥ ५० ॥ विशोकानंद विश्वमूर्त्यानंद ॥ हिर
ण्यमयानंद हवे ॥ नेकरूपानंद नंदनानंद ॥ नंदानंद त्रिकुलानंद कवे ॥ ५१ ॥ इति श्रीमदेकांतीक
धर्मप्रवर्त्तक श्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनीविरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये परमहंसना
मकथनोनामे बावनमुं प्रकरणम् ॥ ५२ ॥ रागसामेरि ॥ विजांबाकिजेरियां ॥ तेपणकहुं छुं नाम ॥ ॥१२१॥

जे जनमन दरसांभले ॥ तेहपांमे परमधांम ॥ १ ॥ अनादिसिद्धनानंद उत्तमानंद ॥ अग्राह्यानंद अछेदा
नंद जे ॥ अजीतानंद अमघानंद ॥ अतींद्रियानंद अनिर्देशानंद ते ॥ २ ॥ उदारानंद अनीशानंद ॥ अ
संख्येयानंद अतुलानंद जी ॥ अव्यक्तरूपानंद अनंतजीहानंद ॥ अकामानंद अनुकुलानंद जी ॥ ३ ॥
आदिदेवानंद अपोनीजानंद ॥ अक्षोभानंद उद्भवानंद छे ॥ आदिमवर्णानंद उदारात्मानंद ॥ इजा
नंद ईशानंद छे ॥ ४ ॥ अजीतानंद उपेंद्रानंद ॥ रम्यरेभ्यरानंद मुस्तानंद ए ॥ दुराधर्षानंद दुर्लभानंद ॥ दु
र्मर्षणानंद स्कंदेवानंद ते ॥ ५ ॥ दक्षानंद दर्पहानंद ॥ दुर्जयानंद दिव्यमुर्त्यानंद ॥ भुतावासानंद ब्रह्म
ण्यानंद ॥ भक्तवत्सलानंद तदा ॥ ६ ॥ हरिभुषणानंद भावनानंद ॥ भुगर्भानंद भुमानंद भणुं ॥ भ्रा
जीष्णानंद अनीमेषानंद ॥ गुरुगम्यानंद गणुं ॥ ७ ॥ महानंदानंद महेश्वरानंद ॥ महोत्सवानंद
वेदु ॥ महेश्वरानंद महाशक्त्यानंद ॥ महाभागानंद कैआनंदु ॥ ८ ॥ महेष्टानंद महामखानंद ॥ ज्ञान
गम्यानंद गाइये ॥ महाकर्मानंद महाभुतानंद ॥ मरुतानंद करु स्तवीयोगाये ॥ ९ ॥ धन्यानंद धरणी
धरानंद ॥ धृतात्मानंद जेह ॥ धर्मयुपानंद धनंजयानंद ॥ त्रीलोकेशानंद तेह ॥ १० ॥ सत्कर्त्रानंद सं
वत्सरानंद ॥ समात्मानंद सोय ॥ सहस्रार्चिषानंद सामगानंद ॥ सर्वविदानंद जोय ॥ ११ ॥ सहीष्णानं

नंद

दसत्वस्यानंद॥सहस्राक्षानंदजेह॥सिद्धार्थानंदसिद्धसंकल्पानंद॥सत्यपराक्रमनंद तेह॥१२॥सि
॥१२२ द्धानंदश्रुतीसागरानंद॥समकृतानंदसमासानंदजी॥श्रीगर्भानंदत्राचुरानंद॥रूदर्शनानंद
हरिकृष्णानंदजी॥१३॥रूमुतानंदरूक्षमानंद॥रूभगानंदनामसांभले॥शांतीदानंदसत्यकिर्त्या
नंद॥रूलभानंदेपापबले॥१४॥सत्यसंघानंदसत्यधर्मानंद॥सकृष्णानंदरूणो॥सुनेत्रानंदसत्कृतानंद
त्रार्ण्यानंदसत्वानंदगणो॥१५॥साक्षानंदरूकृतानंद॥रूधर्मानंदजेहानंदजे॥चतुरात्मानंदचतुरवे
दानंद॥चतुर्व्यूहानंदने॥१६॥त्राम्बृतानंदछिन्नसंशयानंद॥कपीकेशानंदकेंपे॥जीतक्रोधानंद
योगेशानंद॥त्रीलोकानंदवुरानंदलेये॥१७॥लोकनाथानंदरामेश्वरानंद॥यज्ञानंदजपानंदजांशि
ये॥निर्मत्सरानंदनिवृतानंद॥परमहंसपरमांणिये॥१८॥जेहजेहमेंनामजांणा॥तेहतेहकपासहि
पणसर्वनामनीसाध्यसंतो॥मोनजोमुनेनहि॥१९॥एहआदिअनंतमुनीनां॥आवियांवलीवृंद॥सं
क्षेपेकरकृष्णावियां॥एमकहेनिकुलानंद॥२०॥रूदरनामसंन्यासीना॥जेनेत्रणपेरत्राणनोलाग
विवेकीविचारवेता॥उरमांअतीवैराग॥२१॥देवानंददीपपुर्णानंद॥श्रीधरानंदसंन्यासीजी॥श्रीक
रानंदनेमाधवानंद॥केशवानंदहरिउपासीजी॥२२॥शिवानंदवासुदेवानंद॥निसानंदकृष्णानंद ॥१२२॥

केंपे॥पद्मनाभानंदपुरुषोतमानंद॥जनार्दनानंदलेये॥२३॥ज्ञानानंदअनंतानंद॥वैष्णवानंदवली
एहआदेअनेकसंन्यासी॥सोनेछेसर्वेमली॥२४॥विजानामबहुकतहंणा॥अतीउत्तमजांणोएह॥स्यागी
धनेतीथतणा॥जेनेसहजानंदसंसनेह॥२५॥मुकुंदानंदमुख्यमोटा॥ब्रह्मचारिजेरामजी॥वासुदेव
वैकुंठविष्णु॥हरिकृष्णनेहरिरामजी॥२६॥राघवरणछोडकृष्णकेशव॥रामकृष्णपुरणरामजी॥नारा
यणगोविंदगोपाल॥गीरधरआनंदअकामजी॥२७॥जगन्नाथलखोलेने॥एहआदिअपारजे॥सर्वत्र
गेस्करसाचा॥भगवाननामउचारजे॥२८॥विजादासवोकरया॥तेहनांतेकेहुंनाम॥अेकाएकथीअ
धीकअंगे॥नीरलोभीनिस्कांम॥२९॥राघवदासमाधवदास॥गंगादासगोवर्धन॥हरिदासगंभी
रदास॥गणेशानदासपावन॥३०॥जिष्णुदासनेप्रभुदास॥सेवादाससीतलदासजे॥प्रेमदासपु
रुषोतमदास॥रामदासनेसंतदासते॥३१॥नारायणदासनिर्लेपदास॥वलीकल्याणदासकें
पे॥कपीलदासनेकृष्णदास॥लक्ष्मणदासलेये॥३२॥दयालदासठाकरदास॥भगवानदासभजे
हरि॥हरिदासरघुमांनदास॥जेरामदासजांनकिदासरि॥३३॥एहादिजेनमांनीवचन॥समजीने
रूषीयाथीया॥विजाजेनवउहरिनां॥विश्वासेवजगीरिया॥३४॥एमजुजुकेजुजवाजांणो॥करयोनां

॥भक्त० मनोनिरधार॥ भावेजेजंनसोभले॥ तेउतरेभवपार॥ ३५॥ एम्आपीनांमकरीआगम्मा॥ तमेफरोदेत्रविदे प्र. ५४॥
॥१२३॥ त्र॥ करोकसोंराजीवनां॥ आपीरुडोउपदेत्रा॥ ३६॥ पछेप्रभुनेपायेलागि॥ वलीबोलीयाएमवात॥
भलीउपाधीआलसी॥ आजअमेथियारलीयात॥ ३७॥ मागसोभासंतनी॥ एमकहेवेदपुरांण॥ सा
गीथइनतनरूषरछे॥ राजमोटाअजांण॥ ३८॥ तमविनात्रिलोकमांर॥ हेतकोणकरेहरि॥ आजअमे
रूषीयाथया॥ तमेदयाखुंदयाकरी॥ ३९॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कु
लानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येमुनिनांनामकथंएणंमेत्रेपनमुंप्रकरणम्॥ ५३॥ चोपाई॥ एवापर
महंसमर्वसंत॥ जोगेमागवैराग्यअनंत॥ चौदलोकमोरूषजेकावे॥ उलटांअनंनजेवांनभावे॥ १॥ एक
कमंडलुंकंथाकोपीन॥ एनेअर्थेनथायआधीन॥ करेभीक्षामागीनेमध्याने॥ जरूवातनसांभलेकां
ने॥ २॥ अष्टप्रकारेनीपानासारी॥ एमविचुरेछेबउभागी॥ धनधातुजेसोनासहीत॥ तेनेभुलेनचितवेचित
३॥ खांनपांनपटवलीपेखी॥ दलरिकेनरतेनेदिखी॥ पुजाचंदनपुष्पनीमाल॥ तेनेमांनेछेमनमांव्याल॥ ४
जेजेकावेछेसंसारिरूख॥ तेनेजांणेछेदलमांदुख॥ देहइंद्रिवलीमनप्रांण॥ तेनेशत्रुसमव्यासजांण॥ ५
मांनमोटारमनमांनभावे॥ रूतांवेगंहरिगुणगावे॥ एविरितेफरेजगमांये॥ निरबंधनबंधायेकांये॥ ६॥ ॥१२३॥

करेज्ञांनवारताअपार॥ जेणेथायजीवनोउधार॥ करीवातनेकांयेनमागे॥ मांनेसउसारिबउलागे॥ ७
जेनजोइहाथजोरमागी॥ विजाभेषनुंपडिपुंभागी॥ भेषदाकेलाजेमुषेकेतां॥ पछोरवोटविनारेणिरे
तां॥ ८॥ जेजेरराषिछेसाधुवेरित॥ विजेनमलेविचारोचित॥ सर्वेसारतणुंजेहसार॥ सोथ्युंसंतनेप्राणा
आधार॥ ९॥ जेजेसाधुनेसोपीसंपती॥ तेसरायेश्वेतद्विपपति॥ प्रभुपोतेछेदिनदयाल॥ जांणिनीजजन
करिसंभाल॥ १०॥ संतरूमगुणोअतीआपे॥ कांमक्रोधनेलोभलोपे॥ साधुसर्वेवलीहरिजंन॥ तेवुंहृ न
दियेहरूंविघन॥ ११॥ अतोलरूपसंतनेआप्युं॥ सर्वशत्रुतणुंसुखकाप्युं॥ साधुसरवेरेजोआनंदे॥ हवे
नइपडोकोपफंदे॥ १२॥ तमजेवानथीकोयआज॥ एमश्रीमुखेकहेमहाराज॥ सीदजोयेतमारेप्रवती॥
तमेग्रहीरहोनेनिवती॥ १३॥ सदाव्रतमांसीदबंधाव्यो॥ तमेगुणगोविंदनागाव्यो॥ सदाव्रतमेरूसंस
फेली॥ वालाफाररूतुंस्वायछेफेली॥ १४॥ एनेअर्थेजेखरचताअंन॥ तेनोकरसंहवेजगन॥ एविसांभ
लीवालानीवांणि॥ सर्वेसंतेससकरिजांणि॥ १५॥ कहेसंतरूणोमहाराज॥ सरवेजेणएणुंअमनेआज
हवेजेमकहोतेमकरियें॥ आपोआगमानेसीरधरियें॥ १६॥ तारेनाथकहेरूणोसंत॥ मेलीसोरठफरो
नचेत॥ पछेआंकथुंतोसंतगीया॥ प्रभुपोतेसोरठमांरिया॥ १७॥ पछेसतसंगीजइसाथ॥ फरुयागांमोगांमो

॥ भक्त० ७ मवलीनाथ ॥ पामरवांणपलोजमांगरोले ॥ मलेहरिजंनहेतवीजे ॥ १८ ॥ सोथीआवीपाकोणकगांम ॥ प्र० ५४ ॥
॥ १२४ ॥ भक्तजेरासरनेधांम ॥ पछेआव्याछेकालवांणिये ॥ वसेभक्तसंनायोजोलिये ॥ १९ ॥ सोथीआ आ
मदडेमोरार ॥ तीयांकरीछेलीलाअपार ॥ जेवोजोइनेपांम्योआनंद ॥ जेनेमलेलस्वामीरामानंद ॥ २० ॥ प
छेयांथीआव्याअगत्राये ॥ रात्याधीनेकंपर्वतभाये ॥ तीयांआव्याछेकाठिनोसाथ ॥ तेनेसंगेचाल्या
पोतेनाथ ॥ २१ ॥ आरवापीपलोलुंमेघपर ॥ तियांआवियासोमसुंदर ॥ रियादनदशपांचसांये ॥ पाछा
आवापीपलाणमांये ॥ २२ ॥ रियातिमादनदोयेचार ॥ पछेबोलीयाप्रांणआधार ॥ जोनेकेवोउगोछे
आकर ॥ जोएवुंरुधीरमांभरपुर ॥ २३ ॥ कहेमुलजीनेमहाराज ॥ करोजेजेकर्वुंहोयआज ॥ एमकइने
चालीयानाथ ॥ सखासर्वेहतापोतासाथ ॥ २४ ॥ आव्यामेघपुरेमहाराज ॥ कहेनरयेआंइआज ॥
एवुंजोणिजंनेतांणपकरि ॥ सीयोअपराधअमारोहरि ॥ २५ ॥ रहोराजीपरआजेरात ॥ वेलावालजो
सोपरभात ॥ एमअजंगोअतीसेतांणुं ॥ पणथावावुंछेतेलजोणुं ॥ २६ ॥ पछेआव्याछेगांममांनाथ
धायोमारवाअसुरसाथ ॥ मुकामुलजीयेतीयांप्रांण ॥ आव्याप्रभुपासेअसुरांण ॥ २७ ॥ दगेभल्या
हथीयारहाथ ॥ तेनेजोइनेचालीयानाथ ॥ पछेआवीयामुलजीपास ॥ जोणिप्रभुजीपोतानोदास ॥ १२५ ॥

२८ ॥ राखिरियोतोआरममांजीव ॥ जोवापरमहेतकारिपीव ॥ जारेजोयानपणभरिनाथ ॥ मुक्युंतनचो
तनचाल्युंसाथ ॥ २९ ॥ करीक्षमाबोल्यानरनांम ॥ पछेआव्याछेमाडेरगांम ॥ सोथीपधारियाछेधोराजी
आव्याथाणाधारेवेसीवाजी ॥ ३० ॥ पछेगोडलवुधीयेगीया ॥ वेडरासनाथतीयांरिया ॥ मोटामुक्तजीयां
मुलुभाइ ॥ जेनेहेतघणुंहरिमांइ ॥ ३१ ॥ तेनेघेरेरियापोतेराज ॥ पछेसरधारेआव्यामाराज ॥ तीयांका
ठिनेसीषजकरि ॥ पोतेपधारयाहलारेहरि ॥ ३२ ॥ एकरासराजकोटरिया ॥ सोथीपछेरवीरसरेगीया
तियांभक्तवसेलालोनाइ ॥ रियारासएककृषदाइ ॥ ३३ ॥ पछेमोडेआव्याभक्तमाटे ॥ सोथीअलैयेने
सेखपाटे ॥ हरिघणिकरिमोटिमेरु ॥ आव्यामक्तलालजीनेघेर ॥ ३४ ॥ सोथीपधारयामादरामाये ॥ मा
सएकरियापोतेमाये ॥ पछेबोलीयाप्रांणजीवन ॥ करीयेजेतलपुरेजगेन ॥ ३५ ॥ जइगोविंदस्वामीने
केजो ॥ तमेजइनाकांममांरेजो ॥ विजोकागललखीयोजइ ॥ वर्णीयोरेवातघणिकइ ॥ ३६ ॥ मांचासु
रासोमलाअलैया ॥ मुलुनाजामांनरामोमैया ॥ अजाजीवाविरदासवली ॥ लाधाकालाकमलसीम
ली ॥ ३७ ॥ एहसर्वेतजीघरबार ॥ थाजोपरमहंसनीरधार ॥ जेमभोला ओपासगमेली ॥ भज्यो हरितजी जग
जेली ॥ ३८ ॥ मारेमांनजोआगन्याअमारि ॥ मुकजोसउमनमांविचारि ॥ एहजीएनेआगन्याकरी ॥ पोतेरिया

॥भक्त०॥ कापकलांहरि ॥४९॥ एमकरतांआविछेदिवाळी ॥ पेमेपुत्राळंनेवनमाळी ॥ सुंदरभोजनसारांकरिने ॥ पृ० ५५॥
॥१२५ हेतेजमाडियाछेहरिने ॥५०॥ जनेजोपाछुंत्रांमसुजांण ॥ परसमाधीनरपावांण ॥ तेनेजगाडिजग
जीवन ॥ पछेपशुपेकस्यंभोजंन ॥५१॥ पीपासुषीजनलीलाभाळी ॥ आश्वदिअमासेदिवाळी ॥ ते
दिरियाताभादरेराज ॥ मेसुकरिनेपोतेमाराज ॥५२॥ दिधांहासनेदर्शनबहु ॥ निर्खिनाथसुषीथी
यासहु ॥ धनदेशगांमनेजीवंन ॥ जीपारमीपाप्रांणजीवंन ॥५३॥ धनधनराननरनेनारू ॥ जेणेनयणे
निरख्यामोरारू ॥ नथीवातजेवुडिएवात ॥ जांणेछेमोटासंतसाक्षात ॥५४॥ दोहा ॥ जेजेचरित्रमेंचव्युं
छेसर्वेअलोकिकएह ॥ तेनेतेलोकिकलेखसे ॥ महामुढसीरोमणितेह ॥५५॥ इतिश्रीमदेकांतीकध
र्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिचरित्रनांमे
चोपनमुंप्रकरणम् ॥५४॥ चोपाइ ॥ पछेनाथकीवालीयानाथ ॥ लीधासेवकपोतेनेसाथ ॥ त्यांथीआ
व्याकोठारियामांय ॥ रहेभक्तसांआंणदिवाय ॥१॥ तेनाअंतरमांसुखआती ॥ देखेअखंडप्रभुनी
मुर्ति ॥ तोयअंतरमांरहेतांण ॥ मलवामुर्तिप्रगटप्रमांण ॥२॥ तेनेसमजावीसर्वेरीत ॥ पछेनाथकी
वाल्याअजीत ॥ लीधोसेवकराकनेसंगे ॥ चाल्याअलबेलोउछरंगे ॥३॥ पंपीपधारियागांमभेजे ॥ ॥१२५॥

दे ॥ आप्यांविभ्रनेवस्त्रबहुवीले ॥ दिधाकुधपेंडाफोटभरि ॥ पछेत्यांथकिचालीयाहरि ॥४॥ मलेवाटमांरहेजेजं
न ॥ तेनेनाथदियेदरसन ॥ त्यांथीचालीयासुंदरशांम ॥ आव्यामाळीयेपुरनेकांम ॥५॥ तीयांदिनरियो
घरिच्यार ॥ कहेराजजनसुंदरशरणपार ॥ आव्याअरणमछेअविनास ॥ त्यांतोकहेलागीभुखप्यास ॥६॥
आव्योएकपुरुषअकल ॥ तेरोजाअुंछेआविनेजल ॥ दतुंपांमपोतिपछीराक ॥ तेपरणआपवुंएविछे
टेक ॥७॥ पछेनाथबोल्यारामबांणि ॥ आवोओशपीवुंहोयपाणि ॥ पोतानीतोपीडानेनजोर ॥ हरिविना
नकेविजुंकोई ॥८॥ पोतानांतोपीडांतांतांप्रांण ॥ तोयनकरीनाकारनीवांण ॥ तीयांमीठांपीमांसीधु
जल ॥ सुंदरस्वादुनीरनिरमल ॥९॥ पीधांपोतेनेपोतानेदासे ॥ पछेयांथीचाल्याअविनासे ॥ वांसेरियो
सेवकरासारु ॥ चारखुंजळसांनीसम्मुखारू ॥१०॥ एविलीलाकरतांमुरारि ॥ पछेआवीपाछेरणवास
दिव्यदेहेरामानंदस्वामी ॥ मळ्यातेनेचाल्यात्रिसंनामी ॥११॥ रियाअरणमांरातरावा ॥ चाल्येवाटमां
उनमतजेवा ॥ पछेआव्युंसांजळलनुंताळ ॥ नाथादासनेपोतेदयाल ॥१२॥ त्यांथीचालीयापुरणब्रह्म
पडोपोतानेबहुपरिश्रम ॥ पछेसेवकनेकहेशांम ॥ चोपीकलनरपोचवियेगांम ॥१३॥ पछेत्यांथीचाली
यादयाल ॥ आव्याअरणमांएकताल ॥ तीयांबेवीहतीबेउनारि ॥ परसमाधीजोरसुखकारि ॥१४॥ सं

॥भक्त० थी चाल्या पोते तत्काल ॥ वाटे जातां दीठा वेडवाल ॥ पछे परस्पर बोल्या वाल ॥ आ जो चाल्या जाय छे दया प्र० ५५॥
॥२२६ ल ॥१५॥ पछे ते पकडी लाव्या धुरंधर ॥ घणुं जतन करी मन भाव्या ॥ दया नदी पती पोते वस्या ॥ संगे दास ते
ने जोई हस्या ॥१६॥ हवे परमहंस दशा ग्रही ॥ सी दुख नादरी यामां वही ॥ एम करी मुनि दशा दीधी ॥
पोते कछ जावा इछा किधी ॥१७॥ चाल्या आधुरथी अविनास ॥ किधां करखी दरसं ने दास ॥ पछे आ
विया भुज नगर ॥ जने निरख्या सांम सुंदर ॥१८॥ रयां रिया पोते बहु दन ॥ तीयां ते डाविया बहु जन ॥ आ
व्या से तत तेस रवे मली ॥ नवा परमहंस नी मंडली ॥१९॥ घणे हेते मल्या सांमा जइ ॥ दिधां दर्शन प्रसंन थइ ॥
बहु दिवस राखी या पास ॥ पछे एम बोल्या अविनास ॥२०॥ जेम मोसे मांनु तुं वचन ॥ तेवुं जाणो जो वि
जुं आ जन ॥ जेम वचने पया वैराग्य ॥ करख संपती सरवे त्यागी ॥२१॥ हवे वचने पाछा वली जाओ ॥ घे
र बेठ गहरी गुण गाओ ॥ त्यारे संत कहे करुणो धाम ॥ एवुं करवुं नहि हवे कांम ॥२२॥ प्रथम वेसारी हरी क
रिये ॥ हवे वेसार कान धरिये ॥ सेपी कंदर सारो करवाग ॥ तेनो केम करावो छो त्याग ॥२३॥ परमहंसे
आ मनमां कंचार ॥ एवुं जाणुं तमे मन मांय ॥ नैतो आवुं वचन न दाखो ॥ नि सरया कुपमांके मनाखो ॥२
४॥ वेरिहे अनेवलो बंधाये ॥ पडे कोरडि भागसी मांये ॥ छुटे ते परणको पेकदंने ॥ न छुटाय जे बांध्या भावे ॥१२६॥

ने ॥२५॥ तेमांथी काढिया ग्रही हाथ ॥ हवे सीद नेनाखो छो नाथ ॥ पछे बोली या छे भगवंत ॥ राम सम
सो मो तमे संत ॥२६॥ आज करवा छे कै के काज ॥ नीसरे मांनो तमे मुनिराज ॥ तमे पुरा छो परमहंस ॥ न
थी तम मां जक्तनो अंस ॥२७॥ एम समझाविया बहु विधी ॥ पछे सर्वने सीख जदिधी ॥ पोते नाथ रिया भुज
माये ॥ नीत आनंद उछव थाये ॥२८॥ जाय जमवा जंन ने घेर ॥ करी मनमोहनजी महेर ॥ एक भक्त जन
जीवरांम ॥ तेनी माता नुं हरखबाइ नांम ॥२९॥ तेने प्रेम मांइ टेव पडि ॥ जमाडे वर फीपे डारूष डि ॥ जो
मनमांनु न जमे जीवंन ॥ तो तजे सम दनलगी अंन ॥३०॥ एवुं जो रहेत जननतणुं ॥ रहे भुज नगर मां घ
णुं ॥ एक एकथी अधीक अंगे ॥ सउ राची पो हरीने रंगे ॥३१॥ भाव भजनमां सावधान ॥ बिजी वातने न दि
ये कांन ॥ एवा जंनने दर्शन दइ ॥ चाल्या नाथ संग लेइ ॥३२॥ फरे कछ देश मांक पाल ॥ दिये दर्शन साधु
सौने दयाल ॥ पछे नाथ मांडवी ये आव्या ॥ तीयां सर्वे संत ने बोलाव्या ॥३३॥ आव्या मुनिजन सउ मली
नाथे तेडाव्यां एवुं सांभली ॥ आवि उतर्या तलाव तटे ॥ मुखे स्वामीनारायण रटे ॥३४॥ करे वात वालो
घणि घणि ॥ चडे रंगरि खुमारि नेत णि ॥ वली लागे वैराग्य नली तावे ॥ काचु पोचुं पशु मन न भावे ॥३५॥ जेम
जेम वात करे नाथ ॥ तेम धारि जीये सउ साथ ॥ वली नीसप्रते दर्शन पाये ॥ तेनी मस्ति अती मन मांये

।।भक्त० ४६ ।। दिधां दर्शन ते सुखकंदन ।। थीयां जंन सरवे मगंन ।। पछे एम बोल्या महाराज ।। तमे सांभलजो सौ मुनी प्र० ५६।।
।।२२७।। राज ।। ४७ ।। हवे जाव्यो संत सर्वे वृंद ।। करो अमदावादमां आनंद ।। उतरजो सउ सेरवार ।। करजो
कथा किर्तन नो चार ।। ४८ ।। मले सत्संग सउ संतने पासे ।। रेजो सर्वे मली साचो मासे ।। थासे जेतलपुर
मां जग्न ।। तीयां जमसे विप्र जंन ।। ४९ ।। आवे तेडवा तो तमे जाजो ।। तेतो बेगा हरिगुण गाजो ।। एम
करने संत चलाव्या ।। पोते श्री हरि सेरमां आव्या ।। ५० ।। संत पोताछे अमदावाद ।। थाय नीत सत्संग
संवाद ।। एम करतां दिवसा को इदंन ।। थीयो जेतलपुरे जग्न ।। ५१ ।। करे गोविंद मुनी मोटो सनेह ।। नाम
नाना भाइ तेनुं छेह ।। जमे ब्राह्मण नव्यावे पार ।। थइ रियो छे जयजयकार ।। ५२ ।। जम्या ब्राह्मण भाव करी
ने ।। सुंदर मोदक पेट भरिने ।। पछे पुरो कराव्यो जग्न ।। नरनारी कहे धनधन ।। ५३ ।। पोम्या आश्च
र्य मनमोझार ।। थियो निरविघन निरधार ।। एम पुरो थीयो छे जग्न ।। पोते पधार्या नाता जीवंन ।। ५४
पछे संतने तीयां तेडाव्या ।। संत सउ जेतलपुर आव्या ।। ते पण जम्या ता जगंन मांये ।। स्वामी सहजानं
द जीनी आज्ञाये ।। ५५ ।। इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तक श्री सहजानंदस्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि वि
रचिते भक्तचिंतामणि मध्ये श्री महाराजे प्रथम यग्न करयो ए नामे पंचावनमुं प्रकरणम् ।। ५५ ।। चोपाइ ।। पछे ।।२२७।

कच्छदेशथी कृपालु ।। आव्या पांचाले दिन दयालु ।। मंगल करने साधु बे चार ।। प्रथम आवी पादे त्राहाला
र ।। १ ।। गाम मोगाम मां दर्शन दिधां ।। सर्व जंन कृतारथ कीधां ।। पछे आवी पासरधार मांये ।। हरिभक्त काठि
आव्या मांये ।। २ ।। पछे पांथी चालीया महाराज ।। आवि रिया पीपरडिये राज ।। बिजे दिवस बोटाद आव्या ।। अ
देभगे भावे संग जमाव्या ।। ३ ।। रिया दिवस बेक रिमेरु ।। सोमला ने मांतरा ने थेरु ।। पछे पांथी आव्या कारियां
णि ।। वरसे मेघ पडे बहु पांणि ।। ४ ।। वसे भक्त सां मो चो विरदास ।। रिया तियां हरि चारमास ।। आव्या गढडे पी
हरिजेन ।। जेनो सागे सुकां गाछे तंन ।। ५ ।। आव्यां देशोदेशथकी दास ।। नथ को निरखवा अविनास ।। आव्यां
वागड कच्छ हालारि ।। सोरठ वाला कनो नरनारि ।। ६ ।। आव्यां पांचाली ने गोलवाडि ।। भाल गुजरात फालावा
डि ।। आव्यो करत पी संघ वली ।। घणुं रियो छे रंग गडो हली ।। ७ ।। आवे सउ लागे हरिपाये ।। नाथ निरखि त्रप
तन थाये ।। आव्या संत ते सरवे मली ।। हती अमदावाद जे मंडली ।। ८ ।। पछे प्रभु तणि पुजा करी ।। जम्या वरू
सर करा हरि ।। सुंदर वस्त्र सां मली थो पेरि ।। दिधे दर्शन दासने लेरि ।। ९ ।। करे वात अलौकिक आपे ।। सर्व
जंनना संशय कापे ।। जाय नाथ जी नीम तलावे ।। जन पास लसर ग लावे ।। १० ।। गातां वातां आवे पाछा घेरु
नी समन्ने पाय लीला लेरु ।। सुंदर घोडे चडे गीरधारि ।। पाय च मर जु वे नरनारि ।। ११ ।। पछे यज्ञ कराव्यो मारा

॥भक्त० जे ॥ तेड्या ब्राह्मण जमवा काजे ॥ थी पातलावे चोका चालीस ॥ चढियो देफरे जगदिश ॥ १२ ॥ जम्या ब्राह्मण आद प्र० ५६॥
॥१२८ क्षत्रणादि धी ॥ पछे सर्वेने सीख जद्दिधी ॥ सारा रुदर वर समाये ॥ आरुव दितेर सके वाये ॥ १३ ॥ ते दिथ जक्त
लो भगवांने ॥ दिवी नजरे नथी रुरणी कांने ॥ पछे आव्या दिवाळी नो दन ॥ जन पर हरखे छे प्रसंन ॥ १४ ॥ दिये द
र्शन दिवस रात ॥ वळी घणी घणी करे वात ॥ एम आनंदे उछव करि ॥ पछे संत श्रसे बोला हरि ॥ १५ ॥ संत
सो भलो ने सउ मति ॥ तमे बांधो दवे वे मंडली ॥ एक नवा नगर मां जाज्यो ॥ विजा रूर तसे रज गाज्यो ॥ १६ ॥ पछे
संत गया वे उ सेरू ॥ राखि सुरति रुदे कुडी पेरू ॥ लरका लोछो गालो छवी लो ॥ राख्यो संते रुदा मां रंगीलो ॥ १
७ ॥ ते चुं धरतां अंतरे ध्यान ॥ चाल्या संत थई सावधान पछे सां मली ये रूं रूं किधुं ॥ फरि सउने दर्शन दिधुं ॥
१८ ॥ पांथी वालो गया वढवांण ॥ दवे तुलसी चुं कर वा कल्याण ॥ तुलसी बोल्या तो करुं जग गंन ॥ पडरो पोटा
न खर चो लखुं धंन ॥ १९ ॥ सो थी चाली या रुद्र सांम ॥ वाला आआ राम गरि गांम ॥ दिधां दासने दर्शन भावे ॥
ने आव्या दकुके मछी याके ॥ २० ॥ वली विछी या अमो डा सर ॥ सो थी आ विया जेतलपर ॥ रिया रास सो पुरण
को म ॥ पछे आविया इमां णगांम ॥ २१ ॥ वळी पीज नदि या ढगीया ॥ पछे उमरेठे जइ रिया ॥ ती या भक्त रल्हे रु
परां म ॥ प्रभु पधारिया तेने धांम ॥ २२ ॥ रिया सात दिन रूधी ती यां ॥ बउ वतापजणा कोइ यां ॥ पाय धांन धा ॥१२८॥

रण अपार ॥ जोइ निश्चे करे नरनारु ॥ २३ ॥ पछे पांच कि गांम सधाव्या ॥ आधा जमे पाछा वळी आव्या ॥ करी मुकां
तो जनने भोजंन ॥ तेने घेर जम्या छे जीवंन ॥ २४ ॥ दइ दरसन चालाद याळु ॥ आव्या चांगा मां नाथ रूपाळु ॥ भक्त
नथुल खे जी धोळाव ॥ सो थी आव्या रोलप गांमे माव ॥ २५ ॥ पीराणानी पिराइ वेरा वि ॥ एनो मेत नेश्वत फीपे रा
वि ॥ पछे मतीयां मत्यां सउ आवि ॥ रोइ का का नी ब्रत फी मुकावि ॥ २६ ॥ पां थी आव्या बोचासण गांम ॥ भक्त
कासीदास जीने धांम ॥ सो था वेरुरूबे सीव कुनां मां ॥ आव्या बुधेजे अंतर जांमी ॥ २७ ॥ दवुं तुं हठी भाइ ने रु
येन ॥ थी मुं ते वा नुं ते वुं उसंन ॥ सा थी आव्या जेतलपुर वली ॥ आव्या सउ दर्शने सांभलि ॥ २८ ॥ बाल व्रध ने
जोवन जेह ॥ आव्या सौ मली दर्शने तेह ॥ जनके भले आव्या जीवंन ॥ काम्ये छे उत्तराय न दन ॥ २९ ॥ तेने येना
थ के ने ड्रो ब्राह्मण ॥ जमे मगावि ये घत मेण ॥ प्रथम मेंडा णा मण थी कस्यां ॥ पछे पुछ लो पांच सेर स्युं ॥ ३० ॥ जे
म जेम पुछ्युं वळी जंने ॥ तेम तेम च धार्यं जीवने ॥ मोस्ये नोतरुं ने पछे सीधुं ॥ एम जग जनुं परियांण किधुं
३१ ॥ एनी तो छे अती परचानी वात ॥ तेतो जांणे छे संत साक्षात ॥ एम नाथे करयो निरधार ॥ मांड्यो आरंभन
करिवार ॥ ३२ ॥ लिधा घी गोळ घउ दाळ्या ॥ तळी या मोदक मोरा वळाव्या ॥ करी लाडुवा भर्यां कोठार ॥ वि
जो अंगणे सम्या जन अपार ॥ ३३ ॥ मांड्यो जेतलपुर मां जंग ॥ आव्या ब्राह्मण तेडाव्या संग ॥ रचो मंडप वेद वि

धिये ॥ कर्‍यो कुंड ने होम वाधी ये ॥ ३४ ॥ भणे ब्राह्मण मंडप मांय ॥ दिये आहुती घृतनी सांय ॥ जपे मंत्र ने होमे छे
अन ॥ थाय विधीये जुक्त जगंन ॥ ३५ ॥ जमे ब्राह्मण न राखे खामी ॥ जमो जापो जमाडे छे स्वामी ॥ जम्या जे वा
छे मोदक मोटा ॥ खाय्या खुब करीने खोटा ॥ ३६ ॥ जमतां जमतां जाय थोरा ॥ तेनुं आ पण कुलमां वखाण
जमे ब्राह्मण जोर जोरा ॥ अती मोद मस्या मन मांय ॥ ३७ ॥ वेसे पंगत्युं न आवे पार ॥ जमे विप्र हजारु हजार ॥ जे
म्या जोरे ने खुब खु जमरा ॥ रवार खाई ने काया ब्राह्मण ॥ ३८ ॥ एम जम्या अर्णाद ज्ञाद न ॥ पछे पुरे करा म्यो जगंन
दिधां दान दक्षणा द्याले ॥ पाली वेद विधी प्रतिपाले ॥ ३९ ॥ एम पुरो कर्‍यो अती रुड ॥ जम्या द्विज क्षत्री वैश्य
शुद्र ॥ कोय जम्या विना न अरयुं ॥ आवी विनाश्वेन वाड द यु ॥ ४० ॥ जमे जंन बोले जेजेकार ॥ धन धन एम थाय
उच्चार ॥ देशो देशथी आव्या ता जंन ॥ निर्विन थयने थीया मगंन ॥ ४१ ॥ तीयां पुछ्युं नुप ब्रह्म मारा जे ॥ करता
उतर विप्र लाजे ॥ पीयो सांभ मुख साटहली ॥ वो आन शरिया प्रतर खुली ॥ ४२ ॥ पछे सरवे ने सीख जदिधी
ए विली लाश्री महाराजे किधी ॥ पोस सुद सप्तमी सारि ॥ हरिजन ले जो हृये धारि ॥ ४३ ॥ ते दि पुरो थीयो
छे जगंन ॥ सर्वे राजी थीया साधु जंन ॥ कुष्ट जांणोन स्थापे जगंन ॥ कर्‍यो नोथे ते निरविघंन ॥ ४४ ॥ करि
जग्न ने जीवन चाला ॥ पश्चम देश मांद दर्शन आसां ॥ सर्वे जक्त मां जणाणि वात ॥ कहे स्वामि श्री हरि सा ॥ १२८ ॥

क्षात ॥ ४५ ॥ एवुं सुणि दाखां डुरिजंन ॥ कहे आजां णे कर्‍यो जगंन ॥ नथी भेख ने खबर खबरि ॥ तारे गीयो एज
गन करि ॥ ४६ ॥ हवे भेखधारी सरवे मेला ॥ केम करी करसे एम मेला ॥ जमरां ण आवसे जमासुं ॥ ते दि छे ए
स्वामी जीनी वातुं ॥ ४७ ॥ खास रुपे पारसा रुडा रखुं ॥ पण पथ एनो नइ राखुं ॥ एम परस्पर पगी यांखुं ॥ एम
मन नुं माराजे जांणयुं ॥ ४८ ॥ सर्वे संत प्रत्ये कहे हरि ॥ करी ये जगन आप णे फरि ॥ पछे हरिजंन ने तेडाव्या ॥ मली
जेतलपुर ते आव्या ॥ ४९ ॥ रिया दिन दो च्यार एगांम ॥ पछे गीया लोया गाम ॥ परमहंस सन्यासी छे संगे
विते दंन आनंद उमंगे ॥ ५० ॥ आव्या सत्संगी सउ मली ॥ थासे उछव एवुं सांभली ॥ ना थ निर्विघ्न सुखी थी
या सहु ॥ दिये दर्शन प्रसंन बहु ॥ ५१ ॥ गाम मां थेती संगन माय ॥ तारे बाइयो सुवासन जाय ॥ गाय कीर्तन या
य किल्लोल ॥ आवे दर्शने जंन हिलोल ॥ ५२ ॥ एम आनंद उछव थाये ॥ निसना वाक्यो करि ये जाये ॥ गाता
वाता आवे वली घेरु ॥ एम थाय बहु ली लालेर ॥ ५३ ॥ करे वात प्रभु ज्यारे आप ॥ ते मां जणाव्युं उपजता प
का यक भुत भविस नुं भारवे ॥ दिये जणावि केड्रेन राखे ॥ ५४ ॥ कहे जगन करस्युं जरुर ॥ आवुं विघ्न थी
को ये पुर ॥ गाम मां थेसे को यछे सरे ॥ होम था से गाम ने गोंदरे ॥ ५५ ॥ ते तो जांणसे सरवे जंन ॥ केसे भलो
कर्‍यो एज गंन ॥ एम करे हरि ज्यारे वात ॥ सुणि जंन थाय रजीयात ॥ ५६ ॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्त

॥ भक्त० कश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येजेतलपुरेयज्ञकर्योएनामेछ प्र.५१॥
॥१२० पनमुंप्रकरणम॥५६॥रागसिंधुकाफी॥एवुंसांभळीनेआवियुं॥वळीदुष्टजननेंदुंदल॥साधुनेमांड्यासंताप
वा॥वढुवढुंदेखाडेवळ॥१॥संतश्रीनगरमांय॥निसरयातातांभीक्षाअर्थ॥तेनेअसुरेआविआंतस्या॥
मारेकुटेअतीअनरथ॥२॥गेडीधोकापडेलाकडि॥वळीकुंदेमारीकटीयुं॥कस्याप्रहारकडिपाळीये
तेतोसंतेसर्वेसह्युं॥३॥तपसीकृषीकरसंतनमां॥तेनेमारयुंमोटववडाविया॥मनगमतोमारदेतावळी
उतारापरलइगया॥४॥तीयांजरताडुरमकरि॥फरिबांधीमाथेउपेल॥असुरनेहाथआविपडिया॥
जेनेजगयनमलेमेल॥५॥कोयकहेकोननाककापो॥कोयकहेकरोधानजीवनी॥कोयकहेभुजचरण
भांगो॥एमबोलेसंन्यासीवनी॥६॥मांखेभुंडिगाळ्युमुखथि॥तेतोजेजेबोलेतेथोडिपुं॥जाणुंमस्त
कपांचसुं॥कापीलइस्यानुंचोडिपुं॥७॥कोयकसंतकलेव ले॥असुरहाथआव्यानहीं॥तेणेखुब
स्खोसरेवळी॥आवीनेसरवेकर॥८॥रूलिश्रीहरितेहश्रवणे॥अंगेउभीपुररोमावळी॥एवांकों
णअवनीउपरे॥जेमाराजसंतनेमारेवळी॥९॥करिनजरअतीकरडि॥थीयांलोचनलालविकराळ
भ्रकुटीभंगात्वडाविया॥देखीकंपवालागोकाळ॥१०॥त्रासिसुरजजांखापड्या॥वळीउछिपोअजज ॥१२०॥

कुलाई॥शिवकहेसंहारवळसे॥आजनथीरेवानुंकांई॥११॥इंद्रसुरनेभयउपनो॥वळीदचेडसा
दिगपाळ॥जोइकोपमहाराजनो॥तेणेकंप्योपनंगपयाळ॥१२॥वळताप्रभुजीबोलीया॥सुणि
संतमांनजोसमु॥आराजमांरेवुंनर॥तमेजाओसेरसुरस॥१३॥अधर्मिअधीपतीअती॥जाथ
र्मनीवातगर॥तीयांतमजेवासंतने॥मळ्णकुपणरेवुंनर॥१४॥चालोसंततमेचोपसु॥वळीअती
उतावळाआवीयेथी॥साधुसरवेसधावजोतेम॥अमेरसुआंउथोकापथी॥१५॥पछेचरणेलागीचा
लीया॥वळीसंतसर्वेमंडली॥संतचारसेसांभरयथर॥भरसुरतमुक्तमंडली॥१६॥पछेशिष्यापोतापास
ले॥वळीखुरितेक्षत्रीजात॥तेनेतेआगळश्रीहरि॥करवातेलागावात॥१७॥कहेमारेकेमकरसं
आतोअसुरेउपाडिकाळीपुं॥संतनेतेथेसीवआपि॥जारेआपणुंनअचाळीपुं॥१८॥एवुंसुणिसे
त्रीधणसीया॥प्रभुपाछावाळोसंतने॥नमारप्रतापथकी॥मुवेअमारिरमतने॥१९॥आजअचस
रआवीयो॥जेनेमागेमोटासुर॥अमाराउनेपीडिया॥तेनेजोसुंअमेजरुर॥२०॥पडेकोमपुठन
फेरवे॥वळीकरगरेकायरकुर॥थीकथीकतेनाजीवतमां॥एनीजनेताभारेमुर॥२१॥गांमग्रासकों
टकारणे॥वळीरणेचडेचडिचोर॥भुपमंडेशिरपडिरडे॥एमलडीयायजोटपोर॥२२॥एहरिनक्षत्री

॥ भक्त० तणि ॥ तेनीजांणोसउकोयेवात ॥ खोटासारूवेवेदनमुके ॥ आतोमाचुछेसाक्षात ॥ २३ ॥ आपोअमने प्र० ५१॥
॥ १३१ आगन्या ॥ जेजोयेएतुंअमेजोर ॥ कयासेवआराखांनथी ॥ छेप्रभुअमारिकोर ॥ २४ ॥ पछेप्रभुजीवोलीया
आतजालवीसउआपणे ॥ कालजाकंकोकरियें ॥ पछेवणवुंहोपतेमरवणे ॥ २५ ॥ एमवातकरतांवरंगे
रइनहिरंचे रास ॥ पछेपोरएकपोढिजागीया ॥ पोते प्रभुजीप्रभात ॥ २६ ॥ कहेपाअ्योसउसावधा ॥ नावा
कोकरियेसर ॥ वाजव्रहनेवारमात्र ॥ तेतोरजोसवेंधेर ॥ २७ ॥ आपेअश्वनेउपस्थे ॥ तरतथयाअसवार
सर्वेसखासजथय ॥ संगेचालीयाअपार ॥ २८ ॥ अश्वअसवारओलखि ॥ अनेधीरजनसकेधरि ॥ पग
नमांडेपृथवि ॥ जाणेउडउसेपांखुकरी ॥ २९ ॥ पछेनाइनाथपाछावल्या ॥ अनेआविनेउतस्यावारु ॥ पो
तेपधास्यापुरमां ॥ सांआव्याअश्वकरअपार ॥ ३० ॥ अतीकालाकोधवाला ॥ वलीवेसजेनाविकराल
वा छे ॥ जोरजटालालांबीकोटा ॥ कैंपेकेवाजेवाकालछे ॥ ३१ ॥ मुछमरडेकांडांकरडे ॥ वलीभस्यावरडे
भाथछे ॥ कैंकभुराअतीलंबुरा ॥ पुरापोचुतेहाथछे ॥ ३२ ॥ खडगखांडांहाथवेडा ॥ समसेरसांग्य
करगही ॥ वधुकवरछीखरिखरची ॥ अक्करभेरआव्याअही ॥ ३३ ॥ डांडामोटांपरिलंगोटां ॥ दोदुं
दिधेमारवा ॥ आरदमांआव्याधसा ॥ गाउकोकरवारवा ॥ ३४ ॥ चडावेरिसीधाधेरि ॥ जमतादुनाजि ॥ १३१॥

वनवली ॥ मोटिडांढिखडगकाढि ॥ मारवाहुरामली ॥ ३५ ॥ विप्रेमांआवलीवारवा ॥ पणमांनेनरमदेभस्या
कादिखडगकरमां ॥ हरिजनउपरधावकस्या ॥ ३६ ॥ हरिजनकहेहवेपापीयो ॥ उभारेजोएहपगे ॥ अ
मवरतमेघावकीधा ॥ अमेनवोलासांभलो ॥ ३७ ॥ सीहसरिखासीभला ॥ वलीजुधमांजांणोघणुं ॥ धा
याधणीणि मारवा ॥ खुमेखडगकोणक्षत्रितणुं ॥ ३८ ॥ आरपाडताचोकमां ॥ जेहताअक्करमांअधीप
ती ॥ विजाभएणिभागीया ॥ भायोआपणिपणआगती ॥ ३९ ॥ वणवलवेरागांकरतांनागां ॥ भागा
भुरभुलीदसा ॥ रेतामरडातांअलीवरडांता ॥ खासडांखातांखुबखस्या ॥ ४० ॥ अतीअसोयांबकुवफो
यां ॥ कोयकोयनेभेलुनहि ॥ मासामासाकहेमुखपी ॥ रियोपीयोरियुंथइ ॥ ४१ ॥ जांणिनेमुक्याजीव
ता ॥ वकुलागीमाराजनीविक ॥ नैतोएकेएकने ॥ करवातेहनाविक ॥ ४२ ॥ पछेआव्यापाछावली ॥ क
स्याप्रभुनेप्रणांम ॥ तारेनाथकहेआपणे ॥ रेवुंनइआगाम ॥ ४३ ॥ हरिहरिजनहेतुसतना ॥ कस्यप्र
क्षसमकेवायें ॥ तेमांजेजनजेवुंचीतवे ॥ तेनेतेतेवुंथाये ॥ ४४ ॥ नरतनधरिनाथजी ॥ वलीकर्पसमसो
भेघुणुं ॥ पणपापीनेनपडेपाधरुं ॥ नडेपापपोतातणुं ॥ ४५ ॥ एमभारउतास्योभुमीनो ॥ चेन्नाकचदिच
तुदेन्न ॥ तेदिपापीमारिया ॥ जेआव्यातामारवाधसी ॥ ४६ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसह

॥चोपाइ॥ पछेपोथीचाल्याअविनास॥ जोरअक्रूरजनेनोनास॥ गीयावेलासमजकीगांम॥ पछेक
छमोसधाव्याज्ञांम॥१॥ सांथीकागलमोकल्योनाथे॥ एवुंसीदकस्युंअमसाथे॥ अमारेतोनोतुंकरवुं
एम॥ तमारेपणघटेएकेम॥२॥ एतोथयुंछेअजाणपमांइ॥ तेनोधोखोकरसोमांकोइ॥ एतोकरावनार
छेकोक॥ तेनोसीदनेराखवोसोक॥३॥ अमेतमेतोएकजछैये॥ घणुंघणुंसुखमुखथीकैये॥ अमेकरसुं
जगनदुभोरण॥ तीयांआवजोसर्वेसुजांण॥४॥ पासेतेअमेचाकरिकरसुं॥ तमेकरसोमांतमाहेन
रसुं॥ थातोएकाएकहतांअमे॥ तेवासमामांआविथातमे॥५॥ एवोपत्रलख्योअविनासे॥ आव्योअसु
रथीसनेपासे॥ ग्रंथसदांमदंडभेदेभर्यो॥ वांचीकागलविचारकर्यो॥६॥ नकरीयांनुगरानीवात॥
जेणेमारयासाधसाक्षात॥ एमसमजीमनमांविचारि॥ पछेबेसीरिपाजखमारि॥७॥ पछेसकंसकंक
स्युंभगवांने॥ कहेसोभलजोसहुकांने॥ आदस्योछेडुभांणेजगंन॥ आव्यांचैदिन्नोपीहरिजंन॥८॥ सा
लदालनेदसाव्याघउ॥ लीधांघीगोलमीसरिबउ॥ सातरसनाभस्याकोवार॥ तेनोकेतांतेनआवे
पार॥९॥ पछेपोतेपधार्यामाराज॥ पुरोकरवोजगंनएकाज॥ रियादनदोयएहगांम॥ पछेगीयाधो ॥१२२॥

डासरगांम॥१०॥ सोथीनाथपधार्याहाथरोली॥ तीयांतेडाविसंतमंडली॥ आव्याभीलनेभीलमुपती
हाथजोडिनेकरेविनती॥११॥ भलेआव्यातमेभगवांन॥ दिधांअमनेदर्शनदांन॥ उभाआगलजोडिने
पांण॥ अमछैयेतमारावेचांण॥१२॥ कोइकसोपजोअमनेकाज॥ एवुंस्कणिनेबोल्यामाराज॥ आवा
साधुहोयनीरमांन॥ तेनीरक्षाकरविनेदांन॥१३॥ दुभोणमांरयासेजगंन॥ तेमांकरवारछेछेविघं
न॥ मह्मपदेभरयाजेअभागी॥ तेनेकेमगमेआवासागी॥१४॥ मारेएनुंकरोउपरालुं॥ थायतोकरे
जोरखवालुं॥ तारेबोल्याभीलनोभुपती॥ एनोभारनथीमारेरति॥१५॥ मरआवेपृथवीपतीराये॥ मां
तुलरणाजेवोमनमांये॥ पणमागुछुंजोडिकुंहाथ॥ मारेघेरपधारियेनाथ॥१६॥ पछेबेसार्यापाल
खीपर॥ रायतेडिचाल्योनिजघर॥ बहुहेतकरिपधराव्या॥ भरियालमोतीडेवधाव्या॥१७॥ पछेसु
रतथीसतसंगीआव्या॥ प्रभुसारूपोसागतेलाव्या॥ सोभेस्करवालजामोजरि॥ सीरबांधीछेपाघसे
नेरि॥१८॥ बांधीकमरेकस्केवीसाल॥ निर्खिजंनथीयांछेनीहाल॥ चमरछत्रअबदागरि॥ तेरियाछे
हरिपरधरी॥१९॥ धुपदिपउतारिआरति॥ पछेकरजोडिकरिविनति॥ जोरराजाथयोरलीयात॥
प्रभुसांभलजोएकवात॥२०॥ अमपरमेरूहरिकीजे॥ आवुंसौनेदरसनदिजे॥ पछेवेगापाजरखीये

॥भक्ता० हरि॥दिधांदर्शनसेरमांफरि॥२१॥निर्दिनाथनेपीपासनाथ॥सउकहेधनधंननाथ॥पछेप्रभुके प०५९॥
॥१३३ स्रुणोराजेंन॥जाथेइआंणोकरवाजगंन॥२२॥सर्वेसजथा आोतमेस्रर॥जावुंजोसेआपणेजस्र
पछेराजाकहेस्रुणोनाथ॥कोतोलावभीलसेउसाथ॥२३॥तारेबोलीयाएममाराज॥नथीआ
पणेएवडुंकाज॥कोरकथोडाघणाली पोसंग॥विजाछेअमसंगेतोरंग॥२४॥सजपरवास्मोभील
राज॥वेठांपालखीपरमहाराज॥वाजेटोलददामावीसांणा॥सोभावकुस्कंककुंवस्त्रांणा॥२५॥आ
व्याउभांणादुंकराजारे॥पीपाघोडेअसवारतारे॥घोडोसोभेछेघणुंरुपालो॥मोड्योसाजउपर
सोभालो॥२६॥कोटेकोटिपुंकुलरहार॥पगेफोफरनोजमकार॥चोदीचोकडेमोवडेजडि॥माथे
करिछेकलंगीखडि॥२७॥सोभेतावीथघुघरिसार॥केस्रेकनकाभुषणनीहार॥कावुजीनकन
कनुंराजे॥दोयपागडुंमोरविराजे॥२८॥अंगोअंगसोभासरभलुं॥सोभेघोडोघरेणामांघरणुं॥
सारोसीलसोयामणोलागे॥चालेघमकेघुघरिवागे॥२९॥धीरेचालेनेसीयेवारकी॥घोडेपोचा
पनहीकोयपथकी॥एवेअम्बेचडीयामाराज॥देवादासनेदर्शनकाज॥३०॥लीधीसर्वेसंघनी
संभाल॥करेचोकिरुडीरखवाल॥पछेअम्बपरथीउतरि॥वेठापालखीयेपोतेहरि॥३१॥धिरे ॥१३३॥

धिरेदियेछेदरसंन॥घणुंजनपरछेप्रसंन॥पछेआव्यापाकसालामांये॥घडिएकवेठापोतेसाये॥३
२॥पुछीपाकनीखबरखुरि॥कयुंमुक्याछेमोदककरि॥पछेमोदोकराव्योतेमाल॥तीयांवेगाज
रदिनदयाल॥३३॥निरखेनरनारिमलीवृंद॥जेमचकोरचित्तवेचंद॥एमकरतांवितीघडरेणा॥पोर
एकपोट्याकमलनेणा॥३४॥पछेजागीयाप्राणआधार॥तर्तघोडेथयाअसवार॥फरीजोरछेसी
मसंभाली॥पछेमंडपेआवियावली॥३५॥तीयांब्राह्मणहताहजार॥करतावेदनोमुखेउचार॥भ
णेमंत्रनेआफ्रतीदिये॥वंहेपरनालेअखंडघीये॥३६॥होमेहविसांनजवतल॥नीरदोषजग
नअवल॥नालीकेलीलविंगसोपारि॥होमेएलाचादिसालसारि॥३७॥वहुविधनीलक्ष्सांमग
रि॥होमेछेवेदविधीयेकरि॥वेठातियांपोतेघडिचार पछेआव्यापंगसमोजार ३८ वेठिपंगसबा
ह्मणतेणि कोयपथकीतेनजायगणि जमेबाह्मणभाववभरिने जुवेपोतेपंगसफरीने ३९ पछेज
मीनेउठ्याविपर गियाठिजउतारउपर एमजग्यादनदशस्रुधी पछेआविएकदीकवुधि ४० आ
विअस्रेकस्रोपवेश तारेद्विजेआदर्योछेकेश कहेकोयेककरोउपाये स्रेविचारिरियामनमांये
४१ आतोपुरोथयोरेजगंन तेमांकोयेनपडवुंविघंन सीधांखरच्यामांनराखीखांमी करीयेविघ्नतो

॥भक्त०॥ आपणे वांमी ॥४२॥ पेलां आपणां मनुष्य जमाडो ॥ विजां कलेकरीने खमाडो ॥ पछे करीये कतो हलभारि ॥ प प्र० ५९
॥१२४॥ डसे भंगाणा घासे खुवारि ॥४३॥ पछे कोणके नेओल खेछे ॥ घणा वि प्रआपणा परखेछे ॥ लोट जोइवा लुटि
जलेस्कं ॥ विजा तजावमांना खीदेस्कं ॥४४॥ गोलथी कुंडला लेस्कं हाथे ॥ जास्कं अंधारे उपाडि माथे ॥ ए
कएक लइ जास्कं मोटली ॥ जमस्कं घी गोलने रोटली ॥४५॥ एम परियांणीया वलीवांमी ॥ तेतो जांणीछे
अंतरजांमी ॥ जो जो जीवतणि अवलाइ ॥ केवुं विचारि सुखवाइ खाइ ॥४६॥ एवुं जांणीने हसीया हरि ॥ पछे
जीवने जुगती करी ॥ आआ पाकसालाने मांजार ॥ करी कलकाटा वांमी बार ॥४७॥ आडा उभा राख्या
आंणी पाला ॥ हाथ करी लीधी पाकसाला ॥ दश डारे हाथ जीधी असी ॥ डरि डुष्ट उमा डुर खसी ॥४८॥ कर
वुं हतुं अवलुं अपार ॥ हो सरस्तेहे पामो जार ॥ वेग हाथ घसी पछे देवा ॥ बहु सोमृत्य श्रीहरि हिता ॥४
९॥ इति श्रीमदेकांतीक धर्मप्रवर्तक श्री सहजानंदस्वामी शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंताम
णिमध्ये जन्नागभनामे एकसोचोवीसमुं प्रकरणम ॥१२४॥ रागसामेरि ॥ वलतां ते विप्र बोलीया ॥ महाराजस्कं क
हो छो तमे ॥ जेम आपो आगम्या ॥ तेम सउ करीये अमे ॥१॥ महाराज के एकतमे ॥ एक अमारो तमसा
थ ॥ तमे लेजो लाडवा ॥ एलेसे जे एका हाथ ॥२॥ पीरसे पोतानो पारकां ॥ जोर करसे जराये ॥ नोतमने ॥१२४॥

एनाइसे ॥ तेनी रावरो सनकांये ॥३॥ पछे भस्यो मोदकनो गाडलो ॥ ते एजुता जो धजुवारा ॥ पाक फरे पं
गतमां ॥ एम जमाडे जीवंन प्राण ॥४॥ तो थवा ब्राह्मण आमुंडा इन तजे ॥ जस्वे गए करा कलाकदि ॥ तेये महा
राजके काढियो ॥ तमे आवो सउ घोडे चढि ॥५॥ लेवरावी सउने लाढियुं ॥ काठी आवी पाघोडे चढि ॥ वि
नागोली ये वछोडि दियु ॥ सां वंधु कुं बकु पडि ॥६॥ भांगी मडाके कोढियुं ॥ स्कंदर दाल नी सोल ॥ जोले डुष्ट
विघन पाइसं ॥ सो मुपडा पोताने रोल ॥७॥ खोटे डारे डु रा विप्रा ॥ कहे उवसो जमता कोय ॥ जरुर तेने मा
रसुं ॥ तमे उव्व जो एवुं जोय ॥८॥ एमजुक्ती करीने जमाडिया ॥ नव्य पडवा दिधुं विघन ॥ एमजरुडि रितस्कं
महाराजे कराओ जगंन ॥९॥ पछे दिवसवली वलते ॥ ते डरा पुरोणि पंडित ॥ करी चरचा चोकमां ॥ सा
थ रपोतानी जीत ॥१०॥ लाखुं लोकभेलां थीयां ॥ निरखवा नयणे नाथने ॥ ते मां ते नर तस्करा ॥ आव्या
तानाखवा हाथ ॥११॥ जोयो सर्वे संघने ॥ बहु खवड दार दिगा खरा ॥ पछे अम्भुत परसे ॥ आवी ताकीया
तस्करा ॥१२॥ त्रणपदिवसना अखा तरत्रा ॥ नयणे निंद रान व्य करि ॥ आविने जुवे अमने ॥ सां घोडे घो
डे दिगा हरि ॥१३॥ पछे प्रभुने पाये लागा ॥ कहे दयाकर जोदयाल ॥ अंपी घुना छुटीये ॥ सांकस्यो घु
नो कृपाल ॥१४॥ पछे सतसंगी घर ॥ वलीगीया पोताने घेर ॥ एम पोते अनेक करि ते ॥ करी ते लीला लेरु ॥

॥भक्त० १५॥ दासनो उरव कापवा॥ आपवा दर्शनदांन॥ हरे फरे हरिसंघमां॥ वलीबेसे मेडे भगवांन॥१६॥ मेडा प्र· ५९॥
॥२३५ उपरुमहाप्रभु॥ पलमेली नेपोढ्याघडि॥ अजांएथे एकजन आवीो॥ मनकर मेडे चडि॥१७॥ जव कि
जीवनजागीया॥ वली अचानक उभ्याहरि॥ कोणहतुं अमपासले॥ एमकइ नेरिसकरि॥१८॥ पेलांहु
तोंख उपेलुनां॥ वलीघरेरणं घणांघणां॥ अंगोअंग ओपतां॥ कंदरतेओ वणातणां॥१९॥ वेढविंटीनेके
नकुकडां॥ पोची अंगोठि ओपती॥ बाजुंकाजुं बेरखावली॥ सोभे कांने कुंडल अती॥२०॥ कंठेहारतेदे
मना॥ फुलरहिरसांकली॥ अंगोअंगे आभुषण पेरि॥ पोढ्याहताफोने वली॥२१॥ रावासमामांउवा
डिया॥ वली जासमनरेजगदिस॥ तेसारुसउउपरथे॥ महाराजेकरिरिस॥२२॥ पछे आभुषणउतारि
यां॥ अनेफेंकीयां फरतांवली॥ अंबरएक अंगेराख्युं॥ बिजांमेलीयांसर्वेमली॥२३॥ केणेनजवाय
पासले॥ वलीविकलागेसउने॥ जोरजीवन रुवडा॥ कलीदुखपयुंवउने॥२४॥ पछेनारंरामदासजी॥
धीरेधिरेपासे गीया॥ महाराजवस्त्र ओढिये॥ अमपरकरीदया॥२५॥ पछेवस्त्रपेरियां॥ पछेप्रभुजी
बोल्यावली॥ हतीउदासीअतीघणि॥ पणहवेतोसर्वेटली॥२६॥ पछेविप्रतेडाविया॥ तमेकरोसीघ्र
रसोई॥ जाखुंमांणसजमसे॥ वलीकेमरिपाछोसोइ॥२७॥ ब्राह्मणनेजाणउंघमां॥ कुनातेसदनेसं ॥२३५॥

नाये॥ तेएकोएकनेउवाडिया॥ प्रभुपोतेफालीबांये॥२८॥ पछेमनमांमामोदककरि॥ जमेवाडवजुथनांजु
थ॥ पारनआवे पेगलनो॥ वलीमलाविप्रवरुथ॥२९॥ आपेसी धांअतीघणां॥ मागेमाहनसोसतपं चमां
कोथरितेसराजांमनि॥ वली आवेनवलेसलांच॥३०॥ देदेकारेतथइरियो॥ आपेअंनतेअतीघणुं॥ भे
उनबांधी ब्राह्मणे॥ जेजमीपेतेआपरणु॥३१॥ पछेथइ पुर्णाकुती॥ जगननिरविघनथीयो॥ वंकासीर
देकादस॥ श्रीटप्रतापजणावियो॥३२॥ पछेविप्राजोरविप्रनी॥ दिधांदानमेदक्षणाघणि॥ राजीकरीव
लीवाडवा॥ वलाविप्राभोवंनभणि॥३३॥ वलीखुरचतांखुटानहीं॥ वध्याला उवालाखुसढी॥ गोल
घीनेदाळरसाल॥ वलीपीरसनोपारनढी॥३४॥ पछेपुछुंनाथने॥ आमोदकनुंकेमकरिये॥ आपो
घरोघरगांममां॥ एमकुकमकिधोंहरिये॥३५॥ पछेमांडाआपवा॥ भरिभरिमोदकनादोपला॥ आ
लतांखुसानभ॥ पोतालाडवाअतीभला॥३६॥ वेचतांवधीपडा॥ तेनाल्माजलमांजंतुने॥ महाराजे आ
पीआ गन्या॥ वलीसाजामांदासंतुने॥३७॥ पछेसंघसर्वनेसीखआपी॥ जाओसउसउनेघेर॥ पंचवरतनेपाल
जो॥ प्रभुभजजोरुडिपेर॥३८॥ पछेपोतेपधारिया॥ करीतेजयजयकार॥ करीलीलाडभांणमां॥ अल
बेलेअपरमपार॥३९॥ पोतेजड्पुरीकरो॥ पोसमदिपुनमतथी॥ तेदीजडपुरोथियो॥ कयोजया

॥भक्त०॥ जोगकांयेककथी॥ ५०॥ इतिश्री सद्देकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचि प्र०६०॥
॥१२६॥ ते भक्तचिंतामणिमध्ये श्रीहरिचरित्रे दुर्गपुरवासीजननी समाप्ती गमो मेश्वोगगणसाठ ममुं प्रकरणम्॥ ६०॥ चोपा
ई॥ राम जन करी जदुनाथ॥ वालासामजोसखानेसाथ॥ रियाजेतलपुरमांजइ॥ संघसरवेसंघाथेलइ॥ १॥ सो
पीसेघनेसीषजकरि॥ पोतेवालापग्नमदेत्रोहरि॥ सारोपेरिकंदरकरवाल॥ कगेजरकसीजामानीचा
ल॥ २॥ माथेबांधीछेपाघसोनेरि॥ कमरकसीकेसरगेटाकेरि॥ बाजुकाजुकुंडजरूपाला॥ हाथेहेमकडां
वेवलोला॥ ३॥ हैयेहारअपारसोभाला॥ ओपेउतरिमोतीनीमाला॥ कोटेकनकनीकंठीसोभे॥ शिसे
शिरपेचजोरमनलोभे॥ ४॥ चडयाघणीमुजाहरिघोडे॥ बिजासखाअसवारजोडे॥ वालावादमांराजानार
वा॥ सर्वेजंननेदर्शनदेवा॥ ५॥ जेजेवारमांआवीयांगांम॥ तेणेनिरखीयासुंदरशाम॥ देतादर्शनदि
नदयाल॥ आव्याप्रभुजीदेशपांचाल॥ ६॥ सुंदरगांमसारंगपुरनाम॥ तीयांपधार्याश्रीसुंदरश्याम॥ रुडाभ
क्तजीवोनेरागेड॥ आव्याहरिकरीतीयांथोड॥ ७॥ रुडरासरमकतीयाराज॥ आव्याकारियांगिमहा
राज॥ तीयांभक्तवसेएकमांचो॥ नहीनेकोयनीममांकाचो॥ ८॥ निरलोभीअतीनिस्कांमी॥ तेनेघेरपधा
रियास्वामी॥ तीयांरियाहरिएकदंन॥ पछेआव्यागढडेजीवंन॥ ९॥ भक्तसभागीएभलजीया॥ रियाकोर ॥१२६॥

कक्रपाल्तुतीयां॥ पछेसोंथीसधावियाकांम॥ आव्यानायकारियांलगांम॥ १०॥ तियांरियारासरमकद
रि॥ आवारायपरकृपाकरी॥ सखासरवेछेत्रणमनेसाथ॥ आव्याकोटडेवंधीयेनाथ॥ ११॥ गीयागुंडल
नेजेतपर॥ आव्याधोराजीत्रणमसुंदर॥ जरजमनावडेजगदिश॥ सोंथीपाछोकरुंपरवेश॥ १२॥ आव्या
डुधिवदरकंडोरडे॥ सोंथीपधारियाकालावडे॥ भक्तजादवजीनेभोवंन॥ रियारातसांथोराजीवंन॥
१३॥ सोंथीसखानेसीषजदइ॥ पोतेवासासवकबेलइ॥ सोंथीमोडेगीयाकरीमेरु॥ भक्तरणमलजी
नेघेरु॥ १४॥ पछेआव्याअलैयेजीवंन॥ भक्तनारायणनेभोवंन॥ सोंथीगीयाछेभादरेगांम॥ भक्तडो
सोजोरसननोरांम॥ १५॥ रियारातकरीअतीमेरु॥ वसताविसरांमनेघेरु॥ पछेसोंथीकरुंपरवेश
गीयाजेडियेथीकछदेश॥ १६॥ आविअंजारमांरातरिया॥ सोंथीवालोधमडकेगीया॥ भक्तरायसी
घरायधणे॥ करीसेवाभरिभावघणे॥ १७॥ तीयांरियादनदोयचार॥ पछेभुजपधार्यामोरार॥ दरशंन
नेदर्शनदोन॥ तीयांरियापोतेभगवांन॥ १८॥ कर्योकृतासनीनोसमैयो॥ आप्योआनंदनजायकेयो
अतीउडाडिरंगगुलाल॥ कर्योअसवेलेअलोकिकख्याल॥ १९॥ लीधोलावोनाथसाथेजंने॥ फागणसुदि
नुमनेदंने॥ तेदिभुजमांउछवकर्यो॥ सर्वेजंनेमनेमोदभर्यो॥ २०॥ करिअजवेलालीजालेर॥ गंगारा

||भक्त० मह्हिरजीनेघेर||देश्फंदरनेफरवश्गांम||त्यांथीगीयामांनकुवेगांम||२१||तीयांभक्तअदोभाइनांम||वली प्र० ६०||
||२३५ तेजोकेश्रावनेश्गांम||तेमेदिधांछेदर्शनदांन||त्यांथीतेरेगीयाभगवांन||२२||तियांतेडाविमासर्वेसंत||दि
धांदर्शनफरवअतंत||त्यांथीआवियाकालेतलाव||जोरभक्तभीमजीनोभाव||२३||रियादनदोचारेक
त्यांश्||पछेफरीआव्यातेरमांश्||भक्तनागजीसंघजीफतार||तीआव्यामुनीनेमोरार||२४||करीरत्यांश् या
जमाड्यासंत||जम्याजंनभेलाभगवंत||पछेबोलीयाफंदरश्गांम||भरीलीयोनेजलनांठांम||२५||एमक
ह्नेसंतचलाव्या||वालोपोतेवलावचावाआव्या||पछेमल्यासौनेमहाराज||नमेराजीरेजोमुनीराज||२६||
एमकह्नेसीषजदिधी||पोतेवारमांडुविनीलीधी||तीयांभक्तमेघोविसरांम||होपणादेवसीफंदरनांम
२७||तेनेदरदरसनथ||सर्वेजंननेकर्यासनाथ||त्यांथीनाथवेगछेनावडे||आव्यानादरेअलेये
मोडे||२८||करीकंडोरडानीचोरासी||आव्याधोराजीयेअविनासी||रहेभाइरपातलभाश्||रियाएक
दिनप्रभुत्यांश्||२९||मेघसुरआव्याकरीमेरु||सोनीनारायणभक्तनेघेरु||त्यांथीप्रभुआव्यापीपलांणे
राख्याहेतेकरीनेकस्यांणे||३०||पछेआव्याआखेअजवेला||हवेनारायणघेरछबीलो||त्यांथीवालो
आव्याअगत्रार||जीयांवसेछेपर्वतभार||३१||तियांरियाहरिवकुदंन||तेडाविमातियांहरिजंन||करवा ||१३७||

उछवअणमीकेरो||हैयामांईछेहर्खघणोरो||३२||तीयांमोटोमंडपकराव्यो||मांइमेडोकरीमनभाव्यो
तीयांवेगावालोवनमाली||फंदरमुरतीरुडीरुपाली||३३||जोरजंननेसमाधीथाय||करेलीजानावा
नीसजाय||पछेहिजधनविनजोश्||तेनाफतनेआपीजनोश्||३४||फल्याफुलेकेगांमभमांनाथ||अंगेसे
अमीश्रीफलल्हाथ||पछेआव्योअणमीनोदंन||वकुगुलालउलाविधांजन||३५||भरेमुठीहेतेहरिहा
थ||नाखेनाथनीजजनमाथ||पीयांरंगेरातासउजंन||पाडेतालीकरेकिरतंन||३६||एमसारोउछवक
र्योत्रगांम||अजवेलेअगत्रारगांम||आपीआनंदजंननेजीवंने||श्रावणवदिअष्टमीनदने||३७||तेदि
लीलाकरीअगत्राश्||कराविआंवेपर्वतभाश्||पछेपधारियागढडेने||साथेलीधोछेसंघसउने||३८||
संघदेखीनेदुष्टहाजीया||पछेराजापासेरावेगीया||लेसेसाधुखसेरनमारुं||राजुमांरागसवतारोवारुं
३९||तेथेराजाकहेस्हणोतमे||एनुंदिधंककरुंराजअमे||एहलेश्रोतोफरवेथीलीयां||एनेगांममांआ
ववादियो||४०||पछेसेरमांसांमपधार्या||नीजजनमनेमोदवधार्या||पोतेदिवसएकसांरिया||पछे
नावादामोदरगीया||४१||नाइनीसर्यामोहनलाल||चर्च्युचंदनविपरेभाल||तेनेदीधीछेदक्षणा
वोली||आपीमोरनाथेअगणतोली||४२||पछेआविपासेरमांसांम||तीयांवालेकर्योविसरांम||सां

॥भक्त०॥ पीचालीयाज्ञामस्कंदर ॥ आव्यानरसैमेतानेमंदर ॥ ४३ ॥ तीयांबेसीयाघडिवेचार ॥ पछेआवियाछेपु पु॰ ६१॥
॥१३८॥ रवार ॥ सर्वेसंघसंगेलरज्ञांम ॥ पछेआवियाफणेणिगांम ॥ ४४ ॥ तीयांसर्वेनेसीखजकीधी ॥ एविज्ञी
लाल्पलखेलेकिधी ॥ सर्वेजंननेरुपीयाकरी ॥ पोतेपधार्याचालेहरि ॥ ४५ ॥ वरुखरुलीलाकरेला
ल ॥ जोरजनमनथायनीहाल ॥ जेकोयजेगीनाध्यांनमांनावे ॥ तेअलबेलोजीलाडलडावे ॥ ४६ ॥ क
रेलीलाअतीसेअपार ॥ केतांकोणपांमेतेनोपार ॥ जेमसभरभर्यांमेरांण ॥ पीवेपंखीतेचांचप्रमांण
४७ ॥ तेमअतीअगाधमहाराज ॥ कोणकलेतोलेकवीराज ॥ पणजेपीयेतेरुपीथाये ॥ निश्कुनि
कुलानंदएमगाये ॥ ४८ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिकुलानंदमुनि
विरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिचरित्रेगांमअगाउनोउछववृकपोतानामेसाधुमुप्रकर्णाम्॥१६०
॥चोपाई॥ पछेपधार्यादेवपंचालरे ॥ जीयांवसेछेदासदयालरे ॥ सर्वेसंसारथीरुपत्यागीरे ॥ ए
कप्रभुपदअनुरागीरे ॥ १ ॥ पंचविषेथीप्रीतउतारीरे ॥ पंचवर्तमेरियांधारीरे ॥ दिधांदेहतणांसु
खनाखीरे ॥ रयांअंतरेप्रभुनेराखीरे ॥ २ ॥ एवांजंनजकृपीउदासीरे ॥ तीयांआव्याआपेअविनासी
रे ॥ जोरजंननाहैयामुंहेतरे ॥ आव्याप्रभुजीसखासमेतरे ॥ ३ ॥ तेनेदीधांछेदर्शनदांनरे ॥ वडुभावे ॥१३८॥

करीभगवांनरे ॥ अंधअपंगबुढांनेबालरे ॥ असांमृथअवलाजालरे ॥ ४ ॥ तेनेदयाकरीहरिआप
रे ॥ दिधांदर्शनटालीपातापरे ॥ पछेजेनेपुछ्यासमाचाररे ॥ कृपाहरियेकरीविस्ताररे ॥ ५ ॥ जेजेपुछतांग
यांछेजंनरे ॥ तेतेकेतागीयाछेजीवंनरे ॥ पछेपुछीजगननीवालरे ॥ कुरराजिथइरलीयातरे ॥ ६ ॥ जेनेनो
तुंअबोरणुंजगनेरे ॥ तेपणमगनथीयोमंनेरे ॥ कहेपनधनमहाराजरे ॥ एवोजजनथायकेणेआजरे ॥ कणी
७ ॥ विज्ञाखरचेवडउधंनरे ॥ पणनथायनिरविघंनेरे ॥ कैकजंनतणाजीवजायरे ॥ एवुंसुणपुछेजगान
मांयरे ॥ ८ ॥ लुटेचोरकेलखरचीखुटेरे ॥ थायफजेतोसकोरांफुटेरे ॥ तेतोतमेकर्योनिरविघंनरे ॥ जगजी
वंनप्रभुजगंनरे ॥ ९ ॥ कहेनाथएनोस्योविचाररे ॥ एवाकरियेजगनअपाररे ॥ कोतोकरीयेवर्सोवरस
रे ॥ एकएकथीविज्ञोसरसरे ॥ १० ॥ एमकरुंकर्युंपरियांणरे ॥ तेद्याप्संतसमीपेसुजांणरे ॥ मुक्तानंदनेमो
टेराभाइरे ॥ ब्रह्मानंदनीत्यानंदत्यांइरे ॥ ११ ॥ कहेनाथसुणोसंतमलीरे ॥ करीयेविष्णुजज्ञएकवलीरे ॥ हु
ओगुजरदेशविचारिरे ॥ कोणठेकांणेजायगासारिरे ॥ १२ ॥ बोल्यासंतसांभलजोसांमरे ॥ जड्जेबुंजेत
लपुरगांमरे ॥ जीयांस्कंदरकोटतलावरे ॥ वलीगांममांछेघणोभावरे ॥ १३ ॥ तारेबोलीयास्कंदरसां
मरे ॥ एतोअमनेनगामीसुंगांमरे ॥ एनोधणिछेधर्मनोद्रोहिरे ॥ तेतोजज्ञकरवाकेमदेशेरे ॥ १४ ॥ मोरे

॥भक्त० मेलाणीयातावाह्मणरे॥ तेनेपुछ्युंतुंअमेप्रसंनरे॥ द्विजवैश्यशूद्रक्षत्रीवलीरे॥ कयुंकेमपुजेमातामली प· ६१॥
॥१३९॥ रे॥१५॥ त्यारेवाणीनीराकछेरितरे॥ केछेकांइराहमांविगासरे॥ तेमेबोलीयाशास्त्रीकजाणरे॥ सांभलो
करुंश्रुतीप्रमाणरे॥१६॥ द्विजक्षत्रीवैश्यजेकेवायरे॥ तेणेमद्यमांसेनपुजायरे॥ विजाहोयजेशुद्रवर्ण
रे॥ तेनावेदथीबाह्यआचरणरे॥१७॥ तारेकयुंमेंसांभलीलेयेरे॥ विजाकरेतेनेकेवाकेयेरे॥ तारेत्राण
त्रिकुहेएमलेचरे॥ पापीदेदअंगीयापीनीचरे॥१८॥ तारेमेंकयुंसर्वेसांभलजोरे॥ एवाहोतेएमांजइअ
लजोरे॥ तेदिवसनादाज्याछेवांमीरे॥ वातमेलीछेराजानेआमीरे॥१९॥ माटेजरुरकरसेविघंनरे॥
इयांपुरोनइयायजगंनरे॥ तारेसंतकेजमसेवाह्मणरे॥ केमनाखसेनीजभाणेपाणरे॥२०॥ तारे
केहेमहाराजएसारुंरे॥ करोमननमांनेआंतमारुंरे॥ पछेजेतलपुरनुंचेराविरे॥ करीसामग्रीसरवे
आवीरे॥२१॥ लीधाघीगोलनेघउंघणारे॥ कस्यागंजसालदालतणारे॥ कोपेवातनीनरइस्वांमीरे
सोतोपधारियापोतेस्वांमीरे॥२२॥ आव्यासाथेसंघनेलइरे॥ तेआवणतेडाआमांकइरे॥ आव्या
तेडाव्यासरवेसंतरे॥ आव्यासंघनावृंतेनोअंतरे॥२३॥ दिपेदर्शनप्रसंनहोइरे॥ लीधेजनकण
मुखजोइरे॥ पछेबोलीयाजगजीवंनरे॥ इसमपस्तएमोटोजगनरे॥२४॥ विजुंयज्ञआपायनपायरे ॥१३९॥

तेनुंनथीअमारेजोकांइरे॥ एमकरजणावेजंनरे॥ दियेरासदिवसहसंननेरे॥२५॥ पुजीजंनजीव
ननेमलीरे॥ लावेपुजाविधेविधेवलीरे॥ चरचीचंदनहारपेरावेरे॥ गुंथीगजरातोराध रावेरे
२६॥ करेपुष्पनांकंकणकाजुरे॥ बाधेवेरखास्कंदरबाजुरे॥ करेफुलनोफेटोपछेडिरे॥ वली
लमाडुंउतारेतेडीरे॥२७॥ दियेदर्शनएवानारवारे॥ जगजीवनछेजोयाजेवारे॥ एमकरेछेलीजाअ
पाररे॥ निर्विघ्नथलीयेनरनाररे॥२८॥ एवुंदेखीनेदाझीपावामीरे॥ कयुंनरेशनेसिसनामीरे॥ क
हेसांभलोअवणीराजेनरे॥ जेसारुंस्वामीकरेछेजगंनरे॥२९॥ जेदीनोएयज्ञथायछेरे॥ तेदिनुंर
जतेजआयछेरे॥ एनेयज्ञेमुचोतानततारेरे॥ हवेआव्योछेनमारोवारोरे॥३०॥ माटेजीववुंहोयराजे
नरे॥ तोनकरवादियोजगंनरे॥ कणीआविनरेशानेआंधीरे॥ कहेजाओलावोएनेबांधीरे॥३१॥
एमकसुंपरियांणांसांइरे॥ जोएथुअंतरजांमीयेआंइरे॥ जोथुविचारिकरसेविघंनरे॥ अमेरेसकतो
पीडासेजंनरे॥३२॥ पछेप्रभुजीचढियाघोडेरे॥ लइसंघनेगीआचरोडेरे॥ पछेकेडेआवीकटकान
रे॥ आव्याभयुबाकरवानुंडाइरे॥३३॥ तेणेस्वामीसथाआसांभलीरे॥ गीयाधुडकफाकनातेवलीरे
पछेसांकेआव्यापोतेनाथरे॥ आसीकसेलसरवाछेसाथरे॥३४॥ संतोतमारिरक्षानेकाजरे॥ सवे

॥ भक्त० धस्यांछे आयुध आजरे ॥ हवे अमे तो जाकेंड भांगारे ॥ तमे रे जो पोसे तस्कजांगारे ॥ ३४ ॥ पछे पधारिया पृ० ६१ ॥
॥ १५० पोते गांमरे ॥ सखा लड़ने रे भोरागामरे ॥ तिपो जरने दतु जेसिंधुरे ॥ तेतो सर्वे मगावि ने लीधुंरे ॥ ३५ ॥ तेगो
जमाडी पाजनव्व उरे ॥ वर्ण अढार ने वली मउरे ॥ आव्यां जमाडि वली वसंनरे ॥ एमकिधो छे नाथे जगंनरे ॥
३६ ॥ आव्या भगवा के अनुआ अमे रे ॥ छो संमृथ स्वामीजी तमे रे ॥ अमे अमारुं अवलुं किधुं रे ॥ अर्थ विमा अ
पराधलीधुं रे ॥ ३७ ॥ तारे महाराज के नही कांयरे ॥ जाओ जमो जेतलपुर मांयरे ॥ पछे जमाडि जोगीनी फउडुं
रे ॥ कस्युं वामी पेवां मीनुं भुं हुं रे ॥ ३८ ॥ करवा हता जगन हमे त्यारे ॥ नकरवा दिधा तेने रे ज्यारे ॥ तेतो कयुं हतुं पो
ते पेलुं रे ॥ थयुं तेमनुं तेम जछे लुंरे ॥ ३९ ॥ एमजगनथयो राजांएरिरे ॥ महा अद्भिदियं पचमीप मांगोरे ॥ जोइराजी थया
हरिजेंनरे ॥ दुखपामीया पापीया मंनरे ॥ ४१ ॥ इति श्री मदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कु
लानंदमुनिविरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्रे जेतलपुरयजंकर्योए नामे एकसठमुं प्रकरणम् ॥ ६१ ॥ चोपा
ई ॥ पोते दयालु हता उभांगा ॥ स्कंदरचु रसां मस्कजांगा ॥ पांचाला लीया अंतर जांमी ॥ आव्या वृधेज मां वकु
नांमी ॥ १ ॥ हरिभक्ततीयां हरिभाय ॥ रियारास ती यास्कर वदास ॥ सांथी आव्या पछे महाराज ॥ जीयां भक्त अे
धवजे राज ॥ २ ॥ रररासमणकते ने घेरय ॥ सांथीवाला आव्या छेकोकरुप ॥ संगे भक्त हता मेर जे ते ॥ अतीवरुअे ॥१५०॥

गेवली दिवो ॥ ३ ॥ तेने पेराव्यो स्कंदरस्वाग ॥ जाम्यो जरिने सोने रिपाग ॥ ररराम ने चाव्या दयालु ॥ आव्या कुंद
लमो रकृपालु ॥ ४ ॥ मोरा भक्त मे मेयो ने राम ॥ तेने घेर रया जुग जांम ॥ सांथी सारंगपुर मां आवीया ॥ दि
नचुणपसुधी तीयां रिया ॥ ५ ॥ पछे आव्या नागडके नाथ ॥ सर्वे सखा छे पोताने साथ ॥ तीयां भक्त करो संतसं
गी ॥ हरिभक्त जक्त थी असंगी ॥ ६ ॥ तेने घेर गीर धर गीया ॥ दिनच्यार स्कधिं ती यां रिया ॥ अती हेते जमाउ आजी
वेंन ॥ प्रभुजेंन उपर छे प्रसंन ॥ ७ ॥ देवा दर्शन जन मन भाव्या ॥ स्कंदरवस्रु सांमले मगाव्या ॥ वाले पेसे सोने
रिस्वाग ॥ जेरीजो पोतेनां मोटां भाग ॥ ८ ॥ पछे सांथी सांमलो सधाव्या ॥ पोतेना थपी पर डियें आव्या ॥ तीया
भक्तपवी नजे पीठो ॥ तेने घेर रिया मा वमीठो ॥ ९ ॥ सांथी चाली या स्कंदरज्ञाम ॥ रिया भक्त मोनरा ने गांम ॥ सां
पी भैंयरे भोजंन किधुं ॥ भक्तमा जाने दर्शन दिधुं ॥ १० ॥ पछे सांथी आव्या गोरवलांगो ॥ जाग्या भाग्य भक्तजी
वो जांणे ॥ सांथी चाली या पुरणा कांम ॥ आव्या कृपालुक रियां णिगांम ॥ ११ ॥ तीयां रिया राजी थई वउ ॥ आ
व्यां दास दरसने सउ ॥ एम करतां कुतासनी आवि ॥ करीलीला जा लेमन भावि ॥ १२ ॥ तीया उडाड्यो वाले गु
लाल ॥ वली सखा करया रंगे लाल ॥ वली करे धुम ताली वाजे ॥ लोकलाज वाला जोइ लाजे ॥ १३ ॥ करी उछ
वने पछे माव ॥ आव्या अलैयाने सीर पाव ॥ कयुं गारख जो आवो ज वेरा ॥ फरी आवजो वाला कहे दरा ॥ १४ ॥ सं

गेलड्सखादर्शविना॥ करजोंप्रभुनीवातहमेशा॥ एनेएटलीछेआगमाकरि॥ पछेसांथीपधारियाहरि॥
 १५॥ वसेकोटडेप्रेमप्रतली॥ तेनेघेरगीपावालोवली॥ सांथीपधारयानडालेगांम॥ जीयांभक्तघरगेवेने
रांम॥ १६॥ तीयांजमाड्यालखमणेराज॥ पछेवंधीयेगीयामहाराज॥ रामसेवजङाघेररिया॥ पछेगोड
लपीवडुंगीया॥ १७॥ सांथीभादरेप्रभुपधास्या॥ दरदर्शनमोदवधास्या॥ पछेसांथीपीपलीयेआव्या॥ घ
णुंमानजोरमनभाव्या॥ १८॥ सांथीरणउतरियाराज॥ आव्याकछदेशमांमाराज॥ करीकछमांकृपा
कृपाले॥ दिधांदर्शनसौनेदयाले॥ १९॥ वागडपावन कछमवडासे॥ करयांहरिनोदर्शनदासे॥ करी
भुजमांभीमएकादशी॥ पछेपधारियावाणोवेसी॥ २०॥ उतरिहरिआव्याहालार॥ आप्योदासनेसुख
अपार॥ जेजेवारमांआवेछेगांम॥ तीयांवालोकरेविसरांम॥ २१॥ दियेदर्शनप्रसंनघणुं॥ मनछेसो
रवजावानणुं॥ सांथीआवीपागदजीरणे॥ रियारातजनजांणियाकेणे॥ २२॥ पछेसांथीचालाअलवेलो
आव्यायगत्राइदेछबीलो॥ रियादनदशातीयांजगांम॥ पछेआवीयापंचालेगांम॥ २३॥ भक्तसीरोमणि
किणोभाइ॥ तीयांरियासांमसुखदाइ॥ सर्वजंननेदर्शनदिधां॥ करीकृपाकृतारथकीधां॥ २४॥ पछे
सांथीपधारियाहरि॥ आव्यामाणावदरमेरुकरि॥ जीयांभक्तवसेमपारांम॥ गोविंदभांणोआंवोवाघो ॥१४१॥

गांम॥ २५॥ वलीवसताआदेजेजंन॥ तेनेनाथेदिधांदरसंन॥ पछेसांथकीवाजीयानगांम॥ देतादर्शनगांमो
गांम॥ २६॥ आव्याकरियांणापोतेकृपालु॥ देवादर्शनसौनेदयालु॥ तीयांआवीपाछेसंतदास॥ मह
मुक्तअंतरेप्रकाश॥ २७॥ स्वदेहेअरहीमालापार॥ पोतेगीयाआव्यादोयवार॥ आपरछायेआवेनेजायु
विशजंनकोयपीनजवाये॥ २८॥ तेनीरवबरूपुछीअविनासे॥ सर्वेकरछेतेसंतदासे॥ कहेनाथसुणोसं
तदास॥ रहोसत्संगमांकरीवास॥ २९॥ एमकरनेसुमस्याकिधी॥ संतेवाटहिमालानीलिधी॥ पछेतेडा
वियासर्वेसंत॥ देवादासनेसुखअनंत॥ ३०॥ मेल्यारजाभगतनेराजे॥ केजोसौआवेदर्शनकाजे॥ आव्या
सेततेसरवेमली॥ हतीदेशोदेशजेमंडली॥ ३१॥ सर्वेआवियाप्रभुजीपास॥ आविनिरखीमाअविना
स॥ सोमाआवीनेमलीयागांम॥ पुरिसंततनाहेयानीहांम॥ ३२॥ पछेवेगसंतनेश्रीहरि॥ तेनेवुछ्युंवाले
प्रेमकरी॥ संतसरवीपाछातमेसउ॥ हमणांदुवलादिसोछोवउ॥ ३३॥ कांपकष्टधीकुंजमांअन॥ सुणे
पायहरिकुंभजन॥ एमकयुंछेदयाकरीने॥ पणआगवालीछेहरिने॥ ३४॥ पछेजंननेजमाडानाथे॥ प्रे
मेपीरस्युंपोतानेहाथे॥ जेप्रसादिनेरछेछेअज॥ तोयमलतीनथीएकरज॥ ३५॥ जेप्रसादिसारुशीव
आप॥ समोपारवतीनोसराप॥ तेप्रसादीपांमीसउसंते॥ दिधीभावकरीभगवंते॥ ३६॥ अनीअटलट

॥भक्त० स्यान्यअविनासी ॥ सोमस्कंदरवरक्तखरापि ॥ वलीनावाज्ञायज्ञारेनाथ ॥ तेपेसंतजीयेसउसाथ ॥ ३१ ॥ ती प्र॰ ६२॥
॥१४२ यांफेरवेअमुनेहरि ॥ जुवेजंनसउरंगभरि ॥ जुवेजनजनेजीवंनप्राण ॥ देखिवेंत्राकरेवखाण ॥ ३८ ॥ कहे
सउतनगुनेसवली ॥ आव्युंआसंतमांसर्वेमली ॥ एमकरनेरराजीवउथीया ॥ पछेनाथउतारेआवीयो
॥ ३९ ॥ एमकरतांलीलानीत्यनवि ॥ पछेजन्माष्टमीतेआवी ॥ कर्योउछवअतीआनंदे ॥ सुखलीधंसउ
जनवृंदे ॥ ४० ॥ गोमोगोमथीआव्यातादास ॥ तेरोगनिरखीपाम्बीनास ॥ नीयांमेघफरेऊरमरीया ॥ र
मेअलबेलोआनंदेभरिया ॥ ४१ ॥ जोमजंनथयांछेमगन ॥ एमवितोअष्टमीनोदंन ॥ एमलीलाअलबे
लेकरि ॥ पछेसाथीवधारिपाहरि ॥ ४२ ॥ आव्यासुखपुरेसुखसिंधु ॥ दिनदपालदिननावंधु ॥ रीयापा
तेतीयांदनचार ॥ आप्यासंतनेसुखअपार ॥ ४३ ॥ सांथीआव्यासारंगपुरेनाथ ॥ सखासंतसउपोता
साथ ॥ दियेदर्शनप्रसंनहोइ ॥ पायमगनजनमुखजोइ ॥ ४४ ॥ वलीमर्मेबोलेमर्ममाले ॥ जांणेजंननी
छेलछोगाले ॥ मर्मभरिकरेहरिहास ॥ आप्योवापुभाइनेसमास ॥ ४५ ॥ जेनेजेमथायपछेसमास ॥ ते
नेतेमकरेअविनास ॥ मारेजांणगवांअंतरजांमी ॥ पछेसंतप्रत्येबोल्यास्वामी ॥ ४६ ॥ संतोजाओहवेस
उमली ॥ फरोदेशोदेशमांमंडली ॥ जेनेमणाचुंहोयतेमणजो ॥ सउनीममांकुशालरेजो ॥ ४७ ॥ जेजेथा ॥१४२॥

यनीममांथीवारुं ॥ एतोनथीगमतुंअमारुं ॥ तारेसंतकहेसतुस्वामी ॥ एमकरचाल्यासीसनांमी ॥ ४८ ॥
इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्री
हरिचरित्रेजन्माष्टमीउछववर्णननामेबासठमुंप्रकरणम् ॥ ६२ ॥ रागसामेरि ॥ पछेप्रभुजीपधारिया ॥ पोतेते
गुर्जरदेश ॥ लीलाकरीगुर्जरातमां ॥ पांचालेकर्योपरवेश ॥ १ ॥ सतसंगीसोरठनां ॥ हालारनांहरिजंन ॥
तेनेउपरदयाकरी ॥ दिधांसउनेदरसंन ॥ २ ॥ दासउपरदयालने ॥ दयादलमांअतीघणि ॥ जांणेमाराजं
नने ॥ दियुंसेपतीसुखतणि ॥ ३ ॥ जपतपतीरथकरते ॥ नावेधरतेजोगीनेध्यांन ॥ तेआवेजंननेभीवन
चाली ॥ मेरकरीमेरवांन ॥ ४ ॥ फरेकरेपावनप्रथवि ॥ जुवेजांणपेअजांणपेजंन ॥ जक्तआश्चर्यजोइने ॥ करे
भावअभावेभजंन ॥ ५ ॥ जेनेदर्शनेदुःकृतनासे ॥ अनेपरसेनासेपाप ॥ तेहरिनेसंभारतां ॥ सउप्रभुरुपीया
छेआप ॥ ६ ॥ लागीभयजुरकजंननें ॥ अनेपापीनेपीडाथइ ॥ इस्यानरतसकेरा ॥ अनेदुखउदुखपांम्यास
॥ ७ ॥ कलीमांसतजुगकिधो ॥ प्रभुपोतेपरगटि ॥ तेजांणेजनपोतातणा ॥ नजांणेकुडियाकपटि ॥ ८
खोनपांनपटवडो ॥ सर्वेजंनसुखीवरु ॥ तेप्रतापमहाराजनो ॥ प्रगटजंनजांणेसहु ॥ ९ ॥ पुरुषोतमपुर
णप्रगल्या ॥ अनेकजीवउधारवा ॥ दयाकरीफरेदेशमां ॥ नीजजननांकारजसारवा ॥ १० ॥ जेजेदेशमां

 दासहतां ॥भजतांहतांभगवांन॥गोतीतेनोंगांमपोते॥दिधांदर्शनदांन॥११॥पछेआवीपंचालमां॥अ
 नेलीधोसखासाथ॥घोडेचडिगुजरातमां॥आव्याडभांणेनाथ॥१२॥दर्शनदिधांदासने॥दयाळेदया
करी॥सेलनेकषञ्आपवा॥पधार्यापोतेहरि॥१३॥तेसांभळीसतसंगीसर्वे॥आवीयांततकाल॥वेल्य
घोडागाडले॥वेसारिवुरांवाल॥१४॥नयणोनिरखीनाथने॥वळीहरखीयाहयेघणुं॥अंतरमांसुख
आवीयुं॥मुखजोइमोहनतणुं॥१५॥पछेहाथजोडिहरिआगे॥करेविनतिवारमवार॥प्रभुभलेपधा
रिया॥लीधीअमारिसार॥१६॥पछेप्रेमेसुपुजीया॥वळीचुरआंचंदनघणां॥पुष्पहारपेराविया॥
कस्यांछोगलांफुलतणां॥१७॥अंवरसुंदरआभुषण॥अरपिपानअलवेलने॥धुपदिपकरीआरती
पायलागाछबीलाछेलने॥१८॥भोजनविंजनभलीभातें॥जमाडियाजीवंनने॥जम्याभुधरभावसुं
करवाजंनप्रसंनने॥१९॥पछेबांध्योहिंडोलोबारणे॥सुंदरवृंदसोयामणो॥तीयांविराज्यानाथजी
जोइजनजायभांमणो॥२०॥एमकरीसुंदरदर्शनदइ॥नवलातेनेहवधारिया॥पछेसर्वेनेसीखआपी
पोतेपणपधारिया॥२१॥आवेजायसर्वेदेशथी॥पणरहेघणुंपंचालें॥नीजजनंनेसुखदेवा॥करेलीला
दयाल॥२२॥बालजोबनवृध्धजन॥वळीनरनारिकेवाय॥जक्तवातजोणेनइ॥सउगुणगाहरिनागाय॥

२३॥पछेएकदीनंनाथकहे॥सतसंगीसउनेजणावजो॥अमेजासुंवडथले॥तमेपणत्यांआवजो॥२४॥सुंद
रमाससोयामणो॥कार्तकअदिपुनमकेये॥आव्यांलोजनआगळे॥पोतेपणआव्यातेये॥२५॥पधार्या
पश्चमदेशथी॥बुधेजमांदिनदोरिया॥पछेवाळोवडथले॥अश्वेचडिनेआवीया॥२६॥संध्यासमेश्रीहरि॥प्र
भुजीपधारिया॥दर्शनदइदासने॥तेनातेतापनीवारिया॥२७॥पछेफरीयासंघमां॥दर्शनदेवाश्रीह
रि॥लायुलोकेलावलीधा॥निरखीयालोचनभरि॥२८॥पछेआविउतर्या॥वळीसुंदरसोंधीजायगा॥स
तसंगीनेकुसंगीना॥करीयोविभाग॥२९॥पछेपोतेबिराजीया॥वेलउपरथवासमवळी॥सतसंगीनेसं
तसर्वे॥बेठीमुनीनिमंडली॥३०॥सतसंगीसर्वेकहे॥दियोआगनादयाल॥अमेतमारेकारणे॥करा
वियेसुंदरथाल॥३१॥आपीयेअमनेआगन्या॥संतसारुंकराविये॥रसोई॥तारेमहाराजकहेसारुं॥क
रावजोसउकोइ॥३२॥पछेएहसमेआरेभाया॥वळीपुरिसुंदरपाक॥उजलभातदाळअवळ॥सुंदर
तळेलांसाक॥३३॥जमीजीवनपोढिया॥करयोवेलउपरथविसरांम॥नीरखतांजनंनाथने॥वृरगयाचा
रेजांम॥३४॥पछेप्रभातेप्रभुजागी॥नावाचालीयानाथ॥नारिजुथनोरखुंकरी॥लीधासखासर्वेसाथ॥३५॥
पछेनाहीनाथपधारिया॥गीयागांममांघोडेचडि॥सेवकनेत्रिरपावआप्यो॥त्रिवनेपायेपडि॥३६॥पछे

देहदशामांदयाल॥आविवेगतरुतले॥नाहिजमवाजनप्रतिपाल॥५७॥जप्याहरिजुगतेकरि॥

॥भक्त० उत्तारेपधारिया॥जेमघटेतेमबेसीआसने॥पछेसर्वेथालल‍इ॥दिधीप्रसादिदासने॥५९॥एमअत्रत्यो प्र० ६४॥
॥१७४ किककरिलीला॥वडतामांवालेवली॥पछेसतमेसीधआपी॥संतोफरोबांधीमंडली॥५८॥पछेपोते
पधारिया॥करीकारजमोटुंसहि॥जेरोनिरखानाथने॥तेजमहाप्रजावानामही॥५९॥इतिश्रीस
हेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिचरि
त्रेवडतालोत्सवेपोतानागामनंमंदिरंसतमुंप्रकरणम्॥६३॥चोपाई॥पछेपोतेगीयागुजरात॥रियाडभोंणमां
दोयरात॥हतीसंतनीमंडलीसाथ॥वलतावरतालेआवियानाथ॥१॥तीयांरियाहरिसंतसत॥करीली
लाअत्याकरववड॥रियापंचरातपोतेतीयां॥पछेयांथीवुधेजेआविया॥२॥त्यांथीचाल्यासमरथस्वामी
आव्याबोचासणेवडनांमी॥बोमणगांमनेएकलवार॥पोतासरसवणिमहपार॥३॥जईपादरेपाछावव
लीया॥आविवरतालेसंतनेमलीया॥यांथीचालीउमरेठगीया॥देवादर्शनप्रसंनथीया॥४॥वाजांवा
जतेपधारयाग्रांम॥आव्युंसांमेपेसेंगलुगांम॥दिधांदासनेदर्शनदांन॥रहीरातचाल्याभगवांन॥५॥
भावगांमनालोकनेवरु॥आव्युंपुरवाशुंमलीसरु॥तेनेदर्शनदइदयाल॥करीकल्याणचाल्याकपाल
६॥सेरोआपोतोभोजनथाल॥तेनेजम्याछेपोतेदयाल॥पछेआव्याडुदुसरगांम॥करयोकववालेविसरांम ॥१४४॥

पे प॥आोतरोलीडंरडिमादेव॥तीयांपधारयादेवाधिदेव॥तीयांशिवनोदर्शनकिधां॥वलूसरवेसेवकने
दिधां॥८॥आपारुपीयामुवडिमरि॥पछेत्यांथीपधारियाहरि॥आव्यालुवाडसलकीगांम॥पछेपोती
येपधारयाग्रांम॥९॥त्यांथीचालीयाशामसंदर॥आव्यावालेमजीविजापर॥त्यांथीगीरितेगीयागोपा
ल॥विसनगरपधारयादयाल॥१०॥तीयांजमाड्याब्राह्मणघणा॥करीमोदकमीसरितणा॥यांथीगीया
उकेमहेसांणे॥तीयांजेननेजमाड्या प्राणे॥११॥पछेआव्याकजिसणनाथ॥सखासांख्यजोगीहता
साथ॥पछेमहाराजमोटेरेआव्या॥सेरनासतसंगीबोलाव्या॥१२॥त्यांथीजेतलपुरपधारया॥जेन
नेहेयेहर्खवधारया॥एमफरीहरिसर्वेगांम॥करयांछेनीजजेननांकांम॥१३॥दासअर्थेफरयासर्वदे
श॥पछेकरयांपांचालेप्रवेश॥तीयांदासनेदर्शनदिधां॥मलीनाथकृतारथकीधां॥१४॥पछेआव्यां
छेफागणमास॥थीयाहोलीरमवाकुल्हास॥तीयांहरिजेननेतेडाव्या॥दशविसहेंतपणआव्या॥१
५॥पछेसुंदरओपणोसमाज॥रंगकेशररमवाकाज॥तेलफुलेलगुलालघणा॥मेल्योसमाजनराथी
मणा॥१६॥सखालाकीरियाछेतीयार॥जमेजीवंनएकलीवार॥जारेजमीलीधुंछेजीवंने॥तीयांआवी
नेथेरियाजेने॥१७॥लाव्यारंगसोरंगगुलाल॥घेरीलीधाछेघरमांलाल॥छांटेरंगडेछोगुंघणि॥चडि

॥भक्त० गरदिपुलालतणि ॥१८॥ रंगसोरंगेरंग्योरंगीलो ॥ रसवसथीयाछेछबीलो ॥ पछेनाथकहेसुणोतमे ॥ मागो प्र० ६४॥
॥१४५ फग वातेआपीयेअमे ॥१९॥ एमकरीअलबेलेवात ॥ सुणिजंनथयांरलीयात ॥ वारुमागसुंअमेमाराज
देजोराजीथइतमेराज ॥२०॥ तारेरीझकहेराजीछेये ॥ मागोमनमांनुंअमेदेये ॥ तारेबोल्यांजंनजोडिहा मह्वा
थ ॥ तमपासेएमागीयेनाथ ॥२१॥ महाबलवंतमायातमारि ॥ जेणेआवरियांनरनारि ॥ एवुंवरदांनदी
जीयेआपे ॥ एहमायाअमनेनव्यापे ॥२२॥ वलीतमारेविषेजीवंन ॥ नावेमनुष्यबुधिकोयदंन ॥ जेजेली
लाकरोतमेलाल ॥ तेनेसमजुअलोकिकख्याल ॥२३॥ सतसंगीतमाराजेकावे ॥ तेनोकेदिअभावनआ
वे ॥ देशकालनेक्रियायेकरि ॥ केदीतमनेनभुलीयेहरि ॥२४॥ कांमक्रोधनेलोभकुमती ॥ मोहव्यापी
नेनकरेमती ॥ तमनेभजतांआडुंजेपडे ॥ मागीयेएअमनेनडे ॥२५॥ एटलुंमागीयेछयेअमे ॥ देजोद
याकरीहरितमे ॥ वलीनमागीयेअमेजेह ॥ तमेसुणिलेजोहरितेह ॥२६॥ केदीदेसोमांदेहअभी
मांन ॥ जेणेकरीविसरेभगवांन ॥ केदीकुसंगनोसंगमदेजो ॥ अधर्मेथकीउगारिलेजो ॥२७॥ केदी
देसोमांसंसारिसुख ॥ देसोमांप्रभुवासेविमुख ॥ देसोमांप्रभुजक्तमोटाइ ॥ मदमछरइरषाकांइ ॥२८॥
देशोमांदेहसुखसंजोग ॥ देसोमांहरिजंननोविजोग ॥ देसोमांहरिजंननोअभाव ॥ देसोमांअहंकारि १४५

स्वभाव ॥२९॥ देसोमांसंगनास्तिकनोराये ॥ तमनेमेलीजेकर्मनेगाये ॥ एआदेनथीमागताअमे ॥ देजोमां
दयाकरीनेतमे ॥३०॥ पछेबोलीयाशामसुंदर ॥ जाओआप्योएतमनेवर ॥ मारिमायामांनरमुंजाओ ॥
देहादिकमांनइबंधाओ ॥३१॥ मारिक्रियामानेआवेदोष ॥ मुनेसमजस्योसदाअदोष ॥ एमकयुंप्रभुए
रलीयात ॥ सौवेसतकरीमांनीवात ॥३२॥ दिधादासनेफगवारवा ॥ विजोकोराससमथरातुंदेवा ॥ एम
रम्यारंगभरहोली ॥ हरिसाथेहरिजनटोली ॥३३॥ पीपारसवसरंगभीनो ॥ चालोनावाकहेनाथदि
नो ॥ पछेपोतेथीयाअसवार ॥ संगेचालीयासखाअपार ॥३४॥ गातावातानावानाथगीया ॥ करीलीलाना
नानातीयां ॥ नाइनाथवाल्यासखासंगे ॥ अतीआनंदभर्याछेअंगे ॥३५॥ आव्यासंतजेनाथेबोला
व्या ॥ कह्योअमसारुंभेटसंलाव्या ॥ कहेसंतलाव्याफुलहार ॥ नाथकेआवोलावोआवार ॥३६॥ पछेअ
म्बेथीहेठाउतरीया ॥ संतेकुसमनासणगारकरीया ॥ कंठेआरोप्याफुलनाहार ॥ बांध्याबाजुतेसोभेअपार
॥३७॥ तोरागजराफुलनाधर्या ॥ कांनेगुछनेफुलनाकर्या ॥ बांयेबेरखाकंकणसार ॥ कर्याफुलतणासणगा
गार ॥३८॥ धुपदिपउतारिआरती ॥ करीकरजोडिनेविनती ॥ करीपुजानेलागीयापाये ॥ निरखीनाथअप
तनथाये ॥३९॥ शामसलुणोसोभेछेअती ॥ मनोहरसुंदरमुरती ॥ नयणांभरिनेनिरखेछेजंन ॥ जोइजीवन

 थीयामगंन॥४०॥ जयजयकहेनीजदास॥ लीधुंसुखदिधुंत्रविनास॥ करीलीलाअलौकिकठांम॥ सो
 भावंतसारंगपुरगांम॥४१॥ कसोसमैयो सुंदर जांणो॥ फागणशुदि पुनमे प्रमांणो॥ तेदिवसना थेली
लाकिधी॥ पछेसर्वनेसीखजदिधी॥४२॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कु
लानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिचरित्रेसारंगपुरनोउछवएनांमेचोसठमुंप्रकरणम॥
६४॥चोपाई॥ पछेसंतचासासउमजी॥ महामुक्तनिजेमंडली॥ सर्वेगुजरदेशमांगीया॥ केकपुरमां
पटवारिया॥१॥ संतसंगीगियासर्वघेर॥ थयसुखसतवुडपेर॥ जांशेलीलानेचडिरखुमारि॥ उतरेनसकेनी
उतारि॥२॥ करेचरचापरस्परजारे॥ थायकेफनविवाततारे॥ सौनेचीतेचड्योरंगचोल॥ आवीअंतरेमस्तितो
ल॥३॥ पथुंप्रगटजगायकल्यांण॥ नउथाशिवातनीवांण॥ होयप्रचाहजारुहजार॥ जांणोजननजांणोसं
सार॥४॥ जेकोयसतसंगीनांमकावे॥ पंचवर्तनेपालेपलावे॥ तेआलोकपरलोकनेमांइ॥ रहेसुखथीतेजंन
सदाई॥५॥ जेदीआवेआदेहनोकाल॥ तेदीआवेतेडवादयाल॥ रथवेलवेमांननेवाजी॥ मुकेदेहघणु
थइराजी॥६॥ कहेआमाछेतेडवानाथ॥ कुंजाउछुंमाराजनेसाथ॥ मोनजोमारुहेतवचंन॥ सउस्वामीनुंक
रजोभजंन॥७॥ एमकइनेमुकेछेदेह॥ सर्वजांणोसतसंगीतेह॥ कैककुसंगीतेपणजांणो॥ थापदर्शनप्रगट

प्रमांणे॥८॥ जारेमरेकुसंगीमांकोइ॥ नजरेजमकिंकरनेजोइ॥ जातांजमहाथजोइकुसंगी॥ पछेसमझीथा
यासतसंगी॥९॥ एमवधतोजायसतसंग॥ जोइरितचितेचडेरंग॥ आवेसंतकरेवउवात॥ तेसांभलीथायरली
यात॥१०॥ वलीपुरणपुरुषोतमजेह॥ मलेप्रगटप्रमांणेतेह॥ तेनासंतपंचव्रतेपुरा॥ एआगलेछिजातोअधु
रा॥११॥ एवासंतसीरोमणिजेह॥ फरेदेशपरदेशमांतेह॥ जेनोआगन्याकारिछेअंग॥ केदीनकरेवचननो
भंग॥१२॥ तेनेआवीपुंएमवचंने॥ जाजोनवरेमजीमुनिजंन॥ आविसकातोआवसुखमे॥ नेतोनाजोनृद
दामांतमे॥१३॥ एविसंतनेआगन्याआपी॥ पछेजांएपुवधायघणापापी॥ तेथेकालनेआगन्याकिधी॥ मुवापापी
जिवपकडिधी॥१४॥ पोतेछोंनारियाघणुसांम॥ कालेकिधुंछेकालनुंकांम॥ पोतेलीधीतपसीनोवेश॥ रिया
गुसवधारियाकेश॥१५॥ पेरेखसनेओटेचोफाल॥ माथेसोभेछेसुंदरवाल॥ पेरिटोपीओपीसोनाघणि॥ जांम
मुर्तितेपुरछेघणि॥१६॥ रहेछोंनानजांणेकोयजंन॥ करेएकांतीकदासउसंन॥ एमवितीगयावउदन॥ को
यजांणिसकेनइजंन॥१७॥ पछेआवीछेवसंतमास॥ फणिपसंतसांभरियादास॥ पछेबोलीयादीनदया
ल॥ लावोतेडिसंततत्काल॥१८॥ पत्रलखवरूआवीयासंत॥ वालोराजीरमवावसंत॥ पेरीवस्त्रजरिनांजीवंन
घणुंजंनउपरछेप्रसंन॥१९॥ आवेसंतमलेभेरिवाथ॥ जुवेअमृतदृष्टिमेनाथ॥ घणादंननाजनहतापासी

॥भक्त० थियांत्रपतज्ञोरअविनासी॥२०॥पछेनाथकहेस्रुणोदास॥आतोजापछेफागणमास॥माटोफागने प्र० ६५॥
॥१४५ धुममचावो॥निमेनावेअवसरआवो॥२१॥करोरमवातणोसमाज॥एमबोल्याराजीथइराज॥पछेसंते
करयोसराजांम॥होळीहरिसंरमवाहांम॥२२॥पछेकढाकारंगसोरंग॥केस्रुकेसरकसुंबोपतंग॥भ
रयांचरुकडायांनेकडा॥वळीगोळामाटलांनेघडा॥२३॥लाव्यातेलगुलालअबिर॥सजथयासखासु
रविर॥पछेनाथकहेस्रुणोजंन॥आपोअमनेसखाथइसंन॥२४॥पछेदशसखासंगेलीधा॥बेउटोळा
बेरंगवलेकिधा॥सोरअजोगीसखासामसाथे॥लीधीहेमपीचकारिहाथे॥२५॥पछेमगाविमांरंगपासे
भरिपीचकारिअविनासे॥छांटीएकएकसउमाथे॥पछेनाख्योछेगुलालनाथे॥२६॥सखासउथया
रंगचोल॥पछेमच्योछेखेलअतोल॥छुंटेपीचकारिबउछोले॥एकबिजानेकाळीनेरोले॥२७॥नाखे
उपरअबीरगुलाल॥तेणेथयासखासउलाल॥वाजेढोलनेदामागडु॥कोसाजांसानीथोंसजपडे
२८॥लथबथजुथपरमेहोळी॥सांमसांमीछेसरखिटोळी॥नाथउपरनाख्योछेरंग॥तेणेसोभेछेसुंदरअंग
२९॥सर्वेवस्त्ररंगाणांअंगनां॥श्वेतलालथीयांएकरंगना॥मुखलालनेकमलनेण॥सोभेसुंदरतेस्रु
खदेण॥३०॥हसवेदिसेछेदंतपंगती॥ओपेअनारकळीथीअती॥बांधुंबोकानुंसुंदरफेटे॥कसीकम ॥१४५॥

रफुपालेरेटे॥३१॥छुटीकसमांदिसेछेछाती॥तेनीसोभाकइनथीजाती॥बेदविटिनेकडांछेहाथ॥ना
परमेछेसखानेसाथ॥३२॥होडाहोडमांकोयनहारे॥विचमांपडिकोयनवारे॥एमरमतांजांमबेउगीया
मटीवपोरछांयानमीया॥३३॥पछेनाथेहाथपाडितालि॥करीनांमनीधुमरसाली॥करीधुमकहेएम
वालो॥सर्वेनदीयेनावानेचालो॥३४॥पछेपोतेचडियाछेघोडे॥सखाजुथसर्वेछेजोडे॥नावानीरमां
पेठाछेनाथ॥सउनाथाछेशांमनेसाथ॥३५॥नाइनाथनेनीसस्यावारे॥कर्योकुंकुमनोरंगुतारे॥पछे
अम्रुथीयाअसवार॥आव्यामहाराजगांममोजार॥३६॥पछेसंतसर्वतेआव्या॥पधरसोरजमवा
बोलाव्या॥पछेपीरस्युंपोतानेहाथे॥एमजमाडियाजननाथे॥३७॥सर्वेरीतेकिधासखीसंत॥करीली
लाअजोकिअनंत॥दनदशकथीतीयांरिया॥पछेपोतेवलावानेगीया॥३८॥कारियांणिनेकुंडल
गांम॥तीयांकथीआव्यापोतेजांम॥पछेसउनेसीषजकरी॥पोतेपाछावळीपाछेहरि॥३९॥एबोक
ह्योसमैयोजीवंन॥फागणसुदिपुन्यमनेदंन॥तेदिगढडेरमीयाहोळी॥रुपीथइगएसंतटोळी॥४०
॥इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्ये
श्रीहरिचरित्रेश्रीगढडेफुलडोलनीउछवनांमेपांचसठमुंप्रकरणम्॥६५॥रागसामेरी॥पोतेपधार्यागढ

 डे ॥ अनेसंतगीयागुजरात ॥ अपारलीलाकरेहरि ॥ तेनीकर्ईनजायवात ॥१॥ शेषमहेसनेसारदा ॥ हरि
॥१४८ चरित्रपारनअजहे ॥ अजनपांमेपारजेनो ॥ नेतीनेतीनीगमकहे ॥२॥ अपारलीलाअपारसांमर्थ्य ॥ अपा
रअतीचरित्रछे ॥ अपारतेजप्रतापअती ॥ अपारजसपवित्रछे ॥३॥ अपारकरुणाअपारकिया ॥ अ
पारदयादयालमां ॥ अपारधीरगंभीरपणा ॥ नअकलायकोपकादमां ॥४॥ अपारमहीमाअपारमो
टप ॥ अपारदाताउदारछे ॥ अपारकलाअपारकिरती ॥ वलीगुणजेनाअपारछे ॥५॥ अपारलीलाएक
जीभाये ॥ कवीकेमकरसके ॥ महानीधीमांच सांचवे ॥ ऊचेलताआपेथके ॥६॥ जेनुंमननकरतांमन
पाके ॥ चीतवतांचितसहि ॥ जेनुंवर्णवकरतांवाणिथाके ॥ तेनेकोणसकेकही ॥७॥ जेमरंडजउडेआ
काशमां ॥ एकएकथीउंचाचडे ॥ पोअनराखेपोचवापणा ॥ अंबरनेकोयनअडे ॥८॥ तेमकवी
कोटिकथे ॥ एकएकथीबुद्धिबले ॥ पणअपारअपारकरछुटे ॥ अकलनेकोणकले ॥९॥ तेहरिनरत
नधरि ॥ करेलीलाकोटिघणि ॥ तेसांभलीपांगासरवकेवा ॥ नथीसांमर्थीमुजतणि ॥१०॥ कहुंकीचीत
कोटिअंसे ॥ सुंदरचरित्रसांमनो ॥ चतुरनरनेसक्यनेआदे ॥ छेहरिभक्तनांकांमनो ॥११॥ तुकचोकने
फडफमकनुं ॥ जांणपणुंजेमेरदे ॥ कवीपणानाकयारमांरे ॥ हरिगुणमोदोषवदे ॥१२॥ चरणेचरणेची ॥१४८॥

तवनहरिनुं ॥ जेकाअमांनआवे ॥ तेनेविवेकिएमवदे ॥ तिर्थकाकनुंकेवाये ॥१३॥ मारेउपराउरकरी
करलीलामेंजालनी ॥ सर्वेजंनमलीसांभलो ॥ कहुंवातवरतालनी ॥१४॥ वरतालेवालमआवीया ॥ हरिजं
ननेकरीमुंजंण ॥ नरनारिएमचालीया ॥ जेमनदीमलवामेरांण ॥१५॥ वालमरुवेसीवाहने ॥ आव्यादर्
शनकारणे ॥ प्रभुपधायासांभली ॥ कोयरिधुंनरघरबारणे ॥१६॥ संतसर्वेतेडावीया ॥ आवीयामुनि
जंनमंडली ॥ नाथनीरखीहेमेहरखी ॥ लागापायेवलीवली ॥१७॥ सतसंगीसर्वेमल्यां ॥ नरनारिनिर्म
लछेघणां ॥ पुरुषनोनहीपारगणातां ॥ मल्यांजुथजुवतीतणा ॥१८॥ तेणेदर्शनकरिहरिना ॥ प्रेमेलागी
यापाये ॥ भलेपधार्याभाग्यमोटां ॥ आजकृपानकजाये ॥१९॥ सर्वेजंननेसुखीकिधां ॥ दिधांदर्शनदान ॥
अमेतमारेतमेअमारे ॥ एमबोलीयाभगवान ॥२०॥ एमवातकरतांवरगइ ॥ वलीरजनीरंगेभरि ॥ प्र
भातेअतीप्रसंनवदने ॥ हसिनेबोल्याहरि ॥२१॥ आजदनछेउछवनो ॥ सर्वेसुणोसंतसुजांण ॥ रंग
करावोरमवा ॥ एमबोल्यासुखमेरांण ॥२२॥ जोतुंहतुंजेजंनने ॥ तेवालेकह्युंवचन ॥ उगरादासउता
वला ॥ करवाप्रभुजिप्रसंन ॥२३॥ पछेसुडारंगकडाविया ॥ वलीघणोमगावोगुलाल ॥ पीचकारिबहु
पेरनी ॥ मोखकरीमेलीतीमराल ॥२४॥ चुरुरंगाडुंरंगेभर्यां ॥ वलीभरियांमोटामाट ॥ महाराजबेठा

॥भक्त० माळीपे ॥ जंन जोइ रियां वळी वाट ॥ ३५ ॥ तैये मोहनेमोरलीथी ॥ नाखी गुलालनी मुठ ॥ पछे सखा सजंथ प्र० ६६॥
॥१४५ या ॥ वळी घरर मवानी छुट ॥ ३६ ॥ पछे पंचदजा पोता पासे ॥ जीधा ते संतस्तजोरा ॥ नाखे रंग बहु नाथ
जी ॥ जनउपरा जीवन प्राण ॥ ३७ ॥ चाले पीचकारी चौदिश्यो ॥ वळी जांणे मंडाणो मेघ ॥ आरवन दिये ड धाइ वा
वहे सेउ ग्र समोहनो वेघ ॥ ३८ ॥ श्री कमभरिभरि नांसला ॥ नाखे रंगके सरतणो ॥ जयजयमुख जंनबोले
उडे अबीर गुलाल घणो ॥ ३९ ॥ चदिग रदि गुलालनी ॥ वळी थी पीअरुण आकाश ॥ देवुआ आदे खवा
रमे हरि ने हरिना दास ॥ ३० ॥ एमतारं गखुटि गयो ॥ पछे प्रभुजी ये करि ॥ तालीपाडि धुमकरतां ॥ रंगम कल
गावियो बहु भरि ॥ ३१ ॥ पछे नाथे हाथसें ॥ रसबस करी पोजंन ॥ भलीभजाविकुतासनी ॥ पोते थई प्र
संन ॥ ३२ ॥ पछे नावा चाली या ॥ नारनें आविमानाथ ॥ गातां वातांगाममां ॥ पधारिया सखानेसाथ ॥ ३३
पछे वेसारि पंगती ॥ मुनी जंननीज़मवाकाज ॥ पीते आआपीरसवा ॥ घरगुराजी थइने राज ॥ ३४ ॥ रा
हदिवस अलबेलडे ॥ अलोकिक लीलाकरि ॥ विजेदिवस पुरबारणे ॥ पधारिया पोते हरि ॥ ३५ ॥ एक
कंदरआंबो सीया मणो ॥ तावां धोहिंडोलोहेतसें ॥ अलबेलो सांआवीया ॥ सर्वे सखा समेतसें ॥ ३६ ॥
हिंडोले हरि राजीया ॥ सांआयां जंनअपार ॥ पारनआवे पेखतां ॥ बहुमळीयां नरनार ॥ ३७ ॥ संतने अ ॥१४५
वि

पीआगन्या ॥ करीपुजा तमे प्रीतसुं ॥ केसरचंदनकुसुमाळ ॥ धुपदिप आरती रितसें ॥ ३८ ॥ संतसें दरसा
जलर ॥ करीपुजा परमानंदनी ॥ चरणचुरचि चंदने ॥ छापीछाती मुनीवृंदनी ॥ ३९ ॥ आनंदआपीअ
तीघणो ॥ पछे उभाथया अवीनास ॥ हरी नकहारलइ ॥ वळी उभाहताहरिपास ॥ ४० ॥ तेकैंकहारपेरया
कंठमां ॥ अने कैंक बांधीपावाये ॥ कैंकचरणेबांधीया ॥ एमफुलीरयाफुलमांये ॥ ४१ ॥ हिंडोले हार
वलगाडिया ॥ कैं आरो पयाअंबाडाळ ॥ कैंकलीधाछडिये ॥ तेनी करीकावडनदयाळ ॥ ४२ ॥ एवी अनं
तलीलाकरी ॥ हरिजंननेकरवाध्यांन ॥ आपीसुखघणमअतीघणुं ॥ पछे चालीयाभगवांन ॥ ४३ ॥ एवी
लीलाकरी हरि ॥ फागणवदी सातमसही ॥ करी लीलावरताअमां ॥ तेमंक्षेपेकांयेककही ॥ ४४ ॥ इति
श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणीमध्येश्रीह
रिचरित्रेवृत्तालनाउछववनांमेछासठमुंप्रकरणम् ॥ ६६ ॥ चोपाई ॥ करीलीलापधारियाजाल ॥ गीयादेवा
प्रदेशेमराळ ॥ पछे सतसंगी सउ मळी ॥ जोइ लीला गयां घेर वळी ॥ १ ॥ फरे संतकरे बहु वान ॥ संभारि ली
लारे लीयात ॥ करे संतमळीवातज़ारे ॥ तारेहरिनो चरित्रसंभारे ॥ २ ॥ कहे आपणांभाग्यअपार ॥ प्रगट
मळीयाप्रांणआधार ॥ जेने इछे मोटामुनीजंन ॥ तेनां आपणो थायदरसंन ॥ ३ ॥ जेने इछे छे अतीघणुं

॥भक्त॰ अज॥ प्रभुचरणनी पांमवा रज॥ जेने इच्छे छे अती घणुं इन्द्र॥ ते आपणो मली या जगदिन्द्र॥४॥ जेने इच्छे प· ६१॥
॥२५० छे शेष फणेंद्र स॥ शशी सूरय सारदा गणेन्द्र॥ जेने इच्छे छे कोटु तेतरिन्द्र॥ जेने इच्छे छे मोटा मुनेन्द्र॥५॥ जेने
इच्छे रुडा ऋषी राये॥ ते मला आपणे अणइछाये॥ मारे आपणा पुन्य अपार॥ भले आव्यो आ समे अवता
र॥६॥ अती आपणां भाग्य अतोल॥ त्रीलोकमां नइ आपणे तोल॥ धनधन अहो मोटुं आश्चर्य॥ एवुं सी
सुणु आपणुं तप अश्चर्य॥७॥ आतो मेर्ह्य करि छे महाराज॥ करी कीपा आव्या आपणे काज॥ एम परस्पर कु
हे दास॥ एम करतां विता पंच मास॥८॥ पछे पोते पधारिया हरि॥ दासने दमाद ज्ञानंनी करि॥ पछे मंदे
शथी पधारिया नाथ॥ सांख्य जोगी सखा लइ साथ॥९॥ गुजरे धरत्र चडोतर देश॥ गांमसंजाये करया
प्रवेश॥ पछे पधार्या वामणोली गांम॥ जइ उभा रहे कल्या विसरांम॥१०॥ त्यां थी चाली उमरेठे गीया
ती यां रास खोने एक रिया॥ वलतां वली आव्या वरताल॥ तीयां तेडाव्या मुनीमराल॥११॥ दयाकरि
हरि दिधो दरसंन॥ पछे मुनीने पुछ्युं छे प्रसंन॥ कृपासाध्य क्रियासाध्य वली॥ कीयां पक्ष मां म्योतमे म
ली॥१२॥ एम प्रश्न पुछी ये छय ये स्वामे॥ जेम जणाय तेम केजो तमे॥ तें ये एक कहे क्रियासाध्य हरि॥ अने ए
क कहे कीपा परा खरि॥१३॥ एम परस्पर चरचा करे॥ एक द्विज मां आसंका धरे॥ कणि संवाद जंननो ॥२५०॥

जीवंन॥ करे पडुकारा थाय प्रसंन॥१४॥ दन दो चार रिया इ पाराज॥ पछे डाकोर गीया महाराज॥ पछे उम
रेठ आव्या अलबेल॥ सांबु मो घनघणि वाजी रेल॥१५॥ फरि फरि दिये दर्शन दांन॥ अती मोघा थी पासो
धा भगवांन॥ मोटा मुनीना ध्यानमां नावे॥ ते अणतेडे आवणिये आवे॥१६॥ फरी हरि आव्या वरताल॥
सो थी गीया जेतलपुरे लाल॥ पछे त्यां थी सधाविया गांम॥ आव्या कृपालु कजी सणगांम॥१७॥ तीयां
आवि ने तेडाविया जंन॥ अती राजी हे देवा दरसंन॥ आआस तसंगीने संत वली॥ जीवनमुक्त मुनीनी मं
डली॥१८॥ परसी चरण वे वासन मुख॥ जोइ जीवंन जंन पांम्या सुख॥ हेत समेत करे हरि वात॥ सांभली संन सु
थाय रली यात॥१९॥ काजु गर्दि गवरावे कितन॥ दिवस आरुं हिथे दर्शन॥ जेम रमे संत करे किलोल
आपे अलबेलो सुख अतोल॥२०॥ आस पास गांमनो हरिजंन॥ ते पधरावे पोताने भोवंन॥ भोजंन वि
जन भाव सुं करी॥ जमाडे जीवंन हरखें भरि॥२१॥ पछे जमाडी पास बेसंन॥ लीधा लाचो अलो किअनंत
एम करतां आवी अष्टमी॥ पुछ्युं नांने आये चर्णे नमी॥२२॥ माराज आव्यो उछव नोदंन॥ करीये उछ
व जो हो प्रसंन॥ पछे हरि ये हसी करी वात॥ करो उछव उछये रलीयात॥२३॥ पछे हिंडोलो कराव्यो हे
ते॥ बेठा प्रभुजी जंननी प्रीते॥ पछे महाराजनी पुजा करि॥ लाबा चंदन भाजन भरी॥२४॥ चर्चिचंद

॥भक्त० नरेणाकुकुंमपाये ॥ नेह्यंप्याजंनेरुदीयामांये ॥ जेपर्सिथयोकालीनीसंक ॥ तेपदनोथायोउरमांत्र्येक प्र० ६१॥
॥२५१ २५ ॥ जेपदरजेलरिकृषीनारु ॥ तेपदलीधांछेछातीमोजार ॥ पीयांजनमगनमनघणां ॥ कांयरितनी
नरहेमणा ॥ २६ ॥ पछेसंतनेसीषजदिधि ॥ एविलीलाश्रीमाराजेकिधी ॥ पीयांजंनसुखेमगंन ॥ आव
णावृंदिअष्टमीनेदंन ॥ २७ ॥ तेदीलीलाकजिसुणेकरी ॥ हवेकहुंजेकरिसुंदहरि ॥ पछेकांयेकसांछा
नारियां ॥ पछेनांथनादिंप्रुरगीया ॥ २८ ॥ पछेमेउगांमलोगणोजब्याब्या ॥ बीजजनमनघणुंभाया
पछेलांयीपाछाप्रभुवल्या ॥ आविजेतलपुरजनमेमल्या ॥ २९ ॥ सुतवलूत्र्येगसोमाघणि ॥ कंठेमाला
पेरीफुलतणि ॥ करेकंकणफुलनांकाजु ॥ तोरागजरफुलनावाजु ॥ ३० ॥ रेणिसमेआव्याभगवोन
दिधांदासनेदर्शनदांन ॥ दरदर्शननेवातकरी ॥ साकाररुपसमजाव्याहरि ॥ ३१ ॥ पछेजंनकेपधारे
माराज ॥ परस्सोरतेजमवाकाज ॥ चाल्यासरवासंगेवनमाली ॥ करताधुमवजाडताताली ॥ ३२ ॥ ज
नघेरजैजम्याजीवंन ॥ पछेबोलाव्यापोतेमुनीजंन ॥ सकीरणघरजननसमाय ॥ पीयासघनमली
मुनिराय ॥ ३३ ॥ एमउभाजमाडियाजंन ॥ पीरसुपोतेपरप्रसंन ॥ जेनेजोरसुलोपडेव्रसंन ॥ एमज
माडिपुंजंननुंअंन ॥ ३४ ॥ पछेसांथीचालीयानाथ ॥ सखासर्वेहतांहरिसाथ ॥ एकेआविकरीछ ॥२५१॥

त्रछाये ॥ तेहरिनेनगमुंमनमांये ॥ ३५ ॥ चालेचटकताचाल्यगजगती ॥ स्वेदबिंदुयेसोभेभालअती
आविवेगाआसपासवछांये ॥ निर्खिनाथहयेहर्षनमाये ॥ ३६ ॥ पछेपुजाकरवानेजंन ॥ पोतानेहा
थेंउतास्यांवंदन ॥ करीपुजानेपेराविंयाहार ॥ नखसीखकरयासणगार ॥ ३७ ॥ धुपदिपनेउतारि
आरती ॥ पछेकरजोडिनेकरिविनति ॥ वलताभावाचालीयानाथ ॥ सर्वेसखानायासोमसाथ ॥
३८ ॥ पछेपधास्याहरिपुरमांये ॥ मोटिवातकरीएकसांये ॥ कीयांजंनेनकीयांभगवंन ॥ एवुंसम
जीसेकोचायेजेन ॥ ३९ ॥ मारेहरिसंकरवोसमंध ॥ तातगुरुसखा [illegible] भारवंध ॥ एमकरप
छेउभापीया ॥ करीमुनिनेमलेपादया ॥ ४० ॥ मलतांमर्मकरीहरिहस्या ॥ भेटतांजंनभुसाहदेह
दस्या ॥ एविलीलाअलौकिककरी ॥ पछेपांचालेपधारियाहरि ॥ ४१ ॥ पांचालदेशमांगढडुंगांम
तीयांपधास्याकदरग्रांम ॥ आवीदासनेदिधांदरसंन ॥ निर्षिनाथरुषीथीयांजंन ॥ ४२ ॥ इति
श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिम
ध्ये श्रीहरिचरित्रेनामसडसठमुंप्रकरणम् ॥ ६७ ॥ रागसामेरि ॥ पछेप्रभुगढडेगीया ॥ तीयांते
डावियासंत ॥ एकातनुंसुखआपवा ॥ हैयेहेतछेअनंत ॥ १ ॥ समजुसंतसुजांणजे ॥ सतसंगमां

॥ भक्त० जेमुखीया ॥ तेसंतनेतेडाविया ॥ दरदर्शनकरवाकरवीया ॥ २ ॥ आव्यासंतसीरोमणि ॥ जीयांहता ॥ प्र० ६८ ॥
॥ १५२ ॥ सुंदरसोम ॥ चरणपरसीनाथनां ॥ वलीथीयांपुरणकाम ॥ ३ ॥ पछेभक्तानंदजीये ॥ पुछ्युंप्रभुनेप्रसन्न
नाथतमारुगमतुंजे ॥ होयतेकरीयेसाधन ॥ ४ ॥ पछेप्रभुजीबोलीया ॥ तमेसांभलोसर्वेजन ॥ ज्यारेप्रभु
नेपामीये ॥ तारेसर्वथीयांसाधन ॥ ५ ॥ पछेजेजेकरवुं ॥ तेहनीतेकहुंवात ॥ गुरुसंतनेभजवा ॥ श्रीह
रिजेसाक्षात ॥ ६ ॥ चेतनअचेतनएकनर ॥ इंडीमनजीवईश्वर ॥ एकएकथीअधीकएह ॥ तेथीपरपरमेश्वर
७ ॥ संतअसंतएकलहि ॥ तेविवेकबुधिधारवि ॥ मेंकरिजेलीलाअलोकिक ॥ तेनेवारमवारसंभारवि
८ ॥ मारांजंननेअंतकाले ॥ जरुरमारेआववुं ॥ बदमारुएनबदले ॥ तेसर्वेजंननेजणाववुं ॥ ९ ॥ दासना
दासथइने ॥ वलीजेरहेसतसंगमां ॥ भक्तीतेवीभलीमानीस ॥ राचीसतेनारंगमां ॥ १० ॥ मारोलोकमारि
मुरती ॥ समनिर्गुणछेसहि तेनेअसमजेजाणसे तेनाल्तिकमारोनहि ॥ ११ ॥ मारुंधामसुंअसमसम
पायछे ॥ संमृषमारुंनामसहि मारिइरेजकुनपजेसमे अनेकरुपेमायापर्ई ॥ १२ ॥ प्रगटरुपेसतसंगमां
रउछुंरुडिपेर ॥ वलीअवनीयेअवतारलेउ ॥ नृपजोगीकेविप्रघेर ॥ १३ ॥ जंनेएवछुंएजाणवुं ॥ जेकरण
तमनेवात ॥ निसंकुरहेनाथकहे ॥ कणिजंनथीयांरलीयात ॥ १४ ॥ पछेजंननेजमाडवा ॥ पाककरा ॥ १५२ ॥

वियावीपरे ॥ सुंदरआसनआलीयां ॥ संतवेसाड्यातेउपरे ॥ १५ ॥ सोनेपोतेसुंदरपटके ॥ लटके
नारिमवरंगी ॥ पतवरवालीअतीरुपाली ॥ सोभेकथणिसोरंगी ॥ १६ ॥ विरंजवोलीगलीमोली ॥ घृत
साकरमोरघणां ॥ कढीवृडिपकोडिपुरि ॥ विंजनविधविधतणां ॥ १७ ॥ भातधोलोदुधवोलो ॥ रोटली
रसालीथुं ॥ जमेजंनजीवंनजमाडे ॥ वलीहेलीभरिप्यालीसुं ॥ १८ ॥ आंनुलीबुनोआथणां ॥ वलीआदो
ती केरीनांअघणां ॥ आपेनाथहाथसुं ॥ जमेजंननमुकेमण ॥ १९ ॥ जमीजमिनेजनसर्व ॥ परीपुरणपे
तेथीया ॥ पछेदुधसाकरदोवटे ॥ देवाआपेआविया ॥ २० ॥ लीयेनलीयेदियेपरांणे ॥ हरिपीरसेहाथडे
नानापाडेनामसंताडे ॥ तेनेतेरेडेमाथडे ॥ २१ ॥ जोरेजमाडिहाथपमाडि ॥ पछेचलुंकरावियां ॥ लवींग
सोपारिएलचीआपी ॥ मुखवासमनभावीया ॥ २२ ॥ अतीघणोंकरवुंआपवा ॥ जरामरजीजीवंननी
एविलीलाअपारकरी ॥ करमेंएकदंननी ॥ २३ ॥ रमवारासहयेकुलास ॥ पेर्यांअंबरसुंदरभलां ॥ पा
घपेचालीअतीरुपाली ॥ छाजेतीमांवउछोगला ॥ २४ ॥ फरेफुदडिरंगफडि ॥ गुलालनीकरेघणि ॥ प
छेदंनवलतेकरि ॥ जनेपुजाजीवंनतणि ॥ २५ ॥ चंदनचरचिहारसुंदर ॥ प्रभुनेपेराविया ॥ धुपदिप
करिआरती ॥ उतारवाजंनआविया ॥ २६ ॥ पुजाकरीनेपायेलागां ॥ चरणछातीयेचांपीयां ॥ सनमुखवेसी

॥भक्त० सांमळो॥ अलबेले करुणा आपीया॥२७॥ हुं सनाथ मला हुं जमतां॥ वितेदंन रुडि पळे॥ एमकोयक दनवि प्र० ६९॥
॥१५३ ते॥ आविपछेकपीलाछठे॥२८॥ पछेप्रभुपुराटयुक्ष॥ दिधांदर्शनिदाससने॥ जेनजोरभगनथीया॥ अलबेला
अविनासने॥२९॥ देशादेशथीदासआवां॥ तेनेदर्शन आपीयां॥ जेणेनयणेनिरखीया॥ तेनांतेकळ्म
सकापीयां॥३०॥ सुंदरवस्त्रपेरिसारां॥ काजुकसुंविरंगनां॥ वेदविदिकरडांकांजु॥ बाजुजडेलनंगनां॥
३१॥ कमरकसीरियाहसी॥ वसीजनमनमुरती॥ मोरामुनीनाध्यांनमांनावे॥ जेनेनेतिनेतिकहेस्मृति
३२॥ तेहरिदयाकरि॥ दियेदर्शनप्रसंनघणुं॥ जेहजनेजीवनजोया॥ भाग्यतेनांकुंसुंभणुं॥३३॥ पछेप्र
भुजीपधारिया॥ आवानदियेनाथजी॥ नातानातासुंदरगाला॥ सर्वेसखासाथजी॥३४॥ नाइनाथपधा
रिया॥ जनेकराव्यांभोजनभावतां॥ तरततानातीयारतेह॥ जमाडयाजीवंनआवतां॥३५॥ पछेजंनज
माडिया॥ पंगतीकरीपोतेपीरस्युं॥ अनेकभातनांभोजनेविंजन॥ जोरनेजनमनहस्युं॥३६॥ जोराजो
रजमाडिया॥ जेमजमाडतलनभगवांनछे॥ जेमआलेतेमनकाले॥ सखापगसावधांनछे॥३७॥ पछेसं
ळेधुन्यकरी॥ हरिवेठापोतेढोलीये॥ आपीसंतनेआगन्या॥ हुजीसपदहवेबोलीये॥३८॥ गातांवातांवि
तिरजनी॥ सुंदरसुखआप्यांघणां॥ जुगतेजनजमाडिया॥ कोयरितेनथराषीमणा॥३९॥ सुंदरसाशेक ॥१५३॥

स्योसमैथो॥ भादरवावदिअष्टमी॥ तेदिगरडेकरीजीला॥ करकथामेंरसआमी॥४०॥ इतिश्रीमदेकांतीक
धर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुळानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीहरिचरित्रेकपीला
छठउछववर्णननांमअठ्ठ्यासीमुप्रकरणम॥८८॥ चोपाई॥ राधिलीलाअलोकिककिधी॥ पछेसंतनेसीख
जदिधी॥ संतचालीगयागुजरात॥ करतासुंदरलीलानीवात॥१॥ खातांपीतांसुतांसुपनमां॥ करे
मंननलीलानुंमनमां॥ ज्यारेसुतांथकीजंनजागे॥ धनधनंनाथकेवालागे॥२॥ ज्यारेतलवअन्नसुधुसी
मांये॥ प्रभुविनानसंभारेकांये॥ जेजेलीलाकरीभगवांने॥ संतचितवेतेनीसध्यांने॥३॥ ज्यारेध्यांनमांवे
सेछेजंन॥ जोरसुरतीथायमगंन॥ क्यारेदेखेछेजरकसीचाघे॥ सालदुसालसोनेरिपाघे॥४॥ क्यारे
देखेफुलमांफुलाना॥ क्यारेदेखेरंगडामांराता॥ क्यारेदेखेनाखतागुलाल॥ करपीचकारिकरेख्या
ल॥५॥ क्यारेदेखेअश्वअसवार॥ क्यारेकदेताजरकेसुंहार॥ क्यारेदेखेपंगतमांफरता॥ नरमोदक
मनवात्युकरता॥६॥ क्यारेदेखेचंदननीखोरे॥ क्यारेदेखेफुलताहिंडोरे॥ क्यारेदेखेकपुरनीमाळे॥ क्या
रेदेखेपुजाछेमराळे॥७॥ एमअनेकरितेअलबेलो॥ आवेध्यांनमांछेलछबीलो॥ तेनीमांहीमांयेक
रेवात॥ सुणिसंतरहेरलीयात॥८॥ एमकरतांकोयकदनगिया॥ तीयांप्रभुपोतेपधारिया॥ वरताले

||भक्त०|| वालमजी आव्या || गांमोगांम थी संत बोलाव्या || ९ || आवि लागा प्रभुजी ने पाये || नाथ निरखी तृपत न प्र. ६७||
||१५५ थाये || कोय करे करी करवो पे || कोय चरणगृही छाती छापे || १० || कोय करे पादोदक पान || जुवे जेने तु
हे तन भगवान || सुंदर सोभे बोरिनो चोफाल || ओढी बेठा ते पाटे दयाल || ११ || हेते जो पुछे सउने हेशि || छ
सी करी छे अमृत केरी || पछे बोलीया सां राज जीवंन || ए तो मातानथी हरिजंन || १२ || सर्वे बाली पे पुरने
वास्य || करे दर्शन सो नरनारय || पछे सुंदर रंग कुंआं बळी || सघन छाया ये ते सोने भली || १३ || तीयां जनने ज छे
र पार ढाली || तीयां बेठा आवि वनमाळी || थीयां दर्शन सौ साथ ने || सर्वे जोइ रिया छे नाथने || १४ || जे
जे जेने दर्शने आवे कोय कपुष्प पत्र फल लावे || आंगिमु के महाराज ने आगे || पछे कर जोडि पाये
लागे || १५ || करे भले आव्या भगवान || दिधां अमने दर्शन दांन || एम स्तवन जन करे रियां || तीयां बेउ
जोमव र गीया || १६ || पछे बोलीया सां राज आपार || हुतीर सोइ ने सउ इवार || तारे जोइने आवी ये जंन
वालो महाराज थीया भोजंन || १७ || पछे पधार्या त्यां राज जीवंन || सर्वे साथे लइ मुनीजंन || तीयांक सो अ
नकोट अती || जम्या जुगतेते जगपती || १८ || पछे संतनी पंगती किधी || पीरस्युं प्रभु वेवकु विधी || फरया
पंगतमां पंचवार || जम्या जेन पयो जे जेकार || १९ || पछे आव्या छे आंबले फरि || बेठा पार उपरय पोते ह ||१५५||

रि || तीयां प्रश्न उतर बहु कीधा || संते मनमां मा सुख लीधां || २० || पछे सांजे पुरि दिप माळ || अती सुंदर सो
भे विशाळ || करी कमा नुं कांगरा राजे || तीयां सुंदर दिवा विराजे || २१ || करयो काइ दीप दिपतरणां || पर
सोभा जुवे जंन घणां || बेठा मध्ये पोते महाराज || दास ने देवा दर्शन काज || २२ || जोइ जंन थया छे मगंन ||
सउ कहे प्रभु धन धन || आव्यो आनंद न माय मेन || पछे गावा लागा कितर्न || २३ || गाय मगर द्वि ने रमे छे
रास || फरे तां कुंद दड़ि देखीया दास || जोइ जंन उछव्या अलबेल || आव्या आखां नी लोक रवा खेल || २४ || रमे
जेन भमे पोते भेळा || एम करे छे लाड़िलो लीला || नीस करे नव लो विहार || तेनो के तां आवे केमपार || २५ ||
आवे सत संगी न रनारय || लावे पुजाने पुजे मोरारय || एक दीन जन मे जमोड्या हरि || बहु प्रेम न रिपुजा ||
करी || २६ || सुंदर पेगा विपोकर वाल || जरी जर कसी जामानी चाल || सीर बाधी छे [illegible] पु सोने रिपा ग || न
पी सो भाते नी कया लाग || २७ || पछे घोडे थीया अस वार || संगे सरवा हजा रुद हजार || पछे गीया बांमणो
ली गाम || दे वा दर्शन सुंदर सांम || २८ || दर्दर्शन ने दुःख काप्यां || अती अलोकिके सुख आप्यां || जंन क
हे भले हरि आव्या || सोना रुपा ने फुले वधाव्या || २९ || पछे मुनी पुसा मन भाव्या || भरिपाळ मोतं ते डे चृधामा
तीयां रो रूप सुंदर रुपाळी || बेठा हिंडोळे सांवन माळी || ३० || गाय संत ने करे किलोल || एम आपे छे सुख

॥भक्त० रूखअतोल ॥ पछेअन्ने थीयाअसवार ॥ दिविरूंदरभोमीसंसार ॥ ३१ ॥ तीयांघोडुं खेलवुं त्यांतीले ॥ प्र० ६९॥
॥१५५ अती उतावळुं अलबेले ॥ धोडेअन्नम्र उडेजोतरूं पांखे ॥ एमदेखापदासनी आंखे ॥ ३२ ॥ पछेहरीवीह
लविचाले ॥ आव्यावालमजीवरताले ॥ आवीबेठाआंबलानीछांये ॥ सर्वेसंततेपणआव्यासांये
३३ ॥ विंझणांआवियांजनअपार ॥ लावेपुजानेपुष्पनाहार ॥ विंझणांरूंदररूखडांलाळा ॥ नाथआग
ळधयालधराव्या ॥ ३४ ॥ जोयांरूंदरसारारूखडां ॥ रूडांलागांअतीरमकडां ॥ जोइनिर्मलजनवि
वेकि ॥ तेनेआप्यांछेउरथीफेंकि ॥ ३५ ॥ नानाकरेआपआडाहाथ ॥ तोयआपतानरहेनाथ ॥ दे
खेदासकरेहासवकु ॥ जोइलीलाआनंदीयासकु ॥ ३६ ॥ एमकरेछेलीलाअपार ॥ रूपसागरज्ञा
नआधार ॥ वजतेदनेगयावळासण ॥ हेवादर्शनअसर्णसर्ण ॥ ३७ ॥ सर्वेसंतहताव्रजीसाथ ॥ पो
तेघोडलेचड्यातानाथ ॥ गयातावातानेनीजघेरू ॥ पधराव्याप्रभुरूडिपेरू ॥ ३८ ॥ बांधीहिंडोलो
बेसार्याहरि ॥ पछेअतीहेतेपुजाकरी ॥ पछेजमाड्याजीवनप्राण ॥ जमाड्यासंतसर्वेसुजाण
३९ ॥ दइदर्शनचाल्यावहाले ॥ संगेसोभेछेमुनीमराल ॥ दिनत्रिजेगयाविजेगांम ॥ वसेभक्तवजो
रवुंनाम ॥ ४० ॥ तीयांदासनेदर्शनदिधां ॥ कापीकळमसकल्याणकिधां ॥ जमीजनजीवनपधार्या ॥१५५॥

दासनेमनमोदवधार्या ॥ ४१ ॥ एमकरेछेलीलाअपार ॥ कोणजनपांमेतेनोपार ॥ माटेसंक्षेपेकरसं
भळावि ॥ माराजाणयामांजेटलीआवि ॥ ४२ ॥ एविलीलाकरीअविनासे ॥ आठवदिनेदिनअमांसे
तेदीकरीलीलावरताले ॥ रूखदायरूंदरवरवाले ॥ ४३ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानं
दस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येनारायणचरित्रेवरतालउछववर्णननामाष्ट
ओतेरमुंप्रकरणम् ॥ ६९ ॥ रागसामेरि ॥ पछेनाथपधारियां ॥ गीयातेगढडेगांम ॥ दर्शनदइदासने ॥ वली
कर्यांपुरणकाम ॥ १ ॥ जनमलीजीवनने ॥ वलीललीलागीयांपाये ॥ नयणेनिरखीनाथने ॥ हैयेतेहर
खनमाय ॥ २ ॥ दाससमलीमहाराजने ॥ वलीपुछेछेवडुवालमां ॥ कहोकृपाकरीअमने ॥ सीलीलाके
रीवरतालमां ॥ ३ ॥ केटलाकमनुष्यमल्यांहतां ॥ करतांपुजाकइपेरू ॥ केमतमनेजमाडतां ॥ पधरावी
पोतानेघेरू ॥ ४ ॥ पछेप्रभुजीबोलीया ॥ सउसांभलजोहरिजन ॥ भक्तोजेवीगुजरातमां ॥ तेविआज
नथीत्रीभुवन ॥ ५ ॥ रातदिवसअमपासले ॥ वलीउभारहेराकपगे ॥ मुरतीनमेलेमीटथी ॥ वलीम
टकुंनभरेडगे ॥ ६ ॥ गातांगुणगोविंदना ॥ वरजायसर्वेजांमनी ॥ कायनरकिर्तनकरतां ॥ भाविक
वकुनरभांमनी ॥ ७ ॥ अतिरूवलकुलनपाडे ॥ फलफुलखाइरहे ॥ जारेअमेजमाडुंकयें ॥ तारेजम्या

॥भक्त० छपेएमकहे ॥८॥ एकएकथकीअधीकअंगे ॥ रंगछेसततसंगनो ॥ एवांजंननेजोइने ॥ आनंदउमं प्र०१०॥
॥१५६ गेअंगनो ॥९॥ तारेहरिजंनबोलीयां ॥ एनेनाथओरतेडाविपे ॥ एवोमोटांहरिजंननी ॥ ओलखांण
अमनेपडाविपे ॥१०॥ महाराजकंकोधमळाविना ॥ एकेमअंगआवेवळी ॥ कुळासनीनोउछवकरि
ये ॥ तोआवेरंगसर्वेमळी ॥११॥ तारेहरिजंनहरखीयां ॥ सौनलीवात्समनीवातहि ॥ नाथउछवआम
करो ॥ तोधमआमणधमघहि ॥१२॥ पछेदेशविदेशकंकसु ॥ वळीसंतसर्वेबोलाविया ॥ सर्वेदेशना
संतसंगी ॥ संघलरसउआवीया ॥१३॥ हताफुलासनीआगले ॥ दिवसदशविसचुली ॥ संतनेहरि
भक्तसर्वे ॥ आवीयांनारेमळी ॥१४॥ दर्शनकरिदयाळचुं ॥ संतसुखपाम्याअती ॥ प्रसंनवदनकेरी
हरि ॥ बोलीयाआणपती ॥१५॥ अमेंतेडाव्यांतमने ॥ तेपुनमदनमोस्पांचमे ॥ वेळाआव्याद्नवि
सआडे ॥ तेतुंविचारकंवरतमे ॥१६॥ भलुंतमेभलेआव्या ॥ हवेरहोराजीथइ ॥ पांतोपुरुपाडसे ॥ प
एविजेआवुंकरवुंनइ ॥१७॥ पछेरसोइकरिचालती ॥ पीरसेपोतेपंगतमां ॥ जमेजनमगनथइ
आपेहरिआरसमां ॥१८॥ भोजंनकरिनासभासनां ॥ ज्ञाकपाकसोयामणा ॥ कुधदहिदियेदोवटे
आदोकेरीनाअथणा ॥१९॥ बेसेपुरापांचसे ॥ परमहंसनीपंगती ॥ जेमजेमजमेहुंजमे ॥ तेमअलवे ॥१५६॥

लोरतीअती ॥२०॥ एकएकथीअधीकअधीक ॥ रसोयुंरुडिकरे ॥ फेदरपाकपंगतसमां ॥ नीलप्रमे
नवुलाफरे ॥२१॥ एमजेनजमाडतां ॥ वळीदिवसविसवुरगीया ॥ अभयकुंवरउतमे ॥ तीयांजगीसंत
राषीया ॥२२॥ पछेआवीफुलासनी ॥ रुडारमवारंगकरावीया ॥ केसुकेसरकुसुबोवळी ॥ पतंगरंग
लुनाविया ॥२३॥ हरिविराजताहताहिंडोले ॥ सोसरवारंगआव्यालइ ॥ नाखेनाथनेउपरये ॥ पछे
रआनीछुटीथइ ॥२४॥ रंगसोरंगळावेसखा ॥ नाखेनाथनेबोपरये ॥ अलबेलोथइआकला ॥ लाल
चुडाळीमउपरये ॥२५॥ पछेजीवनेकयुंजनने ॥ आरमवानीरितनही ॥ करीतडांतेवतेवडां ॥ तोअंमे
पणरमीयेसही ॥२६॥ पछेबांधीबेमंडली ॥ वळीसांमसरवासजथया ॥ चालेबउपीचकारिचु ॥ लालटा
लआडिदरेरया ॥२७॥ पछेफांटुंमांदिफेंकवा ॥ गुलालनीलालेघणि ॥ तेनीगगनमांगरदचडि ॥ सो
रंगरंगराताततणि ॥२८॥ कनककेरीकोटमां ॥ वळीरुडिलागोरमता ॥ रसबसपयारसीजो ॥ घणुंस
खानेमनगमता ॥२९॥ वाजेवाजांबहुविधनां ॥ ढोलददामात्रांसांनीयां ॥ स्वरकुंचेसरणारबोले
रुडेरवाजवळीकांसीयां ॥३०॥ सांमसांमारमेरंगे ॥ हारेनईहिमतघणि ॥ निर्जरआयानिरखवा
रमतजंनजीवंनतणि ॥३१॥ पछेप्रभुजीबोलीया ॥ जीमासर्वेजंनतमे ॥ मेलोपीचकारिपांणथी ॥ फग

॥भक्त० वासोमलसुंश्रमे ॥२२॥ पछेजनंनराजीथीया ॥ जयजयशब्दबोलीया ॥ आजप्रभुनेमलस्नं ॥ तेरोतनमो प्र० ७॥
॥१५७ कुलीया ॥२३॥ पछेनावाकाजेनाथजी ॥ चालीयाघोडेचडि ॥ सखासंगेसांमलो ॥ रम्मारसीपोरेगज
डि ॥२४॥ खुबघोडोखेलवी ॥ नायापछेनाथजी ॥ गातांवातांगांममांये ॥ आव्यासखासाथजी ॥२५॥
रुडीरुपालीकरीरसोयुं ॥ जुगतेजननजमाडिया ॥ सखामनोरथमनना ॥ तीयांजगिरमाडिया ॥२६॥
पछेनाथबाथभरि ॥ भेट्यासरवुजननने ॥ संतसर्वेमगनथीया ॥ परसीजगजीवनने ॥२७॥ अनोपम
उछवकरी ॥ फरीसीखआपीसंतने ॥ साधसर्वेचालीया ॥ राखीह्रदेभगवंतने ॥२८॥ अनोपमउछ
वकर्यो ॥ फागणशुदिपुनमदंने ॥ करीलीलागढडेते ॥ कराविहरिजंनने ॥२९॥ जयालीलाजंन
मोटां ॥ संतसंगमांसीरोमणि ॥ प्रीतेवालमवस्लकरा ॥ तेनीकेयेमोटस्कंघणि ॥३०॥ इतिश्रीम
देकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येनारा
यणचरित्रेगढडेफुलडोलनोउछववर्णननाममसीतेरमुंप्रकरणम् ॥१७०॥ चोपाई ॥ पछेसंतचाल्यासउम
ली ॥ करतावातवालमनीवली ॥ एककहेक्रणोमुनीसाथ ॥ केवारमतांतानटवरनाथ ॥१॥ एककहे
सांभलोमराल ॥ केवीलीधीतीरमतांढाल ॥ एककहेक्रणोसंतमली ॥ केवोनाखतातारंगवली ॥२॥ ॥१५७॥

एककेसांभलोमुनीराज ॥ केवासोभतातामहाराज ॥ एककेजुवोनेसंभारि ॥ केविनाखतातापीचकारि
३ ॥ एककहेलटकालोलाल ॥ केवोउडाडतातागुलाल ॥ एमकहेमांहोमांयेमली ॥ केवोरियोतोरंगडो
ढली ॥४॥ फरतापंगसमांपाकलर ॥ नानाकरतांजातांजोरेदर ॥ एककहेक्रणोकृपीराय ॥ लालआ
आहलालेहमांये ॥५॥ आजलीलाकरीजेदयाले ॥ एविकरीनोतीकोयकाले ॥ आगेअनेकधर्या
अवतार ॥ बहुजननोकरवाउधार ॥६॥ छेनोएनाराजश्रीहरि ॥ पणआवीलीलानोतीकरी ॥ आ
जआप्यांजेसंतनेसुख ॥ तेतोकयांजापकेमसुख ॥७॥ मारेमोटांभाग्यछेआपणा ॥ आजनराखीम
हाराजेमणा ॥ एमवातकरतांतेवुली ॥ गईदेशप्रदेशमंडली ॥८॥ करेवातफरेमुनीजंन ॥ एमकरतां
विसाकांयेदंन ॥ पछेआवीजनमअष्टमी ॥ संतआव्यावडोतरेभमी ॥९॥ सउविदीरियावरताल
इयांआवसेलाडिलोलाल ॥ एमवातजुवेसउसाथ ॥ कहेजोवनेतेडाछेनाथ ॥१०॥ वाटजोतांवा
लमजीआव्या ॥ तीयांसर्वेसंतनेबोलाव्या ॥ संतआवीलागाप्रभुपाये ॥ नाथनिरखीतृपतनथाये
११ ॥ दियेदर्शनप्रसंनकरे ॥ नीजदासतणांदुःखहरे ॥ देवाडंचेआसनअविनास ॥ सांमुजोइरयांसउ
दास ॥१२॥ एवेसमेअनरएकलाव्यो ॥ अलवेलानेचर्चवाआव्यो ॥ तेतोलईलीधोहरिहाथे ॥ चर्च्योसं

तनानासीकानाथे ॥२३॥ चर्चिनासीकानेवोल्यानाथ ॥ तमेसांभलजोसउसाथ ॥ बिजामेलव्यासे धु
ड्यथांणि ॥ रेसेतमाराम्मुखनुंपाणि ॥२४॥ एमकहनेवेगआसंन ॥ कंगिसंतथीपाछेमगांन ॥ पछेसंते
करयागुणगांन ॥ तेनेकहणिरिक्याभगवांन ॥२५॥ आपीमाथेथीसोनेरिमोल ॥ काजुकहकलिंगेफको
ल ॥ पछेहरिजनेहेतेकरि ॥ काजुकेवडानीटोपीधरि ॥२६॥ तेतोहरियेलीधीछेहाथे ॥ मेलीमुक्तानंद
जीनेमाथे ॥ बिजापासेहताजेमराल ॥ तेनेआपीपुंफुलनीमाल ॥२७॥ पछेकरलथीसत्संगीआव्या
पुजाप्रभुजीनेकाजेलाव्या ॥ हारहेमकडांवायेवाजुं ॥ वेदविदिकुडलीयांकाजु ॥२८॥ कडीवेलनेक
टिकंदोरो ॥ मालामादलीयोपायेतोडो ॥ सालडुसालनेजामोजरि ॥ रेटोफेटोनेपाघसोनेरि ॥२९॥
धुपदिपअगरआरति ॥ फुलकेसरकपुरबती ॥ रामलरवउत्तपचार ॥ प्रेमेपुज्याछेप्रांणआधार ॥
३०॥ करीपुजानेजोड्याछेहाथ ॥ जनगायपछेजयजयगाथ ॥ पछेरच्योछेहिंडोलोसार ॥ वालोकुले
छेवंनमोझार ॥३१॥ जोभेजांमलीयोभीनेवांन ॥ वालोतेडेछेतालीनुंतांन ॥ करेकरनालटकांका
जु ॥ जोइजंनतणुंमनराजुं ॥३२॥ पछेउभाथीपामलवेज ॥ पंअग्रदीनेदिधीछेवेल ॥ हालेहिंडोलेफु
लेछेहरि ॥ जयजयरियांजंनकरी ॥३३॥ एमकरेछेलीलाअपार ॥ निर्खिकहबलीयेनरनार ॥ पछेअल

वेलाआगलेजंन ॥ करिनृत्यनेकरेप्रसंन ॥३४॥ पछेराजीथीयावकुराज ॥ मल्यासंतमंडलनेमहाराज ॥ प
छेसंतचंदनघसीलाव्या ॥ मलीप्रभुनेपुजवाआव्या ॥३५॥ प्रेमेपुजीयाप्रांणआधार ॥ कंठेआरोप्याफु
लनाहार ॥ चर्च्योचंदनेचरणादोये ॥ जंनेउरमांछापीयांसोये ॥३६॥ अतीराजीमांछेरंगरसीयो ॥ सर्वेजंन
तणेमनवसीयो ॥ पछेथियुंछेपंगतसदारणुं ॥ वेगासंतसोभाकहवखांणुं ॥३७॥ जोणेबेठीछेहंसनीहार ॥ एक
एकथीओपेअपार ॥ पछेमोदकलेमहाराज ॥ आव्याप्रभुपीरसवाकाज ॥३८॥ जमेजंनमनेजेमाडेजीवंन ॥ व
हुनामनोजाविभोजंन ॥ एमआपेछेकहयअपार ॥ तेनोकेतांआवेकेमपार ॥३९॥ करावीताहरिजननेपाल
तेतोजमाासंतनेदयाल ॥ जमीवेगमुनीसउमली ॥ सारिसोभेछेसंतमंडली ॥४०॥ पछेनाथकहेसंतकरा ॥
आंमोकोणकचरणपतेपुरा ॥ जेवाछेआत्मानंद ॥ एवाहोतेवोलोमुनीइंद ॥४१॥ पछेसंतउभाजोडिहाथ
जेमकोतेमकरीयेनाथ ॥ कोतोमटकुंनमरियेमीटे ॥ कोतोअंनजमीयेपेटे ॥४२॥ कोतोतजीयेछाजलनो
संग ॥ रैयेहिममांउघाडेअंग ॥ कोतोपीवुंतजीदेयेपांणि ॥ रैयेमुमनबोलीयेवांणि ॥४३॥ कोतोवेसीयेआ
सनवाली ॥ नव्यजोयेआदेहसंभाली ॥ एमहीमतछेमनमांथे ॥ तमेकहोतेकेमनथाये ॥४४॥ एमबोल्या
जारेमुनीजंन ॥ सुणिप्रभुजीथीयाप्रसंन ॥ कहेनाथकहणेसाधुसुर ॥ एतोअमनेजणायेजकुर ॥४५॥ तमे

॥भक्त०॥ बोल्यातेसरवेसाचुं॥ विज्ञामांयेपणनथीकाचुं॥ एकएकथीअधीकछोतमे॥ रावुंजाणुंछेजनरुअमे॥ ॥प्र० १२॥
॥१५९॥ ३५॥ एकवातकउंमानोतेह॥ आपणोआतमानहीदेह॥ मानोचैतनरुपतमारुं॥ दुखरुपदेहतेहम्यारुं॥ ३
६॥ एमकहेछेसंतनेवात॥ सुणिसाधुथीयारलीयात॥ कहेनाथसुणोसतजन॥ पुरीथीपोउछवेनोदन॥ ३
७॥ सर्वेसधावजोमुनीतमे॥ पाछीवालसुंसरवेअमे॥ एमकहेप्रभुजीपधार्या॥ संतेनिर्विध्नेतरेठार्या॥
३८॥ आप्यांसुखजननेजीवंने॥ आचरणचरीत्रएमीनेहंने॥ तेहीकह्यांछेउछववाले॥ करगोजोवुनव
रताले॥ ४०॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनीष्कुळानंदमुनिविरचितेभक्त
चिंतामणिमध्येनारायणचरित्रेवरतालेअएमीउछववर्णननामएकौतेरमुंप्रकरणम्॥ ७१॥ रागसामेरि
॥एमनित्यनविनाथजी॥ करेलीलाकंदरग्राम॥ संतरियागुजरातमां॥ पोतेआव्यागढडेगाम॥ १॥
अनीराजीअलबेलडो॥ करेहसीहसीनेवातडि॥ संतमंडलनेसांमलो॥ घणुंसरायछेघडिघडि॥ २॥ परम
हंसजेवापृथवीमां॥ आजनथीकोयेअंगे॥ तनमननांसुखत्यागी॥ राच्याछेप्रभुनेरंगे॥ ३॥ सागवैरागे
त्रणलोकमां॥ नावेजोडेकोयजंन॥ तेनेजोरअंतरमारुं॥ थायछेप्रसंन॥ ४॥ एमकहेअलबेलडो॥ मोट
पमुनीजंननी॥ सुणिहरिभक्तमनमां॥ इछाकरीदर्शननी॥ ५॥ पछेजंनेवेखुंजोतरि॥ चाल्यासर्वेसखा ॥१५९॥

साथजी॥ संगेसुंदरसांमलो॥ पोतेपधार्यानाथजी॥ ६॥ वाटमांरविविधभाते॥ लीलालालकरेघणि॥ जोई
जनमनमोदपांम्या॥ सोभाथीश्रीहरितणि॥ ७॥ पछेजेजेतलपुरमां॥ छबिलोछोगालीया॥ दनदेआर
लोरई॥ पछेवालमजीवलीआवीया॥ ८॥ तारपछीपधारिया॥ वलीवरतालसगाम॥ देवादर्शनदासने॥
आवीआसकंदरग्राम॥ ९॥ संतसर्वेसांभलीवली॥ आव्याअलबेलाकने॥ कंदरग्रामसघुणिमुर्ति॥ निर्खि
नयणेभरिजने॥ १०॥ संतनेवठसुखआप्यां॥ करीहरिवातहेतनि॥ सुणिजनमनमगनथीया॥ पीरथई
वनीचितनी॥ ११॥ पछेविजेदंनवोलीया॥ संतसांभलोसकुपात॥ अमेआंहिथीसधावसुं॥ आपोसीखयथ
रलीयात॥ १२॥ राजीयइसीखआपसो॥ तोरायसंखबकल्हअमे॥ पणसंतसंगमांनैरेये॥ जोराखसोतांणित २
मे॥ १३॥ मारेआपोआगम्या॥ ककुंकगरेरितमआगलें॥ प्रसंनयइपधासुं॥ तोरेसेमेलापकागले॥ १४॥ सुं
णिसंतत्रांकेपडिया॥ राजीनहीरुवेघणुं॥ प्राणगतचतथीया॥ सुंणिवचनजीवनतणुं॥ १५॥ टगमग
जुवेरुवेवली॥ बोलीनसकेवदने॥ अलबेलानीउदासीजोई॥ रईनहिधीरजमने॥ १६॥ पछेसाधुरामदा
सजीये॥ कराजोडिकयुंकरगरि॥ जेमकहोतेमकरसुं॥ नमेरहोसतसंगमांहरि॥ १७॥ पछेप्रभुजीप्रसंनथ
ई॥ कहवातसर्वेअंगनी॥ मोटासंतरायजोतमे॥ खबरसतसंगनी॥ १८॥ एमकहेनेपधारिया॥ जीयागाम

॥भक्त० डभोण ॥ सतसंगीनेसंतसर्वे ॥ संगेचाल्याकरजोरा ॥ १९ ॥ तियांदिनराकरईने ॥ वलीआविपावरताज ॥ सांथी प्र० ५२॥
॥१६०॥ आपीआगमा ॥ आवीमोटामोटामराल ॥ २० ॥ सांथीप्रभुजीपधारिया ॥ गीयावोचासणगांम ॥ सुंदर
वक्षजोइने ॥ कर्योवाडियेविसरांम ॥ २१ ॥ पछेसांथीचालीया ॥ वलीगुवासदगांमेगीया ॥ आपीअंबं
रसोरवडे ॥ वलीटंकारियेरजनीरिया ॥ २२ ॥ सांथीचालाचोपसु ॥ नाथनवदाउतरया ॥ मीनपुरमांमहारा
जरश ॥ सवारेसांथीसांचरया ॥ २३ ॥ चोकीमांपोरचाररई ॥ प्रभातेसांथीपधारिया ॥ करतसेरनेसमीप
गांमे ॥ उधनामांआविरिया ॥ २४ ॥ सेरमांसंभलाविपुं ॥ सतसंगीआव्यासौमली ॥ भोजनविंजनपुजावी
धी ॥ लावीयालाखुंवली ॥ २५ ॥ हारअपारपेराविया ॥ करेधुंपदिपआरतीकर ॥ उतमवस्तुआगल्य
मुकि ॥ सुखडीनीसिमानर ॥ २६ ॥ संध्यासमेसतसंगीये ॥ लिधालावलोचनभरि ॥ पछेआपीआगम्या ॥ जा
ओघरेसौकहेहरि ॥ २७ ॥ सांथीनाथपधारिया ॥ वलीरियारजनीवनमां ॥ चाघनुंविघनटालीं ॥ चाल्या
सांथीमगनमां ॥ २८ ॥ चिखलीयेपोरचाररई ॥ धर्मपुरपोतेगीया ॥ नयणेनिरखीनाथने ॥ सौसंतजनसु
खीथीया ॥ २९ ॥ गीयांहतांबाईगांमविजे ॥ नामकुसालकुवेरजी ॥ तरतसांथीआविया ॥ करुणिप्रभुपधा
र्याघेरजी ॥ ३० ॥ नयणेनीरखीनाथने ॥ सनाथथश्रामजांणिपुं ॥ अहोमारांभाग्यमोटा ॥ एमकईआनंद ॥१६०॥

आणियुं ॥ ३१ ॥ पछेहाथजोडिकयुंनाथने ॥ महाराजराजकरोतमे ॥ तमेअमाराअधीपती ॥ सौदासथैरे
सुंअमे ॥ ३२ ॥ अजांणेदिनआरला ॥ अमेरियांतांराजाथर ॥ हवेतमेतमारुंसाचवो ॥ आसर्वतमारुंमारु
नर ॥ ३३ ॥ पछेप्रभुजीबोलीया ॥ नथीराजकरवाआवीया ॥ अनेकजीवउधारवा ॥ आभोमीयेभमीयेरिया
३४ ॥ एराजतमारुंतमेकरो ॥ पणअंतरमांराखजोहरि ॥ जोरेसेउपाधीअंतरे ॥ तोथोडामोटिजासेखशि ॥ ३
५ ॥ वारेकहेहवेतमनेमुकी ॥ बिजीबुजाकोणराखसे ॥ कथासमसांमतमने ॥ मुकीविषकुणचाखसे ॥
३६ ॥ एवुंकणिप्रभुप्रसेनथीया ॥ पछेतेओसंघसुरततणो ॥ आव्यासरवेसतसंगी ॥ लाव्यापुजवासमा
जघणो ॥ ३७ ॥ सुंदरवस्तुपेराविया ॥ धर्योकिरिटमुगटमांथेवली ॥ धुपदिपकरीआरती ॥ पछेलागांपाये
सहुवली ॥ ३८ ॥ पछेराजनराजीथई ॥ करीकरजोडिनेविनती ॥ आजकरोअसवारिहरि ॥ कृपाकरीअमा
रिवती ॥ ३९ ॥ पछेआपीआगम्या ॥ साकुंजाओअमेआवसुं ॥ पछेराजाराजीथर ॥ सणगारिअसवारि
मावसुं ॥ ४० ॥ सुंदरगजसणगारियो ॥ तेउपरबेठाहरि ॥ सेरसर्वेसनाथथियुं ॥ नाथनिदर्शनसणगानरि
४१ ॥ तीयांवाजेवाजांअतीघणां ॥ वलीबुलेमजागासुबोलीयुं ॥ एमअनेकजीवने ॥ आपुंकष्टअरगातो
जीयुं ॥ ४२ ॥ रामअनंतकरीलीला ॥ पछेवाछेडेआविया ॥ सांमेथेकषपालजावि ॥ रायेमोतीडेवधाविया ॥ ४३

॥भक्त०१ पछे प्रभु पधरावीया ॥ भुदेभोवंनपोतातणो ॥ धुपदिपकरि आरति ॥ प्रभु पुजीया वे मे घणो ॥ ४४ ॥ पछे चर ध० पुन॥
॥१६२ णचुरचीचुंदने ॥ वली तेनो पगलां पद्या विधां ॥ पोते पोताने पुजवा ॥ रायसिंहसी सचडावियां ॥ ४५ ॥ पछे
हलादास पासहरिने ॥ तेने करी ये वेरामणि ॥ वलपदिवस तां रर ॥ पछे पधारियाधर्मपुर भणि ॥ ४६ ॥ त्रा
वितां उछव कस्यो ॥ वसंत पंचमी नो वली ॥ जोरली लाजनमन मां ॥ मगन थीयां स फुमली ॥ ४७ ॥ पछे
प्रभुने पुजीया ॥ बारपे वुउ बे मे करि ॥ सुंदर वस्त्र सुरपी अंगे ॥ आप्या रुपैया थाल भरि ॥ ४८ ॥ पछे
हरि ये हाथ सुं ॥ आप्या रुपैया हिनदासने ॥ संत पोते मागीतने ॥ कोण राखे गृह का सने ॥ ४९ ॥ अन
ते ली लासो करी ॥ ते कये न आवे वातमां ॥ पछे सांथी चाला हरि ॥ आवीया गुजरातमां ॥ ५० ॥ समैं पो
सारो कस्यो ॥ महाशुदि पंचमी दने ॥ धर्मपुरे कुशल कुवरे ॥ सांकरि जो जाजीवने ॥ ५१ ॥ इति श्री
मदेकांतीक धर्म प्रवर्तक श्रीमद सहजानंद स्वामि शिष्य निष्कुलानंदमुनि विरचिते भक्त चिंतामणि मध्ये हरी
चरित्र धर्मपुरे वसंत पंचमी उछव वर्णन नामे बोतेरमुं प्रकर्णम् ॥ ७२ ॥ चोपाई ॥ पछे वरताव्यें वालो त्रा
विया ॥ दिन दोय कुं पोते त्यां रिया ॥ पछे पधास्या देश पांचाल ॥ दिन वंध जे दिनदयाल ॥ १ ॥ संतसवें
रिया गुजरात ॥ कहे हरिजन आगे वात ॥ सउ करी लीपो घर काज ॥ हमणां करसे उछव माराज ॥ २ ॥ ॥१६२॥

आवि कुशल सनीदनयोडे ॥ प्रभु पधारसे चडि घोडे ॥ एवुं सांभली सत्संगी जेन ॥ करे मनोरथ वली मन ॥ ३ ॥
हवे ते डा वसे प्रभु ज्यारे ॥ जा सुंदर दर्शन सौ मली तारे ॥ कहे एक करवुं पो साग ॥ साल दुसाल सोनेरि पाग ॥
४ ॥ जोमो जरिसुंदर सुरवाल ॥ सारे सोने रिछे डे चो फाल ॥ एक कहे वेद विंटि कडां ॥ कराविस कनक कडां
रुडां ॥ ५ ॥ बाजु काजु कुंडल रुपालां ॥ रुडी उत्तरि सां कली मालां ॥ एक कहे करावुं कंदोरो ॥ त्रिस पेच नेसो
नेरि तोरो ॥ ६ ॥ एक कहे पुजीस फुंनाथ ॥ घसी चंदन सुंदर हाथ ॥ एक कहे करीस आरती ॥ नमी चरणें करि
स विनती ॥ ७ ॥ एम करे मनोरथ दास ॥ मां तो आवी यो फागण मास ॥ देश देशना कंको तरि फेरि ॥ फुल डो
ल नाउछव केरी ॥ ८ ॥ आपी आगन्या जनने माहाराजे ॥ करजो समाजरमावा काजे ॥ अमे आवसुं वरता
ले वेला ॥ पेचदंन कुंता सनी पेला ॥ ९ ॥ पछे संते कराव्यो समाज ॥ हे ने हरि सुंदर मवाकाज ॥ रुडी रितना क
सो हाथा रंग ॥ भस्या होज जो एगुज मुनो गंग ॥ १० ॥ पांदे पीच कारि करावि ॥ रमसे हरि हरिजन आवी ॥ बहु
पेस्ये करावयो समाज ॥ मां तो पोते पधास्या माराज ॥ ११ ॥ आवि दासने दर्शन दिधां ॥ निरखीनाथ जनने सुख
लीधां ॥ आप्यो दासने अती आनंद ॥ पोते पधास्या पुरणचंद ॥ १२ ॥ आव्या हरि सखा नी हेडिये ॥ उतरिया जो
बननी मेडिये ॥ पछे ते डिया संत समस्त ॥ आव्या संग्ख जोगी घणा ग्रस्त ॥ १३ ॥ मत्सां मनुष्य अती अपार ॥ पछे प्र

॥भक्त॰ मुख्याथ्या पुरवासु ॥ दियेद र्शनदिनदयाळुं ॥ अतीकपा॰ पेमसाकपाळुं ॥ २४ ॥ तियांआवो उछवनोदंन पृ॰ ५३॥
॥२६२ करयुं रसीये रमवानुं मंन ॥ भरिफोली उडाडे गुलाल ॥ तेणे सखाथीया सउलाल ॥ २५ ॥ नाखेपिचकारिभरि
रस ॥ रंगेसखाकिधा रसबस ॥ सखासोभेछे सुंदर रंगे ॥ रमेअलबेलो उछरंगे ॥ २६ ॥ पछेसखेकस्यो तोहिं
डोलो ॥ सारोसोभीतसुंदर पोलो ॥ वारवार रणोओपे अनुप ॥ जोवाजेवुं छेजालीनुं रुप ॥ २७ ॥ पोचुत्रिरवरे
सोभेनेदंरन ॥ जांणियेवेकुंठनुं वेमांन ॥ कानुंकनकनो कोटिमांलेक ॥ बहु फुलनेहारे तेवेके ॥ २८ ॥ सुंदे
रयो मलीमुनीराज ॥ एवेहिंडोलेबेठामहाराज ॥ पछेधर्योमुगट सुजांणो ॥ सोभेरूपते जप्रमांणो ॥ २९ ॥ अ
तिसोभादियेछे अपार ॥ नंगपंगतीनो नरपार ॥ जडंनामणिमांणपकनेमोती ॥ करेछे हीरा कंचर जोति ॥ ३० ॥
जोर वज्ररुच्यकनीज्ञात ॥ लालनीलेपीलेपाडिभात ॥ नंगाफगमगाकरेजोत ॥ जांणेउरविज्ञासिषीपाउ
द्योत ॥ ३१ ॥ एवोरुडोरतननोजडो ॥ घणोघणो हेलेकरीघडो ॥ एवोमुगटधर्योछेमाथे ॥ पेर्यांकनकनांक
डांवे हाथे ॥ ३२ ॥ करेवेंटवींटीबांयेवाजु ॥ मकाकृतकुंडलकांनेकानु ॥ शिरपेचनेसोनेरितोरो ॥ केडेबांधी
योकनेककंदोरो ॥ ३३ ॥ हैयेपेर्याछेहेमनाहार ॥ सोभेफुलनीमाला अपार ॥ कर्यांतीलकके सरतणां
तेणेसोभेछेसुंदरघणा ॥ ३४ ॥ पछेजंनेकरी छेआरती ॥ पापजयजयन्न प्रसाअती ॥ मलांजंन सोअनी ॥२६२॥

अपार ॥ लरउभाछे फुलनाहार ॥ ३५ ॥ पणप्रभुनेकेमन्अपाये ॥ अतीभीडपासेनजवाये ॥ तेनामनोरथपुराकी
धा ॥ हाथछडिवडे हारलीधा ॥ ३६ ॥ पछेमांथेथीमुगटउतारि ॥ सुंदरसोनेरिपाघतेधारि ॥ तेनोंदिधांसो
नेदर्शन ॥ कर्योजंननोमनप्रसंन ॥ ३७ ॥ पछेसउनीपुरवाहांम ॥ फुलेहिंडोलेसुंदरस्यांम ॥ हालेहिंडोलोवा
युनेवेग ॥ परमगननकरेतीयामेघ ॥ ३८ ॥ तियांआविनियोभांवेमांन ॥ गायगांधर्वसांगुणगांन ॥ तीपोजय
जयबोलेछेजंन ॥ एमलीलाकरेछेजीवंन ॥ ३९ ॥ वितीरामआनंदमांरात ॥ उग्योसुरहवुंपरभात ॥ तारेसां
मलीयोसज्जथिया ॥ सखानेसंगेरमवारिया ॥ ४० ॥ चालेचोदतपेपिचकारिघणि ॥ चडिगरदिगुलाल
तणि ॥ चुआरमलेरसीयोराज ॥ कृष्णसंतनेआपवाकाज ॥ ४१ ॥ रमेसांमसांमानवहारे ॥ विचमोपदि
कोयनवारे ॥ एमखेलेछेरवांतीलोहोली ॥ मांघेभरिगुलालनीफोली ॥ ४२ ॥ वाजेवाजांत्यांहोलनगारां
त्रोसांसुरणाइरवाजसारां ॥ बेउमचीछेरंगनीफडी ॥ जुवेअमरवेमांनेचडि ॥ ४३ ॥ रमेहरिसंगहरि
जंन ॥ करेनरअमरधनधन ॥ पछेप्रभुजीचढियाघोडे ॥ सखालीधाछेसर्वेजोडे ॥ ४४ ॥ फरेसंघमांदि
येदर्शन ॥ करेजंननोंमनप्रसंन ॥ एमलीलाकरेछेलाडिलो ॥ रंगमांरसबसछेछेलो ॥ ४५ ॥ एमप्रभुर
म्यासखासाथ ॥ पछेनावानेचालीयानाथ ॥ नाइनाथनेआव्याउतारे ॥ थीयाजमणथालतेवारे ॥ ४६

॥भक्त० जमीपापोतेजीवंनकेरा ॥ जमाआछेजनेकरीतांरा ॥ पछेसंतनीपंगतीदेसारि ॥ आपापीरसवागीरधा प० ११२॥
॥१६३ रि ॥ ३७ ॥ जमेजंनजमाडेजीवंन ॥ एमलीलाकरीवुउदंन ॥ आपुंकरखामवकुविधी ॥ पछेसंतनेसीष
जदिधी ॥ ३८ ॥ एमउछवकस्योअविनासे ॥ करामोवापुरणाछोडदासे ॥ करीवरतालमेदेत्रविदित ॥ ध
ननरणारिनीप्रीत ॥ ३९ ॥ कस्योओछवजगजीवंने ॥ फागणसुदिपुनमनेदंन ॥ तेदिकंदरउछवक
रि ॥ पछेपोतालेपधास्याहरि ॥ ४० ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानं
दमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रवरतालफुलदोलउछववर्णननामतोतेरमुंप्रकरणम् ॥
१३ ॥ रागसामेरि ॥ घणुंरहेहरिगढडे ॥ आवेजायविजेदेश ॥ संतफरेसरवेदेशमां ॥ करेहेततेनोउपदेश
१ ॥ लीलासंभारिलालनी ॥ तेनीकरेमांहोमांयेवात ॥ उतरेनरकेफरुंगढथी ॥ घणुंरहे राजीरलीयात ॥ २
असमीनेराकादशि ॥ फुलडोलदिवालीनेदंन ॥ रामनोमीनेवसंतपंचमी ॥ वारजोईरहेजंन ॥ ३ ॥ वाट
रसप जोतांवरताल मां ॥ आव्यादयालुदयाकरी ॥ हेतजोईहरिजंननां ॥ दियेदरसनफरिफरि ॥ ४ ॥ फरेस
दैदेशमां ॥ अनेजुवेसंगलांगांम ॥ वडतालसडओराजेतलपुर ॥ तेकरियांनीजधांम ॥ ५ ॥ अलबेलो
पधारिया ॥ कार्तिकसुदिएकादसि ॥ तेदिजेतलपुरकरिउछव ॥ तेडाविया सर्वेरुषी ॥ ६ ॥ तीयांजांम ॥१६३॥

चारनुंजागरणकरि ॥ गायागुणगोविंदतणा ॥ रमतांगातांगरबियुं ॥ फलसंतेतेलीधांघणां ॥ ७ ॥ निस
नविलीलाकरे ॥ भेळामुनीजनरहि ॥ पवित्रकरेपथवि ॥ चरणनिरजेसहि ॥ ८ ॥ जीयांजीयांजीवनफ
रया ॥ सोंकस्याजननांकाज ॥ अनेकजीवओधारवा ॥ फरेमुनीनेमहाराज ॥ ९ ॥ एमकरतांआवियो ॥
रुडोतेफागणमास ॥ रमवारुडिरुतासनी ॥ हैयेहरखीयाहरिदास ॥ १० ॥ पछेप्रभुजीबोलीया ॥ सं
तोसोधोकंदरगांम ॥ जेणकरियेफुलासनि ॥ एवुंगोतीकाढोगांम ॥ ११ ॥ वारमवारवरतालमां
उछवकयाअतीघणा ॥ खुंदसुखपामासतसंगनुं ॥ धम्मजनएमांनरमणा ॥ १२ ॥ मारेविजीजायेगा ॥
जोईकाढोतमेजंन ॥ संतेमांडयुंसोधवा ॥ सुणिवालमजीनुंवचन ॥ १३ ॥ बोमणोगांमनेबोचासणे ॥ स
तसंगीसारासही ॥ पणजलछायानीजुगती ॥ वरतालजेविविजेनही ॥ १४ ॥ वालमकेवरतालजेवुं ॥
नथीबिजुकोइगांम ॥ सतसंगनामध्यमां ॥ सुंदरछेरहवांम ॥ १५ ॥ जाओतमेतियांमेलथी ॥ सारो
व करावजोसमाज ॥ आदिसेअमेआवसुं ॥ एमबोलीयामहाराज ॥ १६ ॥ वारमवारवरसोवरसे ॥ ह
लोमणपछेहेजनी ॥ करोचिरबंधचोकसी ॥ पायसुंदररमसमोजनी ॥ १७ ॥ पछेपाकाहोजकरावि
ने ॥ एकचोतरोचणावियो ॥ अलबेलानेबेसवा ॥ सुंदरसारोबणावीयो ॥ १८ ॥ पछेप्रभुजीपधारिया ॥

॥भक्त० आविबेवागल्त्वोतरे ॥ आसपासेबकुदासदिसे ॥ करवेसौदर्शनकरे ॥१९॥ अनेकजनजोईरियां ॥ प० ५४॥
॥१६४ नरनारिनोवलीछंद ॥ सोभेसुंदरसांमलो ॥ जेमतारामंडलमांचंद ॥२०॥ दिठेरूपबकुदासने ॥ वली
दयालेदयाकरि ॥ जनमनरंजनकरवा ॥ करेलीलाफरिफरि ॥२१॥ कसोतोउछवआगले ॥ वलीते
वोनेतेवोकरसो ॥ अतीआनंदेअलबेलडो ॥ वलीरमेहोलीरंगेभरो ॥२२॥ लाखागुलालनांगाडलां
तेवेचीआप्यांसंतने ॥ भरोहोजेबेकुरंगना ॥ रमवाभक्तेभगवंतने ॥२३॥ पछेअलबेलोउभाथइ ॥
वलीफेकीफांदनुंगुलालनि ॥ तेहसमानीसोभामुखथी ॥ करनजायेवालनी ॥२४॥ पछेसखासजथी
या ॥ खेलखुबरंगमचावियो ॥ लागीझडिबकुरंगनी ॥ अरुणवरुणाम्बरथायो ॥२५॥ परसपरपि
चकारियुं ॥ छुटेसेतेनुंसांमहि ॥ ओल्यनदिपेउघाडवा ॥ जाणुंआभोघनघणोउलटि ॥२६॥ गुला
ललालनाखेघणां ॥ फलकेकरमांकडांवली ॥ धायेसलावानेहना ॥ जाणुंचमकेघनमांविजली
॥२७॥ रसवसथायारसीयो ॥ सोभेसखारंगमांलाल ॥ आनंददेवाद्रासंतने ॥ एवोकरयोअलोकि
कख्याल ॥२८॥ रमतांरमतांरंगमां ॥ वलीपोरदोयवरगीया ॥ हरिहरिजनहोलीरमतां ॥ होइउ
मांनकहारिया ॥२९॥ पछेनाथेहाथसंके ॥ वलीपाडीतालीनेघडि ॥ जीसाजीसासेकुआपणे ॥ मेलो ॥१६४॥

पिचकारिपडी ॥३०॥ पछेजनमगनथइ ॥ नावावालानिरमां ॥ रंगसोरंगेसांमलो ॥ घणुंसोभेछेत्यारि
रमां ॥३१॥ नारनेआवानाथजी ॥ जनेजमाडवाभावेभरि ॥ पछेमुनीमंडलने ॥ पोतेपीरस्युंहाथेकरी ॥३२॥
जेमेकारकरीजीवंन ॥ आव्यापुरद्वारेफरि ॥ आविवेठाओटले ॥ हरिजनने पोतेहरि ॥३३॥ तीयांगाय
पदनेधायवातु ॥ थअउतरअतीघणा ॥ रामसंतनेसोकरसथी ॥ दिधांरूपदर्शनतेरणां ॥३४॥ पछेहाथ
जोडिहरिजनकहे ॥ तमेहिंडोलेवेसोहरि ॥ मनोरथजनमनना ॥ तमेपुरोप्रभुकृपाकरि ॥३५॥ पछेप्र
भुप्रसंनथइ ॥ हिंडोलेबेठाहरि ॥ जनेजीवनने मुगटधरि ॥ करीपुजाभावेभरि ॥३६॥ अंबरसुंदरआ
भुषण ॥ प्रभुनेपेरावियां ॥ कुसुममालाकंठेआरोपी ॥ सुंदरछोगांधरावियां ॥३७॥ पछेउतारिआरती
प्रेमेपायेलागानाथने ॥ पछेहरिहिंडोलेकुदी ॥ आप्यांरूपसकुसाथने ॥३८॥ रामलीलाअतीघणि ॥
करिकृपानिधीये ॥ जनमनरंजनकरवा ॥ वाल्पमेवकुविधीये ॥३९॥ एविरिसेकरीउछव ॥ पंचाले
प्रभुगीया ॥ संतसर्वेमंडलीवली ॥ गुजरधरमांदरिया ॥४०॥ एकजीभेअनंतलीला ॥ केमेमुखथी
केटली ॥ शेषमहेशसारदाकहे ॥ तोपनकेवायतेटली ॥४१॥ अपरंमपारलीलाकरी ॥ फागणसु
दिपुनमदने ॥ करीलीलावडतालमां ॥ करावीहरिजनजोवने ॥४२॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्त

॥ भक्त० ॥ कश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनीष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रवरतालसकृतास प्र० ५४॥
॥१६५ नीशळववर्णननामाचोपनमुंप्रकरणम् ॥५४॥ चोपाई॥ पछेग्रामसोरठपधार्या ॥ जनमनमोद
वधार्या ॥ गांमोगांममांदेइदरसंन॥ करेजनमनमनप्रसंन॥ १॥ खंभाळुंरायपरपिपळ॥ रखेधीयेगीया॥
गोंडळ॥ गांमगोंडुलनोजेराजन॥ नामहठिभाइहरिजन॥ २॥ सखासहीतसांमोसौंआव्या॥ अतीहेतेप्रभु
पधराव्या॥ पछेबोलीयाश्यामकृमोरा॥ तमेसांभळोनरपतीवारा॥ ३॥ अमेसागीनेराजतमारे॥ केम
मळसेतमारेअमारे॥ जेमतमनेराजनीखुमारि॥ तेमसागीनेसागनीनारि॥ ४॥ मारेमोटाजोजांणोअम
ने॥ तोमांनजोजेकंयेतमने॥ नेयेजोइआछेराजायेहाथ॥ जेमकोतेमकरसुंनाथ॥ ५॥ पछेपधार्यानेनेभु
वेन॥ रयारामकराव्यांभोजंन॥ पछेसीखमागीनेसधाव्या॥ घोडकरीधोराजीयेआव्या॥ ६॥ रशरासनेसधा
व्यासांम॥ सांथीआव्याछेभाडेरगांम॥ सांनीजनमननेसुखआप्यां॥ दरदरसंननेदुखकाप्यां॥ ७॥ पछेआ
व्यामाणावदरमांय॥ रियारातएकपोतेसांय॥ पछेसांथीपधार्यापंचाळे॥ दिधांदासनेदर्शनदयाळे॥ ८॥ ति
यांरियाराजीथइबहु॥ आव्यांसांभळीदर्शनेसहु॥ आव्याखजाळनेअगत्रार॥ गहमरपिप्पलपोरछाश॥ ९॥
मेघपुरमांगरोळलोज॥ कालवांणिसमेधुंसुत्रोज॥ गणोदजाळीयुंउपलेटुं॥ आवेदर्शनेजनुवेछेटुं॥ १०॥ ॥१६५॥

बाळजोबननेवृद्धवळी॥ आव्यांप्रभुपधार्यासांभळी॥ सहुआवीनेनिरखेनाथ॥ जोरजीवंनथीयांसनाथ
११॥ करीपुजानेलागांछेपाये॥ अतीहेतहमामांनमांये॥ कुहेकरजोडिएमजंन॥ घणेदाडेदिधांदरसंन॥ १२
रामकर्ईभल्यांनिरखनयणे॥ पछेप्रभुबोल्यामीठेवयणे॥ सोभलोसतसंगीसोरठि॥ तमेसोसुखीछोसारिपठि
१३॥ अमेफरीयेछेयेदेशसहु॥ पणतमेवाल्हामुनेबहु॥ अमेप्रथमप्रगटथ्यरे॥ करीआदेशमांलीलाकरे॥
१४॥ वळीआदेशमांस्वामीमल्या॥ रामानंदजेनजापकल्या॥ तेनासतसंगीतमेकावो॥ मारेमारेमनेअतीभावो॥
१५॥ एविसांभळीवालानीवात॥ सहुथीयांराजीरळीयात॥ पछेआव्याबोडुर्वेजनएकदास॥ अकिंचननहिवस्तुपा
स॥ १६॥ तेनेआप्यांअंबरकराविं॥ वळीमुदडिमोरेभरावि॥ काथुदाळीएमजननुं॥ हतुंडरजेवकुदननुं॥
१७॥ बिजासहुस्त्रीपुरुषीथीयांजंन॥ करीप्रभुजीनांदरशंन॥ दनदशविसतिपांरियां॥ पछेगांमपिपळांलेगीया
१८॥ आवुंअगत्रारगांमफरि॥ पाछापंचाळेआवीयाहरि॥ रशरातसवारेसधाव्या॥ सांथीमांणावदरमांहिआ
व्या॥ १९॥ दिधांदासनेदरसंनदांन॥ रशरातवास्याभगवांन॥ आव्याजाळीयेसुंदरसांम॥ रियापोरएकगहदांम
२०॥ पछेजनेकराव्यांभोजंन॥ जमीचाल्यीयासांथीजीवंन॥ विजेसियानरकीयांनाथ॥ आव्यावंथलीयेसखानेसा
थ॥ २१॥ सांथीचाल्यारंगभीनोराज॥ आव्यागांमगढडेमाराज॥ दिधांदासनेदर्शनदांन॥ जनेनिरख्यामावेभगवांन

॥भक्त०॥ २२ पछेपुछ्युंजननेलागीपाये ॥ केवासतसंगीसोरठमांये ॥ कहोकिपाकरिनेअमने ॥ केवुंहेतकरतांतमने ॥ २३ प्र०५५॥
॥२६६॥ पछेबोलीपाथागाजीवंन ॥ तमेसांभलोसोमलीजंन ॥ सोरठदेशनांसतसंगीजेह ॥ अतीनिरमलकोमलतेह ॥ २४
नरछलकपटलगार ॥ वक्रविसवासीनरनार ॥ घणुंनेडापणाचतुराई ॥ निश्चेप्रभुनुंपर्वतशाई ॥ २५ ॥ जेदीना
एनेस्वामीमल्याछे ॥ तेदीनांसरवेसंसेटल्याछे ॥ निरउथानछेनरनारि ॥ एकएकथीसमकर्णेभारि ॥ २६ ॥ एवां
जेनथोडीमलेजोते ॥ जेनेमल्यारामानंदपोते ॥ तारेजनकेसत्यमाराजन ॥ एवोजेननरबुद्धिजांआज ॥ २७ ॥ जेनो
तमेकरीछोवखांण ॥ एतोरवांजनछेपरमांण ॥ एमहरिहरिजनमली ॥ करीवाततेसर्वेसांभली ॥ २८ ॥ एमनि
सनविवातुंकरे ॥ सुणिजेनरुदेसउधरे ॥ एमकरतांविसेोएकमास ॥ पछेप्रभुजीथीयाउदास ॥ २९ ॥ जिधो
सेवकएकसंगाते ॥ उठीचाल्यापोतेअर्धरात्रे ॥ गढडाथीउतरमांगांम ॥ रहेसत्तसंगीसुखपुरनांम ॥ ३० ॥ ति
यांपधार्यादर्शनदेवा ॥ तेनेघेररहतावलीचिवा ॥ नीयांमल्याहतांनरनार ॥ दिठाउनमतसरखाअपार ॥ ३१
नहिकेनेविचारविवेक ॥ चडीकेफविवानोविसेक ॥ करेमांहोमांयेवकुहासी ॥ एवुंजोइनेथीयाउदासी ॥
३२ आव्याहताउदासीटालवा ॥ सांतोसोमुनाअधीकाहवा ॥ पणकयुंनहिकेनेकांइ ॥ प्रभुसमकितियामन
मांइ ॥ ३३ ॥ पछेतत्तसांथीउठिचाल्या ॥ रियानअमाथकेनाकाल्या ॥ कहेअमेजासुंडरदेश ॥ पाछायांनहीकरी ॥२६६॥

प्रवेश ॥ ३४ ॥ पछेहरिजंननेजोडीहाथ ॥ एमकरखुंनेमारानाथ ॥ होयजीवमांअवगुणघणा ॥ जोयानघरे
नाथतेतणा ॥ ३५ ॥ मादेस्यातुंदयाकरीने ॥ आवोगाममांपाछाफरिने ॥ पछेप्रभुकेसांभलोतमे ॥ जाओआवसुं
जरुरअमे ॥ ३६ ॥ पणआपलेपाछावलीने ॥ नहिआवीयेमांनोमलीने ॥ पछेपाथकीपोतेसधाव्या ॥ आघाजइने
गढडेआव्या ॥ ३७ ॥ आविउदासीकामएक ॥ तेमांरत्नलोलक्योविवेक ॥ आपपणजेसतसंगीहोये ॥ तेतोमां
डमवारेनजोये ॥ ३८ ॥ सोरमजोगीहोयेवाडमार ॥ तेनेजावुंनहिविवामांर ॥ कर्मजोगीजेजायेविवाये ॥ तेप
णगीतप्रभुजीनांगाये ॥ ३९ ॥ एहआगन्याछेजोअमारि ॥ सकुरेजेपणमननारि ॥ एमनरवहेजनजेह ॥ न
हीअमारासत्संगीतेह ॥ ४० ॥ एविउदासीकागलेवात ॥ पछेपोतेथीपारलीयात ॥ थीयाराजीपोतेतारेरा
ज ॥ जारेकिधुंछेरुदाखुंकाज ॥ ४१ ॥ एवासेतस्कषदाइज्ञांम ॥ दासदोषनिवारणनांम ॥ सोभानिधीनेसंत
नेआपी ॥ वित्तकलंकसरवेकापी ॥ ४२ ॥ जेणेलिधेजगतमांदाग ॥ एवांकर्मज्योकुलक्षणत्याग ॥ तेणेसो
भेछेसतसंगघणो ॥ तेप्रतापमहाराजतणो ॥ ४३ ॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशि
ष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रकथननामपंचाशत्तमुंप्रकरणम् ॥ ५४ ॥ रागसा
मेरि ॥ हवेगुजरधरमांसंतफरता ॥ करताहरिनिवारता ॥ पंचवरतेबहुरकरता ॥ प्रभुनेसंभारता ॥ १ ॥ तेतोम

॥भक्त॰ नमोविचारियुं॥हरीनाथजीकेमनाविया॥आजकालकरतां॥दरशनविनादनचकुगीया॥२॥एमसोच प॰ ९६॥
॥२६१ करीनेसंतकना॥तेनेस्वप्नमांआव्याहरि॥सखासंगेसांभलो॥जोरांप[illegible]दयाकरि॥३॥श्वेतवस्त्रपे घाल्या
रिलेरि॥जोरांउआविया॥अश्वेचढि॥संतमनमगनथया॥करेधमधमआजघडि॥४॥एककहेमहाराज
नेमें॥पुंजाहारपेराविया॥बाजुकाजुकुंडलकरी॥फुलनातोराधराविया॥५॥एककहेजोरांचंदन
घसी॥चरचुंमारहाथसुं॥एककहेजोरांअलबेलाने॥भेटियाभरिबाथसं॥६॥एककहेजोरांनाथ
नां॥चुर्णछाथांछातीये॥एककहेएविदिठीमुर्ति॥तेतोनथजायेकेये॥७॥एककहेमेंसखादिठा॥
संगेकेदरशनमने॥एमसंतेस्वप्नमांई॥दिठापुरणकांमने॥८॥प्रभातेउठिपरस्पर॥वातेकरवालागीया
जोरांउपधास्यावालमो॥संतसकुनां दुखभागीमां॥९॥पछेनारजनजीवंननी॥वाटमुवेसउमली॥एमकर
तांपधारिया॥वालमजीपोतेवली॥१०॥जेवादिठातास्वप्नमांर॥तेवानातेवापधारिया॥दरशनदइदासने
नवलातेनेहवधारिया॥११॥जनसकुमगनथियां॥निर्खिनटवरनाथने॥पायेलागीपासले॥चलीउभाजोडि
हाथने॥१२॥पछेप्रभुजीबोलीया॥जाओलेडावोसर्वेसंतने॥संतनेखबुसुखकरजो॥मरकरेहरसंतनने॥१३
पछेसांभलीनेसर्वेआव्या॥सतसंगीनेसंतवली॥नाथनिरखिहैयेहर्खि॥लागापायेप्रभुनेलली॥१४॥ ॥१६१॥

सेतमेउलसर्वेआव्यां॥वेवाजोरजीवंननने॥अलबेजोअमृतदृष्टे॥जोयासर्वेजंनने॥१५॥अनंतकरव
आप्यांवाले॥काप्यांदुखदासतणां॥मीठीवांणेबोलीमोहन॥राजीकस्यासंतघणा॥१६॥पछेरीदसव
लते॥आविस्यवलएकादशि॥सतसंगीनरनारुसउ॥रिथांदरशनमलीकृपी॥१७॥जेतलपुरनीजातमां
मनुष्यतोमापांनहि॥पछेप्रभुजीविराजीया॥तलावरेचवरेउजर॥१८॥सांअनंतजंनआवीयां॥जावि
यांपुजापीतसुं॥अंचरभुषणअंगेअरपी॥चरणचित्तकांचीतसुं॥१९॥पछेसंतमिसंडघसि॥जाओ
ताभाजनभरि॥मरजीजोरमहाराजनी॥सर्वेअंगमोअरचाकरि॥२०॥फुदरहारओढणना॥प्रभुनेपे
राविया॥पोंचीबाजुकाजुकुंडल॥गजरालोराधराविया॥२१॥धुपदिपकरिआरती॥सकुललीपायेला
गीया॥पछेप्रभुजीगांममां॥घोडेचडिजमवागीया॥२२॥जमीजीवंनआविया॥नायापछेनिरमां॥
वोलीचंदनउतारियुं॥जेचरचेहुतुचारिरमां॥२३॥पछेपोरपाछले॥वाजोपधास्यावाडिये॥एमस
यअलबेलडो॥दियेदासनेदाडिदाडिये॥२४॥अनंतवातुंसांकरी॥सुणिसंतसौमगनथीया॥पछेस
खासंगेसांमलो॥मोलेमलपतांआवीया॥२५॥जनेसांजाग्रएकरीयुं॥गायांकिरतनअतीघणां॥पारे
वेसीपातालो॥सुण्यांपरसंततणां॥२६॥पछेप्रभुजीबोलीया॥तमेसांभलोहरिजनसकु॥अतीरहस

॥भक्त० एकोनतनी॥ एकवात्यपनीवातकहु॥ २७॥ आसभामांआपणसहुनो॥ तेजोमयतंनछे॥ छटाछुं प्र० ५६
॥२६० देछेतेजनी॥ जाणंप्रगटरियाकोटिरविछे॥ २८॥ वलीकहुंएकवारता॥ सर्वेकीधुंआपणंपायछे
सुखदुखवलीजयपराजय॥ जतकिंचितजेकेवायछे॥ २९॥ जेजेआपणानेअगमे॥ तेजीवकेमसके
करी॥ जुवोसर्वेजक्तमां॥ कोणसकेछेफंदआचरि॥ ३०॥ वलीरितआपणी॥ जेजीवनेनथीगमती
जोउंछुंएवाजीवने॥ छेकेनीकेनिरविमती॥ ३१॥ तेनेसोधीसामटा॥ एकठुंदेवातांनछे॥ कोयेन
पीछेपरचोएवुं॥ करवुंमारेनेदांनछे॥ ३२॥ जेवुंअमारामंगमां॥ सुखदुखएखुछेसही॥ तेवुंजं
एजोजक्तमां॥ कहुंसत्यएमांसंसेनहि॥ ३३॥ वलीआपणेराखियां॥ षटरसनांव्रतमांन॥ तेदीस
वेजक्तमा॥ कुंनेरखावानरयुंधांन॥ ३४॥ जेदीअमेछोनारिया॥ अनेवलीवधारुयाकेश॥ तेदिनाआ
भुविषे॥ सौनिस्तेजथीयानरेश॥ ३५॥ वलीअमेअंगमां॥ आणोतोमंदवाउ॥ तेदाडेआजक्तमां॥ वहु
जीवनेथायछेविमाड॥ ३६॥ एमजणायछेएकला॥ मारापंडब्रह्मांडनीमली॥ जेहोयेआअंगमां॥
तेब्रह्मांडमांहोयेवली॥ ३७॥ तेमारेतमेसांभलो॥ सतसंगीसहुनरनार॥ जेजेथायछेजक्तमां॥
तेनोविजोनथीकरनार॥ ३८॥ सुखदुखआवेसर्वेमेलुं॥ तेमांराखजोथीरमती॥ जाणजोसमाराजं ॥२६०॥

नने॥ वलीकरीसजतनअती॥ ३९॥ एमकरतांजोपंडुपडसे॥ तोआगलसुखछेअतीघणुं॥ पणव्रत
टेकजोटालसो॥ तोभोगवस्योसोसौतणुं॥ ४०॥ तेनोसर्वेनचिंतरेजो॥ करवुंतमारेकांयेनथी॥ जेम
आछेतमने॥ तेपालछेअक्षरपति॥ ४१॥ एमवातकरिहरि॥ त्यारपछेपोतेपोढीया॥ सुणिवातसतसं
गीये॥ अतीसेराजीथीया॥ ४२॥ पछेप्रभातेउठिपोते॥ दयालेहातएकलुं॥ नाथापछेनाथजी॥ जनेहा
रयेरागविछोगुंधरुं॥ ४३॥ पछेजनेजमाडिया॥ प्रभुनेप्रीतेकरि॥ जमीपोतेत्यामले॥ पछेसंतजनमाड्याभो
वनरि॥ ४४॥ एमदनदशासुधी॥ लटकालेलीलाकरी॥ पछेपोतेपधारिया॥ पश्चमदेशेश्रीहरि॥ ४५॥
एविअनोपमकरीलीला॥ जेठअदिएकादशीदने॥ लीलाकरीविजेतलपुरे॥ गंगादासआसजीजने
४६॥ इतिश्रीसदेकीर्तीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिम
ध्येहरिचरित्रेजेतलपुरभीमएकादशीउछवकथननामछुंतेरमुंप्रकरणम्॥ ७६॥ चोपाइ॥ पछेविचार्याथोडा
घणादन॥ आव्यावरतालेजगजीवन॥ आसुवदिअमांवास्यादन॥ करसुंदिपउछवनुंमन॥ १॥ आव्याते
डाआसरवेदास॥ जोरजीवनमनहुलास॥ करेनितनविलीलालाल॥ जोइजननथायछेनीहाल॥ २॥ जे
मअमलोकथायनेला॥ एमसमजुस्योमांरहलीला॥ जेनेकोछुंफरिफरिअमे॥ तेनीरिसमसोमलजोत

॥भक्त॰ मे॥३॥नरछेछेनरेश थावा॥राजाछेछे अमरलोक जावा॥ अमरछेछे इंद्रपदवि॥ इंद्रछेथावा पृ॰ ११॥
॥२६९ आद्य कवी॥४॥विधीपरविराटपुरुषकेंये॥तेपरप्रधानपुरुषलेंये॥तेपरमुलप्रकृतीपुरुष॥तेथी
परअक्षरसुजस॥५॥अक्षरपरपुरुषोत्तमजेह॥तेणेधर्युं मनुष्यनुं देह॥तेनुंदर्शनने परसनकांथी
सरुविचारीनेमनमांथी॥६॥जेछेमनवांणिने अगम॥तेतोआजथीपाछेसुगम॥अतीदुर्लभदर्श
नजेनो॥करुंछुंआचरित्रकुंतेनो॥७॥जेकोपजांणोअजांणेसांभलसे॥तेनाजन्ममरणतापटलसे॥जे
कोयसमके जथारथजेन तेनुंथासेतेजोमयतंन॥८॥मातममहीनसमकसेस्वरुप॥तेतनमुकतानअ
क्षररुप॥हुंतोवातमोटिणवीघणि॥नावेप्रतीतकुंतांतेतणि॥९॥पणजांणपअजांणेंजे जेन॥करसेम
हाप्रभुनुंदर्शन॥वलीकरणासेआलीलाचरित्र॥तेनरथासेनिश्चेजपवित्र॥१०॥माटेकरुंछुंकरुफरि
फरीने॥सरुसांभलजोचितधरिने॥पछेआव्योउद्धवनोदंन॥पुरिदिपमालामलीजेन॥११॥तीयां
स्कंदरवैदिरुपाली॥आवीवेठातीयावनमाली॥[illegible]॥जयजयपवोलेज
नवृंद॥जोणेपुग्रगसापुरणचंद॥१२॥दिपेदिपजोसरसांअपार॥जाणेंउवएंतुतेजनुंआगार॥भ्रका
शमयमंदिरमांथे॥सोभेमुर्तिअतीसोभाये॥१३॥अंबरआभुषणअंगेजेह॥सर्वेतेजोमयदिठां ॥१६९

तेह॥एमलोकीकमांहीअलोकि॥जोरजनमनरिपांछकी॥१४॥दिधांदर्शनणवांदयाले॥दयासिं
धुदिनप्रतीपाले॥सरवेजनपीधांछेसनाथ॥जोरनंदवरस्कंदरनाथ॥१५॥गायेकिरतनथायेकिलो
ल॥मलांहरिजनमनांहिलोल॥नरनारिनोनआवेपार॥मलामुनिहजारुंहजार॥१६॥सर्वेजोरि
माहरिसांमु॥पुरिकरिछेहेयानीहांमु॥एमचितीगरअर्धरात॥पछेवालोजीकेस्करणोवात॥१७॥
अमेजास्कंहवेपुरमांथे॥तमेरातरेजोसरुआंथे॥एमकरनेप्रभुजीपधार्या॥जनतणेमनमोद
वधार्या॥१८॥आवीनाथजीपोल्याअवासे॥सखापांचसातहतापासे॥जारेपोढीनेजाग्याप्रभात
तारेपुछीरसोरनीवात॥१९॥तारेवोल्यानारायणगीर॥थरसोरकाजअवीर॥पछेदातणकरी
र्याल॥नायिनाथजम्यापछेथ्याल॥२०॥जम्याजीवनजनहेतकाज॥पछेतेशव्योसंतसमाज॥तेने
जमाड्याहुगतेकरी॥आप्यांभोजनभाजनभरी॥२१॥वहुभातमनांकर्यांतांअंन॥हलोअंनकोर
नोरहेन॥फल्यापगतसमांपंचवार॥घणिघणिकरीमनुवार॥२२॥जमोसंतोकंसारछेकेवा॥माल
पुडछेजमवाजेवा॥एमनाथकरेलोंशाकाजी॥तेमनारायणगीरराजी॥२३॥जनजम्याथीयोजे
जेकार॥पछेआवलेआव्याआधार॥सर्वेदासनेदर्शनदिधां॥अतीआनंदेमगनकिधां॥२४॥रा

॥भक्त०॥ मलीत्याकरीस्तुतदंन ॥ पछेपधास्यांप्रांणजीवंन ॥ संतनगीप्यासत्र्यासपास ॥ पोतेकह्योगदद्देनीवा प·३४॥
॥१५०॥ स ॥ २५ ॥ रियादिवसथोडाकह्यांमारे ॥ वलीआवीयावृत्ताअमारे ॥ आवितेडाविंयाआचारज ॥ करवा
कांयेकेएवुंकारज ॥ २६ ॥ सांमांजननेस्तनमांनकिधुं ॥ रुद्रिशितेतेनेमांनदिधुं ॥ पाछेवेसाशिपुजाकर
वि ॥ फुलमालातोपोतेपेरावि ॥ २७ ॥ रुद्रिशिसनीरसोश्दिधी ॥ चोपेकरीनेचाकरिकिधी ॥ पछेबोल्या
वेहंताचारज ॥ पुछोप्रस्नतमेमुनेआज ॥ २८ ॥ पछेप्रभुबोल्याएमरहि ॥ अमेसांभलीनेतमेछोअहीं ॥
पुछतोवलीप्रस्नतमने ॥ घणोविचारथायछेअमने ॥ २९ ॥ तारेबोल्याआचारजएम ॥ एवुंमनमांधा
रोछोकेम ॥ ब्रह्मविद्यावडीसवकार ॥ कोतोकरदेखाडुंआचार ॥ ३० ॥ पुछोजेकांमपुछवुंहोये ॥ न
थीखोटएवातनीकोये ॥ एवुंकह्योनेबोल्याअविनास ॥ बीयोपुछुंप्रस्नतमपास ॥ ३१ ॥ जारेगु
रुकरेकोयशिष्य ॥ आपेमहावाक्यउपदेश ॥ तेनेपुछुंकुंजुजवुंपाडी ॥ दियोठाहदत्ताहपदेखाडी
३२ ॥ एमांकरीसआशंकाकांकुंघणि ॥ नेचालेचतुराइतमतणि ॥ प्रज्ञानमानंदब्रह्मजेह ॥ अयमा
त्माब्रह्मछेतेह ॥ ३३ ॥ अहंब्रह्मास्मीजेहकेये ॥ तत्वमसीतेकेम लैये ॥ तेपेबोल्याआचारज
तेवार ॥ एनापणछेबेपरकार ॥ ३४ ॥ एमकहेनेबोल्याछेगोरा ॥ कह्याउत्तरतेथीपारखोरा ॥ पछेप्रभु ॥१५०॥

पायलागीचाल्या ॥ आमादांतरियानदीकाल्पा ॥ ३५ ॥ वलीपुछ्युंपोतेविज्ञेदंन ॥ कांथीथीपावेदउत
पंन ॥ केशोअनादिछेएहवेद ॥ तोथकेपोजोसेतेनोभेद ॥ ३६ ॥ केसोवेदनारायणथकी ॥ तोपवि
त्रोपाइजोसेपकि ॥ पछेबोल्याआचारजसोये ॥ एनापणप्रकारछेदोये ॥ ३७ ॥ जारेप्रलयथासेआ
ब्रह्मांड ॥ तारेवरणकरेछेअखंड ॥ तीयारेछेनारायणवेद ॥ एकतोएमसमजवोभेद ॥ ३८ ॥ तारेमहा
राजनेआवीहांसी ॥ पणएहस्यानअविनासी ॥ कहेनाथसुणोआचारज ॥ एवुंअमनेथायछेआचरज
३९ ॥ जारेपंचभुतनासथाये ॥ तारेवडेतेकेमरेवाये ॥ एनोउतरछेकांयएते ॥ आवडेतोकहोविजीरि
ते ॥ ४० ॥ चारुणतारेवाहवेदियो ॥ विजुप्रस्नतेसांभलीलीयो ॥ भगवानेकह्युंगीतामांये ॥ जीव
अंसतेमारोकेवाये ॥ ४१ ॥ तेपेबोल्याआचारजएम ॥ प्रभुनोअंसकेवायेकेम ॥ एनेअक्षरनोअंशके
ये ॥ पछेनाथजीबोल्याछेतेये ॥ ४२ ॥ अक्षरशब्दनोअर्थछेसीयो ॥ प्रथमएणोउतरतोदियो ॥ कहे
नक्षरेअक्षरतेह ॥ एनोअर्थतोथायछेएह ॥ ४३ ॥ तारेनाथकेजीवकेमखस्यो ॥ जोखस्योतोअक्षरन
खस्यो ॥ वलीजीवछेअछेदअभेद ॥ तारेअक्षरमांकेमछेद ॥ ४४ ॥ एनोएमउतरनोयकांइ ॥ नथीसम
जाववासंप्रदाय ॥ तोयअज्ञानपायरनेनाथ ॥ लागपायेपछेतोदिहाथ ॥ ४५ ॥ आचारजनीमुकांणि

॥भक्त०५ मत ॥ थीयो गाभरो गरहिमत ॥ हतो अहंकार जेरा नेमने ॥ तेतो गलो जाणं सकु जनने ॥४६॥ नाथ केरा नेके प्र० ५८॥
॥१५१ सोमां कोथे ॥ आपोरा ने रूपैया सत दोये ॥ रामदया करी राने माथे ॥ राणो धुंढुक रूं करा नेहाथे ॥४७॥ आ
गल जरने अविद्या करी ॥ नाखी रजस्करज सामी खरि ॥ तेतो पडी रानामु षमांथे ॥ फरजने अदिन रकांथे
४८॥ एवुं चरित्र करी दयाल ॥ पछे पधार्या देश पांचाल ॥ करी लीला एवु रताले वसी ॥ मागसर सुदि एका
दशी ॥४९॥ ते दि लीला करी वरताल ॥ सकु जनने कर्या निहाल ॥ एम चरित्र करे नीतनवां ॥ नीजजनने
सुख आपवां ॥५०॥ इति श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तक श्रीसहजानंदस्वामी शिष्य निष्कुलानंदमुनि वि र
चिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्रे वरतालने जीलोग नाम सत्तावनमुं प्रकरणम् ॥५७॥ राग सामे
रि ॥ पछे प्रभुजी बोलीया ॥ अमे करी लीला अनेक ॥ हवे वरसो वरसमां ॥ उछव करसुं एक ॥१॥ होली दि
वाली ने अष्टमी ॥ राम नोमी ने शिव रात्रि ॥ जया विजया एकादशी ॥ पापमोचनी ने धात्रि ॥२॥ राहेदिव
स उछव करस्या ॥ सांतेडावां हरिजन ॥ हवे आएा ते डेआवजो ॥ प्रबोधनी एकादशी दिन ॥३॥ कार्तिक शु
दि एकादशी ॥ तेह तुं प्रबोधनी नाम ॥ तेदी सतसंगी संत सकु ॥ आवजो वरताल गाम ॥४॥ एवुं सांभली
श्रवणे ॥ चाल्यां देशो देशथी दास ॥ उछव उपर आविया ॥ ब्रह्मचारि संत संन्यास ॥५॥ पुर्व देश अजोध्या ॥१५१॥

प्रांतथी ॥ आव्यां छे जन अनंत ॥ काशी मीथीला प्रांतना ॥ आव्यां गंगासागरना संत ॥६॥ त्रीराभ उप्रांतना
प्रयाग प्रांतना जन ॥ गया पुरुषोतम पुरिथी ॥ आव्यां करवा दर्शन ॥७॥ मथुरां वृंदावन प्रांतना ॥ जेह तामुमु
क्षु जीव ॥ अवंतीनगरिथी आवीया ॥ नयणे निरखवा पिव ॥८॥ उतर देशथी आविया ॥ काश्मिर ने कुरुक्षे
त्रथी ॥ हरद्वार पुष्कर प्रांतनां ॥ आव्यां अर्बुदाचल पवित्रथी ॥९॥ मरुदेश सिधपद प्रांतना ॥ एह आदे देश
अपार ॥ दर्शन करवा दयालनां ॥ सउ आवीयां नरनार ॥१०॥ पश्चम देशथी आविया ॥ सिंधु प्रांतना सेवग
र ॥ कछ वागड वालाक सोरठ ॥ आव्यां पंचालनां रे नार ॥११॥ सौभीर आभीर हालारमां ॥ जीयां जीयां हतां
जन ॥ तेह सर्वे आवीयां ॥ करवा हरिदरशन ॥१२॥ दक्षीण दिशाथी दर्शने ॥ आव्यां जन उमंगथी ॥ सेतुबंध
रामेश्वरनां ॥ आव्यां वेंकटाद्रि श्रीरंगथी ॥१३॥ पद्मनाभ प्रांतनां ॥ आव्यां मलीयाद्रि प्रांती मली ॥ शिव
विष्णु कांचि प्रांतनां ॥ दंडकारण्य प्रांतना वली ॥१४॥ विंध्याचल प्रांतना वली ॥ तापितीर खंड घाटना ॥ आ
व्यां सकु चौदे देशथी ॥ रटतां नाम एक रटना ॥१५॥ केटले कजोड्यां गाडल्यां ॥ केटलां कने रथ वेल वली ॥ केट
लाक वेठा घोडले ॥ विजां पग पालां आव्यां मली ॥१६॥ बाल जोबन वृद्ध वनिता ॥ घेलां कोय नरियां खमी ॥ ना
रायणने दर्शने ॥ आव्यां चार वर्ण चार आश्रमि ॥१७॥ महीसा भरवा जनविये ॥ रुडो चडो नर देश ॥ हक्षजी

॥भक्त० पाविध्यविध्यमां॥ वली फलेकुलेहमेत्रा॥१८॥ अंबकदंबउदंबरा॥ वलीअवलआंवली आंमली॥ मउडा प्र०-७न॥
॥१५२ रुद्राखकोलबिला॥ श्रीफल सोभेनारीनाफली॥१९॥ पीपरुवडवलीपीपला॥ जांबुलीबुनेजांमफली॥
फडिसायणरोहीडा॥ कोविकोटिमनेकदली॥२०॥ केसरकणेरकेवडा॥ अवलछांयांआ कतणि॥ सू
दरवृक्षसोभ्यामणां॥ तेनीजातिनअजायेगणि॥२१॥ फुलवेलीफुलीतीयां॥ एकएकथीअतीघणि॥ चंपो
चमेली गुलाबुगेहेरा॥ सेकडुंसोभातेतणि॥२२॥ सघनवनछांयांघणि॥ तेनीदलीवलीलताखरि॥ जेनमू
नरंजनजांणु॥ वेनमीचनमेलाकरी॥२३॥ तीयांसारसहंसचकमेनां॥ कोकीलाकिलोलकरे॥ मोरचको
रचात्रकचकवा॥ मीठीवांणीएओचरे॥२४॥ तीयांसरसरितासोयांमणां॥ वलीवावनेकुवाकरे॥ अमल
जलअखुटभरियां॥ तीयांतोयनोछोलोनल॥२५॥ एवा उतमदेशमां॥ वलीविचेवरतालगांम॥ अनेक
उछवकरिहरि॥ करीयुंनीजधांम॥२६॥ तीयांसर्वेसतसंगी वली॥ संघलरनेउतस्यां॥ नारायणनेनिर
खवा॥ अतीहैयामांहरषेभरयां॥२७॥ कैकसरनेकुपतीरे॥ कैकउतस्यांगांमभोवनमां॥ कैकउतस्यां
वृक्षवाके॥ वलीकैंकवाडिवनमां॥२८॥ एमसरवेसीमभां॥ वलीमनुष्यमायेनहीं॥ गायपदगणेविंदना॥
जयजयशब्दरथोयरा॥२९॥ परस्परपुछेमली वली॥ अलबेलोकेयेआवसे॥ जारेजोस्युंजगपति॥ तारे ॥१५२॥

नयणांफलकावसे॥३०॥ सुंदरमुरतीसांमनी॥ नखसीखाफथीनिरखसुं॥ अंगोअंगअविलोकतां॥
वलीहैयामांघणुंहरखसुं॥३१॥ उर्धरेखाअपशुभआदि॥ जोबुजवजोसुंजैये॥ केतुकमलकुलीजोतां
अंतरसुखथासेतेये॥३२॥ स्वस्तिअंकुशसोयांमणां॥ वलीदक्षणपगमांदेखसु॥ नवचिन्हजनीरखसुं॥ ता
रेजन्मसफललेखसुं॥३३॥ वांमपगमांविलोकसुं॥ मछवीखुणकलशआंमने॥ धनुष्यधेनुपगपेखि॥
सुखथासेजोयेसोमने॥३४॥ एडिफडिआंगली॥ पगअंगोठेस्थानखे॥ गुलफजंघाजानुंजोतां॥ चिंनदी
ठेवलीवांमविषे॥३५॥ करभसमसर्वांउरु॥ नाभीउंडिगंभीरघणि॥ उरतरुनमालसोभे॥ क्यारेजोसुं
छबीछबीलातणि॥३६॥ कंठकंबुसमसुंदर॥ भुजगजकरसमवली॥ हस्तकमलअरुणओपे॥ कली
वलीएविआंगली॥३७॥ अजबकरअजांनबाहु॥ नखनिरखिजोसुंजैये॥ केठमांतीलअवलजोतां॥ सुख
तारेथासेहैये॥३८॥ चिबुकअधरदसनदेखि॥ लेसुंलाओलोचननो॥ नासीकापासेतीलनीरखी॥ पुर
सुंमनोरथमननो॥३९॥ कमलनयणश्रवणसुभग॥ वांमकांनेराकतीलवली॥ भ्रकुटीभालसुंचिंनचितव
तां॥ दुखजासेसरवेटली॥४०॥ सिरेसुंदरसोपासाशि॥ जोसुंनीहाळीनयणे॥ एवीमुरतीअवीलोकसुं॥
वालोवोजावसेमीठेवयणे॥४१॥ एमपरस्परकरेवातुं॥ अलबेलोजैयेआवसे॥ दरदशनदासने॥ हरिहे

॥भक्त० तेसौनेबोलावसे ॥४२॥ वाटजुवेवालमतणि ॥ वलीजुवेवारुणीदिनो ॥ मोहनजीनेमसवा ॥ सौहरि प्र० ५८॥
॥१५२ जेनमनमांहिसे ॥४३॥ तेवोशवसांभलेजेये ॥ तेयेजांणीन्यावियाजगपति ॥ नायजिमेनिरखवा ॥ अंत
रमांन्यातुरन्यति ॥४४॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविर
चितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रेदर्शनेजनागमननांमअष्ठतांतरमुंप्रकर्णं ॥५०॥ चोपाई ॥ अलबेलोजी
अंतरजांमी ॥ जेकोपेसवेंतणाकावेस्वामि ॥ तेणेजांणीछेजनेनीतांण ॥ चालागढडेथीजांमसकजांण
१ ॥ आपेअस्वे पीयाअसवार ॥ संगेसखाहजारुहजार ॥ तेपणातोरंगेथीयातीयार ॥ सोभेअसुअतीसे
अपार ॥२॥ मेलामजीठानीलानवरंग ॥ रातामातांजेतातातोरंग ॥ हरडांहांसलारीफारुपाला ॥ आकरा
उतावलावावला ॥३॥ वलीघोडीघणीजामवंती ॥ एकराकथीओपेछेअतीं ॥ हरीणीमाणपकवणीविज
ली ॥ कपीकाटिकेसरवांगली ॥४॥ जरखीलखमीलाडकिलाल ॥ बेरिबोदलीचांगीउतावल ॥ मखीमांछ
लिरेडिरुपाली ॥ पंखालीनोजवालीसांगाली ॥५॥ तिखीनाजएवुजवाधुंजाणे ॥ फुलमालपदुरप्रमां
णे ॥ छबीलीनेछोगालीगन्यादि ॥ घणीघोरिरुडिरम्यजादि ॥६॥ करुणेकानिश्चेसजकेकोण ॥ मांडीयां
सकलादिपलांण ॥ चढ्यामांणकिपेमहाराज ॥ तेणेमांडोछेसोनेरिसाज ॥७॥ चालीघोडानणीघणि ॥१५३॥

गर ॥ सोमसंगेछेसखासुभट ॥ आवेवारमोंरगंमघणां ॥ करेजेनदर्शनहरितणां ॥८॥ कोपकहेरहोइयां
राज ॥ कोयकेजमीचालोमहाराज ॥ कोयकहेरहोघडिवार ॥ अमेचालवाछेयेतयार ॥९॥ रामन्याविन्याता
जेनफरे ॥ तेनेअलवेलोउतरकरे ॥ कहेकेहेपीन्यावजांतमे ॥ छेयेआजउतावलाअमे ॥१०॥ रामकहीने
मेडुविघोडि ॥ मांणपकवणीजेमांणकिरुडि ॥ जांणेछुटोकमानथीतिर ॥ खरुफलासेअवरेअचीर ॥११॥
जोणेपुपोरवेडखोपनेगारि ॥ वेगतोपगोलाथकीभारि ॥ सखासकुरयासांमुजोर ॥ संगेपोचीसकानन
हीकोर ॥१२॥ पछेकेहेपीकीधोछेमोड ॥ जोरेहांकेघोडांजोगजोड ॥ फरकेछोगांमाथेमोटिपागे ॥ क
रेअमरपंखाएवुंलागे ॥१३॥ अतीपरसेवेपलसांअंग ॥ घणेस्वासेभरंगणातोरंग ॥ तारेपोतालेभुजी
पास ॥ आंबानलेंदिठाअविनास ॥१४॥ एककरेमहीकेजावाली ॥ बिजेकरेमहिआंबाडाली ॥ सांमुजो
इनेहरिहसीया ॥ कहेकेडेकेमरहिगिया ॥१५॥ तेयेबोलासखाकरजोडि ॥ नाथअमेथाकाघोडीघो
डि ॥ पणकोयथीपोचांएवुंनही ॥ नेहसारुकेडेगियारही ॥१६॥ आवुंधोड्सोजोनमेनाथ ॥ तोअमे
पोगिनसकीयेसाथ ॥ रामकरेनेजोडियांपांण ॥ पछेसंगेचालीयासकजांण ॥१७॥ मेसीमडान्यावीओ
गवनी ॥ सोथीउतसासाभरमती ॥ संगेहलासंन्यासीनेसंत ॥ ब्रह्मचारिनेभक्तअनंत ॥१८॥ सोपीचाला

॥भक्त०॥ छेलछबिलोलाल॥ आव्याबालमजीवनलाल॥ तेनुंसुखसंगानेथयुंजोरा॥ आव्यासाथेसर्वेरूडांराग॥ प्र०७९॥
॥१७५॥ २९॥ तालमृदंगचंगसांनेभेरि॥ फंदरस्वरेमरणारघरोरि॥ हरणासींगांनेढोलददांमा॥ गातांवातांआव्यास
कुसांमां॥ २०॥ बालजोवनमेवृषवली॥ आविलागंपायेसकुंमली॥ पछेमुनीनेपडीयापाये॥ वलतां
मल्यापुरस्वरमांये॥ २१॥ भारमल्यासरवेभायुंने॥ वारथुंमलीसुसर्वेवायुंने॥ पछेगातांवातांआव्यागांम
नैयेबोलीयाकंदरज्ञोम॥ २२॥ गांममोतोछेभेडनयणोरि॥ संघमनुष्येसघनथेसेरि॥ चालोपुरथीपुर्व
दिशे॥ एमजंननेकयुंजगदिशे॥ २३॥ नरुतजावतेसंघन॥ सोभेविविधभातनांवंन॥ अतीमोटांनेघाटि
छेछांये॥ मुनिउतरियासर्वेत्यांये॥ २४॥ एकअतीमोटोसोन्योवलो॥ घणोघाटोछांयोजेनोभलो॥ तियां
उतरियाअविनास॥ सर्वेदासवेठांआविपास॥ २५॥ पछेबोलीयाप्राणआधार॥ तमेसांभलोसोनरना
र॥ आजछेभोटद्वादशिनोदंन॥ तमेकरोभोजनसउजंन॥ २६॥ एमअलबेलेआगन्यादिधी॥ सर्वेदासे
हेसांभलीलिधी॥ एकभक्तबाम्हणगंगावार॥ जेनेभावघणोप्रभुमांर॥ २७॥ रुडिकरतांआवडेरसोर
किधांजमणमरजीजोर॥ बुरोभोजनविजनेथाज॥ लाव्यांबेगहलांमांदयाज॥ २८॥ पछेजीवंनजम
वाकाज॥ उठ्यामुखेहसीनेमहाराज॥ करतांभावभरिनेभोजंन॥ पछेदिधुंजनेआचमंन॥ २९॥ दिधी ॥१७५॥

प्रसादिनिजदासने॥ पछेअलबेलेआव्याआसने॥ बलेंबोलीतांबुळमसाल॥ बेठामुनीमांमध्यमांलाल
॥ ३०॥ करतांप्रश्नउतरनीवात॥ एमवइगरअर्धगात॥ पछेपुरमांपधार्यानाथ॥ सखापोतानालइने
साथ॥ ३१॥ तीयांजइपोढ्याप्राणपती॥ थोडुंसोइजाग्याजनवती॥ तरतघोडेथायाअसवार॥ सरवेसं
घनीलीधीछेसार॥ ३२॥ पछेआव्याआंबलेमहाराज॥ दासनेदेवादर्शनकाज॥ बालजोबनत्ररुवि
नता॥ आव्याहरिपासेहरखतां॥ ३३॥ लाव्यावस्त्रविविधभासनां॥ आभुषणजुजविजातनां॥ चंदन
नपुष्पतुलसीनेधुप॥ दिपसमीपनैवेद्यअनुप॥ ३४॥ एम्याद्रिअनेकसांमग्रि॥ लाव्यांसेंसेंनाथालभ
रि॥ लीयांवेबालाजगजीवंन॥ तीयांआव्यांसउहरिजंन॥ ३५॥ मुनिसहीतमहाराजनिरख्या॥ निर
खिजनमनमांयेहरख्या॥ पछेपुजाकरीनरनारी॥ पुजाप्रभुषोडसउपचारे॥ ३६॥ पुरुषेपुजानेमुनी
निकिधी॥ डंडवतप्रदक्षणादिधी॥ पछेवेजासांमांजोडिहाथ॥ नयणेनिरखेछेनटवरनाथ॥ ३७॥
पछेबोलीयाप्राणजीवंन॥ तमेसांभलजोसउजंन॥ तमनेजेमलीछेमुरती॥ तेनेनीगमकहेनेतीने
ति॥ ३८॥ अतीअपारअक्षरातीत॥ पर्अतमारेतेसाथेप्रीत॥ भक्तजक्तमांरछेजोघणा॥ उपासीकु
अवतारतणा॥ ३९॥ जेजेमुर्त्तिजंननेभावे॥ तेमुर्तिनीजधांमपोचावे॥ पणसर्वेपासजेप्रापती॥ तेछे

॥ भक्त० तमारे कहे श्रोताय पती ॥ ४० ॥ एवां कंइ शिवालानां वचन ॥ जन कहे प्रभु धन्य धन्य ॥ सहु अंतरे आनंद पाम्यां प्र० ८० ॥
॥१५५ गयो शोक संसे सर्वे मन्यां ॥ ४१ ॥ एम बहु दिन सुख दिधां ॥ घणुं जन ने मगन किधां ॥ पछे बोली या श्री
राजीवन ॥ जाओ सहु सहु ने भोवन ॥ ४२ ॥ रेज्यो निर्भे सहु नरनारि ॥ रावजो व्रत मोन विचारि ॥ कार्तक
शुदि एकादशी दिने ॥ कर्यो उछव जगजीवने ॥ ४३ ॥ एवी लीला करी वरताले ॥ वालो पधार्या देश पां
चाले ॥ सहु जन ने थावा आनंद ॥ गाये प्रेमे कंइ निकुलानंद ॥ ४४ ॥ इति श्रीमदेकांतीक धर्मप्रवर्तक श्री
सहजानंद स्वामि शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्र प्रबोधनी उछव वर्णन
नाम एंशीमुं प्रकरणम् ॥ ८० ॥ राग सामेरि ॥ पछे संत संग मां सीरोमणि ॥ वासी गढडा गाम मनो
अती भागी तपस्वि तेने ॥ वालो कंद रस मांमनो ॥ १ ॥ ते प्री ने लागो पुछवा ॥ नाथ जी तमे सां भला ॥ लीला
करी वली गुजर देशे ॥ पवित्र कर्यो संग रलो ॥ २ ॥ हवे हरी दया करि ॥ करो उछव स्थांत मे ॥ सत संगी ने सं
त मोतो ॥ दरसन करीये अमे ॥ ३ ॥ आव्यो अमने आगम्या ॥ करीये समां नर सो रनो ॥ नोतरुं दिवस वि
शनुं ॥ तेमां नागन करवे कोरनो ॥ ४ ॥ वलतां वालम बोलीया ॥ घणो हा खडो पड से वली ॥ मांनो अमा
रि आगन्या ॥ करो समान वेन वे उमली ॥ ५ ॥ पछे मांनी महाराजनी आगन्या ॥ घणा मीस रिघ्रत मगावि ॥१५५॥

यो ॥ पडरूली ना पाक कराव्या ॥ भोजनमन भाविया ॥ ६ ॥ पछे मेली मुनी ने कंकोतरि ॥ सत संगी ने तेडा विया
संत श्रवणे सांभली ॥ वलीत रततीयां आविया ॥ ७ ॥ आविया ये लागा प्रभुने ॥ निरखी पान पणां भरि ॥ प
छे सर्वे संत ने वली ॥ हे ते कं मल्या हरि ॥ ८ ॥ अती हेत समेत रकं ॥ पछे संत ने बोलाविया ॥ हसी हसी ने
बोल्ये हरि ॥ कहे नाथ भले आविया ॥ ९ ॥ पछे करी रसो युं चालती ॥ मनमांन्या मोदक मोतिया ॥ जले
हार जले बिपुं ॥ बिजा पाक न बजाये कथा ॥ १० ॥ बेसे पर म हंसनी पंगती ॥ वलीपीरसे पोते हरि ॥ जमे
जन जीवन पोते ॥ जमाडे जोरे करी ॥ ११ ॥ माथे हाथ मुकी आपे ॥ मोदक मनगमता ॥ दिये जले बिजं न
ने ॥ वली मुख मां ये जमतां ॥ १२ ॥ कंद रसाक सो थां मणां ॥ वेताक ने वडितणां ॥ रुडि कढी वली राये तां
पंगत मां पीरसे घणां ॥ १३ ॥ वली काजु गां चिया ॥ फरसाण फेरे कुलवडि ॥ भरयां ह वे जेन जीयां ॥ वली
फेर वे वडां वडी ॥ १४ ॥ अखल पापड अडदना ॥ वली आदा केरीनां अथणां ॥ भोजंने विंजन भावे भरि
आपे अलबेला घणां ॥ १५ ॥ दुध दहीं वटे ॥ वली पीरसे पंगत मां ॥ वारमवार मनुंवार करे ॥ आवि हरि
आरत मां ॥ १६ ॥ एकएक थी अधीक अधीक ॥ पाये रसो पुन विनिते ॥ तेम ने मजन जमाडनार ॥ राजी थाय
हरि रिसे ॥ १७ ॥ एम दिवस विस सुधी ॥ जमाडिया नीज जंन ने ॥ संत ने अती सुख आप्युं ॥ दरदरि दरसंन ने ॥

१८॥ निसन विवारता ॥ वळी करे हरि किपा करि ॥ जन सऊं मगन थाये ॥ सुंदर वाणी बोले हरि ॥ १९ ॥ मेहे
रुडे रसीया ॥ वळी वेसनि तेपोते जन ॥ नरनारी हरि जन ने ॥ मगन करे दर्शन दइ ॥ २० ॥ सुंदर वस्त्र पेरि
सारां ॥ मोने रिझी मे घणां ॥ साल दुसाल पाघ जामा ॥ रुडा करके विरंग गनणां ॥ २१ ॥ हार अपार फुलना ॥
वळी लावे हरि जन हेत करी ॥ अलबेला नी कोट मां ॥ पेरावे बहु प्रीत करी ॥ २२ ॥ वळी उभा थैने हरि आरति ॥
करे कर ताळी दइ ॥ जेटकां जोइ लालना ॥ लखी जन राखे लइ ॥ २३ ॥ एम करी अपतां ॥ वळी दिवस विस
वे गीया ॥ दर्शन करी दयाळनां ॥ संत सऊ सुखीया थीया ॥ २४ ॥ एम करतां आवियो ॥ वळी उछव फु
लडोलनो ॥ रसीयाने रमवा ॥ वळी आण्यो रंग अतोलनो ॥ २५ ॥ सखा संगे सांमळो ॥ रमवा रुडि रित
सुं ॥ जण जण प्रत्ये जुजवि ॥ पीचकारि करावि प्रीत सुं ॥ २६ ॥ पछे सुंदर रंग मगावियो ॥ अलबेलो उभा
ओरडे ॥ सखा उपर सांमळो ॥ रेडे रंग रुडे घडे ॥ २७ ॥ पडे बहु पीचकारि वळी ॥ उडे गुलाल अती घणो
चडि गरद गगन मां ॥ खेल मच्यो मुनि मारा जतणो ॥ २८ ॥ रंगे रंगाणा रसीया ॥ तेले ओपे छे अती अंगे
सखा सुध भुली गीया ॥ रमतां वळी रसीया संगे ॥ २९ ॥ वाजां वाजे अती घणां ॥ आव्या अमर जोवा आनं
द सुं ॥ जे जे शब्दे जन बोले ॥ शांम खेले सखा वृंद सुं ॥ ३० ॥ सुंदर रंगे अरूणा ओपे ॥ वदन वाळ मत रंगे ॥ ॥१५६॥

जांणु कमल उपरे ॥ चकुंदि वेगसो आयणुं ॥ ३१ ॥ एम ओपे अलबेलडो ॥ रस बहु रस मां रसीयो ॥ छे
लहेबी लो रंगनो रेलो ॥ जन तणे मन वसीयो ॥ ३२ ॥ रमे रंगे सखा संगे ॥ अंगे आनंद अती घणे ॥ तेस
मानी शोभा मुख थी ॥ कैटली क कवी भणे ॥ ३३ ॥ पछे रखा विरमतने ॥ चाली नावा चाल्या नदी ये ॥ एली
लामे जोइने ॥ कंगाल न मनायक दिये ॥ ३४ ॥ जेनुं नाम लेतां निरदोष थाये ॥ अनेद रस ने दुकीत टले
पापपुंजना थाय पले ॥ जेने निरकिरति सांभले ॥ ३५ ॥ तेनी लीला जोइ जे रणे ॥ भाग्य तेनां फुं सकुं नरणुं ॥ त्रि
लोक मां न हितो स्त तेने ॥ वळी कैये स्कुं घरणुं ॥ ३६ ॥ एवा जन जीवन वळी ॥ नाया मळी नीर मां ॥ सखा
संगे शांमळो ॥ मोमे घरणु शरिर मां ॥ ३७ ॥ पछे नाइ पधारिया ॥ अलबेलो आमा आसणे ॥ सुंदर
रसोइ करी सारि ॥ भरि शखिती वासणे ॥ ३८ ॥ जीवन जन जुगते जम्या ॥ अनेरम्या रंगे होळी हरि ॥ ध
र्म धर्म गां मगट हुं ॥ जांला डिले लीला करी ॥ ३९ ॥ एम लीला लाले करी ॥ फागण शुदि पुनम दने
ते दि उछव करावियो ॥ नयासळ जोता उत मजन ने ॥ ४० ॥ इति श्री मदेकांतीक धर्म प्रवर्तक श्री सहजानं
द स्वामी शिष्य नी कुळानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्रे फुलडोल उछव गढडे कर्यो न
नाम एसीमु प्रकरणम् ॥ ८० ॥ चोपाई ॥ एवि लीला अलबेले किधी ॥ पछे संतने सीख दिधी ॥ कहे

॥भक्त० नाथसुणोसउजंन ॥ तमेरेजोमनमांमगंन ॥ १ ॥ वलीकरसुंउछवअमे ॥ मलीआववजोमुनीयोतमे ॥ जा ७-८१॥
॥१७७॥ ओफेराकरशोहरिवात ॥ रेजोराजीतमेरलीयात ॥ २ ॥ घणाघणाउछवकरिने ॥ देशस्रुषकुंफरिफ
रिने ॥ अतीतमनेवरुडावुवालाड ॥ माटामनमांछेघणिचाड ॥ ३ ॥ करुतमनेपुरणकांम ॥ एमबो
लीयासुंदरसांम ॥ संतेसांभलीवालानिवांणि ॥ चालाआनंदउरमांआंणि ॥ ४ ॥ कैकगीयाछे
गुजरदेश ॥ कैकेकस्रोकछेपरवेश ॥ वागडसोरठवालाकेवली ॥ मरुमारुदेशमांमंडली ॥ ५ ॥
कैकुपांताछेपुरवमांये ॥ कैकरहगयामांनासांये ॥ एमसरवेदेशेसंतगीया ॥ जेनेरारव्यातेपो
सलेरिया ॥ ६ ॥ एमआनंदमांसकुसंत ॥ करेलीलानीवातुअनंत ॥ चितवेनिसचरित्रचितने ॥ करेप
रस्परवातप्रीते ॥ ७ ॥ तेणेआनंदअंगेनमाये ॥ रातदिवसराजीपेजाये ॥ करेवातप्रभुनीविस्तारि
कुणेपरस्परनरनारि ॥ ८ ॥ साचीरितआवणेसांभली ॥ पामेसत्संगीकुसंगीरली ॥ आपेज्ञानदांन
एमसंत ॥ फरेजगमांतारवाजंत ॥ ९ ॥ जीयांजीयांमुनीजनफरे ॥ तीयांप्रथ्वीपावनकरे ॥ एवासंत
जनसुषकारि ॥ अतीपवित्रपरउपगारि ॥ १० ॥ जेनेएकहरिनीछेआस ॥ सर्वेजक्तथीरेछेउदास
जेनेपुरणप्रभुसुंप्रीत ॥ असतवस्तुनचीनवेचित ॥ ११ ॥ एवासंतसकुसीरोमणि ॥ कैपेमोरष्प ॥१७७॥

सुंरानीघणि ॥ परमार्थअर्थेछेफरवुं ॥ रुछेजीवनुंकल्यांणकरवुं ॥ १२ ॥ सुषदायकसउजंनना ॥ अ
तीउदारमोटामनना ॥ एवासंतअंततउदार ॥ तेणेकर्योछेएमविचार ॥ १३ ॥ वरतीवसंतऋतुरुपाली
आव्यांवंनमांआवनमाली ॥ आव्यांअबंकदंबअपार ॥ केसुकेसरनोनहीपार ॥ १४ ॥ आव्यांचंपाचु
मेलीपेफुल ॥ फुल्यागुलाबगेहेराअमुल ॥ फुलीसुंदरफुलेसेवती ॥ बिजांवनवेलीफुलीअती ॥ १५ ॥
आव्यांतरुतेभारअढार ॥ केमेनाविपाधर्मकुमार ॥ एमकरेनथीपाउदास ॥ अतिदलेदलगीरदा
स ॥ १६ ॥ कोयेगदगदवांणिपेबोले ॥ कोयेआतुरअंतरडोले ॥ कोयेनेआव्यांनयणेनिर ॥ सरु
अंतरेपांम्याअधीर ॥ १७ ॥ जलविनाजेमअकुलायमीन ॥ स्वांतविनाजेमचातकदिन ॥ मेघविनाजे
मअकुलायमोर ॥ चंदविनाअकलायचकोर ॥ १८ ॥ एमअतीअकुलांणाजंन ॥ पछेकरवावेगाभजंन
धारिमुरतीअंतरमांये ॥ जपेनारायणनेजीभाये ॥ १९ ॥ एमवेवांहुघडिवेचार ॥ थीयाअुकनअुभते
वार ॥ केनीभुजाफरकिजमणि ॥ केनीफरकिआरव्यनमणि ॥ २० ॥ केनीफरकिछेपगानीपेनी ॥ कहे
परस्परवाततेनी ॥ करतांवाततेशुकनतणि ॥ आवीसांवालानीवधामणि ॥ २१ ॥ कहेअमेगदडेथी
आव्या ॥ सर्वेमुनीनेतीयांतेडाव्या ॥ एवुंसंतेअवणेसांभली ॥ चालीगामोगांमथीमंडली ॥ २२ ॥ आ

॥भक्त०॥ आ संत प्रभुजी ने पास ॥ आपे उठि मलाअ विनास ॥ अती हेते हसी ने बोलाव्या ॥ कहे नाथ भले त प्र० ८१॥
॥१५८॥ मे आव्या ॥ २३ ॥ आज क्यांथ किआविया चाली ॥ करी भीक्षा कहे कर झाली ॥ सुंदर रसोई करी छे सा
रि ॥ शाक पाक ताजां छे तीयारि ॥ २४ ॥ पछे बेठी संतनी पंगती ॥ आपे पीरसे आनंद अती ॥ नीसनवीरसो
पु करावे ॥ जोरे जोरे जमाडि हरावे ॥ २५ ॥ अती आनंद मां अजबेलो ॥ दिपे छोगा मछोले छबीलो ॥ नाना
कर तांभ रि दिये भांगणुं ॥ रास माानी सोभा स्कं वखाणुं ॥ २६ ॥ सीसे सोभे छे सोनेरि रेंटो ॥ केडे फेंकस्यो छे कसके बि
फेंटो ॥ पेरि स्कं थणि सुंदर सोभे ॥ जोड्या दिसु डिमन लोभे ॥ २७ ॥ गले पेर्या गुलाबना हार ॥ तोरा लेकें नेबे
के अपार ॥ कोटे सोभे कनकनी माला ॥ कर मां कनक कडां रुपालां ॥ २८ ॥ हाथे मुद्रका मां पेंछे मणि ॥ तेनि
ऊगम गेछे जोमस घणि ॥ करे सब कां ने जाडवा हाथ ॥ जमे जेन जमाडे छे नाथ ॥ २९ ॥ वली करे अजो की क
वात ॥ सुणि संत थाये रली यात ॥ एम वितीगया दश दंन ॥ आमांबो हाद नाह रिजंन ॥ ३० ॥ आवी लागा प्र
भुजीने पाये ॥ अती हरखे भर्या मन मांये ॥ कहे आवी पे अमारे गांम ॥ हरि पुरि मे सकुनी हांम ॥ ३१ ॥ सर्वे जो
शरिया जनवार ॥ वालो तमारा दर्शन माट ॥ सर्वे संत सहीत पधारो ॥ हरिजंनने हर्ष वधारो ॥ ३२ ॥ सर्वे
करी मुक्यो छे समाज ॥ नमारे प्रताप महाराज ॥ एवुं सुंणि शजी हरि धीया ॥ साहं आवसं एमे सैतीयां ॥१७८॥

३३ ॥ पछे सो मली यो सज थए ॥ वाल्मा संगे सरवा संत लए ॥ सोभे श्री हरि घोडानी गृटे ॥ आवी उन रूा तला वत्र
टे ॥ ३४ ॥ देशदेशनो आव्यो तां दास ॥ ते पण उतरियां आस पास ॥ पछे उठिया दिन दयाल ॥ सर्वे संघनीले
वा संभाल ॥ ३५ ॥ फरवा उतारे उतारे नाथ ॥ कहे सुखी पाछो सउ साथ ॥ कांये जोये तेम गावी लेजो ॥ खरसिनो
यतो अमने केजो ॥ ३६ ॥ एम पुछी सुंसउ दासने ॥ पछे अलबेलो आव्या आसने ॥ गाडा उपर सुटोली यो दा
ली ॥ तीयां पोढ्या पोते वनमाली ॥ ३७ ॥ सत्संगीने सरवे संत ॥ रिया रात भेला भगवंत ॥ अती आनंदमां ग
रेएण ॥ पछे जागीया कमलनेण ॥ ३८ ॥ तरत मगाव्यो वाजी तेवार ॥ ते पर नाथ थीया असवार ॥ जोरे सीम
नेवाडि सगली ॥ पछे नाइ ने आविया वली ॥ ३९ ॥ आवी गांममां दर्शन दिधां ॥ सरवे जंन कृतारथ कीधा ॥ प
छे सुंदर थयरसोइ ॥ जमा नाथ जन भाव जोइ ॥ ४० ॥ पछे जमाडिया सर्वे संत ॥ करी मनवार आपे अनंत ॥
पछे पधारिया पुरवासु ॥ आव्यो दर्शने सौं नरनासु ॥ ४१ ॥ अती आनंदमां वितो दंन ॥ करी आरती जम्याजी
वंन ॥ पछे गावे ये गावणुं लीधुं ॥ गाइ जीवत सफल किधुं ॥ ४२ ॥ बकुवार दिधो दरसंन ॥ पछे गांममां आव्या
जीवंन ॥ तीयां पोढिया प्राणआधार ॥ सुप आनंदे पधुं सवार ॥ ४३ ॥ पछे पोढेच डा गीर धारि ॥ आव्या संग
मां स्कप कारि ॥ पछे सर्वे जंन लइ साथ ॥ आव्या गाम मसां पोते नाथ ॥ ४४ ॥ सेरवजारे संतन माथे ॥ उडे गु

॥भक्त०॥ जालहोलीरमाये ॥ वाजेढोलददांमांसरणाई ॥ जयजयशब्दरयोनभछाई ॥ ४५ ॥ रमरंगेरम्याहरिहोली ॥ सं प्र०९२॥
॥२५९ गेलरमुनीजनटोली ॥ पछेनारनेनाविवियानाथ ॥ न्नाव्यासर्वेसंतजनसाथ ॥ ४६ ॥ न्नाविकरयांप्रभुयेभोजं
न ॥ पछेजमाडियासर्वेजंन ॥ सांपीन्नावीयादरवारमांये ॥ हतोमंडपचोतरेमांये ॥ ४७ ॥ तीयांवेठाराजा
न्नधीराज ॥ न्नामामहुलमांरमवाकाज ॥ रमीमहलनेमजंनेकिधो ॥ न्नापीरुपैयासीरपावदिधो ॥ ४८ ॥ प
छेसंतनेतेडाव्यानाथे ॥ न्नाप्याप्रसादिमोदकहाथे ॥ पछेसंतनेसीखजदिधी ॥ एवीलीलावोटादमांकि
धी ॥ ४९ ॥ लीधोलान्नोन्नलोकिकजंने ॥ फागणशुदिपुनमनेदंने ॥ तेदिउछवकरयोमहाराजे ॥ संतनेरूप
न्नापवाकाजे ॥ ५० ॥ सोमलोभक्तवरजीहमिर ॥ भगाहिराभक्तरूधीर ॥ राहन्नादेहरिजंनजेह ॥ तेणेकरा
व्योउछवतेह ॥ ५१ ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचिते
भक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रेवोटादफुलडोलउछवकथननामएकाशिमुंप्रकरणम ॥ ८१ ॥ रागसामेरि ॥
पछेपधारयागढडे ॥ हरिजंननेहेतेहरि ॥ रहरनघोडाघणा ॥ न्नमदावादजावाइछाकरि ॥ १ ॥ पछेप्रभु
जीपधारि ॥ श्रीनगरकेदूरनगांम ॥ देवादत्रीनदासने ॥ पुरवाहेयानीहांम ॥ २ ॥ दासवकुदिवसना ॥ दर
सनविनादुखीहता ॥ तेनेतेरूपन्नापवा ॥ न्नाव्यासखासहीतसोभता ॥ ३ ॥ पुरपतीराजीथती ॥ नरपतीन्ना ॥२५९॥

विनमीयो ॥ हाथ्योकुमतीकुमोदनी ॥ जोगिहरिन्नर्कउदेथीयो ॥ ४ ॥ हरिजंनमनफुलरयां ॥ जेमकुमांकम
लनांवृंन ॥ नाथनयणेनिरखि ॥ थतीमनथयाछेमगन ॥ ५ ॥ पछेगामनेवातेगांममां ॥ प्रभुजीनेपधरावीया ॥ न्न
विद्याजंननेउपरे ॥ जीमनाइकावजाविया ॥ ६ ॥ पांचदिवसपुरमां ॥ न्नापेरियान्नलवेल ॥ पछेपोतेपधारि
या ॥ संगेसखालइरंगरेल ॥ ७ ॥ केकचढियाचोतरे ॥ केचढ्यान्नगासीन्नटारिये ॥ जुवेजरूपागोखमां ॥
केकवेठावारिये ॥ ८ ॥ पटुथोमपडघंमतणि ॥ घणिभीडचौटाचोकमां ॥ वालजोवनरद्धविमता ॥ वोले
जयजयलोकमां ॥ ९ ॥ नरनारियेनाथनिरखी ॥ लाव्योलीधोलोचननो ॥ मीटेमनोहरमुरती ॥ जोइपुरयांमनो
रथमंननो ॥ १० ॥ दासनेदरसनदेवा ॥ धीरेधिरेहालेहरि ॥ समुहजंनसनेहरू ॥ नाथेनिरखेनयणांभरि ॥ ११ ॥
पछेपोतेपधारिया ॥ प्रभुजीपुरबारणे ॥ न्ननेकजंनजीवंनजोइ ॥ वलीजायवालानेवारणे ॥ १२ ॥ रामदरदर
सनदासने ॥ न्नाप्यादिनदयाल ॥ जनमनरंजनकरवा ॥ न्नाविवियावेवाल ॥ १३ ॥ न्नतीउछवकरीजंने ॥ प्रभु
येन्नेपधराविया ॥ धुपदिपकरीन्नारती ॥ भावेभोजनथालकराविया ॥ १४ ॥ रसेभरिरसोइकरी ॥ पछेपरम
हंसजमाडिया ॥ न्नंबफलहरिहाथेन्नापी ॥ मुनीमोदपमाडिया ॥ १५ ॥ पछेसांपीपधारिया ॥ न्नावीकरणभे
रजेनिरिया ॥ हरिपुरेप्रसादजर ॥ मेमदावादेन्नावीया ॥ १६ ॥ दिधांदरसनदासने ॥ दयालेदिनदोयतीया

||भक्त० संतनेसुखआपता॥पछेवालमजीवडथलगीया॥१७॥जनमनमगनथीयां॥नाथनयणेनिरखि॥मातं प्र०८२||
||१८० वातांगोममां॥पधरावियांहेतेहरखि॥१८॥तेनेभोजनभावकरी॥हरिहेतेपधारिया॥दासनेदरशनद
इनवलानेहवधारिया॥१९॥जनेसुंदरभोजनकरावि॥जमाडाजीवंननने॥पछेसरवेसंतनने॥कराव्यां
वलि भोजननने॥२०॥शाकपाकसोयामणां॥आंबफलउपरेफरे॥हरिमोदकलस्हाथे॥पीरसतांमनुवार
करे॥२१॥एमसुखअतीघणुं॥आपीसुंदरश्यांम॥पछेप्रभुजीपधारिया॥आवीयाडडुसरगांम॥२२॥दिधां
दर्शनदासने॥जीवनभुवनतेनेजरे॥नरनारिनाथनिरखि॥कृतारथथीयाकरे॥२३॥एमआनंदआपता
उमरेठमांहरिआवीया॥वालजीवनहधना॥मनमांघरपुनाविया॥२४॥सामैयेवलीसेमली॥आवि
यांनरने नाथ॥भावजोश्भोवनतेने॥पधारियामोरारु॥२५॥सेरमांसंघसमोनहि॥पछेउतरयापुर
वारणे॥उंचेआसनेबेठावाले॥देवादर्शनकारणे॥२६॥पछेहरिजंनेहाथजोडि॥वालानेविनतीकरि
भोजनकरवाघेरअमारे॥आवीयेआपहरि॥२७॥रसोइरसरोटलीनी॥करीछेनमकारणे॥जमीतमेज
नजमाडो॥आजअमारेबारणे॥२८॥पछेप्रभुजीपधारिया॥भीजजनहेतेजमाडहरि॥संतनेभोजनकरावि॥
चालीयासांथीफरी॥२९॥वादमोजेगांमआवे॥तेमांवसेवरणअढार॥सहुआवेदर्शने॥भावेनरांनरनारु(?) ||१८०||

३०॥त्यांथीत्रणेमरखेडगांमआवि॥रियाहरिरातीयांरात॥हेतकरीहरिजंनने॥वरुंवरुंकरीतीयांवात॥३१
एमआनंदआपतां॥आवाआगादगांम॥असवारिसंतसहीतहरि॥भक्तवच्छलसुखधांम॥३२॥पुरवा
सीहरिजंनसर्वे॥सांमोआयोनरनार॥दरशनकरिमहाराजनां॥आनंदपांम्यांअपार॥३३॥टोलनगा
रांवजाचिने॥घेरपधराव्याघनश्यांम॥जमाडीभोजनभावतां॥पुरणकस्यांनीजकांम॥३४॥केदारचंद
नभावभरि॥पुजीयापुरणब्रह्म॥पुरुषोतमअक्षरपती॥कोइनजांणेमर्म॥३५॥भागवतेहरिपुजीया
अमलागीरथानरवांम॥त्यांथीसंतहरिहालीया॥निर्मानीमनअभीरांम॥३६॥निरगुणवासवरता
स्परही॥गोमममांनेगोविंदआवीया॥हेतजोइहरिजंनना॥एकरजनीत्यांरिया॥३७॥बिजेदनेबोचा
सणे॥आवीयाअविनास॥त्यांनीर्मलजंननाथने॥नामकाशिदास॥३८॥तीयांप्रभुजीपधारिया
॥दयाकरीदिनदयाल॥हरिजंनमनहरखिवली॥पुजीयाततकाल॥३९॥धुपदिपकरीआरती॥अ
तीभावेभुधरजमाडिया॥पलंगसुंदरपाथरिपल॥एकप्रभुनेपोढाडिया॥४०॥पछेमुनीजंननने॥जमा
डवापंगतकरि॥परमहंसनेपीरसवा॥आवीयाआपेहरि॥४१॥संतजमाडिसांमसे॥पछेसर्वेनेसी
खकरी॥पोतेपधार्यापांचालमां॥एमआपीसुखश्रीहरि॥४२॥पवित्रकरवाप्रथवि॥एमफरेसुंदर

॥भक्त०॥ ग्राम ॥ जे जे जनने निरखिया ॥ ते थीयां पुरणकाम ॥ ४३ ॥ धन्य धन्य ए देश गाम मने ॥ धन्य सर सरिता वन ॥ धन्य
॥१८२॥ एवा पीकं पने ॥ जेनां जल पीधे जीवन ॥ ४४ ॥ धन्य भोजन राजनना ॥ जीयां प्रभुनां पगलां थीयां ॥ संतवै
कुंठ सरखां ॥ वली केम करी जाये कयां ॥ ४५ ॥ जीयां जीयां हरि विचर्या ॥ तीयां पापी कोये प्राण तजे ॥ ते जा
य नहीं जमपुरमां ॥ रहे नहि पाप रजे ॥ ४६ ॥ एवी रीत मोटि वार्ता ॥ प्राकृत नर थी केम नई ॥ समके संत सी रीतम
ति ॥ जे नी प्राकृत दृष्टि थई ॥ ४७ ॥ निमे चरित्र नाथ नां ॥ जे सांभलसे श्रद्धा करि ॥ ते नर काल नी जाल
मांहि ॥ पडे नै पाछो फरि ॥ ४८ ॥ पतीत ने पावन करवा ॥ चरित्र छे भगवान नां ॥ सांभलतां सद्य शुद्ध थाये
जाये पाप ते जनना ॥ ४९ ॥ वारमवार विस्तार करि ॥ गासे गुण गोविंदना ॥ ते जन सर्वे दुःख वामसे ॥ पाम
से नै आनंदना ॥ ५० ॥ हरिजन मन कुंजसे ॥ सुणि चरित्र अमृत रसमार ॥ अज्ञानि ने अभाव थाये ला
गे कुमल खार ॥ ५१ ॥ एम सज्जने सुख आप्यां ॥ जे उत्सव दिनो भीदं ने ॥ एट लिलिला करि हरि ॥ आव्या उत्तम
ने भोवने ॥ ५२ ॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तक श्रीमद सहजानंदस्वामि शिष्य निष्कुलानंदमुनि विरचिते भक्त
चिंतामणि मध्ये हरिचरित्रे गांमोगांम उत्छव वर्णन नाम ब्यासीमु प्रकरणम् ॥ ८२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
म

॥ चोपाइ ॥ रिया गढडे चातुरमास ॥ पछे एम बोल्या अविनास ॥ कोये नर आपे अन्न धन ॥ कोय वस्त्र धा
वारि वसन ॥ १ ॥ कोये आपे गज बाज गाये ॥ विज्ञां वरु बरु दान केवाये ॥ सर्वे दान मां अधीक जेह ॥
सउ मली बुली सोधो तेह ॥ २ ॥ बुलता बोलीया संत सुजांण ॥ सांभलो महाराज जीवन प्रांण ॥ अन्नदान अ
धीक सउथी ॥ ए निवृते वस्तु बिजुं नथी ॥ ३ ॥ ते तो दान समस्थी दे वाये ॥ तम ने निरखे ते निरभै थाये ॥ एवि
सांभली संतनी वात ॥ वालो कहे चालो गुजरात ॥ ४ ॥ पछे काठीये समां के कांण ॥ मांड्यां घोडीमु ले थे
डे पलांण ॥ हांहां करतां गुजर धरे आव्या ॥ करजिसरा जर संत बोलाव्या ॥ ५ ॥ दिन दोय रिया एह गांम ॥
पछे वालो आव्या वडु गांम ॥ पुरबाई उतरी या नाथ ॥ सर्वे संत हता पोता साथ ॥ ६ ॥ किधां प्रक्ष उतर
प्रसंग ॥ बोल्या जेनां जे बोहल तां अंग ॥ सांथी चालीया सुंदर शाम ॥ आव्या आणोदे थी आसजगाम ॥ प
तीयां अन्न कोट उछव करि ॥ आपी सुख चाल्या यां थी हरि ॥ भक्त एक रहे कोलवडे ॥ तेह गाम उतरि
या वडे ॥ ८ ॥ तेने घेर सेज्य आव्या नाथ ॥ आप्या मुनी ने मोद कहाय ॥ करे जी लाज नमन भावे ॥ सांथी अन
बेलो आव्या उनावे ॥ ९ ॥ तीयां भक्त रुडो शमदास ॥ तेने घेरे गीया अविनास ॥ नर नारि अपार हरखा ॥ थी
या राजी नाथ जी निरख्या ॥ १० ॥ धुप दिप उतारि आरती ॥ जुगते जमाडि या प्राणपती ॥ बीजी बहु करि से

॥भक्त० करीरसोइ॥जम्मानायहाथेसंतसांई॥११॥जम्माजनकुवोजेजेकार॥रहरासतांचाम्मामोरार॥एकगां प्र०८३॥
॥१८२॥ मनांमेळेनाहरि॥तीयांपधारियांपोतेहरि॥१२॥त्यां कुंदरकराव्योतोथाल॥जम्मासलासहीतदयाल
त्यांथीमोरासेम्प्राव्यामहाराज॥म्प्राव्यांबोलीकदर्शनकाज॥१३॥सकुजंनतरोमनभाव्या॥राजासही
तसांमेंयेसोम्प्राव्या॥प्रभुकेतरियापुरवास॥करेदर्शनसोनरनार॥१४॥कुंदरमुरतीसकुनेभावे॥पे
मेपुष्पनाहारपेरावे॥दियेदर्शनदिनदयाल॥तीयांकराव्याभोजनथाल॥१५॥जम्माजीवननेसरवा
साथ॥पछेत्यांथीपधारियानाथ॥म्प्राबेमारगमांगामघणां॥करेदर्शनलोकतेतणां॥१६॥पछेवा
समोम्प्राव्याविहार॥तीयांरजनीरियामोरार॥वासेवेदनोभेददेखाड्यो॥हिंसाम्प्रहिंसासंशेउषा
ड्यो॥१७॥पछेत्यांथीपधारियाचंगम॥म्प्राव्यागीरधरगेरिते गांम॥तीयांभक्तवसेभावसार॥म्प्रतीनी
र्मलहसेउदार॥१८॥तेरोपवित्रपाककराविं॥म्प्राप्यामोदकमुनीनेम्प्रावि॥कोरकजम्मासांजग
म्प्राधार॥पछेघोडेथयाम्प्रसवार॥१९॥त्यांथीम्प्राव्यावांमणारेनाथ॥करीरसोइपोतानेहाथ॥सषा
सहीतजमाडीयासंत॥पछेपोतेजम्माभगवंत॥२०॥रहरासनाथत्यांथीचाल्या॥चालाम्प्रसुररहे
नरकाल्या॥वाजमांवडुनगरम्प्राव्या॥भावेकुबोनेसांमेयुंलाव्या॥२१॥वाजांवाजतांगांममांगीया ॥१८९॥

नरनारिनेदर्शनथीया॥बालजोबननेवृद्धजेह॥मिरखीयायकृतार्थतेह॥२२॥चाल्यासेरमध्येरू
षकारि॥देतादर्शनसौनेमोरारि॥म्प्राविउतर्याश्रीवृजपाल॥कराव्यांसांभोजनरसाल॥२३॥ती
यांभाव्येजम्माभगवंत॥पछेजमाडियासर्वेसंत॥तीयांरियानिशाएकनाथ॥पछेचाल्याशामसषा
साथ॥२४॥त्यांथिम्प्राव्याविरुपनगरवली॥म्प्राव्यांलोकसांमेयेसौमली॥गातांवातांपधराव्यासुष॥
करीसेवासुंदरसारिपेरु॥२५॥बहुजंननेदर्शनदिधां॥जनेजोरसफलजगकिधां॥पछेपधार्याज
ननेभोवंन॥भावेकराव्यांतेरोभोजंन॥२६॥पछेसर्वेसंतबोलाव्या॥पीरस्यापोतेमोदकमनभाव्या॥
पछेसेरसर्वेमांरफर्या॥बहुजीवकृतारथकर्या॥२७॥पछेपधार्याश्रीवनेमंड॥दिधांदरसंनरूप
समुद्र॥मोटेमोटेजोडाम्प्रावीहाथ॥म्प्रमेछेयेतमारांजोनाथ॥२८॥सर्वेजांणेरामनमांये॥स्वामी
विनाकृपनथीकांये॥करीदर्शनप्रसनथाये॥म्प्रतीहेयामांहर्षनमाये॥२९॥म्प्रांथीचाल्याप
छेम्प्रलबेलो॥देतांदर्शनछेलछबीलो॥वाटेम्प्रावीयुंएकतलाव॥तेमांनायामनोहरमाव॥३०॥
त्यांथीशामलीयासजथ्थ॥म्प्राव्यागीरधारिगांमवसर॥म्प्रापेजमीजमाडियादास॥पछेचाल्यात्यां
थीम्प्रवीनास॥३१॥मेकुमांरभक्तभावसार॥नांमभूखणप्रेमीम्प्रपार॥तेनेघेरेपधारियानाथ॥स

॥भक्त० वेसंतहताहरिसाथ ॥३२॥ अतीहेतेसनमुखआवि ॥ करिपुजाघेरुपधरावि ॥ सुंदरभोजनेकराओ प्र० ८३
॥१८३॥ थाल ॥ घणोहेतेजमाड्यादयाल ॥३३॥ मुनीकाजेमालपुवाकिधा ॥ हरिहाथेपीरसवादिधा ॥ जेमजेम
जमेब्रह्मसंत ॥ तेमप्रभुक्षणाराजीअतंत ॥३४॥ एमसारासंतोमुनिमोय ॥ आव्यादर्शनेबीजालोकसा
थे ॥ दईदर्शनदीधाननीभोज ॥ पछेनाथआव्याआलंगाराणेज ॥३५॥ तीयांहरिजंननुंहेतजोइ ॥ तेनेभो
वनजम्वारसोइ ॥ त्यांथीआव्याडांगरवेदयाल ॥ संगेसमोहमुनीमराल ॥३६॥ एमसंतसंगमांइफ
र्या ॥ केकजीवनेनीयालकर्या ॥ जेजेवाटमांआवेछेगांम ॥ तेतेजंननांसरेछेकांम ॥३७॥ आव्याअ
डालजएहफेरे ॥ रहीरातपधार्यामोटेरे ॥ नाथासाभरमतीमांनाथ ॥ सर्वेसखानाथाहरिसाथ ॥
३८॥ पछेश्रीनगरेआव्याशांम ॥ त्रियानाथरातरह्यांगांम ॥ त्यांथीजेतलपुरपधार्या ॥ जंननेमनमो
दवधार्या ॥३९॥ तियांरियाकांयेककमाव्युं ॥ पछेचालीयादिनदयाव्युं ॥ वाढेमोडीनेतसकरमांन
आव्याविरारेश्रीभगवांन ॥४०॥ तीयांसंतनेसीषजदिधी ॥ पीपलीजावाआगनाकिधी ॥ तीयां
भक्तरहेदादोभाइ ॥ करवाउछवछेमनमांइ ॥४१॥ रेजोराखेतीयांलगीतेम ॥ एनेकर्युंतुंआवसुंअ
मे ॥ तेतोआमथीनरजवाये ॥ केजोराजीरेजोमनमाये ॥४२॥ एमकरनेचालीयानाथ ॥ सखासांख ॥१८३॥

लोगीलरसाथ ॥ हरिहालनांजनदुखालणां ॥ अतीहेतमांहेयांभराणां ॥४३॥ पोतेगीयागदडेमहा
राज ॥ करीअनेकजीवनांकाज ॥ दर्सपरसकर्यांजेजेजंने ॥ तेनजायेकृतांतभुवंने ॥४४॥ एवुंआव्या
अमेदांनदर ॥ जेसमांनबिजुंदांननर ॥ एवोकर्योमोटोउपकार ॥ जेमांअनेकजंननोउधार ॥४५॥
कर्यापावनदर्शनेजंन ॥ कार्तिकवदितेविजनेदंन ॥ तेदीफरिहरिगुजरात ॥ करीलीलाकहीतेनी
वात ॥४६॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिकुलानंदमुनिविरचिते
भक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रनामत्र्यासीमुंप्रकरणम् ॥८३॥ रागसामेरि ॥ पछेगांमगढडे ॥ आवि
याअलबेल ॥ करेलीलाललीतभासे ॥ रमीयारंगरेल ॥१॥ दियेआनंददासने ॥ अतीहासविला
सकरीहरि ॥ सुंदरमनोहरमुरती ॥ जननिरखेमपलांभरि ॥२॥ नावाजायेनीलनिरमां ॥ सखासर्वे
सगेलइ ॥ संतसंगेसांमलो ॥ अतीरंगेरमेराजीथइ ॥३॥ उछालेजलअतीघणां ॥ सांमसांमांसखा
मली ॥ एककोरेअलबेलोपरा ॥ वधारेरमतवली ॥४॥ करेक्रीडाजलमांइ ॥ सखासंगेसांमरे ॥ अ
नेकजनजीवेनजोइ ॥ पायपुरणकांमरे ॥५॥ नाइनीसरयानाथजी ॥ जलमांथीवलीवार ॥ वस्त्र
पेरीवालमो ॥ पीयाअमृतउपरत्रसवार ॥६॥ आविबेठाओसरिये ॥ सुंदरढालीढोलीयो ॥ सो

॥भक्त०॥ मे सम मोह संतनो॥ ते तो नथ जाये बोलीयो ॥७॥ घणक तरह अती घणां॥ मांहोमांये मली करे॥ पछे प्रभु अज प्र० ८४॥
॥१८४॥ र पोते॥ अलबेलो जी ओचरे ॥८॥ करे अलोकिक उतर आपे॥ कंएपो नो मेकदि अवरो॥ सो नली जं
न मगन थाये॥ धर्म धर्म स कुंभरो॥९॥ निसनविकरे बारता॥ वली नाये निसं जन नीरमा॥ श्वेत वस्त्र
कुमन हारे॥ सोभे घणुं शरीरमां॥१०॥ हमली जावो करतां॥ आचरण भाड वुरंगीयो॥ आवो आक
आनंदकारी॥ दिवालीनो दन थीयो॥११॥ कथो उछव अन्नकोटनो॥ संतसो सां आविया॥ विविधभा
तेभोजनकरी॥ नाये हाथे जमाविया॥१२॥ पुरिमाला सो दिपती॥ ते अतीसे सोभे घणि॥ श्वेत दीप सर
खी दिसे॥ सोभाए सदनतणि॥१३॥ कंदरसीयासण उपरे॥ अलबेलो बेठा वली॥ धुपदिपने आरती॥ मु
नियेकरी मली॥१४॥ जयजयसब्द छे कं॥ सौ नरनारी ओचरे॥ एवी अलोकिक लीला॥ जनकारणे जीवंन
करे॥१५॥ पछे आपी आगन्या॥ मुनी जाओ तमे गुजरात॥ अमे पण तां आवसुं॥ तमे सत्संग मां न जो वात॥१६॥
संतसरवे सधाविया॥ हरिसुरती धारि उर॥ केडे आव्यो कलजुगि॥ एक अजब गेबी असुर॥१७॥ कपटबुद्धि
मती अंधी॥ कुधी वात समझे नही॥ पुरण पापी मांस खाय॥ न करी नास्युं संग सही॥१८॥ एना कुलनाक
ईक द्विजा॥ जे गांममां गेब हता॥ ते पण ते ने जई मळ्या॥ छेडो नास्तिक थाछता॥१९॥ गेबी ये गेबनो दिंग दिधो ॥१८४॥

ते साथमां आ सांभली॥ स्वामीजासे जीयां सबकी॥ तियां केडे जाय सरवली॥२०॥ जो जाये एण जलमां॥ वलीनन पया
ले परवरे॥ केडे केडे फुंजाउनीयां॥ आजण नख उगरे॥२१॥ आपे परचो अमने॥ दियेदे रीउपाडि आवटे॥ एम मु
रख आगले॥ दियां डिंग दो वटे॥२२॥ बोले बे कोंटा बोरडि॥ एकवां कोने कधो सही॥ पोथीपुराण वारुवातुं॥
बा पला सम को नही॥२३॥ बउ दिन चलो एवो डिये॥ आज मल्या त्रिगाला स्वामिने॥ आजतो एउगरे जो॥ मले
मुने करभांमीने॥२४॥ हलो करीने हा जो हवे॥ कोरि पाछो जो इने॥ बेधुक एनी बेधक करुं॥ करवालन कापे को
पीने॥२५॥ सतसंगी एवुं सांभली॥ सो सांमा चालीया सजी॥ पापी पाछा भागीया॥ आ वात मुवानी नीपजी
॥२६॥ अमजन आडं फरी॥ सतसंगी पाछा वालीया॥ असुरे एम जाणियुं॥ थीयो अमारा पालीया॥२७॥
पछे उतारे एकात किधी॥ भागती रात भागीयो॥ जो सवारे कर उगसे तो॥ जरुर जाण एवु जीव गीयो॥२८॥
एम असुरनुं विघ्न टाली॥ सांमली पो जी सुखथीया॥ दर्शनदे वादास ने॥ दया लेक रिदया॥२९॥ पछे प्रभु
जी पधारिया॥ जेतलपुरे जीवन॥ तीयां संत नेडा विया॥ सउ आविया मुनीजन॥३०॥ अमदावाद थी आ
विया॥ मोरे रामुक्तानंद जी॥ सांमाजइ श्री हरिये॥ आपी सुख आनंदजी॥३१॥ दिधां दरसन दास ने॥ संतनी
रखी कखी याथीमा॥ दिवसहोये तीयां रही॥ पछे गांम श्री नगर गीया॥३२॥ हेतजो इ हरिजनना॥ भोवं

॥१९५॥

नतेनेपधारिया ॥ रेहेणिरंरुसुखदइ ॥ नवलातेनेहवधारिया ॥ ३२ ॥ पछेदिवससवलते ॥ जोवांरेरांदेवने ॥ अ
नेतजीवओधारवा ॥ तेकेमतजेदेवने ॥ ३४ ॥ सेरफरीमेलकरि ॥ दिधांतेदरसनदांन ॥ अभयेकरीआ
आहरि ॥ भयभंजनभगवांन ॥ ३५ ॥ सांथीपाछापधारिया ॥ जेतलपुरनेमांय ॥ संतनेसुखआपवा ॥ रिया
दनदोयेसाय ॥ ३६ ॥ पछेसांथीआविया ॥ मोहनमेमदावाद ॥ पुरबाहेररउतरया ॥ सांकरयोज्ञानसंवाद
॥ ३७ ॥ ज्ञनधर्मजीवनकहे ॥ जेनेजेटलोसतसंग ॥ तेनेतेटलापापनो ॥ थायेबाहेरभीलरभंग ॥ ३८ ॥ तमेजां
णोअमेलागीयुं ॥ खांनपांनसुखसंसार ॥ सीतउसणसहीसरिरे ॥ भजीयेछैयेमोरार ॥ ३९ ॥ आगेपेमोटाअ
धीपती ॥ डेनोंअतीकोमलअंग ॥ एकतननीजतनमां ॥ जेनरेताबीबीसंग ॥ ४० ॥ तेपणप्रभुकारणे
कसातनमनसुखसाथ ॥ सयांकष्टसरिरमां ॥ धनधमतेनोवेराग ॥ ४१ ॥ एनाजेटलुंआपणे ॥ कांई
सांगुनथीतनथी ॥ मारेसंसेसुखदुखनो ॥ मेलीदेवोमनथी ॥ ४२ ॥ अमेजोनेआवीया ॥ तमकारणेतन
धरि ॥ मनवांणिपोचेनरे ॥ रहेनेतीनेतीनिगमकरी ॥ ४३ ॥ मारेअमारादासखरा ॥ सामुजोजोसोमली ॥
अमवासनाअंतरे ॥ कोयेरारवसोमांकोवली ॥ ४४ ॥ नरनेनारिनारिनेनरनी ॥ वलीपुत्रनीप्यासरहि ॥
तोबोलापुत्रपुरुषमलसे ॥ प्यासेफजेतीबोसही ॥ ४५ ॥ मागेमुकीआसरो ॥ जेविषयसुखमांवंचसे ॥ ॥१९५॥

तेसुखनेपांमेसपने ॥ सामुपडसांदुखमांपचसे ॥ ४६ ॥ एटलीवातकरीहरि ॥ पछेपुरमांपधारिया ॥ भोजनव
रुभोवनकरी ॥ जनमनमोदवधारिया ॥ ४७ ॥ पछेजमाडिसंतने ॥ पोथीचालीयाततकाल ॥ देगांमेदरसं
नदेई ॥ आवाडभांणेदयाल ॥ ४८ ॥ सांगसरनसुखदइ ॥ रसोइरुडिजम्या ॥ पछेआवीवरतालमां ॥ दन
मांतसुधीरम्या ॥ ४९ ॥ एकवडसाधुविकारविना ॥ नाथनिनजरेआवियो ॥ प्रसनथइपोतेपछे ॥ सुंद
रसांगपेरावियो ॥ ५० ॥ बहुवातुकरीहरि ॥ संतनेसुखपीपाकस्या ॥ अनेकजनजीवनजोई ॥ भवसागर
नोभेनसा ॥ ५१ ॥ पछेसांथीपधारिया ॥ आवियाबुधेजगांम ॥ जेजेजनेनाथनिरख्या ॥ तेथीयांपुरणकां
म ॥ ५२ ॥ सांथीहयेचडिहरि ॥ जम्यागोराडुगोरसघणां ॥ हेतजोइहरिजननुं ॥ जमतांनअमराखीमणा ॥ ५३
पछेपछमेपधारिया ॥ तीयांरियाहरिएकरात ॥ सांथीतरेतचालीया ॥ पोतेप्रभुजीपरनात ॥ ५४ ॥ ध
मधोलेरागांममां ॥ वसेभक्तपुंजोभारराक ॥ जेनेसनेहघणोसांमसुं ॥ अतीउरमांयेविवेक ॥ ५५ ॥ तेने
भोवनभावसुं ॥ पधारियापोतेहरि ॥ जनमनमगनथीयां ॥ नाथनिरख्यानयणांभरि ॥ ५६ ॥ सुंदर
भोजनविंजनकरावीयां ॥ जमाडियाजीवनने ॥ हेतजोइहरिजननुं ॥ जम्याभावेतेनांभोजनने ॥ ५७ ॥
आपीसुखअतीघणां ॥ पछेआवीयागढडेहरि ॥ पोतेप्रेमेपधारिया ॥ मागन्नारसुदीचोथेफरी ॥ ५८

॥ भक्त० ॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये हरि प्र० ८५ ॥
॥ १९६ चरित्रामृतनामचोराशीमुंप्रकरणम् ॥ ८४ ॥ चोपाइ ॥ अलबेलोजीआनंदकारि ॥ आव्यागढडेदेवमोरारि ॥
सर्वेदासनेदरसनदिधां ॥ जननांमनमगनकिधां ॥ १ ॥ वेलावालमआसनवाली ॥ जनसउरयांसांमुआ
ली ॥ जेमचंदनेजोवेचकोर ॥ जेममेघनेजोवेछेमोर ॥ २ ॥ एमसर्वेरयांसामुजोई ॥ मीटेमटकुंनभरेकोई
पछेबोलीयाशुंएजीवन ॥ तमेछोसुखीयासउजन ॥ ३ ॥ पछेबोल्यांजनजोडिहाथ ॥ तेमनेनिरखीसुखी
छैयेनाथ ॥ पछेसुंदरसनेजंनकरी ॥ जनहेतेजम्यातीयांहरि ॥ ४ ॥ अतीहेतेबोलेवाणीवली ॥ सर्वेराजीथा
येतेसांभली ॥ देशदेशनाहरिजनसंभारि ॥ वखाणेतेनेदेवमोरारि ॥ ५ ॥ विजीवकुवकुंकरेवात ॥ सुणिजं
नथायछलीयात ॥ एमकरतांमासदोयेथीया ॥ दशदशातेउपरगीया ॥ ६ ॥ तारेबोलीयाजीवनप्राण
सुणोसंतसर्वेसुजांण ॥ हतीअसुरनीजेउपाधी ॥ तेआसमेसमीगइबाधी ॥ ७ ॥ थीयुंराजआजन्मा
यवाल्युं ॥ सरवेगरिवरांकनेसुखाल्युं ॥ हवेजोरजुलमनथाय ॥ तमजेवासाधनपिडाय ॥ ८ ॥ मादेरा
खोप्रथमनीरित ॥ अतीसुंदरधर्मपुनीत ॥ एमकयुंजननेमहाराजे ॥ तेविरितराखीमुनिराजे ॥ ९ ॥ प
छेआव्योछेफागुणमास ॥ होलीरमवाथीयाहुलास ॥ भालमध्येगांममछीयाव ॥ वसेभक्ततेनेअ ॥ १९६ ॥

तिभाव ॥ १० ॥ तेणेहरिनेतेड्याआहेते ॥ तीयांपधार्याप्रभुजीप्रीते ॥ सखासहीतआव्याभगवांन ॥ दिधांद
रसनेदरसनदांन ॥ ११ ॥ देशदेशनासतसंगीआव्या ॥ तीयांसर्वेमुनीनेबोलाव्या ॥ करवाउछवदेवाद
र्शन ॥ अतीराजीछेप्राणजीवन ॥ १२ ॥ मोतिवांणिपेसुखनेवोलावे ॥ वातवालानीसउनेभावे ॥ वलीप्रश्न
उतरतीयांथाये ॥ जंनगुणगोविंदनागाये ॥ १३ ॥ पछेआव्योउछवनोदन ॥ रमवाराजीजंनसुजीवंन
थीयाअलबेलोअसवार ॥ संगेसखाहजारुहजार ॥ १४ ॥ भरिफांटुंनेफेंकेगुलाल ॥ चरिगरदिशाग
नेमांलाल ॥ रसवसथीयासखारंगे ॥ रमतांरससरसीपासंगे ॥ १५ ॥ वाजेवाजांविविधनांकई ॥ जेजेका
रथीयोतीयांथई ॥ एमरमेरंगभीनोहोली ॥ संगेलइमुनीजनटोली ॥ १६ ॥ सफुजंननीपुरीछेहांम ॥ पछे
ग्राम नायाआवीवरमां ॥ सांथीअलबेलोआव्याउतारे ॥ घरकुडिरसोइतेवारे ॥ १७ ॥ जम्याजनजीवनजमाड्या ॥
सर्वेसंतनेमोदपमाड्या ॥ जनेवांध्योहिंडोलोसारो ॥ हरिबेठाहिंडोलामोजारु ॥ १८ ॥ पछेफुल्या
हिंडोलेजीवंन ॥ सर्वेजंननेकर्यांमगन ॥ पछेमेडिपेबेठामाराज ॥ आव्यामहुसांरमवाकाज ॥ १९ ॥
दिठीजेठीनीरमसस्सारि ॥ रिझीदिधोशिरपावउतारि ॥ एमलीलाकरीअलबेले ॥ दिधांदरसनछेल
छबीले ॥ २० ॥ करीलीलासांबउजीवंने ॥ फागणसुदपुन्ममनेदने ॥ तेदिलीलाकरीमछीयावे ॥

॥भक्त०॥ कराविकुरवाइयेभावे ॥२१॥ पछेत्यांथीचाल्यातत्तकाल ॥ आव्यादडुकेदिनदयाल ॥ तीयांभक्तवसेछेभा प्र.८५॥
॥१८७॥ विक ॥ जेनेआसरोस्वामीनोएक ॥२२॥ तेणेतेडिमुनीजनसाथ ॥ रुडिरसोयेजमाड्यानाथ ॥ पछेजमा
डिसंतमंडली ॥ करीकंदररसोइगली ॥२३॥ प्रभुपोतेपीरस्यवाउछ्या ॥ दासउपरदयालुतुठ्या ॥ लइला
डुंकरेमनुवार ॥ जमाडिजनपमाड्याहार ॥२४॥ एआपिकमपश्रतीघणां ॥ करुंराजीजननमनतणा म
पछेअलबेलेआगन्याकिधी ॥ सर्वेसंतनेसीषजदिधी ॥२५॥ पछेरियातीयांएकरात ॥ सांथीप्रभुपधा
र्याप्रभात ॥ जोइजनना मननोभाव ॥ पाछापधारियामळीपाव ॥२६॥ रियातियांपोतेपंचदंन ॥ दिधां
दयाकरीदरसंन ॥ पछेसांथीचाल्यातत्तकाल ॥ आव्याज्यांमलोगांमत्रिपाल ॥२७॥ तीयांभक्तवसेतु
लाधार ॥ रुडोजेनमनेमनउदार ॥ तेनेघेरेउतर्यामहाराज ॥ करात्यांभोजननाथकाज ॥२८॥ सांथीजन
मीचाल्याअलबेलो ॥ रियाशेफकेछेलछबीलो ॥ सांथीचालीयासंदररयाम ॥ आव्यागोविंदगढडे
गांम ॥२९॥ सर्वेजनकरेजेजेकार ॥ धनधनएमथायेउचार ॥ एविकिरतीकांनेसांभली ॥ सर्वअसु
रउवनाहेबली ॥३०॥ कहेअसुरसरवे मळी ॥ सतसंगीनेनाखीयेदली ॥ एमपापीमळीपरीयाएणा
देवादेह्यानाअसुरआएणा ॥३१॥ मोटेहेसेमनसुबोकरि ॥ आव्याबोलेबंधुकुंभरि ॥ चौदिसेथीजी ॥१८७॥

धाछेघेरि ॥ तरवधकसाधुनावेरि ॥३२॥ मांहोमांहेबोलेएमपापि ॥ नाखोसतसंगीसहुनेकापी ॥ चोपे
चढ्याविबंधुकहेये ॥ बोल्याहरिनाभगततेये ॥३३॥ कराधावकरियाविचारि ॥ पछेजुवोएमसअमारि
तैयेअसुरेबंधुकुंदागी ॥ उडिआपनेज्ञाहिसुलागी ॥३४॥ पछेएवुंजएणालुंछेएने ॥ आजनमुकेजी
वनाकेने ॥ पछेपापीपाछापगभरि ॥ गीयाकालामोहांसउकरि ॥३५॥ पसापापीपाछापापवस ॥ मासजे
वसुदिचउदश ॥ तेदिडुसेरयोत्तेरगे ॥ हगोत्रतेनोथेकेनोसगो ॥३६॥ पापीपोतानापापमांगिया
हरिभक्ततेनिरभेरिया ॥ पछेत्यांथीसधाविपात्रांम ॥ आव्यानाथकारियांणिगांम ॥३७॥ रियादनदो
चारएठांम ॥ पछेआवीयागढडेगांम ॥ आव्यासाधुरामदासकाज ॥ कर्युरामदासेतनताज ॥३८॥ तेव
दीतेछुमनेदंन ॥ तेदीसांभरुछेरामसेतंन ॥ एहकाजेरयाएकरात ॥ पाछाप्रभुपधार्याप्रभात ॥३९॥ दन
दशपांचतीयांरिया ॥ करोजीसगढडेआवीया ॥ आचितीरघवासीनेकाजे ॥ बंधाव्युंसराघ्रतमाराजे
४०॥ आपेअंनजमेजनबहु ॥ कणिआवेअनाराथिसहु ॥ बंधीधरमनीधजावारु ॥ दिपेअंनबहु
देदेकार ॥४१॥ बिजीजमेमुनीनीमंडली ॥ थायआनंदउछववली ॥ एमकरतांविसुंछेचोमासुं ॥ गीयो
भाडुनेआवीयोआसु ॥४२॥ पछेसुरतथीसतसंगीआव्या ॥ प्रभुनेकाजेपोसागलाव्या ॥ लाव्यापागसं

॥भक्त० दरसोभाली ॥ नांमेअंम्रे कीतन्जतीरुपाली ॥ ४३ ॥ लाव्यावाघोसुंदरसरवाल ॥ वळीप्रेमेसकुं पुजादयाल ॥ थी प्र० ८६॥
॥१८८ याराजीपोतेमहाराज ॥ पेरयांवस्त्रजनहेतकाज ॥ ४४ ॥ जेनासेवकथ्यातमाराम ॥ मोनेपोतानेपुरणकांम
तेनास्वामीनेकेमकेवाये ॥ जेअप्राकृतपुजानेचाये ॥ ४५ ॥ मातेजनमांभावनेजोइ ॥ लीधेपुजापरसनहो
ई ॥ एमकरतांआविदिवाली ॥ पुरिदीपनीमालारुपाली ॥ ४६ ॥ तीयावेठाअन्नकुटलोआवी ॥ सुंदरमुरती
सउनेभावि ॥ जोइजनथ्यापाछेमगन ॥ सउकहेस्वामीधन्यधन्य ॥ ४७ ॥ पछेवैष्णवसेकरयांभोजन ॥ विध
विधनांकस्यांविंजन ॥ घणोअंन्नेनेअन्नकोटकिधो ॥ वालेप्रेमेसकुंप्रसादलिधो ॥ ४८ ॥ पछेजमाड्याजनने
साथ ॥ प्रभुपीरसीपोतानेहाथ ॥ दिधुंनाथेसकरखलिधुजनने ॥ कार्तिकसुदीएक[illegible]दने ॥ ४९ ॥ तेदि म
आव्यामुनीसउमली ॥ देवोदेनाजेहतीमंडली ॥ करावीयोउछवएदने ॥ जपालल्लीनाउतमजनने ॥ ५० ॥
इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणि
मध्येहरिचरित्रेअन्नकोटउछवनांमेछयांसीमुंप्रकरणम् ॥ ८६ ॥ रागसामेरि ॥ पछेसंतनेआपीआगन्या
जाओफरवासउमली ॥ जारेअमेतेडाविये ॥ तेंयेआवजोतमेंमली ॥ १ ॥ अणतेडेनआवावतुं ॥ व
लीलोपीअमारुवचंन ॥ हेतहोयेतोहरिनीमुरती ॥ नविसारविनीसदंन ॥ २ ॥ आगन्याविनाजेआ ॥१८८॥

वतुं ॥ एमांराजीअमेनैरति ॥ वचनप्रमांणेजेवरते ॥ तेउपरेपरसंनअती ॥ ३ ॥ नाशिस्करजन्नोषसिंधु ॥
सरवेरहेवचनमां ॥ वारिवसुधावहनी ॥ मरुतडरेवलीमनमां ॥ ४ ॥ भववृह्माभुतेनइ ॥ डरेवचनथीडीग
पाल ॥ सुरस्करइंद्रआदा ॥ कंपेवचनथीकाल ॥ ५ ॥ एहसरवेएमजांणे ॥ जेवडाथीयावचनथी ॥ एवांवच
नआजनां ॥ नमेजांणपाछेकेजांणेनथि ॥ ६ ॥ एवांवचनजोजांणोअमारां ॥ तोपालोसउसुजांण ॥ एवुं
नमनाधअंतरे ॥ तोकेमनमांस्तुछेकल्याण ॥ ७ ॥ मातेसउसुजांणछो ॥ वलीसांभलीछेवउवारता ॥
छोटांमोटांवचनअमारां ॥ तेनेरखेविसारता ॥ ८ ॥ एटलीवातकरीहरि ॥ पछेसीखदिधीसंतने ॥ मलीव
लीमस्तोनकरी ॥ मोकल्यागुणवंतने ॥ ९ ॥ नाथनिरखिहैयेहरखि ॥ लखीलीधाअंतरे ॥ सुखस्वरुपमग
नथइ ॥ चाल्यादेशोदेशांतरे ॥ १० ॥ जीयांजीपांआपीआगन्या ॥ तियांतीयांसंतसौगीया ॥ हेतजोइहरि
जनननां ॥ गीरधरजीगढडेरिया ॥ ११ ॥ नाथकहेसउसाधने ॥ आजसंतछेजेआपण ॥ सर्वेअंगेमेंसोधी
या ॥ कोयरिसनथीमणा ॥ १२ ॥ ज्ञानभक्तीवैरागवली ॥ तपतणिसउमुरती ॥ समदमादिसाधनेसंपन्न ॥ अं
गेअघनहीरती ॥ १३ ॥ एमवारमवारवालो ॥ गायेगुणतेसंतना ॥ पछेकोयकदेनवित ॥ आव्यादनवसंतना
१४ ॥ करयोउछवआनंदमां ॥ वसंतपंचमीनोवली ॥ आसपासथीदासतेड्या ॥ आव्यासंतसउमली ॥ १५

॥भक्त० तांनेगांनगायेतीयां॥ सर्वेमळीवळी संत॥ एमआनंदेउछवकरतां॥ वितीवळीवसंत॥ २६॥ पछेआविकुं प्र· ८६॥
॥१८७ तासनी॥ सोहरिजंनेरंगघोळीया॥ अलबेलानेउपरे॥ कनजनाकेनारनाढोळीया॥ २७॥ लागिफडिसां
रंगनी॥ उडे गुलालअतीघणो॥ खुबतीयांखेलमच्यो॥ हरिनेहरिजंनतणो॥ २८॥ पछेनाथेहाथसुं॥
रंगेरंग्यासउसंतने॥ रसबसकरिरसीये॥ आप्यांसुखअनंतने॥ २९॥ एमरमीफुतासनी॥ नायापछे
जरनीरमां॥ सखासंगेसांमळो॥ सोभेछेनारिरमां॥ ३०॥ पछेसुंदरभोजंनेहरि॥ जनेजमाड्यानाथने॥
जमीसुंदरसांमळो॥ जमाड्यासखासाथने॥ ३१॥ एमलीलावालेकरी॥ फागणशुदिपुनमदने॥ अ
चिंतवीउछवकर्यो॥ जनकारणेश्रीजीवने॥ ३२॥ एकउछवसुंकहुं॥ नीसनित्यउछववयायछे॥ नर
नारिनेमधारि॥ गुणगोविंदनागायछे॥ ३३॥ निससंतसमोहजमे॥ तेमगमेमनमांअतीघणुं॥ ज
याललीताजनजोडी॥ उदारमनउतमतणुं॥ ३४॥ सदासमिपेशामने॥ वितेवरससतेपलसम॥ आ
नंदमांनीसदंननिगमे॥ तेनिनपडेगंम॥ ३५॥ पछेसुंदरश्रावणे॥ आविजनमाअष्टमी॥ हरिजनके
मुनीतेडिये॥ कोयेवातनीनथीकमी॥ ३६॥ पछेनाथजीबोलीया॥ सउसंतछेपरदेशमां॥ आसपास
जेओहीछे॥ एतोआवेछेहमेसमां॥ ३७॥ तेनेपछेतेडाविया॥ उछवकरवाआनंदमां॥ सखासंगे ॥१८७॥

सांमळो॥ रासीरमवावृंदमां॥ ३८॥ पापीयेपरियांणकिधुं॥ विपतपाडवावळी॥ उछवनादनउपरे॥
आवीयाअसुरमळी॥ ३९॥ एआजरणोउछवछे॥ तेमांवीघनपाडियें॥ मरीजाइयेजीवथी॥ पणखुंदुं
एनुंदेखाडियें॥ ४०॥ आसरणोओलखी॥ वळीकरीहरियेवारता॥ आपणोआंहियीचालीयें॥ एजा
येपाछाजखमारता॥ ४१॥ पछेहरिजनहरिपोते॥ प्रभुजीपधारिया॥ असुरतुंनखउपजुं॥ जेवाआ
आतेवागीया॥ ४२॥ एहविघंनटालीवळी॥ अलबेलोजीआवीया॥ पछेअनकोटउपरे॥ संतसहुंने
बोलाविया॥ ४३॥ करीउछवअंनकोटनो॥ पछेसंतनेसीखकरि॥ नरनारायणदेवनी॥ फेरविकंको
तरि॥ ४४॥ सतसंगीसरवेमळी॥ श्रीनगरसउआवजो॥ नरनारायणदेवनी॥ मुरतीपुंपधारावं
जो॥ ४५॥ अमेपणतांआवसुं॥ तेजफुरतमेजांणजो॥ सारोसमैयोसधारसुं॥ अंतरेप्रतीतआं
णजो॥ ४६॥ आसापछेअलबेलडो॥ माहावदिदसमीदंने॥ तेदिप्रभुजीपधारिया॥ श्रीजेतलपुर
पतने॥ ४७॥ दिधांदरसंनदासने॥ हरिजननेनिरख्याश्रीहरि॥ सतसंगीसुखीयाथीया॥ नाथनी
यात्रानथणामरि॥ ४८॥ पछेदिवसवळेते॥ श्रीनगरेशांमसधाविया॥ जोरउतरवाजायेगा॥ पाछा
जेतलपुरेआवीया॥ ४९॥ नक्तएकभाविकवसे॥ गांमअसलालीतीया॥ तेनेभोवंनभोजंनकरी

संघेसहीतसेरे(गि)या॥४०॥कह्याउत्ताखाकांकरिये॥देशदेशनादासआवीया॥रथवेहेलपालखी॥
ऊंटघोडेगाडलेलावीया॥४१॥बालजोबनवरुधली॥मनुष्यतोमसांघरण॥कोयेकेनेनअओलखे
आव्यांदासबोदेश॥४२॥ऊंचेआसनेबेसीवालो॥दासनेदरसनदिये॥सनमुखबेसीसंतसकुं॥नि
रखीसुखलीये॥४३॥नरपतीराजीअती॥तेप्रभुपासेआवीया॥पछेदिवसवलते॥पोतेप्रभुजीसं
गीया॥४४॥अतीहेतेआसनआपी॥प्रेमेसुंपुजाकरी॥पछेजेजेपुछीयुं॥आप्यीउतरतेनोहरि
४५॥राजाअतीराजीथइ॥पछेप्रभुनेपायेलागीया॥एवुंकारजकरीहरि॥गामसंघमांआवीया॥४६
पछेदिवसवलते॥पधराविछेमुरति॥नरनारायणदेवडेरे॥बेठाबेकुंवदरिपती॥४७॥अनेकजन
सोआवीयां॥नीरखवानरविरने॥दरसनकरीदयालनां॥पामीयांसुखशरिरने॥४८॥संवतरमास
सोयांमलो॥फागणसुदित्रीजतथी॥तेदीस्थापनकरीयुं॥वाजांआव्यांविशालावंनथी॥४९॥विक
टखडिवडीआडा॥जइनसकेसांकोइ॥अतीअगमतेसुगमथीया॥हरिजनेनाहेतजोइ॥५०॥आ
पमोटाएओम्मना॥ज्यांपधार्यापोतेधणि॥नरनारिनाथविना॥पीडातीपरजाघणि॥५१॥पछेतत्ता
रिआरती॥नाथराखजोनजरमेरनि॥पछेदिवसवलते॥कथिवोरासिसेरनी॥५२॥करिकारजरादलुं ॥१८०॥

गामलीधोसधाविया॥घणेमुलेघोडेचडि॥जयतलपुरेजेरिया॥५३॥पछेसांथीपधारिया॥दयाळुदेश
पांचाल॥करीकारजमहाराजमोटुं॥आव्यागढडेगोपाल॥५४॥अनंतलीलाकरीहरि॥वलीअनंतवी
लाकरसे॥एवीकोणकवीराजछे॥जेअथइतीओचरसे॥५५॥शेषमहेशसारदा॥जेनागुणगातायथ
के॥नेतिनेतिकहीरहेनीगम॥तेनेतेकोणकरसके॥५६॥गांधर्वगुणिनारदमुनी॥गणपतीअती
गायेछे॥वृकुबलेजायेबोलवा॥पणजेमछेतेमसंकेवायछे॥५७॥मारेमनमांविचारियुं॥एनागुणअ
पारछे॥करकरुनेकहेकवी॥तोयेहारवानीरधारछे॥५८॥भुरजतलकणजेगणे॥तंनयातगातरोमाव
ली॥मेघकणपकणकवीगणे॥अनेतनाउडगणमली॥५९॥एतोसर्वेअनंतछे॥पणतेनोअंतकोथेक
लहे॥एवाकोटिकोटिमले॥पणहरिगुणकोणकहे॥६०॥इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजा
नंदस्वामिशिष्यनिष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीनगरश्रीनरनारायणपधरावणनां
मेछासीमुंप्रकरणम॥८६॥पुर्वछायो॥करुंलीलावलीलालनी॥जेकरीहरिअविनास॥संतसमीपेरातीया
राजीपइरखटमास॥१॥तेमाइजेजेकरयुं॥तेकउंसांभलजोजंन॥चरित्रसुणतांसांमनां॥वलीथायेपरम
पावेन॥२॥चोपाई॥घणुंरियाछेगढडामांय॥करीकृतासनीवलीसांय॥उच्छवकुंतुविनीतहवांम॥वुडरा

|| भक्त० || जिछे सुंदर श्रीगाम || ३ || पछे आवियुं चातुरमास || ते हेतु उपरणुं परकाश || पछे पोथी चालीया मोरार || आ || पृ० ८७ ||
|| १८२ || आ सारंगपुरमो करार || ४ || साथे हतुं संतनुं मंडल || महामुक्त अंतरे अमल || तेह सहीत सारंगपुर आ
व्या || घणुं जनतणो मन भाव्या || ५ || भक्तभावी कली वोखा चर || हरि उतरिया ते नेघेर || सुंदर भोजन
करी रसाल || जम्याना थ जमाड्या मराल || ६ || वलतो आव्या अष्टमिनो दंन || सर्वे वृत करिया मुनीजंन || प
छे पोते पधारिया बार || आव्यां दरसने सौ नरनार || ७ || सुंदर गादले पलंग ढाली || ते उपर खेगावनमा
ली || करे उतर प्रसंन अती || स्वेत वस्त्रे सो भे छे मुरति || ८ || दियेदर्शन परसंन घणुं || निरखि हरखे मन जनत
णुं || एम अष्टमी उछव किधो || जनेलाभोघ्र लोकिक लीधो || ९ || जने राख्यो तानी मजुजवा || उपवास
अलुणं जमवा || ते नें प्रभुजी पेक युं कथी || तमे वाला छो मुने आजथी || १० || पछे परमहंस ने काजे
करि रसोइ सुंदर साजे || पोते पीरस्युं पंगत मांये || करी वात ते हेत नी त्यां ये || ११ || सर्वे संते एवात सं
भली || गीया करवा बांधी मंडली || विजा आव्या हता हरिजंन || ते पण गीया पोताने भोचंन || १२ || पोते रि
या सारंगपुर गाम || संत गीया कोइ रियां ए ठाम || जोइ मरजी मारा जकेरि || संत आवे ज्याय वारा फेरि
१३ || विती गयो इयाड़ो ढमास || निमदर सन करतां दास || कर्यो सभैयो सारो मोहने || श्रावण विद्य || १८१ ||

अष्टमीने दंने || १४ || पछे पधार्या गढडे नाथ || संत लीधा छे सरवे साथ || रियादन दश एह गाम || पछे आव्या
कारियाणि गाम || १५ || रूणि सुल संगी सकु आव्या || पाये लागी घेरे पधराव्या || आपी आसन करावि रसो
ई || जम्या हरिभावते नो जोइ || १६ || पछे जमाडिया मुनीजंन || एम आनंदे वितो गढ़ दंन || निसना थ दियेद र्श
न || थाय उतर ने परसंन || १७ || एम करतां विसाकर दंन || बोल्या प्रभुजी थें परसंन || आस्तुना दंन के
टला गीया || क्यारे आवसे दशमी विजया || १८ || ता रे बोल्या वसतो खाचर || छे नजीक कुंवर जो ड्या कर
नाथ मागु छुं एक वचंन || आपो आगन्या थे परसंन || १९ || करो उछव दशरा तणो || ते डो संत तेडुं राजी
घणो || एवुं सुणिने बोलीया नाथ || सारु तेड़ावो संतनो साथ || २० || पछे संत आव्या सकु मली || हती दे
शोदेशा जे मंडली || आवी लाग्या प्रभुजीने पाये || निरखी हरख्या मांन माये || २१ || पछे नाथे जोयुं संत सा
मु || पुरि नीज जनमन हामु || पछे बोलीया जगजीवंन || संतो आज उछवनो दंन || २२ || गाओ आगरवी
उछव करो || आज अंग मां आनंद भरो || पछे संते उछव आदर्यो || सारो समैयो सुंदर कर्यो || २३ ||
पछे रुडी करावि रसोइ || जम्या जीवंन ने जनजोइ || पछे संतरा ख्या नीज साथ || दियेदर्शन परसंन नाथ ||
२४ || त्यां आव्या दिवस नां हरिजंन || वणिक श्रेमदास पावंन || जाति पोसा गप्रभु ने काजे || पे रुया पासे जरने म

॥भक्त० हाराजे॥करवालजांमोंनेपागाडि॥रेटीफेंटोचकमोचारवडि॥धरूंछत्रछबीलानेशिस॥घरोंप्रेमेंमुक्त प्र० ८७॥
॥१८२ जगदिस॥२६॥पछेप्रभुजीथीयापरसंन॥आवीलेवापोतानेआसंन॥मह्यदिनीनाथवडभाग्य॥आ
प्योवालेतेनेएकवाग्य॥२७॥एमकरतांआविदिवाली॥तारेबोल्यावालोवनमाली॥आवतीआवी
उछवअनकोट॥करवोसारोनराखवीखोट॥२८॥जाओलावोसूकडिपाआघडि॥करावोवळूभाते
सुखडि॥जेमकह्युंछेजगजीवने॥जोइमरजीकरुंतेमजंने॥२९॥करीदिपमालाबहुसारि॥मधेवे
वाछेपोतेमोरारि॥पेरीकरवालजांमोजरि॥शिरबांधीछेपाघसोनेरि॥३०॥कंठेपस्याछेफुलनाहा
र॥जुवेजनकरीमनप्यार॥हसिहरिजुवेहरिजनसांमुं॥पुरेजननामननीहामुं॥३१॥पछेबोलीया
श्रीमहाराज॥संतोगावोनेगरिबआज॥पछेसंतथीयासावधांन॥रच्योरासकरूंबहुगांन॥३२॥
पछेरिझीबोल्याअलबेल॥संतोएबुबकस्योआजखेल॥एमकहनेखेलरवमाडयो॥जननेमनमोद
पमाडयो॥३३॥एमकरतांवितीमधरात॥वालेकरीबहुबहुवात॥पछेपोढियाप्राणजीवंन॥संत
गीयाआपआपणेआसंन॥३४॥एमकरतांथयुंसवार॥पोढिजागीयाप्रांणआधार॥दिधांसंतनेदर
संनदांन॥बेसीपरियंकपरभगवांन॥३५॥पछेकरावियोअनकोट॥साकपाकनेअनअंत्रेखोट॥भात ॥१८२॥

भातनिसुखडिसारि॥बहुभातेतजीतरकारि॥३६॥जम्याप्रेमेंसुंपोतेजीवंन॥पछेजमाडियासरवेजं
न॥पोतेपीरस्युंपगतमांये॥कस्यासंतराजीबहुतांये॥३७॥एमकस्योउछवआनंदे॥लिधुसुखब
हुसंतवृंदे॥पायेरसोइनितनवली॥एकएकथकीघणुंभली॥३८॥एमवितीगयात्रणमास॥राख्या
संतसर्वेनेपास॥पछेएकदिवसेमहाराजे॥मुक्यामगाव्यासंतनेकाजे॥३९॥केकसंतनेआपीपाहाथे
विजउछालीनारवीपान्हाथे॥लीधाजेनेजांणिपरसादि॥उछवासंतमोटामरजादि॥४०॥कस्योउछव
अनोपमजांणो॥आसुविदद्विवालीप्रमांणो॥कस्योकारियाणिमांइसने॥करावीपोभगतवसंते
४१॥बहुलीलाकरीएहठांम॥पछेपांग्याचामासंतठांम॥बहुसतसंगीबोटादमांये॥रियारातएक
हरिसाथे॥४२॥जमीजीवंनजमाड्याजंन॥पछेपांगयाचाल्याभगवंन॥मोटाभक्तछेसुरोखाचर॥आ
व्यागांमलुपेतेनेघर॥४३॥थीयांराजीबहुसउजंन॥करिप्रभुजीनांदरसंन॥अतीहेतेसुंआप्या
उतारा॥जेनेजेमघटेतेमसारा॥४४॥करीचालतीफुडिरसोयुं॥देतांपाछुंवालीनथ्युजोयुं॥पाये
वैताकनेसाकघरणां॥करेलश्रीहरिहाथतणां॥४५॥करेएकजात्यतमांसाक॥जमेसंतलजीपरेपा
क॥नीजकरेपीरसेछेनाथ॥जोरेजोरेजमेसंतसाथ॥४६॥नीत्यकरेछेनवलीलीला॥सरवेसंतनेरा

॥भक्त० रयाछेमेला ॥ एमकरतांचिंताघणादन ॥ दिधांजनने वैदरसंन ॥ ४७ ॥ पछेबोलीयाश्रीमहाराज ॥ तमे पु० ८४ ॥
॥१८३॥ सांभलो सौमुनीराज ॥ जेदिनां आवां अवजोआचासी ॥ योपुसारुमेंजोधुंतपासी ॥ ४८ ॥ सतसंगनुंजा
मीयुंमूल ॥ ज्यारेआसुरधर्मनुंकुल ॥ एमकरंबोलावावेभाव ॥ आप्पावरूसारांफखदाई ॥ ४९ ॥ प
छेसंतबोल्याजोड़िहाथ ॥ अतीसारुथयुंम्हाराजनाथ ॥ एहआवतांहरख्याछूंअमे ॥ तेतोजाणोछो
सरवेतमे ॥ ५० ॥ आरुआवतांथयरमजार ॥ दुष्टबोलताविरयाललजाड़ ॥ हरिजननेहरखनमाये ॥ निमेआ
नंदउछवथाये ॥ ५१ ॥ एमकरतांआवोवसंत ॥ आव्यांजनदरसनेअनंत ॥ प्रेमेलागांप्रभुजीनेपाये
नाथनिरखीनेपतनथाये ॥ ५२ ॥ वालेजाणीउछवनोदन ॥ पोतेथीयाअतीपरसंन ॥ पेरिवसंतीवसन
लाल ॥ लीधोफांटमांभरियुंगुलाल ॥ ५३ ॥ नाख्यानाथेहाथेजनमाथे ॥ जोरलटकोलीधुंरुखसाथे ॥
चुड़िगरदियुलालनीघाटि ॥ फेंकीफांटुबांजामानीकाटि ॥ ५४ ॥ एमउछवकर्योआनंदे ॥ जोरलावो
लीधोजनवृंदे ॥ पछेमगाविप्रसादिघणी ॥ तरतताजामोलतलतणी ॥ ५५ ॥ दिधीदासनेदोवदनाथे
दयाकरिहरिहोयेहोथे ॥ एमकरतांलीलाअपार ॥ पछेबोलीयाजगआधार ॥ ५६ ॥ वकुसारोपये
आसमैयो ॥ हवेसौसंतनेसीषदियो ॥ पछेसंतगीयाआसपास ॥ कृतासनीनाउछवनीआस ॥ ५७ ॥ ॥१८३॥

पछेआविछेपुरणमासी ॥ लीधोराकेन्हानेरावेयासी ॥ मोटमहरणाथयुंमाहामारि ॥ थयनीजाअतीसेत्र
धारि ॥ ५८ ॥ ज्यारेकरइयमोत्राहिअंगे ॥ तारेनावाचालानाथसंगे ॥ गाडांघोडलोनोनइपार ॥ चाल्यांजन
हजारुहजार ॥ ५९ ॥ गातांनायाअइावती ॥ पछेआआआसनेपांणपती ॥ एमकरेलीलानीत्सनाथ ॥
जोरकरवीघीयांजनसाथ ॥ ६० ॥ कर्योउछवआनंदेतेकैयो ॥ मासुदियंचमीनोसमैयो ॥ कर्योगांम
लुयेरुडिपेरु ॥ भक्तकरखाचरनेघेरु ॥ ६१ ॥ इतिश्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्तकश्रीमत्सहजानंदस्वामीशिष्य
निष्कुलानंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रेवसंतपंचमीउछवलीयेकर्योएनामेसमामीमृप्र
करणम् ॥ ८३ ॥ पूर्वछायो ॥ एटलीलीलायोकरि ॥ पछेपधार्यास्कंदरसांम ॥ फलडोलउछववउपरे ॥ पधा
र्यापंचालेगांम ॥ १ ॥ संतसउनेजणावियुं ॥ धिरेधीरेआवजोमांये ॥ एमकरररथउपरूबेसि ॥ पधार्यासोर
वमांये ॥ २ ॥ चोपाई ॥ आवेवाटमांरपुरगांम ॥ सभागीनरनिरखेशांम ॥ प्रथमपीपरडिगामेआव्या ॥ भ
क्तभाणजीनेमनभाव्या ॥ ३ ॥ रुडिकरावीतरतरसोर ॥ जम्याहरिभावतेनोजोर ॥ पछेजमाडियामुनीजन
घृतपिरस्युंपोतेजीवन ॥ ४ ॥ रामराजीकरीनीजदास ॥ पछेपांथीचाल्याअविनास ॥ आव्याहाथसणिरि
यारात ॥ पांथीप्रभुचाल्यापरभात ॥ ५ ॥ आव्याजसदणमांजीवन ॥ दिधुपुरपतीनेदर्शन ॥ रहिमुरत्न

॥भक्त०॥ एकमोरारि ॥ पछेतरतकरीअसवारि ॥६॥ आविअरणेनदिनिरमली ॥ वेसीजमवासांफरखडिगली ॥ सां प्र०८८॥
॥१८४॥ थीआआछेवंथीयेगांम ॥ फरखसागरकेदरगांम ॥७॥ रियारातदोयेसांदपाल ॥ पछेत्यांथीचाल्यातन
काल ॥ आआगोंडलमांश्रीगोविंद ॥ संगेहरिजननुंछेवृंद ॥८॥ आवीउतरियाउपवंन ॥ तीयांजमाडहरिहरि
जंन ॥ सातमासनीद्दतीफरखडि ॥ साकेचेताकरवीचडिरुडी ॥९॥ पोतेपीरसीजमाड्यांजन ॥ एमसौनेकर्या
परसंन ॥ पछेत्यांथीचाल्याअलबेल ॥ करीअसवारिनकरीवेल ॥१०॥ इयागांममांआव्यादयाल ॥ पोताका
रणेकराआथाल ॥ आप्यामुनीनेमोदकहाथे ॥ वडलीलाकरीइयांनाथे ॥११॥ रह्यारातचाल्याभगवान
देताजंननेदरशनदांन ॥ आवीसीममांसरितासारी ॥ तीयांजमाडछेपोतेमोरारि ॥१२॥ पछेजमाडियानीज
जंन ॥ थतीप्रभुजीछेपरसंन ॥ यांथीआआकंडोरडेगांमे ॥ दिधादासनेदरशनश्यांमे ॥१३॥ रियारातसर्वा
कमेरआवी ॥ नीजकरेरसोइवनावि ॥ पोतेपिरसुंप्रेमेअधीक ॥ करीचोकीराजीवलीविक ॥१४॥ त्यांथी
चाल्याछेघोडेचडि ॥ रियाउपलेटेएकघडि ॥ पछेजालीयेआआजीवंन ॥ भक्तहीराभाइनेभोवंन ॥१५॥
रह्यारातजम्याजगवंद ॥ त्यांथीआआगांमगणोद ॥ देखीउपवंनत्यांवाछाये ॥ रियारातएकपोतेसांये ॥
१६॥ पुरपतीनेकरीपरसंन ॥ आआमोणवदरमोहंन ॥ रियातीयांपोतेघडिच्यार ॥ पछेआआपंचाळामो ॥१८५॥

झार ॥१७॥ धमधमपेचाजानाजन ॥ जेनांनिरमलउदारमंन ॥ प्रभुपधराव्यासाकेभोवंने ॥ निमराख्यांतांनरना
रिजेने ॥१८॥ तेनेवितीगयाकइकाल ॥ तारेपधार्यादिनदयाल ॥ निरखिहरखीयांनरनारि ॥ घेरेपधार्यादेव
मोरारि ॥१९॥ वडप्रेमेसंइलागीपाये ॥ हेतेआंसुडेंहैयांभराये ॥ बोलेगदगदगीरावयणे ॥ हासांहेतनां
आंसुनयणे ॥२०॥ वलीभुलीयातंनमंननें ॥ रामभेटीपानगवांनने ॥ पछेहरिकरिकरुणाइनी ॥ जेमम
तृसपरअमृतदृष्टी ॥२१॥ तारेसर्वेथीयासचेत ॥ बोल्याहरिसाथेकरीहेत ॥ कहेआजथयांकृतारथ ॥ प्र
भुआव्यासहासर्वेअर्थ ॥२२॥ आजधन्यघडिधन्यवार ॥ तमेपधार्यांगआधार ॥ तुमअमारांनोंनइ
पार ॥ जाण्यांभाग्यअतीसअपार ॥२३॥ आजवांदेननांदुखभाग्यां ॥ एमकइसउपायेलाग्यां ॥ पछेआपि
कंदरआसंन ॥ करयाभासभासनांभोजंन ॥२४॥ वडहेतेजमाड्याजीवंन ॥ पछेपुछ्युंप्रभुनेप्रसंन ॥ क्या
रेआवसेवाघुनोसंग ॥ आजराख्योभलोतमेरंग ॥२५॥ क्यारेआवसंमुनीनोसाथ ॥ एवुंसांभलीनेवो
ल्यानाथ ॥ संगसरवेआवसेकाल ॥ वृणतेडानेंआवेमराल ॥२६॥ तारेजंनबोल्याजोडिहाथ ॥ सरवे
तेडावोमुनीनोसाथ ॥ कोप्रवाततनीनेंआवेंस्वांमी ॥ तेतमारेपुतापेस्वामी ॥२७॥ पछेमहाराजेमुनीबो
लाव्या ॥ संतसरवेतरततीयांआव्या ॥ आव्यासंघनेंआव्याउतारा ॥ मुनीउतरियापुरवारा ॥२८॥ करि

॥भक्त० चालतीरुहिरसोपुं॥ पाछुंवालीवावरतांनजोयुं॥ मागेजलतीपांआपेघन॥ जेवुंजोयेतेवुंमलेतत्त॥२९ प्र०९८॥
॥१९५ कोपवाततनीखोटनआवे॥ जमेजेनजेनेजेवुंभावे॥ जेमजेमजमेमुनीजंन॥ तेमतेमराजीथायेमंन॥३०
संतसुखथीपाकरखाजा॥ नाथनिर्षिमगनमराजा॥ थायेआखोदिवसदर्शन॥ होयेअतीउतरप्रसंन
३१॥ करेवालोवातअतीभारि॥ फणिमगमथायेनरनारि॥ एमचितीगयादनसोल॥ आवोनजीकउछ
वफुलडोल॥३२॥ आवादेशप्रदेशनासंग॥ करवादरसंनमनेउमंग॥ मनुष्यनमायगांममोझार॥
सरवेउतरियापुरवार॥३३॥ तीयामोटोकरयोरकमंच॥ बुउमगाओरमचासंच॥ केचुडेकेसरगुलाल
घणा॥ कादोरंगतेपतंगतणो॥३४॥ पछेमुनीनेकहेमाराज॥ गाओगरविउमायअआज॥ तारेमुनी
पीयाछेफुलास॥ रच्योरंगभरसंदररास॥३५॥ जोयारमतराजीवंनेजंन॥ पोतेकरयुंरमवानुंमंन॥ सुं
दरपेरिसारोरूरवाल॥ फगेजरकसीजामानीचाल॥३६॥ सिसबांधीछेपाघसोनेरि॥ उगनाआवेकम
रकसीकरी॥ आमासखामांस्कंदरसांम॥ रमेरंगभरपुरणकांम॥३७॥ करेलटकांवजाडेताली॥ सो
भेसंतमध्येवनमाली॥ वाजेवाजींत्रहोलनगारां॥ धुरेसुरसरणाइसारा॥३८॥ रमेरसीयोजीरंगरेल
छोगोवाजोछवीलोजीछेल॥ जोइजंनकरेजेजेकार॥ निरखेनमेअमरअपार॥३९॥ खेलअलोकीखु ॥१९५॥

वमचायो॥ जोईजंननेआनंदआयो॥ रमेनाथसाथनमहारे॥ कोयेविचमांपडीनथवारे॥४०॥ जांरंगुअवे
उखेलमचाणो॥ नआजसेरमजणाणो॥ तारेवालमेंवातविचारि॥ आजसवेजासेजनहारि॥४१॥ तारे
कैमरमसेएकाम्प॥ एवुंजांणिवालेकरीवास॥ संतोआउसोआजरमत॥ कासेरमवानिशबोलेमत॥
४२॥ करिएटलीलीलाएदंने॥ जनपोतानासाथेजीवंने॥ एमरंगेवुईगयरास॥ पोहिप्रभुजाणपरलोस॥
४३॥ आवीहोलीयेवेठागोविंद॥ कहेलावोपुजामुनीवृंद॥ पछेसंतलाव्यापुजासारि॥ अनकेत्रारचं
दनउतारि॥४४॥ आवीचुरचंवालानेअंगे॥ चुरयांचुरणाअतीसेउमंगे॥ तीयांमगाओरंगसोरंग
नाख्योअलवुलेसखानेअंग॥४५॥ खुफुमचाविरंगनीकडि॥ नाखेगुलालनेभरेआंखडि॥ पछेसखे
लीधोरंगहाथे॥ नांख्योअलवेलाजीनेमाथे॥४६॥ तारेघांघाधिपागीरधारि॥ करितर्तघोडेअसवा
री॥ पछेपधारियापुरवार॥ संगेसखाहजारुहजार॥४७॥ आवीबेठाछेमंचेमाराज॥ कहेसांभलो
सौमुनीराज॥ लावोरंगछांटुमारेहाथे॥ जेजेजंनरियांतेनेमाथे॥४८॥ पछेरंगलअलवेले॥ छांटयो
सउनेउपरछेले॥ पछेभरिगुलालनीफोली॥ नाखीनाथेरंगीसंततोली॥४९॥ उडेगुलालअंवररछा
यो॥ वडीगरदिमांसूरछपायो॥ पछेमहाराजकेमुनीराय॥ हवेरमोपरस्परमाये॥५०॥ सारीरंगभरा

॥भक्त० थोछेहांजे॥ वेउटोड़ाकरिरमोमोजे॥ पछेमरवाथीथासावधांन॥ मचोरवेलजुवेभगवांन॥५१॥ चालेपरम पृ.१८९॥
॥१८६ परपीचकारि॥ उड़ेरंगासोरंगनांवारि॥ जांरंगुन्याविथोमेघम्रसाडे॥ वाम्यांपुरम्नरयोनिरखाडे॥५२॥ म
चिउड़िवाल्योरंगरेली॥ थायोकिचरचीजांरंगुएली॥ एमरमेमुनीमाहोमांये॥ वाजेवुउवाजींतरसांये॥५३
होराहोडुमांकोयेनहारे॥ जीलाजीलासांत्राब्दउचारे॥ एमरवुबमचाविथोरवेल॥ जोरंगरामबोम्यान्नलवे
ले॥५४॥ संतोरवोराखोरमवानु॥ थायछेम्नवेरजमवानु॥ चालोनावानेसरवेसाथ॥ एमकथुवजाहि
नेहाथ॥५५॥ पछेम्नापेकरीम्नसवारि॥ चाम्यासखासाथेसरवकारि॥ पोतेपेस्यातांचलुम्नंगे॥ तेतोस
रवेरंगाणातांरंगे॥५६॥ म्नाप्यांउतारिफीराभाइने॥ एमम्नावीधालाथभाइने॥ पछेजनेकराांभोजन
घट्टिपोहिनेजम्माजीवंन॥५७॥ मुनीकाजेमोदकमोतैया॥ करीराख्यातासारासेवैया॥ तेपिरस्यापंग
तमांनाथे॥ जनजमाडियानीजहाथे॥५८॥ म्नतीम्नानंदेजमीयाजंन॥ तीयेलातांखुदनुनहीम्नंन॥ प
छेमोदकलइमोरारि॥ म्नाप्यासरवेसंघनेसंभारि॥५९॥ रामलीलाकरीम्नलबेले॥ कराविहिरोमा
येराकिले॥ म्नाप्यांसउनेसुखम्ननेक॥ करीलीलातेकइकांयेक॥६०॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रव
र्तकश्रीमद्‌जानंदस्वामीशिष्यनिकुला[illegible]नंदमुनिविरचितेभक्तचिंतामणिम ॥१८६॥

ध्येश्रीहरिचरित्रेगांमपंचालेउछवकर्यो एनांमेम्नठ्यासीमुंप्रकरणम्॥८८॥ पुर्वछाया॥ राहलीलीलायोंक
रि॥ पछेपधारयापांचाल॥ म्ननंतजीवुम्नोधारया॥ फरेंदजोदेशादयाल॥१॥ चौपाई॥ पछेपांथीचाल्या
रूपकारि॥ म्नाव्यागांमगावद्रमोरारि॥ रईरातनेकर्यांभोजन॥ पछेसांथीपधार्यास्तीवन॥२॥ करि
गांमगढ़ोहेविश्रांम॥ म्नाव्याजालीयेफेंदरसांम॥ तीयांजमीयासंतेसहीत॥ जनेजमाडियाकरिहे
त॥३॥ पछेपांथीचाल्याम्नविनासी॥ सोभेफेंदररामतजासी॥ कर्योरातसमांकांयेकठाल॥ म्नाव्याउ
धीवदरदयाल॥४॥ फेंदरसीरानीकरीरसोर॥ जम्याजनसंगेहुतासोइ॥ पछेफेंदरसांकनीचेले॥ चा
ल्यानाथसंघलइभेले॥५॥ चालतांवितीयाचारेजांम॥ म्नाव्यावंधीयेफेंदरसांम॥ रयारजनीम्नानंदे
म्नती॥ म्नाव्यापीपलीयेप्रांणपती॥६॥ हरिभक्तेजमाड्यासांहेते॥ सर्वेमुनीनेसंघसमेते॥ पांथीचाली
याफेंदरसांम॥ कर्योरातपछुरेचिसरांमे॥७॥ सांथीम्नाव्यागांमवांकिये॥ एमगांमोगांमदर्शनदिये
सांथीम्नाव्यागढडामांये॥ दंनवर्णरियापोतेतायें॥८॥ पछेयांथीचालीपादयाल॥ म्नाव्याकारियां
णियेकृपाल॥ पछेनाथेकरइएमवात॥ संतोतमेजाम्नोगुजरात॥९॥ सारिमुरतीयुंसुखदाइ॥ पध
रावसंवरताम्नमांइ॥ तेनेम्नर्पेकरावोमंदर॥ साफुसरसरसतथीफेंदर॥१०॥ तेनीरितसमकावी

॥भक्त० कई॥ज्ञाम्बोम्बादरोसंतमंजरी॥म्रापीम्रागम्यासंतसधाव्या॥पोतेगोमगरहुमांम्रावा॥२१॥त्यांथीप प्र०८९॥
॥१८७॥ धास्याकछभुजमणि॥करवाप्रतीसानरविरत्तणि॥दिधांसीहासनेदरसंन॥प्रभुजनपरछेप्रसंन॥२२
पछेभावेकंभुजनगर॥बेसारियाकानायणानर॥म्रावीमुरतमांमनगमी॥वइसाकम्रुदिकेयेपंचमी
२३॥तेदिनरनारायणराय॥बेसास्याश्रीभुजनगरमांये॥एमकरीवरुंस्तभकोम॥पछेपधास्यागट
डेसाम॥२४॥म्रतीदयाळुदयाम्रपार॥म्रतीकपाळुंकपाभंडार॥करेम्राचरणीजेजेमाराज॥तेतो
सोजीवमास्तफकाज॥२५॥करेचरित्रनवलांनित॥जनरापेचितवीनेचित॥हासउपरछेदयाम्र
ती॥फरवसागरसामसुरती॥२६॥दियेहासनेदर्संनदांन॥जेनजुवेमादेभगवांन॥करेवातनीतप
सेनवि॥फणीम्राम्रुपपायेम्रनुभवि॥२७॥लीयेफरवम्रलोकिकसरु॥एवीवातोकरेवालोव
रु॥एमम्रानंदमांदनजाये॥जेनगुणगोविंदनागाये॥२८॥जायेजुगतेपलसमांन॥निसभेलां
रेतांभगवांन॥एमकरतांम्राविछेम्रष्टमी॥फळजनमतीथीमनगमी॥२९॥मोटाउछवनोएह
दन॥तेउासमेंयापरमुनीजेन॥म्राव्यासंतसकुनांमंडल॥मोटामुक्तजेम्रतीम्रमल॥३०॥म्रा
विलागाप्रभुजीनेपाये॥परसीपदमोदनमाये॥वालेम्रतीवाळपेबोलाव्या॥संतोसमैयापरभ ॥१८७॥

लेम्राव्या॥३१॥संतोसर्वेम्राव्यातमेमती॥रखेरैजायेकोयेमंडली॥संतकहेम्रावोसरुसाथ॥देरापदे
रोहसैकोयेनाथ॥३२॥कहेनाथतेम्रावसैसोई॥एमकरकरावरसोई॥पेरचाउतीरुडिरसोई॥जमे
जेनमगनमनहोई॥३३॥एमकरतांविलादंनचार॥म्रावीम्रष्टमीम्रनंतेवार॥रिपाहतमुनीसउम
ली॥सोम्रयोगीबाधुनीमंडळी॥३४॥चालानावानाथसाथलई॥नायानीरमलजलमांजई॥नाई
निसरिमेबोलानाथ॥तमेसांभलजोसउसाथ॥३५॥हरिमंदिरमारुहमेंत्रा॥लेवोएकुकोपपरां
सिस॥म्राजम्रमेपणएकलेसं॥वासुदेवनीभक्तीकरीसं॥३६॥पछेसोनेरिपाघनेमाथे॥लीधो
छेएकपथरोनाथे॥एमनाईम्राव्यानाथघेर॥म्राव्योभक्तभाविकरवेर॥३७॥ज्ञानीवेरुपवेणि
भारनोम॥साव्यापुजापुजवानेठांम॥कामुकनककडांनीजोडय॥म्रर्पिनाथहाथेपुस्याकोड॥३८॥
पछेमुनीमळीरच्योरास॥रम्यासंतसंगेम्रविनास॥एमकरयोउछवम्रानंदे॥लिधुंफलमळीमुनीहं
दे॥३९॥वळतोम्राव्योछेनोमीनोदंन॥जेनेकरयांकंदरभोजंन॥मुनीकाजेमोदकमोतीया॥करया
काजुजायनहीकया॥४०॥पोतेपिरसेप्रभुजीहाथे॥म्रतीहेतनीजजनमाथे॥जरमोदकमनवा
लुकरे॥कहिवेदिफुलवहिफरे॥४१॥कदांउधेसाकरउजली॥फरेउपरम्रासमांगळी॥एम

॥भक्त०॥ जुके जमाडि पाहास ॥ पछे एम वोल्या श्रीविनास ॥ ३२ ॥ सुणी संत सहु जन हर्ष ॥ रह्या चोमासु करी आ प्र·९७॥
॥२९८ नंद ॥ कर्यो येमा गवान जातुं अंन ॥ करवुं द्रवार मांथी भोजन ॥ ३३ ॥ एवि सुणि वाल्म मनी वात ॥ सर
वे संत थीया रली यात ॥ निसदयाल्हु दर्शन दिये ॥ निरखी नाथ जन सुख लीये ॥ ३४ ॥ तीयां वरसे अ
जन्म पेघन ॥ बोले मोर बापैया मगंन ॥ बोले दादुर अती आनंदे ॥ जोए धुम मांडि मुनि हृदे ॥ ३५
फल के विजली वारमवार ॥ वरसे मेघ वली एक धार ॥ नदियें आ मांछे नव जांजल ॥ अती सुंदर सा
रा अमल ॥ ३६ ॥ निसे नावा जाय तीयां नाथ ॥ सर्वे संग लेइ मुनी साथ ॥ नाइ पाछा वले जेन जारे ॥ जीये
एक एक शिष्या तारे ॥ ३७ ॥ ते लोक रिसो भेजे न घरतुं ॥ जांएतु सेन चार्युं रमतलुं ॥ तेने दे खी लाके दुए
छाती ॥ जेको यहो परव एानी जाती ॥ ३८ ॥ दैस दैस तणे धर्म पाले ॥ साधु साधुनो धर्म संभाले ॥ सदा सं
त सुखीद लमांये ॥ एवी वात गणे नई कांये ॥ ३९ ॥ सुणे वालम मुख नी वात ॥ संसे सो कनी न रहे जात
निसवात नवि नवी थाये ॥ सुणी आनंद मोदन जाये ॥ ४० ॥ एम करतां सुख विलासुं ॥ वइ गयुं छे चा
तुरमासुं ॥ आव्या दशरा दिवाली नादंन ॥ करवो उछव के भगवंन ॥ ४१ ॥ अन्नकोटनो उछव कउ ॥
आसासत संगीती पास उ ॥ हतो समीपे संत समाज ॥ रचीदी पमाला मुनीराज ॥ ४२ ॥ वलेदी वा हजारे ॥१०८६॥

हजारु ॥ थी पोइ का त्रिगीबुं अंधारु ॥ वेगा श्रल बेलो तियो आवि ॥ मनोहर मुंरत मन भावि ॥ ४३ ॥ सोभे
वस्त्र आभुषण अत्री ॥ जन मन हरण मुरति ॥ हसी हसि जुवे जंन सामुं ॥ पुरे जन ना मन नी हामुं ॥ ४४ ॥
परम आनंद मोदन पलतां ॥ आवो अंन कोट दंन वलतां ॥ पुरी अंन कोट अती अंने ॥ ले हची जुपने भ
क्ष भोजंने ॥ ४५ ॥ केतां पार न आवे पाकनो ॥ ताजी भाजी सीमा नैं साकनो ॥ हेते जम्या पोते जंन हाथ ॥ पछे
जमाडिया मुनी साथ ॥ ४६ ॥ कसी कमर उ ठिया हरि ॥ मोदि पंगत मुनी नि करी ॥ लीधा मोती या लाडुवा
लाले ॥ मागे एकती यां त्रण आले ॥ ४७ ॥ माटा पेंडा जले बिने खाजां ॥ दल मगदल मेसुप काजंग ॥
सेव सुवाली लापसी सिरो ॥ फरे कंसार सा करके रो ॥ ४८ ॥ वडु हवे जे भजी यां वणां ॥ कली गांठीया
फुलव डि चणा ॥ सुंदर साक पीरस्या पंगते ॥ एम जमाड्या जन जुगते ॥ ४९ ॥ पछे नाथ कहे सुणो वा
मे ॥ हवे जाइये सउ गुजरांत ॥ आवी प्रबोधनि दन थोडे ॥ चालो सउ जाये मली जोडे ॥ ५० ॥ लक्ष्मी नारा
यण आप ॥ थासे वरताले राह नो स्थाप ॥ करी एटली आगन्या वाले ॥ थैं मगन मां नी मराले ॥ ५१ ॥ राख्या
संत पासे सुखदैने ॥ आवणा वहि चतुर्थि लैने ॥ यां थी राखी मुनी नि मंडली ॥ कारतीक सुदी वि
जलगे वली ॥ ५२ ॥ कर्यो उछव एट्टा दंन ॥ जम्या मुनी आवतां भोजंन ॥ धन जमा जली ता बेजंन ॥ जे एी

॥भक्त०॥ प्रभुकर्यापरसंन ॥४२॥ इति श्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनि प्र.८९॥
॥२८५ विरचीते भक्तचिंतामणिमध्ये हरिचरित्र गढडे चातुरमास मुनी रह्या नामे नेवासीमुं प्रकरणम् ॥८९॥
पूर्वछायो ॥ चातुर्मास पछे गढडे थकी ॥ संघ लइने सुंदरश्याम ॥ भक्त भाविक बोटाद मां ॥ रिया रात्य एक रहि ठा
म ॥१॥ चोपाई ॥ पछे त्यांथी चाल्या संघ साथ ॥ आव्या सुंदरियाणे श्रीनाथ ॥ जमी जन जीवन सधाव्या ॥ जइवो
गडुंमणिपाली आव्या ॥२॥ रहे जन सके रोक केजंन ॥ दिधां दयाले तेने दर्शन ॥ पछे रिया कमीयाले नाथ
जाणि जरख मजनको हाथ ॥३॥ जमी बोरु रिया गलीयाणे ॥ आव्या वरताल मां सुख्याणे ॥ दिधां दास ने
दरशन दान ॥ निरख्या जने भावे भगवान ॥४॥ पछे जन बोल्यां जोडि हाथ ॥ भले आव्या अनाथ ना नाथ ॥ बहु
दिवसनां हतां पियासी ॥ दिधां दरसन आज अविनासी ॥५॥ एम कहि बहु गुन मुख ॥ नाथ निरखी नीगम्यां दुख
पछे जने रसोइ करी भली ॥ जम्या ते मां थी नाथ रोटली ॥६॥ पासे हता मुनी दैमराल ॥ आप्यो अन्न बेले ते तेन
प्याल ॥ पछे पोढीया प्राणजीवंन ॥ जाग्या ब्राम्म मुर्ते भगवंन ॥७॥ करी दातण ने स्नान कीधां ॥ पछे दास ने द
र्शन दिधां ॥ पछे श्रीनारायणनी मुरती ॥ जोइ बखाणि छे बली अती ॥८॥ पछे बडोदरा थकी जंन ॥ आव्यां ह
तां करवा दरसंन ॥ तेना संघ मां जन रंसां म ॥ दरदर सनने पुरि हांम ॥९॥ पछे जने कराव्या तायाल ॥ जम्या ॥२८६॥

दयाकरी ने दयाल ॥ पछे साल दुसाल अंग रखि ॥ हाथ्ये पेरावां हरिने हर्षि ॥१०॥ धुप दिप उतारि आरत्ति ॥
पछे कर जोडि करी वीनती ॥ भले प्रगट्या प्राण आधार ॥ अमजेवा नो करवा उधार ॥११॥ आज सफल थयो
जनम ॥ मल्या प्रगट पुरुषोतम ॥ हवे छे ये तमारा हो नाथ ॥ कुल कुटंब आमे सउ साथ ॥१२॥ पछे नाथ के
निरभे रेयो ॥ छोअमारां फाफुं सुखे केयो ॥ कइक दल्यु चाली यानाथ ॥ गीया चोनर से जन ने थाय ॥१३॥ तीयां क सा
ल्याउत्तर प्रल ॥ सुणि सउ जन थीया मगंन ॥ गविवान करी अविनासे ॥ सुणि आवती है तेकरी दासे ॥१४॥ ए
विवा तयाप निसनिस ॥ सांभले जन दई मन चित ॥ सारा सुंदर वर समाइ ॥ कार्तिक सुदि द्वादशिके वाइ ॥१
५॥ ते दिमुत संजोइ सुख अती ॥ स्थापी श्रीनारायणनी मुरती ॥ वेद विधीये करि विप्र ले ॥ पधरावा प्रभु रूडि
पेले ॥१६॥ लक्ष्मीनारायण सुखदाइ ॥ स्थाप्या मध्यना मंदीर मांइ ॥ भक्तीधर्म पोतानुं सुरुप ॥ स्थाप्युं
उतर डेरे अनुप ॥१७॥ राधाने वृंदावन विहारि ॥ पासे पोतानी मुरती सारि ॥ कर्या दक्षण देरा मां स्थाप
नीजजन ना टाल्या ताप ॥१८॥ तीयां वरत्यो छे जय जयकार ॥ धन्य धन्य बोले नरनार ॥ पछे जमाड्या वि
प्र जेन ॥ आप्यां मनवांछीत भोजंन ॥१९॥ दिधी दक्षणा वस्त्र रूपैया ॥ तेणे विप्र राजी मन थया ॥ पछे पांच
दिवस पोते रिया ॥ त्यां थी वरताल वे चालो आवीया ॥२०॥ बसे वसु माइ जन घणां ॥ सर्वे थ्यासी प्रभु दर्सन तणां ॥

॥भक्त०॥ तेने घरे घरु जनाथ ॥ दरसन कर्यां सनाथ ॥ २१ ॥ पछे संगे हता मुनिजंन ॥ तेने कार्जे कर्यां तां भोजंन ॥ प्र-९०॥
॥२००॥ तेतो पीरसी मां पोते वली ॥ जमाड्या मुक्त संतमंडली ॥ २२ ॥ पछे घोडे थया असवार ॥ कर्यो मुनीने नमस्कार ॥
मुनी रे जो आनंदमां तमे ॥ मलसुं केचे ला वली तमें अमे ॥ २३ ॥ एम कही चाल्या भगवान ॥ सर्वे संत थया सोक
वांन ॥ अहो बकुदीन राखी या साथ ॥ आज गया वियोगी ने नाथ ॥ २४ ॥ अहो नीसे पाता दरसंन ॥ एक
हता एवा पण दंन ॥ आज मुकीने चाल्या मोहंन ॥ हवे क्यारे थासे दरसंन ॥ २५ ॥ एम करता अकलोणा अती
पछे अंतरे धारि मुरती ॥ पीपा संचेत सकु मुनेश ॥ गीया फरवा देश प्रदेश ॥ २६ ॥ तेदी जमता पान वीड़ि ना
थ ॥ तेज माउती कुमारे हाथ ॥ सांथी आव्या वडाम णगाम ॥ रिया रात लांके दर सांम ॥ २७ ॥ जमी जाव
डे थी कमी याले ॥ दिधां दर्सन जनने दयाले ॥ रईरास चाल्या सांथी नाथ ॥ लइ मुक्तानंदजी ने साथ ॥ २८ ॥
गां फरवर डन किंकरु रिया जांणि ॥ सांथी कुंडल ने कारियांणि ॥ पछे आव्या गढडे महाराज ॥ करी अलबे
लो एह काज ॥ २९ ॥ तिया रिया राजी घर आपे ॥ दिये दरसंन ने दुखकापे ॥ जंन जमाडे प्रभु ने प्रीते ॥ जमे पा
न खिड़ि पोते निते ॥ ३० ॥ जम्या पांन दन पव विड़ा ॥ पछे नजमी पा जगदिन्ना ॥ तार पछी रिया दनदस ॥ ली
धो अभागी ये अपजस ॥ ३१ ॥ पछे दुखनी दुखलां जांणि ॥ प्रभु पधारिया कारियांणि ॥ तिया रीया दनदो ॥२००॥

य चार ॥ पछे आव्या गढडा मोझार ॥ ३२ ॥ गढडा मां रहे घणुं घणुं ॥ धर्म भा अपण मोमकात णुं ॥ एक रस गरवा
त अनुप ॥ रूप पासर खी छे रूप रुप ॥ ३३ ॥ आगे आव्यांता अजोधां वासी ॥ तेनी वात मेंनोती प्रकासि ॥ ते
ह हवे कहु छु विस्तारि ॥ रूणि रूप पांमे नरनारि ॥ ३४ ॥ अनुक्रमे मली के नमली ॥ पण के वी छे वात सं गली
राम प्रताप ने इछाराम ॥ तेतो रिया हता नीज धाम ॥ ३५ ॥ नी पांसे ते वात जर करी ॥ तमारे घेरु प्रगट्या हरि
कर एधो णि सहीत वात ॥ आवी प्रतीत ग्यां रजी मात ॥ ३६ ॥ एवुं रूणि चाल्यां ततकाल ॥ हइजो वन ने नेनां
ना वाल ॥ संगे लई अम्बुने पालखी ॥ आव्यां सेज मांन थयां दुखी ॥ ३७ ॥ पंच मखंड मां पंचाल देश ॥ जीयां
हरि वीचरे हमेस ॥ काजु गांम वु स्तां सजांणि ॥ पोते हतां सां सारंगपाणि ॥ ३८ ॥ ती मां आव्यां अजोधा ना
वासी ॥ सामा जर मप्या आवी नासी ॥ कार्तिक मास सुद चतुरथी ॥ ते दि आवी पां अजोधां पुरथी ॥ ३९ ॥ आ
वी अजोधां वासी एद्रंन ॥ कर्यां महाराज नां दरसंन ॥ मली लली लागां सउ पाये ॥ चाल्यां नीर तेनयणां मां
ये ॥ ४० ॥ करे रुदन चरणा न मुके ॥ आंसु मां पयपी आं सुंन संके ॥ हे तेन्हि वसे वियोग दुखे ॥ भागा अक्षर बो
ले छे मुखे ॥ ४१ ॥ हे महाराज आवुं के मकि धुं ॥ चाल्या फरि दर्सन न दिधुं ॥ जेम दरसंन न दिधुं दयाल ॥ तेम पा
छी न लीधी संभाल ॥ ४२ ॥ सीयो वांक अमारो हो नाथ ॥ चाल्या अमने करी अनाथ ॥ वालात में अमने विसा

॥भक्त०॥ र्यां ॥ अमे विलखी विजळी हार्यां ॥४३॥ तमे चाल्या त्यांथी जगदीश ॥ तेने वरस पीयो अकवीस ॥ तेमां ॥ प्र.८१॥

॥२०१॥ एक से दे सो न काळो ॥ एवडो सी यो अभाव अमारो ॥४४॥ हसे वांक वाळाजी अमारो ॥ एमां दोष नथि जी जो
तमारो ॥ हसे अपराध अमारो नाथ ॥ जो सो मां राम कें जोडा हाथ ॥४५॥ नाथ केने नथी दोष तमारो ॥ छे
कर्म आवरणे वीज अमारो ॥ जी पोर स्ये तियां हलीमळी ॥ विसार्यां न संभारियें वळी ॥४६॥ होये हरिमां पेहेहेत
जेने ॥ अमे नी तें संभारुं छुं तेने ॥ विजा साथे छे थोडुं हेत ॥ एम बोल्या करुणा नीकेत ॥४७॥ जेम हुं तुं पो
तानु वरतंन ॥ तेम जणावि दीधुं जीवंन ॥ एम मल्या संमेधीने श्याम ॥ पोंच्या अज्ञोधां वासी आरांम ॥४८॥

॥इति श्री मदेकांतीक धर्म प्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य निकुळानंद मुनि विरचिते भक्त चिंतामणि मध्ये अज्ञोधां वासी आव्यां एनां मेने उमुं प्रकरणम्॥ ९० ॥

पुर्वछायो ॥ अज्ञोधां वासी आवीयां ॥ हरि प्रसादनो परीवार ॥ सर्मे धीश्री महाराजनो ॥ सत संगनो सणगार ॥१॥

चोपाई ॥ पीपां राजीअ अज्ञोधानां वासी नपणे निरख्या श्याम सुखरासी ॥ पछे संगे तेडि तेने श्याम ॥ आव्या प्रभुजी गढडे गांम ॥२॥ तेने आव्यां उतरवा घर ॥ घणुं घटित सारां सुंदर ॥ पछे करी छे रुडि रसोई ॥ जम्या मा व भाव तेनो जोइ ॥३॥ पछे जम्या छे अज्ञोधां वासी ॥ वळती वालमे वात प्रकाशी ॥ पुछ्यां देश ने नगर ने गांम ॥ पुछ्यां सरवे ठेकाणां ने ठांम ॥२०१॥

४ ॥ पुछ्यां वन वाडि ने सरवर ॥ पुछ्यां नदि तळाव ने कूप ॥ पुछ्यो सेर बजार ने घर ॥ पुछ्यां लागी ग्रही नारि नर ॥५॥ पुछ्यां हरि मंद्र धर्मसभा ॥ पुछ्यां तीरथ घाट संगळा ॥ तेनां आपीआ पीने एधांण ॥ कर्यां सरवे रुडेनां वखांण ॥६॥ पछे कर्युं वासी अज्ञोधांने ॥ कोइ कदी ठंसो भल्पा छे कांने ॥ सर्वे जथारथ नथ जांणुं ॥ एम कहेने जोडि छे पांणुं ॥७॥ पछे बोल्या आपे अविनासी ॥ तमे सांभळो अज्ञोधांवासी ॥ जे जे रुडां सनांळी धां अमेनां म ॥ तेमां फरता अमे आवुं ज्ञाम ॥८॥ रेता रम ता घटे तेनुं जमता ॥ हता नांनां सउ ने गमता ॥ पडि टेव तेणे बहु फरता ॥ मोटि मोटि नदी पुउ तरता ॥९॥ रेता थोडुं अमे घर मांये ॥ आज अमो कांस बळी क्यांये हतुं हेत हरि कथा मांई ॥ विजी वात न गमती कांई ॥१०॥ गमता भक्त बोलन लागी ज्ञानी ॥ शुं डा लागता देह अभीमांनी ॥ हतो स्वभाव चतुर कीदार ॥ कठण वचन नसे तां लगार ॥११॥ होसी मसकरी नगर मे क्यारे ॥ ठगा ठिंगाइ सुं वेर मारे ॥ जे कोय वे तुं होय अमपास ॥ ते पण करी सके नहि हास ॥१२॥ अमे कयो अमारो सुभाव ॥ एम कह रिया मुंस माव ॥ पछे बोल्यो अज्ञोधां रे नार ॥ एमां न पी थ मुं फेर फार ॥१३॥ एम के तां सां भळतां वात ॥ वई गई विनोद मां रात ॥ पछे दिवस विजे दपाले ॥ करुं जे जे पुछुं छुं छे क्री पाळे ॥१४॥ स्नतमा नानो मन छा राम ॥ अती बहु ज्ञांण बहु नांम ॥ तेने पुछे छे सुंदर सांम ॥ कहो अमारा कुळ नां नाम ॥१५

बालपणामांज्ञमेंनिसर्‍या॥कुलकुटंबनांनामविसर्‍या॥माटेकुलधर्मपराजेह॥कह्योपरीवारसहीततेह॥१६॥तारेबोलोअजोधांनांवासी॥तमेंसांभलजोरूपरासी॥जेजेजांणपोसांभलोंमेंनांम॥तेकुंक
हुंछुंसणोमाराश्यांम॥१७॥पुस्तवांनपांडेकन्हीरांम॥रेहताहतामांरदारूगाम॥तेनाछतातेवालकरांम
तेनीत्रीयभाग्यमानीनाम॥१८॥तेनाछतएकेछमती॥दोशेरस्तनेदयाधुंमती॥नांमहरिप्रसा
दतेकेंपे॥तेतोधर्मनोअवतारलेंये॥१९॥मोटाजसवालासउजांणो॥सारछनावसउदखांणो॥एवा
हरिप्रसादनोकउ॥जेनापुस्तनोपारनलउ॥२०॥लुणपारनात्रवाडिकेंपे॥वालछलनाकाधुतेंलेंये
तेनेघेरछेभवानीनारु॥तेतोअतीपवित्रउदार॥२१॥तेनेत्रणपछतछतात्रणप॥तेकउछुंसणोअस
र्णसर्ण॥विसरांमछबुधघेलही॥काबुछतकयात्रणतेहि॥२२॥चंदनवसंतानेबाजावाई॥काबु
छतारात्रणपकेंवाई॥चंदनपतिपांडेसरधार॥वसंतापतीबलधीधार॥२३॥बालाबाइजेनीश्रेअग
ती॥तेनाहरिप्रसादजीपती॥कउंतेनोहवेपरिवार॥तमेसांभलजोप्रांणआधार॥२४॥तेवाछत
रूपरुपत्रण॥तमसहीतभवदुखहर्ण॥मोटेरामश्रीरांमप्रताप॥विजातमेंश्रीहरिजीआप॥२५॥
त्रीजाइछारांमजीकेवाये॥जेनीमोटप्पकरनजाये॥वेउभाइअतीसेउदार॥जेनोजसउतमअत्रपार॥ ॥२०२॥

२६॥सर्वेरितेछतीपाछेराह॥एकतमविनादुखीतेह॥नीलकंठआत्मतमेंआई॥विजाकेडेरियाजे
वेउभाई॥२७॥कहुंतेनोहवेपरीवार॥तमनेमलवाछेतोअपार॥रांमप्रतापघेरछेवासी॥तेतोतम
विनाहतांउदासी॥२८॥तेनात्रणछनएकछता॥तेनांनांमपरमपुनीता॥नंदरामनेठाकुररांम॥
त्रीजाअजोधाप्रसादनांम॥२९॥छताश्रीधनुबानीरधार॥पांडेजोधननोपरीवार॥नंदुघेरछेलक्ष्मी
नारु॥रामसर्णछतनिरधार॥३०॥नारायणप्रसादहरिचंद॥चोथाछननतेपणछेछंद॥ठाकुर
रामघेरछेशिवकुंवरि॥रामस्त्रछतदोदिकरि॥३१॥अजोधाघेरछेसंनंदानारु॥कपोजोधननो
परिवार॥इछारांमघेरछेवसंमती॥जेनेप्रभुमांश्प्रीतअती॥३२॥तेनापुत्रपंचपुन्यवांन॥छताछेउ
तेकउमेदांन॥गोपालजीरघुविरनांम॥हंदावंनवलीसीतारांम॥३३॥पांचमोछतनाथवदरि
छताफुलश्रीनेफुलकरि॥इछारांमनोएपरीवार॥गोपालजीघेरछेमनांनारु॥३४॥रघुविरनेघे
रछेविरजा॥वाकिकउंहवेत्रणबीजा॥वृंदावंनघेरछेइंदिरावासी॥सीतारामघेरछेदिरासी॥३५॥ए
हरिप्रसादपरीवार॥धर्मकुलअतुल्यउदार॥केतांछणतांएहनांनांम॥पायेपवीत्रपांमीपे...
धाम॥३६॥वलीएदेशनांजेरेवासी॥तेपणतमविनाछेउदासि॥रामदिवससंभारेछेवछ॥तमवि

॥भक्त० नाआतुरलेसकुं ॥ ३९ ॥ एमकयुछेमनछारांमे ॥ फळिलीधुछेसुंदरग्रामे ॥ पछेपुछीविजीवडवा प्र० ५१॥
॥२०३ त ॥ फळिसउथीमोरलीपात ॥ ३० ॥ एमकरतांकांयकदनगीया ॥ पछेवसंतनादनआवीया ॥ ता
रेवालमेकर्‍योविचार ॥ तेडाव्यासांसंतमोटाचार ॥ ३१ ॥ कहेसोमली जोवोविचारि ॥ आगादिना
कोणअधीकारि ॥ आव्युंछेअमाराजांणपामांपे ॥ तेमांफेरेसेनरकाये ॥ ४० ॥ रामप्रतापनेरछा
राम ॥ तेनाफतसाराफरखधांम ॥ एनेआपुंगादिआअमारि ॥ अतीसारुछेजोवोविचारि ॥ ४१ ॥
जेवुंअमारुंकुळमनासे ॥ तेनेतोलेबीजुंकेमथासे ॥ तारेसंतकहेसाचीवात ॥ आजअमेथीयापार
जीयात ॥ ४२ ॥ तमेकह्याछेसंतजेघणा ॥ तेमांपणनथीकांईमणा ॥ पणआवातनुंउंडुंमुल ॥ काजे
कावेछेधर्मनुंकुळ ॥ ४३ ॥ पछेपुछ्युंपरसपरवीने ॥ गमीवातहयामांसउने ॥ पछेवीसाथोडाघणादं
न ॥ आव्यावरतालेजगजीवंन ॥ ४४ ॥ सर्वेसमंधीनेलइसंगाथ ॥ आव्याउछवकरवानाथ ॥ कर्‍योअ
नकोटउछवआवी ॥ प्रबोधनीभलीभजावि ॥ ४५ ॥ किधादतपुत्रपोतेदोये ॥ अवधप्रसादरघुविर
सोये ॥ आपीगादिआचारजकिधा ॥ तेनेमंदीरदेशवेचीदिधा ॥ ४६ ॥ करीदिधुंचोखुंगामआपे ॥
केडेकोयकेनेनसंतापे ॥ एविरितेकरिराहकांम ॥ पछेपधार्‍यागढडेगांम ॥ ४७ ॥ सर्वदासनेदर ॥२०३॥

संनदिधां ॥ करीवातकृतारथकीधां ॥ नजरेनिर्षेमुर्तिमनगमी ॥ त्यांतोआवीवसंतपंचमी ॥ ४८ ॥ लाया
गुलालनेरंगघणो ॥ कर्‍योसमानरमवानणो ॥ अतीआनंदेभर्‍याछेनाथ ॥ नाखेछेरंगपोतानेहाथ ॥
४९ ॥ रेडेरंगनेनाखेगुलाल ॥ तेणेसखाथीयारंगलाल ॥ सर्वेनारंगाछेनाथनेरंग ॥ तेणेसोभेछेनाथ
नुंअंग ॥ ५० ॥ सर्वेवस्त्रथीयांरंगेरातां ॥ जोइजननथपतनथीयातां ॥ पछेनावानेचालीयानाथ ॥ सर्वेस
खालइपोतासाथ ॥ ५१ ॥ नाइआवीजम्यानाथजंन ॥ कर्‍योउछवथैपरसंन ॥ एमआपेछेजेननेआनंद
(घणेदेतेश्री सहजानंद) ॥इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनीष्कुलानंदमुनि
विरचितेभक्तचिंतामणिमध्येश्रीमहाराजेदत्तपुत्रनेदेशमंदिरवेचीदिधांएनांमेएकाएंशीमुंप्रकरणम ॥
८१ ॥ पुर्वछायो ॥ तारपछेएकसमे ॥ वेवासभामांसांम ॥ दिपेदरसंनदासने ॥ हरिजंननीपुरेहांम ॥ १
मीठीमीटेमावजी ॥ जारेजोयापासरवेजंन ॥ होयेरहीतदासदेखी ॥ पोतेथीयापरसंन ॥ २ ॥ पछेप्रभुजी
बोलीया ॥ तमेसांभळजोसउजंन ॥ आपणेसउअबोधवचना ॥ तेनेकरवुंतीरथअटंन ॥ ३ ॥ मुनीसंभ
ळीलागीभली ॥ कणोअवधवासीआप ॥ जाणेश्रीहरिरामती ॥ नाइलइआवोसउछाप ॥ ४ ॥ चोपा
॥ मनेतीर्थेमोटोमुंनीजंन ॥ पायेरांमकृष्णनाइसंन ॥ मारकंडेयधौमलोमस ॥ धर्मादिकरेतीर्थेअ

॥भक्त० वस ५ ॥ सर्वेंतीर्थछे स्वरुप ॥ तेमांपण द्वारिकां अनुप ॥ तमे अवधवासी रहो हुर ॥ माटे जावुं तमा पृ· ८२
॥२०४॥ रे जरुर ॥ ६ ॥ ज्ञ दीर्थायो ज्ञाद बुनो नास ॥ परसपरलइ पर भास ॥ ते दिसमुइ जलही लोली ॥ कृष्णभुव
न विम्या पुरि वोली ॥ ७ ॥ कुलसहारि श्रीकृष्णपोते ॥ रिया नीज घेरे नाथगुपते ॥ माटे मोटे तीर्थ द्वारामती ॥
जीयां अखंड रहे यदुपति ॥ ८ ॥ माटे महीसागीने त्यां जावुं ॥ विधी सहीत गोमती मां नावुं ॥ जथा
जोग दान तीयां देवुं ॥ सतपुरुष पुजी फल लेवुं ॥ ९ ॥ एम सरवे ने आगन्याकिधी ॥ नीजदास ने त्री शिक्षा
ए दिधी ॥ पछे कोंशलवासी ने कयुं ॥ निश्चे तमारे जावानुं थयुं ॥ १० ॥ मन छांरां मनंदरां म होये ॥ जाओ
गोपालक फल सोये ॥ प्रथम पेलां रामप्रताप ॥ तेपण गीया ताशार कां आप ॥ ११ ॥ उध्धव संप्रदायनी
ए रित ॥ जावुं द्वारिकां थावु पुनीत ॥ नाइ गोमती विप्रजमाडो ॥ पीडदे पीत्रि पाल्य पमाडो ॥ १२ ॥ छापे अंत्र
कितकरी द्वारिके ॥ बेटजेंने आवो वेलावीर ॥ तारे बोल्यांछे सम धी सठ ॥ सारु ज्ञा स्वांमेराजीछउ ॥ १३ ॥
पण ओमी थोजो पे जरुर ॥ जांणी वाट घाट गांमपुर ॥ तारे सभा सां मुजावुं स्वांमी ॥ डि ठासचिदानंदनि
कांमी ॥ १४ ॥ हद समाधी निरमें वीत ॥ जेने प्रगट प्रभु सं प्रीत ॥ तने आगन्या आपी छे नाथे ॥ तमे
जाओ धर्मकुलसाथे ॥ १५ ॥ तमे जे पाछा आवजो जंन ॥ करी रण छोड जीनां दरसंन ॥ पछे आवसे मुनि ॥२०४॥

समस्त ॥ ज्ञारे यासे सीतकृतु अस्त ॥ १६ ॥ हसे वासदेवनी इछाये ॥ मुने ने अमे आवसुं त्यांये ॥ तमें तो
सउ थाथो तीयार ॥ बांधो हिमरण मकरो वार ॥ १७ ॥ पछे मुनी बोल्या करभों मी ॥ सुषे ज्ञात्रा करावि स
स्वामी ॥ पछे तीरथ ज्ञावाने काजे ॥ जो वरावु मुरतमाराजे ॥ १८ ॥ भरमया रामे राम कावु ॥ सं दी
नो मीनुं मुरत आवुं ॥ पछे नाथे आपा तेने करी ॥ चाल्या द्वारिका सम्रता हरि ॥ १९ ॥ माघवदी एक
मनेदंन ॥ नाया विप्र गोमती दे धंन ॥ दे पी परदेशि धाया गुंगली ॥ जेम पिंडने आवे काग मली ॥ २०
करी ही जांने केअमें गार ॥ लेवा नाणुं थीया ततपर ॥ तोये लागी नेतीरथे आड़ि ॥ पण मुनीने नां
तां ना पाड़ि ॥ २१ ॥ वा य स सरखे विटीने लीधा ॥ मोटा मुनिने नावा न दीधा ॥ वालजो बुनने व्रह्मचारी ॥
दिये डारा के मार संगमली ॥ २२ ॥ ते तो सिध नें कुपलेंदीसे ॥ नाणां विना नावा मन हिंसे ॥ काल के या
को पीन थी दांम ॥ एम बोले पुरुषने वांम ॥ २३ ॥ तो पे मुनीनुं मन नक्षो भ्युं ॥ कृष्ण रमे एरजे मनलो
भ्युं ॥ चिंते चड़ि श्रीकृष्णमुरती ॥ हवि मुंनिने अंतरवरती ॥ २४ ॥ परसमाधी मुसा द्वारिर ॥ पड़ेनुं पं
ड गोमती ने तीर ॥ तीयां आवां अज्ञोधां रे नार ॥ मुनी नज्ञागे करे पोकार ॥ २५ ॥ कहे गो पालसउ
सगांने ॥ केम लै चालसो संगे आने ॥ दंन पांच द ज्ञामां ज्ञागसे ॥ रे सं सा सुधीदंन बोभागसे ॥ २६

॥भक्त० माटेमकरोचंसाणनीकांई॥ चालोछापुंलेयेवेटमांई॥ मुनीनेमेलीगीयाआरामडे॥ लीधीचोंपेछा पृ.८१॥
॥२०५॥ पुंदामवुडे॥२६॥ बेसीवांणोगीयावेटमांई॥ करुंदसंन पुजादांमेलांई॥ करितीरथविधीसोभती
पचदंनरेआव्यागोमती॥२७॥ सोध्यासचीदानंदनमल्या॥ अवधवासीसोंनेपुछीवल्या॥ हवेकउंमुनीने
जेवितो॥ सोसांभलोरधांमनीरिती॥२८॥ मुनीअनंतजीजगदाडे॥ नायाविनागयाआरांमडे॥ जरउतस्याला
घणचोरे॥ जीयांअंनविनाजनवकोरे॥२९॥ तीयांतीर्थवासीतावेघरणुं॥ पडेउपराउपरलांघरणुं॥ बालजो
वननेवरुवड॥ विनाअंनेव्याकुलछेसउ॥३०॥ केकुटेपेटमिसछाती॥ भायोभुषनथीजोरवमाती॥ मा
टेदीपोछापुंदयाकरी॥ अमेअंनवीनाजाकंमरी॥३१॥ नापेछापपापकरनार॥ जेनेनदयामेरुलगार॥
तीर्थवासीपाडेबुंबरांण॥ आपोछापुआपांजांरणुप्रांण॥३२॥ नेयेवोल्योदारणियोआप॥ धनविनातोनदे
येछाप॥ मरिमदाजाओठालाघेस॥ तेनीअमारेसीदयामेस॥३३॥ एवुंदेपीआरामडामांई॥ मुनीकरवा
लागाचाहीचाई॥ आतेमांमजमपुरिजेवुं॥ केयेकुरुक्षेत्रवलीएवुं॥३४॥ जेवागोमतीमांरगुगली॥ पापीअ
धीकएथीआवली॥ सरवेजमपुरीनांरेनार॥ आंरुआविवसांनरनार॥३५॥ माटेनदयाकेनेलेजरा॥ वा
रुपुछीजोउरवोटिमीजरा॥ कहेमुनीरूणीभायोवात॥ तमेकृष्णभक्तसाक्षात॥३६॥ दियोछापुतमेदयाकरी ॥२०५॥

ज़ाउवेरकुंनीरखुंहरि॥ तेपेसांभलीमुनीनाबोल॥ हसीकयुंतुछोपस्तुतोल॥३७॥ आवेधुताधरणतुज
जेवा॥ विनाधनेछापुवउलेवा॥ गजहोयतोधनदइने॥ चुटोजाघंसंछापुलइने॥३८॥ तेपेबोलीयामुनी
रूभागी॥ भाईधनत्रीयअमेंत्यागी॥ कहेतुंजेवात्यागीनेजांणुं॥ राषेकंथाकोपीनमोनांणुं॥४०॥ पछेकंथा
दिधीमुनीहाथे॥ जोइपटकीप्रथवीमाथे॥ कहेजटामांसांमांहीराष॥ साधुनोथकोपेधनपास॥४१॥ अ
मेंतोनहीसाधुजएवा॥ अमेस्वामीनारायणसेव्या॥ जारेतुज स्वामीजीनोसाधु॥ तारेतोनाणुंवेसंसेवाधु
४२॥ तारास्वामीपासेबुउधंन॥ करेछेमोटामोटाजगंन॥ माटेसीदखोटिथाछठालो॥ छापलेतोधंनला
वीआलो॥४३॥ एवेसमेंआव्योएकखारवो॥ रोलीरासमांरदेहभ्रा षी॥ लोहचीपीयोलीधोछेहाथे॥ जटा
मोटिविटीवलीमाथे॥४४॥ किधीकेफेकरीओंखुंराती॥ चालेमरडातोकाटतोछाती॥ भांगगोजानीभेली
कोयली॥ बोलेगलेथीवांणिगोगली॥४५॥ आविअटक्योकेदोमुनेछापुं॥ अमेत्यागीतुनेधननापुं॥ बोल्यो
अडुंखंगाइमांरगाल॥ रूणिउवनाचारणततकाल॥४६॥ फाडीडाढिचुपीजदावली॥ मोरपांचमाथेथि
निकली॥ कयुंजोमुनीओरनीरित॥ अमारेतोपेसासाथेप्रीत॥४७॥ साफतुंधनआपनेलावि॥ नेतोपा
सेगतीतारिआवी॥ कहेमुनीजटामारेनथी॥ कंथाकोपीनमांधनकांथी॥४८॥ पछेचालोचारणहासीकरि

॥भक्त०॥ सिद्दवणमोतेज्ञाछमरि ॥ जोभ्यावेतारावापनीवाप ॥ धनविनानभ्रापीयेछाप ॥ ४९ ॥ पछेमुनीथीपाछेउदा प्र० ८२
॥२०६ सी ॥ दिठांपिउतांतीर्थवासी ॥ परदुखेदुखांणुंछेमंन ॥ चाल्याकेनलेवुंभ्रांमभ्रंन ॥ ५० ॥ वेसीवेडीमांर्दुपो
ताखेट ॥ पडिलांघणमलीयुंपेट ॥ करवादरसनपोलमांपेठा ॥ छापविनादरवांणियेदिठा ॥ ५१ ॥ कहेजा
छभागोकियांभगवा ॥ तुंकह्याभ्रोछोभ्रमनेठगवा ॥ छापविनाजाछछोनोछोनो ॥ छोकपटिकोपेसाधु
सांनो ॥ ५२ ॥ इमठेलाउगामीठपाट ॥ मुनीहसीवेठासंमेहाट ॥ तीयांभ्राव्योब्राह्मणगुणजो ॥ धरनोधर्मथ्य
किवेगलो ॥ ५३ ॥ तेनेकहेएमसुंनीराज ॥ मुनेउसंनकरावोमाराज ॥ विप्रकेभ्रोरनीएविरित ॥ केवलपे
सासाथेसोनेप्रीत ॥ ५४ ॥ नांणुंलैवेचेनीजनासुने ॥ भ्रापेस्कताभगनीजारने ॥ तेनीभ्रासेरमांनस्ज्ञा
ज ॥ विज्ञांवोवोकरेभ्रकाज ॥ ५५ ॥ तारीपासेहोयेधनकोर ॥ वासउताहुंघरमोर ॥ सवेवातेयारस
सुखीया ॥ तेलोज्ञाईसउसंननोदुखीयो ॥ ५६ ॥ तेयेकेमुनीस्वामीनाछेमे ॥ होमवांमथ्यकीदुरेरेये ॥ तेये
वोलोवलीविप्रजंन ॥ तारागुरुपासेबोल्युंधन ॥ ५७ ॥ वलीकेवापछेप्रभुभ्रापे ॥ तेनेमुकीभ्राओसायेपा
पे ॥ एमकरनेब्राह्मणगीयो ॥ मुनीनेमनक्षोभनथीयो ॥ ५८ ॥ विजांवेभ्रावेपुरनांवासी ॥ देखीनिरधन
नेकरेहांसी ॥ केकउरावेदेखाडेभ्रांख्य ॥ भ्रतीदुसदलेधनथांख्य ॥ ५९ ॥ वलतुंमुनीयेमनविचारयुं ॥ मा ॥२०६॥

गीभ्रावसेभ्रोरहजारुं ॥ तेमुंनीनिसरयेरुयामे ॥ उलविनादुलीथईजामे ॥ ६० ॥ पलएककुंभ्रोईनरकुं ॥ व
लुंवाटपोचालनीलकुं ॥ पणकरीगुरुवेभ्रागन्या ॥ भ्रावीसमांछापउलविना ॥ ६१ ॥ एहवचनषटकेत्रा
रिर ॥ केमकरसेहवेवलधिर ॥ छापउलविनापाछोजाउ ॥ गुरुनेगुनेगारथाउ ॥ ६२ ॥ इतिश्रीमदेकांतीक जि
धर्मप्रवर्तककृश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिकुलानंदमुनिविरचीतेभक्तचिंतामणिमध्येहरिचरित्रहारकानी
भ्रातोपमुनीनेभ्रजांधीवासीमध्याप्रनामेदोयसुंमुप्रकर्णम ॥ ८२ ॥ पुर्वछायो ॥ जविगणियेगोमती ॥ एवुंज
भ्राराबुणुंगांम ॥ वेदपणविज्ञुंनई ॥ जोणुंत्रलयेजमनांधांम ॥ १ ॥ ब्राह्मणक्षत्रीवैसकुद ॥ सउकरेदां
मदोम ॥ पैसाकारणघोणलेवा ॥ वेठांपुरुषनेवांम ॥ २ ॥ होमविनादरसंननी ॥ छुटितेनकरेछेक ॥ भ्रा
सतजीमुनीभ्रेमरे ॥ पछेकरयोएमविवेक ॥ ३ ॥ भ्रंतरजांमीभ्रापमे ॥ दरसनजांणिनीजदास ॥ दृढेभ्रास
नेवेहामुनी ॥ मनमांभ्राणिविसवास ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पछेमुनीवेठादृढध्यांने ॥ मांडयुंभ्रखंडभजनएक
तांने ॥ हताभ्रापेलक्षवांनभ्रती ॥ हृदेदेखेहरिनीमुरती ॥ ५ ॥ तोयेगुरुवेकयुंछेवचंन ॥ तेमकरवाईछेछे
दसंन ॥ पीयाएणमेउपवासचार ॥ वलीतजीतोयेनोभ्राधार ॥ ६ ॥ मुंनीहाथजोडिहरिभ्रागे ॥ करेस्तव
ननेदरसनमांगे ॥ जयपहुंच्यत्रछपाभ्रोभ्राज ॥ दियोदरसमुनेमहाराज ॥ ७ ॥ जयजडपतीजगवंद ॥ जय

॥भक्त० रुक्मणिपतीराजेंद्र ॥ जयभवब्रह्मापतीनाथ ॥ जयसत्वनकरेरूरसाथ ॥ ८ ॥ किर्तिनकीससधर्मकेये ॥ चू०६३॥
॥२०७ तेनाआगेरूपहरिलेये ॥ हारामतीपतीदिनजांणि ॥ करोमेरुलेरुमनआंणि ॥ ९ ॥ तमेआगेउगारियां
दास ॥ करीअरूरजंननोनास ॥ पुत्रादुपदिचिरदयाज ॥ आव्यागरुडतजीततकाल ॥ १० ॥ तोणाकेत्रा
डुहेकरीअम्मा ॥ तेनीत्रीपकरीकेत्राविम्मा ॥ वलीदुर्वासादेवाश्राप ॥ आव्योशिष्यसंगेलेअपाप ॥ ११ ॥
तेथीपांडवउगारिलीधा ॥ तमीसाकत्रपतसउकीधा ॥ पारिजातिकस्वर्गथीआंणि ॥ राजीकरीसतभा
मारांणि ॥ १२ ॥ भोमासुरमारिकर्युकाम ॥ हलीभार्यकरेसनेसाम ॥ बिजांकरीवडबडकाज ॥ जनआ
गेउगार्यामाराज ॥ १३ ॥ डरुवीयकुंतमनेआसरि ॥ कोटीकोटिजतनमेकरि ॥ केमदेतानथीदरसंन ॥
रायररणछोडथैंप्रसंन ॥ १४ ॥ आवीकेमकरीकठणाई ॥ कुंतोविचारुछुंमनमांई ॥ वसुदेवदेवकीजीवं
धावी ॥ करीलीलागोकुलमांआवी ॥ १५ ॥ राख्यावारवरससंबंधीस्वांणी ॥ तेतोसउजगतमांजांणी ॥ तेदि
कर्युंतुंकरुणामंन ॥ नथीतजंतुंकंहजीमोहंन ॥ १६ ॥ घणुंहेतकरीगोपीसाथ ॥ तेनेतजीआव्यानाथ ॥ आई
७ नी ॥ मेलीरोतीरऊलती वंने ॥ तेनीमेरुनावीकांइमंने ॥ १७ ॥ तेनीतेजमेजोनथीमती ॥ मारिकेमसांभ
लोविनती ॥ वलीकरिनीजकुलनास ॥ आवीआंइवसाअवीनास ॥ १८ ॥ जांणिजादवभोमीनोभार ॥ ॥२०७॥

करयोछोटांमोटांनोसंहार ॥ राजवेघमांचडर्युछेमंन ॥ तेसारुंपीडोछोनीजजंन ॥ १९ ॥ पापीपासलेजन
पीडावो ॥ तमेदीनबंधुसोनाकावो ॥ धमवालाधकाचउआपे ॥ निरधंमनेनीससंतापे ॥ २० ॥ प्रभुसाग
जेतमाराजंन ॥ तेमेपासलक्योथकीधन ॥ तेनुंकूरलानथीउपरालुं ॥ तमेकावोछोदिनदयालुं ॥ २१ ॥ नि
रधननुंधनछोमाराज ॥ वलीकावोगरिबुनीवाज ॥ अन्नाथुंनानाथभगवांन ॥ कांरेनसुणोवीनती
कांन ॥ २२ ॥ तमनेवालाउडवअंतत ॥ तेनीसंप्रदायनोकुंसंत ॥ जेवोछोतेवोनाथतमोरा ॥ वाला जीमुं
जनेमांचिसारो ॥ २३ ॥ थायेछोरुकछोरुजोकोयें ॥ तजेनरतानतेनेतोये ॥ एमकईनेकरियुंध्यांन ॥
दिठाअंतरमांथेभगवांन ॥ २४ ॥ आरसवांननीआरसजांणि ॥ मल्यामुनिनेसारंगपांणि ॥ माघवदि
एकादसिविजया ॥ तेदिनिमुंनीपररिझीया ॥ २५ ॥ दिधांअंतरमांदरसनताथे ॥ लक्ष्मीसत्यभांमाछे
साथे ॥ कोटीरूपसमअंगवाले ॥ उरुवसासकीचमरढाले ॥ २६ ॥ अजुनछत्रकुनकनुंधरियुं ॥ नो
तमरुपेमुंनीमनहरियुं ॥ नीलकलेवरनीरदजेवुं ॥ मुनीकरेदरसंनएवुं ॥ २७ ॥ दिठाअंतरेअंतर
जांमी ॥ वाध्युंआनंदवेदनावांमी ॥ पछेबोल्याभावेभगवांन ॥ मुनीमागमागवरदांन ॥ २८ ॥ जेमागी
समुंनीमुंजपासे ॥ तेआपीसअधीकहुलासे ॥ एमकइअंतरध्यांननथीपा ॥ मुंनीध्यांनथीतरतजा

॥भक्त०॥ गिया ॥ २९ ॥ थई आकुलनी सुणावा रु ॥ दिवा तेमना तेम मोजा रु ॥ अंबुआ मुक्षरग अतीभारि ॥ मा ॥प्र० ९७॥
॥२०७॥ थेमुंगरछे स्फ काशि ॥ ३० ॥ कंठेहार मनोहर मोती ॥ प्रह्लमुखे सोमे जासिजोती ॥ भुजबारमां आयुधचा
र ॥ संषचक्रगदापद्मसार ॥ ३१ ॥ एवां आयुधधरिने हाथे ॥ दिधां दरसंन रुडां कांनाथे ॥ वलीप्रेमाधीन मु
नीजोया ॥ सुपुंकष्ट जांणि नाथ मोया ॥ ३२ ॥ पछे अलबेलो अटलटल्या ॥ मुनीने उर मांलई मल्या ॥ वाली
कहे तमने जेवालुं ॥ मागो मागो मुनीवर आलुं ॥ ३३ ॥ मुनी कहे जय मंगलमुरती ॥ जदुपतीन मेलुं उरती
तमे छो करुणानादरिया ॥ दुख्य देउ खसंकट हरिया ॥ ३४ ॥ हवे मागुं छुं कंइ ठं नांमी ॥ करुणा चीत दई
मारा स्वामी ॥ अमारे गुरुवे आग्या कीधी ॥ मागी गहीपेसी सधरि जीधी ॥ ३५ ॥ द्वारिकांनी जात्रा करी
लेवी ॥ हमणां आग्या अमने एवी ॥ मुनी कहे गहीधन धरसे ॥ मागी केम करी तीर्थंकरसे ॥ ३६ ॥ मुने
जे विति ते कई दारखुं ॥ एविध्ये लोक पीडायला खुं ॥ गोमती मांना तावां धी कीधी ॥ मुने छांपुपणनव्हदी
धी ॥ ३७ ॥ पीधा उपवास अगीयार ॥ तारे तमे मलीया मोरार ॥ नमे रांवुं ठापें जगलेवा ॥ नमले मागीने
नां एवं देवा ॥ ३८ ॥ मारे एम गुचीत धरिये ॥ सउने तीर्थ थाय तेम करीये ॥ पछे नाथ बोलीया विचारि ॥ कृ ॥२०८॥
मुं वचन सर्वे हितकारि ॥ ३९ ॥ मुंनि सत्य मानेवा तमारि ॥ सर्वे पुरिसर्छा उं तारि ॥ लोभी निर्दई तीर्थरे

नारा ॥ लुंटे धंन पिडे जन मारा ॥ ४० ॥ तेमाटे वरताम आवीस ॥ सर्वे तीर्थ संगे लावीस ॥ लक्ष्मीनारायणनी मु
रती ॥ तेमां वसीस के जदुपती ॥ ४१ ॥ छाप गोमती संगे लरस ॥ मागी ग्रहीने दन्नां नदईस ॥ पासे सहुं नेदर्श
नसांई ॥ हवे नथी रे हुं पल आंई ॥ ४२ ॥ समव वचन मांने मुंनीमारु ॥ तमे आवो थी पुं घरणुं सारुं ॥ हवे स्कंधे चालो
तमे मांथी ॥ जुवे वार गोमतीपे संगाथी ॥ ४३ ॥ रामसुनिने कै भगवान ॥ पछे पीधा छे अंतरध्यांन ॥ मुनी थवि
चासुं मनमांथे ॥ पीधां दरसंन गुरुकृपाथे ॥ ४४ ॥ पछे मगन थए मुनीवरा ॥ आवीअ जो धां वासीने मल्या
पुछी खबर परस्पररे ॥ कहुं नकपुं ते मुनीवरे ॥ ४५ ॥ हतो दंन तेदी हवादश्ति ॥ करि पारणं त्यां रिया निसी
पछुं सवार चाली पासउ ॥ सांभरे छे उ वार कांबुठ ॥ ४६ ॥ दर्ले डुखी सवे सउजारे ॥ देखे स्वप्नमां कहुं मने तारे
जोएं सुं संगे आवे छे मारा जे ॥ भेलो लईने सर्वे समाज ॥ ४७ ॥ एम निस करता दरसंन ॥ आव्या गढडा मांस
उ जंन ॥ संउआस मेस भामां रंगांम ॥ वेंचातां संतना रुपधांम ॥ ४८ ॥ तीर्थां कस्यां उ उत अवी ॥ हे तेजी धा
पासलेवो लावि ॥ भलेजइ आव्या गुरामती ॥ धमधमत मारि भगती ॥ ४९ ॥ पछे बोल्या मुनीवर आपे ॥ आ
आकुवाजत मपतां पे ॥ स्वोनछाप दरसंनतुं दुख ॥ तेनो केम कपुं जाय मुख ॥ ५० ॥ करणी मागी पीधा छे
उदासी ॥ तीथां आपणो केम जवासी ॥ वरदी धानी वात करजारे ॥ मागी प्रभु पीया सउ तारे ॥ ५१ ॥ सुणि

॥भक्त०॥ गुरुवे कह्यो सुतकार ॥ आपवांनतुं साधु अपार ॥ मुनी केप रतापत मारी ॥ हवे वरताल्य वेजा पधारी ॥ ५२ ॥ पृ·९३॥
॥२०७॥ स्वामी पत्र लपइ राम कयुं ॥ जावुं वरताल्य निश्चे राप्पयुं ॥ फुलडोले फागण केदि ॥ मोच्चवुं पुन्यम दंनतेदि
५३ ॥ त्यागी ग्रही बाइ भाइ स्नेह ॥ लखी कागल तेडाव्यां तेह ॥ तेरत्रीस उस्मरण करता ॥ सर्वे संत आनंद
मां फरता ॥ ५४ ॥ दिवा स्वप्ना मांजाइ रिलोलाल ॥ रमा सहित जाता वरताल्य ॥ बोल्या परस पर परमार्त्म
कई स्वप्नानी गुरु आगे वात ॥ ५५ ॥ स्वामी कहे सत्यवात सारि ॥ करो वरताल्य जावा तयारि ॥ चाल्या सात
मे सउ जंनवृंद ॥ गढडे थी स्वामी सहजानंद ॥ ५६ ॥ करी उछव परव पारि ॥ संगे लइ घोडानी असवारि ॥ वा
जीवाग ग्रही उठावे हाथे ॥ लीधा रूमेद जंनवडु साथे ॥ ५७ ॥ घोडि सो मेंछे सोनेरि साजे ॥ स्वेतवस्त्र पेर्या छे
माराजे ॥ केशर कुंकुम तीलक कर्या ॥ नौतम रूपें जंनमन हर्या ॥ ५८ ॥ मजले मजले पाय उतारा ॥ संघे स
हीत रहे गाम वारा ॥ कुंडल खस ते थी वो रुरिया ॥ संजीवाडे थी वरताल्य गीया ॥ ५९ ॥ फादीश कादसी वर
ताल्य ॥ आव्या नाथ साथ लेइ मराल्य ॥ आव्या ते दिज हारकांनाथ ॥ रांगिरु कन शीलइ साथ ॥ ६० ॥ लक्ष्मी
नारायण रूपे रूडा ॥ करे बौं देशनां जंन दडा ॥ हारिकापीश्री रणछोड आव्या ॥ वस्या वरताले जंन मन
भाव्या ॥ ६१ ॥ कर्यो उछव फुलडोल भारि ॥ पुजा सिध्य स्वामी पेमे धारि ॥ हारिकांपी चाल्या जेदी नाथ ॥२०७॥

सर्वे देव तीर्थ आव्यां साथ ॥ ६२ ॥ धारु तलार फंदर अती ॥ रूअ कहे सार हो गोमती ॥ विजादे वतीर्थ आ
स पास ॥ वाले करायो वरताले वास ॥ ६३ ॥ कयुं स्वप्न मां हारकांनाथे ॥ मोरां आयुध छाप जो हाथे ॥ वु
चु ने छाप आपी वरताल्य ॥ नर नारि थीयां सउ निपाल्य ॥ ६४ ॥ रामनोमी ये पुजा करि ॥ विमला एकादशि
अर्चा हरि ॥ तीयां जयजप बोले छे जंन ॥ देखि इष्ट नां द्रा जी यां मंन ॥ ६५ ॥ एम नाथ लीला नी सनदि ॥
कहे एक मुखे केम कवी ॥ निसगोमती बिराजे नाथ ॥ मुनी सतसंगी लइ साथ ॥ ६६ ॥ तीयां थाये उत
रव संन ॥ करे अनेक जन दंसंन ॥ वाजे वाजींत्र तीयां अपार ॥ लावे पुजा जंनव उद्धार ॥ ६७ ॥ लइ पीच
कारि हरि हाथ ॥ रंगे रमें सखा संगे नाथ ॥ वली आपी आगमा अविनास ॥ गावो गरिबी रमो जंनरास
६८ ॥ गाले सरस तसंगी सहु ॥ देवी राजी थाय वालो वहु ॥ जारे आवे उतारे माराज ॥ उपडावे हुं दतु
मंद काज ॥ ६९ ॥ एक दंन राजी थइ नाथ ॥ मस्या मुनि नेम रिभरि वाथ ॥ वली जमाडे जंन ने आपे ॥ ए
तो वात आवे केम मापे ॥ ७० ॥ एम लीला करी वउ दंन ॥ जोई जंन थीयां छे मगंन ॥ कर्यो उछव रा
कमास नो ॥ पुरी यो मनोरथ दासनो ॥ ७१ ॥ पछे प्रभुजी सांपी पधार्या ॥ आवि गढडे आनंद वधार्या
फंदर वरस ते सा छुं केये ॥ चैत्र फंदी एकादशि लेये ॥ ७२ ॥ तेदि उछव कराव्यो वाले ॥ आव्या हार

 कोनाथ वरताले ॥ समवात ननजरनिरिठी ॥ जागे हरिजंनने एमीठी ॥ ३३ ॥ इतिश्री मदेकांतीकधर्मप्रव
 र्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिकुळानंदमुनिविरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्रे हारकोनाथ
वरताले आव्या ते नो उछव कर्यो ए नामे चोराशीमुं प्रकरणम् ॥ ८४ ॥ पूर्वछाया ॥ वळी लीला वरतालनी
कहुं एक अदभुतीअनुप ॥ पोते प्रभुजी पधारिया ॥ सांभळी योरूपस्वरुप ॥ १ ॥ सुंदर समेमें योआवीयो
कारतक सुदी एकादसी ॥ आवोदंन एउछवनो ॥ कहे संत ने हरि हुलसी ॥ २ ॥ अवसमसमे योआप
रेण ॥ करवो ते वर सोवरसनो ॥ सतसंगी सांसउमले ॥ लीये जाभे दर्शपर्शनो ॥ ३ ॥ एमकहेने कंको
तरि ॥ मेलीलखीने माहाराज ॥ वरताले वेलाआवजो ॥ सत संगी सउमुनीराज ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ पछे
पोते थया छे तयार ॥ संगे जनसखाअसवार ॥ पेर्या अंबर सुंदर अंगे ॥ सोभेसामळो सखाने संगे
५ ॥ करे मजले मजले मुकाम ॥ पुरे जनना मननी हांम ॥ कारीपांतिक मीयाव्युं गाम ॥ आव्या आ देवे
सुंदर ठांम ॥ ६ ॥ त्यांथी वालो आव्या वरताल ॥ निर्खिनीजजनथी यांनी याल ॥ जंनजोई पाम्याछे आनं
द ॥ जयजय बोले जंनवृंद ॥ ७ ॥ दियेदरसंन प्रसंननाथ ॥ निर्खिस्यळी येसउसाथ ॥ हरि येह सीजो
युं सउ सांमुं ॥ पुरि जंनना मननी हांमुं ॥ ८ ॥ जनजो दिउ आंसउहाथ ॥ आपो आग्या अमने नाथ ॥ क

रावियेरसोइ तमकाज ॥ जमो मेहेर करीने महाराज ॥ ९ ॥ हरीये भाव भगतनो जोई ॥ कयुंकरो उतमरसो
इ ॥ पछे जंने भोजंन बनाव्यां ॥ जम्याजीवन तेमनभाव्यां ॥ १० ॥ पछे वसंन भुषणपेराव्यां ॥ करी आरती तेम
नभावी ॥ पछे जंन लागां सउपाये ॥ रेजो नाथ जी अंतर मांये ॥ ११ ॥ अमेछुं ये नाथ जीतमारां ॥ सगां संबं
धी सउ अमारां ॥ तेने केहे छे हसी जीवंन ॥ सारु करजो सउभजंन ॥ १२ ॥ एम जमे जंनने उलारे ॥ जन
जमाडि कारज सारे ॥ कोये चरचे चंदन उतारि ॥ कोये छांटे गुलाबनो वारि ॥ १३ ॥ कोये चोळे अत
र आवि अंगे ॥ कोये पेरावे हार उमंगे ॥ कोये तोरा गजरा फुलना ॥ पेरावे हार मोघा मुलना ॥ १४
एमला आपी लीये सउ जंन ॥ प्रभु छे सउ उपर प्रसंन ॥ पछे एम बोल्या अविनासी ॥ सुणो सतसंगी मुनि
संन्यासी ॥ १५ ॥ सुवो राधाकृष्णनी मुरती ॥ अमारि प्राणसो नेछे अती ॥ तेम नारायण लक्ष्मीपती ॥ सा
रास्ते छे धर्म भगती ॥ १६ ॥ थापोजे दियो एहनी स्थाप ॥ थापोते दियो सौनी सपाप ॥ एमवात क
रे छे महाराज ॥ सुणो संत संगी मुनीराज ॥ १७ ॥ सांभळी जंन हर्ख्यां अपार ॥ जयजय बोले नरनार
ते दी वरत हतुं एकादशि ॥ पुरि दिपमाळा तेह निशि ॥ १८ ॥ तीयां वधु पोरिया अंजवाळे ॥ नाथ सभा
उभो पर्भाते ॥ आजमसामनुष्य अपार ॥ बउ पुरुषने बउ नार ॥ १९ ॥ सारा समैयासुंदर थीया ॥

 एम कहीने हरि हसीया ॥ पछे द्वादशी पारणा करी ॥ आवी वेग छे चोतरे हरि ॥ २० ॥ तीयां वाजींत्र वाजे
 अपार ॥ करे दरसंन सौ नरनार ॥ लावे पुजा पुजवा आधार ॥ फल फुल ने अमुल हार ॥ २१ ॥ ते रंगे
सोभे छे साम मुरती ॥ पाये उतर प्रसन अती ॥ एम लीला करे भगवान ॥ दीये दरस देइ दरसंन दान ॥
२२ ॥ सर्वे करी खुसी थये जंन जोइ ॥ एम करतां वितीया दन दोइ ॥ पछे आव्यो पुनम नो दंन ॥ आव्या दरसंने
बहु वीजंन ॥ २३ ॥ ते ने दरसंन दीधां दयाले ॥ अती साम्रथ महीने कृपाले ॥ ते तो दरसंन करीने गी
यां ॥ संत संगी सहु सरवे रीयां ॥ २४ ॥ पछे साके पुरि दीपमाल ॥ बेठा आसन उंचे दयाल ॥ सर्वे जंन
जोइ रयां सांमु ॥ निरखीनाथ पुरे हेये हामु ॥ २५ ॥ पछे नाथ बोल्या राम वाण ॥ सरवे सांभलजो संत
सुजांण ॥ पुरी थी ये ठछव नो दंन ॥ जा जो जां जो कयुं तीयां जंन ॥ २६ ॥ कांयक संत रेजो अमसा
थ ॥ जावुं करतबोल्या राम नाथ ॥ एम कैने उभा थीया हरि ॥ आवो मली ये मंडली मंडजी ॥ २७ ॥
अलबेला जी अरदलहलां ॥ सर्वे संत ने हेत करी मल्या ॥ संत चाल्या सउ सीख मागी ॥ विसपाये प्रभु
जी ने लागी ॥ २८ ॥ पछे पोते करी छे तयारि ॥ चाल्या करता परक्रम कारि ॥ अलबेलो जी अंतरजा
मी ॥ आव्या वीचा सरोवर बहु नामी ॥ २९ ॥ तीयां सुंदर करविर सोइ ॥ जम्या नाथ सखा संत सोइ ॥ रम

रा सचाल्या तत काल ॥ आव्या देवां गांदिन दयाल ॥ ३० ॥ पुरपती कमती छे सारो ॥ कह्यो तेने ते घेर ल्
उतारो ॥ सउ राजी थी यां नी जंन ॥ करी महाराज नां दरसंन ॥ ३१ ॥ सुंदर करावि सारि रसोइ ॥ जम्या नाथ
भाव तेनो जोइ ॥ करवा अनेक जीव नां काज ॥ पछे मदउ तरया महाराज ॥ ३२ ॥ ते ने ते रे आवी पुंतलाव ॥ ति
यां बेसी बोल्या पछे माव ॥ हवे पांथी आवे कोण गाम ॥ कियां करसुं आ जवि सरांम ॥ ३३ ॥ तये बोल्या एक
क हरीजंन ॥ वाला आवो अमारे भोवंन ॥ पछे मुनी एके जोड्या हाथ ॥ हवे सीधा पधारियें नाथ ॥ ३४ ॥ व
उदिवसनी अरजी छे मारि ॥ प्रभु पुरि करो गत्मां पधारि ॥ पछे नाथ थिया अस वार ॥ उतल्या गाम कारेली
वार ॥ ३५ ॥ तियां कराव्यो सुंदर थाल ॥ जम्या दया करीने दयाल ॥ आपी सखाने कष्ट दिसारि ॥ रियां रात्
ति यां सुख कारी ॥ ३६ ॥ सो थी चाल्या छे दिन दयाल ॥ मेलु करी संभाल्या मराल ॥ जाणे आल्या बो मुनी ने बो
लावि ॥ करे दरशन संत सउ आवी ॥ ३७ ॥ पछे त्यां थी चाल्या अलबेल ॥ चाले वेगे करे नइ वेल ॥ आव्या सुंद्र
रो एक सरोवर ॥ तीयां उतल्या साम सुंदर ॥ ३८ ॥ नाया पानी रजो इनी रमल ॥ पुजा करी पी धां मीठा जल ॥ प
छे सां थी थी या अस वार ॥ आव्या आमोद प्राण आधार ॥ ३९ ॥ तीयां भद्र वसे दीनो नाथ ॥ सदा रे छे जे साम
ने साथ ॥ वली वणाक हरिजीवंन ॥ निरखी नाथ ने थि यो मगंन ॥ ४० ॥ पछे उभो जोडि आगे हाथ ॥ करे भो

॥भक्त॰ जेनरो ओरनाथ ॥ तारे सांमके सांभली जन ॥ करावु जो मुनीने भोजन ॥ ४१ ॥ रामकर्इने चालीया स्वामी प्र॰ ८५॥
॥२१२ आव्यां मवु वेवडनामी ॥ तीयां भक्त वसे कांनदास ॥ आव्या तेने ह्येस्ये अवीनास ॥ ४२ ॥ करी भोजन रजनी
रीया ॥ तीयां उतर परसन थीया ॥ आव्या तां सांमोटा मडपती ॥ निर्खि नाथने करी विनती ॥ ४३ ॥ प्रभु अमे
तमारां जो छैये ॥ घणे घणे सुख थाकैये ॥ तीयां कवी ये कल्युं सुवचन ॥ द्विज नाम ते गोवरधन ॥ ४४ ॥ स्वामि
नाथे कर्यो सतकार ॥ तेक यागवांछे जगदाधार ॥ रामकइ उग्या अविनासी ॥ सदा सांमसुंदर सुखरा
सी ॥ ४५ ॥ रीया रात सुखे रादगांमे ॥ पछे आव्या छे केलोद गांमे ॥ तीयां पुरी जनमन भाव ॥ सांथी आ
वी उतरया तलाव ॥ ४६ ॥ सुंदर साकं सांभर करावारि ॥ करी पांन चाल्या सुखकारि ॥ आव्या सेरभरो चु
मां गांम ॥ पुरिनी जनमनहांम ॥ ४७ ॥ पछे सार करावीयां काज ॥ संघ सँत उतर्या महाराज ॥ नदि
न रुवदा नांमै ते सरि ॥ परसी चरण पावन थइ ॥ ४८ ॥ घडी वेडावा जोतेने त्रट ॥ तीयां राजी कर्या छे खेवट
सांथी चाल्या चतुर सुजांण ॥ कर्यां अकलेसरे मेलांण ॥ ४९ ॥ आवी पाये जागो पुरपती ॥ आज आव्या
नाथ अमर्वती ॥ हेती घणा दी वस नी हांम ॥ आज निर्खि सुख्यां मारां कांम ॥ ५० ॥ दई दर्शन तेने दयाल
पछे जम्या नाथने मराल ॥ पछे वेहेज परपोढ्या सांम ॥ रीया रात चाली राह ठांम ॥ ५१ ॥ थयुं सवार चाली ॥२१२॥

पामेत ॥ संघ भेजापोते भगवंत ॥ कहे सर्वाने श्री भगवांन ॥ हाल्यो हवे जाइये दोंडस्थांन ॥ ५२ ॥ सुंदर जनम भो
म्य अमारि ॥ रामसंपाने के सुख कारि ॥ एवि वात के तां वाटमोर ॥ आवी नदि उतरिया मोर ॥ ५३ ॥ करी स्नान
पुजा एह ठांम ॥ सुंदर साधु जमी चाल्या गांम ॥ सोभे सर्वा संगे वालो आप ॥ निर्खि नरनारि थाये निःप्याप ॥
५४ ॥ सांथी आवी छेराक तलार ॥ सोभे वृक्ष मां विविधछार ॥ तीयां भर्यी पाभगवांन ॥ दिधां दासने दरसन
दांन ॥ ५५ ॥ सांथी चाली माहिनद याल ॥ आव्या नाथजी गांम कोसाड ॥ आवी उतरयावाडी कांजोई ॥ तीयां
करी छे आपे रसोइ ॥ ५६ ॥ कर्या सुंदर सुरण साक ॥ घणां घ्रतेपकावीया पाक ॥ आपे जमी जमाडिया जं
न ॥ रीया रजनीसां भगवन ॥ ५७ ॥ तीयां आव्यां सुरतनांवासी ॥ नरनारि जे प्रगट उपासी ॥ रथवेसजाआ
घणि गाडि ॥ जेम उमंगे गे मेघ अषाडि ॥ ५८ ॥ पूर्वछायो ॥ कडेलीला कुंकेदल्ही ॥ एक जीभे जस अपार ॥ अनंत
लीला लालनी ॥ कोपे नरनपांमे पार ॥ ५९ ॥ पछे पोंधी पधारिया ॥ उतर्या तापी तिर ॥ संघे सहीत सांमलो ॥
नाया नीरमलनिर ॥ ६० ॥ इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसहजानंदस्वामीशिष्यनिष्कुलानंदमुनीविरचिते
भक्तचिंतामणिमध्ये हरिचरित्रे वरतालउछवनां मे चोरासीमुं प्रकरणम् ॥ ८४ ॥ पूर्वछायो ॥ सुंदर सेर सुरतना ॥
सतसंगी सर्वे सुजांण ॥ प्रभु सांपधारिया ॥ जनहेते जीवनप्रांण ॥ १ ॥ चोपाई ॥ पछे पोंधी चाल्या दयाल

॥भक्त०॥ दुरीवारेवाटिकाविशाल ॥ जोइ जायेगाकंदरसाथि ॥ वहेपासेनिरमलवारि ॥२॥ तियांविधविधनांवेलीवं ॥प्र०८५॥
॥२१२॥ न ॥ विजाजेननेरवानोवंन ॥ तीपाउतरियाअविनास ॥ आयांदरसंनेवउदास ॥३॥ जाम्माहारपुजाव
उपेस्य ॥ आयांजेनजेमसीधुसेस्य ॥ करीपुजालागेसउपाये ॥ वालाम्यावारेजोउरमांये ॥४॥ रामसुवंनक
रेवउजेन ॥ कहेभलेआयाभगवंन ॥ आजअमपरअटलदसा ॥ वउदनानावामहावला ॥५॥ एवीसांभली
दासनीवांणि ॥ हेतेवीछाम्पापोतानाजांणि ॥ पछेजेनेकराआंभोजेंन ॥ जम्माभावजोइभगवंन ॥६॥ ज
मासम्पासउमुनीजेंन ॥ पछेपरसेज्याविसोदंन ॥ रियारामरूपेराहगंमे ॥ पछेसंसंकरूंरूपधां
मे ॥७॥ पोदीजागीयाजीवंनप्रांण ॥ करवावउजीवनोकल्यांण ॥ कल्योनीसविधीतेइपाले ॥ दयासीधुदि
नप्रतीपाले ॥८॥ सांथीउत्थापोतेभगवांन ॥ दिधांदासनेदरसंनदांन ॥ पछेजनलाआसणपाल ॥ कंदर
दरपणोदिस्रोविशाल ॥९॥ नेणेवेणपछेवकुंनामी ॥ अलवेजोजेअंतरजामी ॥ वाजेवाजींत्रआगेअपा
र ॥ धायांदरसंनेवोनरनार ॥१०॥ धीरेधिरेधरेपगमोर ॥ जेनमगंनथीयांनाथजोर ॥ पछेत्रिवालेगी
यासुजांण ॥ करवावउजीवनांकल्यांण ॥११॥ मांधीवलाछेदिनदयाल ॥ कपुंजेनेथीपोपकृपाल ॥ ह
तीनजीकरसोरपास ॥ जनेजमाडियाअवीनास ॥१२॥ पछेप्रेमेसंपुजीपानाथ ॥ कंदरवस्त्रपेरावीयांहा ॥२१२॥

थ ॥ वरच्यांचंदनअतरभारि ॥ अर्पिहारआरतीउतारि ॥१३॥ पछेआगेउभांजोडिहाथ ॥ जयजयवोलेमुखे
गाय ॥ पुजीनाथहीधोलाओभारे ॥ पछेप्रभुजीआवाउतारे ॥१४॥ तीयांसोभेकंदरओवली ॥ घणिघा
टिछेजोछायामली ॥ तीयांवेवाआदिवउनांमी ॥ अलवेजोजेअंतरजांमी ॥१५॥ कहेमुनीप्रसेभगवंत
जमीसजयाओसउसंत ॥ आजजावुछेसेरमांसोने ॥ देवादरसंनजनवउने ॥१६॥ एवीवातकरीजारेवा
स ॥ मांनीलीधीसउमरदास ॥ मांतोमारथयांभोजेंन ॥ जमीसजथीयामुनीजेंन ॥१७॥ एमकरतांवीतीघडि
वार ॥ आयोसांमोसेरसरदार ॥ जेनुंनांमअ्रेसमरजीछे ॥ अतीउमेजातेफारसीछे ॥१८॥ मोटापुरांणिपंडि
तसंगे ॥ आयोलेउवाअतीउमंगे ॥ रथवेलपालखीपेदल ॥ वउवाजींत्रसंगेसवल ॥१९॥ आवीलागोप्रभुजी
नेपाये ॥ निर्खिहर्खोअतीमनमांये ॥ पछेअलवेलोअलवेलसा ॥ नाथवाथभरितेनेमसा ॥२०॥ नाथकेसुखी
छोतेनमंने ॥ कहेसुखीछुंआजदरसंने ॥ वउदंननीजोतोतोवाट ॥ वालातमारादरसंनमाट ॥२१॥ वउतेणेपुंत
मेअमसाथे ॥ आजमेसुकरीमुंजमाथे ॥ जेमआयाछोआजलेस्यमां ॥ तेमनाथपधारोसेरमां ॥२२॥ करेदर्श
नसउनरनार ॥ पापेवउजीवभवपार ॥ नाथकेसारुंवासर्कसांर ॥ पणरेवारुडुंवउआंर ॥२३॥ पछेतरनथी
याअसवार ॥ वालासुरतसेरमोफार ॥ आगेपलटणपालाअपार ॥ विजांमनुष्यहजारुंहजार ॥२४॥ वा

॥भक्त० जे विविध नां वाजां वली ॥ ढोल दमामां कांसां ने वांसली ॥ भेरी भुंगल रण सिंगा तुरि ॥ रथ मुंसरणा थुंसर तुरि ॥ प.० ६५॥
॥२१४॥ २५ ॥ पायें घोर नगारां निघोष ॥ वउसो नेत्र समवारिब लि ॥ चाले धिरे धिरे पगधरे ॥ जुवे तेने ते नां मन हरे ॥ २६
सोभे सामलो सुंदर घोडे ॥ सारा सरखा विजा वउ जोडे ॥ सोभे फरवाल स्वेत रंगी ॥ सीमे रेंटीक सुंदीसो रंगी
२७ ॥ ढोले चुमर ते पर दास ॥ सोने छत्री हटा छ्व विनास ॥ केडे रथ वेलगा दृढ घणि ॥ वउसो भाषा ल षीनि वणि
२८ ॥ एम सोभे छे वउ समाज ॥ वाला मुनी दीसे संग महाराज ॥ विजां वीजेन संग सुजोगा ॥ वालो जेम उलट सोमे रंग
गा ॥ २९ ॥ वृत्ति गरद हंटकां गोगगंन ॥ जेम घटा का दिवस न्नो घंन ॥ ए विधि से प्रभुजी पधारा ॥ जन नेम नमो हुवधा
रा ॥ ३० ॥ आवाास रमां सुंदर सांम ॥ धीयां दर्सन पुरुषने वाम ॥ आवीउ भां छे वउ वजार ॥ देषुं नथाय पेलाप
हजारे ॥ ३१ ॥ केफ चढ्यां अटारि जरुखे ॥ कं कगट घर वली गोखे ॥ पेरिनी लीपीली लाल साडि ॥ स्वेत सोने जेम
फलवाडि ॥ ३२ ॥ जेम सोमे वैमांनानी हार ॥ एम ऊंचा चढ्यां नर नार ॥ हाथ जोडि दिवोले राम जंन ॥ जय जय मनाथ
धम धन ॥ ३३ ॥ भले पधारिया तमें नाथ ॥ आज सौ अमें थीयां सनाथ ॥ तेनी वंदना मानी मोरार ॥ आव्या उ
तारे वालिमो जार ॥ ३४ ॥ पछे वेठा अगासीये आप ॥ निरषि वौजन थीयां नीष्याप ॥ देतां दर्सन रूपाय म्मोदं
न ॥ पछे भुधरे करयां भोजन ॥ ३५ ॥ जमी पोढियां बांगा आधार ॥ विती रजनी थयुं सवार ॥ तारे जागी प्रा जगजी ॥२१४॥

वेन ॥ दिधां सैौजेन ने दरसंन ॥ ३६ ॥ पछे हिंडोलो सुंदर सार ॥ लाव्यो भावे भगत सुतार ॥ ते उपर वेठा अविना
स ॥ निरखि मगन थीयां नीजदास ॥ ३७ ॥ तीयां वाजे वाजीं त्र अपार ॥ जेजेकार हुं बोले नर नार ॥ गांने तां ने
गाये गुंणि जंन ॥ करे मुनी जंन कीरतन ॥ ३८ ॥ आवे लोक हजारे हजार ॥ करे दरसन नर नार ॥ पाये रसोई सुं
दर सारि ॥ जमाडे जंन पंगत बेसारि ॥ ३९ ॥ अंतां नंद उछव थाय ॥ वउ हर्ष भरा दंन जाय ॥ एम करतां
विसा दंन दोय ॥ बोल्यो पुरपती राजी होय ॥ ४० ॥ बउ मतपंथ छे संसार ॥ तेतो दांमने वां मनाथार ॥ आतो धननी
पहो पसागी ॥ जेनी लगनी साथे वसुं लागी ॥ ४१ ॥ आवा संत न थी जगमांय ॥ एनां दरसन कोके मथाय ॥
मेल्यकरी अमारे पधारे ॥ ने तो अवस्य जावुं सोमारे ॥ ४२ ॥ एवो नाव भुपतीनो जांणि ॥ पोते पधारया सारंग
पांणि ॥ अती आदर दरशराजेन ॥ पुछ्यां पुछवा जे वांप्रस्न ॥ ४३ ॥ तेने उतर दिधो दयाल ॥ सुणि राजी थीये
छे भोपाल ॥ करई सेव दाउ रूवी रिन ॥ जली लीधी राये करी प्रीत ॥ ४४ ॥ पछे वउ करी सनमान ॥ पधराव्या
पाछा भगवांन ॥ बिजा राग जारहे पुर मोंई ॥ प्रभु पधारिया वली सोई ॥ ४५ ॥ तेरो अनी कुसुंम सनमांन ॥
भावे भरि पुजा भगवांन ॥ पुवा चंदन गुलाब वारि ॥ आंर पीअम रस्फगंधी नारि ॥ ४६ ॥ तेरो पुजी पछे
जोडा हाथ ॥ करी स्तवंन नेनां मीयुं माथ ॥ कहे भले पधारया महाराज ॥ थीयां पावंन सौ अमे आज ॥ ४७

॥भक्त०॥ एम करि विनंती भोपाल ॥ पाछा पधरावी याद पाल ॥ पछे सीरपाव छाव भरिने ॥ लाव्या उतारे अरप्यां हरि ॥प्र० ६५॥
॥२१५॥ ने ॥ ४८ ॥ वलते दिवसे अरदेसरे ॥ प्रभु पधराव्या नीज घेरे ॥ सरवे मुनी सहीत महाराज ॥ पधराव्या सम्मारि
समाज ॥ ४९ ॥ दिपमसालुं मेलां बुवासी ॥ बउ काचहांडी यु प्रकासी ॥ मध्ये टोली पाकंद रहासी ॥ तेपर प
धराव्या वनमाली ॥ ५० ॥ पछे पुजीया हिंनद पाल ॥ तार पछी पुजी पाम राल ॥ पछे थ्या या उतर अवसंन ॥ क
स्यां संते पछे किरतंन ॥ ५१ ॥ कणि राजी थयी भास उजंन ॥ पछे यांथी चाल्या भगवांन ॥ आवि ऊतारे रजनी
रिया ॥ जमी सवारे साथ धा पीया ॥ ५२ ॥ आव्या वलावा वास उमली ॥ बउ गाजते वाजते वली ॥ धीरे धिरे
देता दरसंन ॥ आव्या पुर द्वार भगवंन ॥ ५३ ॥ बेठा बाग रक्त मांचे घडि ॥ आपी अरदेसरने पाघडि ॥ पछे
तरतथी या अवसवार ॥ आव्या गांम कोसाल मोझार ॥ ५४ ॥ रस्राम वेठा रथे राज ॥ त्यां तेडवा सारु मा
हाराज ॥ आपे सारथी पर्ह जांण ॥ कर्युं अकलेसरे मे जांण ॥ ५५ ॥ त्यां थी नृबदा उतरिया नाथ
पछे वेरी थी मुनी नो साथ ॥ पोते आवीया केलोद गांम ॥ रस्राम संचाजी पा ग्रांम ॥ ५६ ॥ आव्या त्यां मो
द मांदपा करी ॥ जम्या सरवा सहीत श्रीहरि ॥ पछे तर्तकरी छे तीया थि ॥ चाल्या जन तण हीत कारि ॥ ५
७ ॥ आव्या कारेली गांमे कृपालुं ॥ मर संर्गे उतरया द पालुं ॥ पछे रिया बदलपुरे रात ॥ त्यां थी पधारि ॥२१५॥

या परभात ॥ ५८ ॥ आव्या आणंदे भास नां जंन ॥ तेने दइ चाल्या दरसंन ॥ त्यां थी आव्या गुंडेले गोपा
ल ॥ कर्युं त्यां आपे तां साकर साल ॥ ५९ ॥ जमी जमाडि या नीज जंन ॥ पछे त्यां थी चाल्या भगवंन ॥ आवि
रा सधो उत्तेश मां रिया ॥ त्यां थी कारियांणि ये आवीया ॥ ६० ॥ एम करी बउ नां कल्यांण ॥ आव्या गढडे सं
मस्तु जांण ॥ सारा वरस मांस रवराली ॥ मागसर सुदी एकादसी ॥ ६१ ॥ ते दिन आवीया सुरतसजई ॥ जन
बोने अभेदां नंदइ ॥ कर्यो दिगविजे जग मांइ ॥ खोटा गुरु रिया खताखाइ ॥ ६२ ॥ इति श्री मदेकांती कथ
म प्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये दिगविजे करत
नीली लाकरी एनामे पंचासमुं प्रकर्णम् ॥ ६५ ॥ पूर्वछायो ॥ उछव नीस अनी घुरणा ॥ यावे अंकुनी स
आनंद ॥ ताप त्रय ती हां नहीं ॥ जीयां स्वामी राजे सुख कंद ॥ १ ॥ सुंदर रुतु सो या मणि ॥ वली वर
ति मोघ संत ॥ अती राजी अलबेलडो ॥ दिये दासने सुख अनंत ॥ २ ॥ वासी वाला कदे ग्रांनां ॥ ज
नन निरमल जेह ॥ दया करी तेने दरसनन नी ॥ जोइ सन संगी नो सनेह ॥ ३ ॥ मसल इ जन जांन तुं ॥ बा
जीया त्यां मस्कु जांण ॥ पुरण ब्रह्म पधारिया ॥ करवा कोटिनां कल्यांण ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ सोहा जां
नमां संदरसो ॥ करवा अनेक जंन ना काम ॥ पोरएक मां परियांण किधुं ॥ गांमसंग ढुंज माडि जीधुं

॥भक्त० ५॥ पछे चोपे स्कंध जा विजांन ॥ चाल्या मेला पोते भगवांन ॥ किधुं मालपरामां मुकांम ॥ सांथी पोता पी प० ८६॥
॥२१६॥ ववटि गांम ॥ ६ ॥ आव्या सक्कं गीस वेसामे पे ॥ अती हेत मा ये नरहे ये ॥ वालजी वन ने नव रुवली ॥ आव्या
सांमा वालाने सो भली ॥ ७ ॥ गातेवाने पधराव्या घेर ॥ करी सेवा सारी रुडि पेर ॥ फूंदर सारि करावि र
सोई ॥ जम्या नाथ भावते ने जोइ ॥ ८ ॥ पछे जमाड्यां जन नो साथ ॥ उभा हरि आगे जोडि हाथ ॥ कहे ध
न धन दिन द पाउ ॥ भली लिधी अमारि संभाल ॥ ९ ॥ करी मोटि अम पर महेर ॥ प्रभु प्रेमे पधारिया पे
र ॥ तमे वरद पाम्यु वडनामी ॥ छो पतीतना पावन स्वांमी ॥ १० ॥ एवां सुणि दासनां वचन ॥ बोल्या
प्रभु परम प्रसन्न ॥ नांतु आंरे आव्या अनुप्रिया णा ॥ आव्याजो रने तमारि तांणा ॥ ११ ॥ रामकुं हेतनां
वचन ॥ बुङ्गराजी करयांजी जन जन ॥ पछे पोटी या प्राण आधार ॥ विती रात ने थयुं सवार ॥ १२ ॥ तारे
उठ्या आप अविनास ॥ थी या सार थी ग्रही करदास ॥ चाल्या वाटे आवे गांम घणां ॥ करे दर्शन जन
हरि तणां ॥ १३ ॥ एम देता दरसन दांन ॥ करे जन ने मगन भगवांन ॥ पछे पोता भटवडगांम ॥ रिया रा
सक रवेती पांसांम ॥ १४ ॥ करी विवाक्या अविनासी ॥ सांम स्फेंद र वरस क्षपरासी ॥ आवे आडांवा
दे जन बहु ॥ करे नाथनां दर्शन सहु ॥ १५ ॥ सांथी रियावा वे रामोरा स ॥ दरदर्शन चाल्या प्रनास ॥ ॥२१६॥

आव्या गोरडु के करी मेर ॥ भक्तचा डुमां तरा ने घेर ॥ १६ ॥ करी रसोई जमाड्या जन ॥ जम्या नाथ वे पोते भग
वन ॥ त्यांथी चाल्या चतुर सुजांण ॥ कस्यां पांव वडिये मेलांण ॥ १७ ॥ तीयां मुजो भगो वो ला मली ॥ ही
रो हरजी भाथो रुडो वली ॥ कहे रे आं इंदन दो चार ॥ करे दरसन सौ नर नार ॥ १८ ॥ बुड दाडे पधार्या छो
तमे ॥ नई जावा दे ये हरि अमे ॥ एवि सांभली जननी वांणा ॥ परण मांनु चाल्या सुजांण ॥ १९ ॥ चाल्या
रामतणा धारेजांम ॥ पाछा आव्या मालपरे गांम ॥ तीयां रुडां कराव्यां भोजन ॥ आपे जमी जमाड्या
जन ॥ २० ॥ पछे आव्या गढपुर गांम ॥ करी अनेक जनना कांम ॥ जेजे जन ने जो पाछे जीवन ॥ ते नें जाये
जेम ने भोवंन ॥ २१ ॥ दइ अनेक नेअभेदांन ॥ पाछा पधारिया भगवांन ॥ जेजे कृतव्य छे हरितणुं ॥ ते
मां जाणो कल्याण आपणुं ॥ २२ ॥ एम करतां विसाकांइ दन ॥ चाल्या गुजरा मे भगवन ॥ चाल्या गढ
डे थी गीरधारि ॥ आव्या सारंगपुर सुखकारि ॥ २३ ॥ सुंदरि यांणे सीरामणि कृवि ॥ रिया रात वाग
ड मां हरि ॥ कंथारिये करि भोजन ॥ रिया सीयांणि मां भगवन ॥ २४ ॥ सांथी तावि आवी हरि रिया
पछे करि देवली पेदिया ॥ ती यां आव्या दरसने दास ॥ नयणे नीरखवा अविनास ॥ २५ ॥ तेने दर
सन दइ दयाल ॥ सांथी चाल्या पछे ततकाल ॥ आव्या दडुके दे वाधी देव ॥ करी हरि जनेबहु सेव ॥ २६

॥भक्त० पछेसांथीआव्यामछीपावे॥तीयांतेडामुंनीभरिभावे॥हरिजंनेजमाड्याजीवंन॥पछेजम्यासरवा प्र० ७६॥
॥२९७ मुंनीजंन॥३७॥रहरासचाल्याभगवांन॥देताहासनेदर्शनदांन॥आव्याउत्तर्पर्मांएकतळाव॥ति
याजम्यामनोहरभाव॥३८॥पछेअमदावादमांआव्या॥घणुंजननतणांमनभाव्या॥फुलडोलनाउ
छवमाये॥आव्यामुनीनेमहाराजसाथे॥३९॥हेतेथीतेजमाडियाजंने॥साकपाकसुंदरभोजंने
पछेआव्याफुलतासनीदंन॥रम्यासरवासंगेभगवंन॥४०॥सारासुंदररंगमगाव्या॥घणामाटघ
डाभरीलाव्या॥तेतोहरिएपेलदसीधाहाथे॥ढोळ्यासर्वेमुनीजनमाथे॥४१॥पछेउपरनाख्योगुला
ल॥तेणेसरवाथयारंगेलाल॥थयसोभेछेसंतमंडली॥नाखेरंगभीनोरंगवली॥४२॥खुबखांती
लेमचाव्योखेल॥वालीरसीयेरंगनीरेल॥पछेअसवेलोअश्वदलदला॥सर्वेमुंनीनेमहाराजमम्या
॥४३॥करीउछवसोमसधाव्या॥अविनासीअमदावादीआव्या॥तीयांभक्तवसेवेलिभाई॥जम्यानंपं
मतीयांसुखपदाई॥४४॥पछेजमाडियामुनीजंन॥सर्वेलोकेकर्यादरसंन॥पछेत्यांथीचाल्याभगवांन
आव्याजेतलपुरेजीवंन॥४५॥सांथीचालीपालाडिवोबाव॥आव्यावालमजीवरलाल॥तीयांहा
सनेदरसंनदिधा॥बउजंनकृतारथकिधां॥४६॥देशदेशनांआव्यातासंघ॥हरीभक्तअंतरेअनंघ ॥२९७॥

तेनेदरसंनदरश्याल॥लीधीसरवेजंननीसंभाल॥४७॥सर्वेसांभुजोयुंअमीनेलोचे॥वलीबोलावीपासीवे
वेलो॥सउजंनतेमगनथीयां॥विषोगदुखविसरिगीया॥४८॥पछेहरीनेपुजीयाहेतें॥वलीजमाड्यापु
रणवित्ते॥नियतन्नयणोनिरखिनाथ॥मुखजोइसुखलीयेसाथ॥४९॥कोयेचंदनचरचेघसी॥को
येहाररपेरावेछेहसी॥कोयेअत्तरचरचेआवी॥लागेपायअंबरपेरावी॥५०॥कोयअरपेआभुख
णअंगे॥कोयकरेआरतीउमंगे॥कोयछापेछेछातीयेपाव॥कोयेभेटेभरिजंनभाव॥५१॥एमपुरे
मनोरथमनना॥चालेखेंगतेदीपलादंनना॥करतांप्रभुजीनेपरसंन॥आवीयोरांमनोमीनोदंन
॥५२॥दियांखुरतनरनारिजंन॥जोएप्रभुजनमनोदंन॥दत्रामीदंनेमुंरसजोश॥दिधीसीतारामजी
नेजनोई॥५३॥तीयांजमाडियाविप्रजंन॥आप्यांसुंदरसारांभोजंन॥वेदविधीयेकर्युंएकाम॥
धर्मरक्षकसुंदरस्याम॥५४॥करीअलवेलोएटलुंकाज॥आव्यागढडेश्रीमहाराज॥कर्योसउक
थ्यासुखरासी॥करीलीलातेकरप्रकासी॥५५॥इतिश्रीमदेकांतीकधर्मप्रवर्तकश्रीसदानंदस्वामी
शिष्यनीफुलानंदमुनीविरचितेभक्तचिंतामणिमध्येअमदावादेउछवकर्योएनामेछनुंमुप्रकर्णम॥
७६॥पुर्वछायो॥लखुंलीलावलीलालनी॥जेवालेकरीवरनाथ॥केतोचरित्रनाथनां॥मारेअंतरे

आवेवाला॥१॥वालोकहेपंचपंचनी॥मलीमंडलीचालोमगल॥वाटेजंननेजालवजो॥दयारखिदले
दयाल॥२॥करकवारआमेकर्युं॥तमेंसांभलुंसोवार॥कांमपडेतेवातनो॥नथीरेतोविचार॥३॥एम
करनेचालीया॥रियारामतेगोफगांम॥त्यांथीचालाचौपसके॥कह्योचुरतालेविच्रारांम॥४॥चोपाई
॥आवावरतालेविघ्नआधार॥करवालाडिलोजीलाअपार॥सर्वेसंतनेकयुंवचंन॥तमेआवजो
उछवदेन॥५॥एमकरतांउछववआव्यो॥सर्वेसंततणोमनभाव्यो॥कहेमहाराजतेडावोमुनी॥हवे
छुटीछेसंतसकुनी॥६॥आव्यासंतसर्वेसांभली॥हतीगांमोगांमजेमंडली॥आवीलागाप्रभुजीनेपावे
नाथनिर्खिहरखनमाये॥७॥कहेनाथआव्याभलेसंत॥करोउतारारजोएकंत॥पछेबोसंतउतरयावाय॥
कैकउतरयामंदिरमोझार॥८॥करेदरसंनप्रसंननाथ॥लियेसुखसउजंनसाथ॥पायमासुकमोदक
सारा॥जमेजंनप्रभुपीरसनारा॥९॥करेमनुवारसुंमोदकजई॥संतसांनकरेमुनुरई॥पछेबोल्यारराजत्र
धीराज॥एमथुम्नरेवुंमहाराज॥१०॥जेजेजोयेंतेमागीनेलेवुं॥पणमांनकरीनेनकेवुं॥एविसांभलीवा
लानीवात॥सर्वेसंतथीयाहेलीयात॥११॥एमजमाडिजनपंगती॥करयामुनीनेमगनअती॥पछिसांज
पुरिदिपमाल॥वेगाउंचेआसंनेदयाल॥१२॥आमांवुरानपुरमांजंन॥करवाकृपालुनांदर्शन॥लाच्या

करकंवीरेटेगरुपालो॥छेडाकोरेसोनेरिसोभालो॥१३॥तेवंथायोमहाराजनेमाथे॥करयांदरसंनबौ
जनसाथे॥वडवपोरियालीपांवले॥जोएंगुंध्वेतछिपफलमले॥१४॥तीयांवेगवालोवनमाली॥अती
सोभेछेसभारुपाली॥पायेउतरप्रसंनअती॥सुखआपेसुखमयमुर्ति॥१५॥पछेपधारयापोटवानाथ
ससाएकांतीकलरसाथ॥जारेजागीयाजगजीवंन॥दिधांदाससउनेदर्संन॥१६॥पछेवोलीयाप्रांणआ
धार॥पुरोअंनकोटसुंदरसार॥पछेजनेपुरयोअनकोट॥शाकपाकनीनराखिखोट॥१७॥करीआर
तीअनकोटतणी॥बनीसोभाजायेनहीभणि॥तीयांजमीयाजीवंनप्रांण॥पछेजमाडयासंतसुजांण
१८॥एमलीलाकरेअवीनास॥जोरसुखलीयेसउदास॥वसेवडोदरेएकजंन॥तेनुंनामछेजगजीवंन॥
१९॥तेणेप्रेमेकरयोपोसाग॥सारोसोनेरिबुटेसुवाग॥तेदिउतारेजमाआनाथ॥पछेपोसागपेरयोहाथ
२०॥पेरिपोसागप्रांणजीवंन॥दिधांसौजंननेदरसंन॥एमकरेनीतेलीलानवि॥केमकरसकेतेंनेकवी
२१॥यायउछवतेअउनेत्रा॥दियेदासनेसुखहमेत्रा॥पछेआव्योएकादशिदंन॥तेमप्रबोधनीतेपावंन
२२॥तेदिउछवकरयोआनंदे॥सुखलीधुंसउजंनवृंदे॥पछेरियादंनदोयेचार॥आप्यांसंतनेसुखअपार
२३॥असखेलोजीअदलदसा॥सर्वेमुनीनेनाथजीमल्या॥पीयोसुंदरसारोसमेयो॥तेतोसुंरखथीनजाये

॥भक्त० कैयो ॥२४॥ आपुं कखहरियेफुलसी ॥ कार्तिक सुदी केये एकादशि ॥ ते दिउछव करी दयाल ॥ पछे पधारा प०७१॥
॥२१९ देश पोताल ॥२५॥ आम्या गढडा मां ये गोविंद ॥ सुखदाई स्वामी सहजानंद ॥ थीपा थोडा घणा पछे दंन
कफुंह वे जे कलखुं जीवंन ॥२६॥ एक सो रठे देश मां जंन ॥ नोमहे मतसीघपावंन ॥ जेने थीत घणा प्रभु मांरे ॥ स्वा
मी विना वालुं न इकांर ॥२७॥ करितनधनकुरवांण ॥ पर रया प्रभु नां वेचांण ॥ भक्तअनी एकांती कअवल
भुले नही प्रभु जीने पल ॥२८॥ नीजये छ ये प्रभु पधरावि ॥ फुलासननी निलीला करावी ॥ अती हेते कराव्या समे
यो ॥ ते तो सुखेथी न जाये कैयो ॥२९॥ सर्वे रिते राजी करी राज ॥ करी लीधुं छे पोतानुं काज ॥ आरे सर्वे काज
सधार्युं ॥ तारे मन मां एम विचार्युं ॥३०॥ जे कारणे आ मनुष्य देह ॥ ते तो किधुं छे सरवे तेह ॥ हवे एक मने
अभीलास ॥ करे पुरी जाउ प्रभु पास ॥३१॥ पछे वास्या सांथी फोंणे मारे ॥ आव्या गढडे नाथ हता सांरे ॥
अती हरखे नीरख्या नाथ ॥ पछे वेगा पासे जोडी हाथ ॥३२॥ पछे हेते सुंदरिये बोलाव्या ॥ फोंण भारे भले
तमे आव्या ॥ तारे फोंणे भारे के महाराज ॥ आवो छउ मनोरथे आज ॥३३॥ पुरो करो मारो मनोरथ ॥
करवा प्रभु तमे छो समरथ ॥ कुंक्रं जीरणागढने मांइ ॥ करो मंदिर सुंदर सांइ ॥३४॥ तेमां सारि मुरती वे
सारो ॥ करो पुरो मनोरथ मारो ॥ विजी पण एटली छे आस ॥ प्रभु राखीये तमारे पास ॥३५॥ कहे नाथ अ ॥२१९॥

म्यो फोज एह ॥ यासे तमे धारियुं छे तेह ॥ एम वात करीने दयाल ॥ पछे जमाडे सुंदर थाल ॥३६॥ आपी फोंण
भारेने प्रसादि ॥ जेने इछे छे नवब्रह्मादि ॥ पछे फोंण भारे मेजा संत ॥ मुंक्या मंदीर करवा खुशीमंत ॥३७॥
तेह दिवसे धोलेरे थकी ॥ आव्या भक्त पुंजो आरनकी ॥ तेणे पण जोडी आवी हाथ ॥ मारि विनती सुणिये ना
थ ॥३८॥ एक धोलेरे मंदिर किजे ॥ सउ जनने आनंद दिजे ॥ एवुं सांभलीने बोल्या नाथ ॥ स्त्री मेलीये मुनी
तम साथ ॥३९॥ मेल्या वे त्रणे कांणे महाराज ॥ मंदिर थावा लाग्यां ततकाज ॥ तीयां संत जाये करवा वे ॥ नित
स्वरूप मंदिरनी लावे ॥४०॥ थोडा दाडा मां मंदिर थासे ॥ एवी वात करे प्रभु पासे ॥ एवुं सांभली उत्तम के छे
मारे पण एधार हे छे ॥४१॥ करो मंदिर जो एक आंग ॥ थाये राजी अमे वें न मांर ॥ तेने पण कर्युं एम साथे
ए तो करवुं छे अमारे हाथे ॥४२॥ एम करई मंदिर आदर्यां ॥ मास थोडाक मां पुरां कर्यां ॥ थीयुं धोलेरे मं
दिर पेलुं ॥ कामुं वाला आवी वेला वेला ॥४३॥ हुताशाल मजीवरताल ॥ आव्यां तेड वातीयां मराल ॥
कर्युं थयुं मंदिर समापती ॥ आवी पधरावियेमुरती ॥४४॥ एवुं सांभली चाली यासांम ॥ आवी रियागढ
यांरे गाम ॥ त्यां थी नाथ आव्या पीपली ॥ राजी थीया दादो भारे मली ॥४५॥ त्यां थी आव्या धोलेरे महाराज
मुर्तिस्थापन करवा काज ॥ सर्वे संघने साथे छे साथ ॥ एवि रिते पधारिया नाथ ॥४६॥ सारुं वरस सुंदर के

॥ भक्त० चि० ये ॥ वैराग्यकथु दितेरसलेये ॥ सारो सुंदर गाणुं मनरंजन ॥ तेदि पधराव्या मदनमोहन ॥ ४८ ॥ कह्यो सुंदर सारो पृ. ९८ ॥
॥ २२० ॥ समैयो ॥ तेतो न जाय मुखथी कैयो ॥ जन्मोत्सव जमाड्या तेह हरिजन ॥ बिजाने पण आपी मुंजवन ॥ ४९ ॥ करी उ
छवने नाथ चाल्या ॥ जइ गढडे दरसन आल्या ॥ पछे गोपाल ताग गढडी गांम ॥ भक्त आव्या वाचुं करवा कांम ॥ ५० ॥
॥ इति श्री मदेकांतिक धर्मप्रवर्तक श्री सहजानंद स्वामी शिष्य निष्कुलानंद मुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये
धोलेरे मदनमोहन पधराव्या ए नामे सत्ताणुंमुं प्रकरणम् ॥ ९७ ॥ पूर्वछायो ॥ तार पछि जे जे कर्युं ॥ कहुं
सांभळजो सहु संत ॥ थोडे घणे रे ने करी ॥ रुडी वरती कहुं वृतंत ॥ १ ॥ सुंदर पांणेसी गाममां ॥ सतसंगी
सेवक जांण ॥ भक्त विरक्त भक्त भला ॥ कहुं तेनां सुकुं वखांण ॥ २ ॥ चोपाइ ॥ धन्य भक्त भक्त थी उदा
सी ॥ जेरि सम उरमां अविनासी ॥ एवी सांची भगती सांभळी ॥ सर्वे सगां कुटंम उरमां वळी ॥ ३ ॥ कहे आ
परोणे वे छव जेन ॥ कुरी ये वधु कुलनुं भजन ॥ तेह माटे तेनु मस्कं दिवुं ॥ जेने वाध मंमोमन लेवुं ॥ ४ ॥ पछे
सतसंगी बोल्या छे तेये ॥ नवो धर्म ए ने केम कंये ॥ एतो धर्म छे जुनो अनादि ॥ सहु वरते छे ग्रास्त्र ज्ञाद
श ॥ आपणानुं तो न थाय वे कोएलुं ॥ तमे जांणो ने कुं पण जांणुं ॥ कोम क्रोध लोभ मोह वली ॥ तेणे सहु ने सु
क्याछे गली ॥ ६ ॥ मीन्ता मां जे कयान कं हार ॥ ते मां वरते एत तदा कार ॥ माटे एमां तेको ये न दिवुं ॥ तारे सतसं ॥ २२० ॥

गमां मन देवुं ॥ ७ ॥ एवुं सांभळी सगां कुटंम ॥ सर्वे मळीने लाधा छे संम ॥ एने आपणे नहि देवार ॥ आजथी
एकुरी नाख वार ॥ ८ ॥ तेने विती गयां बहु वरष ॥ तो ये मेल्यो न ग्रामरस ॥ गया स्कधां मे एह नो तात ॥ तारे
नतें उनो तरे नात ॥ ९ ॥ पछे आव्या छे हरिने पास ॥ सेववनो पुजो हरिदास ॥ आवी करी हरिने विनती ॥
प्रभु पधारिये पांण पती ॥ १० ॥ सर्वे संघ लेरं मुनी साथ ॥ सखा सैन पधारिये नाथ ॥ पछे संत संगे लेइ ग्रांम
हरि आव्या सुंदरि पांणेगांम ॥ ११ ॥ सर्वे ग्रेथो धांवासी छे संगे ॥ प्रभु पधार्या अती उमंगे ॥ गाते वाते तेडी
लोव्या घेरु ॥ करी सेवा सारि बहु पेरु ॥ १२ ॥ सुंदर भोजन विंजन करि ॥ अती हेते जमाड्या हरि ॥ पछे मो
तीयामो रकलश ॥ नाथे जन जमाडिया जश ॥ १३ ॥ बहु बहु करी मनुवार ॥ फरसा पंग समां पंडे वार ॥ एम
नि सज मारे छे नाथ ॥ जमे जन ते हरिने हाथ ॥ १४ ॥ बहु बहु उदिये दरसन ॥ अती अज बेलो छे प्रसन ॥ ब
उ प्रसन उतरथा ये ॥ संतर मे रास गीत गाये ॥ १५ ॥ पछे आवी वसंत पंचमी ॥ कृष्णदाय कसउ ने गमि
लाआ रंगस्रोरंग गुलाल ॥ लश्क्रा सली उडी या लाल ॥ १६ ॥ नाखे रंग रंगे सखा साथ ॥ अती आपे रंग गाता
छे नाथ ॥ पछे लइ गुलाल नी फोजी ॥ फेंके फांटु रमे हरि होली ॥ १७ ॥ रंगे रमी ने आव्या उतारे ॥ आप्यां
वस्त्र जेमने ते वारे ॥ आपे जमीने जन जमाड्या ॥ अती दासे ने हरख पमाड्या ॥ १८ ॥ एम उछव करी द याल

॥भक्त० आव्यामहाराजतेभेसकाल॥ रुडीरीतपधारियाग्रांम॥ आमानागरकेल्लेयेगाम॥१९॥ सांघीबोढा प्र०९८॥
॥२२१॥ दआव्यावडनोमी॥ जम्यासंतपोतेवृजीस्वांमी॥ पछेअमानागरदहेगोविंद॥ आपीसउजनने आनंद
२०॥ तारपछीथोडेघणेदंन॥ चाल्यागुजरदेशेजीवंन॥ करीमजलेमजलेमुंकाम॥ चाल्याकरखमांस्कं
दरश्यांम॥२१॥ आव्याश्रमदावादहयाल॥ सेगजनसमोहमराल॥ आव्यासत्संगीसकुंसामैयें
वनीसोभाजायेनहींकैये॥२२॥ बहुविधनावाजांसोवाजे॥ आव्यालोकदरसंनकाजे॥ आरंआव्य
मनेवर्णआर॥ आव्यांदरसनेनरनार॥२३॥ गातेवातेपधाराामहाराज॥ केंकजननोकरवाकाज
आवीउतरयामंदिरमांइ॥ नरनारीपणराजेसांई॥२४॥ सत्संगीसौख्यजोगीसंत॥ उतरयाभक्तनेभ
गवंत॥ करयांकंदरसारांभोजंन॥ जम्याजंननेभावेजीवंन॥२५॥ पछेपोढीयाजीवंनप्रांण॥ जाग्या
रुषेसवारेसुजांण॥ जाग्याप्रभुजीप्रातसकाले॥ करयोनित्तविधीसांदपाले॥२६॥ पछेचोतरेपा
टहवावि॥ तेउपरवेठाछेआवि॥ जोयुंअम्रुतदृष्टीयेआप॥ हरयांजंनतणातनताप॥२७॥ पछेजं
नप्रभुपुज्याकाज॥ लावीयावहुविधीसमाज॥ तेणेपुजीपाप्रांणआधार॥ कंठेआरोप्यासुंदर
हार॥२८॥ गेरीसुगंधेगुलाबफुल॥ तोरागजरातेनाअमुल॥ तेलैअर्प्याछेहरिनेअंगे॥ पछेपाये ॥२२१॥

लागांछेउमंगे॥२९॥ एमलीयेलाभवलीजंन॥ दियेदनसारांदरसंन॥ वलीआवेछेपुरनाजंन॥ क
रवाकृपानिधीनांदरसंन॥३०॥ कैकआवीनेपुछेछेप्रस॥ तेनोउतरआपेजीवंन॥ सुणीउतरमग
नथाये॥ पामीआस्चर्यनेघेरजाये॥३१॥ एमलीलाकरेअजवेजो॥ रंगरसीयोछेलछबीलो॥ पेरीच
लम्बनोपमसंगी॥ सीरपागवसंतीसोरंगी॥३२॥ एवांदरसंनदियेदयाल॥ निर्खिमगनजंनमरा
ल॥ एमकरतांसातदंनगीयां॥ आव्यांफुलतासनीदंनतीयां॥३३॥ पछेमगाव्यारंगसोरंगा॥ केइकु
सुबीरंगपतंगा॥ लाव्यासखाआप्योहरिहाथे॥ नाथेहोलीसउसरवामाथे॥३४॥ नाखीउपरसोरंग
गुलाल॥ तेणेसखासउथयालाल॥ जेमफुलैसुंकमलदलवली॥ तेमसोभेछेसंतमंडली॥३५॥ होउडो
कमलमध्यंदयाल॥ फरतीपांखडिसोभेमराल॥ एमखेलेसखासंगेनाथ॥ निरखीजंनथयाछेस
नाथ॥३६॥ वाजेवाजींत्रतीयांअपार॥ बोलेजमजयसौनरनार॥ पछेनावानेचालीयानाथ॥
सर्वेसखाजनलरसाथ॥३७॥ नाइमाराजमोटेरेगीया॥ दरदरसंनतरतआवीया॥ आवीबेठाछे
उचेआसंन॥ दियेसउजंननेदरसंन॥३८॥ एमकरतावितीछेरात॥ सखेपोढिजाग्यापरभात॥ कृ
रिदातणनायादयाल॥ जम्याजंनहेतेहरियाल॥३९॥ पछेजमाडियासंतसोर॥ हतीघेबरनितें

॥भक्त०॥ रसोई ॥ फल्या पंगत समां पंचवार ॥ वळ वळ करी मनुवार ॥४०॥ एम आनंदे उछव करी ॥ पछे सांथी पधारिया प्र० ८८॥
॥२२२॥ हरि ॥ आव्या असलाली ये महाराज ॥ संगे हरिजन मुनीराज ॥४१॥ कर्यो स्कंदरसारंभो जंन ॥ जम्या नाथ
जमाडिया जंन ॥ धमधम भक्त वेलि भार ॥ जेनी प्रीत अती प्रभु मांइ ॥४२॥ तेना मनोरथ पुरा करी ॥ पछे सां
थकी चाल्या पाछा श्रीहरि ॥ गाम जेतलपुर मां जंन ॥ भक्त आस जी आदे पावंन ॥४३॥ तेने घेर पधार्या गोविंद ॥ सं
गे सखा लई जन वृंद ॥ तीयां भक्ते करव्यां भोजंन ॥ जम्या नाथ साथ सखा जंन ॥४४॥ पछे साथे लै सर्वे स
माज ॥ आव्या मेमदावाद महाराज ॥ रस रासे आव्या वरताल ॥ करवा लीला अलोकिक लाल ॥४५॥ हती
उत्तम अत्र आडि पक्ष एक ॥ राख्या संत करी दया नेक ॥ नित्य दिये दरसंन दांन ॥ बहु भावे करी भगवांन ॥४६॥
पाये उतर प्रसंन अती ॥ रूप आपे रूप मम मुरति ॥ कहे जेने मसा भगवंन ॥ तेने कोये नथी पे विघंन ॥४७॥
जेम वेतु वळ धानुं करे ॥ तेनी चोट पाछी नथी फरे ॥ तेम प्रभुने मळता जंन ॥ रेवुं सदाये निसंक मंन ॥४८॥
एवी वातु करे बहु उत्कृ ॥ मुनि मगन थाये जन सकु ॥ पछे आव्यो उछवनो दंन ॥ आव्यां दरसने बहु जंन
॥४९॥ नोतम मनोमी एकादसि ॥ कर्यो उछव हेते फुलसी ॥ कर्या विप्र रूपे वेद उचार ॥ होम्यां कुंडे हवी सांन
सार ॥५०॥ वेदविधीये उछव करी ॥ आप्यां दांन पछे हर्ष भरि ॥ घोडी पलांण चर्मने आसी ॥ आपी पाडि ॥२२२॥

सही तम हिसी ॥५१॥ धेनु सवछि अोदादि फुल ॥ आप्यां वस्त्र कस्कंबी अमुल ॥ सोनादोरे नेमोस रुपेया
लई द्विजराजी बहु थिया ॥५२॥ एम उछव आनंदे करि ॥ पछे साथकी पधार्या हरि ॥ आव्या पंचाळ देत्रा
मानाथ ॥ सर्वे लख्नी जन साथ ॥५३॥ आवि तित्र ब्रह्मानंद ने माग्य ॥ ते उपाधीनो कराव्यो साग ॥ निरवं
धतुं वेधन कापी ॥ नीज समीपनी सेवा आपी ॥५४॥ कर्या कृखीते कृतने रासी ॥ चैत्र स्कंदी संकदर रा
कादसि ॥ ते दि उछव कर्यो अवीनासि ॥ करी लीला ते कर प्रकासि ॥५५॥ इति श्रीमदेकांतिकधर्मप्रवर्त
क श्री सहजानंदस्वामी शिष्य निष्कुलानंदमुनि विरचिते भक्तचिंतामणि मध्ये हरिचरित्र फुलडोल उछव ना
नामे अठ्यासीमुं प्रकरणम् ॥८८॥ पुर्वछायो ॥ तार पछे जेजे थयुं ॥ कहुं सांभळजो सौ हे मंन ॥ अक्रुर गाजे
रंगजक्त मां ॥ मळी पीडिया हरिजंन ॥१॥ पापी मळी परियालिया ॥ हरिजंन हणवा हेत ॥ तेनी साथ्य क
रि हरि ॥ खरिरि [illegible] तस्कंर एण खेत ॥२॥ दुसरण मांदळीया ॥ अक्रुर पती अतिजेह ॥ वार आगळ बसे पु
रा ॥ तरत भागा तेह ॥३॥ ओमी नो भार उतारियो ॥ आवरण श्रुदिद त्रामी दने ॥ ते दी अक्रुर मारिया ॥
हरि साथ थी हरिजंने ॥४॥ चोपाइ ॥ पछे आव्यो अत्र समीनो दंन ॥ ते दा उछव पर मुनीजंन ॥ आव्या
सते संगी सर्वे मळी ॥ अष्टमी नो समैयो सांभळी ॥५॥ आवी जागा प्रभुजी ने पाय ॥ नि र्दिनाथ त्र पत

॥भक्त०॥ नथाय ॥ वालेवो लाख्यामीठडे वेणे ॥ वली जो थुं छे अमृत नेणे ॥ ६ ॥ तेणे कहि हस्या जेनताप ॥ कस्यासुं प्र० ५५॥
॥२२२ ली अलदे लेआप ॥ पछे अ समी उछव किधो ॥ सउ जंन ने आनंद दिधो ॥ ७ ॥ पछे पधारिया वरताल्य
करवाली लाजे किकलाल ॥ कणि आव्यां सत संगी सउ ॥ तेह विना बिजां लोक बउ ॥ ८ ॥ आवी
लागे प्रभुजीने पाये ॥ करि दरसंन प्रसंन थाये ॥ निसनि विकरे वालो वात ॥ कणी सउ थाये रली या
त ॥ ९ ॥ वली लक्ष्मीनारायण जेह ॥ वासुदेव ने श्रीकृष्ण तेह ॥ तेनी मुरतीने निसनित्य ॥ दिये प्रदक्ष
णा करी प्रीत ॥ १० ॥ दिपे पकुमा तेदेपे सत ॥ पछे करे पांचडंडवत ॥ एम करतां विता मास दोय ॥
आव्यो दिपउछव दनसोय ॥ ११ ॥ पुरि दिपमाला सोभे घणुं ॥ जोणुं मंदर बणुं मणितणुं ॥ जोई जंन
पयांछे थकी त ॥ लागे पाय करि वउ प्रीत ॥ १२ ॥ करे दरसंन नर ने नार ॥ मुखे बोले छे जय जय कार
वितो उछव वलते दने ॥ पुसो अन कोट बउ अंने ॥ १३ ॥ जम्याना थ जमाडिया जंन ॥ पोते पिरसुं पर
प्रसंन ॥ एम आपे छे सुख अपार ॥ निस वसे ते पोतणे आधार ॥ १४ ॥ एम करतां प्रबोधनी आवि
एकादसि जनमन भावि ॥ तेदि उछव कर्यो अनुप ॥ सर्वे संतने जे सुखरुप ॥ १५ ॥ पछे विसा थोडा
घणा दन ॥ कर्युं वडोदरे जावा मंन ॥ वडोदरे पधरावा काजे ॥ लख्या कागल ते बउ राजे ॥ १६ ॥ ॥२२३॥

कहे एक वार आवो अंहि ॥ वालावडोदरा सेर मांय ॥ मुने दरसंन दियो दयाल ॥ दिंन वंधु दिन प्रतीपा
ल ॥ १७ ॥ एक वार करुं दरसंन ॥ नथी बिजी इछा मारे मंन ॥ आवो आंहे लगी तमे नाथ ॥ नैतो आवीस
कुं जोडि हाथ ॥ १८ ॥ तारे मा राजे मुकी मुंकावि ॥ दे कुंदर संन तमने आवी ॥ पछे पधारया कुंदर सांम ॥
आवी उतर्या सांकडे गांम ॥ १९ ॥ करी रसोइ जमाडया नाथ ॥ जम्या सरवा हता जेह साथ ॥ जमी पोढीया
सांमस नेह ॥ वुठो भावठे आवी तां मेह ॥ २० ॥ पथुं सघार सधाया सांम ॥ आव्याछवी लोजी छां णिगांम
मुकुसी पेजी घेसांसामे मुं ॥ वनी सोभा जाय नहीं के मुं ॥ २१ ॥ आव्या पाम्य गा पालाअ पार ॥ सामास
णगा राग जखार ॥ तेउपर सुअंब्रे वारि जरिनी ॥ सर सोभा कउ कुंहरिनी ॥ २२ ॥ चित्र विचीत्र भात्य नेरं
गे ॥ सोभे हस्ती च संन सोरंगे ॥ वली उंट सणगारि सारं ॥ धर्यां ते पर समोटां नगारां ॥ २३ ॥ विजां
घाल्यां छे घोडे आनंक ॥ वनी जो यासरवी बानंक ॥ पडे नगारे धो धधी मे रि ॥ सोभे ने जानि साणने
फेरि ॥ २४ ॥ वाजे पडघम भेली चां सली ॥ भेर भुंगल ने चुरवली ॥ बोले सरणा इसुरे सारि ॥ वाजे वाजां
ते मंगल कारि ॥ २५ ॥ रथ वेल्य गाडि घणि मेना ॥ आव्या सामे ये समो हतेना ॥ वनी सोभा सामैया नी
बउ ॥ सुणि लोक आव्या सांमा सउ ॥ २६ ॥ आवी लागा प्रभुजीने पाये ॥ निरखे नाथ दरसंन मांये ॥ क

॥भक्त० हे सउजोडिएमहाथ॥ आवीबेसोअंबाडियेनाथ॥२७॥ दयाकरीदिधोदरसंन॥ करोप्रभुजीसेर प्र० ६५
॥२२५॥ पावंन॥ पछेकृपाकरिनेकृपालु॥ बेठाद्तीउपरदयालु॥२८॥ नारूपपथनोनाबेठासाथे॥ करेचम
रनाथनेमाथे॥ बनीसोनाञायेनरकर॥ जेजेशब्दरिमोतीयांथर॥२९॥ किधांदरसंनसउदासे॥
निर्खिपुरिकरिमनआसे॥ बेठाबिजेगजेसंतआर॥ संगेअजोधांवासीउदार॥३०॥ पछेधीरेधि
रेस्रुंचालता॥ आव्यानाथदर्सनआलता॥ झांझमृदंगलरमंदुली॥ गायेगवैयावधारवली॥३१॥
आव्यासेरमांश्रीमहाराज॥ बउजीवनोकरवाकाज॥ जुवेअमृतनजरेनाथ॥ वलीजोडेछेसउनेहाथ
३३॥ नरनारिजेसेरनाजंन॥ निरखीनाथनेथायपावंन॥ एकअथवीनेत्रणमाले॥ चडिलोकनाथने
निमाले॥३२॥ नरनारिकरिदरसंन॥ करेकरजोडिनेस्तवंन॥ निलीपिलीपेरिलालसाडि॥ सोभेफु
लीजेमफुलवाडि॥३४॥ एमबनीठजारनेसेरि॥ सोनीनजरनाथपरवेरि॥ जेमचित्रमांलख्योचितारे
निरखिमनुष्यमटकुंनमारे॥३५॥ जोइमोहननेमनमोयुं॥ नोतुंजोवुंतेरोपणजोयुं॥ एमसउनांलीधां
चितचोरि॥ करेकेमजेनेहाथदोरि॥३६॥ पछेआव्यापुरपतीपास॥ नीरखासीयेजीयेअवीनास॥
पछेपधराव्याहवेलीमांये॥ करीडंडव्रतलागोपाये॥३७॥ तारेहरिमसाग्रहीहाथे॥ करीमोटिमे ॥२२५॥

रहनेमाथे॥ पछेप्रीतेठाम्योपाटराजे॥ श्रीमहाराजनेबेसवाकाजे॥३८॥ तेउपरबेठाहरिआपे॥
बसोपापीयापोतानेपापे॥ करिप्रीतेस्रुंपुजाराजने॥ पुजीप्रभुपाम्योमोदमने॥३९॥ पछेउभोआगेजोडि
हाथ॥ कहेधनधनमाराजनाथ॥ आजपाम्योमुनेदरसंन॥ कोयकपुर्वजनमनेपुन॥४०॥ एमकहीलाग्यो
गोपायेवली॥ थीयाराजीतेनाथसांभली॥ पछेपधार्यासेरमोसोम॥ कर्युंअनेकजीवनोकांम॥४१॥
फरिदरसंननसउनेदिधां॥ बउजेनकृतारथकीधां॥ पछेपधार्यानाथजतारे॥ चाल्योमरपतीमोखे
तारे॥४२॥ काजुंतंबुकनातरावटि॥ करीउभीसोएकसांमटि॥ तीयांउतर्याहरीनदयाल॥ रायेजमवा
करावोथाल॥४३॥ पछेनीजसमंधीनाहाथे॥ कर्युंसुंदरभोजननाथे॥ पछेबेठासींघासनेगांम॥ आ
सुंदरसंनेसंगासुगांम॥४४॥ सोनारुपातणाकुलकर॥ आवीवधावेवाजानेकर॥ बउलावेछेफुलना
हार॥ लीयेप्रीतेस्रुंप्राणआधार॥४५॥ मीठामेवानेसुंदरफल॥ लावेदुधपेडाकरेदल॥ ठालेहाथेनाथ
पासेनावे॥ नालीकेलीवृक्षआदेलावे॥४६॥ मोटामोटाजेसेरमांहता॥ तेपणआव्याछेहाथजोडता॥
अतीसांमर्थीजोअपार॥ जोडिहाथनमेनरनार॥४७॥ एमनमावितसउनेसीस॥ उमाजीतकरीजग
दिस॥ आवीउतारेपोढीयानाथ॥ बउजीवकरीनेसनाथ॥४८॥ सर्वेसंतछेपोतानेसाथे॥ जम्याकरिर

॥भक्त०॥ सोर तेहा थे ॥ चुवोआतीतिथयं वरसान ॥ एम करतां थयुं परभात ॥ ४९ ॥ पछे जागी पाजीवन प्राण ॥ करवा वह पृ. ५५
॥२२५॥ जीवनाकसाण ॥ दिधां दरसन सउने त्यांमे ॥ निरख्यां नयणां भरि सउ गांमे ॥ ५० ॥ पाये उतर परसेन वउ ॥
जांणगेजी सस्वामीश्रीनी सउ ॥ एम सर्वेने पाछे रापाद्दि ॥ वात पोतानी सत्य देखाडि ॥ ५१ ॥ मन पंथतणुं मो
न्हरयुं ॥ सत्यवचन श्रीस्वामीनुं कह्युं ॥ जेकयुं तुं स्वामी रामानंदे ॥ रघुवीर जी मारे आनंदे ॥ ५२ ॥ भेषपपसो
सउ खुदुताले ॥ कह्युं वचन सरसण हृयाले ॥ एम विती गया दिंन त्रण ॥ पछे पधारया ससलां सरण ॥ ५३ ॥ जे
विरिसनुं सामैयुं लाव्या ॥ तेथी विशेषे वलाववा आव्या ॥ वली पधरावा राये घेर ॥ करी प्रीते कं पुजा वह पे
र ॥ ५४ ॥ मारो पासा गसीर पेच जेह ॥ आप्यो नरेशे नाथने तेह ॥ वली कहे छे वारमवार ॥ वेला आवजो प्रो
णआधार ॥ ५५ ॥ ज्यारे तेडावुं विनती करी ॥ तारे पधारजो वेला हरि ॥ तारे नाथ के तेड सोत मे ॥ ज्यांरो जरूर
आवसुं अमे ॥ ५६ ॥ एम कहिने उठ्या दयाल ॥ तारे आवे सं भेदो भोपाल ॥ पछे सीष मागी चाला त्यांम ॥ वे
ये ग्रअंकवाडि सुखधांम ॥ ५७ ॥ देता सउने दरशन दांन ॥ आव्या सेरवाले भगवांन ॥ गजबाजवाजीं त्रअपार
आव्या वजावा नरनार ॥ ५८ ॥ तेदसरने सीष जद दिधी ॥ एवी लीला वडोदरे किधी ॥ पछे घोडे थी याअसवा
र ॥ आव्या साकरी गांम मोझार ॥ ५९ ॥ सांथी आव्या वरताल वालो ॥ करी लीला अजो कि कलालि ॥ डोदमा ॥२२५॥
व

सउगीती पांरिया ॥ निजसमे धीगदडे गिया ॥ ६० ॥ पछे शिक्षापत्री लखी मारि ॥ आपी सउं जेगीने सुखकारि
सोथी पधारया कंदर गांम ॥ शेणासागर गढडे गांम ॥ ६१ ॥ कह्यो तो उछव एजीवंने ॥ कारतक वदित्रीजनें दंने ॥
करिखुडो दरे जाझे लीला ॥ हता संत सतसंगी भेला ॥ ६२ ॥ इति श्रीमदेकांतीक धर्म प्रवर्तक श्रीसहजानंदस्वा
मिशिष्य नीकुलानंद मुनिविरचिते भक्तचिंतामणिमध्ये वडोदरानी लीलाकह्या ए नांमे नवाणुंमुं प्रकर्णम् ॥
९९ ॥ पुर्वछायो ॥ सर्वे जनमली सांभलो ॥ कहुं तार पछीनी वात ॥ प्रभु पधारया गढडे ॥ एम लीला करी गुजरात
१ ॥ घनसोम गढडे आवीया ॥ सरवे संतने लइ साथ ॥ जनमली वली पायलागी ॥ सोंपी पांसनाथ ॥ २ ॥ निर्खि
हरखि हाथ जोडि ॥ ज्यारे वेंकं जनमली ॥ तारे सनेहे सांभले वाले ॥ पास पेदों आव्यां वली ॥ ३ ॥ छो सउ जेन
सुखीयां ॥ एम कहे ते कं कयुं हरि ॥ तारे जंन के सुखी पांछेये ॥ तमारे दरसने करी ॥ ४ ॥ चोपाई ॥ एमके तां
सांभलतां वातेरे ॥ विते आनंदमां दंन रातेरे ॥ नित नवि नवि वातुं करे रे ॥ सुणि जन अंतरमां धरे रे ॥ ५
एम विती गीपाजण मास रे ॥ तारे एम बोल्या अविनाश रे ॥ हवे सउ जाउ घेर ताजरे ॥ वाट जोतां हसे मरा
तरे ॥ ६ ॥ एम कह्युं करी सावधार रे ॥ वाल्मा संगे सउ वारे आर रे ॥ आव्या कारियांणि जीवंन रे ॥ निरखि जन थी
यां छे मगंन रे ॥ ७ ॥ पछे हाथ जोडि बे दासरे ॥ तारे बोली पाछे अविनास रे ॥ कउ सावधा थाजो सर्व रे ॥ जा

 रूपे वरताल करवा उछवरे ॥८॥ बोल्या वसतो राघव मांहे रे ॥ प्रभु करो ने उछव आंहि रे ॥ एम कहने राख्या मा रा
 जरे ॥ कृतास नी ना उछव काजरे ॥९॥ जाङ्मा गुलाल ने रंग घणा रे ॥ रम्या नाथजी नरा खी मणा रे ॥ जोर रंग
ना भरिया नाथ रे ॥ सउ भेंन थया छे स नाथ रे ॥१०॥ एम करी उछव कारियांणि रे ॥ पछे वाजीया सारंगपाणि
रे ॥ आव्या वाल मा वरताल मांहे रे ॥ दिन पोर नो तो चढ्यो मांहे रे ॥११॥ आव्या संत वाजा ने सामा लीरे ॥ करवा द
र्शन आवी पामली रे ॥ आव्या से घूल रसल संगी रे ॥ बाल जोबन रहरु उमंगी रे ॥१२॥ लाव्या बीपे रख्यनी पुजा
विधी रे ॥ तेरा प्रभुजी नी पुजा किधी रे ॥ नाथ निर्विक्षक थी थीया सउ रे ॥ हरियं हेत देखा अंगुछे वउ रे ॥१३॥ पछे
नाथ कहे आंगिवार रे ॥ करिये मंडप नो परचार रे ॥ ता रे सर्वे कहे सारुं वउ रे ॥ अमे राजी छये संत सउ रे ॥
१४॥ पछे डावे इंद्र सउ साथ रे ॥ चाले पोते पण अे सा नाथ रे ॥ थाये आहो एम आउ ने जारे ॥ दिये दरसन ह
रिह मेडारे ॥१५॥ मले सारुं सउने दयालु रे ॥ देखि अंगकामे कचराल्यु रे ॥ एम पुरो कर्यो परचार रे ॥ पु
रि पुरणि कर्यो भंडार रे ॥१६॥ थीयां रामनवमी नो समे यो रे ॥ कर्यो उछव न जाये केयो रे ॥ पछे प्रभुजी गढ
डे आवि रे ॥ सरवे संत लीधा छे बोलावि रे ॥१७॥ किधो अप्रमी उछव भारि रे ॥ सौने रूप दीधा रूप कारि रे
करी दश रापधार्या नाथ रे ॥ तेर संत ने संघ साथ रे ॥१८॥ गीया करम डुंगा मे केडावरे ॥ करवा अन्नकोट

नो उछव रे ॥ कर्यो उछव जमा आसंत रे ॥ फेंस्या लाडु वे सारि पंगत रे ॥१९॥ सांथी अमदावाद पधार्या रे ॥ जन
ने मन मोद वधार्या रे ॥ आनंदस्वामी पे करावो तो माज रे ॥ प्रीते प्रभु ने पुजवा काज रे ॥२०॥ सारो करवाल
जामो जरि रे ॥ सीरबंधा विपाग सोने रि रे ॥ कंठे माला पे रावी सो भलीरे ॥ करी फूलदी पने आरती रे ॥२१॥ जा
गी पाये पछे हरि पुजावी रे ॥ नाथ हाथे संत ने अजावि रे ॥ एम करी उछव आनंद रे ॥ वासा प्रभु पोने सखा हे
दे रे ॥२२॥ आव्या अक्षरनाली भगवंत रे ॥ आपे जमी जमाडिया संत रे ॥ सांथी आव्या जेतलपुर नाथ रे ॥ रह्या
रात जन्मास उसाथ रे ॥२३॥ करी गाम डिमांये नो जंन रे ॥ आव्या मेमदावादे जीवन रे ॥ रंग रास वात करि
वाले रे ॥ सांथी आव्या पछे वरताल रे ॥२४॥ किधो प्रबोधनी नो समे यो रे ॥ थोपो उछव न जाय केयो रे ॥ पोते
रिया ती माहे चमास रे ॥ फोली मंगावि साधु ने पास रे ॥२५॥ पछे सांथ की गढडे आवी रे ॥ कर्या संत ने रा
जी जमावी रे ॥ तेने मुक्या जुनागढ मांहि रे ॥ पण पोते तो रिया छे मांहि रे ॥२६॥ रई थोडा घणा तीयां दंन रे ॥ कर्युं
वरताले जावानुं मन रे ॥ काशियांणि सो कदि धो देरे रे ॥ रियापी पछी ये गढ फेरे रे ॥२७॥ जमी कमी पाछे हृ
मडे रिया ॥ सांथी नाथ चलता जे आवीया रे ॥ रामनवमी नो उछव करी रे ॥ पाछा आवीया गढडे हरि रे ॥२८॥
पछे जे एम अलमी ये नाथ रे ॥ नाख्यो गढडे मंदीर पायो हाथे रे ॥ कंदर मंदीर मांदुं आदर्युं रे ॥ खोली खांत